अ. भा. सा. जैन संस्कृति-रक्षक संघ साहित्य रत्नमाला का ५६ वां रत्न

अंगपविट्ठ सुत्ताणि

पढमो सुयखंधो

आयारो, सूयगडो, ठाणं, समवाओ

सम्पादक·
रतनलाल डोशी
पारसमल चण्डालिया

प्रकाशक—

अखिल भारतीय साधुमार्गी
जैन संस्कृति-रक्षक
सैलाना [म. प्र.]

द्रव्य सहायक

श्रीमान् वल्लभचन्दजी सा. डागा
जोधपुर

मूल्य १४-००

प्राप्ति स्थान

अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संस्कृति-रक्षक संघ सैलाना
शाखा-१ " एदुन बिल्डिंग धोबीतलाव लेन, बम्बई २
२ " सराफा बाजार, जोधपुर (राज.)

प्रथमावृत्ति
२०००

विक्रम सम्वत् २०३६
वीर सम्वत् २५०५
जुलाई १९७९

मुद्रक—श्री जैन प्रिंटिंग प्रेस, सैलाना (म. प्र.)

संपादकीय

बात तो पहले भी उठी थी कि 'मूल आगमों का प्रकाशन संघ से किया जाय। सुत्तागमे का जो प्रकाशन हुआ है, वह सम्पादक की इच्छानुसार हुआ है और उसमें परिवर्त्तन भी बहुत हुआ है, फिर भी साधन के अभाव में उसका उपयोग हो ही रहा है। अपना संघ शुद्ध मूलपाठ वाले आगमों का प्रकाशन करे, तो दूषित आवृत्ति का उपयोग रुक जायगा।' दिनांक १०-१०-७७ को सैलाना में हुई कार्यकारिणी की सभा में सुश्रावक श्रीमान् सेठ किसनलालजी सा. मालू और श्रीमान् जशवंतलालभाई शाह बम्बई ने इस पर विशेष जोर दिया। पत्र द्वारा उदारमना श्रीमान् सेठ मिलापचंदजी सा. बोहरा मंड्या निवासी, श्रीमान् सेठ छगनलालजी सा. झाब निवासी आदि का भी आग्रह हो रहा था। सर्वसम्मति से सैलाना से ही प्रकाशन का निर्णय होगया और कार्य शीघ्र ही चालू करने का आग्रह भी हुआ।

हमारी शक्ति अल्प, साधन अल्प, बाधाएँ अधिक, यह सब जानते हुए भी अपनी रुचि का काम होने से स्वीकार कर लिया। वैसे मैं अनुवादित सूत्र प्रकाशित करना चाहता हूँ और जीवाजीवाभिगम तथा प्रज्ञापना सूत्र के प्रकाशन को प्राथमिकता देना चाहता हूँ। परन्तु इनका अनुवाद न होने के कारण विवश रहना पड़ा। वैसे मूलपाठ प्रकाशित करने में भी मेरी रुचि है ही। मेरे भी मूलपाठ की पुनः वाचना-कुछ विचार पूर्वक-हो जायगी, यह लाभ भी है ही।

टाइप और कागज प्राप्त करने में भी समय लगा। कागज की पसंदगी में ही लगभग दो महीने लग गये। काम प्रारम्भ किया, तो कम्पोजिटरों को नये टाइप और नये खाने होने के कारण सहज होने में कुछ दिन

लगे, फिर काम चल निकला। चालू काम में भी बाधाएँ तो आती ही रही। कम्पोजिटर और मशीनमेन में से किसी न किसी का अनुपस्थित रहना आदि बाधाएँ उत्पन्न होती रही और काम चलता रहा।

कम्पोज में हमें सुत्तागमे की प्रति ही काम में लेनी थी, किन्तु संशोधित रूप में। संशोधन की हुई प्रति प्राप्त करने में भी हमें बड़ी कठिनाई हुई, परन्तु तपस्वीराज मु. श्री लालचन्दजी म. सा. की कृपा से पंडित श्री पार्श्वमुनिजी म. सा. से संशोधित प्रति प्राप्त हो गई। उसी पर से हमने अपनी प्रति शुद्ध की और काम चालू किया। गेलीप्रूफ श्री पारसमलजी चंडालिया अन्यत्र प्रकाशित प्रतियों से मिलान कर के देखते। उसका संशोधन होने के पश्चात् मैं देखता। मैं किसी प्रति से नहीं मिलाता, परंतु वाचन करते हुए जहाँ शंका होती, वहाँ अन्य आवृत्ति की प्रति से मिला कर देखता और आवश्यक लगता वहाँ शाब्दिक परिवर्त्तन भी करता। इस प्रकार प्रारंभ के चार अंगसूत्रों का यह प्रथम विभाग सम्पन्न हुआ।

संघ के अन्य प्रकाशनों की तुलना में इस प्रकाशन का मूल्य अधिक ही है। इसके लिये खास नया टाइप मँगवाया गया और कागज की कमी और अत्यधिक महँगाई भारतभर में वढ़ कर सीमातीत हो गई। महँगा होते हुए भी प्राप्त होना कठिन होगया। किसी प्रकार बम्बई मे प्राप्त हुआ तो पेकिंग इतना खराब कि रीम के ऊपर नीचे के कितने ही कागज फट कर बेकार हो गये। खर्चा भी बहुत हुआ। इत्यादि कारणों से पुस्तक का मूल्य भी बढ़ गया है।

आशा है कि जिनवाणी के रसिक महानुभावों को यह आवृत्ति उपयोगी लगेगी।

इस समय दूसरे विभाग का भगवती सूत्र शतक ११ छप रहा है। हमारा प्रयास है कि वह भी पाठकों की सेवा में शीघ्र पहुँचावें।

सैलाना
श्रावण कृ. ३
१२-७-१९७९

—रतनलाल डोशी

शुद्धि-पत्र

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२	३	विरूवरूवेंहि	विरूवरूवेंहि सत्येंहि
२०	११	पव्वं	पुव्वं
२३	१६	सइं	सुइं
३८	११	पट्टगंसि	पट्टणंसि
३८	१६	दिज्जाणं	दिज्जमाणं
३६	१२	तत्थे० सामुदाणियं	तत्थे० फुलेंहि सामु०
४१	१४	सक्कुलिं वा, पूयं वा	सक्कुलिं वा, फाणियं वा, पूयं वा
५२	१३	वसमाणे	वसमाणे वा
५८	६	उवरए	उवचरए
६०	२२	परिभुत्तव्वा	परिभुत्तपुव्वा
६४	२४	अच्छे	उंच्छे
६६	७	सिवा	सिया
६८	३	छायए	घायाए
७४	१६	तेमयावि	ते यावि
८२	८	महद्धणबंधाइं	महद्धणबंधणाइं
८३	२१	अवट्टु	अवहट्टु
११०	१८	करायं	कारयं
१३८	२३	पव्वईए	ते पव्वईए
१४०	२३	पुच्छए	तुच्छए
१४६	१३	णियहसत्तू	णिहयसत्तू

लगे, फिर काम चल निकला। चालू काम में भी बाधाएँ तो आती ही रहीं। कम्पोजिटर और मशीनमेन में से किसी न किसी का अनुपस्थित रहना आदि बाधाएँ उत्पन्न होती रहीं और काम चलता रहा।

कम्पोज में हमें सुत्तागमे की प्रति ही काम में लेनी थी, किन्तु संशोधित रूप में। संशोधन की हुई प्रति प्राप्त करने में भी हमें बड़ी कठिनाई हुई, परन्तु तपस्वीराज मु. श्री लालचन्दजी म. सा. की कृपा से पंडित श्री पार्श्वमुनिजी म. सा. से संशोधित प्रति प्राप्त हो गई। उसी पर से हमने अपनी प्रति शुद्ध की और काम चालू किया। गेलीप्रूफ श्री पारसमलजी चंडालिया अन्यत्र प्रकाशित प्रतियों से मिलान कर के देखते। उसका संशोधन होने के पश्चात् मैं देखता। मैं किसी प्रति से नहीं मिलाता, परंतु वाचन करते हुए जहाँ शंका होती, वहाँ अन्य आवृत्ति की प्रति से मिला कर देखता और आवश्यक लगता वहाँ शाब्दिक परिवर्तन भी करता। इस प्रकार प्रारंभ के चार अंगसूत्रों का यह प्रथम विभाग सम्पन्न हुआ।

संघ के अन्य प्रकाशनों की तुलना में इस प्रकाशन का मूल्य अधिक ही है। इसके लिये खास नया टाइप मँगवाया गया और कागज की कमी और अत्यधिक महँगाई भारतभर में बढ़ कर सीमातीत हो गई। महँगा होते हुए भी प्राप्त होना कठिन होगया। किसी प्रकार बम्बई से प्राप्त हुआ तो पेकिंग इतना खराब कि रीम के ऊपर नीचे के कितने ही कागज फट कर बेकार हो गये। खर्चा भी बहुत हुआ। इत्यादि कारणों से पुस्तक का मूल्य भी बढ़ गया है।

आशा है कि जिनवाणी के रसिक महानुभावों को यह आवृत्ति उपयोगी लगेगी।

इस समय दूसरे विभाग का भगवती सूत्र शतक ११ छप रहा है। हमारा प्रयास है कि वह भी पाठकों की सेवा में शीघ्र पहुँचावें।

सैलाना
श्रावण कृ. ३
१२-७-१९७६

—रतनलाल डोशी

अस्वाध्याय

निम्न लिखित चौंतीस कारण टालकर स्वाध्याय करना चाहिये।

आकाश सम्बन्धी १० अस्वाध्याय	कालमर्यादा
१ बड़ा तारा टूटे तो	एक प्रहर
२ उदय अस्त के समय लाल दिशा	जबतक रहे
३ अकाल में मेघगर्जना हो तो	दो प्रहर
४ " बिजली चमके तो	एक प्रहर
५ " बिजली के तो	दो प्रहर
६ शुक्ल पक्ष की १-२-३ की रात	प्रहर रात्रि तक
७ आकाश में यक्ष का चिन्ह हो	जबतक दिखाई दे
८-९ काली और सफेद धूंअर	जबतक रहे
१० आकाश मण्डल धूलि से आच्छादित हो	"

औदारिक सम्बन्धी १० अस्वाध्याय

११-१३ हड्डी, रक्त और मांस, ये तिर्यंच के ६० हाथ

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१५४	१०	वण्णेहिं	अण्णेहिं
१५५	अंतिम	वियंति	वेयंति
१५६	६	दण्डमादाणें अणट्ठदंड-वत्तिए	दण्डसमादाणें अणट्ठादंड-वत्तिए
१५६	२०	मेत्ता	भेत्ता
१५६	८	अण्णे णिहरावेइ	अण्णेण णिहरावेइ
१६०	७	पढमसए	पढमसमए
२५३	२५	दुसमसुसमाए	सुसमसुसमाए
२५८	६	रयणामाया	रयणामया
२५८	१३	गोथूमा	गोथूभा
२८८	१३	खित्तइत्तं	खित्तइत्तं दित्तइत्तं
३०६	१६	चरित्तविएण	चरित्तविणए
३४५	३	ण	णं
३४७	अंतिम	णेरइयाणं	०
३५८	२६	वलायमरणे	वलयमरणे

अस्वाध्याय

निम्न लिखित चौंतीस कारण टालकर स्वाध्याय करना चाहिये।

आकाश सम्बन्धी १० अस्वाध्याय	कालमर्यादा
१ बड़ा तारा टूटे तो	एक प्रहर
२ उदय अस्त के समय लाल दिशा	जबतक रहे
३ अकाल में मेघगर्जना हो तो	दो प्रहर
४ " बिजली चमके तो	एक प्रहर
५ " बिजली कड़के तो	दो प्रहर
६ शुक्ल पक्ष की १-२-३ की रात	प्रहर रात्रि तक
७ आकाश में यक्ष का चिन्ह हो	जबतक दिखाई दे
८-९ काली और सफेद धूंअर	जबतक रहे
१० आकाश मण्डल धूलि से आच्छादित हो	"

औदारिक सम्बन्धी १० अस्वाध्याय

११-१३ हड्डी, रक्त और मांस, ये तिर्यंच के ६० हाथ

के भीतर हो। मनुष्य के हो तो १०० हाथ के भीतर हो। मनुष्य की हड्डी यदि ी या धुली न हो तो १२ वर्ष तक।

१४ अशुचि की दुर्गन्ध आवे या दिखाई दे तबतक

१५ श्मशान भूमि— सौ हाथ से कम दूर हो तो

१६ चन्द्रग्रहण—खंड ग्रहण में ८ प्रहर, पूर्ण होतो १२ प्रहर

१७ सूर्य ग्रहण " १२ " १६ "

१८ राजा अवसान होने पर, जबतक नया राजा घोषित न हो

१९ युद्ध ान के नि तक युद्ध चले

२० उपाश्रय में पंचेंद्रिय का शव ा हो, जबतक पड़ा रहे

२१–२५ आषाढ़, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक और चैत्र की पूर्णिमा दिन रात

२६–३० इन पूर्ि ा के बाद की प्रतिपदा "

३१–३४ प्रातः, मध्यान्ह, संध्या और अर्द्ध रात्रि १-१ मुहूर्त

उपरोक्त अस्वाध्याय को टाल ध्याय करना चाहिए। खुले मुँह नहीं बोलना तथा दीपक के उजाले में नहीं वां चाहिए।

नोट— मेघ गर्जनादि में अकाल, आर्द्रा नक्षत्र से पूर्व और स्वांति के बाद का माना गया है।

अंग-पविट्ठ सुत्ताणि

आयारो

पढमं अज्झयणं

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ इह-मेगेसिं णो सण्णा भवइ, तंजहा पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि ? दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि ? अहो दिसाओ वा आगओ अहमंसि ? अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि ? एवमेगेसिं णो णायं भवइ, अत्थि मे आया उववाइए, णत्थि मे आया उववाइए के अहं आसि ? के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि ॥ २ ॥ से जं पुण जाणेज्जा सहसंमइयाए परवागरणेणं, अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा, तंजहा—पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, जाव अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि, एवमेगेसिं जं णायं भवइ, अत्थि मे आया उववाइए, जो इमाओ-दिसाओ अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ सोहं । से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई ॥ ३ ॥ अक-रिस्सं चऽहं कारवेसुं चऽहं करओ यावि समणुण्णे भविस्सामि; एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ४ ॥ अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ सहेइ, अणेगरूवाओ जोणिओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडि-संवेदेइ ॥ ५ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया ॥ ६ ॥ इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं ॥ ७ ॥ एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ८ ॥ जस्सेते लोगंसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे-त्ति बेमि ॥९॥ **पढमं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥**

अट्टे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए अस्सिं लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास, आतुरा परितावेंति ॥१०॥ संति पाणा पुढोसिया, लज्जमाणा पुढो पास ॥११॥ अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं पुढविकम्म-समारंभेणं पुढविसत्थं समारंभेमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥१२॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव पुढविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा पुढविसत्थं समारंभावेइ। अण्णेवा पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणइ। तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥१३॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए; इहमेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूव-रूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥१४॥ से बेमि—अप्पेगे अंधमब्भे, अप्पेगे अंधमच्छे; अप्पेगे पायमब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, अप्पेगे गुप्फमच्छे, अप्पेगे जंघमब्भे, अप्पेगे जंघमच्छे, अप्पेगे जाणुमब्भे, अप्पेगे जाणुमच्छे, अप्पेगे उरूमब्भे, अप्पेगे उरूमच्छे; अप्पेगे कडिमब्भे, अप्पेगे कडिमच्छे, अप्पेगे णाभिमब्भे, अप्पेगे णाभिमच्छे, अप्पेगे उयरमब्भे, अप्पेगे उयरमच्छे. अप्पेगे पासमब्भे, अप्पेगे पासमच्छे, अप्पेगे पिट्ठमब्भे, अप्पेगे पिट्ठमच्छे, अप्पेगे उरमब्भे, अप्पेगे उरमच्छे, अप्पेगे हिययमब्भे, अप्पेगे हिययमच्छे, अप्पेगे थणमब्भे, अप्पेगे थणमच्छे, अप्पेगे खंधमब्भे, अप्पेगे खंधमच्छे, अप्पेगे बाहुमब्भे, अप्पेगे बाहुमच्छे, अप्पेगे हत्थ-मब्भे, अप्पेगे हत्थमच्छे, अप्पेगे अंगुलिमब्भे, अप्पेगे अंगुलिमच्छे, अप्पेगे णह-मब्भे, अप्पेगे णहमच्छे, अप्पेगे गीवमब्भे, अप्पेगे गीवमच्छे, अप्पेगे हणुमब्भे, अप्पेगे हणुमच्छे, अप्पेगे होट्ठमब्भे. अप्पेगे होट्ठमच्छे, अप्पेगे दंतमब्भे. अप्पेगे दंतमच्छे, अप्पेगे जिब्भमब्भे, अप्पेगे जिब्भमच्छे, अप्पेगे तालुमब्भे, अप्पेगे तालुमच्छे, अप्पेगे गलमब्भे, अप्पेगे गलमच्छे, अप्पेगे गंडमब्भे, अप्पेगे गंड-मच्छे, अप्पेगे कण्णमब्भे, अप्पेगे कण्णमच्छे, अप्पेगे णासमब्भे, अप्पेगे णासमच्छे, अप्पेगे अच्छिमब्भे, अप्पेगे अच्छिमच्छे, अप्पेगे भमुहमब्भे, अप्पेगे भमुहमच्छे, अप्पेगे णिडालमब्भे, अप्पेगे णिडालमच्छे, अप्पेगे सीसमब्भे, अप्पेगे सीसमच्छे,

अप्पेगे संपमारए, अप्पेगे उद्दवए ॥ १५ ॥ इत्थं सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं पुढवि सत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं पुढविसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्स एए पुढविकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ १७ ॥ **पढमं अज्झयणं बीयो उद्देसो** ।

से बेमि, से जहावि अणगारे उज्जुकडे, णियायपडिवण्णे अमायं कुव्वमाणे वियाहिए, जाए सद्धाए णिक्खंतो, तमेवअणुपालिया वियहित्तु विसोत्तियं—॥१८॥ पणया वीरा महावीहिं, लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुओभयं ॥ १९ ॥ से बेमि—णेव सयं लोगं अब्भाइक्खिज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खिज्जा । जे लोयं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोयं अब्भाइक्खइ ॥२०॥ लज्जमाणा पुढो, पास अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥२१॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव उदयसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा उदयसत्थं समारंभावेइ, अन्ने उदयसत्थं समारंभंते समणुजाणइ तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥२२॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ, एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥२३॥ से बेमि—संति पाणा उदयनिस्सिया जीवा अणेगे, इह च खलु भो ! अणगाराणं उदयंजीवा वियाहिया । सत्थं चेत्थं अणुवीइ पासा । पुढो सत्थं पवेइयं ॥२४॥ अदुवा अदिण्णादाणं ॥२५॥ कप्पइ णे कप्पइ णे पाउं, अदुवा विभूसाए; पुढो सत्थेहिं विउट्टंति एत्थऽवि तेसिं णो णिकरणाए ॥२६॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं उदयसत्थं समारंभावेज्जा उदय-

अट्टे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए अस्सिं लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास, आतुरा परितावेंति ॥१०॥ संति पाणा पुढोसिया, लज्जमाणा पुढो पास ॥११॥ अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं पुढविकम्म-समारंभेणं पुढविसत्थं समारंभेमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥१२॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव पुढविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा पुढविसत्थं समारंभावेइ। अण्णेवा पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणइ। तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥१३॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए; इहमेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूव-रूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥१४॥ से बेमि—अप्पेगे अंधमब्भे, अप्पेगे अंधमच्छे; अप्पेगे पायमब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, अप्पेगे गुप्फमच्छे, अप्पेगे जंघमब्भे, अप्पेगे जंघमच्छे, अप्पेगे जाणुमब्भे, अप्पेगे जाणुमच्छे, अप्पेगे उरुमब्भे, अप्पेगे उरुमच्छे, अप्पेगे कडिमब्भे, अप्पेगे कडिमच्छे, अप्पेगे णाभिमब्भे, अप्पेगे णाभिमच्छे, अप्पेगे उयरमब्भे, अप्पेगे उयरमच्छे. अप्पेगे पासमब्भे, अप्पेगे पासमच्छे, अप्पेगे पिट्ठमब्भे, अप्पेगे पिट्ठमच्छे, अप्पेगे उरमब्भे, अप्पेगे उरमच्छे, अप्पेगे हिययमब्भे, अप्पेगे हिययमच्छे, अप्पेगे थणमब्भे, अप्पेगे थणमच्छे, अप्पेगे खंधमब्भे, अप्पेगे खंधमच्छे, अप्पेगे बाहुमब्भे, अप्पेगे बाहुमच्छे, अप्पेगे हत्थ-मब्भे, अप्पेगे हत्थमच्छे, अप्पेगे अंगुलिमब्भे, अप्पेगे अंगुलिमच्छे, अप्पेगे णह-मब्भे, अप्पेगे णहमच्छे, अप्पेगे गीवमब्भे, अप्पेगे गीवमच्छे, अप्पेगे हणुमब्भे, अप्पेगे हणुमच्छे, अप्पेगे होट्ठमब्भे. अप्पेगे होट्ठमच्छे, अप्पेगे दंतमब्भे. अप्पेगे दंतमच्छे, अप्पेगे जिब्भमब्भे, अप्पेगे जिब्भमच्छे, अप्पेगे तालुमब्भे, अप्पेगे तालुमच्छे, अप्पेगे गलमब्भे, अप्पेगे गलमच्छे, अप्पेगे गंडमब्भे, अप्पेगे गंड-मच्छे, अप्पेगे कण्णमब्भे, अप्पेगे कण्णमच्छे, अप्पेगे णासमब्भे, अप्पेगे णासमच्छे, अप्पेगे अच्छिमब्भे, अप्पेगे अच्छिमच्छे, अप्पेगे भमुहमब्भे, अप्पेगे भमुहमच्छे, अप्पेगे णिडालमब्भे, अप्पेगे णिडालमच्छे, अप्पेगे सीसमब्भे, अप्पेगे सीसमच्छे,

अप्पेगे संपमारए, अप्पेगे उद्दवए ॥ १५॥ इत्थं सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं पुढवि सत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं पुढविसत्थं समारंभावेज्जा; णेवण्णे पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्स एए पुढविकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ १७ ॥ **पढमं अज्झयणं बीयो उद्देसो।**

से बेमि, से जहावि अणगारे उज्जुकडे, णियायपडिवण्णे अमायं कुव्वमाणे वियाहिए, जाए सद्धाए णिक्खंतो, तमेवअणुपालिया वियहित्तु विसोत्तियं–॥१८॥ पणया वीरा महावीहिं, लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुओभयं ॥ १९ ॥ से बेमि–णेव सयं लोगं अब्भाइक्खिज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खिज्जा। जे लोयं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोयं अब्भाइक्खइ ॥२०॥ लज्जमाणा पुढो, पास अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥२१॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव उदयसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा उदयसत्थं समारंभावेइ, अन्ने उदयसत्थं समारंभंते समणुजाणइ तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥२२॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ, एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥२३॥ से बेमि–संति पाणा उदयनिस्सिया जीवा अणेगे, इह च खलु भो ! अणगाराणं उदयजीवा वियाहिया। सत्थं चेत्थं अणुवीइ पासा। पुढो सत्थं पवेइयं ॥२४॥ अदुवा अदिण्णादाणं ॥२५॥ कप्पइ णे कप्पइ णे पाउं, अदुवा विभूसाए; पुढो सत्थेहिं विउट्टंति एत्थऽवि तेसिं णो णिकरणाए ॥२६॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति। तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं उदयसत्थं समारंभावेज्जा उदय-

सत्थं समारंभतेऽवि अण्णे ण समणुजाणेज्जा, जस्सेते उदयसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥२७॥ **पढमं अज्झयणं तइओद्देसो ।**

से बेमि-णेव सयं लोयं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा, जे लोगं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोगं अब्भाइक्खइ ॥२८॥ जे दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे; जे असत्थस्स खेयण्णे, से दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे ॥२९॥ वीरेहिं एयं अभिभूय दिट्ठं, संजएहिं सया जत्तेहिं सया अप्पमत्तेहिं ॥३०॥ जे पमत्ते गुणट्ठिए से हु दंडे त्ति पवुच्चइ । तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासी पमाएणं ॥३१॥ लज्जमाणा पुढो पास-अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे, अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥३२॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणणपूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव अगणिसत्थं समारंभइ,अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारंभावेइ अण्णेवा अगणिसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ । तं से अहियाए तं से अबोहिए ॥३३॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा, खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥३४॥ से बेमि, संति पाणा, पुढविणिस्सिया, तणणिस्सिया, पत्तणिस्सिया, कट्ठणिस्सिया, गोमयणिस्सिया; कयवरणिस्सिया; सन्ति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति । अगणिं च खलु पुट्ठा, एगे संघायमावज्जंति, जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ॥३५॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥३६॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा, अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे न समणुजाणेज्जा । जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥३७॥ **चउत्थोद्देसो ।**

तं णो करिस्सामि समुट्ठाए मंत्ता मइमं, अभयं विइत्ता, तं जे णो करए, एसो-

वरए, एत्थोवरए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ॥ ३८ ॥ जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे ॥ ३९ ॥ उड्ढं-अहं-तिरियं-पाईणं पासमाणे रूवाइं पासइ, सुणमाणे सद्दाइं सुणइ, उड्ढं-अहं-तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छति, सद्देसु यावि एस लोगे वियाहिए। एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाए वंकसमायारे पमत्तेऽगार-मावसे ॥ ४० ॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वणस्सइसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ, तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥ ४२ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इह मेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४३ ॥ से बेमि—इमंपि जाइधम्मयं, एयंपि जाइधम्मयं, इमंपि वुड्ढिधम्मयं एयंपि वुड्ढिधम्मयं; इमंपि चित्तमंतयं एयंपि चित्तमंतयं; इमंपि छिण्णं मिलाति, एयंपि छिण्णं मिलाति; इमंपि आहारगं, एयंपि आहारगं; इमंपि अणिच्चयं, एयंपि अणिच्चयं; इमंपि असासयं, एयंपि असासयं; इमंपि चयावच्चइयं, एयंपि चयावच्चइयं; इमंपि विपरिणामधम्मयं, एयंपि विपरिणामधम्मयं ॥ ४४ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति। तं परि-ण्णाय मेहावी णेव सयं वणस्सइसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं वणस्सइसत्थं समारं-भावेज्जा, णेवण्णे वणस्सइसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते वणस्सइसत्थ-समारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ४५ ॥

पढमं अज्झयणं पंचमोद्देसो ॥

से बेमि, संतिमे तसा पाणा, तंजहा—अंडया, पोयया, जराउया, रसया, संसेयया, संमुच्छिमा, उब्भियया, उववाइया, एस संसारेत्ति पवुच्चइ, मंदस्साविजाणओ ॥ ४६ ॥ णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाणं, सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं,

सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असायं अपरिणिव्वाणं, महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥४७॥ तसंति पाणा पदिसोदिसासुय। तत्थ-तत्थ पुढो पास, आउरा परितावेंति संति पाणा पुढोसिया ॥४८॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥४९॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा तसकायसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ; तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥५०॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥५१॥ से बेमि—अप्पेगे अच्चाए वहंति, अप्पेगे अजिणाए वहंति अप्पेगे मंसाए वहंति, अप्पेगे सोणियाए वहंति, एवं हिययाए, पित्ताए वसाए-पिच्छाए-पुच्छाए-वालाए-सिंगाए-विसाणाए-दंताए-दाढाए-णहाए-ण्हारुणीए-अट्ठीए-अट्ठीमिंजाए-अट्ठाए-अणट्ठाए- अप्पेगे हिंसिंसु मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसंति मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसिस्संति मेत्ति वा वहंति ॥५२॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेइ आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेइ आरंभा परिण्णाया भवंति ॥५३॥ तं परिण्णाय मेहावी णेवसयं तसकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं तसकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे तसकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा; जस्सेए तसकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥५४॥ **इइ छठ्ठोद्देसो** ।

पहू एजस्स दुगंछणाए, आयंकदंसी अहियंति णच्चा। जे अज्झत्थं जाणइ, से बहिया जाणइ, जे बहिया जाणइ, से अज्झत्थं जाणइ। एयं तुलमण्णेसिं। इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ॥५५॥ लज्जमाणा पुढो पासं, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं, वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥५६॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए दुक्खपडिघायहेउं, से

सयमेव वाउसत्थं समारंभइ,अण्णेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेइ अण्णे वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणइ,-तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥ ५७ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५८ ॥ से बेमि, संति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति य फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति। जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति, ते तत्थ उद्दायंति ॥ ५९ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेए वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६१ ॥ एत्थं पि जाण उवाईयमाणा जे आयारे ण रमंति, आरंभमाणा विणयं वयंति, छंदोवणीया, अज्झोववण्णा, आरंभसत्ता पकरंति संगं ॥ ६२ ॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं णो अण्णेसिं॥६३॥तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेए छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६४ ॥ **सत्तमोद्देसो ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ लोगविजओ णामं बीयं अज्झयणं ॥

जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे, इइ से गुणट्ठी महया परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते, तंजहा—माया मे, पिया मे, भाया मे, भइणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धूया मे, सुण्हा मे, सहि-सयण-संगंथ-संथुया मे, विवित्तोवगरण-परिवट्टण-भोयण-च्छायणं मे, इच्चत्थं गढिए लोए वसे पमत्ते ॥६५॥ अहो य राओ य परितप्पमाणे, कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ॥६६॥ अप्पं च खलु आउयं इहमेगेसिं माणवाणं; तंजहा—सोयपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, चक्खुपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, घाणपरिण्णाणेहिं

परिहायमाणेहिं, रसणापरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, फासपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयइ ॥६७॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ, तेविणं एगया णियगा पुव्विं परिव्वयंति। सो वा ते णियगे पच्छा परिवएज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा। तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा, सरणाए वा। से ण हासाए, ण किड्डाए, ण रइए, ण विभूसाए ॥६८॥ इच्चेवं समुट्ठिए अहोविहाराए अंतरं च खलु इमं संपेहाए धीरो मुहुत्तमवि णो पमायए। वओ अच्चेइ जोव्वणं व ॥६९॥ जीविए इह जे पमत्ता। से हंता, छेत्ता, भेत्ता, लुंपित्ता, विलुंपित्ता, उद्दवित्ता, उत्तासइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे ॥७०॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं पोसेंति, सो वा ते णियगे पच्छा पोसिज्जा। णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा। तुमंपि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७१॥ उवाइयसेसेण वा संणिहिसंणिचओ किज्जइ, इहमेगेसिं असंजयाणं भोयणाए। तओ से एगया रोगसमुप्पया समुप्पज्जंति ॥७२॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरिज्जा। णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७३॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं, अणभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए खणं जाणाहि पंडिए ॥७४॥ जाव सोयपण्णाणा अपरिहीणा, णेत्तपण्णाणा अपरिहीणा, घाणपण्णाणा अपरिहीणा, जीहपण्णाणा अपरिहीणा, फरिसपण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेएहिं विरूवरूवेहिं पण्णाणेहिं अपरिहायमाणेहिं आयट्ठं सम्मं समणुवासिज्जासि त्ति बेमि ॥७५॥ **पढमो उद्देसो समत्तो** ॥

अरइं आउट्टे से मेहावी; खणंसि मुक्के ॥ ७६ ॥ अणाणाए पुट्ठा वि एगे णियट्टंति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ७७ ॥ "अपरिग्गहा भविस्सामो" समुट्ठाए लद्धे कामे अभिगाहइ, अणाणाए मुणिणो, पडिलेहंति, एत्थं मोहे पुणो-पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो पाराए ॥ ७८ ॥ विमुत्ता हु ते जणा, जे जणा पारगामिणो लोभं अलोभेण दुगंछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ, विणावि लोभं णिक्खम्म एस अकम्मे जाणइ पासइ। पडिलेहाए णावकंखइ, एस अणगारित्तिपवुच्चइ ॥ ७९ ॥ अहोयराओ परितप्पमाणे कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ, सत्थे पुणो-पुणो ॥ ८० ॥ से आयबले, से णाइबले, से सयणबले,

से मित्तबले, से पिच्चबले, से देवबले, से रायबले, से चोरबले, से अतिहिबले., से किविणबले, से समणबले, इच्चेएहिं विरूवरूवेहिं कज्जेहिं दंडसमायाणं संपेहाए भया कज्जइ। पावमुक्खुत्ति मण्णमाणे अदुवा आसंसाए ॥८१॥ तं परिण्णाय मेहावी, णेव सयं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभिज्जा, णेवण्णं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभाविज्जा, एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभंतंवि अण्णं ण समणुजाणिज्जा ॥८२॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेइए, जहेत्थ कुसले णोवलिंपिज्जासि त्ति बेमि ॥८३॥ **बीअं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

से असइं उच्चागोए, असइं णीयागोए। णो हीणे, णो अइरित्ते णोऽपीहए, इइ संखाए को गोयावाई ? को माणावाई ? कंसि वा एगे गिज्झे ?॥८४॥ तम्हा पंडिए णो हरिसे, णो कुप्पे, भूएहिं जाण पडिलेह सायं, समिए एयाणुपस्सी, तंजहा—अंधत्तं, बहिरत्तं, मूयत्तं, काणत्तं, कुंटत्तं, खुज्जत्तं, वडभत्तं, सामत्तं, सबलत्तं सहपमाएणं, अणेगरूवाओ जोणीओ, संधायइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥८५॥ से अबुज्झमाणे हओवहए जाइमरणमणुपरियट्टमाणे ॥८६॥ जीवियं पुढो पियं इहमेगेसिं माणवाणं खित्तवत्थुममायमाणाणं ॥८७॥ आरत्तं विरत्तं मणिकुंडलं, सह हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झ तत्थेव रत्ता ॥८८॥ "ण इत्थ तवो वा, दमो वा, णियमो वा, दिस्सइ," संपुण्णं बाले जीविउकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियासमुवेइ ॥८९॥ इणमेव णावकंखंति, जे जणा धुवचारिणो; जाइमरणं परिण्णाय, चरे संकमणे दढे ॥९०॥ णत्थि कालस्स णागमो ॥९१॥ सव्वे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खपडिकूला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकामा ॥९२॥ सव्वेसिं जीवियं पियं ॥९३॥ तं परिगिज्झ दुपयं चउप्पयं अभिजुंजिया णं, संसिंचियाणं, तिविहेण जा वि से तत्थ मत्ता भवइ—अप्पा वा बहुगा वा से तत्थ गढिए चिट्ठइ, भोयणाए ॥९४॥ तओ से एगया विविहं परिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवइ। तंपि से एगया दायाया वा विभयंति, अदत्तहारो वा से अवहरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥९५॥ इइ से परस्सअट्ठाए कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण संमूढे विप्परियासमुवेइ ॥९६॥ मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥९७॥ अणोहंतरा एए, णोय ओहं तरित्तए, अतीरंगमा एए, णोयतीरं गमित्तए। अपारंगमा एए णोय पारं गमित्तए

कम्मकरीणं, आएसाए, पुढो पहेणाए, सामासाए, पायरासाए, संणिहि-संणिचओ कज्जइ, इह मेगेसिं माणवाणं भोयणाए ॥१२२॥ समुट्ठिए अणगारे आरिए आरियपण्णे, आरियदंसी, अयंसंधित्ति, अदक्खु, से णाइए, णाइआवए, णाइयंते समणुजाणइ ॥१२३॥ सव्वामगंधं परिण्णाय णिरामगंधो परिव्वए ॥१२४॥ अदिस्समाणे कयविक्कएसु; से ण किणे, ण किणावए, किणंतं ण समणुजाणइ ॥१२५॥ से भिक्खु कालण्णे-बलण्णे-मायण्णे-खेयण्णे-खणयण्णे-विणयण्णे-ससमयण्णे-परसमयण्णे-भावण्णे-परिग्गहं अममायमाणे, कालाणुट्ठाई, अपडिण्णे दुहओ छेत्ता, णियाइ ॥१२६॥ वत्थं-पडिग्गहं-कंबलं-पायपुंछणं-उग्गहं च कडासणं, एएसु चेव जाणेज्जा ॥१२७॥ लद्धे आहारे, अणगारो मायं जाणेज्जा से जहेयं भगवया पवेइयं ॥१२८॥ लाभुत्ति ण मज्जिजा, अलाभुत्ति ण सोइज्जा, बहुंपि लद्धुं ण णिहे, परिग्गहाओ अप्पाणं अवसंक्किज्जा, अण्णहा णं पासए परिहरिज्जा ॥१२९॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेइए, जहित्थ कुसले णोवलिंपिज्जासित्ति बेमि ॥१३०॥ कामा दुरइक्कमा, जीवियं दुप्पडिवूहणं; कामकामी खलु अयं पुरिसे, से सोयइ, जूरइ, तिप्पइ, पिड्डइ; परितप्पइ ॥१३१॥ आययचक्खू लोगविपस्सी लोगस्स अहो भागं जाणइ, उड्ढं भागं जाणइ, तिरियंभागं जाणइ ॥१३२॥ गढिए लोए अणुपरियट्टमाणे, विइत्ता इह मच्चिएहिं, एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए ॥१३३॥ जहा अंतो तहा बाहिं जहा बाहिं तहा अंतो ॥१३४॥ अंतो-अंतो पूइदेहंतराणि पासइ पुढोवि सवंताइं पंडिए पडिलेहाए ॥१३५॥ से मइमं परिण्णाय माय हु लालं पच्चासी, मा तेसु तिरिच्छमप्पाणमावायए ॥१३६॥ कासंकासे खलु अयं पुरिसे, बहुमाई, कडेण मूढे, पुणो तं करेइ लोहं वेरं वड्ढेइ अप्पणो ॥१३७॥ जमिणं परिकहिज्जइ इमस्स चेव पडिवूहणयाए अमरायइ महासड्ढी अट्टमेयं तु पेहाए ॥१३८॥ अपरिण्णाए कंदइ से तं जाणह जमहं बेमि ॥१३९॥ ते इच्छं पंडिए पवयमाणे, से हंता, छित्ता, भित्ता, लुंपइत्ता, विलुंपइत्ता उद्दवइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे, जस्सवि य णं करेइ, अलं बालस्स संगेणं, जे वा से कारइ बाले, ण एवं अणगारस्स जायइत्ति बेमि ॥१४०॥

बीअं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥

से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए तम्हा पावकम्मं णेव कुज्जा, ण कार-

वेज्जा ॥१४१॥ सिया तत्थएगयरं विप्परामुसइ, छसु अण्णयरंसि, कप्पइ ॥१४२॥ सुहट्ठी लालप्पमाणे सएण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ । सएण विप्पमाएण पुढो वयं पकुव्वइ, जं सि मे पाणा पव्वहिया, पडिलेहाए णो णिकरणयाए एस परिण्णा पवुच्चइ कम्मोवसंती ॥१४३॥ जे ममाइयमइं जहाइ से चयइ ममाइयं से हु दिट्ठपहे मुणी जस्स, णत्थि ममाइयं ॥१४४॥ तं परिण्णाय मेहावी विइत्ता लोगं वंता लोगसण्णं से मइमं परिक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥१४५॥ णारइं सहते वीरे, वीरे णो सहते रइं जम्हा अविमणे वीरे, तम्हा वीरे ण रज्जइ ॥१४६॥ सद्दे फासे अहियासमाणे, णिव्विंद णंदिं इह जीवियस्स ॥१४७॥ मुणी मोणं समायाय, धुणे कम्मसरीरगं; पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥१४८॥ एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते, विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥१४९॥ दुव्वसुमुणी अणाणाए, तुच्छए गिलाइ वत्तए ॥१५०॥ एस वीरे पसंसिए, अच्चेइ लोयसंजोयं, ॥१५१॥ एस णाए पवुच्चइ, जं दुक्खं पवेइयं इह माणवाणं, तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति ॥१५२॥ इइ कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥१५३॥ जे अणण्णदंसी से अणण्णारामे, जे अणण्णारामे से अणण्णदंसी ॥१५४॥ जहा पुण्णस्स कत्थइ तहा तुच्छस्स कत्थइ जहा तुच्छस्स कत्थइ तहा पुण्णस्स कत्थइ ॥१५५॥ अविय हणे अणाइयमाणे । एत्थंपि जाण, सेयंति णत्थि ॥१५६॥ केयं पुरिसे कं च णए ? एस वीरे पसंसिए, जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु ॥१५७॥ से सव्वओ सव्वपरिण्णाचारी ण लिप्पइ छणपएण, वीरे ॥१५८॥ से, मेहावी अणुग्घायणस्सखेयण्णे जे य बंधपमुक्खमण्णेसी ॥१५९॥ कुसले पुण णो बद्धे, णो मुक्के ॥ १६० ॥ से जं च आरभे जं च णारभे । अणारद्धं च ण आरभे ॥ १६१ ॥ छणं परिण्णाय लोगसण्णं च सव्वसो ॥ १६२ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १६३ ॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि ॥ १६४ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥ लोगविजय णाम बीअमज्झयणं त्तं ॥**

—सीओसणिज्जं णाम तइयं अज्झयणं—

दुक्खं ॥ १६६ ॥ समयं लोगस्स जाणित्ता, इत्थ सत्थोवरए ॥ १६७ ॥ जस्सिमे सद्दा य-रूवा य-गंधा य-रसा य-फासा य-अभिसमण्णागया भवंति, से आयवं-णाणवं-वेयवं-धम्मवं-बंभवं-पण्णाणेहिं परियाणइ लोयं मुणीत्ति वच्चे धम्मविउत्ति अंजू आवट्ट-सोए संगमभिजाणइ सीउसिणच्चाई, से णिग्गंथे, अरइरइसहे फरुसयं णो वेएइ जागर-वेरोवरए-वीरे एवं दुक्खा पमुक्खसि ॥ १६८ ॥ जरामच्चुवसोवणीए णरे सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥१६९॥ पासिय आउरे पाणे अप्पमत्तो परिव्वए ॥१७०॥ मंता एयं; मइमं-पास ॥१७१॥ आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, माई पमाई पुण-एइ गब्भं; उवेहमाणो सद्दरूवेसु अंजू, माराभिसंकी मरणा पमुच्चइ ॥१७२॥ अप्पमत्तो कामेहिं, उवरओ पावकम्मेहिं, वीरे आयगुत्ते जे खेयण्णे ॥१७३॥ जे पज्जवजायस-त्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे; जे असत्थस्स खेयण्णे, से पज्जवजाय सत्थस्स खेयण्णे ॥१७४॥ अकम्मस्स ववहारो ण विज्जइ, कम्मुणा उवाही जायइ ॥१७५॥ कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूलं च जं छणं ॥१७६॥ पडिलेहिय, सव्वं समायाय दोहिं अंतेहिं अदिस्समाणे ॥१७७॥ तं परिण्णाय मेहावी विइत्ता लोगं, वंता लोगसण्णं से मइमं परक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥१७८॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जाइं च वुड्ढिं च इहज्ज पासे, भूएहिं सायं पडिलेह जाणे । तम्हाऽतिविज्जो परमंति णच्चा, संमत्तदंसी ण करेइ पावं ॥१७९॥ उम्मुंच पासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी । कामेसु गिद्धा णिचयं करंति । संसिच्चमाणा पुणरिंति गब्भं ॥१८०॥ अवि से हासमासज्ज, हंता णंदीति मण्णइ । अलं बालस्स संगेणं वेरं वड्ढेइ अप्पणो॥१८१॥तम्हा–तिविज्जो परमंति णच्चा, आयंकदंसी ण करेइ पावं ॥१८२॥ अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे, पलिच्छिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥१८३॥ एस मरणा पमुच्चइ से हु दिट्ठभए मुणी, लोयंसी परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिए सहिए सयाजए कालकंखी परिव्वए ॥१८४॥ बहुं च खलु पावकम्मं पगडं, सच्चंमि धिइं कुव्वहा, एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावकम्मं झोसेइ ॥१८५॥ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे से केयणं अरिहए पूरइत्तए से अण्णवहाए, अण्ण-परियावाए, अण्णपरिग्गहाए, जणवयवहाए, जणवयपरियावाए, जणवयपरि-ग्गहाए ॥१८६॥आसेवित्ता एयमट्ठं इच्चेवेगे समुट्ठिया, तम्हा तं बिइयं णो सेवे णिस्सारं पासिय णाणी ॥१८७॥ उववायं चवणं णच्चा, अणण्णं चर माहणे ॥१८८॥ से ण छणे ण छणावए, छणंतं णाणुजाणए ॥१८९॥ णिव्विंद णंदिं अरए पयासु

अणोमदंसी णिसण्णे पावेहिं कम्मेहिं ॥१९०॥ कोहाइमाणं हणिया य वीरे लोभस्स पासे णिरयं महंतं। तम्हा य वीरे विरए वहाओ, छिंदिज्ज सोयं लहुभूय गामी ॥१९१॥ गंथं परिण्णाय इहज्ज वीरे, सोयं परिण्णाय चरिज्ज दंते। उम्मज्ज लद्धुं इह माणवेहिं, णो पाणिणं पाणे समारभिज्जासि—त्ति बेमि ॥ १९२॥

तइयं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥

संधिं लोगस्स जाणित्ता ॥ १९३ ॥ आयओ बहिया पास, तम्हा ण हंताण-विघायए ॥१९४॥ जमिणं अण्णमण्णवितिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं किं तत्थ मुणी कारणं सिया? समयं तत्थुवेहाए अप्पाणं विप्पसायए ॥१९५॥ अणण्णपरमं णाणी णो पमाए कयाइवि। आयगुत्ते सया धीरे, जायामायाइ जावए ॥१९६॥ विरागं रूवेहिं गच्छिज्जा महया खुड्डएहिं वा ॥१९७॥ आगइं गइं परिण्णाय दोहिंवि अंतेहिं अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्जइ ण हम्मइ कंचणं सव्वलोए ॥१९८॥ अवरेण पुव्विं ण सरंति एगे, किमस्सतीतं? किंवाऽऽगमिस्सं? भासंति एगे इह माणवाओ, जमस्सतीतं तं आगमिस्सं ॥१९९॥ णाईयमट्ठं णय आगमिस्सं, अट्ठं णिअच्छंति तहागया उ; विहूयकप्पे एयाणुपस्सी; णिज्झोसइत्ता खवए महेसी ॥२००॥ का अरई? के आणंदे? एत्थंपि अग्गहे चरे। सव्वं हासं परिच्चज्ज, अलीणगुत्तो परिव्वए ॥२०१॥ पुरिसा! तुममेव तुमं मित्तं, किं बहिया मित्तमिच्छसि? ॥२०२॥ जं जाणिज्जा उच्चा-लइयं तं जाणिज्जा दूरालइयं, जं जाणिज्जा दूरालइयं तं जाणिज्जा उच्चालइयं ॥ २०३॥ पुरिसा! अत्ताणमेवं अभिणिगिज्झ एवं दुक्खा पमुच्चसि ॥ २०४ ॥ पुरिसा! सच्च-मेव समभिजाणाहि, सच्चस्साणाए से उवट्ठिए मेहावी मारं तरइ सहिओ धम्म-मायाय सेयं समणुपस्सइ ॥ २०५ ॥ दुहओ, जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जंसि एगे पमायंति ॥२०६॥ सहिओ दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झंझाए; पासिमं दविए लोए लोयालोयपवंचाओ मुच्चइ त्ति बेमि ॥ २०७॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

से वंता कोहं च, माणं च, मायं च, लोभं च, एयं पासगस्स दंसणं, उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स आयाणं सगडब्भि ॥ २०८ ॥ जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ ॥२०९॥ सव्वओ पम-त्तस्स भयं, सव्वओ अप्पमत्तस्स णत्थि भयं ॥२१०॥ जे एगं णामे से बहुं णामे,

जे अहं णामे से एगं णामे ॥२११॥ दुक्खं लोगस्स जाणित्ता, वंता लोगस्स संजोगं, जंति वीरा महाजाणं, परेण परं जंति णावकंखंति जीवियं ॥२१२॥ एगं विगिंचमाणे पुढो विगिंचइ पुढोविगिंचमाणे एगं विगिंचइ ॥ २१३ ॥ सड्ढी आणाए मेहावी ॥२१४॥ लोगं च आणाए अभिसमेच्चाअकुओभयं ॥ २१५ ॥ अत्थि सत्थं परेण परं, णत्थि असत्थं परेण परं ॥ २१६ ॥ जे कोहदंसी सेमाणदंसी, जे माणदंसी से मायादंसी, जे मायादंसी से लोभदंसी, जे लोभदंसी से पिज्जदंसी, जे पिज्जदंसी से दोसदंसी, जे दोसदंसी से मोहदंसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी जे गब्भदंसी से जम्मदंसी, जे जम्मदंसी से मारदंसी, जे मारदंसी से णरयदंसी, जे णरयदंसी से तिरियदंसी, जे तिरियदंसी से दुक्खदंसी ॥२१७॥ से मेहावी अभिणिवट्टिज्जा, कोहं च-माणं च-मायं च-लोहं च-पिज्जं च-दोसं च-मोहं च-गब्भं च-जम्मं च-मरणं च-णरयं च-तिरियं च-दुक्खं च एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्सपलियंतकरस्स ॥२१८॥ आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि ॥२१९॥ किमत्थि ओवाही पासगस्स ? ण विज्जइ ? णत्थि त्ति बेमि ॥२२०॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ सीओसणीयं णाम तइयज्झयणं समत्तं ॥**

॥ सम्मत्तं णाम चउत्थं अज्झयणं ॥

से बेमि—जे य अईया, जे य पडुप्पण्णा, जेय आगमिस्सा अरहंता भगवंतो ते सव्वे, एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पण्णविंति, एवं परूविंति—सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेतव्वा ण परियावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा ॥२२१॥ एस धम्मे सुद्धे, णिइए-सासए-समिच्च लोयं खेयण्णेहिं पवेइए, तंजहा—उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा, उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा, उवरयदंडेसु वा, अणुवरयदंडेसु वा, सोवहिएसु वा, अणुवहिएसु वा, संजोगरएसु वा, असंजोगरएसु वा॥२२२॥तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ ॥२२३॥ तं आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे, जाणित्तु धम्मं जहा तहा ॥२२४॥ दिट्ठेहिं णिव्वेयं गच्छिज्जा ॥२२५॥ णो लोगस्सेसणं चरे ॥२२६॥ जस्स णत्थि इमा णाई अण्णा तस्स कओ सिया ? ॥२२७॥ दिट्ठं सुयं मयं विण्णायं, जं एयं परिकहिज्जइ ॥२२८॥ समेमाणा पलेमाणा पुणो पुणो जाइं पकप्पंति ॥२२९॥ अहो य राओ य जयमाणे धीरे सया आगयपण्णाणे, पमत्ते बहिया पास अप्पमत्ते सया परक्कमिज्जासि त्ति

वेमि ॥२३०॥ **चउत्थं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा ॥२३१॥ जे अणासवा ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २३२ ॥ एए पए संबुज्झमाणे लोयं च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइयं ॥२३३॥ आघाइ णाणी इह माणवाणं संसारपडिवण्णाणं संबुज्झमाणाणं विण्णाणपत्ताणं, अट्टावि संता अदुवा पमत्ता, अहा सच्चमिणंत्ति–वेमि ॥ २३४ ॥ णाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि। इच्छापणीया वंकाणिकेया कालग्गहीआ णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइं पकप्पयंति ॥ २३५ ॥ इहमेगेसिं तत्थ-तत्थ संथवो भवइ। अहोववाइए फासे पडिसवेदयंति ॥ २३६ ॥ चिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं, चिट्ठं परिचिट्ठइ; अचिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठइ ॥२३७॥ एगे वयंति अदुवावि णाणी, णाणी वयंति अदुवावि एगे ॥ २३८ ॥ आवंती केयावंती लोयंसि समणा य माहणा य पुढो विवायं वयंति, "से दिट्ठं च णे, सुयं च णे, मयं च णे, विण्णायं च णे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सुपडिलेहियं च णे सव्वे पाणा, सव्वे जीवा, सव्वे भूया, सव्वे सत्ता हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा। एत्थं पि जाणह, णत्थित्थ दोसो।" अणारियवयणमेयं ॥२३९॥ तत्थ जे ते आरिया, ते एवं वयासी—"से दुद्दिट्ठं च भे, दुस्सुयं च भे, दुम्मयं च भे, दुव्विण्णायं च भे, उड्ढं अहे तिरियंदिसासु सव्वओ दुप्पडिलेहियं च भे; जं णं तुब्भे एवमाइक्खह, एवं भासह, एवं पण्णवेह एवं परूवेह सव्वे पाणा सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वेसत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा एत्थवि जाणह णत्थित्थ दोसो।" अणारियवयणमेयं।२४०। वयं पुण एवमाइक्खामो एवं भासामो, एवं पण्णवेमो, एवं परूवेमो, "सव्वे पाणा, सव्वे जीवा, सव्वे भूया, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेतव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा, एत्थवि जाणइ, णत्थित्थ दोसो।" आरियवयणमेयं ॥ २४१ ॥ पुव्वं णिकायसमयं, पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो, हं भो पवादुया! किं भे सायं दुक्खं उदाहु असायं? समिया पडिवण्णे यावि एवं बूया—सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असायं, अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं त्ति वेमि ॥२४२॥ **चउत्थं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

उवेहे णं बहिया य लोयं, से सव्वलोयंमि जे केइ विण्णू ॥२४३॥ अणुवीइ

पास, णिक्खित्तदंडा जे केइ सत्ता पलियं चयंति, णरे मुयच्चा धम्मविउत्ति अंजू; आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, एवमाहु संमत्तदंसिणो ॥२४४॥ ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति, इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥२४५॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, एगमप्पाणं संपेहाए धुणे सरीरं ॥२४६॥ कसेहि अप्पाणं, जरेहि अप्पाणं ॥२४७॥ जहा जुण्णाइं कट्ठाइं हव्ववाहो पमत्थइ, एवं *अत्तसमाहिए अणिहे ॥२४८॥ विगिंच कोहं अविकंपमाणे, इमं णिरुद्धाउयं संवेहाए* ॥२४९॥ दुक्खं च जाण अदुवागमेस्सं, पुढो फासाइं च फासे, लोयं च पास, विप्फंदमाणं ॥२५०॥ जे णिव्वुडा, पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥२५१॥ तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसंजलिज्जासि त्ति बेमि ॥२५२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

आवीलए पवीलए णिप्पीलए, जहित्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं ॥२५३॥ तम्हा अविमणे वीरे, सारए समिए सहिए सया जए ॥२५४॥ दुरणुचरो मग्गो वीराणं अणियट्टगामीणं ॥२५५॥ विगिंच मंससोणियं, एस पुरिसे दवीए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए, जे धुणाइ समुस्सयं वसित्ता बंभचेरंसि ॥२५६॥ णित्तेहिं पलिछिण्णेहिं आयाणसोयगढिए बाले, अव्वोच्छिण्णबंधणे अणभिक्कंतसंजोए। तमंसि अवियाणओ आणाए लंभो णत्थि-त्ति बेमि ॥२५७॥ जस्स णत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया? ॥२५८॥ से हु पण्णाणमंते बुद्धे आरंभोवरए, सम्ममेयंति पासह, जेण बंधं वहं घोरं परितावं च दारुणं ॥२५९॥ पलिछिंदिय बाहिरगं च सोयं, णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं ॥२६०॥ कम्माणं सफलं दट्ठूण तओ णिज्जाइ वेयवी ॥२६१॥ जे खलु भो! वीरा ते समिया सहिया सयाजया संघडदंसिणो आओवरया अहातहं लोगमुवेहमाणा पाईणं पडीणं दाहीणं उईणं इइ सच्चंसि परिचिट्ठिंसु ॥२६०॥ साहिस्सामो णाणं वीराणं समियाणं सहियाणं, सयाजयाणं संघडदंसिणं आओवरयाणं अहातहा लोगंसमुवेहमाणाणं किमत्थि उवाही? पासगस्स ण विज्जइ णत्थि त्ति बेमि ॥२६३॥ **चउत्थं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ सम्मत्तं णाम चउत्थमज्झयणं त्तं ॥**

लोकसार णाम पं अज्झयणं

आवंती केयावंती लोयंसि विपरामुसंति अट्ठाए अणट्ठाए वा। एएसु चेव विप्परामुसंति, गुरु से कामा, तओ से मारस्स अंतो जओ से मारस्स अंतो तओ

से दूरे, णेव से अंतो णेव से दूरे ॥२६४॥ से पासइ फुसियमिव कुसग्गे पणुण्णं णिवइयं वाएरियं, एवं बालस्स जीवियं मंदस्स अवियाणओ ॥ २६५ ॥ कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विपरियासमुवेइ; मोहेण गब्भं मरणाइ एइ एत्थ मोहे पुणो पुणो ॥ २६६ ॥ संसयं परियाणओ संसारे परिण्णाए भवइ, संसयं अपरियाणओ संसारे अपरिण्णाए भवइ ॥ २६७ ॥ जे छेए से सागरियं ण सेवए ॥ २६८ ॥ कट्टु एवं अवियाणओ बिइया मंदस्स बालया ॥ २६९ ॥ लद्धा हुरत्था पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥ २७० ॥ पासह एगे रूवेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे, एत्थ फासे पुणो पुणो, आवंती केयावंती लोयंसि आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरंभजीवी, एत्थवि बाले परिपच्चमाणे रमइ पावेहिं कम्मेहिं असरणे सरणंत्ति मण्णमाणे ॥२७२॥ इहमेगेसिं एगचरिया भवइ, से बहुकोहे-बहुमाणे-बहुमाए-बहुलोहे-बहुरए-बहुणडे-बहुसढे-बहुसंकप्पे, आसवसक्की पलिउच्छण्णे उट्ठियवायं पवयमाणे "मा मे केइ अदक्खू" अण्णाणपमायदोसेणं, सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥ २७३ ॥ अट्टा पया माणव ! कम्मकोविया जे अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्टंति त्ति बेमि ॥ २७४॥

पंचमं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥

आवंती केयावंती लोयंसी अणारंभजीविणो एएसु चेव अणारंभ जीविणो ॥२७५॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे "अयं संधीति" अदक्खु, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणेत्ति अण्णेसी ॥ २७६ ॥ एस मग्गे आरिएहिं पवेइए, उट्ठिए णो पमायए, जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ २७७ ॥ पुढो छंदा इह माणवा, पुढो दुक्खं पवेइयं से अविहिंसमाणे अणवयमाणे, पुट्ठो फासे विप्पणोल्लए। एस समिया परियाए वियाहिए ॥ २७८ ॥ जे असत्ता पावेहिं कम्मेहिं उदाहु ते आयंका फुसंति इइ उदाहु धीरे ते फासे पुट्ठो अहियासए ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेयं, पच्छापेयं भेउरधम्मं विद्धंसण-धम्मं अधुवं अणिइयं असासयं चयावचइयं विप्परिणामधम्मं, पासह एयं रूव-संधिं ॥ २८० ॥ समुप्पेहमाणस्स इक्कायणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्स त्ति बेमि ॥ २८१ ॥ आवंती केयावंती लोगंसि परिग्गहावंती;–से अप्पं वा, बहुयं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, एएसु चेव परिग्गहा-वंती ॥२८२॥ एवमेवेगेसिं महब्भयं भवइ, लोगवित्तं च णं उवेहाए ॥२८३॥ एए

संगे अवियाणओ से सुपडिबद्धं सूवणीयंति णच्चा, पुरिसा ! परमचक्खू विप्परिक्कमा, एएसु चेव बंभचेरं त्ति बेमि॥२८४॥से सुयं च मे, अज्झत्थयं च मे, बंधपमुक्खो अज्झत्थेव ॥२८५॥ इत्थ विरए अणागारे दीहरायं तितिक्खए ॥२८६॥ पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए ॥२८७॥ एयं मोणं सम्मं अणुवासिज्जासित्ति बेमि॥ २८८ ॥ **पंचमं अज्झयणं बीयोद्देसो समत्तो ॥**

आवंती केयावंती लोयंसि अपरिग्गहावंती एएसु चेव अपरिग्गहावंती सुच्चा वई मेहावी, पंडियाण णिसामिया ॥२८९॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए जहित्थ मए संधी झोसिए एवमण्णत्थ संधी दुज्झोसए भवइ तम्हा बेमि णो णिण्हवेज्ज वीरियं ॥२९०॥ जे पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, जे पुव्वुट्ठाई पच्छाणिवाई, जे णो पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, सेऽवि तारिसीए सिया, जे परिण्णाय लोगमण्णेसयंति, एयं णियाय मुणिणा पवेइयं ॥२९१॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, पुव्वावररायं जयमाणे सया सीलं संपेहाए ॥२९२॥ सुणिया भवे अकामे अझंझे ॥२९३॥ इमेणं चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ ? जुद्धारिहं खलु दुल्लहं ॥२९४॥ जहित्थ कुसलेहिं परिण्णाविवेगे भासिए, चुए हु बाले गब्भाइसु रज्जइ ॥ २९५ ॥ अस्सिं चेयं पव्वुच्चइ, रूवंसि वा छणंसि वा ॥ २९६ ॥ से हु एगे संविद्धपहे मुणी अण्णहा लोगमुवेहमाणे ॥२९७॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो से ण हिंसइ संजमइ णो पगब्भइ, उवेहमाणो पत्तेयं सायं॥ २९८ ॥ वण्णाएसी णारंभे कंचणं सव्वलोए, एगप्पमुहे विदिसप्पइण्णे णिव्विण्णचारी अरए पयासु ॥२९९॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं तं णो अण्णेसी ॥३००॥ जं सम्मं ति पासहा तं मोणं ति पासहा, जं मोणं ति पासहा तं सम्मं ति पासहा, ॥३०१॥ ण इमं सक्कं सिढिलेहिं अद्दिज्जमाणेहिं गुणासाएहिं वंकसमायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसंतेहिं ॥३०२॥ मुणी मोणं समायाए, धुणे कम्मसरीरगं, पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥ एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥३०३॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

गामाणुगामं दूइज्जमाणस्स दुज्जायं दुप्परक्कंतं भवइ अवियत्तस्स भिक्खुणो ॥३०४॥ वयसावि एगे वेइया कुप्पंति माणवा, उण्णयमाणे य णरे महया मोहेण मुज्झइ संबाहा बहवे भुज्जो २ दुरइक्कमा अजाणओ, अपासओ, एयं ते मा होउ,

एयं कुसलस्स दंसणं ॥३०५॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे जयं विहारी चित्तणिवाई पंथणिज्झाई पलिबाहिरे, पासिय पाणे गच्छिज्जा। से अभिक्कममाणे पडिक्कममाणे संकुचमाणे पसारेमाणे विणिवट्टमाणे संपलिमज्जमाणे ॥३०६॥ एगया गुणसमियस्स रीयओ कायसंफासं समणुचिण्णा एगइया पाणा उद्दायंति; इहलोगवेयणवेज्जावडियं जं आउट्टीयं कम्मं तं परिण्णाय विवेगमेइ, एवं से अप्पमाएणं विवेगं किट्टइ वेयवी ॥३०७॥ से पभूयदंसी पभूयपरिण्णाणे उवसंते समिए सहिए सयाजए, दट्ठुं विप्पडिवेएइ अप्पाणं, "किमेस जणो करिस्सइ ? एस से परमारामो जाओ लोगंमि इत्थीओ", मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥३०८॥ उब्बाहिज्जमाणे गामधम्मेहिं अवि णिब्बलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा, अवि उड्ढं ठाणं ठाइज्जा, अवि गामणुगामं दूइज्जिज्जा, अवि आहारं वुच्छिदिज्जा, अवि चए इत्थीसु मणं ॥३०९॥ पव्वं दंडा पुच्छा फासा, पुव्वं फासा पच्छा दंडा, इच्चेए कलहासंगकरा भवंति। पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥३१०॥ से णो कहिए, णो पासणिए, णो संपसारए णो मामए णो कयकिरिए, वइगुत्ते; अज्झप्पसंवुडे, परिवज्जए सया पावं, एयं मोणं समणुवासिज्जासि—त्ति बेमि॥३११॥ **पंचमं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से बेमि—तंजहा, अवि हरए पडिपुण्णे समंसि भोमे चिट्ठइ उवसंतरए सारक्खमाणे, से चिट्ठइ सोयमज्झगए, से पास, सव्वओ गुत्ते, पास लोए महेसिणो, जे य पण्णाणमंता पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह; कालस्स कंखाए परिव्वयंति त्ति बेमि ॥३१२॥ वितिगिच्छासमावण्णेणं अप्पाणेणं णो लभइ समाहिं ॥३१३॥ सिया वेगे अणुगच्छंति, असिया वेगे अणुगच्छंति, अणुगच्छमाणेहिं अणणुगच्छमाणे कहं ण णिव्विज्जे, तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥३१४॥ सड्ढिस्स णं समणुण्णस्स संपव्वयमाणस्स समियंति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ समियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ असमयंति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ असमियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ ॥३१५॥ समियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, समिया होइ उवेहाए ॥३१६॥ असमियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, असमिया होइ उवेहाए ॥३१७॥ उवेहमाणो अणुवेहमाणं बूया—"उवेहाहि समियाए इच्चेवं तत्थ संधी झोसिओ भवइ" ॥३१८॥ से

उट्ठियस्स ठियस्स गइं समणुपासह, इत्थवि बालभावे अप्पाणं णो उवदंसेज्जा ॥ ३१९ ॥ तुमंसि णाम सच्चेव, जं हंतव्वंति मण्णसि, तुमंसि णाम सच्चेव, जं अज्जावेयव्वंति मण्णसि, तुमंसि णाम सच्चेव, जं परियावेयव्वंति मण्णसि, एवं जं परिघेत्तव्वंति मण्णसि, जं उद्दवेयव्वंति मण्णसि । अंजू चेहपडिबुद्धजीवी तम्हा ण हंता, ण विघायए; अणुसंवेयणमप्पाणेणं जं हंतव्वं णाभिपत्थए ॥ ३२० ॥ जे आया से विण्णाया, जे विण्णाया से आया, जेण वियाणइ से आया, तं पडुच्च पडिसंखाए, एस आयावाई समियाए परियाए वियाहिए त्ति बेमि ॥३२१॥ **पंचम अज्झयणं पंचमोद्देसो त्तो ॥**

अणाणाए एगे सोवट्ठाणा आणाए एगे णिरुवट्ठाणा एयं ते मा होउ, एयं कुसलस्स दंसणं ॥ ३२२ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे, अभिभूय अदक्खू, अणभिभूए पभू णिरालंबणयाए; जे महं अबहिंमणे ॥३२३॥ पवाएणं पवायं जाणिज्जा, सहसम्मइयाए, परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा ॥३२४॥ णिद्देसं णाइवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिय सव्वओ सव्वयाए सम्ममेव समभिजाणिया ॥३२५॥ इह आरामं परिण्णाय अल्लीणगुत्तो परिव्वए, णिट्ठियट्ठी वीरे आगमेण सया परक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥३२६॥ उड्ढं सोया, अहे सोया, तिरियं सोया वियाहिया; एए सोया वियक्खाया, जेहिं संगंति पासहा ॥३२७॥ आवट्टं तु उवेहाए, एत्थ विरमिज्ज वेयवी ॥३२८॥ विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एसमहं अकम्मा जाणइ, पासइ, पडिलेहाए णावकंखइ, इह आगइं गइं परिण्णाय अच्चेइ जाइमरणस्स वट्टमग्गं विक्खायरए ॥३२९॥ सव्वे सरा णियट्टंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिया, ओए अप्पइट्ठाणस्स खेयण्णे ॥३३०॥ से ण दीहे ण हस्से ण वट्टे ण तंसे ण चउरंसे ण परिमंडले, ण किण्हे, ण णीले, ण लोहिए, ण हालिद्दे ण सुक्किल्ले ण सुरहिगंधे ण दुरहिगंधे ण तित्ते ण कडुए, ण कसाए, ण अंबिले, ण महुरे, ण लवणे, ण कक्खडे ण मउए ण गुरुए ण लहुए ण सीए ण उण्हे ण णिद्धे ण लुक्खे ण काऊ ण रुहे ण संगे ण इत्थी ण पुरिसे ण अण्णहा परिण्णे सण्णे ॥३३१॥ उवमा ण विज्जए, अरूवी सत्ता, अपयस्स पयं णत्थि ॥३३२॥ से ण सद्दे ण रूवे ण गंधे ण रसे ण फासे इच्चेयावंति त्ति बेमि ॥३३३॥ **ठोद्देसो समत्तो ॥**

॥ लोगसार णाम पंचमज्झयणं समत्तं ॥

धूताक्खं णाम छट्ठं अज्झयणं

ओवुज्झमाणे इह माणवेसु आघाइ से णरे, जस्सिमाओ जाइओ सव्वओ सुपडिलेहियाओ भवंति, आघाइ से णाणमणेलिसं ॥ ३३४ ॥ से किट्टइ तेसिं समुट्ठियाणं णिक्खित्तदंडाणं समाहियाणं पण्णाणमंताणं इह मुत्तिमग्गं, एवं एगे महावीरा विप्परक्कमंति, पासह एगे अविसीयमाणे अणत्तपण्णे ॥३३५॥ से बेमि–से जहावि कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छण्णपलासे उम्मग्गं से णो लहइ ॥ ३३६ ॥ भंजगा इव सण्णिवेसं णो चयंति, एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया, रूवेहिं सत्ता, कलुणं थणंति, णियाणओ तं ण लहंति मुक्खं ॥ ३३७ ॥ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्ताए जाया ॥ ३३८ ॥ गंडी अहवा कोढी, रायंसी अवमारियं । काणियं झिमियं चेव, कुणियं खुज्जियं तहा ॥ उदरिं पास मूयं च, सूणिअं च गिलासिणिं, वेवइं पीढसप्पिं च, सिलिवयं महुमेहणिं सोलस एए रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो, अह णं फुसंति आयंका, फासा य असमंजसा ॥ मरणं तेसिं संपेहाए, उववायं चवणं च णच्चा; परियागं च संपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ ३३९ ॥ संति पाणा अंधा तमंसि वियाहिया; तामेव सइं असइं अइ अच्च उच्चावयफासे पडिसंवेएइ, बुद्धेहिं एयं पवेइयं ॥ ३४० ॥ संति पाणा वासगा, रसगा उदए उदएचरा आगासगामिणो पाणा पाणे किलेसंति ॥ ३४१ ॥ पास लोए महब्भयं ॥ ३४२ ॥ बहुदुक्खाहु जंतवो ॥ ३४३ ॥ सत्ता कामेसु माणवा, अबलेण वहं गच्छंति सरीरेणं पभंगुरेण ॥ ३४४ ॥ अट्टे से बहुदुक्खे, इइ बाले पकुव्वइ; एए रोगा बहु णच्चा, आउरा परियावए ॥ ३४५ ॥ णालं पास, अलं तवेएहिं । एयं पास मुणी ! महब्भयं, णाइवाएज्ज कंचणं ॥३४६॥ आयाण भो ! सुस्सूस भो ! धूयवायं पवेदइस्सामि इह खलु अत्तत्ताए तेहिं-तेहिं कुलेहिं अभिसेणए, अभिसंभूया, अभिसंजाया, अभिणिव्वट्टा, अभिसंवुड्ढा, अभिसंबुद्धा अभिणिक्कंता अणुपुव्वेणं महामुणी ॥ ३४७ ॥ तं परक्कमंतं परिदेवमाणा माणेचयाहि इइ ते वयंति; "छंदोवणीया अज्झोववण्णा," अक्कंदकारी जणगा रुयंति । अतारिसे मुणी णय ओहंतरए, जणगा जेण विप्पजढा ॥ ३४८ ॥ सरणं तत्थ णो समेइ कहं णु णाम से तत्थ रमइ ? एयं णाणं सया समणुवासिज्जासि त्ति बेमि ॥ ३४९ ॥ **छट्ठं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

आउरं लोयमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं, हिच्चा उवसमं, वसित्ता बंभचेरंमि,

वसु वा अणुवसु वा जाणित्तु धम्मं जहा तहा, अहेगे तमचाइ कुसीला, वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं विउसिज्जा, अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे ममायमाणस्स, इयाणि वा मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेओ एवं अंतराएहिं कामेहिं आकेवलिएहिं अवइण्णाचेए ॥३५०॥ अहेगे धम्ममायाय आयाणप्पभिइसु पणिहिए चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥३५१॥ सव्वं गिद्धिं परिण्णाय एस पणए महामुणी ॥३५२॥ अइअच्च सव्वओ संगं "णमहं अत्थित्ति इइ एगोहमंसि" जयमाणे एत्थ विरए, अणगारे, सव्वओ मुंडे, रीयंते, जे अचले परिवुसिए संचिक्खइ ओमोयरियाए ॥३५३॥ से आकुट्ठे वा, हए वा, लुंचिए वा, पलियं पकत्थ, अदुवा पकत्थ, अतहेहिं सद्दफासेहिं, इइ सखाए एगयरे अण्णयरे अभिण्णाय तितिक्खमाणे परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा, चिच्चा सव्वं विसोत्तियं संफासे फासे समियदंसणे ॥३५४॥ एते भो णगिणा वुत्ता, जे लोयंसि अणागमणधम्मिणो, ॥३५५॥ "आणाए मामगं धम्मं" एस उत्तरवाए इह माणवाणं वियाहिए॥३५६॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे, आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएणं विगिंचइ ॥३५७॥ इह मेगेसिं एगचरिया होइ, तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी परिव्वए, सुब्भिं अदुवा दुब्भिं अदुवा तत्थ भेरवा पाणापाणे किलेसंति, ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासेज्जासि त्ति बेमि॥ ३५८॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मे विधूयकप्पे णिज्झोसइत्ता ॥३५९॥ जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ परिजुण्णे मे वत्थं जाइस्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि वोक्कसिस्सामि, परिहिस्सामि पाउणिस्सामि ॥३६०॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ, अचेले, लाघवं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवइ ॥३६१॥ जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा एवं तेसिं महावीराणं चिरराइं पुव्वाइं वासाणि रीयमाणाणं दवियाणं पास, अहियासियं ॥३६२॥ आगयपण्णाणाणं किसा बाहा भवंति, पयणुए य मंससोणिए, विस्सेणिं कट्टु परिण्णाए, एस तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिए त्ति बेमि ॥३६३॥ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिरराओसियं अरई तत्थ

किं विधारए ॥३६४॥ संधेमाणे समुट्ठिए, जहासे दीवे असंदीणे ॥३६५॥ एवं से धम्मे आयरियपदेसिए ॥३६६॥ ते अणवकंखमाणा, पाणे अणइवाएमाणा दइया मेहाविणो पंडिया ॥३६७॥ एवं तेसिं भगवओ अणुट्ठाणे जहा से दियापोए एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइय त्ति वेमि ॥३६८॥ **छट्ठं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥**

एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया तेहिं महावीरेहिं पण्णाणमंतेहिं तेसिमंतिए पण्णाणमुवलब्भ हिच्चा उवसमं फारुसियं समाइयंति ॥३६९॥ वसित्ता बंभचेरंसि आणं तं णो त्ति मण्णमाणा ॥३७०॥ आघायं तु सोच्चा णिसम्म "समगुण्णा जीविस्सामो" एगे णिक्खमंते असंभवंता विडज्झमाणा कामेहिं गिद्धा अज्झोववण्णा समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेव फरुसं वयंति ॥ ३७१ ॥ सीलमंता उवसंता संखाए रीयमाणा "असीला" अणुवयमाणस्स बिइया मंदस्स बालया ॥३७२॥ णियट्टमाणा वेगे आयारगोयरमाइक्खंति ॥३७३॥ णाणभट्ठा दंसणलूसिणो णममाणा एगे जीवियं विप्परिणामंति ॥ ३७४॥ पुट्ठावेगे णियट्टंति जीवियस्सेव कारणा, णिक्खंतंपि तेसिं दुण्णिक्खंतं भवइ ॥३७५॥ बालवयणिज्जा हु ते णरा पुणो पुणो जाइं पकप्पंति अहे संभवंता विद्दायमाणा अहमंसि ति विउक्कसे उदासीणे फरुसं वयंति, पलियं पकत्थे अदुवा पकत्थे अतहेहिं तं मेहावी जाणिज्जा धम्मं ॥३७६॥ अहम्मट्ठी तुमंसि णायबाले, आरंभट्ठी अणुवयमाणे "हणपाणे" घायमाणे, हणओयावि समणुजाणमाणे "घोरे धम्मे उदीरिए" उवेहइ णं अणाणाए एस विसण्णे वियद्दे वियाहिए त्ति वेमि ॥ ३७७ ॥ किमणेणं भो ! जणेण करिस्सामि त्ति मण्णमाणे एवं एगे वइत्ता, मायरं पियरं हिच्चा, णायओ य परिग्गहं वीरायमाणा समुट्ठाए अविहिंसा सुव्वया दंता, वरस दीणे उप्पइए पडिवयमाणे ॥३७८॥ वसट्टा कायरा जणा लूसगा भवंति ॥३७९॥ अहमेगेसिं सिलोए पावए भवइ. से समणो भवित्ता समणे-विब्भंते २ ॥३८०॥ पासहेगे समण्णागएहिं सह असमण्णागए, णममाणेहिं अणममाणे विरएहिं अविरए दविएहिं अदविए ॥३८१॥ अभिसमेच्चा पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठे वीरे आगमेणं सया परक्कमेज्जासि त्ति वेमि ॥३८२॥ **छट्ठं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से गिहेसु वा, गिहंतरेसु वा, गामेसु वा, गामंतरेसु वा, णगरेसु वा णगरंतरेसु

वा, जणवएसु वा, जणवयंतरेसु वा, गामणयरंतरे वा, गामजणवयंतरे वा, णगर-जणवयंतरे वा, संतेगइया जणा लूसगा भवंति, अदुवा फासा फुसंति, ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासए ओए समियदंसणे ॥३८३॥ दयं लोगस्स, जाणित्ता पाईणं पडीणं, दाहिणं, उदीणं, आइक्खे; विभए, किट्टे वेयवी ॥३८४॥ से उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिं, विरइं, उवसमं, णिव्वाणं, सोयं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवत्तियं ॥३८५॥ सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं सत्ताणं अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खेज्जा ॥३८६॥ अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताणं आसाइज्जा, णो परं आसाइज्जा, णो अण्णाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा ॥३८७॥ से अणासायए अणासायमाणे वज्झमाणाणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं, जहा से दीवे असंदीणे एवं से भवइ सरणं महामुणी ॥३८८॥ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चले अबहिल्लेस्से परिव्वए ॥३८९॥ संखाय पेसलं धम्मं, दिट्ठिमं परिणिव्वुडे ॥३९०॥ तम्हा संगइं पासह, गंथेहिं गढिया णरा विसण्णा कामक्कंता, तम्हा लूहाओ णो परिवित्तसेज्जा ॥३९१॥ जस्सिमे आरंभा सव्वओ सव्वप्पयाए सुपरिण्णाया भवंति जेसिमे लूसिणो णो परिवित्तसंति से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च, एस तुट्टे वियाहिए त्ति बेमि ॥३९२॥ कायस्स वियाघाए एस संगामसीसे वियाहिए, से हु पारंगमे मुणी, अविहम्ममाणे फलगावयट्ठी कालोवणीए कंखेज्जकालं जाव सरीरभेउत्ति बेमि ॥३९३॥ **॥ धूताक्खं णाम छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥**

॥ महापरिण्णा णाम सत्तमज्झयणं वोच्छिण्णं ॥

विमो णाम अट्ठमं अज्झयणं

से बेमि समणुण्णस्स वा असमणुण्णस्स वा असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा; वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंच्छणं वा णो पाएज्जा, णो णिमंतिज्जा णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे त्ति बेमि ॥ ३९४ ॥ धुवं चेयं जाणेज्जा असणं वा जाव पायपुंछणं वा, लभिया णो लभिया, भुंजिया णो भुंजिया पंथं विउत्ता विउकम्म विभत्तं धम्मं जोसे माणे समेमाणे चलेमाणे पाएज्जा वा णिमंतेज्जा वा कुज्जा वेयावडियं परं अणाढायमाणे त्ति बेमि ॥३९५॥ इहमेगेसिं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, ते इह आरंभट्ठी अणुवयमाणा "हण पाणा" घायमाणा हणओ यावि समणुजाणमाणा अदुवा अदिण्णमाययंति, अदुवा वायाउ विउज्जंति; तंजहा—अत्थि लोए णत्थि लोए धुवे लोए अधुवे लोए साइए लोए अणाइए लोए सपज्जवसिए लोए अपज्जवसिए लोए सुकडेत्ति वा दुक्कडेत्ति वा कल्लाणेत्ति वा पावेत्ति वा साहुत्ति वा असाहुत्ति वा, सिद्धीत्ति

वा, असिद्धीत्ति वा, णिरएत्ति वा अणिरएत्ति वा ॥ ३९६॥ जमिणं विप्पडिवण्णा "मामगं धम्मं" पण्णवेमाणा, इत्थवि जाणह अकम्हा। एवं तेसिं णो सुअक्खाए धम्मे णो सुपण्णत्ते धम्मे भवइ, से जहेयं भगवया पवेइयं आसुपण्णेण जाणया पासया, अदुवा गुत्ती वओगोयरस्स त्ति बेमि ॥३९७॥ सव्वत्थ संमयं पावं, तमेव उवाइकम्म, एस महं विवेगे वियाहिए ॥३९८॥ गामे वा अदुवा रण्णे; णेव गामे णेव रण्णे, धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मईमया ॥३९९॥ जामा तिण्णि उदाहिया, जेसु आयरिया संबुज्झमाणा समुट्ठिया ॥४००॥ जे णिव्वुयापावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥४०१॥ उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सव्वावंति च णं पाडियक्कं जीवेहिं कम्मसमारंभे णं ॥४०२॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं एएहिं काएहिं दंडं समारंभेज्जा, णेवण्णे एएहिं काएहिं दंडं समारंभावेज्जा, णेवण्णे एएहिं काएहिं दंडं समारंभंतेवि समणुजाणेज्जा ॥४०३॥ जेयण्णे एएहिं काएहिं दंडं समारंभंति तेसिंपि वयं लज्जामो ॥४०४॥ तं परिण्णाय मेहावी तं वा दंडं अण्णं वा दंडं णो दंडभी, दंडं समारंभेज्जासि त्ति बेमि ॥४०५॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू परक्कमेज्ज वा, चिट्ठेज्ज वा, णिसीएज्ज वा, तुयट्टेज्ज वा, सुसाणंसि वा सुण्णागारंसि वा, गिरिगुहंसि वा, रुक्खमूलंसि वा, कुंभाराययणंसि वा, हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावई बूया आउसंतो समणा! अहं खलु तव अट्ठाए असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंछणं वा, पाणाइं भूयाइं जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं, पामिच्चं अच्छिज्जं, अणिसिट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेएमि, आवसहं वा समुस्सिणामि, से भुंजह, वसह ॥४०६॥आउसंतो समणा! भिक्खू तं गाहावइं समणसं सवयसं पडियाइक्खे आउसंतो गाहावई! णो खलु ते वयणं आढामि, णो खलु ते वयणं परिजाणामि, जो तुमं मम अट्ठाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं वा, ४ जाव समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं, अच्छिज्जं, अणिसट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेएसि, आवसहं वा समुस्सिणासि, से विरओ आउसो! गाहावई! एयस्स अकरणयाए ॥४०७॥ से भिक्खुं परिक्कमेज्ज वा जाव हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावई आयगयाए पेहाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं ४ जाव आहट्टु चेएइ आवसहं वा समुस्सिणाइ तं भिक्खुं परिघासिउं, तं च भिक्खू जाणेज्जा सह संमइयाए परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा "अयं खलु गाहावई! मम अट्ठाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं वा ४ समारब्भ जाव चेएइ आवसहं वा समुस्सिणाइ तं च भिक्खू संप-

डिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि॥४०८॥भिक्खुं च खलु पुट्ठा वा अपुट्ठा वा जे इमे आहच्च गंथा वा फुसंति से हंता! "हणह खणह छिंदह दहह पयह आलुंपह विलुंपह सहसा कारेह विप्परामुसह" ते फासे धीरो पुट्ठो अहियासए अदुवा आयारगोयरमाइक्खे तक्कियाणमणेलिसं अदुवा वइगुत्तिए गोयरस्स अणुपुव्वेण सम्मं पडिलेहाए आयगुत्ते बुद्धेहिं एयं पवेइयं॥४०९॥से समणुण्णे असमणुण्णस्स असणं वा ४ वत्थं वा ४ णोपाएज्जा णोणिमंतेज्जा, णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणेत्ति बेमि ॥४१०॥ धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मइमया समणुण्णे समणुण्णस्स असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाएज्जा णिमंतेज्जा कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे त्ति बेमि ॥४११॥ **अट्ठं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

मज्झिमेणं वयसावि एगे संबुज्झमाणा समुट्ठिया॥४१२॥सोच्चा मेहावी वयणं पडियाणं णिसामित्ता ॥४१३॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए॥४१४॥ते अणवकंखमाणा अणइवाएमाणा अपरिग्गहेमाणा णो परिग्गहावंति सव्वावंति च णं लोगंसि। णिहाय दंडं पाणेहिं पावं कम्मं अकुव्वमाणे एस महं अगंथे वियाहिए, ओए जुइमस्स खेयण्णे उववायं चवणं च णच्चा ॥४१५॥ आहारोवचया देहा, परिसह पभंगुरा। पासहेगे सव्विंदिएहिं परिगिलायमाणेहिं ॥४१६॥ ओए दयं दयइ ॥ ४१७ ॥ जे संणिहाणसत्थस्स खेयण्णे से भिक्खू कालण्णे बलण्णे मायण्णे खणण्णे विणयण्णे समयण्णे परिग्गहं अममायमाणे कालेणुट्ठाइ अपडिण्णे दुहओ छेत्ता णियाइ ॥४१८॥ तं भिक्खुं सीयफासपरिवेवमाणगायं उवसंकमित्तु गाहावई बूया, "आउसंतो समणा! णो खलु ते गामधम्मा उव्वाहंति" आउसंतो गाहावई! णो खलु मम गामधम्मा उव्वाहंति सीयफासं च णो खलु अहं संचाएमि अहियासित्तए। णो खलु मे कप्पइ अगणिकायं उज्जालेत्तए पज्जालेत्तए वा कायं आयावेत्तए पयावेत्तए वा, अण्णेसिं वा वयणाओ ॥४१९॥ सिया से एवं वयंतस्स परो अगणिकायं उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता कायं आयावेज्जा वा पयावेज्जा वा, तं च भिक्खू पडिलेहाए आगमेत्ता आणविज्जा, अणासेवणाए त्ति बेमि।४२०॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खू तिहिं वत्थेहिं परिवुसिए पायचउत्थेहिं तस्स णं णो एवं भवइ "चउत्थं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा णो रएज्जा णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा, अपलिउंचमाणे, गामंतरेसु, ओमचेलिए, एयं खु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ४२१ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा; उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे अहापरिजुण्णाइं वत्थाइं

परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संत्तरुत्तरे, अदुवा ओमचेले, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवइ। जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा, सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया।४२२। जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ पुट्ठो खलु अहमंसि, णालमहगंसि सीय फासं अहियासित्तए, से वसुमं सव्व-समण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं केइ अकरणयाए आउट्टे, तवस्सिणो हु तं सेयं जमेगे विहमाइए तत्थावि तस्स कालपरियाए, से वि तत्थ विअंतिकारए इच्चेयं विमोहाय-यणं हियंसुहंखमंणिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि।४२३। **चउत्थोद्देसो समत्तो।**

से भिक्खू दोहिं वत्थेहिं परिवुसिए पायतइएहिं, तस्स णं णो एवं भवइ तइयं वत्थं जाइस्सामि, से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, जाव एवं खलु तस्स भिक्खुस्स साम-ग्गियं ॥४२४॥ अह पुण एवं जाणेज्जा, उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे, अहा परिजुण्णाइं वत्थाइं परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संत्तरुत्तरे, अदुवा ओमचेले अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवइ, जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजा-णिया ॥४२५॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, पुट्ठो अबलो अहमंसि, णालमहमंसि गिहंतरसंकमणं भिक्खायरियं गमणाए, से एवं वयंतस्स परो अभिहडं असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसंतो गाहावई! णो खलु मे कप्पइ अभिहडं असणं वा ४ भोत्तए वा, पायए वा, अण्णे वा एयप्पगारे ॥ ४२६ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स अयं पगप्पे; अहं च खलु पडिण्णत्तो अपडिण्णत्तेहिं गिलाणो अगिलाणेहिं अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि। अहं वावि खलु अपडिण्णत्तो पडिण्णत्तस्स अगिलाणो गिलाणस्स, अभिकंख साहम्मि-अस्स कुज्जा वेयावडिअं करणाए ॥४२७॥ आहट्टु परिण्णं अणुक्खिस्सामि, आहडं च साइज्जिस्सामि १ आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि, आहडं च णो साइज्जिस्सामि २ आहट्टु परिण्णं, णो आणक्खेस्सामि, आहडं च साइज्जिस्सामि ३ आहट्टु परिण्णं णो आणक्खेस्सामि, आहडं च णो साइज्जिस्सामि ४ एवं से अहाकिट्टियमेव, धम्मं सम-हिजाणमाणे संते विरए सुसमाहियलेसे तत्थावि तस्स कालपरियाए, से तत्थ विअंतिकारए, इच्चेयं विमोहाययणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥४२८॥ **अट्ठं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खू एगेण वत्थेण परिवुसिए पायबिइएण, तस्सणं णो एवं भवइ, "बिइयं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जं वत्थं जाएज्जा, अहापरिग्गहियं वा वत्थं धारेज्जा

जाव गिम्हे पडिवण्णे अहा परिजुण्णं वत्थं परिट्ठवेज्जा २ त्ता अदुवा एग साडे अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे, जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ एगे अहमंसि ण मे अत्थि कोइ ण याहमवि कस्स वि, एवं से एगागिणमेव अप्पाणं समभिजाणिज्जा लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ जाव समभिजाणिया ॥४२९॥से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा ४ आहारेमाणे णो वामाओ हणुयाओ दाहिणं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ वामं हणुयं णो संचारेज्जा आसाएमाणे से अणासायमाणे लाघवियं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवइ। जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, से गिलामि च खलु अहं इमंमि समए णो संचाएमि इमं सरीरगं अणुपुव्वेण परिवहित्तए,से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा अणुपुव्वेण आहारं संवट्टित्ता, कसाए पयणुए किच्चा,समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता गामं वा, णयरं वा, खेडं वा,कव्वडं वा, मंडवं वा, पट्टणं वा, दोणमुहं वा, आगरं वा, आसमं वा, संणिवेसं वा, णिगमं वा,रायहाणिं वा, तणाइं जाएज्जा,तणाइं जाइत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पवीए-अप्प-हरिए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिंग-पणग-दग मट्टियमक्कडासंताणए पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तणाइं संथरेज्जा तणाइं संथरेत्ता एत्थवि समए इत्तरियं कुज्जा ॥४३१॥ तं सच्चं सच्चवाई ओए तिण्णे, छिण्णकहंकहे, आईयट्ठे अणाईए चिच्चाण भिउरं कायं संविहूय विरूवरूवे परिसहो वसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे,तत्थावि तस्स कालपरियाए जाव अणुगामियं त्ति बेमि ॥४३२॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो** ॥

जे भिक्खू अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ चाएमि अहं तणफासं अहियासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं अहियासित्तए, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छायणं चऽहं णो संचाएमि अहियासित्तए, एवं से कप्पइ कडिबंधणं धारित्तए ॥४३३॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ अचेले लाघवियं आगममाणे जाव समभिजाणिया ॥४३४॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्टु दलइस्सामि, आहडं च साइ-ज्जिस्सामि १ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४

आहट्टु दलइस्सामि आहडं च णो साइज्जिस्सामि २ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ; अहं च खलु असणं वा ४ आहट्टु णो दलइस्सामि आहडं च साइज्जिस्सामि ३ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्टु णो दलइस्सामि आहडं च णो साइज्जिस्सामि ॥४॥ अहं च खलु तेण अहाइरित्तेणं अहेसणिज्जेणं अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा ४ अभिकंख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए, अहं वावि तेण अहाइरित्तेणं अहेसणिज्जेणं अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा ४ अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥४३५॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ से गिलामि च खलु अहं इमम्मि समए इमं सरीरगं अणुपुव्वेणं परिवहित्तए, से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा, संवट्टइत्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहिअच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे, अणुपविसित्ता गामं वा णयरं वा जाव रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अप्पंडे जाव तणाइं संथरेज्जा, इत्थवि समए कायं च, जोगं च, इरियं च, पच्चक्खाएज्जा ॥४३६॥ तं सच्चं सच्चावाई ओए तिण्णे छिण्णकहंकहे आईयट्ठे अणाईए चेच्चाण भिउरं कायं संविहूणिय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे तत्थावि तस्सकालपरियाए से तत्थ विअंतिकारए इच्चेयं विमोहाययणं हियं, सुहं, खमं, णिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ।४३७।

अट्ठमं अज्झयणं सत्तमोद्देसो समत्तो ॥

अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज; वसुमंतो, मइमंतो सव्वं णच्चा अणेलिसं ॥४३८॥ दुविहंपि विइत्ताणं, बुद्धा धम्मस्स पारगा; अणुपुव्वीए संखाए, आरंभाओ तिउट्टइ ।४३९। कसाए पयणूए किच्चा, अप्पाहारो तितिक्खए; अह भिक्खू गिलाएज्जा, आहारस्सेव अंतियं ॥४४०॥ जीवियं णाभिकंखेज्जा, मरणं णोवि पत्थए; दुहओवि ण सज्जेज्जा, जीविए मरणे तहा ॥ मज्झत्थो णिज्जरापेही; समाहिमणुपालए; अंतो बहिं विउस्सिज्ज, अज्झत्थं सुद्धमेसए ॥४४१॥ जं किंचुवक्कमं जाणे, आउक्खेमस्स अप्पणो; तस्सेव अंतरद्धाए, खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए ॥४४२॥ गामे वा अदुवा रण्णे, थंडिलं पडिलेहिया; अप्पपाणं तु विण्णाय, तणाई संथरे मुणी ॥४४३॥ अणाहारो तुअट्टेज्जा, पुट्ठो तत्थऽहियासए; णाइवेलं उवचरे, माणुस्सेहिं वि पुट्ठवं।४४४। संसप्पगा य जे पाणा; जे उ उड्ढमहेचरा; भुंजंति मंससोणियं, ण छणे ण पमज्जए ॥४४५॥ पाणा देहं विहिंसंति, ठाणाओ ण वि उब्भमे; आसवेहिं विवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए ॥४४६॥ गंथेहिं विवित्तेहिं, आउकालस्स पारए; पग्गहियतरगं चेयं, दवियस्स विया-

णओ।४४७। अयं से अवरे धम्मे, णायपुत्तेण साहिए; आयवज्जं पडीयारं, विजहिज्जा तिहा तिहा।४४८। हरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थंडिलं मुणिआ सए; विउस्सिज्ज अणाहारो पुट्ठो तत्थऽहियासए।४४९। इंदिएहिं गिलायंतो, समियं आहारे मुणी; तहावि से अगरिहे, अचले जे समाहिए।४५०। अभिक्कमे पडिक्कमे, संकुचए पसारए; काय-साहारणट्ठाए, इत्थं चा वि अचेयणे।४५१। परिक्कमे परिकिलंते, अदुवा चिट्ठे अहा-यए; ठाणेण परिकिलंते, णिसिइज्जाय अंतसो।४५२। आसीणेऽणेलिसं मरणं, इंदि-याणि समीरए; कोलावासं समासज्ज, वितहं पाउरेसए।४५३। जओ वज्जं समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलंबए; तओ उक्कसे अप्पाणं, फासे तत्थ अहियासए।४५४। अयं चाय-यतरे सिया, जो एवं अणुपालए; सव्वगायणिरोहेवि, ठाणाओ ण विउब्भमे।४५५। अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वट्ठाणस्स पग्गहे; अचिरं पडिलेहित्ता, विहरे चिट्ठ माहणे।४५६। अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं; वोसिरे सव्वसो कायं, ण मे देहे परीसहा।४५७। जावज्जीवं परीसहा, उवसग्गा इय संखया; संवुडे देहभेयाए इय पण्णेऽहियासए॥४५८॥ भेउरेसु ण रज्जेज्जा, कामेसु बहुयरेसु वि; इच्छा लोभं ण सेवेज्जा, धुववण्णं संपेहिया।४५९। सासएहिं णिमंतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्दहे; तं पडि-बुज्झ माहणे, सव्वं णुमं विहूणिया।४६०। सव्वट्ठेहिं अमुच्छिए, आउकालस्स पारए; तितिक्खं परमं णच्चा, विमोहण्णयरं हियं त्ति बेमि।४६१। अट्ठमोद्देसो समत्तो॥

॥ उवहाण-सुयं णाम न अज्झयणं ॥

अहासुयं वइस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाए; संखाए तंसि हेमंते, अहुणा पव्व-इए रीइत्था।४६२। णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तंसि हेमंते; से पारए आव-कहाए, एवं खु अणुधम्मियं तस्स।४६३। चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म; अभिरुज्झकायं विहरिंसु, आरुसियाणं तत्थ हिंसिंसु।४६४। संवच्छरं साहियं मासं, जं ण रिक्कासि वत्थगं भगवं; अचेलए तओ चाई, तं वोसिरिज्ज वत्थामणगारे।४६५। अदु पोरिसिं तिरियंभित्तिं, चक्खुमासज्ज अंतसो झायइ; अह चक्खुभीया संहिया, ते हंता २ बहवे कंदिंसु।४६६। सयणेहिं वितिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थ से परिण्णाय; सागारियं ण सेवेइ य से सयं पवेसिया झाइ।४६७। जे के इमे अगारत्था, मीसीभावं पहाय से झाइ; पुट्ठो वि णाभिभासिंसु, गच्छइ णाइवत्तइ अंजू॥४६८॥ णो सुकरमेयमेगेसिं, णाभिभासे अभिवायमाणे हयपुव्वे तत्थ दंडेहिं, लूसियपुव्वे अप्पपुण्णेहिं॥४६९॥ फरुसाइं दुत्तितिक्खाइं, अइअच्च मुणी परक्कममाणे; आघाय-णट्टगीयाइं, दंडजुज्झाइं मुट्ठिजुज्झाइं।४७०। गढिए मिहो कहासु, समयंमि णायसुए

विसोए अदक्खू; एयाइं सो उरालाइं, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ।४७१। अविसाहिए दुवे वासे, सीओदं अभोच्चा णिक्खंते; एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिण्णायदंसणे-संते ॥४७२॥ पुढविं च आउकायं, तेउकायं च; वाउकायं च; पणगाइं बीयहरियाइं तसकायं च सव्वसो णच्चा, एयाइं संति पडिलेहे,चित्तमंताइं से अभिण्णाय;परिवज्जिय विहरित्था, इइ संखाय से महावीरे ॥४७३॥ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवा य थावरत्ताए; अदुवा सव्वजोणिया, सत्ता कम्मुणा कप्पिया पुढो बाला ॥४७४॥ भगवं च एवमण्णेसिं, सोवहिए हु लुप्पई बाले; कम्मं च सव्वसो णच्चा, तं पडियाइक्खे पावगं भगवं ।४७५। दुविहं समिच्च मेहावी,किरियमक्खायमणेलिसं णाणी; आयाण-सोयमइवायसोयं जोगं च सव्वसोणच्चा ॥४७६॥ अइवत्तियं अणाउट्टिं, सयमण्णेसिं अकरणयाए; जस्सित्थिओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाओ से अदक्खू ।४७७। अहाकडं ण से सेवे, सव्वसो कम्मुणा य अदक्खू; जं किंचि पावगं भगवं; तं अकुव्वं वियडं भुंजित्था ॥४७८॥ णो सेवइ य परवत्थं, परपाएवि से ण भुंजित्था; परिवज्जियाण ओमाणं गच्छइ संखडिं असरणयाए ॥४७९॥ मायण्णे असणपाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु अपडिण्णे; अच्छिंपि णो पमज्जिज्जा णोवि य कंडूयए मुणी गायं ॥४८०॥ अप्पं तिरियं पेहाए, अप्पं पिट्ठओ व पेहाए; अप्पं बुइए ऽपडिभाणी, पंथपेही चरे जयमाणे ।४८१। सिसिरंसि अद्धपडिवण्णे, तं वोसिज्ज वत्थमणगारे; पसारित्तु बाहूं परक्कमे, णो अवलंबिया ण खंधंसि ।४८२। एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मइमया; बहुसो अप्पडिण्णेण, भगवया एवं रियंति त्ति बेमि ।४८३। **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

चरियासणाइं सेज्जाओ, एगइयाओ जाओ बुइयाओ; आइक्खताइं सयणासणाइं, जाइं सेवित्था से महावीरो ॥४८४॥ आवेसण-सभा-पवासु; पणियसालासु, एगया वासो; अदुवा पलियट्ठाणेसु, पलालपुंजेसु एगया वासो ॥४८५॥ आगंतारे आरामागारे तह य णगरे वि एगया वासो; सुसाणे सुण्णगारे वा, रुक्खमूले वि एगया वासो ॥४८६॥ एएहिं मुणी सयणेहिं, समणे आसी पतेरसवासे; राइं दियं पि जयमाणे, अप्पमत्ते समाहिए झाइ ॥४८७॥ णिद्दंपि णो पगामाए, सेवइ भगवं उट्ठाए; जग्गावई य अप्पाणं, ईसिं साइ य अपडिण्णे ॥४८८। संबुज्झमाणे पुणरवि, आसिंसु भगवं उट्ठाए; णिक्खम्म एगया राओ, बहिं चंकमिया मुहुत्तागं ॥४८९॥ सयणेहिं तत्थुवसग्गा, भीमा आसी अणेगरूवाय; संसप्पगाय जे पाणा, अदुवा जे पक्खिणो उवचरंति ॥४९०॥ अदु कुचरा उवचरंति गामरक्खाय सत्तिहत्थाय; अदुगामिया उवसग्गा इत्थी एगइया पुरिसो य ॥४९१॥ इहलोइयाइं परलोइयाइं भीमाइं अणेगरूवाइं; अवि सुब्भिदुब्भिगंधाइं सद्दाइं अणेगरूवाइं

अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं अरइं रइं अभिभूय, रीयइ माहणे अबहुवाई॥४९२॥स जणेहिं तत्थ पुच्छिसु, एगचरा वि एगया राओ; अव्वाहिए कसाइत्था, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे ॥ ४९३ ॥ अयमंतरंसि को एत्थ, अहमंसित्ति भिक्खू आहट्टु; अयमुत्तमे से धम्मे तुसिणीए कसाइए झाइ ॥४९४॥ जंसिप्पेगे पवेयंति, सिसिरे मारुए पवायंते; तंसिप्पेगे अणगारा, हिमवाए णिवायमेसंति ॥४९५॥ संघाडिओ पवेसिस्सामो, एहा य समादहमाणा, पिहिया वा सक्खामो, अइदुक्खे हिमगसंफासा॥४९६॥ तंसि भगवं अपडिण्णे, अहे वियडे अहियासए दविए, णिक्खम्म एगया राओ ठाइए भगवं समियाए ॥४९७॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मइमया; बहुसो अपडिण्णेण, भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ४९८ ॥ **णवमं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

तणफासे, सीयफासे, तेउफासे य, दंसमसगे य; अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९९ ॥ अह दुच्चरलाढमचारी, वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च; पंतं सेज्जं सेविंसु, आसणगाणि चेव पंताणि॥५००॥लाढेहिं तस्सुवसग्गा, बहवे जाणवया लूसिंसु; अह लूहदेसिए भत्ते, कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवइंसु ॥ ५०१ ॥ अप्पे जणे णिवारेइ, लूसणए सुणए दसमाणे; छुच्छुकारंति आहंसु 'समणं कुक्कुरा दसंतु' त्ति ॥५०२॥ एलिक्खए जणे भुज्जो, बहवे वज्जभूमि फरुसासी; लट्ठिं गहाय णालियं, समणा तत्थ य विहरिंसु॥५०३॥एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुव्वा अहेसि सुणएहिं; संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥५०४॥ णिहाय दंडं पाणेहिं, तं कायं वोसिज्जमणगारे ॥ अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥५०५॥ णाओ संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे। एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुव्वो वि एगया गामो ॥५०६॥ उवसंकमंतमपडिण्णं, गामंतियंपि अप्पत्तं; पडिणिक्खमित्तु लूसिंसु, एयाओ परं पलेहित्ति ॥ ५०७ ॥ हयपुव्वो तत्थ दंडेण, अदुवा मुट्ठिणा, अदु कुंताइफलेणं; अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥५०८॥ मंसाइ छिण्णपुव्वाइं,उट्ठंभिया एगया कायं; परीसहाइं लुंचिंसु,अदुवा पंसुणा उवकरिंसु ॥ ५०९ ॥ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु; वोसट्ठकाए पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिण्णे ॥५१०॥ सूरो संगामसीसे व, संवुडे तत्थ से महावीरे, पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचेले भगवं रीइत्था ॥५११॥ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया; बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति, त्ति बेमि ॥५१२॥

णवमं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥

ओमोयरियं चाएइ, अपुट्ठेवि भगवं रोगेहिं; पुट्ठो वा से अपुट्ठो वा, णो से साइ-ज्जइ तेइच्छं ॥५१३॥ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं च सिणाणं च; संबा-हणं ण से कप्पे, दंतपक्खालणं च परिण्णाए ॥५१४॥ विरए य गामधम्मेहिं रीयइ माहणो अबहुवाई; सिसिरंमि एगया भगवं, छायाए झाइ आसी य ॥५१५॥ आयावई य गिम्हाणं अच्छइ उक्कुडुए अभितावे । अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयणमंथुकुम्मासेणं ॥५१६॥ एयाणि तिण्णि पडिसेवे, अट्ठमासे य; जावयं भगवं; अवि इत्थ एगया भगवं,अद्धमासं अदुवा मासंपि ॥५१७॥ अविसाहिए दुवे मासे, छप्पिमासे अदुवा अपिवित्ता । रायोवरायं विहरित्था अपडिण्णे अण्णगिलायमेगया भुंजे ॥५१८॥ छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेणं दसमेणं; दुवालसमेण एगया भुंजे, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे॥५१९॥णच्चा णं से महावीरे, णोवि य पावगं सयमकासी ॥ अण्णेहिं वा ण कारित्था, कीरंतंपि णाणुजाणित्था ॥५२०॥ गामं पविस्स णयरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए; सुविसुद्धमेसिया भगवं, आययजोगयाए सेवित्था ॥५२१॥ अदु वायसा दिगिंच्छित्ता, जे अण्णे रसेसिणो सत्ता; घासेसणाए चिट्ठंति, सययं णिवइए य पेहाए ॥५२२॥ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अइहिं वा; सोवागं मूसियारं वा, कुक्कुरं वा विट्ठियं पुरओ ॥५२३॥वित्तिच्छेयं वज्जंतो, तेसिमप्पत्तियं परिहरंतो; मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥५२४॥ अविसूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं; अदु बुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे अलद्धए दविए ॥ ५२५ ॥ अवि झाइ से महावीरे, आसणत्थे अकुक्कुए झाणं; उड्ढमहेयं तिरियं च, पेहमाणे समाहिमपडिण्णे ॥ ५२६ ॥ अकसाई विगयगेही य, सद्दरूवेसु अमुच्छिए झाइ; छउमत्थो वि परक्कममाणो ण पमायं सइंपि कुव्वित्था ॥ ५२७ ॥ सयमेव अभिसमागम्म, आययजोगमायसोहीए । अभिणिव्वुडे अमाइल्ले आवकहं भगवं समिआसी ॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडि-ण्णेण भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ५२८ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

उवहाणसुयं ज्झयणं समत्तं ॥

॥ बंभचेर णाम पढमो सुयक्खंधो समत्तो ॥

बिइये सुयक्खंधे

पिंडेसणा णाम पढमं अज्झयणं

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जं पुणजाणेज्जा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पाणेहिं वा पणएहिं वा बीएहिं वा, हरिएहिं वा, संसत्तं, उम्मिस्सं, सीओदएण वा ओसित्तं, रयसा वा परिघासियं, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा, परहत्थंसि वा परपायंसि वा, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभेवि संते णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२९ ॥ से य आहच्च पडिग्गाहिए सिया से तं आयाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए, अप्पहरिए, अप्पोसे अप्पोदए, अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टियमक्कडासंताणए विगिंचिय विगिंचिय उम्मीसं विसोहिय विसोहिय तओ संजयामेव भुंजिज्ज वा, पीइज्ज वा, जं च णो संचाइज्जा भोत्तए वा पायए वा, से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अहे झामथंडिलंसि वा, अट्ठिरासिंसि वा, किट्टरासिंसि वा, तुसरासिंसि वा, गोमयरासिंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव परिट्ठविज्जा ॥ ५३० ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा कसिणाओ सासिआओ अविदलकडाओ अतिरिच्छच्छिण्णाओ, अव्वोच्छिण्णाओ तरुणियं वा छिवाडिं अणभिक्कंतभज्जियं पेहाए, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५३१ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा, अकसिणाओ असासियाओ, विदलकडाओ, तिरिच्छच्छिण्णाओ, वोच्छिण्णाओ, तरुणिअं वा छिवाडिं अभिक्कंतं भज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा ॥५३२॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिहुयं वा बहुरयं वा, भुज्जियं वा, मंथुं वा, चाउलं वा, चाउलपलंबं वा, सइं संभज्जियं, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५३३॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा असइं भज्जियं दुक्खुत्तो वा भज्जियं तिक्खुत्तो वा भज्जियं फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥५३४॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे णो अण्णउत्थिएण वा

गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएणं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥५३५॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, बहिया वियारभूमिं वा, विहारभूमिं वा, णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा, णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण वा सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५३६॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा, परिहारिओ अपरिहारिएण वा, सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५३७॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से णो अण्णउत्थियस्स वा गारत्थियस्स वा परिहारिओ वा अपरिहारिअस्स वा असणं पाणं खाइमं साइमं वा देज्जा अणुपदेज्जा वा ॥ ५३८ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ अस्संपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं, भूयाइं, जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तं तहप्पगारं असणं वा ४ पुरिसंतरकडं अपुरिसंतरकडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा, परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५३९॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगा साहम्मिणी, बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ॥ ५४० ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं वा ४ जाव समारब्भ आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४१ ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स पाणाइं ४ जावआहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं अबहिया णीहडं अणत्तट्ठियं अपरिभुत्तं अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४२॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं बहिया णीहडं अत्तट्ठियं परिभुत्तं आसेवियं फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा॥ ५४३ ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिउ कामे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, इमेसु खलु कुलेसु णिइए पिंडे दिज्जइ, णिइए अग्गपिंडे दिज्जइ, णिइए भाए दिज्जइ, अवड्ढभाए दिज्जइ, तहप्पगाराइं कुलाइं णिइयाइं णिइउमाणाइं, णो

भत्ताए वा णो पाणाए वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५४४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५४५ ॥ **पढमं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ अट्ठमिपोसहिएसु वा, अद्धमासिएसु वा, मासिएसु वा, दोमासिएसु वा, तिमासिएसु वा; चाउमासिएसु वा पंचमासिएसु वा, छमासिएसु वा उऊसु वा, उऊसंधीसु वा, उउपरियट्टेसु वा, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाइओ वा, संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं जाव *अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं* णो पडिगाहिज्जा ॥५४६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥५४७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा; तंजहा—उग्गकुलाणि वा, भोगकुलाणि वा, राइण्णकुलाणि वा, खत्तियकुलाणि वा, इक्खागकुलाणि वा, हरिवंसकुलाणि वा, एसियकुलाणि वा, वेसियकुलाणि वा, गंडागकुलाणि वा, कोट्टागकुलाणि वा, गामरक्खकुलाणि वा, बोक्कसालियकुलाणि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु वा, असणं वा ४ फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४८ ॥ से भिक्खू वा २ गाहवइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ समवाएसु वा, पिंडणियरेसु वा, इंदमहेसु वा, खंदमहेसु वा, रुद्दमहेसु वा, मुगुंदमहेसु वा, भूयमहेसु वा, जक्खमहेसु वा, णागमहेसु वा, थूभमहेसु वा, चेइय महेसुवा, रुक्खमहेसु वा, गिरिमहेसु वा, दरिमहेसु वा, अगडमहेसु वा, तडागमहेसु वा, दहमहेसु वा, णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा, आगरमहेसु वा, अण्णयरेसु वा, तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्टमाणेसु, बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४९॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, दिण्णं जं तेसिं

गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएणं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५३५॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, बहिया वियारभूमिं वा, विहारभूमिं वा, णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा, णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण वा सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५३६॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा, परिहारिओ अपरिहारिएण वा, सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५३७॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से णो अण्णउत्थियस्स वा गारत्थियस्स वा परिहारिओ वा अपरिहारिअस्स वा असणं पाणं खाइमं साइमं वा देज्जा अणुपदेज्जा वा ॥ ५३८ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ अस्संपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं, भूयाइं, जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तं तहप्पगारं असणं वा ४ पुरिसंतरकडं अपुरिसंतरकडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा, परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५३९॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगा साहम्मिणी, बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ॥५४०॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं वा ४ जाव समारब्भ आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४१॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स पाणाइं ४ जावआहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं अबहिया णीहडं अणत्तट्ठियं अपरिभुत्तं अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४२॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं बहिया णीहडं अत्तट्ठियं परिभुत्तं आसेवियं फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा॥ ५४३ ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिउ कामे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, इमेसु खलु कुलेसु णिइए पिंडे दिज्जइ, णिइए अग्गपिंडे दिज्जइ, णिइए भाए दिज्जइ, अवड्ढभाए दिज्जइ, तहप्पगाराइं कुलाइं णिइयाइं णिइउमाणाइं, णो

यएहिं वा, परिवाइयाहिं वा, एगज्जं सद्धिं सोंडं पाउं भो ! वइमिस्सं हुरत्था वा, उवस्सयं पडिलेहेमाणे णो लभिज्जा, तमेव उवस्सयं संमिस्सिभावमावज्जिज्जा अण्णमण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीवे वा तं भिक्खुं उवसंकमित्तु बूया 'आउसंतो समणा ! अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, राओ वा, वियाले वा, गामधम्मणियंतियं कट्टु, रहस्सियंमेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो' तं चेवेगइओ साइज्जिज्जा, अकरणिज्जं चेयं संखाए। एए आययणाणि संति संचिज्जमाणा पच्चवाया भवंति, तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा, संखडिं संखडिसंपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५५७॥ से भिक्खू वा २ अण्णयरिं संखडिं वा सोच्चा णिसम्म संपरिहावइ उस्सुयभूयेणं अप्पाणेणं 'धुवा संखडी' णो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थेयरेयरेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा॥५५८॥से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५९॥ आइण्णा अवमा णं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा अट्ठीणा वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे भवइ, सीओदएण वा उसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमा णं संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५६०॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ एसणिज्जे सिया अणेसणिज्जे सिया वितिगिच्छसमावण्णेणं अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५६१॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पविसिउ कामे सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज

दायव्वं, अह तत्थ भुंजमाणे पेहाए गाहावइभारियं वा, गाहावइभगिणिं वा, गाहावइपुत्तं वा, गाहावइधूयं वा, सुण्हं वा, धाइं वा, दासं वा, दासिं वा, कम्मकरं वा, कम्मकरिं वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणित्ति वा, दाहिसि मे इत्तो अण्णयरं भोयणजायं ? से सेवं वयंतस्स परो असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं असणं वा ४ सयं वा पुण जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५५० ॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए संखडिं णच्चा संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥५५१॥ से भिक्खू वा २ पाईणं संखडिं णच्चा पडीणं गच्छे अणाढायमाणे पडीणं संखडिं णच्चा पाईणं गच्छे अणाढायमाणे दाहिणं संखडिं णच्चा उदीणं गच्छे अणाढायमाणे, उदीणं संखडिं णच्चा दाहिणं गच्छे अणाढायमाणे ॥५५२॥ जत्थेव सा संखडी सिया, तंजहा गामंसि वा, णगरंसि वा, खेडंसि वा, कव्वडंसि वा, मंडबंसि वा, पट्टणंसि वा, दोणमुहंसि वा, आगरंसि वा, णिगमंसि वा, आसमंसि वा, संणिवेसंसि वा, जाव रायहाणिंसि वा, संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ॥५५३॥ संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेमाणे आहाकम्मियं वा उद्देसियं, मीसजायं वा, कीयगडं वा, पामिच्चं वा, अच्छेज्जं वा, अणिसट्ठं वा, अभिहडं वा, आहट्टु दिज्जाणं भुंजिज्जा, असंजए भिक्खूपडियाए, खुड्डियदुवारियाओ महल्लियदुवारियाओ कुज्जा, महल्लियदुवारियाओ खुड्डियदुवारियाओ कुज्जा, समाओ सिज्जाओ विसमाओ कुज्जा, विसमाओ सिज्जाओ समाओ कुज्जा, पवायाओ सिज्जाओ णिवायाओ कुज्जा, णिवायाओ सिज्जाओ पवायाओ कुज्जा, अंतो वा, बहिं वा उवस्सयस्स हरियाणि छिंदिय २ दालिय २ संथारगं संथारिज्जा एस विलुंगयामो सिज्जाए अक्खाए तम्हा से संजए णियंठे अण्णयरं वा तहप्पगारं पुरे संखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्ज गमणाए ॥ ५५४ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५५५ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

से एगइओ अण्णयरं संखडिं आसित्ता पिवित्ता छड्डेज्ज वा वमेज्ज वा, भुत्ते वा से णो सम्मं परिणमिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोयातंके समुपज्जिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५६॥ इह खलु भिक्खू गाहावइहिं वा, गाहावइणीहिं वा, परिवा-

यएहिं वा, परिवाइयाहिं वा, एगज्जं सद्धिं सोंडं पाउं भो! वइमिस्सं हुरत्था वा, उवस्सयं पडिलेहेमाणे णो लभिज्जा, तमेव उवस्सयं संमिस्सिभावमावज्जिज्जा अण्णमण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीवे वा तं भिक्खुं उवसंकमित्तु बूया 'आउसंतो समणा! अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, राओ वा, वियाले वा, गामधम्मणियंतियं कट्टु, रहस्सियंमेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो' तं चेवेगइओ साइज्जिज्जा, अकरणिज्जं चेयं संखाए। एए आययणाणि संति संचिज्जमाणा पच्चवाया भवंति, तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा, संखडिं संखडिसंपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५५७॥ से भिक्खू वा २ अण्णयरिं संखडिं वा सोच्चा णिसम्म संपरिहावइ उस्सुयभूयेणं अप्पाणेणं 'धुवा संखडी' णो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थेयरेयरेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा॥५५८॥से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५९॥ आइण्णा अवमाणं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा अट्ठीणा वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे भवइ, सीओदएण वा उसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमाणं संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५६०॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ एसणिज्जे सिया अणेसणिज्जे सिया वितिगिच्छसमावण्णेणं अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५६१॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पविसिउ कामे सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज

वा ॥५६२॥ से भिक्खू वा २ बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा सव्वं भंडगमायाए बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५६३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे सव्वं भंडगमायाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५६४॥ से भिक्खू वा २ अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासेमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं महियं संणिचयमाणं पेहाए महावाएण वा रयं समुद्धुयं पेहाए तिरिच्छसंपाइमा वा तसा पाणा संथडा सण्णिचयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५६५॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, तंजहा—खत्तियाण वा, राईण वा, कुराईण वा, रायपेसियाण वा, रायवंसट्ठियाण वा अंतो वा बहिं वा गच्छंताण वा संणिविट्ठाण वा णिमंतेमाणाण वा अणिमंतेमाणाण वा असणं वा ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा त्ति बेमि ॥५६६॥ **पढमं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो।**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा मंसाइयं वा मच्छाइयं वा मंसखलं वा मच्छखलं वा आहेणं वा पहेणं वा, हिंगोलं वा, संमेलं वा हीरमाणं संपेहाए अंतरा से मग्गा बहुपाणा, बहुबीया, बहुहरिया, बहुओसा, बहुउदया, बहुउत्तिंगपणगदगमट्टियमक्कडासंताणगा, बहवे तत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागता उवागमिस्संति तत्थाइण्णावित्ती णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए, णो पण्णस्स वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥५६७॥ से भिक्खू वा २ गाहवइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, मंसाइयं वा जाव संमेलं वा हीरमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समणमाहण जाव उवागमिस्संति, अप्पाइण्णावित्ती पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए पण्णस्स वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥५६८॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे से जं पुण जाणेज्जा, खीरिणियाओ गावीओ खीरिज्जमाणीओ पेहाए असणं वा ४

उवसंखडिज्जमाणं पेहाए पुरा अप्पजूहिए सेवं णच्चा णो गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, अह पुण एवं जाणेज्जा खीरिणीओ गावीओ खीरियाओ पेहाए, असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए पुराए जूहिए से एवं णच्चा तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५६९॥ भिक्खागाणामेगे एवमाहंसु समाणा वा वसमाणा वा; गामाणुगामं दूइज्जमाणे खुड्डाए खलु अयं गामे संणिरुद्धाए णो महालए से हंता, भयंतारो बाहिरगाणि गामाणि भिक्खायरियाए वयह ॥५७०॥ संति तत्थेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे-संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा—गाहावई वा, गाहावइणीओ वा गाहावइपुत्ता वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, धाईओ वा, दासा वा, दासीओ वा, कम्मकरा वा, कम्मकरीओ वा, तहप्पगाराइं कुलाइं पुरे संथुयाणि वा पच्छासंथुयाणि वा, पुव्वामेव भिक्खायरियाए अणुपविसिस्सामि अवि य इत्थ लभिस्सामि, पिंडं वा लोयं वा, खीरं वा, दधिं वा, णवणीयं वा घयं वा, गुलं वा, तेल्लं वा, महुं वा मज्जं वा मंसं वा सक्कुलिं वा, पूयं वा, सिहरिणिं वा, तं पुव्वामेव भुच्चा पिच्चा पडिग्गहं संलिहिय संमज्जिय तओ पच्छा भिक्खूहिं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिस्सामि णिक्खमिस्सामि वा, माइट्ठाणं संफासे, तं णो एवं करेज्जा, से तत्थ भिक्खूहिं सद्धिं कालेण अणुपविसित्ता, तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥५७१॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५७२॥ **पढमं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए, अग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं पेहाए अग्गपिंडं हीरमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभाइज्जमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभुंजमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिट्ठविज्जमाणं पेहाए, पुरा असिणाइ वा. अवहाराइ वा पुरा जत्थण्णे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा खद्धं खद्धं उवसंकमंति, से हंता अहमवि खद्धं २ उवसंकमामि, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥५७३॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा,

अग्गलपासगाणि वा सइ परक्कमे संजयामेव, परक्कमिज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५७४॥ से तत्थ परक्कममाणे पयलिज्ज वा, पक्खलेज्ज वा पवडिज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पक्खलेज्जमाणे वा पवडमाणे वा, तत्थ से काए उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणेण वा, वंतेण वा पित्तेण वा, पूएण वा, सुक्केण वा, सोणिएण वा, उवलित्ते सिया, तहप्पगारं कायं णो अणंतर-हियाए पुढवीए णो ससिणिद्धाए पुढवीए, णो ससरक्खाए पुढवीए, णो चित्तमंताए सिलाए, णो चित्तमंताए लेलूए, कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे जाव संताणए, णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा, संलिहिज्ज वा, विलिहिज्ज वा, उव्व-लिज्ज वा, उवट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा, पयाविज्ज वा, से पुव्वामेव अप्पससरक्खं तणं वा, पत्तं वा, कट्ठं वा, सक्करं वा, जाइज्जा, जाइत्ता से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, २ अहे झामथंडिलंसि वा, जाव अण्णयरंसि वा, तहप्पगारंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥५७५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा गोणं वियालं पडिपहे पेहाए, महिसं वियालं पडिपहे पेहाए एवं मणुस्सं आसं हत्थिं सीहं वग्घं विगं दीवियं अच्छं तरच्छं परिसरं सियालं विरालं सुणयं कोलसुणयं कोकंतियं चित्ताचेल्लडयं वियालं पडिपहे पेहाए सइपरक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥ ५७६ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे अंतरा से ओवाओ वा, खाणू वा, कंटए वा, घसी वा, भिलूगा वा विसमे वा विज्जले वा, परियावज्जिज्जा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५७७॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलस्स दुवार-बाहं कंटकबोंदियाए परिपिहियं पेहाए तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणणुण्णविय अपडि-लेहिय अपमज्जिय णो अवंगुणिज्ज वा, पविसिज्ज वा, णिक्खमिज्ज वा, तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव अवंगुणिज्ज वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥५७८॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, समणं वा, माहणं वा, गामपिंडोलगं वा, अतिहिं वा, पुव्वपविट्ठं पेहाए णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५७९॥ पुरा पेहाए तस्सट्ठाए परो असणं वा, ४ आहट्टु दलएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस उवएसो, जं णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा से

तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा ॥५८०॥ से परो अणावाय-मसंलोए चिट्ठमाणस्स असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा से यं वएज्जा "आउसंतो समणा! इमे भे असणं वा ४ सव्वजणाए णिसिट्ठे, तं भुंजह च णं परिभाएह च णं" तं चेगइओ पडिगाहेत्ता तुसिणीओ उवेहेज्जा, अवियाइं एयं ममेव सिया एवं माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा २ से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसंतो समणा! इमे भे असणं वा ४ सव्व जणाए णिसिट्ठे तं भुंजह च णं परिभाएह च णं" सेवं वयंतं परो वएज्जा 'आउसंतो समणा! तुमं चेव णं परिभाएहि, से तत्थ परिभाएमाणे णो अप्पणो खद्धं २ डायं २ ऊसढं २ रसियं २ मणुण्णं २ णिद्धं २ लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे, बहुसममेव, परिभाएज्जा ॥५८१॥ से णं परिभाएमाणं परो वएज्जा 'आउसंतो समणा! मा णं तुमं परिभाएहि सव्वे वेगइया ठिया उ भोक्खामो वा पाहामो वा" से तत्थ भुंजमाणे णो अप्पणो खद्धं २ जाव लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए ४ बहुसममेव भुंजिज्ज वा पीइज्ज वा ॥ ५८२ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, समणं वा, माहणं वा; गाम-पिंडोलगं वा, अतिहिं वा, पुव्वपविट्ठं पेहाए णो ते उवाइक्कम्म पविसेज्ज वा ओभा-सेज्ज वा से तमायाय एगंतमवक्कमेज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा, पाडिसेहिए वा दिण्णे वा तओ तंमि णियत्तिए संजयामेव पविसिज्ज वा ओभासिज्ज वा ॥५८३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५८४॥ **पढमं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, रसेसिणो बहवे पाणा घासेसणाए संथडे संणिवइए पेहाए तंजहा—कुक्कुडजाइयं वा, सूयरजाइयं वा अग्गपिंडंसि वा वायसा संथडा संणिवाइया पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५८५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे णो गाहा-वइकुलस्स दुवारसाहं अवलंबिय २ चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स दगच्छड्डणमत्तए चिट्ठिज्जा, णो गाहावइकुलस्स चंदणिउयए चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स सिणा-णस्स वा वच्चस्स वा संलोए सपडिदुवारे चिट्ठिज्जा णो गाहावइकुलस्स आलोयं वा थिग्गलं वा संधिं वा दगभवणं वा बाहाउ पगिज्झिय २ अंगुलियाए वा उद्दिसिय २

उण्णमिय २ अवणमिय २ णिज्झाइज्जा णो गाहावइं अंगुलियाए उद्दिसिय २ जाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए चालिय२ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए तज्जिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उक्खुलंपिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं वंदिय २ जाएज्जा, णो वयणं फरुसं वइज्जा॥५८६॥ अह तत्थ कंचि भुंजमाणं पेहाए, तंजहा—गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोइज्जा, "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं भोयणजायं" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा, भायणं वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति, वा भइणित्ति वा, मा एयं तुमं हत्थं वा, मत्तं वा, दव्विं वा, भायणं वा, सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेहि वा, पहोवेहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा ४ सीओदगवियडेण वा २ उच्छोलेत्ता पहोइत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारेण पुरे कम्मकएणं हत्थेण वा ४ असणं वा ४ अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा णो पुरेकम्मएणं उदउल्लेणं तहप्पगारेणं वा उदउल्लेणं (ससिणिद्धेण) वा हत्थेण वा ४ असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणेज्जा णो उदउल्लेणं ससिणिद्धेणं सेसं तं चेव, एवं ससरक्खे उदउल्ले ससिणिद्धे मट्टिया, ऊसे हरियाले, हिंगुलए, मणोसिला, अंजणे, लोणे, गेरुय, वण्णिय, सेढिय, सोरट्ठिय पिट्ठ कुक्कस उक्कुट्ठ संसट्ठेणं ॥५८७॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, णो असंसट्ठे, संसट्ठे तहप्पगारेण संसट्ठेण हत्थेण वा ४ असणं वा ४ फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥५८८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा पिहुयं वा बहुरयं वा जाव चाउलपलंबं वा, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव मक्कडासंताणाए कुट्टिंसु वा, कुट्टिंति वा, कुट्टिस्संति वा, उप्फणिंसु वा ३ तहप्पगारं पिहुयं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८९ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव संताणाए भिंदिसु वा, भिंदंति वा, भिंदिस्संति वा, रुचिंसु वा ३ बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९०॥ से भिक्खू वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ अगणिणिक्खित्तं तहप्पगारं

असणं वा ४ अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, केवली बूया, "आयाणमेयं" असंजए भिक्खुपडियाए उस्सिंचमाणे वा, णिस्सिंचमाणे वा, आमज्जमाणे वा, पमज्जमाणे वा, ओयारेमाणे वा, उव्वत्तमाणे वा, अगणिजीवे हिंसिज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणे, एसुवएसे, जं तहप्पगारं असणं वा, ४ अगणिणिक्खित्तं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९१॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५९२॥

पढमं अज्झयणं छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ खंधंसि वा थंभंसि वा, मंचंसि वा, मालंसि वा, पासायंसि वा, हम्मियतलंसि वा, अण्णयरंसि वा, तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि उवणिक्खित्ते सिया, तहप्पगारं मालोहडं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, केवली बूया "आयाणमेयं" असंजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा, उदूहलं वा, आहट्टु उस्सविय दुरुहेज्जा, से तत्थ दुरुहमाणे, पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा, पायं वा, बाहुं वा, उरुं वा, उदरं वा, सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसिज्ज वा, पाणाणि वा, भूयाणि वा, जीवाणि वा, सत्ताणि वा, अभिहणिज्ज वा, वित्तासिज्ज वा, लेसिज्ज वा, संघसिज्ज वा, संघट्टिज्ज वा, परियाविज्ज वा, किलामिज्ज वा, ठाणाओ ठाणं संकामिज्ज वा, तं तहप्पगारं मालोहडं असणं वा, ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९३॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ कुट्ठियाओ वा कोलेज्जाओ वा, असंजए भिक्खुपडियाए, उक्कुज्जिय अवउज्जिय ओहरिय, आहट्टु, दलइज्जा, तहप्पगारं असणं वा, ४ मालोहडंति णच्चा लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९४॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ मट्टिओलित्तं तहप्पगारं असणं वा ४ जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा। केवली बूया 'आयाणमेयं' असंजए भिक्खूपडियाए मट्टिओलित्तं असणं वा ४ उब्भिदमाणे पुढवीकायं समारंभिज्जा, तहा आउ-तेऊ-वाऊ-वणस्सइ-तसकायं समारंभिज्जा पुणरवि ओलिंपमाणे पच्छाकम्मं करिज्जा। अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं मट्टिओलित्तं असणं वा, ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९५॥

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ पुढविकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९६॥ से भिक्खू वा भिक्खूणी वा से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ आउकायपइट्ठियं तह चेव एवं अगणिकायपइट्ठियं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, 'केवलीबूया' "आयाणमेयं" असंजए भिक्खूपडियाए अगणिं उस्सक्किय २ णिसक्किय २ ओहरिय २ आहट्टु दलएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ अच्चुसिणं असंजए भिक्खुपडियाए, सुप्पेण वा, विहुयणेण वा, तालियंटेण वा, पत्तेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण वा, चेलेण वा, चेलकण्णेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, फुमिज्ज वा, वीएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणि त्ति वा, मा एयं तुमं, असणं वा, ४ अच्चुसिणं सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा, वीयाहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहिं" से सेवं वयंतस्स परो सुप्पेण वा जाव वीइत्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९८॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ वणस्सइकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा ४ वणस्सइकायपइट्ठियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं तसकाएवि ॥ ५९९ ॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा उस्सेइमं वा, संसेइमं वा, चाउलोदगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं, अहुणाधोयं, अणंबिलं, अवोक्कंतं, अपरिणयं अविद्धत्थं, अफासुयं, अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६००॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चिराधोयं, अंबिलं, वुक्कंतं, परिणयं विद्धत्थं, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥६०१॥ से भिक्खू वा, २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा–तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा; सोविरं वा, सुद्धवियडं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणित्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पाणगजायं ?" से सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा ! तुमं चेवेयं पाणगजायं पडिग्गहेण वा उस्सिंचियाणं ओयत्तियाणं गिण्हाहि" तहप्पगारं पाणगजायं सयं वा गिण्हिज्जा, परो वा से दिज्जा,

फासुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥६०२॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण पाणगं जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए ओहट्टु णिक्खित्ते सिया असंजए भिक्खुपडियाए, उदउल्लेण वा, ससिणिद्धेण वा, सकसाएण, वा, मत्तेण वा सीओदएण वा, संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणग-जायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६०४॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा—अंबपाणगं वा, अंबाडगपाणगं वा, कविट्ठपाणगं वा, माउलिंगपाणगं वा मुद्दियापाणगं वा, दाडिमपाणगं वा, खज्जूरपाणगं वा, णालिएरपाणगं वा, करीर-पाणगं वा, कोलपाणगं वा, आमलगपाणगं वा, चिंचापाणगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं सअट्ठियं सकणुयं सबीयगं असंजए भिक्खुपडियाए छब्वेण वा दूसेण वा, वालगेण वा, आवीलियाण वा, पवीलियाण परिसाइयाण आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे, से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा, अण्णगंधाणि वा, पाणगंधाणि वा, सुरभिगंधाणि वा, अग्घाय २ से तत्थ आसायपडियाए मुच्छिए, गिद्धे, गढिए, अज्झोववण्णे 'अहो गंधो २' णो गंधमाघाइज्जा ॥६०६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, से ज पुण जाणेज्जा, सालुयं वा, विरालियं वा, सासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६०७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिप्पलिं वा, पिप्पलिचुण्णं वा, मिरियं वा, मिरियचुण्णं वा, सिंगवेरं वा, सिंगवेरचुण्णं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाडिज्जा ॥६०८॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पलंबजायं तंजहा अंबपलंबं वा, अंबाडगपलंबं वा, ताल पलंबं वा, झिज्झिरिपलंबं वा, सुरभिपलंबं वा, सल्लइपलंबं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पलंबजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०९॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पवालजायं जाणिज्जा, तंजहा—असोत्थपवालं वा णग्गोह-

पवालं वा, पिलुंखुपवालं वा, णीपूरपवालं वा, सल्लइपवालं वा, अण्णयरं तहप्पगारं पवालजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण सरडुयजायं जाणिज्जा, तंजहा–अंबसरडुयं वा, कविट्ठसरडुयं वा, दाडिमसरडुयं वा, बिल्लसरडुयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं सरडुयजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासु जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६११॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे, से जं पुण मंथुजायं जाणिज्जा, तंजहा–उंबरमंथुं वा, णग्गोहमंथुं वा, पिलक्खुमंथुं वा, आसोत्थमंथुं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं मंथुजायं आमयं दुरुक्कं साणुवीयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१२॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, आमडागं वा, पूइपिण्णागं वा, महुं वा मज्जं वा सप्पिं वा, खोलं वा पुराणं एत्थ पाणा अणुप्पसूया, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१३॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं वा, सिंघाडगं वा, पूइआलुगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा; उप्पलं वा, उप्पल णालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१५॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गबीयाणि वा, मूलबीयाणि वा, खंधबीयाणि वा, पोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि वा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूसियं वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१७॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणणालं वा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा॥६१८॥से भिक्खू वा,२ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अच्छिअं

वा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, विलुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१९॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा तिलपप्पडगं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२०॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६२१॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा ४ भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा—असणं वा ४ सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छावि अप्पणो अट्ठाए असणं वा ४ चेइस्सामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोचा णिसम्म तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२२॥ से भिक्खू वा २ समाणे वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे से जं पुण जाणिज्जा, गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संतेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा—गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तहप्पगाराइं कुलाइं णो पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं'। पुरा पेहाए तस्स परो अट्ठाए असणं वा ४ उवकरेज्ज वा, उवक्खडेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा ४ जं णो तहप्पगाराइं कुलाइं पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा। से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, से तत्थ कालेणं अणुपविसिज्जा २ तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं एसित्ता आहारं आहारिज्जा ॥६२३॥ सिया से परो कालेण अणुपविट्ठस्स आहाकम्मियं असणं वा ४ उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा, तं चेगइओ तुसणीओ उवेहेज्जा, 'आहडमेव पच्चाइक्खिस्सामि' माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा 'आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मियं असणं

वा ४ भोत्तए वा पायए वा, मा उवकरेहि, मा उवक्खडेहि, से सेवं वयंतस्स परो आहाकम्मियं असणं वा ४ उवक्खडावित्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२४॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा मंसं वा मच्छं वा भज्जिज्जमाणं पेहाए तेल्लपूयं (यं) वा आएसाए उवक्खडिज्जमाणं पेहाए णो खद्धं २ उवसंकमित्तु ओभासेज्जा णण्णत्थ गिलाणणीसाए ॥६२५॥ से भिक्खू वा जाव समाणे अण्णयरं भोयणजायं पडिगाहित्ता सुब्भि-सुब्भि भोच्चा दुब्भि-दुब्भि परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, सुब्भि वा दुब्भि वा सव्वं भुंजिज्जा णो किंचिवि परिट्ठविज्जा ॥६२६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे अण्णयरं वा पाणयजायं पडिगाहित्ता पुप्फं २ आवीइत्ता कसायं २ परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, पुप्फं पुप्फेइ वा कसायं कसाएत्ति वा सव्वमेयं भुंजिज्जा णो किंचिवि परिट्ठवेज्जा ॥६२७॥ से भिक्खू वा २ बहुपरियावण्णं भोयणजायं पडिगाहित्ता बहवे साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया, समणुण्णा अपरिहारिया, अदूरगया तेसिं अणालोइया अणामंतिया परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से तमायाय तत्थ गच्छेज्जा २ से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसंतो समणा! इमे मे असणं वा ४ बहुपरियावण्णे, तं भुंजह च णं" से सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा! आहारमेयं असणं वा ४ जावइयं २ परिसडइ तावइयं २ भोक्खामो वा, पाहामो वा, सव्वमेयं परिसडइ, सव्वमेयं भोक्खामो वा पाहामो वा" ॥६२८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, परं समुद्दिस्स बहिया णीहडं तं परेहिं असमणुण्णायं अणिसिट्ठं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, तं परेहिं समणुण्णायं संणिसिट्ठं फासुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥६२९॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६३०॥**नवमोद्देसो समत्तो ॥**

से एगइओ साहारणं वा पिंडवायं पडिगाहित्ता, ते साहम्मिए अणापुच्छित्ता जस्स-जस्स इच्छइ तस्स-तस्स खद्धं-खद्धं दलयइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा २ पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसंतो समणा! संति मम पुरे-संथुया वा पच्छासंथुया वा, तंजहा—आयरिए वा, उवज्झाए वा, पवित्ती वा, थेरे वा, गणी वा, गणहरे वा, गणावच्छेइए वा, अवियाइं एएसिं खद्धं-खद्धं

दाहामि" से सेवं वयंत परो वएज्जा, कामं खलु आउसो! अहापज्जत्तं णिसिराहि जावइयं २ परो वयइ तावइयं २ णिसिरेज्जा, सव्वमेयं परो वयइ सव्वमेयं णिसिरेज्जा ॥६३१॥ से एगइओ मणुण्णं भोयणजायं पडिगाहित्ता पंतेण भोयणेण पलिच्छाएइ "मामेयं दाइयं संतं दट्ठूणं सयमायए, आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा, णो खलु मे कस्सइ किंचिवि दायव्वं सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, २ पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गहं कट्टु "इमं खलु इमं खलु त्ति" आलोएज्जा, णो किंचिवि णिगूहेज्जा ॥६३२॥ से एगइओ अण्णयरं भोयणजायं पडिगाहित्ता, भद्दयं भद्दयं भोच्चा, विवण्णं विरसमाहरइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करिज्जा ॥६३३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छियं वा, उच्छुगंडियं वा, उच्छुचोयगं वा, उच्छुमेरगं वा, उच्छुसालगं वा, उच्छुडालगं वा, सिंबलिं वा, सिंबलिथालगं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे सिया भोयणजाए, बहुउज्झियधम्मिए तहप्पगारं अंतरुच्छुयं जाव सिंबली थालगं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६३४ ॥ से भिक्खु वा २ से जं पुण जाणिज्जा, बहु अट्ठियं वा मंसं वा मच्छं वा बहुकंटगं अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पेसिया भोयणजाए बहुउज्झियधम्मिए-तहप्पगारं बहु अट्ठियं वा मंसं वा, मच्छं वा बहुकंटगं लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६३५॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, सिया णं परो बहु अट्ठिएणं वा मंसेण वा मच्छेण वा उवणिमंतेज्जा "आउसंतो समणा अभिकंखसि! बहुअट्ठियं मंस पडिगाहित्तए?" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणित्ति वा, णो खलु मे कप्पइ से बहुअट्ठियं मंसं पडिगाहित्तए, अभिकंखसि मे दाउं, जावइयं तावइयं पुग्गलं दलयाहि, मा य अट्ठियाइं" से सेवं वयंतस्स परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गहगंसि बहुअट्ठियं मंसं परिभाएत्ता णिहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, से आहच्च पडिगाहिए सिया तं णोहि त्ति वएज्जा, णो अणहित्ति वएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा २ अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडए जाव अप्पसंताणए, मंसगं मच्छगं भुच्चा अट्ठियाइं कंटए गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा २ अहे ज्झामथंडिलंसि वा, जाव पमज्जिय २ तओ संजयामेव

परिट्ठविज्जा ॥६३६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे सिया परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गहए बिलं वा लोणं, उब्भियं वा लोणं, परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं परहत्थंसि वा, परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा से आहच्च पडिग्गाहिए सिया तं च णाइदूरगए जाणिज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छिज्जा २ पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा, इमं ते किं जाणया दिण्णं उदाहु अजाणया? सो य भणेज्जा, णो खलु मे जाणया दिण्णं, अजाणया दिण्णं, कामं खलु आउसो! इदाणिं णिसिरामि तं भुंजह च णं परिभाएह च णं, तं परेहिं समणुण्णायं समणुसिट्ठं तओ संजयामेव, भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा, जं च णो संचाएइ भोत्तए वा पायए वा साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुण्णा अपरिहारिया अदूरगया तेसिं अणुपयायव्वं, सिया णो जत्थ साहम्मिया सिया जहेव बहुपरियावण्णे कीरइ तहेव कायव्वं सिया ॥६३७॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६३८॥ **दसमोद्देसो समत्तो** ॥

भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता "से य भिक्खू गिलाई से हंदह णं तस्साहरह से य भिक्खू णो भुंजिज्जा आहरिज्जा तुमं चेव णं भुंजिज्जासि" से एगइओ भोक्खामित्ति कट्टु पलिउंचिय २ आलोएज्जा, तंजहा--इमे पिंडे इमे लोए इमे तित्तए इमे कडुए इमे कसाए इमे अंबिले इमे महुरे णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइत्ति माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा तहाठियं तहेव तं आलोएज्जा जहाठियं जहेव तं गिलाणस्स सयइत्ति, तंजहा--तित्तयं तित्तएत्ति वा, कडुयं कडुएत्ति वा, कसायं कसाएत्ति वा, अंबिलं अंबिलेत्ति वा, महुरं महुरेत्ति वा ॥६३९॥ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु, समाणे वा वसमाणे वा, गामाणुगामं दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता से भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह सेय भिक्खू णो भुंजिज्जा, आहरेज्जा, से णं णो खलु मे अंतराए आहरिस्सामि इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥६४०॥ अह भिक्खू जाणिज्जा सत्त पिंडेसणाओ सत्त पाणेसणाओ तत्थ खलु इमा पढमा पिंडेसणा असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते तहप्पगारेण असंसट्ठेण हत्थेण वा मत्तेण वा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, पढमा पिंडेसणा ॥६४१॥ अहावरा दोच्चा पिंडेसणा, संसट्ठे हत्थे

संसट्ठे मत्तए तहेव दोच्चा पिंडेसणा ॥ ६४२ ॥ अहावरा तच्चा पिंडेसणा, इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया सड्ढा भवंति गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा, तेसिं च णं अण्णयरेसु विरूवरूवेसु भायणजाएसु उवणिक्खित्तपुव्वे सिया तंजहा थालंसि वा, पिढरंसि वा सरगंसि वा, परगंसि वा, वरगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा, असंसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्ते, संसट्ठे वा हत्थे असंसट्ठे मत्ते से य पडिग्गहधारी सिया पाणिपडिग्गहिए वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसोत्ति वा, भगिणि त्ति वा, एएणं तुमं असंसट्ठेण हत्थेण संसट्ठेण मत्तेण संसट्ठेण वा हत्थेण असंसट्ठेण मत्तेण अस्सिं पडिग्गहगंसि वा पाणिंसि वा णिहट्टु उचित्तु दलयाहि" तहप्पगारं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा। तच्चा पिंडेसणा ॥६४३॥ अहावरा चउत्था पिंडेसणा, से भिक्खू वा, २ से जं पुण जाणिज्जा, पिहुअं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे अप्पे पज्जवजाए, तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा जाव पडिगाहिज्जा। चउत्था पिंडेसणा ॥६४४॥ अहावरा पंचमा पिंडेसणा से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, जाव समाणे, उग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, तंजहा—सरावंसि वा, डिंडिमंसि वा, कोसगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा बहुपरियावण्णे पाणीसु उदगलेवे तहप्पगारं असणं वा ४ सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा। पंचमा पिंडेसणा ॥६४५॥ अहावरा छट्ठा पिंडेसणा, से भिक्खू वा २ पग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, जं च सयट्ठाए पग्गहियं जं च परट्ठाए पग्गहियं तं पायपरियावण्णं तं पाणिपरियावण्णं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा। छट्ठा पिंडेसणा ॥६४६॥ अहावरा सत्तमा पिंडेसणा, से भिक्खू वा २ जाव समाणे बहु उज्झियधम्मियं भोयणजायं जाणिज्जा, जं चऽण्णे बहवे दुपय-चउप्पय-समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमगा णावकंखंति तहप्पगारं उज्झियधम्मियं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से दिज्जा जाव फासुयं पडिगाहिज्जा। सत्तमा पिंडेसणा ॥ इच्चेयाओ सत्त पिंडेसणाओ ॥६४७॥ अहावराओ सत्त पाणेसणाओ, तत्थ खलु इमा पढमा पाणेसणा, असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते तं चेव भाणियव्वं, णवरं चउत्थाए णाणत्तं, से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा—तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा,

आयामं वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा, अस्सि खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे, तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥६४८॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पिंडेसणाणं सत्तण्हं पाणेसणाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे णो एवं वएज्जा "मिच्छापडिवण्णा खलु एए भयंतारो अहमेगे सम्मं पडिवण्णे, जे एए भयंतारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जित्ताणं विहरंति, जो य अहमंसि एय पडिमं पडिवज्जित्ताणं विहरामि सव्वेऽवि ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अण्णोण्णसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥६४९॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६५०॥ **एगारसमोद्देसो। बिइयसुयक्खंधस्स पिंडेसणा णामं पढमज्झयणं समत्तं॥**

॥ सेज्जा णाम बीयं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा, उवस्सयं एसित्तए, से अणुपविसेत्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा ॥६५१॥ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, सअंडं जाव ससंताणयं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६५२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, अप्पंडं अप्पपाणं जाव अप्पसंताणयं तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६५३॥ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तहप्पगारे उवस्सए पुरिसंतरगडे वा अपुरिसंतरगडे वा जाव अणासेविए वा णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा। एवं बहवे साहम्मिया एगं साहम्मिणी बहवे साहम्मिणीओ ॥६५४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा असंजए भिक्खुपडियाए बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव चेएइ तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६५५॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कडिए वा, उक्कंबिए वा, छण्णे वा, लित्ते वा, घट्ठे वा, मट्ठे वा, संमट्ठे वा, संप-

धूमिए वा, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाणं वा, सेज्जं वा, णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव जाव चेएज्जा ॥६५६॥ से भिक्खु वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लियाओ कुज्जा, जहा पिंडेसणाए जाव संथारगं संथारिज्जा, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा, सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव जाव चेएज्जा ॥६५७॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि वा, कंदाणि वा, मूलाणि वा, पत्ताणि वा, पुप्फाणि वा, फलाणि वा, बीयाणि वा, हरियाणि वा, ठाणाओ ठाणं साहरइ, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा। अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरगडे जाव चेएज्जा ॥६५८॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खूपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ बहिया वा णिण्णक्खु, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव चेएज्जा ॥६५९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तंजहा खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि, अंतलिक्खजायंसि, णण्णत्थ आगाढागाढेहिं कारणेहिं, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६०॥ से आहच्च चेइए सिया णो तत्थ सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, हत्थाणि वा, पायाणि वा, अच्छीणि वा, दंताणि वा, मुहं वा, उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा, णो तत्थ ऊसढं पगरेज्जा, तंजहा—उच्चारं वा पासवणं वा, खेलं वा, सिंघाणं वा, वंतं वा, पित्तं वा, पूयं वा, सोणियं वा, अण्णयरं वा सरीरावयवं केवली बूया "आयाणमेयं" से तत्थ ऊसढं पगरेमाणे पयलेज्ज वा, पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे पवडेमाणे वा हत्थं वा, जाव सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसेज्ज वा पाणाणि वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तह-

प्पगारे उवस्सए अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइकुलेण सद्धिं संवसमाणस्स अलसए वा विसूइया वा छड्डी वा उव्वाहिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा असंजए कलुणवडियाए तं भिक्खुस्स गायं तेलेण वा,घएण वा, णवणीएण वा, वसाए वा उव्वट्टणेण वा अब्भंगेज्ज मक्खिज्ज वा, सिणाणेण वा, कक्केण वा, लोद्देण वा, वण्णेण वा, चुण्णेण वा, पउमेण वा,आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा,उव्वलेज्ज वा,उवट्टेज्ज वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, सिणाविज्ज वा, सिंचिज्ज वा, दारुणा वा, दारुपरिणामं कट्टु, अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालिज्ज वा, उज्जालित्ता २ कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा॥६६२॥आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए उवस्सए वसमाणस्स इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा पहंति वा रुंभंति वा उद्दविंति वा अह भिक्खूणं उच्चावयं मणं णियंछेज्जा एए खलु अण्णमण्णं उक्कोसंतु वा मा वा उक्कोसंतु जाव मा वा उद्दविंतु। अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६३॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइ अप्पणो सअट्ठाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालेज्ज वा विज्झावेज्ज वा अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछेज्जा, एए खलु अगणिकायं उज्जालेंतु वा जाव मा वा विज्झावेंतु अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा॥ ६६४ ॥ आयाणमेयं भिक्खुक्स्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा, गुणे वा मणी वा, मोत्तिए वा, हिरण्णे वा, सुवण्णे वा, कडगाणि वा, तुडियाणि वा, तिसरगाणि वा, पालंबाणि वा, हारे वा, अद्धहारे वा, एगावली वा, मुत्तावली वा, कणगावली वा, रयणावली वा, तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए,

अह भिक्खू उच्चावयं मणं, णियंछेज्जा, "एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया" इइ वा णं बूया, इइ वा णं मणं साएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा ४ जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६६५॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइणीओ वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, गाहावइधाईओ वा, गाहावइदासीओ वा, गाहावइकम्मकरीओ वा, तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणधम्माओ णो खलु एएसिं कप्पइ मेहुणंधम्मं परियारणाए आउट्टित्तए जा य खलु एएहिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टाविज्जा पुत्तं खलु सा लभेज्जा, ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयणदरिसिणिज्जं," एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तासिं च णं अण्णयरी सड्ढीं तं तवस्सिं भिक्खुं मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टावेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६६७॥ - **सेज्जाज्झयणस्स**

पढमोद्देसो समत्तो ॥

गाहावइ णामेगे सुइसमायारा भवंति से भिक्खू य असिणाणाए मोयसमायारे से तग्गंधे दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, जं पुव्वकम्मं, जं पच्छाकम्मं तं पच्छाकम्मं तं पुव्वकम्मं तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा णो करेज्जा वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा।६६८। आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सअट्ठाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा ४ उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा तं च भिक्खू अभिकंखेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं चेएज्जा ॥६६९॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइणा सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिण्णपुव्वाइं भवंति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा, किणेज्ज वा पामिच्चेज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिकंखेज्ज वा आयावेत्तए वा, पयावेत्तए वा, वियट्टित्तए वा,

अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं चेएज्जा ॥६७०॥ से भिक्खू वा २ उच्चारपासवणेणं उव्वाहिज्जमाणे राओ वा वियाले वा, गाहावइकुलस्स दुवारबाहं अवंगुणेज्जा तेणे य तस्संधिचारी अणुपविसेज्जा, तस्स भिक्खुस्स णो कप्पइ एवं वदित्तए "अयं तेणे पविसइ वा णो वा पविसइ, उवल्लियइ वा णो वा उवल्लियइ, आवयइ वा णो वा आवयइ, वयइ वा णो वा वयइ, तेण हडं अण्णेण हडं, तस्स हडं अण्णस्स हडं, अयं तेणे अयं उवरए, अयं हंता, अयं एत्थमकासी," तं तवस्सिं भिक्खुं अतेणं तेणं ति संकइ, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव चेएज्जा ॥ ६७१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा तणपुंजेसु पलालपुंजेसु वा, सअंडे जाव ससंताणए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६७२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तणपुंजेसु वा, पलालपुंजेसु वा अप्पंडे जाव चेएज्जा ॥ ६७३ ॥ से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अभिक्खणं अभिक्खणं साहम्मिएहिं ओवयमाणेहिं णो उवएज्जा ॥ ६७४ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुबद्धियं वासावासियं वा कप्पं उवाइणित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो! कालाइक्कंतकिरिया वि भवइ ॥६७५॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुबद्धियं वा वासावासियं वा, कप्पं उवाइणावित्ता तं दुगुणा दु(ति)गुणेण वा अपरिहरित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो! इत्तरा उवट्ठाणकिरिया यावि भवइ ॥ ६७६ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ तं सद्दहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं, तं रोयमाणेहिं बहवे समण-माहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तंजहा—आएसणाणि वा आययणाणि वा देवकुलाणि वा सहाओ वा पवाणि वा पणियगिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सुहा-कम्मंताणि वा दब्भकम्मंताणि वा बद्धकम्मंताणि वा, वक्कयकम्मंताणि वा वणकम्मंताणि वा इंगालकम्मंताणि वा कट्ठकम्मंताणि वा सुसाणकम्मंताणि वा संतिकम्मंताणि वा सुण्णागारकम्मंताणि वा गिरिकम्मंताणि वा कंदराकम्मंताणि वा सेलोवट्ठाणकम्मंताणि

वा भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं ओवयमाणेहिं ओवयंति, अयमाउसो ! अभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥६७७॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए समुद्दिस्स, तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तंजहा—आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं अणोवयमाणेहिं ओवयंति अयमाउसो ! अणभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥ ६७८ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति, तंजहा—गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो सीलमंता जाव उवरया मेहुणधम्माओ, णो खलु एएसिं भयंताराणं कप्पइ आहाकम्मिए उवस्सए वत्थए, से जाणि इमाणि अम्हं अप्पणो सअट्ठाए चेइयाइं भवंति, तंजहा आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, सव्वाणि ताणि समणाणं णिसिरामो अवियाइं वयं पच्छा अप्पणो सअट्ठाए चेइस्सामो तंजहा—आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो ! वज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७९॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीण वा, संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति तंजहा—आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति २ इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो ! महावज्जकिरिया वि भवइ ॥६८०॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समणजाए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति—तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति २ त्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति, अयमाउसो ! सावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६८१॥ इह खलु पाईणं वा जाव उदीणं वा संते-

गइया सड्ढा भवंति तंजहा—गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च णं आयार-गोयरे णो सुणिसंते भवइ जाव तं रोयमाणेहिं एक्कं समणजायं समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति,तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढवीकायसमारंभेणं एवं महया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायसमारंभेणं महया संरंभेणं महया समारंभेणं महया आरंभेणं महया विरूवरूवेहिं पावकम्मेहिं तंजहा छायणओ,लेवणओ, संथारदुवारपिहणाओ,सीतोदए वा परिट्ठवियपुव्वे भवइ, अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति दुपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो ! महासावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६८२॥ इह खलु पाईणं वा जाव तं रोयमाणेहिं अप्पणो सअट्ठाए तत्थ २ अगारीहिं जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढविकायसमारंभेणं जाव अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति एगपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो ! अप्पसावज्जा किरिया या वि भवइ ॥ ६८३ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६८४॥ **सेज्जाज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

"से य णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे णो य खलु सुद्धे इमेहिं, पाहुडेहिं, तंजहा—छायणओ, लेवणओ संथारदुवारपिहणओ पिंडवाएसणाओ से य भिक्खू चरियारए ठाणरए णिसीहियारए सेज्जासंथारपिंडवाएसणारए" संति भिक्खुणो एव मक्खाइणो उज्जुया णियागपडिवण्णा अमायं कुव्वमाणा वियाहिया ॥६८५॥ संतेगइआ पाहुडिया उक्खित्तपुव्वा भवइ एवं णिक्खित्तपुव्वा भवइ परिभाइयपुव्वा भवइ परिभुत्तव्वा भवइ परिट्ठवियपुव्वा भवइ एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरेइ ? हंता भवइ ॥६८६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा खुड्डियाओ खुड्डुदुवारियाओ णीयाओ संनिरुद्धाओ भवंति, तहप्पगारे उवस्सए राओ वा विआले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण वा पच्छा पाएण वा तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं' जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्तए वा मत्तए वा दंडए वा लट्ठिया वा

भिसिया वा णालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्म-छेदणए वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं वा लूसेज्ज वा, पाणाणि जाव सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए पुरा हत्थेणं पच्छा पाएणं तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ६८७ ॥ से आगंतारेसु वा अणुवीइ उवस्सयं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते उवस्सयं अणुण्णवेज्जा, कामं खलु आउसो! अहालंदं अहापरिण्णायं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स उवस्सए जाव साहम्मियाए तओ उवस्सयं गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ६८८ ॥ से भिक्खू वा २ जस्सुवस्सए संवसिज्जा तस्स पुव्वामेव णामगोयं जाणिज्जा तओ पच्छा तस्स गिहे णिमंतेमाणस्स अणिमंतेमाणस्स वा असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ६८९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा ससा-गारियं सागणियं सउदयं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसणाए, णो पण्णस्स वायण जाव धम्माणुओग चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झं मज्झेणं गंतुं पंथए पडिबद्धं णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्ण-मण्णमक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा, वसाए वा अब्भंगेंति वा मक्खेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९३॥ से भिक्खू वा, २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, अण्णमण्णस्स गायं सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्धेण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा, आघंसंति वा पघंसंति वा उव्वलंति वा उव्वट्टिंति वा णो पण्णस्स णिक्खमण जाव

चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेंति वा पधोवेंति वा सिंचंति वा सिणावेंति वा णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९५॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा णिगिणा ठिआ, णिगिणा उल्लीणा मेहुणधम्मं विण्णवेंति रहस्सियं वा मंतं मंतेंति णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खं णो पण्णस्स जाव चिंताए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९७ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा संथारगं एसित्तए ॥ ६९८ ॥ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं गरुयं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ७०० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं अपाडिहारियं तहप्पगारं सेज्जा संथारयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ७०१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं णो अहाबद्धं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ७०२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं अहाबद्धं तहप्पगारं संथारयं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ ७०३ ॥ इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं चउहिं पडिमाहिं संथारगं एसित्तए तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा;—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय उद्दिसिय संथारगं जाएज्जा, तंजहा—इक्कडं वा कढिणं वा जंतुयं वा परगं वा मोरगं वा तणं वा सोरगं वा कुसं वा कुच्चगं वा पव्वगं वा पिप्पलगं वा पलालगं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो ! त्ति वा भगिणी ! त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ? तहप्पगारं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा । पढमा पडिमा ॥७०४॥ अहावरा दोच्चा पडिमा, से भिक्खू वा २ पेहाए संथारगं जाएज्जा तंजहा—गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो ! त्ति वा भगिणि ! त्ति वा

दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ?" तहप्पगारं संथारगं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा। दोच्चा पडिमा ॥ ७०५ ॥ अहावरा तच्चा पडिमा, से भिक्खू वा २ जस्सुवस्सए संवसेज्जा जे तत्थ अहासमण्णागए तंजहा—इक्कडेइ वा जाव पलालेइवा तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णिसज्जिए वा विहरेज्जा। तच्चा पडिमा ॥ ७०६ ॥ अहावरा चउत्था पडिमा, से भिक्खू वा २ अहा संथडमेव संथारगं जाइज्जा तंजहा—पुढविसिलं कट्ठसिलं वा, अहासंथडमेव तस्स लाभे संते संवसेज्जा, अलाभे उक्कुडुए वा णिसज्जिए वा विहरेज्जा। चउत्था पडिमा ॥७०७॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे तं चेव जाव अण्णोण्णसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥ ७०८ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा संथारं पच्चप्पिणित्तए से जं पुण संथारगं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं णो पच्चप्पिणिज्जा ॥ ७०९ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा संथारगं पच्चप्पिणित्तए, से जं पुण संथारगं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं पडिलेहिय २ पमज्जिय २ आयाविय २ विहुणिय २ तओ संजयामेव पच्चप्पिणेज्जा ॥ ७१० ॥ से भिक्खू वा २ समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुव्वामेव णं पण्णस्स उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहिज्जा केवली बूया 'आयाणमेयं' अपडिलेहियाए उच्चारपासवणभूमिए भिक्खू वा भिक्खुणी वा राओ वा वियाले वा उच्चारपासवणं परिट्ठवेमाणे, पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलेमाणे पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा जाव लूसिज्जा पाणाणि वा ४ जाव ववरोवेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं पुव्वामेव पण्णस्स उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेज्जा ॥ ७११ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा सेज्जासंथारगभूमिं पडिलेहित्तए णण्णत्थ आयरिएण वा उवज्झाएण वा जाव गणावच्छेइएण वा बालेण वा वुड्ढेण वा सेहेण वा गिलाणेण वा आएसेण वा अंतेण वा मज्झेण वा समेण वा विसमेण वा पवाएण वा णिवाएण वा तओ संजयामेव पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव बहुफासुयं सिज्जासंथारगं संथरिज्जा ॥ ७१२ ॥ से भिक्खू वा २ बहुफासुयं सेज्जासंथारगं संथरित्ता अभिकंखेज्जा, बहुफासुए सेज्जासंथारए दुरुहित्तए ॥ ७१३ ॥ से भिक्खू वा २ बहुफासुए सेज्जासंथारए दुरुहमाणे से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जिय २

तओ संजयामेव बहुफासुए सिज्जासंथारगे दुरुहिज्जा दुरुहित्ता तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥७१४॥ से भिक्खू वा २ बहुफासुए सेज्जा संथारए सयमाणे णो अण्णमण्णस्स हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं आसाएज्जा, से अणासायमाणे तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥७१५॥ से भिक्खू वा २ उस्सासमाणे वा णीसासमाणे वा कासमाणे वा छीयमाणे वा जंभायमाणे वा उड्डुए वा वायणिसग्गे वा करेमाणे पुव्वामेव आसयं वा पोसयं वा पाणिणा परिपिहित्ता तओ संजयामेव ऊससेज्ज वा जाव वायणिसग्गं वा करेज्जा ॥७१६॥ से भिक्खू वा २ समावेगया सेज्जा भवेज्जा, विसमा वेगया सेज्जा भवेज्जा, पवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, ससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा अप्पससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सउवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिरुवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, तहप्पगाराहिं सेज्जाहिं संविज्जमाणाहिं पग्गहियतरागं विहारं विहरेज्जा, णो किंचिवि गिलाएज्जा ॥ ७१७ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥७१८ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥ सेज्जाणामबिइय-अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ इरिया णाम तइयं अज्झयणं ॥

"अब्भुवगए खलु वासावासे अभिपवुट्ठे बहवे पाणा अभिसंभूया, बहवे बीया-अहुणुब्भिण्णा, अंतरा से मग्गा, बहुपाणा बहुबीया, जाव संताणगा, अणभिक्कंता पंथा णो विण्णाया मग्गा" सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥७१९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा णो महई विहारभूमि णो महई वियारभूमि, णो सुलभे पीढफलगसेज्जासंथारए णो सुलभे फासुए अच्छे अहेसणिज्जे बहवे जत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागया उवागमिस्संति य अच्चाइण्णा वित्ती णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा णो वासावासं उवल्लिएज्जा

॥७२०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा महई विहारभूमी महई वियारभूमी सुलभे जत्थ पीढफलगसेज्जासंथारए सुलभे फासुए उंच्छे अहेसणिज्जे णो जत्थ बहवे-समण जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिं वा तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥७२१॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा॥७२२॥अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच-दस-रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा उक्खिप्पपायं रीएज्जा तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सइ परक्कमे संजयामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२५ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिगाणि दस्सुगाययणाणि मिलक्खूणि अणायरियाणि दुस्सण्णप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकालपरिभोईणि सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जा गमणाए केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिदेज्ज वा भिंदेज्ज वा अवहरिज्ज वा, परिट्ठविज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंतियाणि दस्सुगाययणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२६ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्ति-

याए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२७॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, एगाहेण वा, दुयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पंचाहेण वा, पाउणिज्ज वा, णो पाउणिज्ज वा, तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सइ लाढे जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वासे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, बीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाएसु वा अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२८ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावासंतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलाविज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२९ ॥ से भिक्खू वा २ पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, २ त्ता भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारंभत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥७३०॥ से भिक्खू वा २ णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झओ दुरुहेज्जा, णो बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥७३१॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा॥७३२॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा! णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहार एयं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसि-

स्सामो'' णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३३॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं आलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवलुएण वा वाहेहि णो से यं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३४॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणेण वा उस्सिंचाहि।'' णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३५॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, आउसंतो समणा ! एयं तो तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण वा पाएण वा बाहुणा वा उरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सिंचणेण वा चेलेण वा मट्टियाए वा कुसपत्तएण वा कुरुविंदेण वा पिहेहि।'' णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३६॥ से भिक्खू वा २ णावाए उत्तिंगेणं उदयं आसवमाणं पेहाए उवरुवरिं णावं कज्जलावेमाणिं पेहाए णो परं उवसंकमित्तु एवं बूया, "आउसंतो गाहावइ ! एयं ते णावाए उदयं उत्तिंगेणं आसवइ, उवरुवरिं वा णावा कज्जलावेइ'' एयप्पगारं मणं वा वायं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए अबहिल्लेस्से एगंतगएणं अप्पाणं विउसेज्ज समाहीए, तओ संजयामेव णावासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥७३७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७३८ ॥ **इरियाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं छत्तगं वा जाव चम्मछेयणगं वा गिण्हाहि, एयाणि तुमं विरूवरूवाणि सत्थजायाणि धारेहि, एयं ता तुमं दारगं वा पज्जेहि।'' णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३९॥ से णं परो णावागए णावागयं वएज्जा एसणं समणे णावाए भंडभारिए भवइ से णं बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह, एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेढ्ढिज्ज वा णिव्वेढ्ढिज्ज वा उप्फेसं वा करिज्जा ॥७४०॥ अह पुण एवं जाणिज्जा अभिक्कंत-कूरकम्मा खलु बाला बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा से पुव्वामेव वएज्जा 'आउसंतो गाहावई ! मा मेत्तो बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह

सयं चेव णं अहं णावाओ उदगंसि ओगाहिस्सामि,' से णेवं वयंतं परो सहसा बलसा बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा तं णो सुमणे सिया णो दुम्मणे सिया णो उच्चावयं मणं णियंछिज्जा, णो तेसिं बालाणं छायए वहाए समुट्ठिज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहिए तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जिज्जा ॥७४१॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे णो हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं आसाएज्जा, से अणासायणाए अणासायमाणे तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७४२ ॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे णो उम्मुग्गणिम्मुग्गियं करिज्जा, मामेयं उदगं कण्णेसु वा अच्छीसु वा णक्कंसि वा मुहंसि वा परियावज्जिज्जा, तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥७४३॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे दोब्बलियं पाउणिज्जा खिप्पामेव उवहिं विगिंचिज्ज वा विसोहिज्ज वा, णो चेव णं साइज्जिज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिट्ठिज्जा ॥७४४॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा कायं णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा संलिहिज्ज वा णिल्लिहिज्ज वा उव्वलिज्ज वा उव्वट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा पयाविज्ज वा, अह पु० विगओदओ मे काए छिण्णसिणेहे काए तह० कायं आम० जाव पयाविज्ज वा० तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७४५॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो परेहिं सद्धिं परिजविय परिजविय गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७४६॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जंघासंतारिमे उदए सिया से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता जाव एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥७४७॥ से भिक्खू वा २ जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो हत्थेण वा हत्थं पाएण वा पायं काएण वा कायं आसाएज्जा, से अणासायए अणासायमाणे तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥७४८॥ से भिक्खू वा २ जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो सायावडियाए णो परिदाहवडियाए महइमहालयंसि उदगंसि कायं विउसिज्जा, तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिट्ठेज्जा ॥७४९॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा कायं ससि-

णिद्धं वा कायं णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, अह पुण एवं जाणिज्जा विगओदए मे काए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५०॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो मट्टियामएहिं पाएहिं हरियाणि छिंदिय २ विकुज्जिय २ विफालिय २ उम्मग्गेणं हरियवहाए गच्छेज्जा "जहेयं पाएहिं मट्टियं खिप्पामेव हरियाणि अवहरंतु" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से पुव्वामेव अप्पहरियं मग्गं पडिलेहेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५१॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा, गड्डाओ वा, दरीओ वा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा केवली बूया 'आयाणमेयं' से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा ॥ ७५२ ॥ से तत्थ पयलमाणे वा, पवडेमाणे वा, रुक्खाणि वा, गुच्छाणि वा, गुम्माणि वा, लयाओ वा, वल्लीओ वा, तणाणि वा, गहणाणि वा, हरियाणि वा, अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, जे तत्थ पाडिपहिया उवागच्छंति, ते पाणी जाएज्जा, तओ संजयामेव अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जवसाणि वा, सगडाणि वा, रहाणि वा, सचक्काणि वा, परचक्काणि वा, से णं वा विरूवरूवं संणिविट्ठं पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥७५४॥ से णं परो सेणागओ वएज्जा, आउसंतो एसणं समणे सेणाए अभिणिवारियं करेइ, से णं बाहाए गहाय आगसह सेणं परो बाहाहिं गहाय आगसेज्जा, तं णो सुमणे सिया जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५५॥ से भिक्खू वा २ अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा तेणं पाडिवहिया एवं वएज्जा आउसंतो ! समणा ! केवइए एस गामे वा जाव रायहाणी वा ? केवइया एत्थ आसा हत्थी गामपिंडोलगा मणुस्सा परिवसंति ? से बहुभत्ते बहुउदए बहुजणे बहुजवसे ? से अप्पुदए अप्पभत्ते अप्पजणे अप्पजवसे ? एयप्पगाराणि पसिणाणि पुट्ठो णो आइक्खेज्जा, एयप्पगाराणि पसिणाणि णो पुच्छेज्जा ॥७५६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणिए वा सामग्गियं ॥७५७॥ **इरियाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, जाव दरीओ वा, कूडागाराणि वा, पासादाणि वा, णूमगिहाणि वा, रुक्खगिहाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, रुक्खं वा चेइयकडं, थूभं वा चेइयकडं आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ अंगुलियाए उद्दिसिय २ ओ० २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५८॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से कच्छाणि वा, दवियाणि वा, णूमाणि वा, वलयाणि वा, गहणाणि वा, गहण-विदुग्गाणि वा, वणाणि वा, वणविदुग्गाणि वा, पव्वयाणिवा पव्वयविदुग्गाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, अगडाणि वा, तलागाणि वा, दहाणि वा, णईओ वा, वावीओ वा, पुक्खरणीओ वा, दीहियाओ वा, गुंजालियाओ वा, सराणि वा, सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, केवली बूया 'आयाण-मेयं जे तत्थ मिगा वा, पसू वा, पक्खी वा, सिरीसिवा वा, सीहा वा, जलचरा वा, थलचरा वा, खहचरा वा सत्ता, ते उत्तसेज्ज वा, वित्तसेज्ज वा, वाडं वा सरणं वा कंखेज्जा, "चारित्ति मे अयं समणे" अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव आय-रिय उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५९॥ से भिक्खू वा २ आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे, णो आयरियउवज्झायस्स हत्थेण वा हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव आयारियउवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६०॥ से भिक्खू वा २ आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया से एवं वएज्जा "आउसंतो! समणा! के तुब्भे? कओ वा एह? कहिं वा गच्छिहिह? जे तत्थ आयरिए वा उवज्झाए वा से भासेज्ज वा, वियागरेज्ज वा, आयरियोवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं करेज्जा, तओ संजयामेव अहाराइणिए दूइ-ज्जेज्जा ॥७६१॥ से भिक्खू वा २ अहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो राइणियस्स हत्थेण हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव अहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा॥७६२॥से भिक्खू वा २ अहाराइणियं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा, आउसंतो! समणा!

के तुब्भे ? कओ वा एह ? कहिं वा गच्छिहिह ? जे तत्थ सव्वराइणिए से भासेज्ज वा वागरेज्ज वा राइणियस्स भासमाणस्स वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं भासेज्जा तओ संजयामेव अहाराइणियाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया आगच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा "आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिवहे पासह तंजहा– मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा पसुं वा पक्खिं वा, सिरीसिवं वा, जलयरं वा से आइक्खह दंसेह" तं णो आइक्खेज्जा णो दंसेज्जा णो तेसिं तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा, जाणं वा, णो जाणंति वएज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७६४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया आगच्छेज्जा ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा "आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह उदगपसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदगं वा संणिहियं अगणिं वा संणिक्खित्तं, सेसं तं चेव से आइक्खह, जाव दूइज्जेज्जा ॥७६५॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा, आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिवहे पासह, जवसाणि वा, जाव से णं वा, विरूवरूवं संणिविट्ठं, से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥७६६॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया जाव "आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामे वा जाव रायहाणी वा से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥७६७॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया जाव "आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामस्स णगरस्स वा जाव रायहाणीए वा मग्गे, से आइक्खह तहेव जाव दूइज्जिज्जा ॥७६८॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से गोणं वियालं पडिपहे पेहाए जाव चित्तचिल्लडं वियालं पडिवहे पेहाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, णो मग्गाओ उम्मग्गं संकमिज्जा, णो गहणं वा वणं वा दुग्गं वा अणुपविसेज्जा, णो रुक्खंसि दुरुहेज्जा, णो महइमहालयंसि उदयंसि कायं विउसेज्जा, णो वाडं वा सरणं वा सेणं वा सत्थं वा कंखेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहिए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६९॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण

विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा उवगरणपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा, णो तेसिं भीओ उम्मग्गेण गच्छेज्जा, जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७७०॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा ते णं आमोसगा एवं वएज्जा, आउसंतो समणा! आहर एयं वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं देहि णिक्खिवाहि, तं णो देज्जा णो णिक्खिवेज्जा, णो वंदिय २ जाएज्जा, णो अंजलिं कट्टु जाएज्जा, णो कलुण-वडियाए जाएज्जा, धम्मियाए जायणाए जाएज्जा, तुसिणीयभावेण वा उवेहिज्जा ते णं आमोसगा 'सयं करणिज्जं' त्ति कट्टु, अक्कोसंति वा जाव उवद्दवंति वा वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा, जाव परिट्ठवेज्ज वा, तं णं णो गामसंसारियं कुज्जा, णो रायसंसारियं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु बूया, आउ-संतो गाहावई! एए खलु मे आमोसगा उवगरणपडियाए सयं करणिज्जं त्ति कट्टु अक्कोसंति वा जाव परिट्ठवेंति वा, एयप्पगारं मणं वा वयणं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७७१॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति वेमि ॥७७२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ भासज्जायं णाम चउत्थं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ इमाइं वयायाराइं सोच्चा णिसम्म इमाइं अणायाराइं अणा-यरियपुव्वाइं जाणिज्जा, जे कोहा वा वायं विउंजंति माणा वा वायं विउंजंति मायाए वा वायं विउंजंति लोहा वा वायं विउंजंति, जाणओ वा फरुसं वयंति, अजाणओ वा फरुसं वयंति, सव्वमेयं सावज्जं वज्जेज्जा, विवेगमायाए ॥७७३॥ धुवं चेयं जाणिज्जा, अधुवं चेयं जाणिज्जा, असणं वा ४ लभिय णो लभिय, भुंजिय णो भुंजिय, अदुवा आगए णो आगए, अदुवा एइ णो एइ, अदुवा एहिइ णो एहिइ, एत्थवि आगए णो आगए, एत्थवि एइ णो एइ, एत्थवि एहिइ णो एहिइ ॥७७४॥ अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासेज्जा, तंजहा—एगवयणं, दुवयणं, बहुवयणं, इत्थिवयणं, पुरिसवयणं, णपुंसगवयणं, अज्झत्थवयणं, उवणीय-वयणं, अवणीयवयणं, उवणीयावणीयवयणं, अवणियोवणीयवयणं, तीयवयणं,

पडुप्पण्णवयणं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥७७५॥ से एगवयणं वइस्सामीइ एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीइ परोक्खवयणं वएज्जा, इत्थी वेस पुरिसो वेस, णपुंसगं वेस, एवं वा चेयं, अण्णं वा चेयं, अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासिज्जा, इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥७७६॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तंजहा—सच्चमेगं पढमं भासज्जायं, बीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं णेव सच्चं णेव मोसं णेव सच्चामोसं "असच्चामोसं" णाम तं चउत्थं भासज्जायं ॥७७७॥ से बेमि जे अईया जे य पडुप्पण्णा जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाइं चेव चत्तारि भासाज्जायाइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पण्णविंसु वा, पण्णवेंति वा, पण्णविस्संति वा, सव्वाइं च णं एयाइं अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रसमंताणि फासमंताणि चओवचइयाइं विपरिणामधम्माइं भवंतीति समक्खायाइं ॥७७८॥से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० पुव्विं भासा अभासा भासमाणा भासा भासा, भासासमयविइक्कंता च णं भासिया भासा अभासा ॥७७९॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० जा य भासा सच्चा, जा य भासा मोसा, जा य भासा सच्चामोसा, जा य भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं णिट्ठुरं फरुसं अण्हयकरिं छेयणभेयणकरिं परियावणकरिं उद्दवणकरिं भूओवघाइयं अभिकंख भासं णो भासेज्जा ॥७८०॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० जा य भासा सच्चा सुहुमा जा य भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासं भासेज्जा, से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणं णो एवं वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा कुपक्खे त्ति वा घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई त्ति वा मुसावाई त्ति वा एयाइं तुमं ते जणगा वा एयप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं जाव अभिकंख णो भासेज्जा ॥७८१॥ से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे एवं वएज्जा, अमुगे त्ति वा आउसोत्ति वा आउसंतारो त्ति वा सावगे त्ति वा उपासगेत्ति वा धम्मिएत्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ॥७८२॥ से भिक्खू वा २ इत्थिं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणी णो एवं वएज्जा,

होली इ वा गोली इ वा इत्थीगमेणं णेयव्वं ॥७८३॥ से भिक्खू वा २ इत्थियं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं एवं वएज्जा, आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा भगवइ त्ति वा साविगे त्ति वा उवासिए त्ति वा धम्मिए त्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासेज्जा ॥७८४॥ से भिक्खू वा २ णो एवं वएज्जा, णभोदेवेत्ति वा गज्जदेवेत्ति वा विज्जुदेवे त्ति वा पवुट्ठदेवेत्ति वा णिवुट्ठदेवेत्ति वा पडउ वा वासं मा वा पडउ णिप्फज्जउ वा सस्सं मा वा णिप्फज्जउ विभाउ वा रयणी मा वा विभाउ उदेउ वा सूरिए मा वा उदेउ, सो वा राया जयउ मा वा जयउ, णो एयप्पगारं भासं भासिज्जा पण्णवं ॥७८५॥ से भिक्खू वा २ अंतलिक्खेत्ति वा गुज्झाणुचरिएत्ति वा संमुच्छिए वा णिवइए वा पओवएज्जा वा वुट्ठबलाहगेत्ति वा ॥ ७८६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥७८७॥ **भासाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—गंडी गंडीइ वा, कुट्ठी कुट्ठीइ वा, जाव महुमेहुणीत्ति वा, हत्थछिण्णं हत्थछिण्णेत्ति वा, एवं पाद-णक्क-कण्ण-उट्ठच्छिण्णेत्ति वा, जे यावण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं बुइया बुइया कुप्पंति माणवा, तेमयावि तहप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख णो भासेज्जा ॥ ७८८ ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा—ओयंसी ओयंसीइ वा, तेयंसी तेयंसीइ वा, वच्चंसी वच्चंसीइ वा, जसंसी जसंसीइ वा, अभिरूवं अभिरूवेइ वा पडिरूवं पडिरूवेइ वा, पासाइयं पासाइएइ वा दरिसणिज्जं दरिसणीएइ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं बुइया बुइया णो कुप्पंति माणवा, तेयावि तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख भासिज्जा। तहप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८९ ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तंजहा—वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७९० ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा, तंजहा—वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तहावि ताइं एवं

वएज्जा, तंजहा—आरंभकडेइ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा पासाइयं पासाइएत्ति वा दरिसणीयं दरिसणीएत्ति वा अभिरूवं अभिरूवेत्ति वा पडिरूवं पडिरूवेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ।। ७९१ ।। से भिक्खू वा २ असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए तहाविहं तं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ।।७९२।। से भिक्खू वा २ असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—आरंभकडे त्ति वा सावज्जकडे त्ति वा पयत्तकडेत्ति वा भद्दयं भद्दए त्ति वा ऊसढं ऊसढे त्ति वा रसियं रसिए त्ति वा मणुण्णं मणुण्णे त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ।। ७९३ ।। से भिक्खू वा २ मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा मिगं वा पसुं वा पक्खिं वा सरिसिवं वा जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए णो एवं वएज्जा थूले इ वा पमेइले इ वा वट्टे इ वा वज्झे इ वा पाइमे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ।। ७९४ ।। से भिक्खू वा २ मणुस्सं जाव जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए एवं वएज्जा, परिवूढकाएत्ति वा, उवचियकाए त्ति वा थिरसंघयणेत्ति वा उवचियमंससोणिएत्ति वा बहुपडिपुण्णइंदिएत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासिज्जा ।। ७९५ ।। से भिक्खू वा २ विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा—गाओ दोज्झाओ त्ति वा दम्मेत्ति वा गोरहत्ति वा वाहिमत्ति वा रहजोग्गत्ति वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव अभिकंख णो भासिज्जा ।। ७९६ ।। से भिक्खू वा २ विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एवं वएज्जा तंजहा—जुवंगवेत्ति वा धेणु त्ति वा रसवइ त्ति वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा संवहणि त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ।। ७९७ ।। से भिक्खू वा २ तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा—पासायजोग्गा इ वा तोरणजोग्गाइ वा गिहजोग्गा इ वा फलिहजोग्गाइ वा अग्गल-णावा-उदगदोणि-पीढ-चंगवेर-णंगल-कुलिय-जंतलट्ठी-णाभि-गंडी-आसण-सयण-जाण-उवस्सय-जोग्गा इ वा, एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ।। ७९८ ।। से भिक्खू वा २ तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाणि वणाणि य रुक्खा महल्ला पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—जाइमंता इ वा दीहवट्टा इ वा महालया

इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाइया इ वा जाव पडिरूवा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९९ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा तंजहा—पक्का इ वा पायखज्जाइ वा वेलोइयाइ वा टालाइ वा वेहिया इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ८०० ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयावणफला अंबा पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—असंथडा इ वा बहुणिवट्टिमफला इ वा बहुसंभूया इ वा भूयरूवित्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ८०१ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एवं वएज्जा, तंजहा—पक्का इ वा णीलिया इ वा छवीइ वा लाइमा इ वा भज्जिमा इ वा बहुखज्जा इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥८०२॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि एवं वएज्जा,तंजहा—रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०३॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा, तहावि एयाइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दे इ वा दुसद्दे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा, तहावि ताइं एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दं सुसद्दे त्ति वा दुसद्दं दुसद्दे त्ति वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०४॥ एवं रूवाइं कण्हे त्ति वा ५ गंधाइं सुब्भिगंधे त्ति वा २ रसाइं तित्ताणि वा ५ फासाइं कक्खडाणि वा ८ ॥ ८०५ ॥ से भिक्खू वा २ वंता कोहं च माणं च मायं च लोहं च अणुवीइ णिट्ठाभासी णिसम्म भासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ॥ ८०६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८०७ ॥ **बीओद्देसो त्तो । चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ वत्थेसणा णाम पं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं एसित्तए, से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, तंजहा—जंगियं-भंगियं-साणयं-पोत्तयं-खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं ॥८०८॥ जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा

इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाइया इ वा जाव पडिरूवा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९९ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा तंजहा—पक्का इ वा पायक्खज्जाइ वा वेलोइयाइ वा टालाइ वा वेहिया इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ८०० ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयावणफला अंबा पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—असंथडा इ वा बहुणिवट्टिमफला इ वा बहुसंभूया इ वा भूयरूवित्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ८०१ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एवं वएज्जा, तंजहा—पक्का इ वा णीलिया इ वा छवीइ वा लाइमा इ वा भज्जिमा इ वा बहुखज्जा इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥८०२॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि एवं वएज्जा, तंजहा—रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०३॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा, तहावि एयाइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दे इ वा दुसद्दे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा, तहावि ताइं एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दं सुसद्दे त्ति वा दुसद्दं दुसद्दे त्ति वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०४॥ एवं रूवाइं कण्हे त्ति वा ५ गंधाइं सुब्भिगंधे त्ति वा २ रसाइं तित्ताणि वा ५ फासाइं कक्खडाणि वा ८ ॥ ८०५ ॥ से भिक्खू वा २ वंता कोहं च माणं च मायं च लोहं च अणुवीइ णिट्ठाभासी णिसम्म भासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ॥ ८०६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८०७ ॥ **बीओद्देसो त्तो । चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ वत्थेसणा णाम पंचमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं एसित्तए, से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, तंजहा—जंगियं-भंगियं-साणयं-पोत्तयं-खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं ॥८०८॥ जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा

णो बिइयं, जा णिग्गंथी सा चत्तारि संघाडीओ धारेज्जा, एगं दुहत्थवित्थारं, दो तिहत्थवित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं, एएहिं वत्थेहिं असंधिज्जमाणेहिं अह पच्छा एगमेगं संसीविज्जा ॥८०९॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए वत्थपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥८१०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं जहा पिंडेसणाए ॥८११॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ, बहवे समणमाहणा, तहेव पुरिसंतरकडं जहा पिंडेसणाए ॥८१२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कीयं वा धोयं वा रत्तं वा घट्ठं वा मट्ठं वा संसट्ठं वा संपधूमियं वा तहप्पगारं वत्थं अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव पडिगाहेज्जा ॥८१३॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण वत्थाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं तंजहा—आइणगाणि वा, सहिणाणि वा, सहिणकल्लाणाणि वा, आयाणि वा, कायकाणि वा, खोमियाणि वा, दुगुल्लाणि वा, पट्टाणि वा, मलयाणि वा, पत्तुण्णाणि वा, अंसुयाणि वा, चिणंसुयाणि वा, देसरागाणि वा, अमिलाणि वा, गज्जलाणि वा, फालियाणि वा, कयहाणि वा, कंबलगाणि वा, पावरणाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइं महद्धणमोल्लाइं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥८१४॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणिज्जा, तंजहा—उद्दाणि वा पेसाणि वा, पेसलाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईणगाणि वा कणगाणि वा कणगकंताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचित्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥८१५॥ इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा, चउहिं पडिमाहिं वत्थं एसित्तए ॥८१६॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा—जंगियं वा भंगियं वा साणयं वा पोत्तयं वा खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा णं देज्जा, फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा, पढमा पडिमा ॥८१७॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ पेहाए २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा—गाहावई

वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३३ ॥ से भिक्खू वा अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं कुलियंसि वा भित्तिंसि वा सिलंसि वा लेलुंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३४ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारे वत्थे खंधंसि वा मंचंसि-मालंसि-पासायंसि-हम्मियतलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३५ ॥ से तमायाय एगंतमवक्कमेज्जा २ अहेज्झामथंडिलंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव वत्थं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं सया जइज्जासि त्ति बेमि ॥ ८३७ ॥

वत्थेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा अपलिउंचमाणे गामंतरेसु ओमचेलिए, एयं खलु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ८३८ ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइ कुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, एवं बहिया वियारभूमिं विहारभूमिं वा गामाणुगामं वा दूइज्जेज्जा । अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए जहा पिंडेसणाए णवरं सव्वं चीवरमायाए ॥ ८३९ ॥ से भिक्खू वा २ एगइओ मुहुत्तगं २ पाडिहारियं बीयं वत्थं जाएज्जा, जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तिया-चउ-पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छेज्जा, तहप्पगारं वत्थं णो अप्पणा गिण्हेज्जा, णो अण्णमण्णस्स देज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं करेज्जा, णो परं उवसंकमित्ता एवं वएज्जा "आउसंतो समणा ! अभिकंखसि वत्थं धारेत्तए परिहरित्तए वा" थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय २ परिट्ठवेज्जा, तहप्पगारं ससंधियं वत्थं तस्स चेव णिसिरेज्जा, णो अत्ताणं साइज्जेज्जा ॥ ८४० ॥ से एगइओ तहप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराणि

वत्थाणि ससंधियाणि मुहुत्तगं २ जाइत्ता जाव एगाहेण वा जाव पंचाहेण वा विप्पवसिय विप्पवसिय उवागच्छंति, तहप्पगाराणि वत्थाणि णो अप्पणा गिण्हंति णो अण्णमण्णस्स दलयंति अणुवयंति, तं चेव जाव णो साइज्जंति बहुवयणेण भासियव्वं॥८४१॥से हंता "अहमवि मुहुत्तं पाडिहारियं वत्थं जाइत्ता जाव एगाहेण वा जाव पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छिस्सामि, अवियाइं एयं ममेव सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥८४२॥ से भिक्खू वा २ णो वण्णमंताइं वत्थाइं विवण्णाइं करेज्जा, णो विवण्णाइं वत्थाइं वण्णमंताइं करेज्जा, "अण्णं वा वत्थं लभिस्सामि त्ति" कट्टु णो अण्णमण्णस्स दिज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा णो वत्थेण वत्थपरिणामं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु एवं वएज्जा, "आउसंतो समणा ! अभिकंखसि मे वत्थं धारित्तए वा परिहरित्तए वा" थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय २ परिट्ठविज्जा, जहा मेयं वत्थं पावगं परो मण्णइ, परं च णं अदत्तहारिं पडिपहे पेहाए तस्स वत्थस्स णिदाणाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा जाव अप्पुस्सुए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥८४३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा वत्थपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, जाव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥८४४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा पडियागच्छेज्जा, ते णं आमोसगा एवं वएज्जा "आउसंतो समणा ! आहरेयं वत्थं देहि णिक्खिवाहि" जहा इरियाए णाणत्तं वत्थपडियाए॥८४५॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासित्ति बेमि ॥८४६॥

बीओद्देसो समत्तो । पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥

॥ पाएसणा णाम छट्ठं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखिज्जा पायं एसित्तए, से जं पुण पायं जाणिज्जा तंजहा अलाउयपायं वा दारुपायं मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं जे णिग्गंथे तरुणे जाव थिरसंघयणे से एगं पायं धारेज्जा णो बीयं ॥८४७॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए पायपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए॥८४८॥से भिक्खू वा २ से जं पुण पायं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं ४ जहा पिंडेसणाए चत्तारि आलावगा, पंचमे बहवे समणमाहणा पगणिय २ तहेव ॥८४९॥

से भिक्खू वा २ असंजए भिक्खुपडियाए बहवे समणमाहणा वत्थेसणाऽऽलावओ ॥८५०॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण पायाइं जाणिज्जा विरूवरूवाइं महद्धण-मुल्लाइं तंजहा अयपायाणि वा तउ० तंबपायाणि वा सीसग-हिरण्ण-सुवण्ण-रीरिअ-हारपुड-पायाणि वा मणि-काय-कंस-संख-सिंग-दंत-चेल-सेल-पायाणि वा चम्म-पायाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महद्धणमुल्लाइं पायाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥८५१॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण पायाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणबंधणाइं तं० अयबंधणाणि वा जाव चम्मबंधणाणि वा अण्ण-यराइं तहप्पगाराइं महद्धणबंधाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा, इच्चेइयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥८५२॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चउहिं पडिमाहिं पायं एसित्तए, तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय २ पायं जाएज्जा, तंजहा अलाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा। पढमा पडिमा ॥८५३॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ पेहाए पायं जाएज्जा, तंजहा—गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पायं, तंजहा लाउयपायं वा" जाव तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा जाव पडिगाहेज्जा। दोच्चा पडिमा ॥८५४॥ अहावरा तच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ से जं पुण वा जाणिज्जा, संगइयं वा वेजइयंतियं वा तहप्पगारं पायं सयं वा जाव पडिगाहिज्जा। तच्चा पडिमा॥८५५॥ अहावरा चउत्था पडिमा—से भिक्खू वा २ उज्झियधम्मियं पायं जाएज्जा, जं चऽण्णे बहवे समणमाहणा जाव वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाव पडिगाहिज्जा। चउत्था पडिमा ॥८५६॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं, जहा पिंडेसणाए ॥ ८५७ ॥ से णं एयाए एसणाए एसमाणं पासित्ता परो वएज्जा, "आउसंतो समणा! एज्जासि तुमं मासेण वा जाव" जहा वत्थेसणाए ॥८५८॥ से णं परो णेया वएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं पायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा अब्भंगेत्ता वा तहेव सिणाणाइ तहेव सीओदगाइंकंदाइं तहेव ॥८५९॥ से णं परो णेया वएज्जा "आउसंतो समणा! मुहुत्तगं २ अच्छाहि जाव ताव अम्हे असणं वा ४ उवकरेंसु

उवक्खडेसु वा, तो ते वयं आउसो! सपाणं सभोयणं पडिग्गहगं दाहामो, तुच्छए पडिग्गहए दिण्गे समणस्स णो सुट्ठु साहु भवइ" से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणिं त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा मा उवकरेहि मा उवक्खडेहि, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि से सेवं वयंतस्स परो असणं वा जाव उवकरित्ता उवक्खडित्ता, सपाणगं सभोयणं पडिग्गहगं दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥८६०॥ सिया से परो उवणेत्ता पडिग्गहं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा तुमं चेव णं संतियं पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिस्सामि ॥८६१॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहंसि पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा अह भिक्खूणं एस पइण्णा जाव जं पुव्वामेव पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥८६२॥ सअंडाइ सव्वे आलावगा भाणियव्वा जहा वत्थेसणाए, णाणत्तं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा सिणाणाइ जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्जा ॥८६३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिएहिं सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥८६४॥ **पत्तेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे, पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहगं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥८६५॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहगंसि पाणे वा बीए वा हरिए वा परियावज्जेज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥८६६॥ से भिक्खू वा २ गाहावइ० जाव० समाणे सिया से परो आहट्टु अंतो पडिग्गहगंसि सीओदगं परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥८६७॥ से य आहच्च पडिग्गहिए सिया से खिप्पामेव उदगंसि साहरिज्जा, से पडिग्गहमायाए पाणं परिट्ठवेज्जा, ससणिद्धाए च णं भूमिए णियमिज्जा ॥८६८॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा

पडिग्गहं णो आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥८६९॥ अह पुण एवं जाणिज्जा विगओदए मे पडिग्गहए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं पडिग्गहं तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ८७० ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे से पडिग्गहमायाए गाहा० पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥८७१॥ तिव्वदेसियाए जहा विइयाए वत्थेसणाए णवरं एत्थ पडिग्गहे ॥८७२॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥८७३॥ **बीओद्देसो समत्तो। छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ ओग्गह-पडिमा णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुट्ठाए सव्वं भंते ! अदिण्णादाणं पच्चक्खामि ॥ ८७४ ॥ से अणुपविसित्ता गामं वा जाव० णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हंतं समणुजाणेज्जा। जेहिंवि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पि जाइ छत्तगं वा मत्तगं वा दंडगं वा जाव चम्मछेयणगं वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय अपडिलेहिय २ अपमज्जिय २ णो गिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं जाइज्जा अणुण्णविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव उगिण्हिज्ज वा पगिण्हिज्ज वा ॥ ८७५ ॥ से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णवेज्जा कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वासामो आउसो जाव आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मिया एइ ताव उग्गहं उगिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८७६ ॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसित्तए असणं वा ४ तेण ते साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७७ ॥ से आगंतारेसु वा ४ जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ साहम्मिया अण्णसंभोइया समणुण्णा उवा-

गच्छेज्जा जे तेणं सयमेसित्तए पीढे वा फलए वा सेज्जा वा संथारए वा, तेण ते साहम्मिए अण्णसंभोइए समणुण्णे उवणिमंतेज्जा णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७८ ॥ से आगंतारेसु वा ४ जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा तं अप्पणो एगस्स अट्ठाए पाडिहारियं जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपएज्ज वा सयं करणिज्जं त्ति कट्टु से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इमं खलु इमं खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा ॥ ८७९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा अणंतरहियाए पुढवीए ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणाए तहप्पगारं उग्गहं णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८८० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा ४ तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८८१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा कुलियंसि वा जाव णो उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८२॥ से भिक्खू वा २ खंधंसि वा ४ अण्णयरे वा तहप्पगारे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थि सखुड्डं सपसुं सभत्तपाणं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसे जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए ससागारिए जाव सखुड्डु-पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८८४ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिबद्धं वा णो पण्णस्स जाव चिंताए से एवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८८५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सोओदगवियडादि णिगिणाइ य जहा सिज्जाए आलावगा णवरं उग्गहवत्तव्वया ॥८८६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खे णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हिज्ज वा २ ॥८८७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥८८८॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए

गच्छेज्जा जे तेणं सयमेसित्तए पीढे वा फलए वा सेज्जा वा संथारए वा, तेण ते साहम्मिए अण्णसंभोइए समणुण्णे उवणिमंतेज्जा णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७८ ॥ से आगंतारेसु वा ४ जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा तं अप्पणो एगस्स अट्ठाए पाडिहारियं जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपएज्ज वा सयं करणिज्जं त्ति कट्टु से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इमं खलु इमं खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा ॥ ८७९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा अणंतरहियाए पुढवीए ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणाए तहप्पगारं उग्गहं णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८८० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा ४ तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८८१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा कुलियंसि वा जाव णो उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८२॥ से भिक्खू वा २ खंधंसि वा ४ अण्णयरे वा तहप्पगारे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थि सखुड्डं सपसुं सभत्तपाणं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसे जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए ससागारिए जाव सखुड्डु-पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८८४ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिबद्धं वा णो पण्णस्स जाव चिंताए से एवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८८५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सोओदगवियडादि णिगिणाइ य जहा सिज्जाए आलावगा णवरं उग्गहवत्तव्वया ॥८८६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खे णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हिज्ज वा २ ॥८८७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥८८८॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए

ते उग्गहं अणुण्णविज्जा कामं खलु आउसो! अहालंदं अहा परिण्णायं वसामो जाव आउसो! आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मियाए ताव उग्गहं उग्गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८८९ ॥ से किं पुण तत्थ उग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा दंडए वा छत्तए वा जाव चम्मछेदणए वा तं णो अंतोहिंतो बाहिं णीणेज्जा, बहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा, णो सुत्तं वा णं पडिबोहेज्जा, णो तेसिं किंचिवि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ॥ ८९० ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा अंबवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए से उग्गहं अणुजाणावेज्जा, कामं खलु जाव विहरिस्सामो ॥८९१॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि अह भिक्खू इच्छेज्जा अंबं भोत्तए वा से जं पुण अंबं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥८९२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अंबं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अतिरिच्छछिण्णं अवोच्छिण्णं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥८९३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अंबं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥८९४॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा अंबभित्तगं वा अंबपेसियं वा अंबचोयगं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा भोत्तए वा पायए वा से जं पुण जाणिज्जा, अंबभित्तगं वा जाव अंबडालगं वा सअंडं जाव संताणगं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, अंबभित्तगं वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं अतिरिच्छच्छिण्णं वा अवोच्छिण्णं वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९६ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा अंबभित्तगं वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छछिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९७ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा उच्छुवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जाव एव उग्गहंसि० ॥ ८९८ ॥ अह भिक्खू इच्छेज्जा उच्छुं भोत्तए वा पायए वा से जं उच्छुं जाणिज्जा, सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा। अतिरिच्छच्छिण्णं तहेव, तिरिच्छच्छिण्णे वि तहेव ॥ ८९९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अभिकंखेज्जा अंतरुच्छुयं उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं वा उच्छुसालगं वा उच्छुडालगं वा भोत्तए वा पायए वा ॥९००॥ से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ९०१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पु०

जाणिज्जा अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा अप्पंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा, अति-रिच्छच्छिण्णं तहेव ॥ ९०२ ॥ तिरिच्छच्छिणं तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ ९०३ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा ल्हसुणवणं उवागच्छित्तए, तहेव तिण्णि वि आलावगा णवरं ल्हसुण ॥ ९०४ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा ल्हसुणं वा, ल्हसुण-कंदं वा, ल्हसुणं-चोयगं वा, ल्हसुण-णालगं वा भोत्तए वा, पायए वा । सेज्जं पुण जाणेज्जा—ल्हसुण वा जाव ल्हसुण बीयं वा सअंडं जाव णो पडिगाहेज्जा । एवं अतिरिच्छच्छिण्णे वि तिरिच्छच्छिण्णे जाव पडिगाहेज्जा ॥ ९०५ ॥ से भिक्खू वा २ आगंतारेसु वा ४ जाव उग्गहियंसि जे तत्थ, गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥ ९०६ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं सत्ताहिं पडिमाहिं उग्गहं उगिण्हित्तए ॥ ९०७ ॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा– से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जाव० विहरिस्सामो । पढमा पडिमा ॥ ९०८ ॥ अहावरा दोच्चा पडिमा–जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि । दो० प० ॥ ९०९ ॥ अहा० तच्चा पडिमा–जस्सणं भिक्खुस्स एयं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए णो उवल्लिस्सामि ।" त० प० ॥९१०॥ अहा० चउत्था पडिमा–जस्सणं भिक्खुस्स एयं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं णो उगिण्हिस्सामि अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि ।" च० प० ॥ ९११ ॥ अहा० पंचमा पडिमा–जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, "अहं च खलु अप्पणो अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, णो दोण्हं, णो तिण्हं, णो चउण्हं णो पंचण्हं ।" पं० प० ॥९१२॥ अहा० छट्ठा पडिमा–से भिक्खू वा २ जस्सेव उग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहा समण्णागए, तंजहा–इक्कडे वा जाव पलाले वा तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा । छ० प० ॥९१३॥ अहा० सत्तमा पडिमा–से भिक्खू वा २ अहासंथडमेव उग्गहं जाएज्जा, तंजहा—पुढविसिलं वा, कट्ठसिलं वा अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा णेसज्जिओ वा विहरेज्जा । सत्तमा प० ॥९१४॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पडिमाणं अण्णयरं, जहा पिंडेसणाए ॥९१५॥ सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं इह खलु थेरेहिं

भगवंतेहिं पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा—देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ ९१६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥ ९१७ ॥ **बीओद्देसो समत्तो । सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ ठाण-सत्तिक्कयं णाम अट्ठमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा ठाणं ठाइत्तए से अणुपविसिज्जा, गामं वा णगरं वा, जाव सण्णिवेसं वा, से अणुपविसित्ता, गामं वा जाव सण्णिविसं वा, से जं पुण ठाणं जाणिज्जा, सअंडं जाव मक्कडासंताणयं तं तहप्पगारं ठाणं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं सेज्जागमेण णेयव्वं जाव उदयपसूयाइं ति॥९१८॥इच्चेयाइं आयथणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू इच्छेज्जा, चउहिं पडिमाहिं ठाणं ठाइत्तए ॥९१९॥ तत्थिमा पढमा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । प० प० ॥९२०॥ अहा० दोच्चा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । दो० प० ॥ ९२१ ॥ अहा० तच्चा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा णो अवलंबेज्जा णो काएण, विपरिकम्माइं णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । त० प० ॥९२२॥ अहा० चउत्था पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, णो अवलंबेज्जा णो काएण, णो विपरिकम्माइ णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति वोसट्ठकाए वोसट्ठकेसमंसुलोमणहे संणिरुद्धं वा ठाणं ठाइस्सामि त्ति । च० प० ॥९२३॥ इच्चेयासिं चउण्हं पडिमाणं जाव पग्गहियतरायं विहरेज्जा, णो तत्थ किंचिवि वएज्जा ॥९२४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति वेमि ॥ ९२५ ॥ **अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ णिसीहिया-सत्तिक्कयं णाम णवमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा णिसीहियं फासुयं गमणाए से जं पुण णिसीहियं जाणिज्जा, सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो चेइस्सामि ॥ ९२६ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा णिसीहियं गमणाए से जं पुण णिसीहियं जाणिज्जा अप्पंडं अप्पपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं फासुयं एसणिज्जं लाभे संते चेइस्सामि एवं से...

णेयव्वं जाव उदयप्पसूयाइं ॥ ९२७ ॥ जे तत्थ दुवग्गा जाव पंचवग्गा वा अभिसंधारेंति णिसीहियं गमणाए ते णो अण्णमण्णस्स कायं आलिंगेज्ज वा विलिंगेज्ज वा चुंबेज्ज वा दंतेहिं णहेहिं वा अच्छिंदेज्ज वा वुच्छिंदेज्ज वा ॥९२८॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जएज्जा सेयमिणं मण्णिज्जासि त्ति वेमि ॥९२९॥ **णवमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ उच्चारपासवणं णाम दसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ उच्चारपासवणकिरियाए उव्वाहिज्जमाणे सयस्स पायपुंछणस्स असईए तओ पच्छा साहम्मियं जाएज्जा ॥ ९३० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अप्पपाणं अप्पवीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिया समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए एगं साहम्मिणिं समुद्दिस्स अस्सिं पडियाए बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे समणमाहणवणीमया पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं ४ जाव उद्देसियं चेएइ, तहप्पगारं थंडिलं पुरिसंतरकडं जाव वहिया णीहडं वा अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, बहवे समणमाहणकिवणवणीमगअतिही समुद्दिस्स पाणाइं ४ जाव उद्देसियं चेएइ, तहप्पगारं थंडिलं अपुरिसंतरकडं जाव बहिया अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३४ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए कयं वा कारियं वा पामिच्चियं वा छण्णं वा घट्ठं वा मट्ठं वा लित्तं वा समट्ठं वा संपधूमियं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३६ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा मूलाणि वा जाव हरियाणि वा अंतराओ

वा बाहिं णीहरंति बहियाओ वा अंतो साहरंति अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ १३७ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, खंधंसि वा पीढंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा अट्टंसि वा पासायंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥१३८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अणंतरहियाए पुढवीए ससिणिद्धाए पुढवीए ससरक्खाए पुढवीए मट्टियामक्कडाए चित्तमंताए सिलाए चित्तमंताए लेलुयाए कोलावासंसि वा दारुयंसि वा जीवपइट्ठियंसि वा जाव मक्कडासंताणयंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ १३९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइ पुत्ता वा कंदाणि वा जाव बीयाणि वा परिसाडेंसु वा परिसाडिंति वा परिसाडिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥१४०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा सालीणि वा वीहीणि वा मुग्गाणि वा मासाणि वा तिलाणि वा कुलत्थाणि वा जवाणि वा जवजवाणि वा पइरिंसु वा पइरिंति वा पइरिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥१४१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आमोयाणि वा घसाणि वा भिलुयाणि वा विज्जलयाणि वा खाणुयाणि वा कडयाणि वा पगडाणि वा दरीणि वा पदुग्गाणि वा समाणि वा विसमाणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ १४२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, माणुसरंधणाणि वा, महिसकरणाणि वा, वसहकरणाणि वा, अस्सकरणाणि वा, कुक्कुडकरणाणि वा मक्कडकरणाणि वा लावयकरणाणि वा, वट्टयकरणाणि वा, त्तित्तिरकरणाणि वा, कवोयकरणाणि वा, कविंजलकरणाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ १४३ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, वेहाणसट्ठाणेसु वा, गिद्धपिट्ठठाणेसु वा, तरुपडणट्ठाणेसु वा, मेरुपडणट्ठाणेसु वा, विसभक्खणट्ठाणेसु वा, अगणिपडणट्ठाणेसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥१४४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वण-

संडाणि वा, देवकुलाणि वा, सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९४६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउमुहाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४७ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इंगालडाहेसु वा, खारडाहेसु वा, मडयडाहेसु वा, मडयथूभियासु वा, मडयचेइएसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४८ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा णइयाययणेसु वा, पंकाययणेसु वा, ओघाययणेसु वा, सेयणवहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, णवियासु वा, मट्टियखाणियासु णवियासु गोप्पलिहियासु वा, गवाणीसु वा, खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, डागवच्चंसि वा, सागवच्चंसि वा, मूलगवच्चंसि वा हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, असणवणंसि वा, सणवणंसि वा, धायइवणंसि वा, केयइवणंसि वा, अंबवणंसि वा, असोगवणंसि वा, णागवणंसि वा, पुण्णागवणंसि वा, चुण्णगवणंसि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु वा पत्तोवेएसु वा, पुप्फोवेएसु वा, फलोवेएसु वा, बीओवेएसु वा, हरिओवेएसु वा णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५२ ॥ से भिक्खू वा २ सयपाययं वा परपाययं वा गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोइयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा उवस्सयंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमे अणावायंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा, ज्झामथंडिलसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं परिट्ठवेज्जा ॥ ९५३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥९५४॥ **दसममज्झयणं समत्तं** ॥

।। सद्द-सत्तिक्कयं णाम एगारसमं अज्झयणं ।।

से भिक्खू वा २ मुइंगसद्दाणि वा, णंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं वितताइं सद्दाइं कण्णसोयणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५५ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, पणयसद्दाणि वा तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं वितताइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५६ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तालसद्दाणि वा, कंसतालसद्दाणि वा, लत्तियसद्दाणि वा, गोहियसद्दाणि वा, किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५७ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—संखसद्दाणि वा, वेणुसद्दाणि वा, वंससद्दाणि वा, खरमुहीसद्दाणि वा पिरिपिरियसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९५८॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, जाव सराणि वा, सागराणि वा सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९५९॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—कच्छाणि वा, णूमाणि वा, गहणाणि वा, वणाणि वा, वणदुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९६०॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—गामाणि वा, णगराणि वा, णिगमाणि वा, रायहाणिआसमपट्टणसंणिवेसाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६१ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६२ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि

।। सद्द-सत्तिक्कयं णाम एगारससं अज्झयणं ।।

से भिक्खू वा २ मुइंगसद्दाणि वा, णंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं वितताइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९५५ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, पणवसद्दाणि वा तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं विततांइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९५६ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तालसद्दाणि वा, कंसतालसद्दाणि वा, लत्तियसद्दाणि वा, गोहियसद्दाणि वा, किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९५७ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—संखसद्दाणि वा, वेणुसद्दाणि वा, वंससद्दाणि वा, खरमुहीसद्दाणि वा पिरिपिरियसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।।९५८।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, जाव सराणि वा, सागराणि वा सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।।९५९।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—कच्छाणि वा, णूमाणि वा, गहणाणि वा, वणाणि वा, वणदुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।।९६०।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—गामाणि वा, णगराणि वा, णिगमाणि वा, रायहाणिआसमपट्टणसंणिवेसाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९६१ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९६२ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि

वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभि-संधारेज्जा गमणाए ॥ ९६३ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउम्मुहाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६४ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा--महिसकरणट्ठाणाणि वा वसभकरणट्ठाणाणि वा, अस्सकरणट्ठाणाणि वा, हत्थिकरणट्ठाणाणि वा जाव कविंजलकरणट्ठाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९६५॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा--महिसजुद्धाणि वा, वसभजुद्धाणि वा, अस्स-जुद्धाणि वा, हत्थिजुद्धाणि वा जाव कविंजलजुद्धाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए॥९६६॥से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा--जूहियट्ठाणाणि वा, हयजूहियट्ठाणाणि गयजूहियट्ठाणाणि वा अण्णयराइं तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९६७॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा–अक्खाइयट्ठाणाणि वा, माणुम्माणियट्ठाणाणि वा, महयाऽऽहयणट्टगीयवाइय-तंतितलतालतुडियपडुप्पवाइयट्ठाणाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसं-धारेज्जा गमणाए ॥९६८॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा–कलहाणि वा, डिंबाणि वा, डमराणि वा, दोरज्जाणि वा, वेररज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, अण्णय-राइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए॥९६९॥से भिक्खू वा २ जाव सद्दाइं सुणेइ तंजहा खुड्डियं दारियं परिभुत्तमंडियालंकियणिवुज्झमाणिं पेहाए एगं पुरिसं वा वहाए णीणिज्जमाणं पेहाए अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गम-णाए ॥९७०॥ से भिक्खू वा २ अण्णयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा बहुसगडाणि वा, बहुरहाणि वा, बहुमिलक्खूणि वा, बहुपच्चंताणि वा, अण्ण-यराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९७१॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा—इत्थीणि वा, पुरिसाणि वा, थेराणि वा, डहराणि वा, मज्झिमाणि वा, आभरणविभूसियाणि वा, गायंताणि वा, वायंताणि वा, णच्चंताणि वा, हसंताणि वा, रमंताणि वा, मोहंताणि वा विउलं असणपाणखाइमसाइमं परिभुंजंताणि वा, परि-भाइंताणि वा, विच्छड्डियमाणाणि वा, विगोवयमाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्प-

गाराइं विरूवरूवाइं महुस्सवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९७२ ॥ से भिक्खू वा २ णो इहलोइएहिं सद्देहिं णो परलोइएहिं सद्देहिं, णो सुएहिं सद्देहिं, णो असुएहिं सद्देहिं, णो दिट्ठेहिं सद्देहिं णो अदिट्ठेहिं सद्देहिं, णो कंतेहिं सद्देहिं सज्जिज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा ॥ ९७३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९७४ ॥ **एयारहमज्झयणं समत्तं ॥**

॥ रूव-सत्तिक्कयं णाम बारसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ तंजहा—गंथिमाणि वा, वेढिमाणि वा, पूरिमाणि वा, संघाइमाणि वा, कट्ठकम्माणि वा, पोत्थकम्माणि वा, चित्त-कम्माणि वा, मणिकम्माणि वा, दंतकम्माणि वा, पत्तच्छेज्जकम्माणि वा, विविहाणि वा वेढिमाइं जाव अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९७५॥ एवं णायव्वं जहा सद्दपडियाए सव्वा वाइत्तवज्जा रूवपडियाए वि ॥९७६॥ **दुवालसममज्झयणं समत्तं ॥**

परकिरिया-सत्तिक्कयं णाम तेरसमं अज्झयणं ॥

परकिरियं अज्झत्थियं संसेसियं णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७७ ॥ सिया से परो पाए आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं फुसेज्ज वा रएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भिगिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाओ खाणुं वा कंटयं वा णिहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे । सिया से परो

पायाओ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९७८॥ सिया से परो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोट्टेण वा संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो कायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं अण्णयरेणं विलेवण-जाएणं आलिंपेज्ज वा, विलिंपेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे। सिया से परो कायं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा, पधूवेज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७९ ॥ सिया से परो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि वणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भंगिज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि वणं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वल्लेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि वणं सीओदग-वियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोल्लेज्ज वा पधोवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८० ॥ से सिया परो कायंसि वणं अण्णयरेणं विलेवणजाएणं आलिं-पेज्ज वा विलिंपेज्ज वा णो तं २। सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं धूवण-जाएणं धूवेज्ज वा प० णो तं० २। सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं सत्थ-जाएणं अच्छिदिज्ज वा विच्छिदिज्ज वा प० णो तं० २। सिया से परो कायंसि वणं अण्ण० सत्थजाएणं अच्छिदित्ता वा विच्छिदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा णीहरिज्ज वा वि० णो तं० २। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइयं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइयं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, लोद्देण वा,

कक्केण वा चुण्णेण वा, वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा, उव्वलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा भगंदलं वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पधोवेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे। सिया से परोकायंसि गंडंवा जाव भगंदलं वा अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदेज्ज वा विच्छिंदेज्ज वा, सिया से परो अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता वा २ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८१॥ सिया से परो कायाओ सेयं वा जल्लं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८२॥ सिया से परो अच्छिमलं, कण्णमलं वा, दंतमलं वा णहमलं वा, णीहरिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८३॥सिया से परो दीहाइं वालाइं दीहाइं रोमाइं दीहाइं भमुहाइं, दीहाइं कक्खरोमाइं दीहाइं वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८४॥सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८५॥सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता पायाइं आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा एवं हिट्ठिमो गमो पायाइ भाणियव्वो, सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता, हारं वा अद्धहारं वा उरत्थं वा, गेवेयं वा, मउडं वा, पालंबं वा सुवण्णसुत्तं वा, अविहिज्ज वा, पिणहिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८६॥ सिया से परो आरामंसि वा, उज्जाणंसि वा, णीहरित्ता वा पविसित्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८७॥ एवं णेयव्वा अण्णमण्णकिरिया वि ॥ ९८८ ॥ सिया से परो सुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे सिया से परो असुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कड्ढित्तु वा कड्ढावित्तु वा तेइच्छं आउट्टाविज्जा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८९॥कडुवेयणा पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेइंति॥९९०॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जए सेयमिणं मण्णेज्जासि त्ति बेमि ॥९९१॥ **तेरहममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ अण्णुण्णकिरिया-सत्तिक्कयं णाम चउद्दसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं सायए णो तं णियमे ॥९९२॥ सिया से अण्णमण्णं पाए आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं

सायए णो तं णियमे ॥९९३॥ सेसं तं चेव ॥९९४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जइज्जासि त्ति बेमि ॥९९५॥ **चउद्दसममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ भावणा णाम पणरहमं अज्झयणं ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था, तंजहा—हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं सव्वओ सव्वत्ताए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, हत्थुत्तराहिं कसिणे पडिपुण्णे अव्वाघाए णिरावरणे अणंते अणुत्तरे केवल-वरणाणदंसणे समुप्पण्णे, साइणा भगवं परिणिव्वुए ॥९९६॥ समणे भगवं महावीरे, इमाए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए वीइक्कंताए सुसमाए समाए वीइक्कंताए, सुसमदुसमाए समाए वीइक्कंताए दुसमसुसमाए समाए बहुवीइक्कंताए, पण्णहत्तरीए वासेहिं मासेहिं य अद्धणवमेहिंसेसेहिं, जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे, आसाढसुद्धे, तस्स णं आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं, महाविजयसिद्धत्थपुप्फुत्तरपवरपुंडरीयदिसासोवत्थियवद्धमाणाओ महाविमाणाओ वीसंसागरोवमाइं आउयं पालइत्ता, आउक्खएणं, ठिइक्खएणं भवक्खएणं चुए चइत्ता इह खलु जंबुद्दीवेणं दीवे, भारहे वासे, दाहिणड्ढभरहे दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसंमि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरस्स गुत्ताए सीहुब्भवभूएणं अप्पाणेणं कुच्छिसि गब्भं वक्कंते, समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, चइस्सामित्ति जाणइ चुएमित्ति जाणइ, चयमाणे ण जाणेइ, सुहुमे णं से काले पण्णत्ते । तओ णं समणे भगवं महावीरे हियाणुकंपए णं देवेणं जीयमेयं त्ति कट्टु जे से वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं बासीहिं राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स परियाए वट्टमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसंसि णायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स तिसलाए खत्तियाणिए वासिट्ठसगुत्ताए असुभाणं पुग्गलाणं अवहारं करित्ता, सुभाणं पुग्गलाणं पक्खेवं करित्ता कुच्छिसि गब्भं साहरइ, जेवि य से तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिसि गब्भे तंपि य दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसंसि उसभ.....को.....देवा....जालंधरायणगुत्ताए कुच्छिसि गब्भं साहरइ ॥९९७॥ समणे

भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साहरिएमित्ति जाणइ साहरिज्जमाणे वि जाणइ समणाउसो ! ॥ ९९८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं तिसलाए खत्तियाणीए अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीइक्कंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चित्तसुद्धे तस्सणं चित्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं, हत्थुत्तराहिं जोगमुवागएणं समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया ॥९९९॥ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं राइं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि य देवीहि य उवयंतेहि य उप्पयंतेहि य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देवसण्णिवाए देवकहक्कहे उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥१०००॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं बहवे देवा य देवीओ य एगं महं अमयवासं च, गंधवासं च, चुण्णवासं य, पुप्फवासं च, हिरण्णवासं च, रयणवासं च वासिंसु ॥ १००१ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं रयणिं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सूइकम्माइं तित्थयराभिसेयं च करिंसु ॥ १००२ ॥ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणिए कुच्छिसि गब्भं आगए तओ णं पभिइ तं कुलं विपुलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ, तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सूचिभूयंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं उवणिमंतंति उवणिमंतेत्ता बहवे समणमाहणकिवणवणिमगाहिं भिच्छुंडगपंडरगाईण विच्छड्डेंति विग्गोवेंति विस्साणेंति दातारेसु णं दाणं पज्जभाइंति विच्छड्डित्ता विग्गोवित्ता विस्साणित्ता दायारेसु णं दाणं पज्जभाइत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं भुंजावेंति भुंजावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति, जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिसि गब्भे आहूए तओ णं पभिइ इमं कुलं, विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ तं होउ णं कुमारे "वद्धमाणे" ॥ १००३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधाइपरिवुडे तंजहा—खीरधाईए-मज्जणधाईए-

मंडावणधाइए-खेल्लावणधाइए-अंकधाईए अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणि-कोट्टिमतले गिरिकंदरस्समल्लीणे विव चंपयपायवे अहाणुपुव्वीए संवड्ढइ ॥ १००४॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे विण्णायपरिणये विणियत्तबालभावे अणुस्सुयाइं उरालाइं माणुस्सगाइं पंचलक्खणाइं कामभोगाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं परियारेमाणे एवं च णं विहरइ ॥१००५॥ समणे भगवं महावीरे कासवगोत्ते तस्स णं इमे तिण्णि णाम धेज्जा एवमाहिज्जंति, अम्मापिउसंतिए "वद्धमाणे," सहसम्मुइए "समणे" भीमभयभेरवं उरालं अचेलयं परिसहं सहइ त्ति कट्टु देवेहिं से णामं कयं "समणे भगवं महावीरे" ॥१००६॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पिया कासवगोत्तेणं तस्स णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा—सिद्धत्थे इ वा, सेज्जंसेइ वा, जसंसे इ वा ॥१००७॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिट्ठसगोत्ता तीसेणं तिण्णि णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति तंजहा—तिसला इ वा, विदेहदिण्णा इ वा, पियकारिणी इ वा ॥१००८॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तियए 'सुपासे' कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भाया णंदिवद्धणे कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठा भइणी सुदंसणा कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भज्जा जसोया कोडिण्णा गोत्तेणं समणस्स भगवओ महावीरस्स धूया कासवगोत्तेणं, तीसेणं दो णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा—अणोज्जा इ वा, पियदंसणा इ वा, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णत्तुई कोसियगोत्तेणं तीसेणं दो णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा—सेसवई इ वा, जसवई इ वा ॥१००९॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पासावच्चिज्जा, समणोवासगा यावि होत्था, ते णं बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पालइत्ता, छण्हं जीवणिकायाणं संरक्खणणिमित्तं आलोइत्ता णिंदित्ता गरहित्ता पडिक्कमित्ता अहारिहं उत्तरगुण-पायच्छित्तं पडिवज्जित्ता कुससंथारं दुरुहित्ता, भत्तं पच्चक्खाइंति, भत्तं पच्चक्खाइत्ता अपच्छिमाए मारणंतियाए संलेहणाए झुसियसरीरा कालमासे कालं किच्चा तं सरीरं विप्पजहित्ता अच्चुए कप्पए देवत्ताए उववण्णा, तओणं आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता महाविदेहवासे चरिमेणं उस्सासेणं सिज्झिस्संति, बुज्झिस्संति, मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति, सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०१० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे णाए णायपुत्ते णायकुलणिव्वत्ते विदेहे

विदेहदिण्णे विदेहजच्चे विदेहसूमाले तीसं वासाइं विदेहंसि त्ति कट्टु अगारमज्झे वसित्ता अम्मापिऊहिं कालगएहिं देवलोगमणुपत्तेहिं समत्तपइण्णे चिच्चा हिरण्णं, चिच्चा सुवण्णं, चिच्चा बलं, चिच्चा वाहणं, चिच्चा धणधण्णकणयरयणसंतसारसावइज्जं, विच्छड्डेत्ता, विगोवित्ता, विस्साणित्ता, दायारेसु दाणं दाइत्ता परिभाइत्ता, संवच्छरं दाणं दलइत्ता, जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं अभिणिक्खमणाभिप्पाए यावि होत्था ॥ १०११ ॥ संवच्छरेण होहिंति अभिणिक्खमणं तु जिणवरिंदस्स, तो अत्थि संपयाणं, पव्वत्तई पुव्वसूराओ ॥१०१२॥ एगा हिरण्णकोडी, अट्ठेव अणूणया सयसहस्सा, सूरोदयमाईयं दिज्जइ जा पायारासोत्ति॥१०१३॥ तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च होंति कोडीओ, असिइं च सयसहस्सा, एवं संवच्छरे दिण्णं ॥१०१४॥ वेसमणकुंडलधरा, देवा लोगंतिया महिड्ढिया । बोहिंति य तित्थयरं,पण्णरससु कम्मभूमिसु॥१०१५॥बंभंमि य कप्पंमि य बोद्धव्वा कण्हराइणो मज्झे; लोगंतिया विमाणा, अट्ठसु वत्था असंखेज्जा ॥१०१६॥ एए देवणिकाया, भगवं बोहिंति जिणवरं वीरं, सव्वजगज्जीवहियं, अरहं तित्थं पव्वत्तेहि ॥१०१७॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अभिणिक्खमणाभिप्पायं जाणेत्ता भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य सएहिं सएहिं रूवेहिं, सएहिं सएहिं णेवत्थेहिं, सएहिं सएहिं चिंधेहिं, सव्विड्ढीए सव्वजुईए, सव्वबलसमुदएणं, सयाइं सयाइं जाणविमाणाइं दुरुहंति सयाइं २ जाणविमाणाइं दुरुहित्ता, अहा बायराइं पोग्गलाइं परिसाडेंति परिसाडित्ता, अहासुहुमाइं पोग्गलाइं परियाइंति परियाइत्ता, उड्ढं उप्पयंति उड्ढं उप्पइत्ता, ताए उक्किट्ठाए सिग्घाए चवलाए तुरियाए दिव्वाए देवगईए अहेणं उवयमाणा २ तिरिएणं असंखेज्जाइं दीवसमुद्दाइं वीइक्कममाणा २ जेणेव जंबुदीवे दीवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुर संणिवेसस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तेणेव झत्तिवेगेण उवट्ठिइया ॥१०१८॥ तओ णं सक्के देविंदे देवराया सणियं सणियं जाणविमाणंपठवेइपठवेत्ता, सणियं २ जाणविमाणाओ पच्चोत्तरइ, पच्चोत्तरित्ता एगंतमवक्कमेइ एगंतमवक्कमेत्ता, महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणइ, महया वेउव्विएणं

समुग्घाएणं समोहणित्ता, एगं महं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं देवच्छंदयं विउव्वइ, तस्सणं देवच्छंदयस्स बहुमज्झदेसभाए एगं महं सपायपीढं सीहासणं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, २ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं गहाय जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता, सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयावेइ णिसीयावेत्ता सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेइ अब्भंगेत्ता गंधकासाइएहिं उल्लोलेइ उल्लोलित्ता, सुद्धोदएणं मज्जावेइ मज्जावित्ता, जस्स णं मुल्लं सयसहस्सेणं तिपडोलतित्तिएणं साहिएणं सीएणं गोसीसरत्तचंदणेणं अणुलिंपइ अणुलिंपित्ता ईसिंणिस्सासवायवोज्झं वरणयरपट्टणुग्गयं कुसलणरपसंसियं अस्सलालापेलवं छेयायरियकणगखचियंतकम्मं हंसलक्खणं, पट्टजुयलं णियंसावेइ, णियंसावेत्ता हारं अद्धहारं उरत्थं णेवत्थं एगावलिं पालंबसुत्तं पट्टमउडरयणमालाओ आविंधावेइ आविंधावेत्ता गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं मल्लेणं कप्परुक्खमिव समलंकरेइ २ दोच्चंपि महया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता एगं महं चंदप्पहं सिवियं सहस्सवाहिणिं विउव्वइ तंजहा—ईहामियउसभतुरगणरमकरविहगवाणरकुंजररुरुसरभचमरसद्दुलसीहवणलयपउमलयभत्तिचित्तलयविचित्तविज्जाहरमिहुणजुयलजंतजोगजुत्तं, अच्चीसहस्समालिणीयं सुणिरूवियं मिसिमिसिंतरूवगसहस्सकलियं, ईसिंभिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं, मुत्ताहलमुत्तजालंतरोवियंतवणीयपवरलंबूसगपलंबंतमुत्तदामं, हारद्धहारभूसणसमोणयं अहियपिच्छणिज्जं पउमलयभत्तिचित्तं, असोककुंदणाणालयभत्तिचित्तं विरइयं सुभं चारुकंतरूवं णाणामणिपंचवण्णघंटापडायपरिमंडियग्गसिहरं पासाईयं दरिसणीयं सुरूवं ॥ १०१९ ॥ सीया उवणीया जिणवरस्स जरमरणविप्पमुक्कस्स; ओसत्तमल्लदामा, जलथलयदिव्वकुसुमेहिं ॥ १ ॥ सिवियाइ मज्झयारे, दिव्वं वररयणरूवचिंचइयं; सीहासणं महरिहं सपायपीढं जिणवरस्स ॥ २ ॥ आलइयमालमउडो भासुरबोंदी वराभरणधारी; खोमियवत्थणियत्थो, जस्स य मोल्लं सयसहस्सं ॥ ३ ॥ छट्ठेण उ भत्तेणं अज्झवसाणेण सोहणेण जिणो, लेसाहिं विसुज्झंतो, आरुहइ उत्तमं सीयं ॥ ४ ॥ सीहासणे णिविट्ठो सक्कीसाणा य दोहिं

पासेहिं, वीयंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंडाहिं ॥ ५ ॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्टरोमपुलएहिं, पच्छा वहंति देवा, सुरअसुरगरुलणागिंदा ॥ ६ ॥ पुरओ सुरा वहंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि। अवरे वहंति गरुला, णागा पुण उत्तरे पासे ॥ ७ ॥ वणसंडं व कुसुमियं, पउमसरो वा जहा सरयकाले; सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ८ ॥ सिद्धत्थवणं व जहा, कणियारवणं व चंपयवणं वा, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ९ ॥ वरपडह-भेरिज्झल्लरिसंखसयसहस्सिएहिं तूरेहिं। गयणयले धरणियले तूरणिणाओ परम-रम्मो ॥ १० ॥ ततवितयं घणज्झुसिरं आउज्जं चउव्विहं बहुविहीयं; वायंति तत्थ देवा, बहुहिं आणट्टगसएहिं ॥ ११ ॥ १०२० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दसमी-पक्खेणं, सुव्वएणं दिवसेणं, विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराणक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए विइयाए पोरिसीए छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं, एगसाडगमा-याए, चंदप्पहाए सिवियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराएपरिसाए समणिज्ज-माणे २ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसस्स मज्झंमज्झेणं णिगच्छइ णिगच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिंरयणिप्पमाणं अच्छोप्पेणं भूमिभागेणं सणियं २ चंदप्पहं सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ ठवेत्ता सणियं २ चंदप्प-हाओ सिवियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ, पच्चोयरित्ता सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयेइ, आभरणालंकारं ओमुयइ, तओ णं वेसमणे देवे जण्णुव्वायपडिए समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेणं पडेणं आभरणालंकारं पडिच्छइ; तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, तओ णं सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जण्णुव्वायपडिए वयरामयेणं थालेणं केसाइं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता "अणुजाणेसि भंते" त्ति कट्टु खीरोयसायरं साहरइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ करेत्ता, "सव्वं मे अकरणिज्जं पावकम्मं" त्ति कट्टु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जित्ता देवपरिसं मणुय-परिसं च आलिक्ख चित्तभूयमिव ट्ठवेइ ॥१०२१॥ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणि-णाओ य सक्कवयणेण, खिप्पामेव णिलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥१॥ पडिवज्जित्तु

चरित्तं अहोणिसं सव्वपाणभूयहियं; साहट्टु लोमपुलया, सव्वे देवा णिसामिंति ॥२॥१०२२॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सामाइयं खओवसमियं चरित्तं पडिवण्णस्स मणपज्जवणाणे णामं णाणे समुप्पण्णे, अड्ढाइज्जेहिं दीवेहिं दोहिं य समुद्देहिं सण्णीणं पंचेंदियाणं पज्जत्ताणं वियत्तमणसाणं मणोगयाइं भावाइं जाणेइ ॥१०२३॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पव्वइए समाणे मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं पडिविसज्जेइ, पडिविसज्जित्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, "बारसवासाइं वोसट्ठकाए चत्तदेहे जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति, तंजहा—दिव्वा वा, माणुस्सा वा, तेरिच्छिया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे सम्मं सहिस्सामि, खमिस्सामि अहियासइस्सामि" ॥१०२४॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हित्ता वोसट्ठकाए चत्तदेहे दिवसे मुहुत्तसेसे कुम्मारगामं समणुपत्ते ॥ १०२५॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे वोसट्ठचत्तदेहे अणुत्तरेणं आलएणं, अणुत्तरेणं विहारेणं, एवं संजमेणं, पग्गहेणं, संवरेणं तवेणं, बंभचेरवासेणं, खंतीए, मोत्तीए, समिईए, गुत्तीए, तुट्ठीए, ठाणेणं, कम्मेणं, सुचरियफलणिव्वाणमुत्तिमग्गेणं, अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥१०२६॥ एवं वा विहरमाणस्स जे केइ उवसग्गा समुपज्जंति दिव्वा वा माणुस्सा वा तेरिच्छिया वा ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे अणाउले अव्वहिए अदीणमाणसे तिविहमणवयणकायगुत्ते सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १०२७॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स एएणं विहारेणं विहरमाणस्स बारसवासा वीइक्कंता, तेरसमस्स वासस्स परियाए वट्टमाणस्स जे से गिम्हाणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे, तस्सणं वइसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए वियत्ताए पोरिसीए जंभियगामस्स णगरस्स बहिया णईए उज्जुवालियाए उत्तरे कूले, सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरणंसि वेयावत्तस्स चेइयस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सालरुक्खस्स अदूरसामंते उक्कुडुयस्स गोदोहियाए आयावणाए आयावेमाणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उड्ढंजाणुअहोसिरस्स धम्मज्झाणकोट्ठोवगयस्स सुक्कज्झाणंतरियाए वट्टमाणस्स णिव्वाणे, कसिणे, पडिपुण्णे, अव्वाहए, णिरावरणे, अणंते, अणुत्तरे, केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥ १०२८ ॥ से भयवं अरहा जिणे जाए, केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी, सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पज्जाए

जाणइ, तंजहा—आगइं गइं ठिइं चयणं, उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं, सव्व-भावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ॥ १०२९ ॥ जण्णं दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स णिव्वाणे कसिणे जाव समुप्पण्णे, तण्णं दिवसं भवणवइवाण-मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं य देवीहि य उव्वयंतेहिं य जाव उप्पिंजलगब्भूए यावि होत्था ॥ १०३० ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णवरणाणदंसणधरे अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खइ तओ पच्छा मणु-स्साणं ॥ १०३१ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवणिकायाइं आइक्खइ, भासइ, परूवेइ, तंजहा—पुढविकाए जाव तसकाए ॥ १०३२ ॥ पढमं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा बायरं वा तसं वा थावरं वा णेव सयं पाणाइवायं करेज्जा ३ जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा, तस्स भंते ! पडिक्कमामि णिंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १०३३ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०३४ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, इरियासमिए से णिग्गंथे, णो अणइरियासमिए त्ति, केवली बूया अणइरियासमिए से णिग्गंथे, पाणाइं ४ अभिहणेज्ज वा, वत्तेज्ज वा, परियावेज्ज वा, लेसेज्ज वा, उद्दवेज्ज वा, इरियासमिए से णिग्गंथे, णो इरियाअसमिए त्ति पढमा भावणा ॥ १०३५ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे, जे य मणे पावए सावज्जे सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अहिकरणिए पाउसिए, परियाविए पाणाइ-वाइए, भूओवघाइए तहप्पगारं मणं णो पधारेज्जा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे जे य मणे अपावए त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०३६ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया तहप्पगारं वइं णो उच्चारिज्जा, जे वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई अपाविय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०३७ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, आयाणभंडमत्तणिक्खेव-णासमिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए णिग्गंथे केवली बूया, आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए से णिग्गंथे पाणाइंभूयाइंजीवाइं सत्ताइं अभिह-णेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे णो

आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३८ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पाणाइं वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाण-भोयणभोई त्ति पंचमा भावणा ॥ १०३९ ॥ एयावता (पढमे) महव्वए सम्मं काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ ॥ १०४० ॥ पढमे भंते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १०४१ ॥ अहावरं दोच्चं महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मुसावायं वइदोसं से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवण्णेणं मुसं भासावेज्जा, अण्णं पि मुसं भासंतं ण समणुजाणेज्जा, तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा तस्स भंते ! पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ॥ १०४२ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०४३ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, अणुवीइभासी से णिग्गंथे णो अणणुवीईभासी; केवली बूया अणणुवीइभासी से णिग्गंथे समावज्जिज्ज मोसं वयणाए, अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासि त्ति पढमा भावणा ॥ १०४४ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो कोहणे सिया, केवली बूया, कोहपत्ते कोहत्तं समा-वएज्जा मोसं वयणाए, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णय कोहणे सियत्ति दोच्चा भावणा ॥ १०४५ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिया, केवली बूया; लोभपत्ते लोभी समावएज्जा मोसं वयणाए, लोभं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०४६ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, भयं परिजाणाइ से णिग्गंथे णो भयभीरुए सिया; केवली बूया, भयप्पत्ते भीरू समावएज्जा मोसं वयणाए, भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०४७ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिया, केवली बूया, हासप्पत्ते हासी समा-वएज्जा मोसं वयणाए, हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १०४८ ॥ एयावता दोच्चे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए या वि भवइ। दोच्चे भंते ! महव्वए० ॥ १०४९ ॥ अहा-वरं तच्चं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं; से गामे वा, णगरे वा,

अरण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेहिं अदिण्णं गेण्हावेज्जा अण्णंपि अदिण्णं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाव वोसिरामि ॥ १०५० ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति तत्थिमा पढमा भावणा, अणुवीइ मिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीईमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे केवली बूया अणणुवीईमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीइमिउग्गहं जाई त्ति पढमा भावणा ॥ १०५१ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, अदिण्णं भुंजेज्जा, तम्हा अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०५२ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, णिग्गंथे णं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं उग्गहंसि अणुग्गहियंसि एतावताव अणुग्गहणसीले अदिण्णं उगिण्हेज्जा णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०५३ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, णिग्गथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णिग्गंथे उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०५४ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, अणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई, केवली बूया, अणणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु अदिण्णं उगिण्हेज्जा, अणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १०५५ ॥ एतावताव तच्चे महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, तच्चं भंते ! महव्वयं ॥ १०५६ ॥ अहावरं चउत्थं महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं, से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा तं चेव अदिण्णादाणवत्तव्वया भाणियव्वा, जाव वोसिरामि ॥ १०५७ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०५८ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, णो णिग्गंथे अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहेमाणे

संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलीपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहित्तए सिय त्ति पढमा भावणा ॥ १०५९ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०६० ॥ अहावरा तच्चा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सुमरित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०६१ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो पणीयरसभोयणभोई, केवली बूया, अइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोई य संतिभेया जाव भंसेज्जा, णोऽतिमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोई त्ति चउत्था भावणा, ॥ १०६२ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवेमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सियत्ति पंचमा भावणा ॥ १०६३ ॥ एतावताव चउत्थे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आराहिए या वि भवइ, चउत्थं भंते ! महव्वयं० ॥ १०६४ ॥ अहावरं पंचमं भंते ! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि, से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं परिग्गहं गिण्हेज्जा, णेवण्णेहिं परिग्गहं गिण्हाविज्जा, अण्णंपि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा, जाव वोसिरामि ॥१०६५॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति । तत्थिमा पढमा भावणा, सोयओणं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथेणं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०६६ ॥ ण सक्का ण सोउं सद्दा, सोयविसयमागया; रागदोसा उ जे

तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०६७ ॥ सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ त्ति प. भा. ॥ १०६८ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०६९ ॥ णो सक्का रूवमदट्ठुं चक्खुविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥१०७०॥ चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ त्ति दो. भा. ॥१०७१॥ अहावरा तच्चा भावणा, घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०७२ ॥ णो सक्का गंधमग्घाउं णासाविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७३ ॥ घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ त्ति त. भा. ॥ १०७४ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्साएइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा ॥ १०७५ ॥ णो सक्का रसमस्साउं जीहाविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७६ ॥ जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्साएइ त्ति च. भा. ॥ १०७७ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, फासओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेएइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो रज्जेज्जा, णो सज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे, संतिभेया संतिविभंगा, संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०७८ ॥ णो सक्का फासमवेएउं फासविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७९ ॥ फासओ जीवा मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेएइ त्ति पं. भा. ॥ १०८० ॥ एतावताव पंचमे महव्वए सम्मं काएण फासिएपालिएतीरिएकिट्टिए अहिट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ, पंचमं

भंते ! महव्वयं ॥ १०८१ ॥ इच्चेएहिं पंचमहव्वएहिं पणवीसाहिं य भावणाहिं संपण्णे अणगारे अहासुयं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएण फासित्ता, पालित्ता, तीरित्ता, किट्टित्ता, आणाए आराहित्ता यावि भवइ ॥ १०८२ ॥ **पणरहमं अज्झयणं स ॥**

॥ विमुत्ती णाम सोलसमं अज्झयणं ॥

अणिच्चमावासमुवेंति जंतुणो, पलोयए सुच्चमिदं अणुत्तरं; विऊसिरे विण्णु अगारबंधणं, अभीरु आरंभपरिग्गहं चए ॥ १०८३ ॥ तहागयं भिक्खुमणंतसंजयं, अणेलिसं विण्णु चरंतमेसणं; तुदंति वायाहिं अभिद्दवं णरा, सरेहिं संगामगयं व कुंजरं ॥ १०८४ ॥ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्दफासा फरुसा उईरिया; तितिक्खए णाणि अदुट्ठचेयसा, गिरिव्व वाएण ण संपवेयए ॥ १०८५ ॥ उवेहमाणे कुसलेहिं संवसे, अकंतदुक्खी तसथावरा दुही; अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहा हि से सुस्समणे समाहिए ॥ १०८६ ॥ विऊ णए धम्मपयं अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स मुणिस्स ज्झायओ; समाहियस्सऽग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ ॥ १०८७ ॥ दिसोदिसिंऽणंतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपया पवेइया; महागुरू णिस्सयरा उईरिया, तमेव तेऊत्तिदिसं पगासया ॥ १०८८ ॥ सिएहिं भिक्खू असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूयणं; अणिस्सिओ लोगमिणं तहा परं, णमिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥ १०८९ ॥ तहा विमुक्कस्स परिण्णचारिणो धिईमओ दुक्खखमस्स भिक्खुणो; विसुज्झई जंसि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ १०९० ॥ से हु प्परिण्णा समयंमि वट्टइ, णिरासंसे उवरय मेहुणा चरे; भुयंगमे जुण्णतयं जहा जहे, विमुच्चइ से दुहसेज्ज माहणे ॥ १०९१ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारयं, महासमुद्दं व भुयाहिं दुत्तरं; अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०९२ ॥ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु विमोक्ख आहिओ; अहा तहा बंधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०९३ ॥ इमंमि लोए परए य दोसुवि, ण विज्जइ बंधणं जस्स किंचिवि; से हु णिरालंबणमप्पइट्ठिए, कलंकली भावपहं विमुच्चइ त्ति बेमि ॥ १०९४ ॥

सोलसमं विमुत्तिज्झयणं समत्तं ॥ सदाचार णाम बीओ सु धो संपुण्णो ॥

❊ इइ आयारो ❊

सूयगडो

पढमो सुयक्खंधो

समयज्झयणे पढमे

बुज्झिज्ज त्ति तिउट्टिज्जा बन्धणं परिजाणिया। किमाह बंधणं वीरो किं वा जाणं तिउट्टइ ? ॥१॥ चित्तमंतमचित्तं वा परिगिज्झ किसामवि। अण्णं वा अणुजाणाइ एवं दुक्खा ण मुच्चई ॥२॥ सयं तिवायए पाणे अदुवाऽण्णेहि घायए। हणंतं वाऽणुजाणाइ वेरं वड्ढेइ अप्पणो ॥३॥ जस्सिं कुले समुप्पण्णे जेहिं वा संवसे णरे। ममाइ लुप्पई बाले अण्णे अण्णेहिं मुच्छिए ॥४॥ वित्तं सोयरिया चेव, सव्वमेयं ण ताणइ। संखाए जीवियं चेव, कम्मुणा उ तिउट्टइ ॥५॥ एए गंथे विउक्कम्म एगे समणमाहणा। अयाणंता विउस्सित्ता सत्ता कामेहि माणवा ॥६॥ संति पंच महब्भूया इहमेगेसिमाहिया। पुढवी आउ तेऊ वा वाउ आगासपंचमा ॥७॥ एए पंच महब्भूया तेब्भो एगो त्ति आहिया। अह तेसिं विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥ ८ ॥ जहा य पुढवीथूभे एगे णाणाहि दीसइ। एवं भो ! कसिणे लोए विण्णू णाणाहि दीसइ ॥९॥ एवमेगे त्ति जप्पंति मंदा आरम्भणिस्सिया। एगे किच्चा सयं पावं तिव्वं दुक्खं णियच्छइ ॥ १० ॥ पत्तेयं कसिणे आया जे बाला जे य पण्डिया। संति पिच्चा ण ते संति णत्थि सत्तोववाइया॥११॥ णत्थि पुण्णे व पावे वा णत्थि लोए इओवरे। सरीरस्स विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥१२॥ कुव्वं च करायं चेव सव्वं कुव्वं ण विज्जई। एवं अकारओ अप्पा एवं ते उ पगब्भिया ॥१३॥ जे ते उ वाइणो एवं लोए तेसिं कओ सिया। तमाओ ते तमं जंति मंदा आरम्भणिस्सिया ॥१४॥ संति पंच महब्भूया इहमेगेसि आहिया। आयछट्ठा पुणो आहु आया लोगे य सासए ॥१५॥ दुहओ ण विणस्संति णो य उप्पज्जए असं। सव्वे वि सव्वहा भावा णियत्तीभावमागया ॥१६॥ पंच खंधे वयंतेगे बाला उ खणजोइणो। अण्णो अणण्णो णेवाहु हेउयं च अहेउयं ॥१७॥ पुढवी आउ तेऊ य तहा वाऊ य एगओ। चत्तारि धाउणो रूवं एवमाहंसु आवरे ॥१८॥ अगार-मावसंता वि अरण्णा वा वि पव्वया। इमं दरिसणमावण्णा सव्वदुक्खा

विमुच्चई ॥१९॥ ते णावि संधिं णच्चा णं ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते ओहंतराऽऽहिया ॥२०॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्म विऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते संसारपारगा ॥२१॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते गब्भस्स पारगा ॥२२॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते जम्मस्स पारगा ॥२३॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते दुक्खस्स पारगा ॥२४॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते मारस्स पारगा ॥२५॥ णाणाविहाइं दुक्खाइं अणुहोंति पुणो पुणो। संसारचक्कवालम्मि मच्चुवाहिजराकुले ॥ २६ ॥ उच्चावयाणि गच्छंता गब्भमेस्संति णंतसो। णायपुत्ते महावीरे एवमाह जिणुत्तमे ॥ २७ ॥ त्ति बेमि।

॥ बीओ उद्देसो ॥

आघायं पुण एगेसिं उववण्णा पुढो जिया। वेदयंति सुहं दुक्खं अदु वा लुप्पंति ठाणओ ॥१॥ ण तं सयं कडं दुक्खं कओ अण्णकडं च णं। सुहं वा जइ वा दुक्खं सेहियं वा असेहियं ॥२॥ सयं कडं ण अण्णेहिं वेदयंति पुढो जिया। संगइयं तं तहा तेसिं इहमेगेसिमाहियं ॥३॥ एवमेयाणि जम्पंता बाला पण्डियमाणिणो। णिययाणिययं संतं अयाणंता अवुद्धिया ॥४॥ एवमेगे उ पासत्था ते भुज्जो विप्पगब्भिया। एवं उवट्ठिया संता ण ते दुक्खविमोक्खया ॥ ५ ॥ जविणो मिगा जहा संता परियाणेण वज्जिया। असंकियाइं संकंति संकियाइं असंकिणो ॥६॥ परियाणियाणि संकंता पासियाणि असंकिणो। अण्णाणभयसंविग्गा संपलिंति तहिं तहिं॥७॥ अह तं पवेज्ज वज्झं अहे वज्झस्स वा वए। मुच्चेज्ज पयपासाओ तं तु मंदे ण देहई ॥ ८ ॥ अहियप्पाऽहियपण्णाणे विसमंतेणुवागए। स बद्धे पयमासेणं तत्थ घायं णियच्छइ ॥९॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। असंकियाइं संकंति संकियाइं असंकिणो ॥१०॥ धम्मपण्णवणा जा सा तं तु संकंति मूढगा। आरम्भाइं ण संकंति अवियत्ता अकोविया ॥११॥ सव्वप्पगं विउक्कस्सं सव्वं णूमं विहूणिया। अप्पत्तियं अकम्मंसे एयमट्ठं मिगे चुए ॥१२॥ जे एयं णाभिजाणंति मिच्छदिट्ठी अणारिया। मिगा वा पासबद्धा ते घायमेस्संति णंतसो ॥१३॥ माहणा समणा एगे सव्वे णाणं सयं वए। सव्वलोगे वि जे पाणा, ण ते जाणंति किंचण ॥१४॥

मिलक्खू अमिलक्खुस्स जहा वुत्ताणुभासए ण हेउं से वियाणाइ भासियं तऽणुभासए ॥१५॥ एवमण्णाणिया णाणं वयंता वि सयं सयं । णिच्छयत्थं ण जाणंति मिलक्खु व्व अबोहिया ॥ १६ ॥ अण्णाणियाणं वीमंसा अण्णाणे ण णियच्छइ । अप्पणो य परं णालं कुतो अण्णाणुसासिउं ॥ १७ ॥ वणे मूढे जहा जंतू मूढे णेयाणुगामिए । दो वि एए अकोविया तिव्वं सोयं णियच्छई ॥ १८ ॥ अंधो अंधं पहं णेंतो दूरमद्धाणुगच्छइ । आवज्जे उप्पहं जंतू अदुवा पंथाणुगामिए ॥ १९ ॥ एवमेगे णियागट्ठी धम्ममाराहगा वयं । अदुवा अहम्ममावज्जे ण ते सव्वज्जुयं वए ॥ २० ॥ एवमेगे वियक्काहिं णो अण्णं पज्जुवासिया । अप्पणो य वियक्काहिं अयमंजू हि दुम्मई ॥२१॥ एवं तक्काइ साहेंता धम्माधम्मे अकोविया । दुक्खं ते णाइउट्टंति सउणी पंजरं जहा ॥ २२ ॥ सयं सयं पसंसंता गरहंता परं वयं । जे उ तत्थ विउस्संति संसारं ते विउस्सिया ॥ २३ ॥ अहावरं पुरक्खायं किरियावाइदरिसणं । कम्मचिंतापणट्ठाणं संसारस्स पवड्ढणं ॥ २४ ॥ जाणं काएणऽणाउट्टी अबुहो जं च हिंसइ । पुट्ठो संवेयइ परं अवियत्तं खु सावज्जं ॥ २५ ॥ संतिमे तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । अभिकम्मा य पेसा य मणसा अणुजाणिया ॥ २६ ॥ एए उ तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । एवं भावविसोहीए णिव्वाणमभिगच्छई ॥ २७ ॥ पुत्तं पिया समारब्भ आहारेज्ज असंजए । भुञ्जमाणो य मेहावी कम्मुणा णोवलिप्पइ ॥ २८ ॥ मणसा जे पउस्संति चित्तं तेसिं ण विज्जइ । अणवज्जमतहं तेसिं ण ते संवुडचारिणो ॥ २९ ॥ इच्चेयाहि य दिट्ठीहिं सायागारवणिस्सिया । सरणं ति मण्णमाणा सेवंती पावगं जणा ॥ ३० ॥ जहा अस्साविणिं णावं जाइअंधो दुरूहिया । इच्छई पारमागंतुं अंतरा य विसीयई ॥ ३१ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । संसारपारकंखी ते, संसारं अणुपरियट्टंति ॥ ३२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइओ उद्देसो ॥

जं किंचि उ पूइकडं सड्ढीमागंतुमीहियं । सहस्संतरियं भुंजे दुपक्खं चेव सेवइ ॥ १ ॥ तमेव अवियाणंता विसमंसिअकोविया । मच्छा वेसालिया चेव उदगस्सऽभियागमे ॥ २ ॥ उदगस्स पहावेणं सुक्कंसिग्घं तमंति उ । ढंकेहि य कंकेहि य आमिसत्थेहिं ते दुही ॥ ३ ॥ एवं तु समणा एगे वट्टमाणसुहेसिणो । मच्छा वेसालिया चेव घायमेस्संति णंतसो ॥ ४ ॥ इणमण्णं तु अण्णाणं इहमेगेसिमाहियं ।

देवउत्ते अयं लोए बम्भउत्ते इ आवरे ॥ ५ ॥ ईसरेण कडे लोए पहाणाइ तहावरे। जीवाजीवसमाउत्ते सुहदुक्खसमण्णिए ॥ ६ ॥ सयंभुणा कडे लोए इइ वुत्तं महेसिणा । मारेण संथुया माया तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ माहणा समणा एगे आह अण्डकडे जए । असो तत्तमकासी य अयाणंता मुसं वए ॥ ८ ॥ सएहिं परियाएहिं लोगं बूया कडे त्ति य । तत्तं ते ण वियाणंति ण विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ अमणुण्णसमुप्पायं दुक्खमेव वियाणिया । समुप्पायमयाणंता कहं णायंति संवरं ? ॥ १० ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहियं । पुणो किड्डापदोसेणं सो तत्थ अवरज्झई ॥ ११ ॥ इह संवुडे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए । वियडम्बु जहा भुज्जो णीरयं सरयं तहा ॥ १२ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भचेरेण ते वसे । पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सयं सयं ॥ १३ ॥ सए सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव ण अण्णहा । अहो इहेव वसवत्ती सव्वकामसमप्पिए ॥ १४ ॥ सिद्धा य ते अरोगा य इहमेगेसिमाहियं । सिद्धिमेव पुरो काउं सासए गढिया णरा ॥ १५ ॥ असंवुडा अणाईयं भमिहिंति पुणो पुणो । कप्पकालमुवज्जंति ठाणा आसुरकिब्बिसिया ॥१६॥ त्ति बेमि ॥

॥ पढमं अज्झयणं चउत्थो उद्देसो ॥

एए जिया भो ! ण सरणं बाला पण्डियमाणिणो । हिच्चा णं पुव्वसंजोयं सिया किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय वियं तेसु ण मुच्छए । अणुक्कस्से अप्पलीणे मज्झेण मुणि जावए ॥ २ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा इहमेगेसिमाहियं अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खू ताणं परिव्वए ॥ ३ ॥ कडेसु घासमेसेज्जा विऊ दत्तेसणं चरे । अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाणं परिवज्जए ॥ ४ ॥ लोगवायं णिसामेज्जा इहमेगेसिमाहियं । विवरीयपण्णसंभूयं अण्णउत्तं तयाणुयं ॥५॥ अणंते णिइए लोए सासए ण विणस्सई । अंतवं णिइए लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥६॥ अपरिमाणं वियाणाइ इहमेगेसिमाहियं । सव्वत्थ सपरिमाणं इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठंति अदु थावरा । परियाए अत्थि से अंजू जेण ते तसथावरा ॥८॥ उरालं जगओ जोगं विवज्जासं पलेंति य । सव्वे अक्कंतदुक्खा य अओ सव्वे अहिंसिया ॥ ९ ॥ एयं खु णाणिणो सारं जं ण हिंसइ किंचणं । अहिंसासमयं चेव एयावंतं वियाणिया ॥ १० ॥ वुसिए य विगयगेही आयाणं

सम्म रक्खए । चरियासणसेज्जासु भत्तपाणे य अंतसो ॥ ११ ॥ एएहिं तिहिं ठाणेहिं संजए सययं मुणी । उक्कसं जलणं णूमं मज्झत्थं च विगिंचए ॥ १२ ॥ समिए उ सया साहू पंचसंवरसंवुडे । सिएहिं असिए भिक्खू आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ १३ ॥ त्ति बेमि ।

वेयालिए णाम बीअं अज्झयणं पढमो उद्देसो

संबुज्झह किं ण बुज्झह संबोही खलु पेच्च दुल्लहा । णो हूवणमंति राइयो णो सुलभं पुणरावि जीवियं ॥ १ ॥ डहरा बुड्ढा य पासह गब्भत्था वि चयंति माणवा । सेणे जह वट्टयं हरे एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ २ ॥ मायाहि पियाहि लुप्पई णो सुलहा सुगई य पेच्चओ । एयाइ भयाइ पेहिया आरम्भा विरमेज्ज सुव्वए ॥ ३ ॥ जमिणं जगई पुढो जगा कम्मेहिं लुप्पंति पाणिणो । सयमेव कडेहि गाहई णो तस्स मुच्चेज्जऽपुट्ठयं ॥ ४ ॥ देवा गंधव्वरक्खसा असुरा भूमिचरा सरीसिवा । राया णरसेट्ठिमाहणा ठाणा ते वि चयंति दुक्खिया ॥ ५ ॥ कामेहि य संथवेहि गिद्धा कम्मसहा कालेण जंतवो । ताले जह बंधणच्चुए एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ ६ ॥ जे यावि बहुस्सुए सिया धम्मिय माहण भिक्खुए सिया । अभिणूमकडेहि मुच्छिए तिव्वं ते कम्मेहिं किच्चई ॥ ७ ॥ अह पास विवेगमुट्ठिए अवितिण्णे इह भासई धुवं । णाहिसि आरं कओ परं वेहासे कम्मेहिं किच्चई ॥ ८ ॥ जइ वि य णगिणे किसे चरे जइ वि य भुंजिय मासमंतसो । जे इह मायाइ मिज्जई आगंता गब्भाय णंतसो ॥ ९ ॥ पुरिसोरम पावकम्मुणा पलियंतं मणुयाण जीवियं । सण्णा इह काममुच्छिया मोहं जंति णरा असंवुडा ॥ १० ॥ जययं विहराहि जोगवं अणुपाणा पंथा दुरुत्तरा । अणुसासणमेव पक्कमे वीरेहिं सम्मं पवेइयं ॥ ११ ॥ विरया वीरा समुट्ठिया कोहकायरियाइपीसणा । पाणे ण हणंति सव्वसो पावाओ विरयाऽभिणिव्वुडा ॥ १२ ॥ ण वि ता अहमेव लुप्पए लुप्पंती लोगंसि पाणिणो । एवं सहिएहिं पासए अणिहे से पुट्ठेऽहियासए ॥ १३ ॥ धुणिया कुलियं व लेववं किसए देहमणासण इहिं । अविहिंसामेव पव्वए अणुधम्मो मुणिणा पवेइओ ॥ १४ ॥ सउणी जह पंसुगुण्डिया विहुणिय धंसयई सियं रयं । एवं दविओवहाणवं कम्मं खवइ तवस्सि माहणे ॥ १५ ॥ उट्ठियमणगारमेसणं समणं ठाणठियं तवस्सिणं । डहरा वुड्ढा य पत्थए अवि सुस्से ण य तं लभेज्ज णो ॥ १६ ॥ जइ कालुणियाणि कासिया ज

रोयंति य पुत्तकारणा । दवियं भिक्खुं समुट्ठियं णो लब्भंति ण संठवित्तए ॥ १७ ॥ जइ वि य कामेहि लाविया जइ णेज्जाहि ण बंधिउं घरं । जइ जीविय णावकंखए णो लब्भंति ण संठवित्तए ॥ १८ ॥ सेहंति य णं ममाइणो माय पिया य सुया य भारिया । पोसाहि ण पासओ तुमं लोग परं पि जहासि पोसणो ॥ १९ ॥ अण्णे अण्णेहि मुच्छिया मोहं जंति णरा असंवुडा । विसमं विसमेहि गाहिया ते पावेहिं पुणो पगब्भिया ॥ २० ॥ तम्हा दवि इक्ख पंडिए पावाओ विरएऽभिणिव्वुडे । पणए वीरं महाविहिं सिद्धिपहं णेयाउयं धुवं ॥ २१ ॥ वेयालियमग्गमागओ मण-वयसा काएण णिव्वुडो । चिच्चा वित्तं च णायओ आरम्भं च सुसंवुडे चरे ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ।

॥ बीअं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

तयसं व जहाइ से रयं इइ संखाय मुणी ण मज्जई । गोयण्णतरेण माहणे अह-सेयकरी अण्णेसि इंखिणी ॥ १ ॥ जो परिभवई परं जणं संसारे परिवत्तई महं । अदु इंखिणिया उ पाविया इइ संखाय मुणी ण मज्जई ॥ २ ॥ जे यावि अणायगे सिया जे वि य पेसगपेसए सिया । जे मोणपयं उवट्ठिए णो लज्जे समयं सया चरे ॥ ३ ॥ सम अण्णयरम्मि संजमे संसुद्धे समणे परिव्वए । जे आवकहा समाहिए दविए कालमकासि पंडिए ॥ ४ ॥ दूरं अणुपस्सिया मुणी तीयं धम्ममणागयं तहा । पुट्ठे फरुसेहिं माहणे अवि हण्णू समयम्मि रीयइ ॥ ५ ॥ पण्णसमत्ते सया जए समताधम्ममुदाहरे मुणी । सुहुमे उ सया अलूसए णो कुज्झे णो माणि माहणे ॥ ६ ॥ बहुजणणमणम्मि संवुडो सव्वट्ठेहिं णरे अणिस्सिए । हरए व सया अणाविले धम्मं पादुरकासि कासवं ॥ ७ ॥ बहवे पाणा पुढो सिया पत्तेयं समयं समीहिया । जे मोणपयं उवट्ठिए विरइं तत्थ अकासि पंडिए ॥ ८ ॥ धम्मस्स य पारए मुणी आरम्भस्स य अंतए ठिए । सोयंति य णं ममाइणो णो लब्भंति णियं परिग्गहं ॥ ९ ॥ इहलोगदुहावहं विऊ परलोगे य दुहं दुहावहं । विद्धंसणधम्ममेव तं इइ विज्जं को गारमावसे ॥ १० ॥ महयं पलिगोव जाणिया जा वि य वंदण-पूयणा इहं । सुहुमे सल्ले दुरुद्धरे विउमंतापयहिज्ज संथवं ॥ ११ ॥ एगे चर ठाण-मासणे सयणे एग समाहिए सिया । भिक्खू उवहाणवीरिए वइगुत्ते अज्झत्त-संवुडो ॥ १२ ॥ णो पीहे ण यावपंगुणे दारं सुण्णघरस्स संजए । पुट्ठे ण उदाहरे

वयं ण समुच्छे णो संथरे तणं ।। १३ ।। जत्थत्थमिए अणाउले समविसमाइं मुणीऽहियासए । चरगा अदु वा वि भेरवा अदु वा तत्थ सरीसिवा सिया ।।१४।। तिरिया मणुया य दिव्वगा उवसग्गा तिविहा हियासिया । लोमादीयं ण हारिसे सुण्णागारगओ महामुणी ।। १५ ।। णो अभिकंखेज्ज जीवियं णो वि य पूयणपत्थए सिया । अब्भत्थमुवेंति भेरवा सुण्णागारगयस्स भिक्खुणो ।। १६ ।। उवणीयतरस्स ताइणो भयमाणस्स विविक्कमासणं । सामाइयमाहु तस्स जं जो अप्पाण भए ण दंसए ।। १७ ।। उसिणोदगतत्तभोइणो धम्मठियस्स मुणिस्स हीमतो । संसग्गि असाहु राइहिं असमाही उ तहागयस्स वि ।। १८ ।। अहिगरणकडस्स भिक्खुणो वयमाणस्स पसज्झ दारुणं । अट्ठे परिहायई बहू अहिगरणं ण करेज्ज पण्डिए ।। १९ ।। सीओदग पडि दुगुंछिणो अपडिण्णस्स लवावसप्पिणो । सामाइय माह तस्स जं जो गिहिमत्तेऽसणं ण भुंजई ।।२०।। णय संखय माहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई । बाले पावेहिं मिज्जई इइ संखाय मुणी ण मज्जई ।। २१ ।। छंदेण पले इमा पया बहुमाया मोहेण पाउडा । वियडेण पलेंति माहणे सीउण्हं वयसा हियासए ।।२२।। कुजए अपराजिए जहा अक्खेहिं कुसलेहिं दीवयं । कडमेव गहाय णो कलिं णो तीयं णो चेव दावरं ।। २३ ।। एवं लोगम्मि ताइणा वुइए जे धम्मे अणुत्तरे । तं गिण्ह हियं ति उत्तमं कडमिव सेसऽवहाय पण्डिए ।। २४ ।। उत्तर मणुयाण अहिया गामधम्म इइ मे अणुस्सुयं । जंसी विरया समुट्ठिया कासवस्स अणुधम्मचारिणो ।। २५ ।। जे एय चरंति आहियं णाएण महया महेसिणा । ते उट्ठिय ते समुट्ठिया अण्णोण्णं सारेंति धम्मओ ।। २६ ।। मा पेह पुरा पणामए अभिकंखे उवहिं धुणित्तए । जे दूमण एहि णो णया ते जाणंति समाहिमाहियं ।। २७ ।। णो काहिए होज्ज संजए पासणिए ण य संपसारए । णच्चा धम्मं अणुत्तरं कयकिरिए ण यावि मामए ।। २८ ।। छण्णं च पसंस णो करे ण य उक्कोस पगास माहणे । तेसिं सुविवेगमाहिए पणया जेहि सुजोसियं धुयं ।। २९ ।। अणिहे सहिए सुसंवुडे धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । विहरेज्ज समाहिइंदिए अयहियं खु दुहेण लब्भइ ।। ३० ।। ण हि णूण पुरा अणुस्सुयं अदु वा तं तह णो समुट्ठियं । मुणिणा सामाइ आहियं णाएणं जगसव्वदंसिणा ।। ३१ ।। एवं मत्ता महंतरं धम्ममिणं सहिया बहू जणा । गुरुणो छंदाणुवत्तगा विरया तिण्ण महोघमाहियं ।। ३२ ।। त्ति बेमि ।।

।। बीअं अज्झयणं तइओ उद्देसो ।।

संवुडकम्मस्स भिक्खुणो जं दुक्खं पुट्ठं अबोहिए । तं संजमओऽवचिज्जई मरणं हेच्च वयंति पण्डिया ।। १ ।। जे विण्णवणाहिऽज्झोसिया संतिण्णेहि समं वियाहिया । तम्हा उड्ढं ति पासहा अदक्खु कामाइं रोगवं ।। २ ।। अग्गं वणिएहि आहियं धारेन्ती राईणिया इहं । एवं परमा महव्वया अक्खाया उ सराइभोयणा ।। ३ ।। जे इह सायाणुगा णरा अज्झोववण्णा कामेहि मुच्छिया । किवणेण समं पगब्भिया ण वि जाणंति समाहिमाहियं ।। ४ ।। वाहेण जहा व विच्छए अबले होइ गवं पचोइए । से अंतसो अप्पथामए णाइवहे अबले विसीयइ ।।५।। एवं कामेसणं विऊ अज्ज सुए पयहेज्ज संथवं । कामी कामे ण कामए लद्धे वा वि अलद्ध कण्हुई ।। ६ ।। मा पच्छ असाहुया भवे अच्चेही अणुसास अप्पगं । अहियं च असाहु सोयई से थणई परिदेवई बहुं ।। ७ ।। इह जीवियमेव पासहा तरुणे वा ससयस्स तुट्टई । इत्तरवासे य बुज्झह गिद्ध णरा कामेसु मुच्छिया ।। ८ ।। जे इह आरम्भणिस्सिया आयदण्ड एगंतलूसगा । गंता ते पावलोगयं चिरराय आसुरियं दिसं ।।९।। ण य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई ।। पच्चुप्पण्णेण कारियं को दट्ठुं परलोगमागए ।। १० ।। अदक्खुव दक्खुवाहियं (तं) सद्दहसु अदक्खुदंसणा । हंदि हु सुणिरुद्धदंसणे मोहणिएण कडेण कम्मुणा ।। ११ ।।दुक्खी मोहे पुणो पुणो णिव्विंदेज्ज सिलोगपूयणं । एवं सहिएऽहिपासए आयतुलं पाणेहि संजए ।। १२ ।। गारं पि य आवसे णरे अणुपुव्वं पाणेहि संजए । समया सव्वत्थ सुव्वए देवाणं गच्छे सलोगयं ।। १३ ।। सोच्चा भगवाणुसासणं सच्चे तत्थ करेज्जुवक्कमं । सव्वत्थ विणीयमच्छरे उंछं भिक्खु विसुद्धमाहरे ।। १४ ।। सव्वं णच्चा अहिट्ठए धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । गुत्ते जुत्ते सया जए आयपरे परमायतट्ठिए ।।१५।। वित्तं पसवो य णाइओ तं बाले सरणं ति मण्णई । एए मम तेसु वी अहं णो ताणं सरणं ण विज्जई ।। १६ ।। अब्भागमियम्मि वा दुहे अहवा उक्कमिए भवंतिए एगस्स गई य आगई विदुमंता सरणं ण मण्णई ।। १७ ।। सव्वे सयकम्मकप्पिया अवियत्तेण दुहेण पाणिणो । हिण्डंति भयाउला सढा जाइजरामरणेहिऽभिद्दुया ।।१८।। इणमेव खणं वियाणिया णो सुलभं बोहिं च आहियं। एवं सहिएऽहिपासए आह जिणे इणमेव सेसगा ।। १९ ।। अभविंसु पुरा वि भिक्खुवो आएसा वि

भवंति सुव्वया । एयाइं गुणाइं आहु ते कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २० ॥ तिविहेण वि पाण मा हणे आयहिए अणियाण संवुडे । एवं सिद्धा अणंतसो संपइ जे य अणागयावरे ॥ २१ ॥ एवं से उदाहु अणुत्तरणाणी अणुत्तरदंसी अणुत्तर-णाणदंसणधरे । अरहा णायपुत्ते भगवं वेसालिए वियाहिए ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

उवसग्गपरिण्णा णाम तइयं अज्झयणं पढमो उद्देसो

सूरं मण्णइ अप्पाणं जाव जेयं ण पस्सई । जुज्झंतं दढधम्माणं सिसुपालो व महारहं ॥ १ ॥ पयाया सूरा रणसीसे संगामम्मि उवट्ठिए । माया पुत्तं ण जाणाइ जेएण परिविच्छए ॥ २ ॥ एवं सेहे वि अप्पुट्ठे भिक्खायरियाअको-विए । सूरं मण्णइ अप्पाणं जाव लूहं ण सेवए ॥ ३ ॥ जया हेमंतमासम्मि सीयं फुसइ सव्वगं । तत्थ मंदा विसीयंति रज्जहीणा व खत्तिया ॥ ४ ॥ पुट्ठे गिम्हाहिता-वेणं विमणे सुपिवासिए । तत्थ मंदा विसीयंति मच्छा अप्पोदए जहा ॥ ५ ॥ सया दत्तेसणा दुक्खा जायणा दुप्पणोल्लिया । कम्मत्ता दुब्भगा चेव इच्चाहंसु पुढोजणा ॥ ६ ॥ एए सद्दे अचायंता गामेसु णगरेसु वा । तत्थ मंदा विसीयंति संगामम्मि व भीरुया ॥ ७ ॥ अप्पेगे खुहियं भिक्खुं सुणी डंसइ लूसए । तत्थ मंदा विसीयंति तेउपुट्ठा व पाणिणो ॥ ८ ॥ अप्पेगे पडिभासंति पडिपंथियमागया । पडियारगया एए जे एए एवजीविणो ॥ ९ ॥ अप्पेगे वइ जुंजंति णगिणा पिण्डोलगाहमा । मुण्डा कण्डूविणट्ठंगा उज्जल्ला असमाहिया ॥ १० ॥ एवं विप्पडिवण्णेगे अप्पणा उ अजाणया । तमाओ ते तमं जंति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ११ ॥ पुट्ठो य दंस-मसगेहिं तणफासमचाइया । ण मे दिट्ठे परे लोए जइ परं मरणं सिया ॥ १२ ॥ संतत्ता केसलोएणं बम्भचेरपराइया । तत्थ मंदा विसीयंति मच्छा विट्ठा व केयणे ॥ १३ ॥ आयदण्डसमायारे मिच्छासंठियभावणा । हरिसप्पओसमावण्णा केई लूसंतिऽणारिया ॥ १४ ॥ अप्पेगे पलियंतेसिं चारो चोरो त्ति सुव्वयं । बंधंति भिक्खुयं बाला कसायवयणेहि य ॥ १५ ॥ तत्थ दण्डेण संवीए मुट्ठिणा अदु फलेण वा । णाईणं सरई बाले इत्थी वा कुद्धगामिणी ॥ १६ ॥ एए भो कसिणा फासा फरुसा दुरहियासया । हत्थी वा सरसंवित्ता कीवावस गया गिहं ॥१७॥ त्ति बेमि ।

॥ तइयं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

अहिमे सुहुमा संगा भिक्खूणं जे दुरुत्तरा । जत्थ एगे विसीयंति ण चयंति

जवित्तए ॥ १ ॥ अप्पेगे णायओ दिस्स रोयंति परिवारिया । पोस णे ताय पुट्ठो सि कस्स ताय जहासि णे ॥ २ ॥ पिया ते थेरओ ताय ससा ते खुड्डिया इमा । भायरो ते सगा ताय सोयरा किं जहासि णे ? ॥ ३ ॥ मायरं पियरं पोस एवं लोगो भविस्सइ । एवं खु लोइयं ताय जे पालेंति य मायरं ॥ ४ ॥ उत्तरा महुरुल्लावा पुत्ता ते ताय खुड्डया । भारिया ते णवा ताय मा सा अण्णं जणं गमे ॥ ५ ॥ एहि ताय घरं जामो मा य कम्म सहा वयं । बिइयं पि ताय पासामो जामु ताव सयं गिहं ॥ ६ ॥ गंतुं ताय पुणो गच्छे ण तेणासमणो सिया । अकामगं परिक्कम्मं को ते वारिउमरिहइ ॥ ७ ॥ जं किंचि अणगं ताय तं पि सव्वं समीकयं । हिरण्णं ववहाराइ तं पि दाहामु ते वयं ॥ ८ ॥ इच्चेव णं सुसेहंति कालुणीयसमुट्ठिया । विबद्धो णाइसंगेहिं तओऽगारं पहावइ ॥ ९ ॥ जहा रुक्खं वणे जायं मालुया पडिबंधइ । एवं णं पडिबंधंति णायओ असमाहिणा ॥ १० ॥ विबद्धो णाइसंगेहिं हत्थी वा वि णवग्गहे । पिट्ठओ परिसप्पंति सुय गो व्व अदूरए ॥ ११ ॥ एए संगा मणूसाणं पायाला व अतारिमा । कीवा जत्थ य किस्संति णाइसंगेहि मुच्छिया ॥ १२ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय सव्वे संगा महासवा । जीवियं णावकंखिज्जा सोच्चा धम्ममणुत्तरं ॥ १३ ॥ अहिमे संति आवट्टा कासवेणं पवेइया । बुद्धा जत्थावसप्पंति सीयंति अबुहा जहिं ॥ १४ ॥ रायाणो रायऽमच्चा य माहणा अदुव खत्तिया । णिमंतयंति भोगेहिं भिक्खुयं साहुजीविणं ॥ १५ ॥ हत्थस्सरहजाणेहिं विहारगमणेहि य । भुंज भोगे इमे सग्घे महरिसी पूजयामु तं ॥ १६ ॥ वत्थगंधमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य । भुंजाहिमाइं भोगाइं आउसो ! पूजयामु तं ॥ १७ ॥ जो तुमे णियमो चिण्णो भिक्खु भावम्मि सुव्वया । अगारमावसंतस्स सव्वो संविज्जए तहा ॥ १८ ॥ चिरं दूइज्जमाणस्स दोसो दाणिं कुओ तव ? । इच्चेव णं णिमंतेंति णीवारेण व सूयरं ॥ १९ ॥ चोइया भिक्खचरियाए अचयंता जवित्तए । तत्थ मंदा विसीयंति उज्जाणंसि व दुब्बला ॥ २० ॥ अचयंता व लूहेणं उवहाणेण तज्जिया । तत्थ मंदा विसीयंति उज्जाणंसि जरग्गवा ॥ २१ ॥ एवं णिमंतणं लद्धुं मुच्छिया गिद्ध इत्थिसु । अज्झोववण्णा कामेहिं चोइज्जंता गया गिहं ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइयं अज्झयणं तइओ उद्देसो ॥

जहा संगामकालम्मि पिट्ठओ भीरु वेहइ । वलयं गहणं णूमं को जाणइ परा-

जयं ॥ १ ॥ मुहुत्ताणं मुहुत्तस्स मुहुत्तो होइ तारिसो पराजियाऽवसप्पामो इइ भीरू उवेहई ॥ २ ॥ एवं उ समणा एगे अबलं णच्चाण अप्पगं । अणागयं भयं दिस्स अवकप्पंतिमं सुयं ॥ ३ ॥ को जाणइ विऊवायं इत्थीओ उदगाउ वा । चोइज्जंता पवक्खामो ण णो अत्थि पकप्पियं ॥४॥ इच्चेव पडिलेहंति वलया पडिलेहिणो । वितिगिच्छसमावण्णा पंथाणं च अकोविया ॥५॥ जे उ संगामकालम्मि णाया सूरपुरंगमा । णो ते पिट्ठमुवेहिंति किं परं मरणं सिया ? ॥ ६ ॥ एवं समुट्ठिए भिक्खू वोसिज्जागारबंधणं । आरम्भं तिरियं कट्टु अत्तत्ताए परिव्वए ॥७॥ तमेगे परिभासंति भिक्खुयं साहुजीविणं । जे एवं परिभासंति अंतए ते समाहिए ॥ ८ ॥ संबद्धसमकप्पा उ अण्णमण्णेसु मुच्छिया । पिण्डवायं गिलाणस्स जं सारेह दलाह य ॥ ९ ॥ एवं तुब्भे सरागत्था अण्णमण्णमणुव्वसा । णट्ठसप्पहसब्भावा संसारस्स अपारगा ॥ १० ॥ अह ते परिभासेज्जा भिक्खु मोक्खविसारए । एवं तुब्भे पभासंता दुपक्खं चेव सेवह ॥११॥ तुब्भे भुंजह पाएसु गिलाणो अभिहडम्मि य । तं च वीओदगं भोच्चा तमुद्दिस्सादि जं कडं ॥१२॥ लित्ता तिव्वाभितावेणं उज्झिया असमाहिया । णाइकण्डूइयं सेयं अरुयस्सावरज्झई ॥१३॥ तत्तेण अणुसिट्ठा ते अपडिण्णेण जाणया । ण एस णियए मग्गे असमिक्खा वई किई ॥ १४ ॥ एरिसा जा वई एसा अग्गवेणु व्व करिसिया । गिहिणो अभिहडं सेयं भुंजिउं ण उ भिक्खुणं ॥ १५ ॥ धम्मपण्णवणा जा सा सारम्भा ण विसोहिया । ण उ एयाहि दिट्ठीहिं पुव्वमासिं पगप्पियं ॥ १६ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं अचयंता जवित्तए । तओ वायं णिराकिच्चा ते भुज्जो वि पगब्भिया ॥१७॥ रागदोसाभिभूयप्पा मिच्छत्तेण अभिद्दुया । आउसे सरणं जंति टंकणा इव पव्वयं ॥ १८ ॥ बहुगुणप्पगप्पाइं कुज्जा अत्तसमाहिए । जेणण्णे ण विरुज्झेज्जा तेण तं तं समायरे ॥ १९ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २० ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे । उवसग्गे णियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥२१॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइयं अज्झयणं चउत्थो उद्देसो ॥

आहंसु महापुरिसा पुव्विं तत्ततवोधणा । उदएण सिद्धिमावण्णा तत्थ मंदो विसीयइ ॥ १ ॥ अभुंजिया णमी विदेही रामगुत्ते य भुंजिया । बाहुए उदगं भोच्चा

तहा णारायणे रिसी ॥ २ ॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी। पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३ ॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिया इह संमया। भोच्चा वीयोदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥ ४ ॥ तत्थ मंदा विसीयंति वाहच्छिण्णा व गद्दभा। पिट्ठओ परिसप्पंति पिट्ठसप्पी य संभमे ॥ ५ ॥ इहमेगे उ भासंति सायं साएण विज्जई। जे तत्थ आरियं मग्गं परमं च समाहियं ॥ ६ ॥ मा एयं अवमण्णंता अप्पेणं लुम्पहा बहुं। एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७ ॥ पाणाइवाए वट्टंता मुसावाए असंजया। अदिण्णादाणे वट्टंता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८ ॥ एवमेगे उ पासत्था पण्णवंति अणारिया। इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९ ॥ जहा गण्डं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं। एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ १० ॥ जहा मंधादणे णाम थिमियं भुंजई दगं। एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ ११ ॥ जहा विहंगमा पिंगा थिमियं भुंजई दगं। एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥१२॥ एवमेगे उ पासत्था मिच्छदिट्ठी अणारिया। अज्झोववण्णा कामेहिं पूयणा इव तरुणए ॥ १३ ॥ अणागयमपस्संता पच्चुप्पण्णगवेसगा। ते पच्छा परितप्पंति खीणे आउम्मि जोव्वणे ॥ १४ ॥ जेहिं काले परिक्कंतं ण पच्छा परितप्पए। ते धीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ १५ ॥ जहा णई वेयरणी दुत्तरा इह संमया। एवं लोगंसि णारीओ दुत्तरा अमईमया ॥ १६ ॥ जेहिं णारीण संजोगा पूयणापिट्ठओ कया। सव्वमेयं णिराकिच्चा ते ठिया सुसमाहिए ॥ १७ ॥ एए ओघं तरिस्संति समुद्दं ववहारिणो। जत्थ पाणा विसण्णासि किच्चंती सयकम्मुणा ॥ १८ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय सुव्वए समिए चरे। मुसावायं च वज्जिज्जा अदिण्णादाणं च वोसिरे ॥ १९ ॥ उड्ढमहे तिरियं वा जे केई तसथावरा। सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिव्वाणमाहियं ॥ २० ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं। कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए। २१ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे। उवसग्गे णियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ इत्थिपरिण्णा णाम चउत्थं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥

जे मायरं च पियरं च विप्पजहाय पुव्वसंजोगं। एगे सहिए चरिस्सामि आरयमेहुणो विवित्तेसु ॥ १ ॥ सुहुमेणं तं परिक्कम्म छण्णपएण इत्थिओ मंदा।

उव्वायं पि ताउ जाणंसु जहा लिस्संति भिक्खुणो एगे ॥ २ ॥ पासे भिसं णिसी-यंति अभिक्खणं पोसवत्थं परिहिंति । कायं अहे वि दंसंति बाहू उद्धट्टु कक्ख-मणुव्वजे ॥ ३ ॥ सयणासणेहिं जोगेहिं इत्थिओ एगया णिमंतेंति । एयाणि चेव से जाणे पासाणि विरूवरूवाणि ॥ ४ ॥ णो तासु चक्खु संधेज्जा णो वि य साहसं समभिजाणे । णो सहियं पि विहरेज्जा एवमप्पा सुरक्खिओ होइ ॥ ५ ॥ आमंतिय उस्सविया भिक्खुं आयसा णिमंतेंति । एयाणि चेव से जाणे सद्दाणि विरूवरूवाणि ॥ ६ ॥ मणबंधणेहिं णेगेहिं कलुणविणीयमुवगसित्ताणं । अदु मंजुलाइं भासंति आणवयंति भिण्णकहाहिं ॥ ७ ॥ सीहं जहा व कुणिमेणं णिब्भयमेगचरं ति पासेणं । एविंत्थियाउ बंधंति संवुडं एगइयमणगारं ॥ ८ ॥ अह तत्थ पुणो णमयंति रहकारो व णेमि आणुपुव्वीए । बद्धे मिए व पासेणं फंदंते वि ण मुच्चए ताहे ॥ ९ ॥ अह सेऽणुतप्पई पच्छा भोच्चा पायसं व विसमिस्सं । एवं विवेगमायाय संवासो ण वि कप्पए दविए ॥ १० ॥ तम्हा उ वज्जए इत्थी विसलित्तं व कण्टगं णच्चा । ओए कुलाणि वसवत्ती आघाए ण से वि णिग्गंथे ॥ ११ ॥ जे एयं उंछं अणुगिद्धा अण्णयरा होंति कुसीलाणं । सुतवस्सिए वि से भिक्खू णो विहरे सह णमि-त्थीसु ॥१२॥ अवि धूयराहि सुण्हाहिं धाईहिं अदुव दासीहिं । महईहि वा कुमारीहिं संथवं से ण कुज्जा अणगारे ॥१३॥ अदु णाइणं च सुहीणं वा अप्पियं दट्ठु एगया होइ । गिद्धा सत्ता कामेहिं रक्खणपोसणे मणुस्सोऽसि ॥१४॥ समणं पि दट्ठुदासीणं तत्थ वि ताव एगे कुप्पंति । अदु वा भोयणेहि णत्थेहिं इत्थीदोसं संकिणो होंति ॥ १५ ॥ कुव्वंति संथवं ताहिं पब्भट्ठा समाहिजोगेहिं । तम्हा समणा ण समेंति आयहियाए संणिसेज्जाओ ॥१६॥ बहवे गिहाइं अवहट्टु मिस्सीभावं पत्थुया य एगे । धुवमग्ग-मेव पवयंति वायावीरियं कुसीलाणं ॥ १७ ॥ सुद्धं रवइ परिसाए अह रहस्स-म्मि दुक्कडं करेंति । जाणंति य णं तहाविऊ माइल्ले महासढेऽयं ति ॥ १८ ॥ सयं दुक्कडं च ण वयइ आइट्ठो वि पकत्थइ बाले । वेयाणुवीइ मा कासी चोइ-ज्जंतो गिलाइ से भुज्जो ॥१९॥ ओसिया वि इत्थिपोसेसु पुरिसा इत्थिवेयखेयण्णा । पण्णास मण्णिया वेगे णारीणं वसं उवकसंति ॥ २० ॥ अवि हत्थपायछेयाए अदु वा वद्धमंसउक्कंते । अवि तेयसाभितावणाणि तच्छिय खारसिंचणाइं य ॥२१॥ अदु कण्णणासच्छेयं कण्ठच्छेयणं तिइक्खंती । इइ एत्थ पावसंतत्ता ण बेंति पुणो ण

काहिंति ।। २२ ।। सुयमेयमेवमेगेसिं इत्थीवेय त्ति हु सुयक्खायं । एयं पि ता वइत्ताणं अदु वा कम्मुणा अवकरेंति ॥ २३ ।। अण्णं मणेण चिंतेंति वाया अण्णं च कम्मुणा अण्णं । तम्हा ण सद्दहे भिक्खू बहुमायाओ इत्थिओ णच्चा ।। २४ ।। जुवई समणं बूया विचित्तलंकारवत्थगाणि परिहित्ता । विरया चरिस्सहं रुक्खं धम्ममाइक्ख णे भयंतारो ।। २५ ।। अदु सावियापवाएणं अहमंसि साहम्मिणी य समणाणं । जउकुम्भे जहा उवज्जोई संवासे विऊ विसीएज्जा ।। २६ ।। जउकुम्भे जोइउवगूढे आसुभितत्ते णासमुवयाइ । एवित्थियाहिं अणगारा संवासेण णासमुवयंति ।। २७ ॥ कुव्वंति पावगं कम्मं पुट्ठा वेगेवमाहिंसु । णोऽहं करेमि पावं ति अंकेसाइणी ममेस त्ति ।। २८ ।। बालस्स मंदयं बीयं जं च कडं अवजाणई भुज्जो । दुगुणं करेइ से पावं पूयणकामो विसण्णेसी ।। २९ ।। संलोकणिज्जमणगारं आयगयं णिमंतणेणाहंसु । वत्थं च ताइ पायं वा अण्णं पाणगं पडिग्गाहे ।।३०।। णीवारमेवं बुज्झेज्जा णो इच्छे अगारमागंतुं । बद्धे विसयपासेहिं मोहमावज्जइ पुणो मंदे ।।३१ ।। त्ति बेमि ।।

।। चउत्थं अज्झयणं बीओ उद्देसो ।।

ओए सया ण रज्जेज्जा भोगकामी पुणो विरज्जेज्जा । भोगे समणाणं सुणेह जह भुंजंति भिक्खुणो एगे ।। १ ।। अह तं तु भेयमावण्णं मुच्छियं भिक्खुं काममइवट्टं । पलिभिंदिया णं तो पच्छा पादुद्धट्टु मुद्धि पहणंति ।। २ ।। जइ केसिया णं मए भिक्खू णो विहरे सह णमित्थीए । केसाणविहं लुंचिस्सं णण्णत्थ मए चरेज्जासि ।। ३ ।। अह णं से होइ उवलद्धो तो पेसंति तहाभूएहिं । अलाउच्छेयं पेहेहि वग्गुफलाइं आहराहि त्ति ।। ४ ।। दारुणि सागपागाए पज्जोओ वा भविस्सई राओ । पायाणि य मे रयावेहि एहि ता मे पिट्ठओमद्दे ।। ५ ।। वत्थाणि य मे पडिलेहेहि अण्णं पाणं च आहराहि त्ति । गंधं च रओहरणं च कासवगं च मे समणुजाणाहि ।। ६ ।। अदु अंजणिं अलंकारं कुक्कययं मे पयच्छाहि । लोद्धं च लोद्धकुसुमं च वेणुपलासियं च गुलियं च ।। ७ ।। कुट्ठं तगरं च अगरुं संपिट्ठं सम्मं उसिरेणं । तेल्लं मुहभिंजाए वेणुफलाइं संणिहाणाए ।। ८ ।। णंदीचुण्णगाइं पाहराहि छत्तोवाणहं च जाणाहि । सत्थं च सूवच्छेज्जाए आणीलं च वत्थयं रयावेहि ।। ९ ।। सुफणिं च सागपागाए आमलगाइं दगाहरणं च । तिलगकरणिमंजणसलागं घिंसु मे विहू-

णयं विजाणेहि ॥ १० ॥ संडासगं च फणिहं च सीहलिपासगं च आणाहि । आयं-सगं च पयच्छाहि दंतपक्खालणं पवेसाहि ॥ ११ ॥ पूयफलं तंबोलयं सूई सुत्तगं च जाणाहि । कोसं च मोयमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालणं च ॥ १२ ॥ चंदालगं च करगं च वच्चघरं च आउसो ! खणाहि । सरपाययं च जायाए गोरहगं च सामणेराए ॥ १३ ॥ घडियं च सडिण्डिमयं च चेलगोलं कुमारभूयाए । वासं समभिआवण्णं आवसहं च जाण भत्तं च ॥ १४ ॥ आसंदियं च णवसुत्तं पाउल्लाइं संकमट्ठाए । अदु पुत्तदोहलट्ठाए आणप्पा हवंति दासा वा ॥ १५ ॥ जाए फले समुप्पण्णे गेण्हसु वा णं अहवा जहाहि । अह पुत्तपोसिणो एगे भारवहा हवंति उट्टा वा ॥ १६ ॥ राओ वि उट्ठिया संता दारगं च संठवंति धाई वा । सुहिरामणा वि ते संता वत्थधोवा हवंति हंसा वा ॥ १७ ॥ एवं बहुहिं कयपुव्वं भोगत्थाए जेऽभियावण्णा । दासे मिए व पेसे वा पसुभूए व से ण वा केई ॥ १८ ॥ एवं खु तासु विण्णप्पं संथवं संवासं च वज्जेज्जा । तज्जातिया इमे कामा वज्जकरा य एवमक्खाए ॥ १९ ॥ एयं भयं ण सेयाए इइ से अप्पगं णिरुम्भित्ता । णो इत्थिं णो पसुं भिक्खू णो सयं पाणिणा णिलिज्जेज्जा ॥ २० ॥ सुविसुद्धलेसे मेहावी पर-किरियं च वज्जए णाणी । मणसा वयसा काएणं सव्वफाससहे अणगारे ॥ २१ ॥ इच्चेवमाहु से वीरे धुयरए धुयमोहे से भिक्खू । तम्हा अज्झत्थविसुद्धे सुविमुक्के आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ णरयविभत्ती णाम पंचमं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥

पुच्छिस्सहं केवलियं महेसिं कहं भितावा णरगा पुरत्था ? । अजाणओ मे मुणि बूहि जाणं कहिं णु बाला णरयं उवेंति ॥१॥ एवं मए पुट्ठे महाणुभावे इणमोऽब्बवी कासवे आसुपण्णे । पवेयइस्सं दुहमट्ठदुग्गं आईणियं दुक्कडिणं पुरत्था ॥ २ ॥ जे केइ बाला इह जीवियट्ठी पावाइं कम्माइं करेंति रुद्दा । ते घोररूवे तमिसंधयारे तिव्वाभितावे णरए पडंति ॥ ३ ॥ तिव्वं तसे पाणिणो थावरे य जे हिंसई आयसुहं पडुच्चा । जे लूसए होइ अदत्तहारी ण सिक्खई सेयवियस्स किंचि ॥ ४ ॥ पागब्भि पाणे बहुणं तिवाइ अणिव्वुए घायमुवेइ बाले । णिहो णिसं गच्छइ अंतकाले अहो-सिरं कट्टु उवेइ दुग्गं ॥ ५ ॥ हण छिंदह भिंदह णं दहेइ सद्दे सुणेंता परहम्मि-याणं । ते णारगाओ भयभिण्णसण्णा कंखंति कं णाम दिसं वयामो ॥ ६ ॥ इंगाल-

रासिं जलियं सजोइं तत्तोवमं भूमिमणुक्कमंता । ते डज्झमाणा कलुणं थणंति अरह-स्सरा तत्थ चिरट्ठिईया ॥ ७ ॥ जइ ते सुया वेयरणी भिदुग्गा णिसिओ जहा खुर इव तिक्खसोया । तरंति ते वेयरणी भिदुग्गं उसुचोइया सत्तिसु हम्ममाणा ॥ ८ ॥ कीलेहि विज्झंति असाहुकम्मा णावं उवेंते सइविप्पहूणा । अण्णे उ सूलाहि तिसूलि-याहिं दीहाहि विद्धूण अहे करेंति ॥ ९ ॥ केसिं च बंधित्तु गले सिलाओ उदगंसि बोलेंति महालयंसि । कलंबुयावालुयमुम्मुरे य लोलेंति पचंति य तत्थ अण्णे ॥१०॥ असूरियं णाम महाभितावं अंधंतमं दुप्पतरं महंतं । उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु समाहिओ जत्थगणी झियाइ ॥ ११ ॥ जंसी गुहाए जलणेऽतिउट्टे अविजाणओ डज्झइ लुत्तपण्णो । सया य कलुणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं ॥१२॥ चत्तारि अगणीओ समारभेत्ता जहिं कूरकम्माऽभितवेंति बालं । ते तत्थ चिट्ठंतऽ-भितप्पमाणा मच्छा व जीवंतु व जोइपत्ता ॥ १३ ॥ संतच्छणं णाम महाभितावं ते णारया जत्थ असाहुकम्मा । हत्थेहि पाएहि य बंधिऊणं फलगं व तच्छंति कुहाडहत्था ॥ १४ ॥ रुहिरे पुणो वच्चसमुस्सियंगे भिण्णुत्तमंगे परिवत्तयंता । पयंति णं णेरइए फुरंते सजीवमच्छे व अयोकवल्ले ॥ १५ ॥ णो चेव ते तत्थ मसीभवंति ण मिज्जई तिव्वभिवेयणाए । तमाणुभागं अणुवेययंता दुक्खंति दुक्खी इह दुक्क-डेणं ॥ १६ ॥ तहिं च ते लोलणसंपगाढे गाढं सुतत्तं अगणिं वयंति । ण तत्थ सायं लहई भिदुग्गे अरहियाभिताबा तह वी तवेंति ॥ १७ ॥ से सुव्वई णगरवहे व सद्दे दुहोवणीयाणि पयाणि तत्थ । उदिण्णकम्माण उदिण्णकम्मा पुणो पुणो ते सरहं दुहेंति ॥ १८ ॥ पाणेहि णं पाव वियोजयंति तं भे पवक्खामि जहातहेणं । दण्डेहि तत्था सरयंति बाला सव्वेहि दण्डेहि पुराकएहिं ॥ १९ ॥ ते हम्ममाणा णरगे पडंति पुण्णे दुरूवस्स महाभितावे । ते तत्थ चिट्ठंति दुरूवभक्खी तुट्टंति कम्मो-वगया किमीहिं ॥ २० ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । अंदूसु पक्खिप्प विहत्तु देहं वेहेण सीसं सेऽभितावयंति ॥ २१ ॥ छिंदंति बालस्स खुरेण णक्कं उट्ठे वि छिंदंति दुवे वि कण्णे । जिब्भं विणिक्कस्स विहत्थिमेत्तं तिक्खाहि सूलाहि भितावयंति ॥ २२ ॥ ते तिप्पमाणा तलसंपुडं व राइंदियं तत्थ थणंति बाला । गलंति ते सोणियपूयमंसं पज्जोइया खारपइद्धियंगा ॥ २३ ॥ जइ ते सुया लोहियपूयपाई बालागणी तेअगुणा परेणं । कुम्भी महंताहियपोरुसीया समूसिया

लोहियपूयपुण्णा ॥ २४ ॥ पक्खिप्प तासुं पययंति बाले अट्टस्सरे ते कलुणं रसंते । तण्हाइया ते तउतम्बतत्तं पज्जिज्जमाणट्टयरं रसंति ॥ २५ ॥ अप्पेण अप्पं इह वंचइत्ता भवाहमे पुव्वसए सहस्से । चिट्ठंति तत्था बहुकूरकम्मा जहा कडं कम्म तहासि भारे ॥ २६ ॥ समज्जिणित्ता कलुसं अणज्जा इट्ठेहि कंतेहि य विप्पहूणा । ते दुब्भिगंधे कसिणे य फासे कम्मोवगा कुणिमे आवसंति ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ पंचमं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

अहावरं सासयदुक्खधम्मं तं भे पवक्खामि जहातहेणं । बाला जहा दुक्कडकम्मकारी वेयंति कम्माइं पुरेकडाइं ॥ १ ॥ हत्थेहि पाएहि य बंधिऊणं उयरं विकत्तंति खुरासिएहिं । गिण्हित्तु बालस्स विहत्तु देहं वद्धं थिरं पिट्ठउ उद्धरंति ॥ २ ॥ बाहू पकत्तंति य मूलओ से थूलं वियासं मुहे आडहंति । रहंसि जुत्तं सरयंति बालं आरुस्स विज्झंति तुदेण पिट्ठे ॥ ३ ॥ अयं व तत्तं जलियं सजोइ तऊवमं भूमिमणुक्कमंता । ते डज्झमाणा कलुणं थणंति उसुचोइया तत्तजुगेसु जुत्ता ॥ ४ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमंता पविज्जलं लोहपहं च तत्तं । जंसीऽभिदुग्गंसि पवज्जमाणा पेसे व दण्डेहि पुरा करेंति ॥ ५ ॥ ते संपगाढंसि पवज्जमाणा सिलाहि हम्मंति णिपातिणीहिं । संतावणी णाम चिरट्ठिईया संतप्पई जत्थ असाहुकम्मा ॥ ६ ॥ कंदूसु पक्खिप्प पयंति बालं तओ वि दड्ढा पुण उप्पयंति । ते उड्ढकाएहिं पखज्जमाणा अवरेहिं खज्जंति सणप्फएहिं ॥ ७ ॥ समूसियं णाम विधूमठाणं जं सोयतत्ता कलुणं थणंति । अहोसिरं कट्टु विगत्तिऊणं अयं व सत्थेहि समोसवेंति ॥ ८ ॥ समूसिया तत्थ विसूणियंगा पक्खीहि खज्जंति अओमुहेहिं । संजीवणी णाम चिरट्ठिईया जंसी पया हम्मइ पावचेया ॥ ९ ॥ तिक्खाहि सूलाहि णिवाययंति वसोगयं सावययं व लद्धं । ते सूलविद्धा कलुणं थणंति एगंतदुक्खं दुहओ गिलाणा ॥ १० ॥ सया जलं णाम णिहं महंतं जंसी जलंतो अगणी अकट्ठो । चिट्ठंति बद्धा बहुकूरकम्मा अरहस्सरा केइ चिरट्ठिईया ॥ ११ ॥ चिया महंतीउ समारभित्ता छुब्भंति ते तं कलुणं रसंतं । आवट्टई तत्थ असाहुकम्मा सप्पी जहा पडियं जोइमज्झे ॥ १२ ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । हत्थेहि पाएहि य बंधिऊ सत्तुव्वदण्डेहि समारभंति ॥ १३ ॥ भंजंति बालस्स वहेण पुट्ठी सीसं पि भिंदंति अयोघणेहिं । ते भिण्णदेहा फलगं व तच्छा तत्ताहि आराहि णियोजयंति ॥ १४ ॥

अभिजुंजिया रुद्द असाहुकम्मा उसुचोइया हत्थिवहं वहंति । एगं दुरूहित्तु दुवे तओ वा आरुस्स विज्झंति ककाणओ से ॥ १५ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमंता पविज्जलं कंटइलं महंतं । विवद्धतप्पेहि विवण्णचित्ते समीरिया कोट्टबलिं करेंति ॥ १६ ॥ वेयालिए णाम महाभितावे एगायए पव्वयमंतलिक्खे । हम्मंति तत्था बहुकूरकम्मा परं सहस्साण मुहुत्तगाणं ॥ १७ ॥ संबाहिया दुक्कडिणो थणंति अहो य राओ परितप्पमाणा । एगंतकूडे णरए महंते कूडेण तत्था विसमे हया उ ॥ १८ ॥ भंजंति णं पुव्वमरीसरोसं समुग्गरे ते मुसले गहेउं । ते भिण्णदेहा रुहिरं वमंता ओमुद्धगा धरणितले पडंति ॥ १९ ॥ अणासिया णाम महासियाला पागब्भिणो तत्थ सयावकोवा । खज्जंति तत्था बहुकूरकम्मा अदूरगा संकलियाहि बद्धा ॥ २० ॥ सयाजला णाम णई भिदुग्गा पविज्जलं लोहविलीणतत्ता । जंसी भिदुग्गंसि पवज्जमाणा एगायताणुक्कमणं करेंति ॥ २१ ॥ एयाइं फासाइं फुसंति बालं णिरंतरं तत्थ चिरट्ठिईयं । ण हम्ममाणस्स उ होइ ताणं एगो सयं पच्चणुहोइ दुक्खं ॥ २२ ॥ जं जारिसं पुव्वमकासि कम्मं तमेव आगच्छइ संपराए । एगंतदुक्खं भवमज्जणित्ता वेयंति दुक्खी तमणंतदुक्खं ॥ २३ ॥ एयाणि सोच्चा णरगाणि धीरे ण हिंसए किंचण सव्वलोए । एगंतदिट्ठी अपरिग्गहे उ बुज्झिज्ज लोगस्स वसं ण गच्छे ॥२४॥ एवं तिरिक्खेमणुयासु(म)रेसुं चउरंतणंतं तयणुव्विवागं । स सव्वमेयं इइ वेयइत्ता कंखेज्ज कालं धुयमायरेज्ज ॥ २५ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ महावीरत्थुई णाम छट्ठं अज्झयणं ॥

पुच्छिस्सु णं समणा माहणा य अगारिणो या परतित्थिया य । से केई णेगंतहियं धम्ममाहु अणेलिसं साहुसमिक्खयाए ॥ १ ॥ कहं च णाणं कह दंसणं से सीलं कहं णायसुयस्स आसि । जाणासि णं भिक्खू जहातहेणं अहासुयं बूहि जहा णिसंतं ॥ २ ॥ खेयण्णए से कुसलासुपण्णे अणंतणाणी य अणंतदंसी । जसंसिणो चक्खुपहे ठियस्स जाणाहि धम्मं च धिइं च पेहि ॥ ३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । से णिच्चणिच्चेहि समिक्ख पण्णे दीवे व धम्मं समियं उदाहु ॥ ४ ॥ से सव्वदंसी अभिभूयणाणी णिरामगंधे धिइमं ठियप्पा । अणुत्तरे सव्वजगंसि विज्जं गंथा अईए अभए अणाऊ ॥५॥ से भूइपण्णे अणिएअचारी ओहंतरे धीरे अणंतचक्खू । अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा वइरोयणिंदे व

तमं पगासे ॥ ६ ॥ अणुत्तरं धम्ममिणं जिणाणं णेया मुणी कासव आसुपण्णे । इंदे व देवाण महाणुभावे सहस्सणेया दिवि णं विसिट्ठे ॥ ७ ॥ से पण्णया अक्खयसागरे वा महोदही वा वि अणंत पारे । अणाइले वा अकसाइ मुक्के सक्के व देवाहिवई जुईमं ॥ ८ ॥ से वीरिएणं पडिपुण्णवीरिए सुदंसणे वा णगसव्वसेट्ठे । सुरालए वा सि मुदागरे से विरायए णेगगुणोववेए ॥ ९ ॥ सयं सहस्साण उ जोयणाणं तिकंडगे पंडगवेजयंते । से जोयणे णवणवते सहस्से उद्धुस्सियो हेट्ठ सहस्समेगं ॥ १० ॥ पुट्ठे णभे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए जं सूरिया अणुपरिवट्टयंति । से हेमवण्णे बहुणंदणे य जंसी रई वेययई महिंदा ॥११॥ से पव्वए सद्दमहप्पगासे विरायई कंचणमट्ठवण्णे । अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे गिरीवरे से जलिए व भोमे ॥ १२ ॥ महीइ मज्झम्मि ठिए णगिंदे पण्णायए सूरियसुद्धलेसे । एवं सिरीए उ स भूरिवण्णे मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥ सुदंसणस्सेव जसो गिरिस्स पवुच्चई महओ पव्वयस्स । एओवमे समणे णायपुत्ते जाईजसोदंसणणाणसीले ॥१४॥ गिरीवरे वा णिसहाऽऽययाणं रुयए व सेट्ठे वल-याययाणं । तओवमे से जगभूइपण्णे मुणीण मज्झे तमुदाहु पण्णे ॥१५॥ अणुत्तरं धम्ममुईरइत्ता अणुत्तरं झाणवरं झियाई । सुसुक्कसुक्कं अपगंडसुक्कं संखिंदुएगंत-वदायसुक्कं ॥ १६ ॥ अणुत्तरग्गं परमं महेसी असेसकम्मं स विसोहइत्ता । सिद्धिं गए साइमणंतपत्ते णाणेण सीलेण य दंसणेण ॥ १७ ॥ रुक्खेसु णाए जह सामली वा जस्सिं रइं वेययई सुवण्णा । वणेसु वा णंदणमाहु सेट्ठं णाणेण सीलेण य भूइ-पण्णे ॥ १८॥ थणियं व सद्दाण अणुत्तरे उ चंदो व ताराण महाणुभावे । गंधेसु वा चंदणमाहु सेट्ठं एवं मुणीणं अपडिण्णमाहु ॥ १९ ॥ जहा सयंभू उदहीण सेट्ठे णागेसु वा धरणिंदमाहु सेट्ठे । खोओदए वा रस वेजयंते तवोवहाणे मुणि वेज-यंते ॥ २० ॥ हत्थीसु एरावणमाहु णाए सीहो मियाणं सलिलाण गंगा । पक्खीसु वा गरुले वेणुदेवो णिव्वाणवादीणिह णायपुत्ते ॥ २१ ॥ जोहेसु णाए जह वीससेणे पुप्फेसु वा जह अरविंदमाहु । खत्तीण सेट्ठे जह दंतवक्के इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥ दाणाण सेट्ठं अभयप्पयाणं सच्चेसु वा अणवज्जं वयंति । तवेसु वा उत्तमं बम्भचेरं लोगुत्तमे समणे णायपुत्ते ॥ २३ ॥ ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा सभा सुहम्मा व सभाण सेट्ठा । णिव्वाणसेट्ठा जह सव्वधम्मा ण णायपुत्ता परमत्थि

णाणी ॥ २४ ॥ पुढोवमे धुणइ विगयगेही ण संणिहिं कुव्वइ आसुपण्णे । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं अभयंकरे वीर अणंतचक्खू ॥ २५ ॥ कोहं च माणं च तहेव मायं लोभं चउत्थं अज्झत्तदोसा । एयाणि वंता अरहा महेसी ण कुव्वई पाव ण कारवेइ ॥ २६ ॥ किरियाकिरियं वेणइयाणुवायं अण्णाणियाणं पडियच्च ठाणं । से सव्ववायं इइ वेयइत्ता उवट्ठिए संजमदीहरायं ॥ २७ ॥ से वारिया इत्थि सराइभत्तं उवहाणवं दुक्खखयट्ठयाए । लोगं विदित्ता आरं परं च सव्वं पभू वारिय सव्ववारं ॥२८॥ सोच्चा य धम्मं अरहंतभासियं समाहियं अट्ठपदोवसुद्धं । तं सद्दहाणा य जणा अणाऊ इंदा व देवाहिव आगमिस्संति ॥२९॥ त्ति बेमि ॥

॥ कुसीलपरिभासियं णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

पुढवी य आऊ अगणी य वाऊ तण-रुक्ख बीया य तसा य पाणा । जे अंडया जे य जराउ पाणा संसेयया जे रसयाभिहाणा ॥ १ ॥ एयाइं कायाइं पवेइयाइं एएसु जाणे पडिलेह सायं । एएण काएण य आयदंडे एएसु या विप्परियासुवेंति ॥ २ ॥ जाईपहं अणुपरिवट्टमाणे तसथावरेहिं विणिघायमेइ । से जाइ जाइं बहुकूरकम्मे जं कुव्वई मिज्जइ तेण बाले ॥ ३ ॥ अस्सिं च लोए अदु वा परत्था सयग्गसो वा तह अण्णहा वा । संसारमावण्ण परं परं ते बंधंति वेयंति य दुण्णियाणि ॥ ४ ॥ जे मायरं वा पियरं च हिच्चा समणव्वए अगणिं समारभिज्जा । अहाहु से लोए कुसीलधम्मे भूयाइं जे हिंसइ आयसाए ॥ ५ ॥ उज्जालओ पाण णिवायएज्जा णिव्वावओ अगणिं णिवायएज्जा । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं ण पंडिए अगणिं समारभिज्जा ॥ ६ ॥ पुढवी वि जीवा आऊ वि जीवा पाणा य संपाइम संपयंति । संसेयया कट्ठसमस्सिया य एए दहे अगणिं समारभंते ॥ ७ ॥ हरियाणि भूयाणि विलम्बगाणि आहार देहा य पुढो सियाइ । जे छिंदई आयसुहं पडुच्च पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई ॥ ८ ॥ जाइं च वुड्ढिं च विणासयंते बीयाइ अस्संजय आयदंडे । अहाहु से लोए अणज्जधम्मे बीयाइ से हिंसइ आयसाए ॥ ९ ॥ गब्भाइ मिज्जंति बुयाबुयाणा णरा परे पंचसिहा कुमारा । जुवाणगा मज्झिम थेरगा य चयंति ते आउखए पलीणा ॥ १० ॥ संबुज्झहा जंतवो माणुसत्तं दट्ठुं भयं बालिसेणं अलम्भो । एगंतदुक्खे जरिए व लोए सकम्मुणा विप्परियासुवेइ ॥ ११ ॥ इहेग मूढा पयवंति मोक्खं आहारसंपज्जणवज्जणेणं । एगे य सीओदग-

सेवणेणं हुएण एगे पवयंति मोक्खं ॥ १२ ॥ पाओसिणाणाइसु णत्थि मोक्खो खारस्स लोणस्स अणासणेणं । ते मज्जमंसं लसुणं च भोच्चा अण्णत्थ वासं परिकप्पयंति ॥ १३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरंति सायं च पायं उदगं फुसंता । उदगस्स फासेण सिया य सिद्धी सिज्झिसु पाणा बहवे दगंसि ॥१४॥ मच्छा य कुम्मा य सिरीसिवा य मग्गू य उट्टा दगरक्खसा य । अट्ठाणमेयं कुसला वयंति उदगेण जे सिद्धिमुदाहरंति ॥ १५ ॥ उदगं जई कम्ममलं हरेज्जा एवं सुहं इच्छामित्तमेव । अंधं च णेयारमणुस्सरित्ता पाणाणि चेवं विणिहंति मंदा ॥ १६ ॥ पावाइं कम्माइं पकुव्वओ हि सिओदगं ऊ जइ तं हरेज्जा । सिज्झिसु एगे दगसत्तघाई मुसं वयंते जलसिद्धिमाहु ॥१७॥ हुएण जे सिद्धिमुदाहरंति सायं च पायं अगणिं फुसंता । एवं सिया सिद्धि हवेज्ज तम्हा अगणिं फुसंताण कुकम्मिणं पि ॥१८॥ अपरिक्ख दिट्ठं ण हु सिद्धीएहिंति ते घायमबुज्झमाणा । भूएहिं जाणं पडिलेह सायं विज्जं गहायं तसथावरेहिं ॥१९॥ थणंति लुप्पंति तसंति कम्मी पुढो जगा परिसंखाय भिक्खू । तम्हा विऊ विरओ आयगुत्ते दट्ठुं तसे या पडिसंहरेज्जा ॥२०॥ जे धम्मलद्धं विणिहाय भुंजे वियडेण साहट्टु य जे सिणाइं । जे धोवई लूसयई व वत्थं अहाहु से णागणियस्स दूरे ॥ २१ ॥ कम्मं परिण्णाय दगंसि धीरे वियडेण जीवेज्ज य आदिमोक्खं । से बीयकंदाइ अभुंजमाणे विरए सिणाणाइसु इत्थियासु ॥२२॥ जे मायरं च पियरं च हिच्चा गारं तहा पुत्तपसुं धणं च । कुलाइं जे धावइ साउगाइं अहाहु से सामणियस्स दूरे ॥ २३ ॥ कुलाइं जे धावइ साउगाइं आघाइ धम्मं उयराणुगिद्धे । अहाहु से आयरियाण सयंसे जे लावएज्जा असणस्स हेऊ ॥२४॥ णिक्खम्म दीणे परभोयणम्मि मुहमंगलीए उयराणुगिद्धे । णीवारगिद्धे व महावराहे अदूरए एहिइ घायमेव ॥२५॥ अण्णस्स पाणस्सिह लोइयस्स अणुप्पियं भासइ सेवमाणे । पासत्थयं चेव कुसीलयं च णिस्सारए होइ जहा पुलाए ॥ २६ ॥ अण्णायपिण्डेणऽहियासएज्जा णो पूयणं तवसा आवहेज्जा । सद्देहि रूवेहि असज्जमाणं सव्वेहि कामेहि विणीय गेहिं ॥ २७ ॥ सव्वाइं संगाइं अइच्च धीरे सव्वाइं दुक्खाइं तितिक्खमाणे । अखिले अगिद्धे अणिएयचारी अभयंकरे भिक्खू अणाविलप्पा ॥ २८ ॥ भारस्स जाआ मुणि भुंजएज्जा कंखेज्ज पावस्स विवेग भिक्खू । दुक्खेण पुट्ठे धुयमाइएज्जा संगामसीसे व परं दमेज्जा ॥ २९ ॥ अवि हम्ममाणे फलगावयट्ठी समागमं कंखइ

अंतगस्स । णिधूय कम्मं ण पवंचुवेइ अक्खक्खए वा सगडं ति बेमि ॥ ३० ॥

वीरियं णाम अट्ठमं अज्झयणं

दुहा वेयं सुयक्खायं वीरियं ति पवुच्चई । किं णु वीरस्स वीरत्तं कहं चेयं पवुच्चई ॥ १ ॥ कम्ममेगे पवेदेंति अकम्मं वा वि सुव्वया । एएहिं दोहि ठाणेहिं जेहिं दीसंति मच्चिया ॥ २ ॥ पमायं कम्ममाहंसु अप्पमायं तहावरं । तब्भावादेसओ वा वि बालं पण्डियमेव वा ॥ ३ ॥ सत्थमेगे तु सिक्खंता अइवायाय पाणिणं । एगे मंते अहिज्जंति पाणभूयविहेडिणो ॥ ४ ॥ मायिणो कट्टु माया य कामभोगे समारभे । हंता छेत्ता पगब्भित्ता आयसायाणुगामिणो ॥ ५ ॥ मणसा वयसा चेव कायसा चेव अंतसो । आरओ परओ वा वि दुहा वि य असंजया ॥ ६ ॥ वेराई कुव्वइ वेरी तओ वेरेहि रज्जई । पावोवगा य आरम्भा दुक्खफासा य अंतसो ॥ ७ ॥ संपरायं णियच्छंति अत्तदुक्कडकारिणो । रागदोसस्सिया बाला पावं कुव्वंति ते बहुं ॥ ८ ॥ एयं सकम्मविरियं बालाणं तु पवेइयं । इत्तो अकम्मविरियं पण्डियाणं सुणेह मे ॥९॥ दविए बंधणुम्मुक्के सव्वओ छिण्णबंधणे । पणोल्ल पावगं कम्मं सल्लं कंतइ अंतसो ॥ १० ॥ णेयाउयं सुयक्खायं उवायाय समीहए । भुज्जो भुज्जो दुहावासं असुहत्तं तहा तहा ॥ ११ ॥ ठाणी विविहठाणाणि चइस्संति ण संसओ । अणियए अयं वासे णायएहि सुहीहि य ॥ १२ ॥ एवमायाय मेहावी अप्पणो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपज्जे सव्वधम्ममगोवियं ॥१३॥ सहसंमइए णच्चा धम्मसारं सुणेत्तु वा । समुवट्ठिए उ अणगारे पच्चक्खायपावए ॥ १४ ॥ जं किंचुवक्कमं जाणे आउक्खेमस्स अप्पणो । तस्सेव अंतरा खिप्पं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिए ॥ १५ ॥ जहा कुम्मे सअंगाइं सए देहे समाहरे । एवं पावाइं मेहावी अज्झप्पेण समाहरे ॥१६॥ साहरे हत्थपाए य मणं पंचिंदियाणि य । पावगं च परीणामं भासादोसं च तारिसं ॥१७॥ अणु माणं च मायं च तं परिण्णाय पण्डिए । सायागारवणिहुए उवसंते णिहे चरे ॥ १८ ॥ पाणे य णाइवाएज्जा अदिण्णं पि य णायए । साइयं ण मुसं बूया एस धम्मे वुसीमओ ॥ १९ ॥ अइक्कम्मंति वायाए मणसा वि ण पत्थए । सव्वओ संवुडे दंते आयाणं सुसमाहरे ॥ २० ॥ कडं च कज्जमाणं च आगमिस्सं च पावगं । सव्वं तं णाणुजाणंति आयगुत्ता जिइंदिया ॥ २१ ॥ जे याऽबुद्धा महाभागा वीरा असमत्तदंसिणो । असुद्धं तेसिं परक्कंतं सफलं होइ सव्वसो ॥ २२ ॥ जे य बुद्धा महाभागा वीरा

सम्मत्तदंसिणो । सुद्धं तेसिं परक्कंतं अफलं होइ सव्वसो ॥ २३ ॥ तेसिं पि ण तवो सुद्धो णिक्खंता जे महाकुला । जं णेवण्णे वियाणंति ण सिलोगं पवेज्जए ॥ २४ ॥ अप्पपिण्डासि पाणासि अप्पं भासेज्ज सुव्वए । खंतेऽभिणिव्वुडे दंते वीयगिद्धी सया जए ॥ २५ ॥ झाणजोगं समाहट्टु कायं विउसेज्ज सव्वसो । तितिक्खं परमं णच्चा आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २६ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ धम्मो णाम णवमं अज्झयणं ॥

कयरे धम्मे अक्खाए माहणेण मईमया । अंजु धम्मं जहातच्चं जिणाणं तं सुणेह मे ॥ १ ॥ माहणा खत्तिया वेस्सा चण्डाला अदु बोक्कसा । एसिया वेसिया सुद्दा जे य आरम्भणिस्सिया ॥ २ ॥ परिग्गहणिविट्ठाणं पावं तेसिं पवड्ढई । आरम्भसंभिया कामा ण ते दुक्खविमोयगा ॥ ३ ॥ आघायकिच्चमाहेउं णाइओ विसएसिणो । अण्णे हरंति तं वित्तं कम्मी कम्मेहि किच्चई ॥ ४ ॥ माया पिया ण्हुसा भाया भज्जा पुत्ता य ओरसा । णालं ते तव ताणाय लुप्पंतस्स सकम्मुणा ॥ ५ ॥ एयमट्ठं सपेहाए परमट्ठाणुगामियं । णिम्ममो णिरहंकारो चरे भिक्खू जिणाहियं ॥ ६ ॥ चिच्चा वित्तं च पुत्ते य णाइओ य परिग्गहं । चिच्चा णं अंतगं सोयं णिरवेक्खो परिव्वए ॥७॥ पुढवी उ अगणी वाऊ तणरुक्ख सबीयगा । अण्डया पोयजराऊ रससंसेयउब्भिया ॥ ८ ॥ एएहिं छहिं काएहिं तं विज्जं परिजाणिया । मणसा कायवक्केणं णारम्भी ण परिग्गही ॥ ९ ॥ मुसावायं बहिद्धं च उग्गहं च अजाइया । सत्थादाणाइं लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ १० ॥ पलिउंचणं च भयणं च थंडिल्लुस्सयणाणि य । धूणादाणाइं लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ ११ ॥ धोयणं रयणं चेव वत्थीकम्मं विरेयणं । वमणंजणपलीमंथं तं विज्जं परिजाणिया ॥१२॥ गंधमल्लसिणाणं च दंतपक्खालणं तहा । परिग्गहित्थिकम्मं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १३ ॥ उद्देसियं कीयगडं पामिच्चं चेव आहडं । पूयं अणेसणिज्जं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १४ ॥ आसूणिमक्खिरागं च गिद्धुवघायकम्मगं । उच्छोलणं च कक्कं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १५ ॥ संपसारी कयकिरिए पसिणाययणाणि य । सागारियं च पिण्डं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १६ ॥ अट्ठावयं ण सिक्खिज्जा वेहाईयं च णो वए । हत्थकम्मं विवायं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १७ ॥ पाणहाओ य छत्तं च णालीयं वालवीयणं । परकिरियं अण्णमण्णं च तं विज्जं परिजाणिया ॥१८॥

उच्चारं पासवणं हरिएसु ण करे मुणी । वियडेण वा वि साहट्टु णावमज्जे कयाइ वि ॥ १९ ॥ परमत्ते अण्णपाणं ण भुंजेज्ज कयाइ वि । परवत्थं अचेलो वि तं विज्जं परिजाणिया ॥ २० ॥ आसंदी पलियंके य णिसिज्जं च गिहंतरे । संपुच्छणं सरणं वा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २१ ॥ जसं कित्तिं सिलोयं च जा य वंदणपूयणा । सव्वलोयंसि जे कामा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २२ ॥ जेणेहं णिव्वहे भिक्खू अण्णपाणं तहाविहं । अणुप्पयाणमण्णेसिं तं विज्जं परिजाणिया ॥ २३ ॥ एवं उदाहु णिग्गंथे महावीरे महामुणी । अणंतणाणदंसी से धम्मं देसितवं सुयं ॥ २४ ॥ भासमाणो ण भासेज्जा णेव वम्फेज्ज मम्मयं । माइट्ठाणं विवज्जेज्जा अणुचिंतिय वियागरे ॥ २५ ॥ तत्थिमा तइया भासा जं वइत्ताणुतप्पई । जं छण्णं तं ण वत्तव्वं एसा आणा णियण्ठिया ॥ २६ ॥ होलावायं सहीवायं गोयावायं च णो वए । तुमं तुमं ति अमणुण्णं सव्वसो तं ण वत्तए ॥ २७ ॥ अकुसीले सया भिक्खू णेव संसग्गियं भए । सुहरूवा तत्थुवसग्गा पडिवुज्झेज्ज ते विऊ ॥ २८ ॥ णण्णत्थ अंतराएणं परगेहे ण णिसीयए । गामकुमारियं किड्डं णाइवेलं हसे मुणी ॥ २९ ॥ अणुस्सुओ उरालेसु जयमाणो परिव्वए । चरियाए अप्पमत्तो पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥ ३० ॥ हम्ममाणो ण कुप्पेज्ज वुच्चमाणो ण संजले । सुमणे अहियासेज्जा ण य कोलाहलं करे ॥ ३१ ॥ लद्धे कामे ण पत्थेज्जा विवेगे एवमाहिए । आयरियाइं सिक्खेज्जा बुद्धाणं अंतिए सया ॥ ३२ ॥ सुस्सूसमाणो उवासेज्जा सुप्पण्णं सुतवस्सियं । वीरा जे अत्तपण्णेसी धिइमंता जिइंदिया ॥ ३३ ॥ गिहे दीवमपासंता पुरिसादाणिया णरा । ते वीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ३४ ॥ अगिद्धे सद्दफासेसु आरम्भेसु अणिस्सिए । सव्वं तं समयाईयं जमेयं लवियं बहु ॥ ३५ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिण्णाय पंडिए । गारवाणि य सव्वाणि णिव्वाणं संधए मुणि ॥ ३६ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ समाही णाम दसमं अज्झयणं ॥

आघं मईमं अणुवीइ धम्मं अंजू समाहिं तमिमं सुणेह । अपडिण्ण भिक्खू उ समाहिपत्ते अणियाण भूएसु परिव्वएज्जा ॥ १ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । हत्थेहि पाएहि य संजमित्ता अदिण्णमण्णेसु य णो गहेज्जा ॥२॥ सुयक्खायधम्मे वितिगिच्छतिण्णे लाढे चरे आयतुले पयासु । आयं ण

कुज्जा इह जीवियट्ठी चयं ण कुज्जा सुतवस्सि भिक्खू ॥ ३ ॥ सव्विंदियाभिणिव्वुडे पयासु चरे मुणी सव्वउ विप्पमुक्के । पासाहि पाणे य पुढो वि सत्ते दुक्खेण अट्टे परितप्पमाणे ॥ ४ ॥ एएसु बाले य पकुव्वमाणे आवट्टई कम्मसु पावएसु। अइवायओ कीरइ पावकम्मं णिउंजमाणे उ करेइ कम्मं ॥ ५ ॥ आदीणवित्तीव करेइ पावं मंता उ एगंतसमाहिमाहु । बुद्धे समाहीय रए विवेगे पाणाइवाया विरए ठियप्पा ॥ ६ ॥ सव्वं जगं तू समयाणुपेही पियमप्पियं कस्सइ णो करेज्जा । उट्ठाय दीणो य पुणो विसण्णो संपूयणं चेव सिलोयकामी ॥ ७ ॥ आहाकडं चेव णिकाममीणे णियामचारी य विसण्णमेसी । इत्थीसु सत्ते य पुढो य बाले परिग्गहं चेव पकुव्वमाणे ॥८॥ वेराणुगिद्धे णिचयं करेइ इओ चुए से इहमट्ठदुग्गं । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं चरे मुणी सव्वउ विप्पमुक्के ॥ ९ ॥ आयं ण कुज्जा इह जीवियट्ठी असज्जमाणो य परिव्वएज्जा । णिसम्मभासी य विणीयगिद्धिं हिंसण्णियं वा ण कहं करेज्जा ॥१०॥ आहाकडं वा ण णिकामएज्जा णिकामयंते य ण संथवेज्जा । धुणे उरालं अणुवेहमाणे चिच्चा ण सोयं अणवेक्खमाणो ॥११॥ एगत्तमेयं अभिपत्थएज्जा एवं पमुक्खो ण मुसं ति पासं । एसप्पमोक्खो अमुसे वरे वि अकोहणे सच्चरए तवस्सी ॥ १२ ॥ इत्थीसु या आरय मेहुणाओ परिग्गहं चेव अकुव्वमाणे । उच्चावएसु विसएसु ताई णिस्संसयं भिक्खू समाहिपत्ते ॥१३॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू तणाइफासं तह सीयफासं । उण्हं च दंसं चऽहियासएज्जा सुब्भिं व दुब्भिं व तितिक्खएज्जा ॥ १४ ॥ गुत्तो वईए य समाहिपत्तो लेसं समाहट्टु परिव्वएज्जा गिहं ण छाए ण वि छायएज्जा संमिस्सभावं पयहे पयासु ॥ १५ ॥ जे केइ लोगम्मि उ अकिरियआया अण्णे ण पुट्ठा धुयमादिसंति। आरम्भसत्ता गढिया य लोए धम्मं ण जाणंति विमोक्खहेउं ॥ १६ ॥ पुढो य छंदा इह माणवा उ किरियाकिरीयं च पुढो य वायं ।जायस्स बालस्स पकुव्व देहं पवड्ढई वेरमसंजयस्स ॥१७॥ आउक्खयं चेव अबुज्झमाणे ममाइ से साहसकारि मंदे अहो य राओ परितप्पमाणे अट्टेसु मूढे अजरामरेव्व ॥ १८ ॥ जहाहि वित्तं पसवो य सव्वं जे बंधवा जे य पिया य मित्ता । लालप्पई से वि य एइ मोहं अण्णे जणा तंसि हरंति वित्तं ॥ १९ ॥ सीहं जहा खुड्डमिगा चरंता दूरे चरंति परिसंकमाणा । एवं तु मेहावि समिक्ख धम्मं दूरेण पावं परिवज्जएज्जा ॥२०॥ संबुज्झमाणे उ णरे मईमं पावाउ

अप्पाण णिवट्टएज्जा। हिंसप्पसूयाइं दुहाइं मत्ता वेराणुबंधीणि महब्भयाणि ॥२१॥ मुसं ण बूया मुणि अत्तगामी णिव्वाणमेयं कसिणं समाहिं। सयं ण कुज्जा ण य कारवेज्जा करंतमण्णं पि य णाणुजाणे ॥ २२ ॥ सुद्धे सिया जाए ण दूसएज्जा अमुच्छिए ण य अज्झोववण्णे। धिइमं विमुक्के ण य पूयणट्ठी ण सिलोयगामी य परिव्वएज्जा ॥ २३ ॥ णिक्खम्म गेहाउ णिरावकंखी कायं विउस्सेज्ज णियाण-छिण्णे। णो जीवियं णो मरणाभिकंखी चरेज्ज भिक्खू वलया विमुक्के ॥ २४ ॥ ॥ त्ति बेमि ॥

मग्गे णाम एगारसमं अज्झयणं

कयरे मग्गे अक्खाए माहणेणं मईमया। जं मग्गं उज्जु पावित्ता ओहं तरइ दुत्तरं ? ॥१॥ तं मग्गं णुत्तरं सुद्धं सव्वदुक्खविमोक्खणं। जाणासि णं जहा भिक्खू तं णो बूहि महामुणी ॥ २ ॥ जइ णो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा। तेसिं तु कयरं मग्गं आइक्खेज्ज कहाहि णो ॥ ३ ॥ जइ वो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा। तेसिमं पडिसाहेज्जा मग्गसारं सुणेह मे ॥ ४ ॥ अणुपुव्वेण महाघोरं कासवेण पवेइयं। जमायाय इओ पुव्वं समुद्दं ववहारिणो ॥ ५ ॥ अतरिंसु तरंतेगे तरिस्संति अणागया। तं सोच्चा पडिवक्खामि जंतवो तं सुणेह मे ॥ ६ ॥ पुढवी-जीवा पुढो सत्ता आउजीवा तहाऽगणी। वाउजीवा पुढो सत्ता तणरुक्खा सबीयगा ॥ ७ ॥ अहावरा तसा पाणा एवं छक्काय आहिया। एयावए जीवकाए णावरे कोइ विज्जई ॥ ८ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं मइमं पडिलेहिया। सव्वे अक्कंतदुक्खा य अओ सव्वे ण हिंसया ॥ ९ ॥ एयं खु णाणिणो सारं जं ण हिंसइ कंचण। अहिंसा समयं चेव एयावंतं वियाणिया ॥ १० ॥ उड्ढं अहे य तिरियं जे केइ तस-थावरा। सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिवाणमाहियं ॥ ११ ॥ पभू दोसे णिराकिच्चा ण विरुज्झेज्ज केणइ। मणसा वयसा चेव कायसा चेव अंतसो ॥ १२ ॥ संवुडे से महापण्णे धीरे दत्तेसणं चरे। एसणासमीए णिच्चं वज्जयंते अणेसणं ॥ १३ ॥ भूयाइं च समारम्भ तमुद्दिस्सा य जं कडं। तारिसं तु ण गिण्हेज्जा अण्णपाणं सुसंजए ॥ १४ ॥ पूईकम्मं ण सेवेज्जा एस धम्मे वुसीमओ। जं किंचि अभिकंखेज्जा सव्वसो तं ण कप्पए ॥ १५ ॥ हणंतं णाणुजाणेज्जा आयगुत्ते जिइंदिए। ठाणाइं संति सड्ढीणं गामेसु णगरेसु वा ॥ १६ ॥ तहा गिरं समारब्भ अत्थि पुण्णं ति णो

वए। अहवा णत्थि पुण्णं ति एवमेयं महब्भयं ॥ १७ ॥ दाणट्ठया य जे पाणा हम्मंति तसथावरा। तेसिं सारक्खणट्ठाए तम्हा अत्थि त्ति णो वए ॥ १८ ॥ जेसिं तं उवकप्पंति अण्णपाणं तहाविहं। तेसिं लाभंतरायं ति तम्हा णत्थि त्ति णो वए ॥ १९ ॥ जे य दाणं पसंसंति वहमिच्छंति पाणिणं। जे य णं पडिसेहंति वित्तिच्छेयं करंति ते ॥ २० ॥ दुहओ वि ते ण भासंति अत्थि वा णत्थि वा पुणो। आयं रयस्स हेच्चा णं णिव्वाणं पाउणंति ते ॥ २१ ॥ णिव्वाणं परमं बुद्धा णक्खत्ताण व चंदिमा। तम्हा सया जए दंते णिव्वाणं संधए मुणी ॥ २२ ॥ वुज्झमाणाण पाणाणं किच्चंताण सकम्मुणा। आघाइ साहु तं दीवं पइट्ठेसा पवुच्चई ॥२३॥ आयगुत्ते सया दंते छिण्णसोए अणासवे। जे धम्मं सुद्धमक्खाइ पडिपुण्णमणेलिसं। २४॥तमेव अवियाणंता अबुद्धा बुद्धमाणिणो बुद्धा मो त्ति य मण्णंता अंत एए समाहिए ॥२५॥ ते य बीओदगं चेव तमुद्दिस्सा य जं कडं। भोच्चा झाणं झियायंति अखेयण्णाऽसमाहिया ॥२६॥ जहा ढंका य कंका य कुलला मग्गुका सिही। मच्छेसणं झियायंति झाणं ते कलुसाधमं॥२७॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। विसएसणं झियायंति कंका वा कलुसाहमा ॥ २८ ॥ सुद्धं मग्गं विराहित्ता इहमेगे उ दुम्मई। उम्मग्गगया दुक्खं घायमेसंति तं तहा ॥ २९ ॥ जहा आसाविणिं णावं जाइअंधो दुरूहिया। इच्छई पारमागंतुं अंतरा य विसीयइ ॥ ३० ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छद्दिट्ठी अणारिया। सोयं कसिणमावण्णा आगंतारो महब्भयं ॥ ३१ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं। तरे सोयं महाघोरं अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ३२ ॥ विरए गामधम्मेहिं जे केई जगई जगा। तेसिं अत्तुवमायाए थामं कुव्वं परिव्वए ॥३३॥ अइमाणं च मायं च तं परिण्णाय पण्डिए। सव्वमेयं णिराकिच्चा णिव्वाणं संधए मुणी ॥३४॥ संधए साहुधम्मं च पावधम्मं णिराकरे। उवहाणवीरिए भिक्खू कोहं माणं ण पत्थए ॥३५॥ जे य बुद्धा अइक्कंता जे य बुद्धा अणागया। संति तेसिं पइट्ठाणं भूयाणं जगई जहा ॥३६॥ अह णं वयमावण्णं फासा उच्चावया फुसे। ण तेसु विणिहण्णेज्जा वाएण व महागिरी ॥ ३७ ॥ संवुडे से महापण्णे धीरे दत्तेसणं चरे। णिव्वुडे कालमाकंखी एवं केवलिणो मयं ॥ ३८ ॥ ति बेमि ॥

॥ समोसरणं णाम बारसमं अज्झयणं ॥

चत्तारि समोसरणाणिमाणि पावादुया जाइं पुढो वयंति। किरियं अकिरियं

विणयं ति तइयं अण्णाणमाहंसु चउत्थमेव ॥ १ ॥ अण्णाणिया ता कुसला वि संता असंथुया णो वितिगिच्छतिण्णा । अकोविया आहु अकोवियेहिं अणाणुवीइत्तु मुसं वयंति ॥ २ ॥ सच्चं असच्चं इति चिंतयंता असाहु साहु त्ति उदाहरंता । जेमे जणा वेणइया अणेगे पुट्ठा वि भावं विणइंसु णाम ॥ ३ ॥ अणोवसंखा इइ ते उदाहु अट्ठे स ओभासइ अम्ह एवं । लवावसंकी य अणागएहिं णो किरियमाहंसु अकिरियवाई ॥ ४ ॥ संमिस्सभावं च गिरा गहीए से मुम्मुई होइ अणाणुवाई । इमं दुपक्खं इममेगपक्खं आहंसु छलाययणं च कम्मं ॥ ५ ॥ ते एवमक्खंति अवुज्झमाणा विरूवरूवाणि अकिरियवाई । जे मायइत्ता वहवे मणूसा भमंति संसारमणोवदग्गं ॥ ६ ॥ णाइच्चो उएइ ण अत्थमेइ ण चंदिमा वड्ढइ हायई वा । सलिला ण संदंति ण वंति वाया वंझो णियओ कसिणे हु लोए ॥ ७ ॥ जहा हि अंधे सह जोइणा वि रूवाइं णो पस्सइ हीणणेत्ते । संतं पि ते एवमकिरियवाई किरियं ण पस्संति णिरुद्धपण्णा ॥ ८ ॥ संवच्छरं सुविणं लक्खणं च णिमित्तदेहं च उप्पाइयं च । अट्ठंगमेयं बहवे अहित्ता लोगंसि जाणंति अणागयाइं ॥ ९ ॥ केई णिमित्ता तहिया भवंति केसिंचि तं विप्पडिएइ णाणं । ते विज्जभावं अणहिज्ज-माणा आहंसु विज्जा परिमोक्खमेव ॥ १० ॥ ते एवमक्खंति समिच्च लोगं तहा तहा समणा माहणा य । सयंकडं णण्णकडं च दुक्खं आहंसु विज्जाचरणं पमोक्खं ॥ ११ ॥ ते चक्खु लोगंसिह णायगा उ मग्गाणुसासंति हियं पयाणं । तहा तहा सासयमाहु लोए जंसी पया माणव ! संपगाढा ॥ १२ ॥ जे रक्खसा वा जमलोइया वा जे वा सुरा गंधव्वा य काया । आगासगामी य पुढोसिया जे पुणो पुणो विप्परियासुवेंति ॥ १३ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं जाणाहि णं भवगहणं दुमोक्खं । जंसी विसण्णा विसयंगणाहिं दुहओऽवि लोयं अणुसंचरंति ॥ १४ ॥ ण कम्मुणा कम्म खवेंति बाला अकम्मुणा कम्म खवेंति धीरा । मेहाविणो लोभमया-वईया संतोसिणो णो पकरेंति पावं ॥१५॥ ते तीयउप्पण्णमणागयाइं लोगस्स जाणंति तहागयाइं । णेयारो अण्णेसि अणण्णणेया वुद्धा हु ते अंतकडा भवंति ॥१६॥ ते णेव कुव्वंति ण कारवेंति भूयाहिसंकाइ दुगुंछमाणा । सया जया विप्पणमंति धीरा विण्णत्ति धीरा य हवंति एगे ॥१७॥ डहरे य पाणे वुड्ढे य पाणे ते अत्तओ पासइ सव्वलोए । उव्वेहईलोगमिणं महंतं वुद्धेऽपमत्तेसु परिव्वएज्जा ॥१८॥ जे आयओ

परओ वा वि णच्चा अलमप्पणो होति अलं परेसिं। तं जोइभूयं च सयावसेज्जा जे पाउकुज्जा अणुवीइधम्मं ॥१९॥ अत्ताण जो जाणइ जो य लोगं गइं च जो जाणइ णागइं च। जो सासयं जाण असासयं च जाइं च मरणं च जणोववायं ॥ २० ॥ अहो वि सत्ताण विउट्टणं च जो आसवं जाणइ संवरं च। दुक्खं च जो जाणइ णिज्जरं च सो भासिउमरिहइ किरियवायं ॥ २१ ॥ सद्देसु रूवेसु असज्जमाणे गंधेसु रसेसु अदुस्समाणे। णो जीवियं णो मरणाहिकंखी आयाणगुत्ते वलया विमुक्के ॥२२॥ त्ति बेमि ॥

आहत्तहीयं णाम तेरसमं अज्झयणं

आहत्तहीयं तु पवेयइस्सं णाणप्पकारं पुरिसस्स जायं। सओ य धम्मं असओ असीलं संतिं असंतिं करिस्सामि पाउं ॥ १ ॥ अहो य राओ य समुट्ठिएहिं तहागएहिं पडिलब्भ धम्मं। समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेवं फरुसं वयंति ॥ २ ॥ विसोहियं ते अणुकाहयंते जे आयभावेण वियागरेज्जा। अट्ठाणिए होइ बहूगुणाणं जे णाणसंकाइ मुसं वएज्जा ॥ ३ ॥ जे यावि पुट्ठा पलिउंचयंति आयाणमट्ठं खलु वंचइत्ता। असाहुणो ते इह साहु माणी मायण्णि एस्संति अणंतघायं ॥ ४ ॥ जे कोहणे होइ जयट्ठभासी विओसियं जे उ उदीरएज्जा। अंधे व से दंडपहं गहाय अविओसिए धासइ पावकम्मी ॥ ५ ॥ जे विग्गहीए अण्णायभासी ण से समे होइ अझंझपत्ते। उवायकारी य हिरीमणे य एगंतदिट्ठी य अमाइरूवे ॥ ६ ॥ से पेसले सुहुमे पुरिसजाए जच्चण्णिए चेव सुउज्जुयारे। बहुं पि अणुसासिए जे तहच्चा समे हु से होइ अझंझपत्ते ॥ ७ ॥ जे यावि अप्पं वसुमं ति मत्ता संखाय वायं अपरिक्ख कुज्जा। तवेण वाहं सहिउ त्ति मत्ता अण्णं जणं पस्सइ बिम्बभूयं ॥ ८ ॥ एगंत-कूडेण उ से पलेइ ण विज्जई मोणपयंसि गोत्ते। जे माणणट्ठेण विउक्कसेज्जा वसु-मण्णतरेण अबुज्झमाणे ॥ ९ ॥ जे माहणे खत्तियजायए वा तहुग्गपुत्ते तह लेच्छई वा। पव्वईए परदत्तभोई गोत्ते ण जे थब्भइ माणबद्धे ॥ १० ॥ ण तस्स जाई व कुलं व ताणं णण्णत्थ विज्जाचरणं सुचिण्णं। णिक्खम्म से सेवइऽगारिकम्मं ण से पारए होइ विमोयणाए ॥ ११ ॥ णिक्किंचणे भिक्खु सुलूहजीवी जे गारवं होइ सिलोगकामी। आजीवमेयं तु अबुज्झमाणो पुणो पुणो विप्परियासुवेंति ॥ १२ ॥ जे भासवं भिक्खु सुसाहुवाई पडिहाणवं होइ विसारए य। आगाढपण्णे सुविभावि-

यप्पा अण्णं जणं पण्णया परिहवेज्जा ॥ १३ ॥ एवं ण से होइ समाहिपत्ते जे पण्णवं भिक्खू विउक्कसेज्जा । अहवा वि जे लाहमयावलित्ते अण्णं जणं खिंसइ बालपण्णे ॥ १४ ॥ पण्णामयं चेव तवोमयं च णिण्णामए गोयमयं च भिक्खू । आजीवगं चेव चउत्थमाहु से पंडिए उत्तमपोग्गले से ॥ १५ ॥ एयाइं मयाइं विगिंच धीरा ण ताणि सेवंति सुधीरधम्मा । ते सव्वगोत्तावगया महेसी उच्चं अगोत्तं च गइं वयंति ॥ १६ ॥ भिक्खू मुयच्चे तह दिट्ठधम्मे गामं च णगरं च अणुप्पविस्सा । से एसणं जाणमणेसणं च अण्णस्स पाणस्स अणाणुगिद्धे ॥ १७ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू बहूजणे वा तह एगचारी । एगंतमोणेण वियागरेज्जा एगस्स जंतो गइरागई य ॥ १८ ॥ सयं समेच्चा अदुवा वि सोच्चा भासेज्ज धम्मं हियंयं पयाणं । जे गरहिया सणियाणप्पओगा ण ताणि सेवंति सुधीरधम्मा ॥१९॥ केसिंचि तक्काइ अबुज्झ भावं खुद्दं पि गच्छेज्ज असद्दहाणे । आउस्स कालाइयारं वघाए लद्धाणुमाणे य परेसु अट्ठे ॥ २० ॥ कम्मं च छंदं च विगिंच धीरे विणइज्ज ऊ सव्वउ आयभावं । रूवेहि लुप्पंति भयावहेहिं विज्जं गहाया तसथावरेहिं ॥ २१ ॥ ण पूयणं चेव सिलोयकामी पियमप्पियं कस्सइ णो करेज्जा । सव्वे अणट्ठे परिवज्जयंते अणाउले या अकसाइ भिक्खू ॥ २२ ॥ आहत्तहीयं समुपेहमाणे सव्वेहिं पाणेहिं णिहाय दंडं । णो जीवियं णो मरणाहिकंखी परिव्वएज्जा वलया विमुक्के ॥ २३ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ गंथो णाम चउद्दसमं अज्झयणं ॥

गंथं विहाय इह सिक्खमाणो उट्ठाय सुबम्भचेरं वसेज्जा । ओवायकारी विणयं सुसिक्खे जे छेय से विप्पमायं ण कुज्जा ॥ १ ॥ जहा दियापोयमपत्तजायं सावासगा पविउं मण्णमाणं । तमचाइयं तरुणमपत्तजायं ढंकाइ अव्वत्तगमं हरेज्जा ॥ २ ॥ एवं तु सेहं पि अपुट्ठधम्मं णिस्सारियं वुसिमं मण्णमाणा । दियस्स छायं व अपत्तजायं हरिंसु णं पावधम्मा अणेगे ॥ ३ ॥ ओसाणमिच्छे मणुए समाहिं अणोसिए णंतकरिं ति णच्चा । ओभासमाणे दवियस्स वित्तं ण णिक्कसे बहिया आसुपण्णो ॥४॥ जे ठाणओ य सयणासणे य परक्कमे यावि सुसाहुजुत्ते । समिईसु गुत्तीसु य आयपण्णे वियागरिं ते य पुढो वएज्जा ॥ ५ ॥ सद्दाणि सोच्चा अदु भेरवाणि अणासवे तेसु परिव्वएज्जा । णिद्दं च भिक्खू ण पमाय कुज्जा कहंकहं वा वितिगिच्छतिण्णे

॥६॥ डहरेण वुड्ढेणऽणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं। सम्मं तयं थिरओ णाभिगच्छे णिज्जंतए वावि अपारए से ॥ ७ ॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डहरेण वुड्ढेण उ चोइए य। अच्चुट्ठि याए घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणुसिट्ठे ॥ ८ ॥ ण तेसु कुज्झे ण य पव्वहेज्जा ण यावि किंची फरुसं वएज्जा। तहा करिस्सं ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं ण पमाय कुज्जा ॥९॥ वणंसि मूढस्स जहा अमूढा मग्गाणुसासंति हियं पयाणं। तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे वुहा समणुसासयंति ॥ १० ॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता। एओवमं तत्थ उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥ ११ ॥ णेया जहा अंधकारंसि राओ मग्गं ण जाणाइ अपस्समाणे। से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि ॥१२॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं ण जाणाइ अवुज्झमाणे। से कोविए जिण-वयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥१३॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा। सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकम्पमाणे ॥ १४ ॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं। तं सोयकारी य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥ १५ ॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी एएसु या संति णिरोहमाहु। ते एवमक्खंति तिलोगदंसी ण भुज्जमेयंति पमाय-संगं ॥ १६ ॥ णिसम्म से भिक्खू समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य। आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥ १७ ॥ संखाइ धम्मं च वियागरंति वुद्धा हु ते अंतकरा भवंति। ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए संसोधियं पण्हमुदाहरंति ॥ १८ ॥ णो छायए णो वि य लूसएज्जा माणं ण सेवेज्ज पगासणं च। ण यावि पण्णे परिहास कुज्जा ण याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥ १९ ॥ भूया-भिसंकाइ दुगुंछमाणे ण णिव्वहे मंतपएण गोयं। ण किंचिमिच्छे मणुए पयासुं असाहुधम्माणि ण संवएज्जा ॥ २० ॥ हासं पि णो संधइ पावधम्मे ओए तहीयं फरुसं वियाणे। णो पुच्छए णो य विकंथइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥२१॥ संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा। भासादुयं धम्मसमु-ट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपण्णे ॥ २२ ॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तहा तहा साहु अकक्कसेणं। ण कत्थई भास विहिंसइज्जा णिरुद्धगं वावि ण दीहइज्जा ॥ २३ ॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी णिसामिया समियाअट्ठदंसी। आणाइ सुद्धं

वयणं भिउंजे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ अहाबुइयाइं सुसिक्खएज्जा जइज्जया णाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि ण लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥ २५ ॥ अलूसए णो पच्छण्णभासी णो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइवायं सुयं च सम्मं पडिवाययंति ॥ २६ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विंदइ तत्थ तत्थ । आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहइ भासिउं तं समाहिं ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ जमईए णाम पण्णरसमं अज्झयणं ॥

जमईअं पडुप्पण्णं आगमिस्सं च णायओ । सव्वं मण्णइ तं ताई दंसणावरणंतए ॥ १ ॥ अंतए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं । अणेलिसस्स अक्खाया ण से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए । सया सच्चेण संपण्णे मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ भूएहिं ण विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । वुसिमं जगं परिण्णाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले णावा ण आहिया । णावा व तीरसंपण्णा सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ तिउट्टई उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं । तुट्टंति पावकम्माणि णवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ अकुव्वओ णवं णत्थि कम्मं णाम विजाणइ । विण्णाय से महावीरे जेण जाई ण मिज्जई ॥ ७ ॥ ण मिज्जई महावीरे जस्स णत्थि पुरेकडं । वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ इत्थियो जे ण सेवंति आइमोक्खा हु ते जणा । ते जणा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ९ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अंतं पावंति कम्मुणं । कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते । अणासए जए दंते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ णीवारे व ण लीएज्जा छिण्णसोए अणाविले । अणाइले सया दंते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥ १२ ॥ अणेलिसस्स खेयण्णे ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अंतए । अंतेण खुरो वहई चक्कं अंतेण लोट्टई ॥ १४ ॥ अंताणि धीरा सेवंति तेण अंतकरा इह । इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं णरा ॥१५॥ णिट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं । सुयं य मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु णो तहा ॥१६॥ अंतं करतिं दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं । आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए

वयणं भिउंजे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ अहावुइयाइं सुसिक्खएज्जा जइज्जया णाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि ण लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥ २५ ॥ अलूसए णो पच्छण्णभासी णो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइवायं सुयं च सम्मं पडिवाययंति ॥ २६ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विंदइ तत्थ तत्थ । आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहइ भासिउं तं समाहिं ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ जमईए णाम पण्णरसमं अज्झयणं ॥

जमईअं पडुप्पण्णं आगमिस्सं च णायओ । सव्वं मण्णइ तं ताई दंसणावरणं-तए ॥ १ ॥ अंतए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं । अणेलिसस्स अक्खाया ण से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए । सया सच्चेण संपण्णे मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ भूएहिं ण विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । बुसिमं जगं परिण्णाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले णावा ण आहिया । णावा व तीरसंपण्णा सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ तिउट्टई उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं । तुट्टंति पावकम्माणि णवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ अकुव्वओ णवं णत्थि कम्मं णाम विजाणइ । विण्णाय से महावीरे जेण जाई ण मिज्जई ॥ ७ ॥ ण मिज्जई महावीरे जस्स णत्थि पुरेकडं । वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ इत्थियो जे ण सेवंति आइमोक्खा हु ते जणा । ते जणा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ९ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अंतं पावंति कम्मुणं । कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते । अणासए जए दंते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ णीवारे व ण लीएज्जा छिण्णसोए अणाविले । अणाइले सया दंते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥ १२ ॥ अणेलिसस्स खेयण्णे ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अंतए । अंतेण खुरो वहई चक्कं अंतेण लोट्टई ॥ १४ ॥ अंताणि धीरा सेवंति तेण अंतकरा इह । इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं णरा ॥१५॥ णिट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं । सुयं य मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु णो तहा ॥१६॥ अंतं करंति दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं । आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए

॥६॥ डहरेण वुड्ढेणऽणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं। सम्मं तयं थिरओ णाभिगच्छे णिज्जंतए वावि अपारए से ॥ ७ ॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डहरेण वुड्ढेण उ चोइए य। अच्चुट्ठि याए घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणुसिट्ठे ॥ ८ ॥ ण तेसु कुज्झे ण य पव्वहेज्जा ण यावि किंची फरुसं वएज्जा। तहा करिस्सं ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं ण पमाय कुज्जा ॥९॥ वणंसि मूढस्स जहा अमूढा मग्गाणुसासंति हियं पयाणं। तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे वुहा समणुसासयंति ॥ १० ॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता। एओवमं तत्थ उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥ ११ ॥ णेया जहा अंधकारंसि राओ मग्गं ण जाणाइ अपस्समाणे। से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि ॥१२॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं ण जाणाइ अवुज्झमाणे। से कोविए जिण-वयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥१३॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा। सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकम्पमाणे ॥ १४ ॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं। तं सोयकारी य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥ १५ ॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी एएसु या संति णिरोहमाहु। ते एवमक्खंति तिलोगदंसी ण भुज्जमेयंति पमाय-संगं ॥ १६ ॥ णिसम्म से भिक्खू समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य। आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥ १७ ॥ संखाइ धम्मं च वियागरंति बुद्धा हु ते अंतकरा भवंति। ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए संसोधियं पण्हमुदाहरंति ॥ १८ ॥ णो छायए णो वि य लूसएज्जा माणं ण सेवेज्ज पगासणं च। ण यावि पण्णे परिहास कुज्जा ण याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥ १९ ॥ भूया-भिसंकाइ दुगुंछमाणे ण णिव्वहे मंतपएण गोयं। ण किंचिमिच्छे मणुए पयासुं असाहुधम्माणि ण संवएज्जा ॥ २० ॥ हासं पि णो संधइ पावधम्मे ओए तहीयं फरुसं वियाणे। णो पुच्छए णो य विकंथइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥२१॥ संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा। भासादुयं धम्मसमु-ट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपण्णे ॥ २२ ॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तहा तहा साहु अकक्कसेणं। ण कत्थई भास विहिंसइज्जा णिरुद्धगं वावि ण दीहइज्जा ॥ २३ ॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी णिसामिया समियाअट्ठदंसी। आणाइ सुद्धं

वयणं भिउंजे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ अहाबुइयाइं सुसिक्खएज्जा जइज्जया णाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि ण लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥ २५ ॥ अलूसए णो पच्छण्णभासी णो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइवायं सुयं च सम्मं पडिवाययंति ॥ २६ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विंदइ तत्थ तत्थ । आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहइ भासिउं तं समाहिं ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ जमईए णाम पण्णरसमं अज्झयणं ॥

जमईअं पडुप्पण्णं आगमिस्सं च णायओ । सव्वं मण्णइ तं ताई दंसणावरणंतए ॥ १ ॥ अंतए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं । अणेलिसस्स अक्खाया ण से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए । सया सच्चेण संपण्णे मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ भूएहिं ण विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । वुसिमं जगं परिण्णाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले णावा ण आहिया । णावा व तीरसंपण्णा सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ तिउट्टई उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं । तुट्टंति पावकम्माणि णवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ अकुव्वओ णवं णत्थि कम्मं णाम विजाणइ । विण्णाय से महावीरे जेण जाई ण मिज्जई ॥ ७ ॥ ण मिज्जई महावीरे जस्स णत्थि पुरेकडं । वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ इत्थियो जे ण सेवंति आइमोक्खा हु ते जणा । ते जणा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ९ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अंतं पावंति कम्मुणं । कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते । अणासए जए दंते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ णीवारे व ण लीएज्जा छिण्णसोए अणाविले । अणाइले सया दंते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥ १२ ॥ अणेलिसस्स खेयण्णे ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अंतए । अंतेण खुरो वहई चक्कं अंतेण लोट्टई ॥ १४ ॥ अंताणि धीरा सेवंति तेण अंतकरा इह । इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं णरा ॥१५॥ णिट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं । सुयं य मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु णो तहा ॥१६॥ अंतं करतिं दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं । आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए

अकुसले अपण्डिए अवियत्ते अमेहावी बाले णो मग्गट्ठे णो मग्गविऊ णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एस पुरिसे। अहमंसि खेयण्णे कुसले जाव पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि। णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एस पुरिसे मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुया से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे दोच्चे पुरिसजाए ॥ ३ ॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे पच्चत्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं एगं महं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ दोण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए जाव सेयंसि णिसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी- अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा अकुसला अपण्डिया अवियत्ता अमेहावी बाला णो मग्गट्ठा णो मग्गविऊ णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एए पुरिसा एवं मण्णे-- अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू अहमेयं पउमवर-पोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए जाव अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे तच्चे पुरिसजाए ॥ ४ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए। अह पुरिसे उत्तराओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ तिण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव सेयंसि णिसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी--अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा जाव णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एए पुरिसा एवं मण्णे--अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे जाव मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं एवं

उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए जाव णिसण्णे चउत्थे पुरिस जाए ॥ ५ ॥ अह भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयण्णे जाव गइपरिक्कमण्णू अण्णयराओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं जाव पडिरूवं। ते तत्थ चत्तारि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे। तए णं से भिक्खू एवं वयासी–अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा जाव णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं एए पुरिसा एवं मण्णे अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो, णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयण्णे जाव मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से भिक्खू णो अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा सद्दं कुज्जा–उप्पयाहि खलु भो पउमवरपोण्डरीया! उप्पयाहि। अह से उप्पइए पउमवरपोण्डरीए॥६॥ किट्टिए णाए समणाउसो! अट्ठे पुण से जाणियव्वे भवइ। भंते! त्ति समणं भगवं महावीरं णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–किट्टिए णाए समणाउसो! अट्ठं पुण से ण जाणामो समणाउसो त्ति। समणे भगवं महावीरे ते य बहवे णिग्गंथे य णिग्गंथीओ य आमंतेत्ता एवं वयासी–हंत समणाउसो! आइक्खामि विभावेमि किट्टेमि पवेएमि सअट्ठं सहेउं सणिमित्तं भुज्जो भुज्जो उवदंसेमि से बेमि॥७॥ लोयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! पुक्खरिणी वुइया। कम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से उदए वुइए। कामभोगे य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से सेए वुइए। जणजाणवयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! ते बहवे पउमवरपोण्डरीए वुइए। रायाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से एगे महं पउमवरपोण्डरीए वुइए। अण्णतित्थिया य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! ते चत्तारि पुरिसजाया वुइया। धम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से भिक्खू वुइए। धम्मतित्थं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से तीरे वुइए। धम्मकहं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से सद्दे वुइए। णिव्वाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से उप्पाए

वुइए। एवमेयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से एवमेयं वुइयं॥८॥इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोगं उववण्णा। तंजहा--आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे रहस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं मणुयाणं एगे राया भवइ महया हिमवंतमलयमंदरमहिंदसारे अच्चंतविसुद्धरायकुलवंसप्पसूए णिरंतररायलक्खणविराइयंगमंगे बहुजणबहुमाणपूइए सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुदिए मुद्धाभिसित्ते माउपिउसुजाए दयप्पिए सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे मणुस्सिंदे जणवयपिया जणवयपुरोहिए सेउकरे केउकरे णरपवरे पुरिसपवरे पुरिससीहे पुरिसआसीविसे पुरिसवरपोण्डरीए पुरिसवरगंधहत्थी अड्ढे दित्ते वित्ते विच्छिण्णविउलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरयए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णकोसकोट्ठागाराउहागारे बलवं दुब्बलपच्चामित्ते ओहयकण्टयं णिहयकण्टयं मलियकण्टयं उद्धियकण्टयं अकण्टयं ओहयसत्तू णियहसत्तू मलियसत्तू उद्धियसत्तू णिज्जियसत्तू पराइयसत्तू ववगयदुब्भिक्खमारिभयविप्पमुक्कं (रायवण्णओ जहा उववाइए) जाव पसंतडिम्बडमरं रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तस्स णं रण्णो परिसा भवइ उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता इक्खागाइ इक्खागाइपुत्ता णाया णायपुत्ता कोरव्वा कोरव्वपुत्ता भट्टा भट्टपुत्ता माहणा माहणपुत्ता लेच्छइ लेच्छइपुत्ता पसत्थारो पसत्थपुत्ता सेणावई सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा वा माहणा वा संपहारिंसु गमणाए। तत्थ अण्णयरेणं धम्मेणं पण्णत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पण्णवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। तं जहा—उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए णो जीवए, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य णो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं णिज्जइ, अगणिज्झामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति आसंदीपंचमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ—अण्णो भवइ जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते एवं णो विपडिवेदेंति-अयमाउसो! आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे

त्ति वा चउरंसे त्ति वा आयए त्ति वा छलंसिए त्ति वा अट्ठंसे त्ति वा किण्हे त्ति वा णीले त्ति वा लोहियहालिद्दे त्ति वा सुक्किले त्ति वा सुब्भिगंधे त्ति वा दुब्भिगंधे त्ति वा तित्ते त्ति वा कडुए त्ति वा कसाए त्ति वा अम्बिले त्ति वा महुरे त्ति वा कक्खडे त्ति वा मउए त्ति वा गुरुए त्ति वा लहुए त्ति वा सीए त्ति वा उसिणे त्ति वा णिद्धे त्ति वा लुक्खे त्ति वा। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अण्णो जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते णो एवं उवलब्भंति। से जहाणामए–केइ पुरिसे कोसीओ असिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! असी अयं कोसी, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए केइ पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! मुंजे इयं इसियं, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे मंसाओ अट्ठिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! मंसे अयं अट्ठी, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे करयलाओ आमलकं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! करयले अयं आमलए, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए केइ पुरिसे दहीओ णवणीयं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! णवणीयं अयं तु दही, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे जाव सरीरं। जे जहाणामए–केइ पुरिसे तिलेहिंतो तेल्लं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो तेल्लं अयं पिण्णाए, एवमेव जाव सरीरं। से जहाणामए--केइ पुरिसे इक्खूओ खोयरसं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! खोयरसे अयं छोए, एवमेव जाव सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे अरणीओ अग्गिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! अरणी अयं अग्गी, एवमेव जाव सरीरं। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ तं जहा–अण्णो जीवो अण्णं सरीरं। तम्हा ते मिच्छा॥ से हंता तं हणह खणह छणह डहह पयह आलुम्पह विलुम्पह सहसक्कारेह विपरामुसह, एयावया जीवे णत्थि परलोए। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा–किरिया इ वा अकिरिया इ वा सुक्कडे इ वा दुक्कडे इ वा कल्लाणे इ वा पावए इ वा साहु इ वा असाहु इ वा सिद्धी इ वा असिद्धी इ वा णिरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारंभंति

वुइए। एवमेयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से एवमेयं वुइयं॥८॥इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोगं उववण्णा। तंजहा--आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे रहस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं मणुयाणं एगे राया भवइ महया हिमवंतमलयमंदरमहिंदसारे अच्चंतविसुद्धरायकुलवंसप्पसूए णिरंतररायलक्खणविराइयंगमंगे बहुजणबहुमाण-पूइए सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुदिए मुद्धाभिसित्ते माउपिउसुजाए दयप्पिए सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे मणुस्सिंदे जणवयपिया जणवयपुरोहिए सेउ-करे केउकरे णरपवरे पुरिसपवरे पुरिससीहे पुरिसआसीविसे पुरिसवरपोण्डरीए पुरिसवरगंधहत्थी अड्ढे दित्ते वित्ते विच्छिण्णविउलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरयए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदास-गोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णकोसकोट्ठागाराउहागारे बलवं दुब्बलपच्चामित्ते ओहयकण्टयं णिहयकण्टयं मलियकण्टयं उद्धियकण्टयं अकण्टयं ओहयसत्तू णियहसत्तू मलियसत्तू उद्धियसत्तू णिज्जियसत्तू पराइयसत्तू ववगयदुब्भिक्खमारिभयविप्पमुक्कं (रायवण्णओ जहा उववाइए) जाव पसंतडिम्बडमरं रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तस्स णं रण्णो परिसा भवइ उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता इक्खागाइ इक्खागाइ-पुत्ता णाया णायपुत्ता कोरव्वा कोरव्वपुत्ता भट्टा भट्टपुत्ता माहणा माहणपुत्ता लेच्छइ लेच्छइपुत्ता पसत्थारो पसत्थपुत्ता सेणावई सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा वा माहणा वा संपहारिंसु गमणाए। तत्थ अण्णयरेणं धम्मेणं पण्णत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पण्णवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। तं जहा--उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए णो जीवए, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य णो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं णिज्जइ, अगणिझामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति आसंदीपंचमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ--अण्णो भवइ जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते एवं णो विपडिवे-देंति-अयमाउसो! आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे

त्ति वा चउरंसे त्ति वा आयए त्ति वा छलंसिए त्ति वा अट्ठंसे त्ति वा किण्हे त्ति वा णीले त्ति वा लोहियहालिद्दे त्ति वा सुक्किले त्ति वा सुब्भिगंधे त्ति वा दुब्भिगंधे त्ति वा तित्ते त्ति वा कडुए त्ति वा कसाए त्ति वा अम्बिले त्ति वा महुरे त्ति वा कक्खडे त्ति वा मउए त्ति वा गुरुए त्ति वा लहुए त्ति वा सीए त्ति वा उसिणे त्ति वा णिद्धे त्ति वा लुक्खे त्ति वा। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अण्णो जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते णो एवं उवलब्भंति। से जहाणामए–केइ पुरिसे कोसीओ असिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! असी अयं कोसी,एवमेव णत्थि केइ पुरिसे अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए केइ पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! मुंजे इयं इसियं,एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे मंसाओ अट्ठिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! मंसे अयं अट्ठी, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे करयलाओ आमलकं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! करयले अयं आमलए,एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए केइ पुरिसे दहीओ णवणीयं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! णवणीयं अयं तु दही,एवमेव णत्थि केइ पुरिसे जाव सरीरं। जे जहाणामए–केइ पुरिसे तिलेहिंतो तेल्लं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो तेल्लं अयं पिण्णाए, एवमेव जाव सरीरं। से जहाणामए--केइ पुरिसे इक्खूओ खोयरसं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! खोयरसे अयं छोए, एवमेव जाव सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे अरणीओ अग्गिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! अरणी अयं अग्गी, एवमेव जाव सरीरं। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ तं जहा–अण्णो जीवो अण्णं सरीरं। तम्हा ते मिच्छा॥ से हंता तं हणह खणह छणह डहह पयह आलुम्पह विलुम्पह सहसक्कारेह विपरामुसह, एयावया जीवे णत्थि परलोए। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा–किरिया इ वा अकिरिया इ वा सुक्कडे इ वा दुक्कडे इ वा कल्लाणे इ वा पावए इ वा साहु इ वा असाहु इ वा सिद्धी इ वा असिद्धी इ वा णिरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति

भोयणाए ॥ एवं एगे पागब्भिया णिक्खम्म मामगं धम्मं पण्णवेंति । तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा तं रोएमाणा साहु सुयक्खाए समणे त्ति वा माहणे त्ति वा कामं खलु आउसो ! तुमं पूययामि, तं जहा–असणेण वा पाणेण वा खाइमेण वा साइमेण वा वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुंछणेण वा । तत्थेगे पूयणाए समाउट्टिंसु तत्थेगे पूयणाए णिकाइंसु ॥ पुव्वमेव तेसिं णायं भवइ–समणा भविस्सामो अणगारा अकिंचणा अपुत्ता अपसू परदत्तभोइणो भिक्खुणो पावं कम्मं णो करिस्सामो समुट्ठाए । ते अप्पणा अप्पडिविरया भवंति, सयमाइयंति अण्णे वि आइयावेंति अण्णं वि आययंतं समणुजाणंति एवमेव ते इत्थिकामभोगेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववण्णा लुद्धा रागदोसवसट्टा । ते णो अप्पाणं समुच्छेदेंति ते णो परं समुच्छेदेंति ते णो अण्णाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समुच्छेदेंति, पहीणा पुव्वसंजोगं आयरियं मग्गं असंपत्ता इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । इइ पढमे पुरिसजाए तज्जीवतच्छरीरए त्ति आहिए ॥ ९ ॥

अहावरे दोच्चे पुरिसजाए पंचमहब्भूइए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोयं उववण्णा, तं जहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे एवं जाव दुरूवा वेगे । तेसिं च णं महं एगे राया भवइ महया एवं च्चेव णिरवसेसं जाव सेणावइपुत्ता । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए । तत्थ अण्णयरेणं धम्मेणं पण्णत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पण्णवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो ! जहा मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपण्णत्ते भवइ । इह खलु पंचमहब्भूया जेहिं णो विज्जइ किरिया त्ति वा अकिरिया त्ति वा सुक्कडे त्ति वा दुक्कडे त्ति वा कल्लाणे त्ति वा पावए त्ति वा साहु त्ति वा असाहु त्ति वा सिद्धि त्ति वा असिद्धि त्ति वा णिरए त्ति वा अणिरए त्ति वा अवि अंतसो तणमायमवि ॥ तं च पिहुद्देसेणं पुढोभूयसमवायं जाणेज्जा । तं जहा पुढवी एगे महब्भूए, आऊ दुच्चे महब्भूए, तेऊ तच्चे महब्भूए, वाऊ चउत्थे महब्भूए, आगासे पंचमे महब्भूए । इच्चेए पंच महब्भूया अणिम्मिया अणिम्माविया अकडा णो कित्तिमा णो कडगा अणाइया अणिहणा अवंझा अपुरोहिया सतंता सासया आयछट्ठा । पुण एगे एवमाहु–सओ णत्थि विणासो असओ णत्थि संभवो । एयावया व जीवकाए एयावया व अत्थिकाए एयावया व सव्वलोए, एयं मुहं लोगस्स

करणयाए, अवि अंतसो तणमायमवि। से किणं किणावेमाणे हणं घायमाणे पयं पयावेमाणे अवि अंतसो पुरिसमवि कीणित्ता घायइत्ता एत्थं पि जाणाहि णत्थित्थ दोसो। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति। तं जहा—किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए। एवमेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। दोच्चे पुरिसजाए पंचमहब्भूइए त्ति आहिए ॥१०॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोयं उववण्णा। तं जहा—आरिया वेगे जाव तेसिं च णं महंते एगे राया भवइ जाव सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए जाव जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। इह खलु धम्मा पुरिसाइया पुरिसोत्तरिया पुरिसप्पणीया पुरिससंभूया पुरिसपज्जोइया पुरिसमभिसमण्णागया पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—गण्डे सिया सरीरे जाए सरीरे संवुड्ढे सरीरे अभिसमण्णागए सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—अरई सिया सरीरे जाया सरीरे संवुड्ढा सरीरे अभिसमण्णागया सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति से जहाणामए—वम्मिए सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमण्णागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति, से जहाणामए—रुक्खे सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमण्णागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—पुक्खरिणी सिया पुढविजाया जाम पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—उदगपुक्खले सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—उदगबुब्बुए सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। जं पि य इमं समणाणं णिग्गंथाणं उद्दिट्ठं पणीयं वियंजियं दुवालसंगं गणिपिडगं, तं

जहा--आयारो सूयगडो जाव दिट्ठिवाओ, सव्वमेयं मिच्छा, ण एयं तहियं ण एयं आहातहियं, इमं सच्चं इमं तहियं इमं आहातहियं। ते एवं सण्णं कुव्वंति, ते एवं सण्णं संठवेंति, ते एवं सण्णं सोवट्ठवयंति। तमेवं ते तज्जाइयं दुक्खं णाइउट्टंति सउणी पंजरं जहा। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति तं जहा–किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा, एवामेव ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारम्भंति भोयणाए। एवामेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा एवं सद्दहमाणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए, अंतरा कामभोगेसु विसण्णे त्ति, तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिए॥ ११॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए णियइवाइए त्ति आहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ६ तहेव जाव सेणावइपुत्ता वा। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य संपहारिंसु गमणाए जाव मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। इह खलु दुवे पुरिसा भवंति–एगे पुरिसे किरियमाइक्खइ एगे पुरिसे णोकिरियमाइक्खइ। जे य पुरिसे किरियमाइक्खइ जे य पुरिसे णोकिरियमाइक्खइ दो वि ते पुरिसा तुल्ला एगट्ठा कारणमावण्णा। बाले पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारण-मावण्णे–अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा अहमेयमकासि, परो वा जं दुक्खइ वा सोयइ वा जूरइ वा तिप्पइ वा पीडइ वा परितप्पइ वा परो एवमकासि। एवं से बाले सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावण्णे। मेहावी पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारण-मावण्णे–अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा, णो अहं एवमकासि। परो वा जं दुक्खइ वा जाव परितप्पइ वा णो परो एवमकासि, एवं से मेहावी सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावण्णे। से बेमि पाईणं वा ६ जे तसथावरा पाणा ते एवं संघायमागच्छंति ते एवं विप्परियासमावज्जंति ते एवं विवेगमागच्छंति ते एवं विहाणमागच्छंति ते एवं संगइयंति उवेहाए। णो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा–किरिया इ वा जाव णिरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए। एवमेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा तं सद्दह-माणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। चउत्थे पुरिसजाए णियइवाइए त्ति आहिए॥ इच्चेए चत्तारि पुरिसजाया णाणापण्णा णाणा-

छंदा णाणासीला णाणादिट्ठी णाणारुई णाणारम्भा णाणाअज्झवसाणसंजुत्ता पहीण-पुव्वसंजोगा आरियं मग्गं असंपत्ता इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा काम-भोगेसु विसण्णा ॥१२॥ से बेमि पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति । तं जहा— आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे । तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाणि भवंति, तं जहा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा । तेसिं च णं जणजाणवयाइं परिग्गहियाइं भवंति, तं जहा अप्पयरा वा भुज्जयरा वा; तह-प्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म अभिभूय एगे भिक्खायरियाए समुट्ठिया । सओ वा वि एगे णायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया । असओ वा वि एगे णायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खाय-रियाए समुट्ठिया । [जे ते सओ वा असओ वा णायओ य अणायओ य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया] पुव्वमेवं तेहिं णायं भवइ । तं जहा— इह खलु पुरिसे अण्णमण्णं ममट्ठाए एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा--खेत्तं मे वत्थू मे हिरण्णं मे सुवण्णं मे धणं मे धण्णं मे कंसं मे दूसं मे विपुलधणकणगरयणमणि-मोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएयं मे । सद्दा मे रूवा मे गंधा मे रसा मे फासा मे । एए खलु मे कामभोगा अहमवि एएसिं । से मेहावी पुव्वामेव अप्पणो एवं समभिजाणेज्जा । तं जहा—इह खलु मम अण्णयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुण्णे अमणामे दुक्खे णो सुहे । से हंता भयंतारो ! कामभोगाइं मम अण्णयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयह अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं दुक्खं णो सुहं । ताऽहं दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा इमाओ मे अण्णयराओ दुक्खाओ रोयायं-काओ पडिमोयह अणिट्ठाओ अकंताओ अप्पियाओ असुभाओ अमणुण्णाओ अमणा-माओ दुक्खाओ णो सुहाओ । एवमेव णो लद्धपुव्वं भवइ । इह खलु कामभोगा णो ताणाए वा णो सरणाए वा । पुरिसे वा एगया पुव्विं कामभोगे विप्पजहइ, कामभोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहंति । अण्णे खलु कामभोगा अण्णो अहमंसि । से किमंग पुण वयं अण्णमण्णेहिं कामभोगेहिं मुच्छामो ? इइ संखाए णं वयं च कामभोगेहिं विप्पजहिस्सामो । से मेहावी जाणेज्जा बहिरंगमेयं इणमेव उवणीययरागं । तं जहा-

माया मे पिया मे भाया मे भगिणी मे भज्जा मे पुत्ता मे धूया मे पेसा मे णत्ता मे सुण्हा मे सुहा मे पिया मे सहा मे सयणसंगंथसंथुया मे । एए खलु मम णायओ अहमवि एएसिं । एवं से मेहावी पुव्वामेव अप्पणा एवं समभिजाणेज्जा । इह खलु मम अण्णयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव दुक्खे णो सहे । से हंता भयंतारो णायओ इमं मम अण्णयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयह अणिट्ठं जाव णो सुहं । ताऽहं दुक्खामि वा सोयामि वा जाव परितप्पामि वा, इमाओ मे अण्णयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ परिमोएह अणिट्ठाओ जाव णो सुहाओ, एवमेव णो लद्धपुव्वं भवइ । तेसिं वा वि भयंताराणं मम णाययाणं अण्णयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव णो सुहे, से हंता अहमेएसिं भयंताराणं णाययाणं इमं अण्णयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयामि अणिट्ठं जाव णो सुहं, मा मे दुक्खंतु वा जाव मा मे परितप्पंतु वा, इमाओ णं अण्णयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ परिमोएमि अणिट्ठाओ जाव णो सुहाओ, एवमेव णो लद्धपुव्वं भवइ । अण्णस्स दुक्खं अण्णो ण परियाइयइ अण्णेण कडं अण्णो णो पडिसंवेदेइ पत्तेयं जायइ पत्तेयं मरइ पत्तेयं चयइ पत्तेयं उववज्जइ पत्तेयं झंझा पत्तेयं सण्णा पत्तेयं मण्णा एवं विण्णू वेयणा । इइ खलु णाइसंजोगा णो ताणाए वा णो सरणाए वा । पुरिसे वा एगया पुव्विं णाइसंजोगे विप्पजहइ, णाइसंजोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहंति, अण्णे खलु णाइसंजोगा अण्णो अहमंसि, से किमंग पुण वयं अण्णमण्णेहिं णाइसंजोगेहिं मुच्छामो ? इइ संखाए णं वयं णाइसंजोगं विप्पजहिस्सामो । से मेहावी जाणेज्जा बहिरंगमेयं, इणमेव उवणीययरागं । तं जहा—हत्था मे पाया मे बाहा मे ऊरू मे उयरं मे सीसं मे सीलं मे आऊ मे बलं मे वण्णो मे तया मे छाया मे सोयं मे चक्खू मे घाणं मे जिब्भा मे फासा मे ममाइज्जइ, वयाउ पडिजूरइ । तं जहा—आउसो ! बलाओ वण्णाओ तयाओ छायाओ सोयाओ जाव फासाओ । सुसंधिओ संधी विसंधीभवइ, वलियतरंगे गाए भवइ, किण्हा केसा पलिया भवंति । तं जहा—जं पि य इमं सरीरगं उरालं आहारोवइयं एयं पि य अणुपुव्वेणं विप्पजहियव्वं भविस्सइ । एयं संखाए से भिक्खू भिक्खायरियाए समुट्ठिए दुहओ लोगं जाणेज्जा, तं जहा—जीवा चेव अजीवा चेव, तसा चेव थावरा चेव ॥ १३ ॥ इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे तसा थावरा

पाणा ते सयं समारभंति अण्णेण वि समारम्भावेंति अण्णं पि समारभंतं समणु-जाणंति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया, समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते सयं परि-गिण्हंति अण्णेण वि परिगिण्हावेंति अण्णं पि परिगिण्हंतं समणुजाणंति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, अहं खलु अणारम्भे अपरिग्गहे, जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, एएसिं चेव णिस्साए बम्भचेरवासं वसि-स्सामो। कस्स णं तं हेउं? जहा पुव्वं तहा अवरं जहा अवरं तहा पुव्वं, अंजू एए अणुवरया अणुवट्ठिया पुणरवि तारिसगा चेव। जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, दुहओ पावाइं कुव्वंति इति संखाए दोहि वि अंतेहिं अदिस्समाणो इति भिक्खू रीएज्जा। से बेमि पाईणं वा ६ जाव एवं से परिण्णायकम्मे, एवं से ववेयकम्मे, एवं से विअंतकारए भवइ त्ति मक्खायं॥ १४॥ तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता। तं जहा—पुढवीकाए जाव तसकाए। से जहाणामए—मम असायं दण्डेण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आउट्टिज्जमाणस्स वा हम्ममाणस्स वा तज्जिज्ज-माणस्स वा ताडिज्जमाणस्स वा परियाविज्जमाणस्स वा किलामिज्जमाणस्स वा उद्द-विज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वे पाणा सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आउट्टिज्जमाणा वा हम्ममाणा वा तज्जिज्जमाणा वा ताडिज्जमाणा वा परिया-विज्जमाणा वा किलामिज्जमाणा वा उद्दविज्जमाणा वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति। एवं णच्चा सव्वे पाणा जाव सत्ता ण हंतव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परिघेयव्वा ण परितावेयव्वा ण उद्दवेयव्वा। से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पण्णा जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता ण हंतव्वा ण परि-घेयव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परितावेयव्वा ण उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे णीइए सासए समिच्च लोगं खेयण्णेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाईवायाओ जाव विरए परिग्गहाओ णो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा णो अंजणं णो वमणं

णो धूवणे णो तं परिआविएज्जा ॥ से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे अमाणे अमाए अलोहे उवसंते परिणिव्वुडे णो आसंसं पुरओ करेज्जा इमेण मे दिट्ठेण वा सुएण वा मएण वा विण्णाएण वा इमेण वा सुचरियतवणियमबम्भचेरवासेण इमेण वा जायामायावुत्तिएणं धम्मेणं इओ चुए पेच्चा देवे सिया कामभोगाण वस-वत्ती सिद्धे वा अदुक्खमसुभे एत्थ वि सिया एत्थ वि णो सिया । से भिक्खू सद्देहिं अमुच्छिए रूवेहिं अमुच्छिए गंधेहिं अमुच्छिए रसेहिं अमुच्छिए फासेहिं अमुच्छिए विरए कोहाओ माणाओ मायाओ लोभाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खा-णाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरइरईओ मायामोसाओ मिच्छादंसणसल्लाओ इति से महओ आया णाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू । जे इमे तसथावरा पाणा भवंति ते णो सयं समारम्भइ णो वण्णेहिं समारम्भावेइ अण्णे समारम्भंते वि ण समणुजाणइ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू जे इमे कामभोगा सच्चित्ता वा अचित्ता वा ते णो सयं परिगिण्हंति णो अण्णेणं परिगिण्हावेंति अण्णं परिगिण्हंतंपि ण समणुजाणंति इति से महओ आया-णाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरओ से भिक्खू । जं पि य इमं संपराइयं कम्मं किज्जइ, णो तं सयं करेइ णो अण्णाणं कारवेइ अण्णं पि करेंतं ण समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए । से भिक्खू जाणेज्जा असणं वा ४ अस्सिं पडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टुद्देसियं तं चेइयं सिया तं णो सयं भुंजइ णो अण्णेणं भुंजावेइ अण्णं पि भुंजंतं ण समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए । से भिक्खू अह पुण एवं जाणेज्जा तं विज्जइ तेसिं परक्कमे । (जस्सट्ठा ते चेइयं सिया तंजहा अप्पणो पुत्ताइ-णट्ठाए जाव आएसाए पुढो पहेणाए सामासाए पायरासाए संणिहिसंणिचओ किज्जइ इह एएसिं माणवाणं भोयणाए) तत्थ भिक्खू परकडं परणिट्ठियमुग्गमुप्पाय-णेसणासुद्धं सत्थाईयं सत्थपरिणामियं अविहिंसियं एसियं वेसियं सामुदाणियं पत्तमसणं कारणट्ठा पमाणजुत्तं अक्खोवंजणवणलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहारेज्जा अण्णं अण्णकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले । से भिक्खू मायण्णे अण्णयरं दिसं

अणुदिसं वा पडिवण्णे धम्मं आइक्खे विभए किट्टे उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिविरइं उवसमं णिव्वाणं सोयवियं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवाइयं सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं जाव सत्ताणं अणुवाई किट्टए धम्मं। से भिक्खू धम्मं किट्टमाणे णो अण्णस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो पाणस्स हीउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो वत्थस्स हेउं, धम्ममाइक्खेज्जा, णो लेणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो सयणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो अण्णेसिं विरूवरूवाणं कामभोगाणं हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, अगिलाए धम्ममाइक्खेज्जा, णण्णत्थ कम्मणिज्जरट्ठाए धम्ममाइक्खेज्जा। इह खलु तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया। जे तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म सम्मं उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया ते एवं सव्वोवगया ते एवं सव्वोवरया ते एवं सव्वोवसंता ते एवं सव्वत्ताए परिणिव्वुडे त्ति बेमि। एवं से भिक्खू धम्मट्ठी धम्मविऊ णियागपडिवण्णे से जहेयं बुइयं अदुवा पत्ते पउमवरपोण्डरीयं, अदुवा अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं, एवं से भिक्खू परिण्णायकम्मे परिण्णाय संगे परिण्णायगेहवासे उवसंते समिए सहिए सयाजए। सेयं वयणिज्जे तं जहा—समणे त्ति वा माहणे त्ति वा खंते त्ति वा दंते त्ति वा गुत्ते त्ति वा मुत्ते त्ति वा इसि त्ति वा मुणि त्ति वा कइ त्ति वा विउ त्ति वा भिक्खू त्ति वा लूहे त्ति वा तीरट्ठि त्ति वा चरणकरणपारविउ त्ति बेमि॥ १५॥

॥ किरियाठाण णाम बीअं अज्झयणं ॥

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु किरियाठाणे णामज्झयणे पण्णत्ते, तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु संजूहेणं दुवे ठाणे एवमाहिज्जंति। तं जहा। धम्मे चेव अधम्मे चेव उवसंते चेव अणुवसंते चेव। तत्थ णं जे से पढमस्स ठाणस्स अहम्मपक्खस्स विभंगे तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते। इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—आरिया वेगे आणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं इमं एयारूवं दण्डसमादाणं संपेहाए। तं जहा--णेरइएसु वा तिरिक्खजोणिएसु वा मणुस्सेसु वा देवेसु वा जे यावण्णे तहप्पगारा पाणा विण्णू वेयणं वियंति॥ तेसिं पि य णं इमाइं तेरस किरियाठाणाइं भवंतीतिमक्खायं।

तं जहा--अट्ठादण्डे १, अणट्ठादण्डे २, हिंसादण्डे ३, अकम्हादण्डे ४ दिट्ठिविपरियासियादण्डे ५, मोसवत्तिए ६, अदिण्णवत्तिए ७, अज्झत्थवत्तिए ८, माणवत्तिए ९, मित्तदोसवत्तिए, १०, मायावत्तिए ११, लोभवत्तिए १२, इरियावहिए १३ ॥ १ ॥ पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा णाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा मित्तहेउं वा णागहेउं वा भूयहेउं वा जक्खहेउं वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव णिसिरइ अण्णेण वि णीसिरावेइ अण्णं पि णिसिरंतं समणुयाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ २ ॥ अहावरे दोच्चे दण्डमादाणे अणट्ठदण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए-केइ पुरिसे जे इमे तसा पाणा भवंति ते णो अच्चाए णो अजिणाए णो मंसाए णो सोणियाए एवं हिययाए पित्ताए वसाए पिच्छाए पुच्छाए वालाए सिंगाए विसाणाए दंताए दाढाए णहाए ण्हारुणिए अट्ठीए अट्ठिमंजाए णो हिंसिंसु मे त्ति णो हिंसंति मे त्ति णो हिंसिस्संति मे त्ति णो पुत्तपोसणाए णो पसुपोसणाए णो अगारपरिवूहणयाए णो समणमाहणवत्तणाहेउं णो तस्स सरीरगस्स किंचि विप्परियाइत्ता भवंति। से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं बाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे। से जहाणामए केइ पुरिसे जे इमे थावरा पाणा भवंति। तं जहा-इक्कडा इ वा कडिणा इ वा जंतुगा इ वा परगा इ वा मोक्खा इ वा तणा इ वा कुसा इ वा कुच्छगा इ वा पव्वगा इ वा पलाला इ वा, ते णो पुत्तपोसणाए णो पसुपोसणाए णो अगारपरिवूहणयाए णो समणमाहणपोसणयाए णो तस्स सरीरगस्स किंचि विपरियाइत्ता भवंति। से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं बाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे ॥ से जहाणामए केइ पुरिसे कच्छंसि वा दहंसि वा उदगंसि वा दवियंसि वा वलयंसि णूमंसि वा गहणंसि वा गहणविदुग्गंसि वा वणंसि वा वणविदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वयविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय ऊसविय सयमेव अगणिकायं णिसिरइ अण्णेण वि अगणिकायं णिसिरावेइ अण्णं पि अगणिकायं णिसिरंतं समणुजाणइ अणट्ठादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ ३ ॥ अहावरे तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति

आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे ममं वा ममिं वा अण्णं वा अण्णिं वा हिंसिंसु वा हिंसइ वा हिंसिस्सइ वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव णिसिरइ अण्णेण वि णिसिरावेइ अण्णं पि णिसिरंतं समणुजाणइ हिंसादण्डे, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ ४ ॥ अहावरे चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवत्तिए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिय त्ति काउं अण्णयरस्स मियस्स वहाए उसुं आयामेत्ता णं णिसिरेज्जा, स मियं वहिस्सामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा चडगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविं वा कविंजलं वा विंधित्ता भवइ, इह खलु से अण्णस्स अट्ठाए अण्णं फुसइ अकम्हादण्डे। से जहाणामए केइ पुरिसे सालीणि वा वीहीणि वा कोद्दवाणि वा कंगूणि वा परगाणि वा रालाणि वा णिलिज्जमाणे अण्णयरस्स तणस्स वहाए सत्थं णिसिरेज्जा, से सामगं तणगं कुमुदुगं वीहीऊसियं कलेसुयं तणं छिंदिस्सामि त्ति कट्टु सालिं वा वीहिं वा कोद्दवं वा कंगुं वा परगं वा रालयं वा छिंदित्ता भवइ। इति खलु से अण्णस्स अट्ठाए अण्णं फुसइ अकम्हादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं आहिज्जइ। चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए आहिए ॥५॥ अहावरे पंचमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भगिणीहिं वा भज्जाहिं वा पुत्तेहिं वा धूयाहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे मित्त अमित्तमेव मण्णमाणे मित्ते हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे। से जहाणामए—केइ पुरिसे गामघायंसि वा णगरघायंसि वा खेडघायंसि कब्बडघायंसि मडंबघायंसि वा दोणमुहघायंसि वा पट्टणघायंसि वा आसमघायंसि वा संणिवेसघायंसि वा णिग्गमघायंसि वा रायहाणिघायंसि वा अतेणं तेणमिति मण्णमाणे अतेणे हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पंचमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ ६ ॥ अहावरे छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे आयहेउं वा णाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा सयमेव मुसं वयइ अण्णेण वि मुसं वाएइ मुसं वयंतं पि अण्णं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए

त्ति आहिए॥७॥अहावरे सत्तमे किरियट्ठाणे अदिण्णादाणवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए–केइ पुरिसे आयहेउं वा जाव परिवारहेउं वा सयमेव अदिण्णं आदियइ अण्णेणं वि अदिण्णं आदियावेइ अदिण्णं आदियंतं अण्णं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। सत्तमे किरियट्ठाणे अदिण्णादाणवत्तिए त्ति आहिए ॥८॥ अहावरे अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए–केइ पुरिसे णत्थि णं केइ किंचि विसंवादेइ सयमेव हीणे दीणे दुट्ठे दुम्मणे ओहयमणसंकप्पे चिंतासोगसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठिए झियाइ, तस्स णं अज्झत्थया आसंसइया चत्तारि ठाणा एवमाहिज्जंति। तं जहा–कोहे माणे माया लोहे। अज्झत्थमेव कोहमाणमायालोहे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिए ॥९॥ अहावरे णवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए–केइ पुरिसे जाइमएण वा कुलमएण वा बलमएण वा रूवमएण वा तवमएण वा सुयमएण वा लाभमएण वा इस्सरियमएण वा पण्णामएण वा अण्णयरेण वा मयट्ठाणेणं मत्ते समाणे परं हीलेइ णिंदेइ खिंसइ गरहइ परिभवइ अवमण्णेइ, इत्तरिए अयं, अहमंसि पुण विसिट्ठजाइकुलबलाइगुणोववेए। एवं अप्पाणं समुक्कस्से, देहच्चुए कम्मबिइए अवसे पयाइ। तं जहा–गब्भाओ गब्भं ४ जम्माओ जम्मं माराओ मारं णरगाओ णरगं चण्डे थद्धे चवले माणी यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। णवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिए ॥१०॥ अहावरे दसमे किरियट्ठाणे मित्तदोसवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए–केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भइणीहिं वा भज्जाहिं वा धूयाहिं वा पुत्तेहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे तेसिं अण्णयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं णिवत्तेइ। तं जहा–सीओदगवियडंसि वा कायं उच्छोलित्ता भवइ, उसिणोदगवियडेण वा कायं ओसिंचित्ता भवइ, अगणिकायेणं कायं उवडहित्ता भवइ, जोत्तेण वा वेत्तेण वा णेत्तेण वा तयाइ वा [कण्णेण वा छियाए वा] लयाए वा (अण्णयरेण वा दवरएण) पासाइं उद्दालित्ता भवइ, दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा कायं आउट्टित्ता भवइ। तहप्पगारे पुरिसजाए संवसमाणे दुम्मणा भवइ, पवसमाणे सुमणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दण्डपासी

दण्डगुरुए दण्डपुरक्कडे अहिए इमंसि लोगंसि अहिए परंसि लोगंसि संजलणे कोहणे पिट्ठिमंसी यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दसमे किरियट्ठाणे मित्तदोसवत्तिए त्ति आहिए ॥ ११ ॥ अहावरे एक्कारसमे किरियट्ठाणे मायावत्तिए त्ति आहिज्जइ। जे इमे भवंति—गूढायारा तमोकसिया उलुगपत्तलहुया पव्वयगुरुया ते आरिया वि संता अणारियाओ भासाओ वि पउज्जंति, अण्णहासंतं अप्पाणं अण्णहा मण्णंति, अण्णं पुट्ठा अण्णं वागरंति, अण्णं आइक्खियव्वं अण्णं आइक्खंति। से जहाणामए केइ पुरिसे अंतोसल्ले तं सल्लं णो सयं णिहरइ णो अण्णे णिहरावेइ णो पडिविद्धंसेइ, एवमेव णिण्हवेइ, अविउट्टमाणे अंतोअंतो रियइ, एवमेव माई मायं कट्टु णो आलोएइ णो पडिक्कमेइ णो णिंदइ णो गरहइ णो विउट्टइ णो विसोहेइ णो अकरणाए अब्भुट्ठेइ णो अहारिहं तवोकम्मं पायच्छित्तं पडिवज्जइ, माई अस्सिं लोए पच्चायाइ माई परंसि लोए पुणो पुणो पच्चायाइ णिंदइ गरहइ पसंसइ णिच्चरइ ण णियट्टइ णिसिरियं दण्डं छाएइ, माइ असमाहडसुलेस्से यावि भवइ ! एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। एक्कारसमे किरियट्ठाणे मायावत्तिए त्ति आहिए ॥ १२ ॥ अहावरे बारसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिज्जइ। जे इमे भवंति, तं जहा—आरण्णिया आवसहिया गामंतिया कण्हुईरहस्सिया णो बहुसंजया णो बहुपडिविरया सव्वपाण-भूयजीवसत्तेहिं ते अप्पणो सच्चामोसाइं एवं विउंजंति। अहं ण हंतव्वो, अण्णे हंतव्वा, अहं ण अज्जावेयव्वो, अण्णे अज्जावेयव्वा, अहं ण परिघेयव्वो, अण्णे परिघेयव्वा, अहं ण परितावेयव्वो, अण्णे परितावेयव्वा, अहं ण उद्दवेयव्वो, अण्णे उद्दवेयव्वा, एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया गरहिया अज्झोववण्णा जाव वासाइं चउपंचमाइं छद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा भुंजित्तु भोगभोगाइं कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु आसुरिएसु किब्बिसिएसु ठाणेसु उव-वत्तारो भवंति। तओ विप्पमुच्चमाणे भुज्जो भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए जाइमूय-त्ताए पच्चायंति। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दुवालसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिए। इच्चेयाइं दुवालस किरियट्ठाणाइं दविएणं समणेण वा माहणेण वा सम्मं सुपरिजाणियव्वाइं भवंति॥ १३ ॥ अहावरे तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ। इह खलु अत्तत्ताए संवुडस्स अणगारस्स

इरियासमियस्स भासासमियस्स एसणासमियस्स आयाणभण्डमत्तणिक्खेवणासमियस्स उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमियस्स मणसमियस्स वयसमियस्स कायसमियस्स मणगुत्तस्स वयगुत्तस्स कायगुत्तस्स गुत्तिंदियस्स गुत्तबम्भयारिस्स आउत्तं गच्छमाणस्स आउत्तं चिट्ठमाणस्स आउत्तं णिसीयमाणस्स अउत्तं तुयट्ट-माणस्स आउत्तं भुंजमाणस्स आउत्तं भासमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कम्बलं पायपुंछणं गिण्हमाणस्स वा णिक्खिवमाणस्स वा जाव चक्खुपम्हणिवायमवि अत्थि विमाया सुहुमा किरिया इरियावहिया णाम कज्जइ। सा पढमसमए बद्धा पुट्ठा बिईयसमए वेइया तइयसमए णिज्जिण्णा सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया णिज्जिण्णा सेयकाले अकम्मे यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ, तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ। से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पण्णा जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एयाइं चेव तेरस किरिय-ट्ठाणाइं भासिंसु वा भासेंति वा भासिस्संति वा पण्णविंसु वा पण्णवेंति वा पण्ण-विस्संति वा, एवं चेव तेरसमं किरियट्ठाणं सेविंसु वा सेवंति वा सेविस्संति वा ॥१४॥

अदुत्तरं च णं पुरिसविजयं विभंगमाइक्खिस्सामि। इह खलु णाणापण्णाणं णाणा-छंदाणं णाणासीलाणं णाणादिट्ठीणं णाणारुईणं णाणारम्भाणं णाणाज्झवसाणसंजुत्ताणं णाणाविहपावसुयज्झयणं एवं भवइ। तं जहा—भोमं उप्पायं सुविणं अंतलिक्खं अंगं सरं लक्खणं वंजणं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं मेण्ढलक्खणं कुक्कुडलक्खणं तित्तिरलक्खणं वट्टगलक्खणं लावयलक्खणं चक्क-लक्खणं छत्तलक्खणं चम्मलक्खणं दण्डलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कागि-णिलक्खणं सुभगाकरं दुब्भगाकरं गब्भाकरं मोहणकरं आहव्वणिं पागसासणिं दव्व-होमं खत्तियविज्जं चंदचरियं सूरचरियं सुक्कचरियं बहस्सइचरियं उक्कापायं दिसा-दाहं मियचक्कं वायसपरिमण्डलं पंसुवुट्ठिं केसवुट्ठिं मंसवुट्ठिं रुहिरवुट्ठिं वेयालिं अद्ध-वेयालिं ओसोवणिं तालुग्घाडणिं सोवागिं सोवारिं दामिलिं कालिंगिं गोरिं गंधारिं ओवयणिं उप्पयणिं जम्भणिं थम्भणिं लेसणिं आमयकरणिं विसल्लकरणिं पक्कमणिं अंतद्धाणिं आयमिणिं, एवमाइयाओ विज्जाओ अण्णस्स हेउं पउंजंति पाणस्स हेउं पउंजंति वत्थस्स हेउं पउंजंति लेणस्स हेउं पउंजंति सयणस्स हेउं पउंजंति, अण्णेसिं वा विरूवरूवाणं कामभोगाण हेउं पउंजंति। तिरिच्छं ते विज्जं सेवंति, ते अणारिया

विप्पडिवण्णा कालमासे कालं किच्चा अण्णयराइं आसुरियाइं किव्विसियाइं ठाणाइं उववत्तारो भवंति। तओ वि विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूययाए तमअंधयाए पच्चायंति ॥ १५ ॥ से एगइओ आयहेउं वा णायहेउं वा सयणहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा णायगं वा सहवासियं वा णिस्साए अदुवा अणुगामिए १ अदुवा उवचरए २ अदुवा पडिपहिए ३ अदुवा संधिच्छेयए ४ अदुवा गण्ठिच्छेयए ५ अदुवा उरब्भिए ६ अदुवा सोवरिए ७ अदुवा वागुरिए ८ अदुवा साउणिए ९ अदुवा मच्छिए १० अदुवा गोघायए ११ अदुवा गोवालए १२ अदुवा सोवणिए १३ अदुवा सोवणियंतिए १४। एगइओ आणुगामियभावं पडिसंधाय तमेव अणुगामियाणुगामियं हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ, इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ उवचरयभावं पडिसंधाय तमेव उवचरियं हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ। इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ पाडिपहियभावं पडिसंधाय तमेव पडिपहे ठिच्चा हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ, इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ संधिच्छेदगभावं पडिसंधाय तमेव संधिं छेत्ता भेत्ता जाव इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गण्ठिच्छेयगभावं पडिसंधाय तमेव गण्ठिं छेत्ता भेत्ता जाव इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ उरब्भियभावं पडिसंधाय उरब्भं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। (एसो अभिलावो सव्वत्थ) से एगइओ सोयरियभावं पडिसंधाय महिसं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ वागुरियभावं पडिसंधाय मियं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सउणियभावं पडिसंधाय सउणिं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ मच्छियभावं पडिसंधाय मच्छं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गोघायभावं पडिसंधाय तमेव गोणं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गोवालभावं पडिसंधाय तमेव गोवालं वा परिजविय परिजविय हंता जाव उव-

क्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियभावं पडिसंधाय तमेव सुणगं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियंतियभावं पडिसंधाय तमेव मणुस्सं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव आहारं आहारेइ इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ ॥ १६ ॥ से एगइओ परिसामज्झाओ उट्ठित्ता अहमेयं हणामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविंजलं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं सस्साइं झामेइ अण्णेण वि अगणिकाएणं सस्साइं झामावेइ अगणिकाएणं सस्साइं झामंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अण्णेण वि कप्पावेइ कप्पंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा गोणसालाओ वा घोडगसालाओ वा गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाए पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ अण्णेण वि झामावेइ झामंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा कुण्डलं वा मणिं वा मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ अण्णेण वि अवहरावेइ अवहरंतं पि अण्णं समणुजाणइ इइ से महया जाव भवइ ॥ से एगइओ केणइ वि आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा भण्डगं वा मत्तगं वा लट्ठिं वा भिसिगं वा चेलगं वा चिलिमिलिगं वा चम्मयं वा छेयणगं वा चम्मकोसियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ, इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ ॥ से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं ओसहीओ झामेइ जाव अण्णं पि झामंतं समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अण्णेण वि कप्पावेइ अण्णं पि कप्पंतं समणुजाणइ। से एगइओ

णो विइगिंछइ, तं जहा–गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा जाव गद्भसालाओ वा कण्टकबोंदियाहिं पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा–गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा जाव मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ णो विइगिंछइ तं जहा–समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा जाव चम्मछेयणगं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ समणं वा माहणं वा दिस्सा णाणाविहेहिं पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ, अदुवा णं अच्छराए आफालित्ता भवइ, अदुवा णं फरुसं वदित्ता भवइ, कालेण वि से अणुपविट्ठस्स असणं वा पाणं वा जाव णो दवावेत्ता भवइ, जे इमे भवंति वोणमंता भारकंता अलसगा वसलगा किवणगा समणगा णिउज्झमा वणगा पव्वयंति ते इणमेव जीवियं धिज्जीवियं संपडिबूहेंति, णाइ ते परलोगस्स अट्ठाए किंचि वि सिलीसंति, ते दुक्खंति ते सोयंति ते जूरंति ते तिप्पंति ते पिट्टंति ते परितप्पंति ते दुक्खणजूरणसोयणतिप्पणपिट्टणपरितिप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। ते महया आरम्भेण ते महया समारम्भेण ते महया आरम्भसमारम्भेण विरूवरूवेहिं पावकम्मकिच्चेहिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजित्तारो भवंति। तं जहा–अण्णं अण्णकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले सपुव्वावरं च णं ण्हाए कयबलिकम्मे, कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सिरसा ण्हाए कण्ठेमालाकडे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियमालामउली पडिबद्धसरीरे वग्घारियसोणिसुत्तगमल्लदामकलावे अहयवत्थपरिहिए चंदणोक्खित्तगायसरीरे महइमहालियाए कूडागारसालाए महइमहालयंसि सीहासणंसि इत्थीगुम्मसंपरिवुडे सव्वराइएणं जोइणा झियायमाणेणं महयाहयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तस्स णं एगमवि आणवेमाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति। भणह देवाणुप्पिया किं करेमो? किं आहरेमो? किं उवणेमो? किं आचिट्ठामो? किं भे हियं इच्छियं? किं भे आसगस्स सयइ? तमेव पासित्ता अणारिया एवं वयंति– देवे खलु अयं पुरिसे, देवसिणाए खलु अयं पुरिसे, देवजीवणिज्जे खलु अयं पुरिसे, अण्णे वि य णं उवजीवंति। तमेव पासित्ता आरिया वयंति—अभिकंत-

कूरकम्मे खलु अयं पुरिसे अइधुए अइयायरक्खे दाहिणगामिए णेरइए कण्ह-पक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहियाए यावि भविस्सइ। इच्चेयस्स ठाणस्स उट्ठिया वेगे अभिगिज्झंति अणुट्ठिया वेगे अभिगिज्झंति अभिझंझाउरा वेगे अभि-गिज्झंति। एस ठाणे अणारिए अकेवले अप्पडिपुण्णे अणेयाउए असंसुद्धे असल्ल-गत्तणे असिद्धिमग्गे अमुत्तिमग्गे अणिव्वाणमग्गे अणिज्जाणमग्गे असव्वदुक्खपहीण-मग्गे एगंतमिच्छे असाहु। एस खलु पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए ॥ १७ ॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाइं भवंति, एसो आलावगो जहा पोण्डरीए तहा णेयव्वो, तेणेव अभिलावेण जाव सव्वोवसंता सव्वत्ताए परिणिव्वुडे त्ति बेमि ॥ एस ठाणे आरिए केवले जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहु। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए ॥१८॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। जे इमे भवंति आरण्णिया आवसहिया गामणियंतिया कण्हुईरह-स्सिया जाव ते तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए पच्चायंति। एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू। एस खलु तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभंगे एवमाहिए ॥ १९ ॥ अहावरे पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति—गिहत्था महिच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अधम्मिया अधम्माणुया अधम्मिट्ठा अधम्मक्खाई अधम्मपायजीविणो अधम्मपलोई अधम्मपलज्जणा अधम्मसीलसमुदायारा अधम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति। हण छिंद भिंद विगत्तगा लोहियपाणी चण्डा रुद्दा खुद्दा साहस्सिया उक्कुंचणवंचणमायाणियडि-कूडकवडसाइसंपओगबहुला दुस्सीला दुव्वया दुप्पडियाणंदा असाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडि-विरया जावज्जीवाए सव्वाओ कोहाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडिविरया, सव्वाओ ण्हाणुम्मद्दणवण्णगंधविलेवणसद्दफरिसरसरूवगंधमल्लालंकाराओ अप्पडि-

डिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसियासंदमाणिया-सयणासणजाणवाहणभोगभोयणपवित्थरविहीओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कयविक्कयमासद्धमासरूवगसंववहाराओ अप्पडिविरया, जावज्जीवाए सव्वाओ हिरण्णसुवण्णधणधण्णमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कूडतुलकूडमाणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ आरम्भसमा-रम्भाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ करणकारावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ पयणपयावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कुट्टण-पिट्टणतज्जणताडणवहबंधपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए। जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता परपाणपरियावणकरा जे अणारिएहिं कज्जंति तओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए। से जहाणामए केइ पुरिसे कलममसूरतिल-मुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगपलिमंथगमादिएहिं अयंते कूरे मिच्छादण्डं पउंजंति, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए तित्तिरवट्टगलावगकवोयकविंजलमियमहिस-वराहगाहगोहकुम्मसिरिसिवमाइएहिं अयंते कूरे मिच्छादण्डं पउंजंति जा वि य से बाहिरिया परिसा भवइ, तं जहा—दासे इ वा पेसे इ वा भयए इ वा भाइल्ले इ वा कम्मकरए इ वा भोगपुरिसे इ वा तेसिं पि य णं अण्णयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं णिवत्तेइ। तं जहा—इमं दण्डेह इमं मुण्डेह इमं तज्जेह इमं तालेह इमं अदुयबंधणं करेह इमं णियलबंधणं करेह इमं हडिबंधणं करेह इमं चारगबंधणं करेह इमं णियलजुयलसंकोचियमोडियं करेह इमं हत्थच्छि-ण्णयं करेह इमं पायच्छिण्णयं करेह इमं कण्णछिण्णयं करेह इमं णक्कओट्ठसीसमुह-च्छिण्णयं करेह वेयगच्छहियं अंगच्छहियं पक्खाफोडियं करेह इमं णयणुप्पाडियं करेह इमं दंसणुप्पाडियं वसणुप्पाडियं जिब्भुप्पाडियं ओलम्बियं करेह घसियं करेह घोलियं करेह सूलाइयं करेह सूलाभिण्णयं करेह खारवत्तियं करेह वज्झवत्तियं करेह सीहपुच्छियगं करेह वसभपुच्छियगं करेह दवग्गिदड्ढयंगं कागणिमंसखावियंगं भत्त-पाणणिरुद्धगं इमं जावज्जीवं वहबंधणं करेह इमं अण्णयरेणं असुभेणं कुमारेणं मारेह। जा वि य से अब्भितरिया परिसा भवइ, तं जहा—माया इ वा पिया इ वा भाया इ वा भगिणी इ वा भज्जा इ वा पुत्ता इ वा धूया इ वा सुण्हा इ वा, तेसिं पि य णं अण्णयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं णिवत्तेइ, सीओदगवियडंसि

उच्छोलित्ता भवइ जहा मित्तदोसवत्तिए जाव अहिए परंसि लोगंसि। ते दुक्खंति सोयंति जूरंति तिप्पंति पिट्टंति परितप्पंति ते दुक्खणसोयणजूरणतिप्पणपिट्टण-परितप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववण्णा जाव वासाइं चउपंचमाइं छद्दसमाइं वा अप्प-यरो वा भुज्जयरो वा कालं भुंजित्तु भोगभोगाइं पविसुइत्ता वेरायतणाइं संचिणित्ता बहूइं पावाइं कम्माइं उस्सण्णाइं संभारकडेण कम्मुणा से जहाणामए अयगोले इ वा सेलगोले इ वा उदगंसि पक्खित्ते समाणे उदगयलमइवइत्ता अहे धरणियलपइट्ठाणे भवइ, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए वज्जबहुले धूयबहुले पंकबहुले वेरबहुले अप्प-त्तियबहुले दम्भबहुले णियडिबहुले साइबहुले अयसबहुले उस्सण्णतसपाणघाई काल-मासे कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे णरगयलपइट्ठाणे भवइ ॥ २० ॥ ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया णिच्चंधकारतमसा ववगय-गहचंदसूरणक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसामंसरुहिरपूयपडलचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणयला असुई वीसा परमदुब्भिगंधा कण्हा अगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा णरगा असुभा णरएसु वेयणाओ ॥ णो चेव णरएसु णेरइया णिद्दायंति वा पयलायंति वा सुइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभंते ते णं तत्थ उज्जलं विउलं पगाढं कडुयं कक्कसं चण्डं दुक्खं दुग्गं तिव्वं दुरहियासं णेरइया वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ २१ ॥ से जहाणामए रुक्खे सिया पव्वयग्गे जाए मूले छिण्णे अग्गे गरुए जओ णिण्णं जओ विसमं जओ दुग्गं तओ पवडइ, एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए गब्भाओ गब्भं जम्माओ जम्मं माराओ मारं णरगाओ णरगं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिए णेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहिए यावि भवइ। एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्ख-पहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू। पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एव-माहिए ॥ २२ ॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—अणारम्भा अप-रिग्गहा धम्मिया धम्माणुया धम्मिट्ठा जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा सुसाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ पडि-विरया जावज्जीवाए जाव जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा

परपाणपरियावणकरा कज्जंति तओ वि पडिविरया जावज्जीवाए ॥ से जहाणामए—अणगारा भगवंतो इरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभण्डमत्तणिक्खेवणासमिया उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपरिट्ठावणियासमिया मणसमिया वयसमिया कायसमिया मणगुत्ता वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिंदिया गुत्तबम्भयारी अकोहा अमाणा अमाया अलोभा संता पसंता उवसंता परिणिव्वुडा अणासवा अग्गंथा छिण्णसोया णिरुवलेवा कंसपाइ व्व मुक्कतोया संखो इव णिरंजणा जीव इव अपडिहयगई गगणतलं पिव णिरालम्बणा वाउरिव अपडिबद्धा सारदसलिलं व सुद्धहियया पुक्खरपत्तं व णिरुवलेवा कुम्मो इव गुत्तिंदिया विहग इव विप्पमुक्का खग्गिविसाणं व एगजाया भारण्डपक्खी व अप्पमत्ता कुंजरो इव सोण्डीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा मंदरो इव अप्पकम्पा सागरो इव गम्भीरा चंदो इव सोमलेसा सूरो इव दित्ततेया जच्चकंचणगं व जायरूवा वसुंधरा इव सव्वफासविसहा सुहुयहुयासणो विय तेयसा जलंता । णत्थि णं तेसिं भगवंताणं कत्थ वि पडिबंधे भवइ । से पडिबंधे चउव्विहे पण्णत्ते । तं जहा—अण्डए इ वा पोयए इ वा उग्गहे इ वा पग्गहे इ वा जं णं जं णं दिसं इच्छंति तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धा सुइभूया लहुभूया अप्पग्गंथा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ तेसिं णं भगवंताणं इमा एयारूवा जायामायावित्ती होत्था । तं जहा—चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउदसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए तिमासिए चउम्मासिए पंचमासिए छम्मासिए अदुत्तरं च णं उक्खित्तचरया णिक्खित्तचरया उक्खित्तणिक्खित्तचरया अंतचरगा पंतचरगा लूहचरगा समुदाणचरगा संसट्ठचरगा असंसट्ठचरगा तज्जायसंसट्ठचरगा दिट्ठलाभिया अदिट्ठलाभिया पुट्ठलाभिया अपुट्ठलाभिया भिक्खलाभिया अभिक्खलाभिया अण्णायचरगा उवणिहिया संखादत्तिया परिमियपिण्डवाइया सुद्धेसणिया अंताहारा पंताहारा अरसाहारा विरसाहारा लूहाहारा तुच्छाहारा अंतजीवी पंतजीवी आयम्बिलिया पुरिमड्ढिया णिव्विगइया अमज्जमंसासिणो णो णियामरसभोई ठाणाइया पडिमाठाणाइया उक्कडुआसणिया णेसज्जिया वीरासणिया दण्डायइया लगंडसाइणो अप्पाउडा अगत्तया अकण्डुया अणिट्ठुहा (एवं जहोववाइए) धुयकेसमंसुरोमणहा सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्का चिट्ठंति । ते णं एएणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं

वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ बहुबहु आबाहंसि उप्पण्णंसि वा अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं पच्चक्खंति पच्चक्खाइत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति, अणसणाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे मुण्डभावे अण्हाणभावे अदंतवणगे अछत्तए अणोवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बम्भचेरवासे परघरपवेसे लद्धावलद्धे माणावमाणणाओ हीलणाओ णिंदणाओ खिंसणाओ गरहणाओ तज्जणाओ तालणाओ उच्चावया गामकण्टगा बावीसं परीसहोवसग्गा अहियासिज्जंति तमट्ठं आराहेंति तमट्ठं आराहित्ता चरमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं अणंतं अणुत्तरं णिव्वाघायं णिरावरणं कसिणं पडिपुण्णं केवलवरणाणदंसणं समुप्पाडेंति, समुप्पाडित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणं अंतं करंति। एगच्चाए पुण एगे भयंतारो भवंति, अवरे पुण पुव्वकम्मावसेसेणं कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। तं जहा—महड्ढिएसु महज्जुइएसु महापरक्कमेसु महाजसेसु महाबलेसु महाणुभावेसु महासुक्खेसु। ते णं तत्थ देवा भवंति महड्ढिया महज्जुइया जाव महासुक्खा हारविराइयवच्छा कडगतुडियथम्भियभुया अंगयकुण्डलमट्ठगण्डयलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउलिमउडा कल्लाणगंधपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोंदी पलम्बवणमालाधरा दिव्वेणं रूवेणं दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चाए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दया यावि भवंति। एस ठाणे आयरिए जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतसम्मे सुसाहू। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २३ ॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्सविभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा साहू एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावजीवाए एगच्चाओ अप्पडिविरया जाव जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता परपाणपरितावणकरा कज्जंति तओ वि एगच्चाओ अप्पडिविरया। से जहाणामए समणोवासगा भवंति अभिगयजीवाजीवा उवलद्ध-

ावा आसवसंवरवेयणाणिज्जराकिरियाहिगरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवा-
ागसुवण्णजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं
ाथाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिया
ंखिया णिव्विइगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा
ट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता । अयमाउसो ! णिग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे
ाट्ठे उसियफलिहा अवंगुयदुवाराअचियत्तंतेउरपरघरपवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठ-
ण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे णिग्गंथे फासुएसणि-
ां असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुंछणेणं ओसहभेसज्जेणं पीठ-
लगसेज्जासंथारएणं पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोव-
ासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ ते णं एया-
रूवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता
आबाहंसि उप्पण्णंसि वा, अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएंति
बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति बहूइं भत्ताइं
अणसणाए छेइत्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु
देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तं जहा– महड्ढिएसु महज्जुइएसु जाव
महासुक्खेसु सेसं तहेव जाव एसट्ठाणे आयरिए जाव एगंतसम्मे साहू । तच्चस्स
ठाणस्स मीसगस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २४ ॥ अविरइं पडुच्च बाले आहिज्जइ
विरइं पडुच्च पंडिए आहिज्जइ विरयाविरइं पडुच्च बालपंडिए आहिज्जइ तत्थणं
जा सा सव्वओ अविरई एसट्ठाणे आरंभट्ठाणे अणारिए जाव असव्वदुक्खप्पहीण-
मग्गे एगंतमिच्छे असाहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरई एसट्ठाणे अणारंभट्ठाणे
आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरया-
विरई एसट्ठाणे आरंभणोआरंभट्ठाणे एसट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे
एगंतसम्मे साहू ॥२५॥ एवमेव समणुगम्ममाणा इमेहिं चेव दोहिं ठाणेहिं समो-
अरंति, तं जहा–धम्मे चेव अधम्मे चेव, उवसंते चेव अणुवसंते चेव, तत्थणं जे से
पढमट्ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए तस्सणं इमाइं तिण्णितेवट्ठाइं पावा-
दुयसयाइं भवंतीति मक्खायाइं तं जहा–किरियावाईणं अकिरियावाईणं अण्णाणियवा-
ईणं वेणइयवाईणं तेवि परिणिव्वाणमाहंसु तेवि परिमोक्खमाहंसु तेवि लवंति सावगा

के भीतर हो। मनुष्य के हो तो १०० हाथ के भीतर हो। मनुष्य की हड्डी यदि जली या धुली न हो तो १२ वर्ष तक।

१४ अशुचि की दुर्गन्ध आवे या ि ाई दे तबतक

१५ श्मशान भूमि— सौ हाथ से कम दूर हो तो

१६ चन्द्रग्रहण–खंड ग्रहण में ८ प्रहर, पूर्ण होतो १२ प्रहर

१७ सूर्य ग्रहण " १२ " १६ "

१८ राजा का अवसान होने पर, जबतक नया राजा घोषित न हो

१९ युद्ध ान के निकट तक युद्ध चले

२० उपाश्रय में पंचेंद्रिय का शव पड़ा हो, जबतक पड़ा रहे

२१–२५ आषाढ़, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक और चैत्र की पूर्णिमा दिन रात

२६–३० इन पूर्णिमा के बाद की प्रतिपदा "

३१–३४ प्रातः, मध्यान्ह, संध्या और अर्द्ध रात्रि १-१ मुहूर्त

उपरो अस्वाध्याय को टालकर स्वाध्याय करना चाहिए। खुले मुँह नहीं बोलना तथा दीपक के उजाले में नहीं वां ा हिए।

नोट— मेघ गर्जनादि में अकाल, आर्द्रा नक्षत्र से पूर्व और स्वांति के बाद का माना गया है।
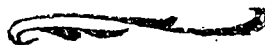
पुण्णपावा आसवसंवरवेयणाणिज्जराकिरियाहिगरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरणागसुवण्णजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं णिग्गंथाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिया णिक्कंखिया णिव्विइगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता। अयमाउसो! णिग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे उसियफलिहा अवंगुयदुवाराअचियत्तंतेउरपरघरपवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे णिग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुंछणेणं ओसहभेसज्जेणं पीठफलगसेज्जासंथारएणं पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति॥ ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता आबाहंसि उप्पण्णंसि वा, अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तं जहा– महड्ढिएसु महज्जुइएसु जाव महासुक्खेसु सेसं तहेव जाव एसट्ठाणे आयरिए जाव एगंतसम्मे साहू। तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्स विभंगे एवमाहिए॥ २४॥ अविरइं पडुच्च बाले आहिज्जइ विरइं पडुच्च पंडिए आहिज्जइ विरयाविरइं पडुच्च बालपंडिए आहिज्जइ तत्थणं जा सा सव्वओ अविरई एसट्ठाणे आरंभट्ठाणे अणारिए जाव असव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरई एसट्ठाणे अणारंभट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरयाविरई एसट्ठाणे आरंभणोआरंभट्ठाणे एसट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू॥२५॥ एवमेव समणुगम्ममाणा इमेहिं चेव दोहिं ठाणेहिं समोअरंति, तं जहा–धम्मे चेव अधम्मे चेव, उवसंते चेव अणुवसंते चेव, तत्थणं जे से पढमट्ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए तस्सणं इमाइं तिण्णितेवट्ठाइं पावादुयसयाइं भवंतीति मक्खायाइं तं जहा–किरियावाईणं अकिरियावाईणं अण्णाणियवाईणं वेणइयवाईणं तेवि परिणिव्वाणमाहंसु तेवि परिमोक्खमाहंसु तेवि लवंति सावगा

तेवि लवंति सावइत्तारो ॥ २६ ॥ ते सव्वे पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा णाणाछंदा णाणासीला णाणादिट्ठी णाणारुई णाणारंभा णाणाज्झवसाणसंजुत्ता एगं महं मंडलिबंधं किच्चा सव्वे एगओ चिट्ठंति ॥ २७॥ पुरिसे य सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुण्णं अउमएणं संडासएणं गहाय ते सव्वे पावाउए आइगरे धम्माणं णाणापण्णे जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ते एवं वयासी—हंभो ! पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता ! इमं ताव तुब्भे सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुण्णं गहाय मुहुत्तयं २ पाणिणा धरेह णो बहुसंडासगं संसारियं कुज्जा, णो बहुअग्गिथंभणियं कुज्जा णो बहु साहम्मियवेयावडियं कुज्जा णो बहु परधम्मियवेयावडियं कुज्जा, उज्जुया णियागपडिवण्णा अमायं कुव्वमाणा पाणिं पसारेह इइ वुच्चा से पुरिसे तेसिं पावादुयाणं तं सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुण्णं अउमएणं संडासएणं गहाय पाणिंसु णिसिरइ तएणं ते पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता पाणिं पडिसाहरंति तएणं से पुरिसे ते सव्वे पावाउए आइगरे धम्माणं जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ते एवं वयासी हंभो ! पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता ! कम्हाणं तुब्भे पाणिं पडिसाहरह ? पाणिं णो डहिज्जा, दड्ढे किं भविस्सइ दुक्खं ? दुक्खं ति मण्णमाणा पडिसाहरह एस तुला एसपमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे तत्थणं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खंति, जाव परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता हंतव्वा अज्जावेयव्वा परिघेयव्वा परियावेयव्वा किलामेयव्वा उद्दवेयव्वा ते आगंतु छेयाए ते आगंतु भेयाए जाव ते आगंतु जाइजरामरणजोणिजम्मणसंसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्संति। ते बहूणं दंडणाणं बहूणं मुंडणाणं तज्जणाणं तालणाणं अंदुबंधणाणं जाव घोलणाणं माइमरणाणं पिइमरणाणं भाइमरणाणं भगिणीमरणाणं भज्जापुत्तधूयासुण्हामरणाणं दारिद्दाणं दोहग्गाणं अप्पियसंवासाणं पियविप्पओगाणं बहूणं दुक्खदोम्मणस्साणं आभागिणो भविस्संति अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो अणुपरियट्टिस्संति ते णो सिज्झिस्संति णो बुज्झिस्संति जाव णो सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति एस तुला एस पमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे। तत्थ णं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खंति जाव परूवेंति। सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता ण हंतव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परिघेयव्वा ण उद्द-

वेयव्वा ते णो आगंतुच्छेयाए ते णो आगंतुभेयाए जाव जाइजरामरणजोणिजम्मण-संसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्संति, जाव अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो णो अणुपरियट्टिस्संति, ते सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति॥ २८॥ इच्चेएहिं बारसहिं किरिया-ठाणेहिं वट्टमाणा जीवा णो सिज्झिसु णो बुज्झिसु णो मुच्चिसु णो परिणिव्वाइंसु जाव णो सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा णो करेंति वा णो करिस्संति वा। एयंसि चेव तेरसमे किरियाठाणे वट्टमाणा जीवा सिज्झिसु बुज्झिसु मुच्चिसु परिणिव्वाइंसु जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा करंति वा करिस्संति वा। एवं से भिक्खू आयट्ठी आयहिए आयगुत्ते आयजोगे आयपरक्कमे आयरक्खिए आयाणुकम्पए आयणि-प्फेडए आयाणमेव पडिसाहरेज्जासि त्ति बेमि ॥ २९ ॥

॥ आहारपरिण्णा णाम तइयं अज्झयणं ॥

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु आहारपरिण्णा णामज्झयणे तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु पाईणं वा ४ सव्वओ सव्वावंति य णं लोगंसि चत्तारि-बीयकाया एवमाहिज्जंति। तं जहा—अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया। तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढवीसंभवा पुढवी-वुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणा-विहजोणियासु पुढवीसु रुक्खत्ताए विउट्टंति॥ ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउसरीरं तेउसरीरं वाउसरीरं वणस्सइसरीरं। णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं। तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणयं सारूवियकडं संतं। अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा णाणारसा णाणाफासा णाणासंठाणसंठिया णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोवव-ण्णगा भवंतीति मक्खायं॥ १ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं पुढवी-जोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउ-वणस्सइसरीरं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परि-विद्धत्थं। सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विप्परिणामियं सारूवियकडं संतं। अवरे

वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा णाणारसा णाणाफासा णाणासंठाणसंठिया णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववण्णगा भवंतीति मक्खायं ॥२॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति, पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइसरीरं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणामियं सारूवियकडं संतं अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव ते जीवा कम्मोववण्णगा भवंति त्ति मक्खायं ॥३॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खेसु मूलत्ताए कंदत्ताए खंधत्ताए तयत्ताए सालत्ताए पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरगं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवियणं तेसिं रुक्खजोणियाणं मूलाणं कंदाणं खंधाणं तयाणं सालाणं पवालाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जाव णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववण्णगा भवंति त्ति मक्खायं ॥४॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोववण्णगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारुहाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं ॥५॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु अज्झारोहेसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं॥६॥अहावरं पुरक्खायं इहेगइया

सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं आउसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥७॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति जाव अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं मूलाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ८ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढविजोणिया पुढविसंभवा जाव णाणाविहजोणियासु पुढवीसु तणत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति जाव ते जीवा कम्मोववण्णा भवंति त्ति मक्खायं–एवं पुढविजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति जाव मक्खायं–एवं तणजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति तणजोणियं तणसरीरं च आहारेंति, जाव मक्खायं–एवं तणजोणिएसु तणेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा जाव एवमक्खायं–एवं ओसहीणं वि चत्तारि आलावगा–एवं हरियाणवि चत्तारि आलावगा ॥ ९–१० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढविसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणियासु पुढवीसु आयत्ताए वायत्ताए कायत्ताए कूहणत्ताए कंदुकत्ताए उव्वेहणियत्ताए णिव्वेहणियत्ताए सछत्ताए छत्तगत्ताए वासाणियत्ताए कूरत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति। ते वि जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं आयत्ताणं जाव कूराणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। एगो चेव आलावगो सेसा तिण्णि णत्थि। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणिएसु उदएसु रुक्खत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। जहा पुढविजोणियाणं रुक्खाणं चत्तारि गमा अज्झारुहाण वि तहेव, तणाणं ओसहीणं

हरियाणं चत्तारि आलावगा भाणियव्वा एक्केक्के, अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसम्भवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए अवगत्ताए पणगत्ताए सेवालत्ताए कलम्बुगत्ताए हडत्ताए कसेरुगत्ताए कच्छभाणियत्ताए उप्पलत्ताए पउमत्ताए कुमुयत्ताए णलिणत्ताए सुभगत्ताए सोगंधियत्ताए पोण्डरीयमहापोण्डरीयत्ताए सयपत्तत्ताए सहस्सपत्तत्ताए एवं कल्हारकोंकणयत्ताए अरविंदत्ताए तामरसत्ताए भिसभिसमुणालपुक्खलत्ताए पुक्खलच्छिभगत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव संतं । अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं एगो चेव आलावगो ॥ ११ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता तेसिं चेव पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, रुक्खजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं अज्झारोहेहिं, अज्झारोहजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, पुढविजोणिएहिं तणेहिं, तणजोणिएहिं तणेहिं तणजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं । एवं ओसहीहि वि तिण्णि आलावगा एवं हरिएहि वि तिण्णि आलावगा । पुढविजोणिएहि वि आएहिं काएहिं जाव कूरेहिं उदगजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं एवं अज्झारुहेहि वि तिण्णि । तणेहिं वि तिण्णि आलावगा । ओसहीहिं वि तिण्णि, हरिएहिं वि तिण्णि, उदगजोणिएहिं उदएहिं अवएहिं जाव पुक्खलच्छिभएहिं तसपाणत्ताए विउट्टंति ॥ ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाणं उदगजोणियाणं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहीजोणियाणं हरियजोणियाणं रुक्खाणं अज्झारुहाणं तणाणं ओसहीणं हरियाणं मूलाणं जाव बीयाणं आयाणं कायाणं जाव कुरवाणं [कूराणं] उदगाणं अवगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव संतं । अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहिजोणियाणं हरियजोणियाणं मूलजोणियाणं कंदजोणियाणं जाव बीयजोणियाणं आयजोणियाणं कायजोणियाणं जाव कूरजोणियाणं उदगजोणियाणं अवगजोणियाणं जाव पुक्खलच्छिभगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं ॥ १२ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणा-

विहाणं मणुस्साणं । तं जहा—कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खुयाणं । तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणिए एत्थ णं मेहुणवत्तियाए (व) णामं संजोगे समुप्पज्जइ । ते दुहओ वि सिणेहं संचिणंति । तत्थणं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए णपुंसगत्ताए विउट्टंति, ते जीवा माउउयं पिउसुक्कं तं तदुभयं संसट्ठं कलुसं किव्विसं तं पढमत्ताए आहारमाहारेंति तओ पच्छा जं से माया णाणाविहाओ रसविहीओ आहारमाहारेंति तओ एगदेसेणं ओयमाहारेंति अणुपुव्वेण वुड्ढा पलिपागमणुपवण्णा तओ कायाओ अभिणिवट्टमाणा इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा ओयणं कुम्मासं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं मणुस्सगाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खूणं सरीरा णाणावण्णा जाव भवंति त्ति मक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं जलचराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तं जहा—मच्छाणं जाव सुंसुमाराणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्म तहेव जाव तओ एगदेसेणं ओयमाहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा पलिपागमणुपवण्णा तओ कायाओ अभिणिवट्टमाणा अंडं वेगया जणयंति पोयं वेगया जणयंति, से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगया जणयंति, पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा आउसिणेहमाहारेंति, अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मच्छाणं जाव सुंसुमाराणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तं जहा—एगखुराणं दुखुराणं गंडीपयाणं सणप्फयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिएपुरिसस्स य कम्म जाव मेहुणवत्तिए णामं संजोगे समुप्पज्जइ ते दुहओ वि सिणेहं संचिणंति तत्थणं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए जाव विउट्टंति ते जीवा माउउयं पिउसुक्कं एवं जहा मणुस्साणं जाव इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं

जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एगखुराणं जाव सणप्पयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तंजहा—अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स जाव एत्थणं मेहुणे एवं तं चेव णाणत्तं अंडं वेगइया जणयंति पोयं वेगइया जणयंति से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगइया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि, ते जीवा डहरा समाणा वाउकायमाहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरपाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्ख० अहीणं जाव महोरगाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तं जहा—गोहाणं णउलाणं सिहाणं सरडाणं सल्लाणं सरवाणं खराणं घरकोइलियाणं विस्संभराणं मुसगाणं मंगुसाणं पयलाइयाणं बिरालियाणं जोहाणं चउप्पाइयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिए पुरिसस्स य जहा उरपरिसप्पाणं तहा भाणियव्वं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पपंचिंदियथलयरतिरिक्खाणं तं० गोहाणं जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा—चम्मपक्खीणं लोमपक्खीणं, समुग्गपक्खीणं विततपक्खीणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए जहा उरपरिसप्पाणं णाणत्तं ते जीवा डहरा समाणा माउगायसिणेहमाहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं णाणाविहाणं खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चम्मपक्खीणं जाव मक्खायं ॥१३॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया णाणाविहसंभवा णाणाविहवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पोग्गलाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अणुसूयत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अणुसूयगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं । एवं दुरूवसंभवत्ताए । एवं खुरदुगत्ताए ॥ १४ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहे-

गइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथा-
वराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा तं सरीरगं वायसंसिद्धं वा वाय-
संगहियं वा वायपरिग्गहियं उड्ढवाएसु उड्ढभागी भवइ, अहेवाएसु अहेभागी भवइ,
तिरियवाएसु तिरियभागी भवइ। तं जहा–ओसा हिमए महिया करए हरतणुए
सुद्धोदए। ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति। ते
जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणि-
याणं उस्साणं जाव सुद्धोदगाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं। अहावरं पुर-
क्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा
तसथावरजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं तसथावरजोणियाणं
उदगाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे
वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं।
अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा
उदगजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं
सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं
तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। अहावरं पुर-
क्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा उदग-
जोणिएसु उदएसु तसपाणत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं
सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं
उदगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं॥ १५॥ अहावरं
पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा
णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अगणिकाय-
त्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति।
ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणि-
याणं अगणीणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। सेसा तिण्णि आलावगा जहा
उदगाणं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणियाणं जाव कम्मणिया-
णेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु
वा वाउकायत्ताए विउट्टंति। जहा अगणीणं तहा भाणियव्वा चत्तारि गमा॥१६॥

अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा पुढवित्ताए सक्करत्ताए वालुयत्ताए। इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ–"पुढवी य सक्करा वालुया य उवले सिला य लोणूसे। अय तउ य तम्ब सीसग रुप्प सुवण्णे य वइरे य(१)हरियाले हिंगुलए, मणोसिला सासगंजणपवाले, अब्भपडलब्भवालुय, बायरकाए मणिविहाणा(२)गोमेज्जए य रुयए, अंके फलिहे य लोहियक्खे य, मरगयमसारगल्ले भुयमोयगइंदणीले य (३) चंदणगेरुयहंसगब्भ, पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे, चंदप्पभवेरुलिए, जलकंते सूरकंते य (४)" एयाओ एएसु भाणियव्वाओ गाहाओ जाव सूरकंतत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं पुढवीणं जाव सूरकंताणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं, सेसा तिण्णि आलावगा जहा उदगाणं ॥ १७ ॥ अहावरं पुरक्खायं सव्वे पाणा सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, णाणाविहजोणिया, णाणाविहसंभवा, णाणाविहवुक्कमा, सरीरजोणिया, सरीरसंभवा, सरीरवुक्कमा, सरीराहारा, कम्मोवगा, कम्मणियाणा, कम्मगइया, कम्मठिइया, कम्मणा चेव विप्परियासमुवेंति ॥१८॥ से एवमायाणह से एवमायाणित्ता आहारगुत्ते सहिए समिए सयाजए त्ति बेमि ॥ १९ ॥

पच्चक्खाणकिरिया णाम चउत्थं अज्झयणं

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु पच्चक्खाणकिरियाणामज्झयणे तस्सणं अयमट्ठे पण्णत्ते, आया अपच्चक्खाणीयावि भवइ, आया अकिरिया कुसलेयावि भवइ, आया मिच्छासंठिएयावि भवइ, आया एगंतदंडेयावि भवइ, आया एगंतबालेयावि भवइ, आया एगंतसुत्तेयावि भवइ, आया अवियारमणवयणकायवक्केयावि भवइ, आया अप्पडिहयअपच्चक्खायपावकम्मेयावि भवइ, एस खलु भगवया अक्खाए, असंजए, अविरए, अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, सकिरिए, असंवुडे, एगंतदंडे, एगंतबाले, एगंतसुत्ते से बाले, अवियारमणवयणकायवक्के, सुविणमवि ण पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ १ ॥ तत्थ चोयए पण्णवगं एवं वयासी, असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स, अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणविम

अपस्सओ पावे कम्मे णो कज्जइ कस्सणं तं हेउं ? चोयए एवं बवीइ अण्णयरेणं मणेणं पावएणं मणवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अण्णयरीए वईए पावियाए वइवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अण्णयरेणं काएणं पावएणं कायवत्तिए पावेकम्मे कज्जइ, हणंतस्स समणक्खस्स सवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि पासओ, एवं गुणजाईयस्स पावेकम्मे कज्जइ, पुणरवि चोयए, एवं बवीइ तत्थणं जे ते एवमाहंसु असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तत्थ णं जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु ॥ तत्थ पण्णवए चोयगं एवं वयासी–तं सम्मं जं मए पुव्वं वुत्तं असंतएणं मणेणं पावएणं, असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं, अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तं सम्मं कस्स णं तं हेउं ? आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता, तंजहा पुढविकाइया जाव तसकाइया इच्चेएहिं छहिं जीवणिकाएहिं आया अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, णिच्चं पसढविउवायचित्तदंडे, तंजहा पाणाइवाए जाव परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ २ ॥ आयरिय आह-तत्थ खलु भगवया वहए दिट्ठंते पण्णत्ते । से जहाणामए–वहए सिया गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं णिद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि संपहारेमाणे से किं णु हु णाम से वहए तस्स गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं णिद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धू णं वहिस्सामि, पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ ? एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरे चोयए–हंता भवइ । आयरिय आह–जहा से वहए तस्स गाहावइस्स वा तस्स गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं णिद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि त्ति पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे, एवमेव बाले वि सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे । तं जहा–पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले ।

एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदण्डे एगंतबाले एगंतसुत्ते यावि भवइ। से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि ण पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ। जहा से वहए तस्स वा गाहावइस्स जाव तस्स वा रायपुरिसस्स पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ, एवमेव बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ ॥३॥ णो इणट्ठे समट्ठे [चोयए]। इह खलु बहवे पाणा० जे इमेणं सरीरसमुस्सएणं णो दिट्ठा वा सुया वा णाभिमया वा विण्णाया वा जेसिं णो पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। तं जहा पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले॥४॥ आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया दुवे दिट्ठंता पण्णत्ता। तं जहा—सण्णिदिट्ठंते य असण्णिदिट्ठंते य। से किं तं सण्णिदिट्ठंते? जे इमे सण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा एएसिं णं छज्जीवणिकाए पडुच्च, तं जहा—पुढवीकायं जाव तसकायं। से एगइओ पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ—एवं खलु अहं पुढवीकाएणं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि, णो चेव णं से एवं भवइ—इमेण वा इमेण वा से एएणं पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। से णं तओ पुढवीकायाओ असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे यावि भवइ। एवं जाव तसकाए त्ति भाणियव्वं। से एगइओ छज्जीवणिकाएहिं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ—एवं खलु छज्जीवणिकाएहिं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि। णो चेव णं से एवं भवइ—इमेहिं वा २, से य तेहिं छहिं जीवणिकाएहिं जाव कारवेइ वि। से य तेहिं छहिं जीवणिकाएहिं असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, तं जहा—पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एस खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सुविणमवि अपस्सओ। पावे य से कम्मे कज्जइ। से तं सण्णिदिट्ठंते॥ से किं तं असण्णिदिट्ठंते? जे इमे असण्णिणो पाणा, तं जहा—पुढवीकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा वेगइया तसा पाणा, जेसिं णो तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणा इ वा वई इ वा सयं वा

करणाए अण्णेहिं वा कारवेत्तए करंतं वा समणुजाणित्तए, ते वि णं बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्त-भूया मिच्छासंठिया णिच्चं पसढविउवायचित्तदंडा तं० पाणाइवाए जाव मिच्छा-दंसणसल्ले । इच्चेव जाव णो चेव मणो णो चेव वई पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खण-याए सोयणयाए जूरणयाए तिप्पणयाए पिट्टणयाए परितप्पणयाए । ते दुक्खण-सोयण जाव परितप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति । इइ खलु से असण्णिणो वि सत्ता अहोणिसिं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति जाव अहोणिसिं परिग्गहे उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति [एवं भूयवाई] । सव्वजोणिया वि खलु सत्ता सण्णिणो हुच्चा असण्णिणो होंति असण्णिणो हुच्चा सण्णिणो होंति, होच्चा सण्णी अदुवा असण्णी, तत्थ से अविविचित्ता अविधूणित्ता असंमुच्छित्ता अणणुतावित्ता असण्णिकायाओ वा सण्णिकाए संकमंति सण्णिकायाओ वा असण्णि-कायं संकमंति, सण्णिकायाओ वा सण्णिकायं संकमंति असण्णिकायाओ वा असण्णि-कायं संकमंति । जे एए सण्णि वा असण्णि वा सव्वे ते मिच्छायारा णिच्चं पसढविउ-वायचित्तदण्डा । तं जहा—पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले । एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंत-दण्डे एगंतबाले एगंतसुत्ते से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि ण पासइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥५॥ चोयए—से किं कुव्वं किं कारवं कहं संजयविरय-प्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे भवइ ? आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया छज्जीव-णिकायहेऊ पण्णत्ता, तं जहा—पुढवीकाइया जाव तसकाइया । से जहाणामए मम अस्सायं दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आतोडिज्जमाणस्स वा जाव उवद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आतोडिज्जमाणे वा हम्ममाणे वा तज्जिज्जमाणे वा तालिज्जमाणे वा जाव उवद्दविज्जमाणे वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति । एवं णच्चा सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता ण हंतव्वा जाव ण उद्दवेयव्वा । एस धम्मे धुवे णिइए सासए समिच्च लोगं खेयण्णेहिं पवेइए । एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव मिच्छा-दंसणसल्लाओ । से भिक्खू णो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा, णो अंजणं णो वमणं

णो धूवणित्तिपि आइए। से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे जाव अलोभे उवसंते परिणिव्वुडे। एस खलु भगवया अक्खाए संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंतपण्डिए भवइ त्ति बेमि ॥ ६ ॥

आयारसुयं णाम पं ˙ अज्झयणं

आदाय बम्भचेरं च आसुपण्णे इमं वइं। अस्सिं धम्मे अणायारं णायरेज्ज कयाइ वि ॥ १ ॥ अणाईयं परिण्णाय अणवदग्गे त्ति वा पुणो। सासयमसासए वा इइ दिट्ठिं ण धारए ॥ २ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ३ ॥ समुच्छिहिंति सत्थारो सव्वे पाणा अणेलिसा। गंठिगा वा भविस्संति सासयं ति व णो वए ॥ ४ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ५ ॥ जे केइ खुद्दगा पाणा अदुवा संति महालया। सरिसं तेहिं वेरं ति असरिसं ति य णो वए ॥ ६ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ७ ॥ अहाकम्माणि भुंजंति, अण्णमण्णे सकम्मुणा। उवलित्ते त्ति जाणिज्जा अणुवलित्ते त्ति वा पुणो ॥ ८ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ९ ॥ जमिदं ओरालमाहारं कम्मगं च तहेव य। सव्वत्थ वीरियं अत्थि णत्थि सव्वत्थ वीरियं ॥१०॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ११ ॥ णत्थि लोए अलोए वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि लोए अलोए वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ १२ ॥ णत्थि जीवा अजीवा वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि जीवा अजीवा वा एवं सण्णं णिवेसए ॥१३॥ णत्थि धम्मे अधम्मे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि धम्मे अधम्मे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ १४ ॥ णत्थि बंधे व मोक्खे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि बंधे व मोक्खे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ १५ ॥ णत्थि पुण्णे व पावे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि पुण्णे व पावे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ १६ ॥ णत्थि आसवे संवरे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि आसवे संवरे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ १७ ॥ णत्थि वेयणा णिज्जरा वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि वेयणा णिज्जरा वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ १८ ॥ णत्थि किरिया अकिरिया वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि किरिया अकिरिया वा एवं सण्णं णिवेसए ॥१९॥ णत्थि कोहे व माणे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि कोहे व माणे वा एवं

सण्णं णिवेसए ॥ २० ॥ णत्थि माया व लोभे वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि माया व लोभे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २१ ॥ णत्थि पेज्जे व दोसे वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि पेज्जे व दोसे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २२ ॥ णत्थि चाउरंते संसारे णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि चाउरंते संसारे एवं सण्णं णिवेसए ॥ २३ ॥ णत्थि देवो व देवी वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि देवो व देवी वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २४ ॥ णत्थि सिद्धी असिद्धी वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि सिद्धी असिद्धी वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २५ ॥ णत्थि सिद्धी णियं ठाणं णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि सिद्धी णियं ठाणं एवं सण्णं णिवेसए ॥ २६ ॥ णत्थि साहू असाहू वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि साहू असाहू वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २७ ॥ णत्थि कल्लाण पावे वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि कल्लाण पावे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥२८॥ कल्लाणे पावए वा वि ववहारो ण विज्जइ । जं वेरं तं ण जाणंति समणा बालपण्डिया ॥ २९ ॥ असेसं अक्खयं वावि सव्वदुक्खे इ वा पुणो । वज्झा पाणा ण वज्झ त्ति इइ वायं ण णीसरे ॥ ३० ॥ दीसंति समियायारा भिक्खुणो साहुजीविणो । एए मिच्छोवजीवंति इइ दिट्ठिं ण धारए ॥ ३१ ॥ दक्खिणाए पडिलम्भो अत्थि वा णत्थि वा पुणो । ण वियागरेज्ज मेहावी संतिमग्गं च वूहए ॥ ३२ ॥ इच्चेएहिं ठाणेहिं जिणदिट्ठेहिं संजए । धारयंते उ अप्पाणं आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ ३३ ॥ त्ति बेमि ॥

अद्दइज्जं णाम छट्ठं अज्झयणं

पुराकडं अद्द ! इमं सुणेह मेगंतयारी समणे पुरासी । से भिक्खुणो उवणेत्ता अणेगे आइक्खएण्हिं पुढो वित्थरेणं ॥ १ ॥ साऽऽजीविया पट्ठवियाऽथिरेणं सभागओ गणओ भिक्खुमज्झे । आइक्खमाणो बहुजण्णमत्थं ण संधयाई अवरेण पुव्वं ॥ २ ॥ एगंतमेवं अदुवा वि एण्हिं दोऽवण्णमण्णं ण समेइ जम्हा । पुव्विं च एण्हिं च अणागयं वा एगंतमेवं पडिसंधयाइ ॥ ३ ॥ समिच्च लोगं तसथावराणं खेमंकरे समणे माहणे वा । आइक्खमाणो वि सहस्समज्झे एगंतयं सारयई तहच्चे ॥ ४ ॥ धम्मं कहंतस्स उ णत्थि दोसो खंतस्स दंतस्स जिइंदियस्स । भासाय दोसे य विवज्जगस्स गुणे य भासाय णिसेवगस्स ॥ ५ ॥ महव्वए पंच अणुव्वए य तहेव पंचासव संवरे य । विरइं इह स्सामणियम्मि पण्णे लवावसक्की समणे त्ति

वेमि ॥ ६ ॥ सीओदगं सेवउ वीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एगंत-चारिस्सिह अम्ह धम्मे तवस्सिणो णाभिसमेइ पावं ॥७॥सीओदगं वा तह वीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एयाइं जाणं पडिसेवमाणा अगारिणो अस्समणा भवंति ॥८॥ सिया य वीओदगइत्थियाओ पडिसेवमाणा समणा भवंतु । अगारिणो वि समणा भवंतु सेवंति ऊ ते वि तहप्पगारं ॥९॥ जे यावि वीओदगभोइ भिक्खू भिक्खं विहं जायइ जीवियट्ठी । ते णाइसंजोगमविप्पहाय कायोवगा णंतकरा भवंति ॥ १० ॥ इमं वयं तु तुम पाउकुव्वं पावाइणो गरिहसि सव्व एव । पावाइणो पुढो किट्टयंता सयं सयं दिट्ठि करेंति पाउ॥११॥ते अण्णमण्णस्स उ गरहमाणा अक्खंति भो समणा माहणा य । सओ य अत्थी असओ य णत्थि गरहामु दिट्ठिं ण गरहामु किंचि ॥ १२ ॥ ण किंचि रूवेणऽभिधारयामो सदिट्ठिमग्गं तु करेमु पाउं । मग्गे इमे किट्टिए आरिएहिं अणुत्तरे सप्पुरिसेहिं अंजू ॥ १३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । भूयाहिसंकाभिदुगुंछमाणा णो गरहई वुसिमं किंचि लोए ॥ १४ ॥ आगंतगारे आरामगारे समणे उ भीए ण उवेइ वासं । दक्खा हु संती बहवे मणुस्सा ऊणाइरित्ता य लवालवा य ॥ १५ ॥ मेहा-विणो सिक्खिय वुद्धिमंता सुत्तेहि अत्थेहि य णिच्छयण्णा । पुच्छिसु मा णे अणगार अण्णे इइ संकमाणो ण उवेइ तत्थ ॥ १६ ॥ णो कामकिच्चा ण य बालकिच्चा रायाभि-ओगेण कुओ भएणं ? वियागरेज्ज पसिणं ण वा वि सकामकिच्चेणिह आरियाणं ॥१७॥ गंता च तत्था अदुवा अगंता वियागरेज्जा समियासुपण्णे । अणारिया दंसणओ परित्ता इइ संकमाणो ण उवेइ तत्थ ॥ १८ ॥ पण्णं जहा वणिए उदयट्ठी आयस्स हेउं पगरेइ संगं । तओवमे समणे णायपुत्ते इच्चेव मे होइ मई वियक्का ॥ १९ ॥ णवं ण कुज्जा विहुणे पुराणे चिच्चाऽमइं ताइ य साह एवं । एयावया बम्भवइ त्ति वुत्ता तस्सोदयट्ठी समणे त्ति वेमि ॥ २० ॥ समारभंते वणिया भूयगामं परिग्गहं चेव ममायमाणा । ते णाइसंजोगमविप्पहाय आयस्स हेउं पगरेंति संगं ॥ २१ ॥ वित्तेसिणो मेहुणसंपगाढा ते भोयणट्ठा वणिया वयंति । वयं तु कामेसु अज्झोववण्णा अणारिया पेमरसेसु गिद्धा ॥ २२ ॥ आरम्भगं चेव परिग्गहं च अविउस्सिया णिस्सिय आयदण्डा । तेसिं च से उदए जं वयासी चउरंतणंताय दुहाय णेह ॥२३॥ णेगंति णच्चंति य ओदए सो वयंति ते दो वि गुणोदयम्मि । से उदए साइमणंतपत्ते

तमुदयं साहयइ ताइ णाई ॥ २४ ॥ अहिंसयं सव्वपयाणुकम्पी धम्मे ठियं कम्म-विवेगहेउं । तमायदण्डेहिं समायरंता अबोहिए ते पडिरूवमेयं ॥२५॥ पिण्णाग-पिण्डीमवि विद्ध सूले केई पएज्जा पुरिसे इमे त्ति । अलाउयं वा वि कुमारए त्ति स लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥ २६ ॥ अहवा वि विद्धूण मिलक्खु सूले पिण्णाग-बुद्धीइ णरं पएज्जा । कुमारगं वा वि अलाबुयं ति ण लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥२७॥ पुरिसं च विद्धूण कुमारगं वा सूलंमि केई पए जायतेए । पिण्णागपिण्डं सइमारु-हेत्ता बुद्धाण तं कप्पइ पारणाए ॥ २८ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए भिक्खुयाणं । ते पुण्णखंधं सुमहं जिणित्ता भवंति आरोप्प महंत सत्ता ॥२९॥ अजोगरूवं इह संजयाणं पावं तु पाणाण पसज्झ काउं । अबोहिए दोण्ह वि तं असाहु वयंति जे यावि पडिस्सुणंति॥३०॥उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु विण्णाय लिंगं तसथावराणं । भूयाभिसंकाइ दुगुंछमाणे वए करेज्जा व कुओ विहऽत्थि ? ॥३१॥ पुरिसे त्ति विण्णत्ति ण एवमत्थि अणारिए से पुरिसे तहा हु । को संभवो ? पिण्णग-पिण्डियाए वाया वि एसा बुइया असच्चा ॥ ३२ ॥ वायाभियोगेण जमावहेज्जा णो तारिसं वायमुदाहरेज्जा । अट्ठाणमेयं वयणं गुणाणं णो दिक्खिए बूय मुरालमेयं ॥ ३३ ॥ लद्धे अट्ठे अहो एव तुब्भे जीवाणुभागे सुविचिंतिए व । पुव्वं समुद्दं अवरं च पुट्ठे उलोइए पाणितले ठिए वा ॥३४॥ जीवाणुभागं सुविचिंतयंता आहा-रिया अण्णविहीए सोहिं । ण वियागरे छण्णपओपजीवी एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥३५॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए भिक्खुयाणं । असंजए लोहिय-पाणि से ऊ णियच्छई गरिहमिहेव लोए॥३६॥थूलं उरब्भं इह मारियाणं उद्दिट्ठभत्तं च पगप्पएत्ता । तं लोणतेल्लेण उवक्खडेत्ता सपिप्पलीयं पगरंति मंसं ॥ ३७ ॥ तं भुंजमाणा पिसियं पभूयं णो उवलिप्पामु वयं रएणं । इच्चेवमाहंसु अणज्जधम्मा अणारिया बाल रसेसु गिद्धा ॥३८॥ जे यावि भुंजंति तहप्पगारं सेवंति ते पावम-जाणमाणा । मणं ण एयं कुसला करेंति वाया वि एसा बुइया उ मिच्छा ॥३९॥ सव्वेसि जीवाण दयट्ठयाए सावज्जदोसं परिवज्जयंता । तस्संकिणो इसिणो णायपुत्ता उद्दिट्ठभत्तं परिवज्जयंति ॥ ४० ॥ भूयाभिसंकाए दुगुंछमाणा सव्वेसि पाणाण णिहाय दण्डं । तम्हा ण भुंजंति तहप्पगारं एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ४१ ॥ णिग्गंथ-धम्मम्मि इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा अणिहे चरेज्जा । बुद्धे मुणी सीलगुणोववेए

अच्चत्थयं पाउणई सिलोगं ॥ ४२ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए माहणाणं । ते पुण्णखंधे सुमहऽज्जणित्ता भवंति देवा इइ वेयवाओ ॥४३॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए कुलालयाणं । से गच्छइ लोलुवसंपगाढे तिव्वाभितावी णरगाभिसेवी ॥ ४४ ॥ दयावरं धम्म दुगुंछमाणा वहावहं धम्म पसंसमाणा । एगं पि जे भोययई असीलं णिवो णिसं जाइ कुओऽसुरेहिं ॥ ४५ ॥ दुहओ वि धम्मम्मि समुट्ठियामो अस्सिं सुट्ठिचा तह एसकालं । आयारसीले बुइएह णाणी ण संपरायम्मि विसेसमत्थि ॥ ४६ ॥ अव्वत्तरूवं पुरिसं महंतं सणातणं अक्खयमव्वयं च । सव्वेसु भूएसु वि सव्वओ से चंदो व ताराहि समत्तरूवे ॥४७॥ एवं ण मिज्जंति ण संसरंति ण माहणा खत्तिय वेस पेसा । कीडा य पक्खी य सरीसिवा य णरा य सव्वे तह देवलोगा ॥ ४८ ॥ लोयं अयाणित्तिह केवलेणं कहंति जे धम्ममजाणमाणा । णासंति अप्पाण परं च णट्ठा संसार घोरम्मि अणोरपारे ॥ ४९ ॥ लोगं विजाणंतिह केवलेणं पुण्णेण णाणेण समाहिजुत्ता । धम्मं च समत्तं च कहंति जे उ तारंति अप्पाण परं च तिण्णा ॥ ५० ॥ जे गरहियं ठाणमिहावसंति जे यावि लोए चरणोववेया । उदाहडं तं तु समं मईए अहाउसो विप्परियासमेव ॥ ५१ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं बाणेण मारेउ महागयं तु । सेसाण जीवाण दयट्ठयाए वासं वयं वित्ति पकप्पयामो ॥ ५२ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणंता अणियत्तदोसा । सेसाण जीवाण वहेण लग्गा सिया य थोवं गिहिणो वि तम्हा ॥ ५३ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणंता समणव्वएसु । आयाहिए से पुरिसे अणज्जे ण तारिसे केवलिणो भवंति ॥ ५४ ॥ बुद्धस्स आणाए इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण ताई । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं आयाणवं धम्ममुदाहरेज्जा ॥ ५५ ॥ त्ति बेमि ॥

णालंदइज्जं णाम सत्तमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे (वण्णओ) जाव पडिरूवे । तस्स णं रायगिहस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं णालंदा णामं बाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंणिविट्ठा जाव पडिरूवा । तत्थ णं णालंदाए बाहिरियाए लेवे णामं गाहावई होत्था अड्ढे दित्ते वित्ते वित्थिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरजए आओ-

गपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए बहु-जणस्स अपरिभूए यावि होत्था ॥ १ ॥ से णं लेवे णामं गाहावई समणोवासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कं-खिए णिव्विइगिच्छे लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगहियट्ठे अट्ठिमिंजा पेमाणुरागरत्ते । अयमाउसो ! णिग्गंथे पावयणे अयं अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे, उस्सियफलिहे अप्पावयदुवारे चियत्तंतेउरप्पवेसे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे णिग्गंथे तहाविहेणं एसणिज्जेणं असण-पाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे बहूहिं सीलव्वयगुणविरमणपच्चक्खाणपोसहोववा-सेहिं अप्पाणं भावेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ २ ॥ तस्स णं लेवस्स गाहावइस्स णालंदाए बाहिरियाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं सेसदविया णामं उदग-साला होत्था अणेगखम्भसयसंणिविट्ठा पासादीया जाव पडिरूवा । तीसे णं सेसद-वियाए उदगसालाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं हत्थिजामे णामं वणसण्डे होत्था किण्हे (वण्णओ वणसण्डस्स) ॥ ३ ॥ तस्सिं च णं गिहपदेसम्मि भगवं गोयमे विहरइ, भगवं च णं अहे आरामंसि । अहे णं उदए पेढालपुत्ते भगवं पासावच्चिज्जे णियंठे मेयज्जे गोत्तेणं जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी—आउसंतो गोयमा ! अत्थि खलु मे केइ पदेसे पुच्छियव्वे तं च आउसो ! अहासुयं अहादरिसियं मे वियागरेहि सवायं ? भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—अवियाइ आउसो ! सोच्चा णिसम्म जाणिस्सामो सवायं । उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी ॥४॥ आउसो गोयमा ! अत्थि खलु कुमार-पुत्तिया णाम समणा णिग्गंथा तुम्हाणं पवयणं पवयमाणा गाहावइं समणोवासगं उव-संपण्णं एवं पच्चक्खावेंति—णण्णत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं णिहाय दण्डं । एवं ण्हं पच्चक्खंताणं दुप्पच्चक्खायं भवइ, एवं ण्हं पच्चक्खावेमाणाणं दुपच्चक्खावियव्वं भवइ, एवं ते परं पच्चक्खावेमाणा अइयरंति सयं पइण्णं । कस्स णं तं हेउं ? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तस-कायंसि उववज्जंति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जंति । तेसिं च णं थावरकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं घत्तं ॥५॥ एवं ण्हं पच्चक्खंताणं सुपच्चक्खायं भवइ ।

एवं ण्हं पच्चक्खावेमाणाणं सुपच्चक्खावियं भवइ । एवं ते परं पच्चक्खावेमाणा णाइयंरंति सयं पइण्णं णण्णत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसभूएहिं पाणेहिं णिहाय दण्डं । एवमेव सइ भासाए परक्कमे विज्जमाणे जे ते कोहा वा लोहा वा परं पच्चक्खावेंति अयं पि णो उवएसे णो णेयाउए भवइ । अवियाइ आउसो गोयमा ! तुब्भं पि एवं रोयइ ? सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—आउसंतो उदगा ! णो खलु अम्हे एवं रोयइ । जे ते समणा वा माहणा वा एवमाइक्खंति जाव परूवेंति णो खलु ते समणा वा णिग्गंथा वा भासं भासंति, अणुतावियं खलु ते भासं भासंति, अब्भाइक्खंति खलु ते समणे समणोवासए वा जेहिं वि अण्णेहिं जीवेहिं पाणेहिं भूएहिं सत्तेहिं संजमयंति ताण वि ते अब्भाइक्खंति । कस्स णं तं हेउं ? संसारिया खलु पाणा, तसावि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जंति, तेसिं च णं तसकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं अघत्तं ॥ ७ ॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी—कयरे खलु ते आउसंतो गोयमा ! तुब्भे वयह तसा पाणा तसा आउ अण्णहा ? सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—आउसंतो उदगा ! जे तुब्भे वयह तसभूया पाणा तसा ते वयं वयामो तसा पाणा, जे वयं वयामो तसा पाणा ते तुब्भे वयह तसभूया पाणा । एए संति दुवे ठाणा तुल्ला एगट्ठा । किमाउसो ! इमे भे सुप्पणीयतराए भवइ तसभूया पाणा तसा, इमे भे दुप्पणीयतराए भवइ—तसा पाणा तसा । तओ एगमाउसो ! पडिक्कोसह एक्कं अभिणंदह । अयं पि भेदो से णो णेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु—संतेगइया मणुस्सा भवंति, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ—णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । सावयं ण्हं अणुपुव्वेणं गुत्तस्स लिसिस्सामो । ते एवं संखवेंति ते एवं संखं ठवयंति ते एवं संखं ठावयंति णण्णत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं णिहाय दण्डं । तं पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥ ८ ॥ तसा वि वुच्चंति तसा तससंभारकडेणं कम्मुणा णामं च णं अब्भुवगयं भवइ, तसाउयं च णं पलिक्खीणं भवइ, तसकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहंति । ते तओ आउयं विप्पजहित्ता थावरत्ताए पच्चायंति ।

थावरा वि वुच्चंति। थावरा थावरसंभारकडेणं कम्मुणा णामं च णं अब्भुवगयं भवइ थावराउयं च णं पलिक्खीणं भवइ। थावरकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहंति तओ आउयं विप्पजहित्ता भुज्जो परलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणावि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ॥९॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भयवं गोयमं एवं वयासी—आउसंतो गोयमा! णत्थि णं से केइ परियाए जं णं समणोवासगस्स एगपाणाइवायविरए वि दण्डे णिक्खित्ते। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति, थावर-कायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जंति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जंति, तेसिं च णं थावरकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं घत्तं। सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—णो खलु आउसो! अम्हाकं वत्त-व्वएणं तुब्भं चेव अणुप्पवाएणं अत्थि णं से परियाए जे णं समणोवासगस्स सव्व-पाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते भवइ। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जंति तेसिं च णं तसकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं अघत्तं। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया। ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ। से महया तसकायाओ उवसंतस्स उवट्ठियस्स पडिविरयस्स जं णं तुब्भे वा अण्णो वा एवं वयह—णत्थि णं से केइ परियाए जंसि समणोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे णिक्खित्ते। अयं वि भेदे से णो णेयाउए भवइ॥ १० ॥ भगवं च णं उदाहु णियण्ठा खलु पुच्छि-यव्वा। आउसंतो! णियण्ठा इह खलु संतेगइया मणुस्सा भवंति। तेसिं च एवं वुत्तपुव्वं भवइ—जे इमे मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए एसिं च णं आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। जे इमे अगारमावसंति एएसिं णं आमरणंताए दण्डे णो णिक्खित्ते। केई च णं समणा जाव वासाइं चउपचमाइं छट्ठद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जित्ता अगारमावसेज्जा? हंता वसेज्जा। तस्स णं तं गारत्थं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे भंगे भवइ? णो इणट्ठे समट्ठे। एवमेव समणो-

वासगस्स वि तसेहिं पाणेहिं दण्डे णिक्खित्ते, थावरेहिं पाणेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते। तस्स णं तं थावरकायं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे णो भंगे भवइ। से एवमायाणह णियण्ठा ! से एवमायाणियव्वं ॥ भगवं च णं उदाहु णियण्ठा खलु पुच्छियव्वा–आउसंतो ! णियण्ठा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्तो वा तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा ? हंता उवसंकमेज्जा। तेसिं च णं तहप्पगाराणं धम्मं आइक्खियव्वे ? हंता आइक्खियव्वे। किं ते तहप्पगारं धम्मं सोच्चा णिसम्म एवं वएज्जा इणमेव णिग्गंथं पावयणं सच्चं अणुत्तरं केवलियं पडिपुण्णं संसुद्धं णेयाउयं सल्लकत्तणं सिद्धिमग्गं मुत्तिमग्गं णिज्जाणमग्गं णिव्वाणमग्गं अवितहमसंदिद्धं सव्वदुक्खप्पहीणमग्गं। एत्थ ठिया जीवा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करेंति। तमाणाए तहा गच्छामो तहा चिट्ठामो तहा णिसीयामो तहा तुयट्टामो तहा भुंजामो तहा भासामो तहा अब्भुट्ठामो तहा उट्ठाए उट्ठेमो त्ति पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमामो त्ति वएज्जा ? हंता वएज्जा। किं ते तहप्पगारा कप्पंति पव्वावित्तए ? हंता कप्पंति किं ते तहप्पगारा कप्पंति मुण्डावित्तए ? हंता कप्पंति। किं ते तहप्पगारा कप्पंति सिक्खावित्तए ? हंता कप्पंति। किं ते तहप्पगारा कप्पंति उवट्ठावित्तए ? हंता कप्पंति। तेसिं च णं तहप्पगाराणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते ? हंता णिक्खित्ते। से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा जाव वासाइं चउपंचमाइं छट्ठद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जेत्ता अगारं वएज्जा ? हंता वएज्जा। तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते ? णो इणट्ठे समट्ठे। से जे से जीवे जस्स परेणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स आरेणं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स इयाणिं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते भवइ, परेणं असंजए आरेणं संजए, इयाणिं असंजए, असंजयस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते भवइ। से एवमायाणह णियण्ठा ? से एवमायाणियव्वं ॥ भगवं च णं उदाहु णियण्ठा खलु पुच्छियव्वा–आउसंतो ! णियण्ठा इह खलु परिव्वाइया वा परिव्वाइयाओ वा अण्णयरेहिंतो तित्थाययणेहिंतो आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा ? हंता उवसंकमेज्जा। किं तेसिं तहप्पगारेणं धम्मे आइ-

क्खियव्वे ? हंता आइक्खियव्वे। तं चेव उवट्ठावित्तए जाव कप्पंति ? हंता कप्पंति। किं ते तहप्पगारा कप्पंति संभुंजित्तए ? हंता कप्पंति। ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा तं चेव जाव अगारं वएज्जा ? हंता वएज्जा। ते णं तहप्पगारा कप्पंति संभुंजित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे। से जे से जीवे जे परेणं णो कप्पंति संभुंजित्तए। से जे से जीवे आरेणं कप्पंति संभुंजित्तए। से जे से जीवे जे इयाणिं णो कप्पंति संभुंजित्तए। परेणं अस्समणे आरेणं समणे, इयाणिं अस्समणे, अस्समणेणं सद्धिं णो कप्पंति समणाणं णिग्गंथाणं संभुंजित्तए। से एवमायाणह ? णियण्ठा से एवमायाणियव्वं ॥ ११ ॥ भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा भवंति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। वयं णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा विहरिस्सामो। थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो, एवं थूलगं मुसावायं थूलगं अदिण्णादाणं थूलगं मेहुणं थूलगं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो। इच्छापरिमाणं करिस्सामो, दुविहं तिविहेणं। मा खलु ममट्ठाए किंचि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो। ते णं अभोच्चा अपिच्चा असिणाइत्ता आसंदीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता, ते तहा कालगया किं वत्तव्वं सिया--सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया। ते पाणा वि वुच्चंति ते तसा वि वुच्चंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया। ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ। इइ से महयाओ जं णं तुब्भे वयह तं चेव जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ॥ भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा भवंति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ--णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वइत्तए। णो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जाव अणुपालेमाणे विहरित्तए। वयं णं अपच्छिममारणंतियं संलेहणाजूसणाजूसिया भत्तपाणं पडियाइक्खिया जाव कालं अणवकंखमाणा विहरिस्सामो। सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो तिविहं तिविहेणं मा खलु ममट्ठाए किंचि वि जाव आसंदीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता एए तहा कालगया, किं वत्तव्वं सिया सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया। ते पाणा वि वुच्चंति जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ॥ भगवं च णं उदाहु संते-

गइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिय जाव दुप्पडियाणंदा जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दंडे णिक्खित्ते ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमायाए दुग्गइगामिणो भवंति, ते पाणावि वुचंति ते तसावि वुच्चंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते बहुयरगा आयाणसो इइ से महयाओ णं जण्णं तुब्भे वयह तं चेव अयंपि भेदे से णो णेयाउए भवइ—भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया जावज्जीवाए, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते, ते तओ आउगं विप्पजहंति, ते तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइ-गामिणो भवंति। ते पाणा वि वुचंति जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति तं जहा—अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव एगच्चाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया, जेहिं समणोवास-गस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। ते तओ आउगं विप्पजहंति, तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइगामिणो भवंति। ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—आरण्णिया आवसहिया गामणियंतिया, कण्हुईरहस्सिया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते भवइ। णो बहुसंजया णो बहुपडिविरया पाणभूयजीवसत्तेहिं अप्पणा सच्चामोसाइं एवं विप्पडिवेदेंति—अहं ण हतंव्वो अण्णे हंतव्वा जाव कालमासे कालं किच्चा अण्णयराइं आसुरियाइं किव्विसियाइं जाव उववत्तारो भवंति, तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमुयत्ताए तमोरूवत्ताए पच्चा-यंति। ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संते-गइया पाणा दीहाउया जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेंति करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुचंति, ते तसा वि वुचंति। ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते दीहाउया ते बहुयरगा, पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा समाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ। ते सयमेव कालं करेंति,

करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते समाउया ते बहुयरगा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा अप्पाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेंति, करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा भवंति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता जाव पव्वइत्तए। णो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं अणुपालित्तए। णो खलु वयं संचाएमो अपच्छिमं जाव विहरित्तए वयं च णं सामाइयं देसावगासियं पुरत्था पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा एयावया जाव सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते सव्वपाणभूयजीवसत्तेहिं खेमंकरे अहमंसि। तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे जाव णेयाउए भवइ ॥ १२ ॥ तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे णिक्खित्ते, ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा ते चिरट्ठिइया जावं अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तेसु पच्चायंति, तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं

समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तेसु पच्चायंति, तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे ते आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्ठाए णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता ते तत्थ आरेणं चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणट्ठाए ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो....। तत्थ जे ते आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्ठाए णिक्खित्ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए० तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए० ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए..... तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए.... ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते जाव ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो....। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता ते तत्थ परेणं चेव जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए० तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो...। भगवं च णं उदाहु ण एयं भूयं ण एयं भव्वं ण एयं भविस्सइ जं णं तसा पाणा वोच्छिज्जिहिंति थावरा पाणा भविस्संति, थावरा पाणा वि वोच्छिज्जिहिंति तसा पाणा भविस्संति। अवोच्छिण्णेहिं तसथावरेहिं पाणेहिं जं णं तुब्भे वा अण्णो वा एवं वयह—णत्थि णं से केइ परियाए जाव णो णेयाउए भवइ ॥ १३ ॥ भगवं च णं उदाहु आउसंतो उदगा ! जे खलु समणं वा माहणं वा परिभासेइ मित्ति मण्णंति आगमित्ता णाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु पर-

लोगपलिमंथत्ताए चिट्ठइ, जे खलु समणं वा माहणं वा णो परिभासइ मित्ति मण्णंति आगमित्ता णाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु परलोगविसुद्धीए चिट्ठइ। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं अणाढायमाणे जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पहारेत्थ गमणाए। भगवं च णं उदाहु आउसंतो उदगा! जे खलु तहाभूयस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म अप्पणो चेव सुहुमाए पडिलेहाए अणुत्तरं जोगखेमपयं लम्भिए समाणे सो वि ताव तं आढाइ परिजाणेइ वंदइ णमंसइ सक्कारेइ सम्माणेइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–एएसिं णं भंते! पदाणं पुव्विं अण्णाणयाए असवणयाए अबोहिए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं असुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अविगूढाणं अविच्छिण्णाणं अणिसिट्ठाणं अणिवुढाणं अणुवहारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहियं णो पत्तियं णो रोइयं। एएसिं णं भंते! पदाणं एण्हिं जाणयाए सवणयाए बोहिए जाव उवहारणयाए एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एव-मेव से जहेयं तुब्भे वयह। तए णं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी सद्दहाहि णं अज्जो! पत्तियाहि णं अज्जो! रोएहि णं अज्जो! एवमेयं जहा णं अम्हे वयामो। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंप-ज्जित्ता णं विहरित्तए॥ तए णं से भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं गहाय जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करित्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंप–ज्जित्ता णं विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे उदयं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेहि। तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उव-संपज्जित्ता णं विहरइ त्ति बेमि॥ १४॥

॥ सूयगडं समत्तं॥

ठाणं

पढमं ठाणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एव मक्खायं—एगे आया ॥१॥ एगे दंडे ॥ २ ॥ एगा किरिया ॥ ३ ॥ एगे लोए ॥ ४ ॥ एगे अलोए ॥ ५ ॥ एगे धम्मे ॥ ६ ॥ एगे अहम्मे ॥ ७ ॥ एगे बंधे ॥ ८ ॥ एगे मोक्खे ॥ ९ ॥ एगे पुण्णे ॥ १० ॥ एगे पावे ॥ ११ ॥ एगे आसवे ॥ १२ ॥ एगे संवरे ॥ १३ ॥ एगा वेयणा ॥ १४ ॥ एगा णिज्जरा ॥ १५ ॥ एगे जीवे पाडिक्कएणं सरीरएणं ॥ १६ ॥ एगा जीवाणं अपरियाइत्ता विगुव्वणा ॥ १७ ॥ एगे मणे ॥ १८ ॥ एगा वई ॥ १९ ॥ एगे कायवायामे ॥ २० ॥ एगा उप्पा ॥ २१ ॥ एगा वियई ॥ २२ ॥ एगा वियच्चा ॥ २३ ॥ एगा गई ॥ २४ ॥ एगा आगई ॥ २५ ॥ एगे चयणे ॥ २६ ॥ एगे उववाए ॥ २७ ॥ एगा तक्का ॥ २८ ॥ एगा सण्णा ॥ २९ ॥ एगा मण्णा ॥ ३० ॥ एगा विण्णू ॥ ३१ ॥ एगा वेयणा ॥ ३२ ॥ एगा छेयणा ॥ ३३ ॥ एगा भेयणा ॥३४॥ एगे मरणे अंतिमसारीरियाणं ॥३५॥ एगे संसुद्धे अहाभूए पत्ते ॥ ३६ ॥ एगे दुक्खे जीवाणं ॥ ३७ ॥ एगे भूए ॥ ३८ ॥ एगा अहम्मपडिमा जं से आया पडिकिलेसइ ॥ ३९ ॥ एगा धम्मपडिमा जं से आया पज्जवजाए ॥ ४० ॥ एगे मणे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगा वई देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे कायवायामे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि ॥४१॥ एगे णाणे ॥ ४२ ॥ एगे दंसणे ॥ ४३ ॥ एगे चरित्ते ॥ ४४ ॥ एगे समए ॥ ४५ ॥ एगे पएसे ॥ ४६ ॥ एगे परमाणू ॥ ४७ ॥ एगा सिद्धी ॥ ४८ ॥ एगे सिद्धे ॥ ४९ ॥ एगे परिणिव्वाणे ॥ ५० ॥ एगे परिणिव्वुए ॥ ५१ ॥ एगे सद्दे ॥ ५२ ॥ एगे रूवे ॥ ५३ ॥ एगे गंधे ॥ ५४ ॥ एगे रसे ॥ ५५ ॥ एगे फासे ॥ ५६ ॥ एगे सुब्भिसद्दे, एगे दुब्भिसद्दे ॥ ५७ ॥ एगे सुरूवे एगे दुरूवे ॥ ५८ ॥ एगे दीहे एगे हस्से ॥ ५९ ॥ एगे वट्टे, एगे तंसे, एगे चउरंसे

परिमंडले ॥६०॥ एगे किण्हे, एगे णीले, एगे लोहिए, एगे हालिद्दे, एगे सुक्किले ॥ ६१ ॥ एगे सुब्भिगंधे, एगे दुब्भिगंधे ॥६२॥ एगे तित्ते एगे कडुए एगे कसाए एगे अंबिले-एगे महुरे ॥ ६३ ॥ एगे कक्खडे-जाव एगे लुक्खे॥६४॥एगे पाणाइवाए जाव एगे परिग्गहे ॥ एगे कोहे जाव एगे लोहे, एगे पेज्जे एगे दोसे, जाव एगे परपरिवाए, एगा अरइ-रइ, एगे मायामोसे एगे मिच्छादंसणसल्ले ॥६५॥ एगे पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, एगे कोहविवेगे, जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे ॥६६॥ एगा ओसप्पिणी एगा सुसमसुसमा जाव एगा दुसमदुसमा, एगा उस्सप्पिणी, एगा दुसमदुसमा जाव एगा सुसमसुसमा ॥६७॥ एगा णेरइयाणं वग्गणा, एगा असुरकुमाराणं वग्गणा, चउवीसदंडओ जाव एगा वेमाणियाणं वग्गणा ॥६८॥ एगा भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा भवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव एगा भवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६९ ॥ एगा सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्मदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव थणियकुमाराणं, एगा मिच्छदिट्ठियाणं पुढवीकाइयाणं वग्गणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, एगासम्मदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एवं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं वि सेसा जहा णेरइया, जाव एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥७०॥ एगा कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं चउवीसदंडओवि भाणियव्वो ॥ ७१ ॥ एगा कण्हलेस्साणं वग्गणा, एगा णीललेस्साणं वग्गणा, एवं जाव सुक्कलेस्साणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं णेरइयाणं वग्गणा, जाव काउलेस्साणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जइ लेस्साओ, भवणवइवाणमंतरपुढविआउवणस्सइकाइयाणं च चत्तारि लेस्साओ तेऊवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं तिण्णिलेस्साओ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं छल्लेस्साओ, जोइसियाणं एगा तेउलेस्सा, वेमाणियाणं तिण्णिउवरिमलेस्साओ एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धि-

याणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि, एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जइ लेस्साओ तस्स तइयाओ भाणियव्वाओ, जाव वेमाणियाणं। एगा कण्हलेस्साणं सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु जाव वेमाणियाणं जेसिं जइ दिट्ठीओ। एगा कण्हलेस्साणं कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सुक्कपक्खियाणं वग्गणा, जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ लेस्साओ, एए अट्ठ चउवीसदंडया ॥७२॥ एगा तित्थसिद्धाणं वग्गणा, एगा अतित्थसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव एगा एक्कसिद्धाणं वग्गणा, एगा अणिक्कसिद्धाणं वग्गणा, एगा पढमसमयसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव अणंतसमयसिद्धाणं वग्गणा ॥७३॥ एगा परमाणुपोग्गलाणं वग्गणा, एवं जाव एगा अणंतपएसियाणं खंधाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा। एगा अणंतगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एवं वण्णगंधरसफासा भाणियव्वा जाव एगा अणंतगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा जहण्णपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा उक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा अजहण्णुक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एवं जहण्णोगाहणगाणं, उक्कोसोगाहणगाणं, अजहण्णुक्कोसोगाहणगाणं, जहण्णठिइयाणं, उक्कोसठिइयाणं, अजहण्णुक्कोसठिइयाणं, जहण्णगुणकालगाणं, उक्कोसगुणकालगाणं, अजहण्णुक्कोसगुणकालगाणं, एवं वण्णगंधरसफासाणं वग्गणा भाणियव्वा, जाव एगा अजहण्णुक्कोसगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा ॥ ७४ ॥ एगे जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं जाव अद्धंगुलगं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं ॥७५॥ एगे समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरमतित्थयरे सिद्धे बुद्धे मुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं एगा रयणी उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ७७ ॥ अद्दाणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते, चित्ताणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते, साईणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते ॥ ७८ ॥ एगपएसोगाढा पोग्गला

अणंता पण्णत्ता, एवमेगसमयठिइया, एगगुणकालगा पोग्गला अणंता पण्णत्ता, जाव एगगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ७९ ॥

बीअं ठाणं पढमो उद्देसो

जयत्थि णं लोए तं सव्वं दुपडोयारं, तं जहा–जीवा चेव अजीवा चेव, तसे चेव थावरे चेव, सजोणिया चेव अजोणिया चेव, साउया चेव अणाउया चेव, सइंदिया चेव अणिंदिया चेव, सवेयगा चेव अवेयगा चेव, सरूवि चेव अरूवि चेव, सपोग्गला चेव अपोग्गला चेव, संसारसमावण्णगा चेव असंसारसमावण्णगा चेव, सासया चेव असासया चेव, आगासे चेव णो आगासे चेव, धम्मे चेव अधम्मे चेव, बंधे चेव मोक्खे चेव, पुण्णे चेव पावे चेव, आसवे चेव संवरे चेव, वेयणा चेव, णिज्जरा चेव ॥ १ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा–जीवकिरिया चेव अजीवकिरिया चेव। जीवकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–सम्मत्तकिरिया चेव मिच्छत्तकिरिया चेव। अजीवकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–इरियावहिया चेव संपराइया चेव ॥ २ ॥ दोकिरियाओ प० तं जहा–काइया चेव अहिगरणिया चेव। काइया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–अणुवरयकायकिरिया चेव, दुप्पउत्तकायकिरिया चेव। अहिगरणियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–संजोयणाहिगरणिया चेव णिवत्तणाहिगरणिया चेव ॥ ३ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा–पाउसिया चेव पारियावणिया चेव। पाउसिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–जीवपाउसिया चेव अजीवपाउसिया चेव, पारियावणियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सहत्थपारियावणिया चेव परहत्थपारियावणिया चेव ॥ ४ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा–पाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया चेय। पाणाइवायकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–सहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, परहत्थपाणाइवायकिरिया चेव। अपच्चक्खाणकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–जीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव, अजीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव ॥ ५ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा–आरंभिया चेव परिग्गहिया चेव। आरंभिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–जीवआरंभिया चेव अजीवआरंभिया चेव, एवं परिग्गहियावि ॥ ६ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा–मायावत्तिया चेव, मिच्छादंसणवत्तिया चेव। मायावत्तियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा–आयभाववंकणया चेव परभाववंकणया चेव। मिच्छादंसणवत्तियाकिरिया

दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—ऊणाइरित्तमिच्छादंसणवत्तिआ चेव तव्वइरित्तमिच्छादंसण वत्तिआ चेव ॥७॥ दो किरियाओ प० तंजहा—दिट्ठिया चेव पुट्ठिया चेव। दिट्ठियाकिरिया दुविहा प० तंजहा—जीवदिट्ठिया चेव अजीवदिट्ठिया चेव, एवं पुट्ठियावि ॥ ८ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पाडुच्चिया चेव सामंतोवणिवाइया चेव। पाडुच्चियाकिरिया दुविहा पण्णता, तंजहा—जीवपाडुच्चिया चेव अजीवपाडुच्चिया चेव, एवं सामंतोवणिवाइयावि ॥९॥ दो किरियाओ प० तंजहा—साहत्थिया चेव, णेसत्थिया चेव। साहत्थियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—जीवसाहत्थिया चेव, अजीवसाहत्थिया चेव, एवं णेसत्थियावि ॥ १० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—आणवणिया चेव वेयारणिया चेव, जहेव णेसत्थिया ॥ ११ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—अणाभोगवत्तिया चेव। अणवकंखवत्तिया चेव। अणाभोगवत्तियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—अणाउत्तआइयणया चेव, अणाउत्तपमज्जणया चेव। अणवकंखवत्तिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—आयसरीरअणवकंखवत्तिया चेव, परसरीरअणवकंखवत्तिया चेव ॥ १२ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव। पेज्जवत्तियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—मायावत्तिया चेव, लोहवत्तिया चेव। दोसवत्तिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—कोहे चेव माणे चेव ॥ १३ ॥ दुविहा गरिहा पण्णत्ता, तं जहा—मणसावेगे गरिहइ वयसावेगे गरिहइ, अहवा गरिहा दुविहा प० दीहं एगे अद्धं गरिहइ, रहस्सं एगे अद्धं गरिहइ ॥ १४ ॥ दुविहे पच्चक्खाणे, मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, अहवा पच्चक्खाणे दुविहे, दीहं एगे अद्धं पच्चक्खाइ, रहस्सं एगे अद्धं पच्चक्खाइ ॥ १५ ॥ दोहिं ठाणेहिं अणगारे संपण्णे अणाइयं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवएज्जा, तं जहा—विज्जाए चेव, चरणेण चेव ॥ १६ ॥ दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, तं जहा—आरंभे चेव परिग्गहे चेव। दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलं बोहिं बुज्झेज्जा तं० आरंभे चेव परिग्गहे चेव। दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइज्जा, तं जहा—आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं णो केवलं बंभचेरवासमावसेज्जा णो केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, णो केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, णो केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, एवं सुयणाणं, ओहिणाणं, मणपज्जवणाणं,

केवलणाणं ॥ १७ ॥ दो ठाणाइं परियाइत्ता आया केवलीपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, तं जहा—आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं जाव केवलणाणमुप्पाडेज्जा ॥ १८ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं जहा—सोच्चा चेव, अभिसमेच्चा चेव, जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ॥ १९ ॥ दो समाओ पण्णत्ताओ, तं जहा—उस्सप्पिणिसमा चेव, ओसप्पिणिसमा चेव ॥ २० ॥ दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तं जहा—जक्खाएसे चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं, तत्थणं जे से जक्खाएसे से णं सुहवेयतराए चेव सुहविमोयतराए चेव, तत्थणं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, से णं दुहवेयतराए चेव दुहविमोयतराए चेव ॥२१॥ दो दंडा पण्णत्ता, तं जहा—अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव, णेरइयाणं दो दंडा पण्णत्ता तं जहा—अट्ठादंडे चेव अणट्ठादंडे य एवं चउवीसदंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ २२ ॥ दुविहे दंसणे० सम्मद्दंसणे चेव, मिच्छादंसणे चेव । सम्मदंसणे दुविहे० णिसग्गसम्मद्दंसणे चेव, अभिगमसम्मद्दंसणे चेव । णिसग्गसम्मद्दंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव अपडिवाई चेव । अभिगमसम्मद्दंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव । मिच्छादंसणे दुविहे० तं जहा—अभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव, अणभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव । अभिग्गहियमिच्छादंसणे दुविहे० सपज्जवसिए चेव, अपज्जवसिए चेव, एवमणभिग्गहियमिच्छादंसणेवि ॥२३॥ दुविहे णाणे० पच्चक्खे चेव, परोक्खे चेव । पच्चक्खणाणे दुविहे० केवलणाणे चेव, णो केवलणाणे चेव । केवलणाणे दुविहे० भवत्थकेवलणाणे चेव सिद्धकेवलणाणे चेव । भवत्थकेवलणाणे दुविहे० सजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव अजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव । सजोगिभवत्थकेवलणाणे दुविहे० पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव, अपढमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव, अहवा चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव, अचरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव । एवं अजोगिभवत्थकेवलणाणे वि । सिद्धकेवलणाणे दुविहे०, अणंतरसिद्धकेवलणाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलणाणे चेव । अणंतरसिद्धकेवलणाणे दुविहे० एक्काणंतरसिद्धकेवलणाणे चेव, अणेक्काणंतरसिद्धकेवलणाणे चेव । परंपरसिद्धकेवलणाणे दुविहे० एक्कपरंपरसिद्धकेवलणाणे चेव, अणेक्कपरंपरसिद्धकेवलणाणे चेव । णो केवलणाणे दुविहे० ओहिणाणे चेव, मणपज्जवणाणे चेव । ओहिणाणे दुविहे० भवपच्चइए चेव, खओवसमिए चेव । दोण्हं भवपच्चइए० देवाणं चेव, णेरइयाणं

चेव। दोण्हं खओवसमिए० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। मण-पज्जवणाणे दुविहे० उज्जुमई चेव, विउलमई चेव। परोक्खणाणे दुविहे० आभि-णिबोहियणाणे चेव, सुयणाणे चेव। आभिणिबोहियणाणे दुविहे० सुयणिस्सिए चेव असुयणिस्सिए चेव। सुयणिस्सिए दुविहे० अत्थोग्गहे चेव, वंजणोग्गहे चेव। असुय-णिस्सिए वि एवमेव। सुयणाणे दुविहे० अंगपविट्ठे चेव, अंगबाहिरे चेव। अंगबाहिरे दुविहे० आवस्सए चेव आवस्सयवइरित्ते चेव। आवस्सयवइरित्ते दुविहे० कालिए चेव, उक्कालिए चेव ॥ २४ ॥ दुविहे धम्मे० सुयधम्मे चेव, चरित्तधम्मे चेव। सुयधम्मे दुविहे० सुत्तसुयधम्मे चेव, अत्थसुयधम्मे चेव। चरित्तधम्मे दुविहे० अगारचरित्तधम्मे चेव, अणगारचरित्तधम्मे चेव। संजमे दुविहे० सरागसंजमे चेव, वीयरागसंजमे चेव। सरागसंजमे दुविहे० सुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव बादरसंप-रायसरागसंजमे चेव। सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसुहुमसंपराय-सरागसंजमे चेव, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव। अहवा चरिमसमय-सुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अचरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव। अहवा सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० संकिलेसमाणए चेव, विसुज्झमाणए चेव। बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे अपढम-समयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अच-रिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पडिवाइए चेव, अपडिवाइए चेव। वीयरागसंजमे दुविहे० उवसंतकसायवीयराग-संजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे चेव। उवसंतकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अपढमसमयउवसंतकसायवीयराग-संजमे चेव, अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अचरिमसमय-उवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव। खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० छउमत्थखीण-कसायवीयरागसंजमे चेव, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे चेव। छउमत्थखीण-कसायवीयरागसंजमे दुविहे० सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहिय-छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे। सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयसयंबुद्धछउमत्थ-खीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयराग-

संजमे, अचरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे। बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे। केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे। सजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे अपढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे। अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे ॥ २५ ॥ दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमा चेव, बायरा चेव, एवं जाव दुविहा वणस्सइकाइया पण्णत्ता तंजहा—सुहुमा चेव, बायरा चेव। दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता—पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता, तंजहा—परिणया चेव अपरिणया चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा दव्वा० परिणया चेव अपरिणया चेव। दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता तंजहा—गइसमावण्णगा चेव अगइसमावण्णगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा दव्वा पण्णत्ता तंजहा—गइसमावण्णगा चेव अगइसमावण्णगा चेव। दुविहा पुढविकाइया० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव, जाव दव्वा ॥२६॥ दुविहे काले० ओसप्पिणीकाले चेव, उस्सप्पिणीकाले चेव ॥ २७ ॥ दुविहे आगासे० लोगागासे चेव, अलोगागासे चेव ॥ २८ ॥ णेरइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव। अब्भंतरए कम्मए, बाहिरए वेउव्विए, एवं देवाणं भाणियव्वं। पुढविकाइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव। अब्भंतरए कम्मए, बाहिरगे उरालिए, जाव वणस्सइकाइयाणं। बेइंदियाणं दोसरीरगा० अब्भंतरए चेव बाहिरए चेव। अब्भंतरए कम्मए अट्ठिमंससोणियबद्धे बाहिरए उरालिए, जाव चउरिंदियाणं। पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं दो सरी-

रगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरगे कम्मए, अट्ठिमंससोणियण्हा-रुच्छिरावद्धे, बाहिरए उरालिए, मणुस्साणंवि एवं चेव विग्गहगइसमावण्णगाणं णेरइयाणं दो सरीरगा० तेयए चेव कम्मए चेव, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। णेरइ-याणं दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया, तं० रागेणं चेव, दोसेणं चेव, जाव वेमाणि-याणं। णेरइयाणं दुट्ठाणणिव्वत्तिए सरीरगे० रागणिव्वत्तिए चेव, दोसणिव्वत्तिए चेव, जाव वेमाणियाणं ॥ २९ ॥ दो काया० तसकाए चेव, थावरकाए चेव। तसकाए दुविहे पण्णत्ते० भवसिद्धिए चेव, अभवसिद्धिए चेव, एवं थावरकाए वि ॥ ३० ॥ दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा, णिग्गंथीणं वा, पव्वा-वित्तए, पाईणं चेव, उदीणं चेव, एवं मुंडावित्तए, सिक्खावित्तए, उवट्ठावित्तए, संभुंजित्तए, संवसित्तए, सज्झायं उद्दिसित्तए, सज्झायं समुद्दिसित्तए, सज्झायमणु-जाणित्तए, आलोइत्तए, पडिक्कमित्तए, णिंदित्तए, गरिहित्तए, विउट्टित्तए, विसोहित्तए, अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए, अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जित्तए, दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा, अपच्छिममारणंतिए-संलेहणाझूसणा झूसियाणं भत्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगयाणं कालं अणवकंख-माणाणं विहरित्तए, तं जहा—पाईणं चेव उदीणं चेव ॥ ३१ ॥

बीयं ठाणं बीयो उद्देसो

जे देवा उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा, विमाणोववण्णगा, चारोववण्णगा, चार-ट्ठिइया, गइरइया, गइसमावण्णगा, तेसिं देवाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, णेरइयाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थ-गयावि एगइया वेयणं वेयंति, जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। मणुस्साणं सया-समियं जे पावे कम्मे कज्जइ, इहगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा ॥ ३२ ॥ णेरइया दुगइया दुयागइया प० तं० णेरइए णेरइएसु उववज्जमाणे मणुस्सेहिंतो वा पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से णेरइए णेरइयत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं असुरकुमारावि, णवरं से चेवणं से असुरकुमारत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा तिरिक्खजो[illegible]

वा गच्छेज्जा, एवं सव्वदेवा, पुढविकाइया दुगइया दुयागइया प० तं०—पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा णो पुढविकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेवणं से पुढविकाइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा णो पुढविकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं जाव मणुस्सा ॥३३॥ दुविहा णेरइया प० तं० भवसिद्धिया चेव, अभवसिद्धिया चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० अणंतरोववण्णगा चेव परंपरोववण्णगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० गइसमावण्णगा चेव, अगइसमावण्णगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० पढमसमयउववण्णगा चेव, अपढमसमयउववण्णगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० आहारगा चेव, अणाहारगा चेव, एवं जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया पण्णत्ता तं०, उस्सासगा चेव णोउस्सासगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० सण्णी चेव, असण्णी चेव, एवं जाव पंचिंदिया सव्वे विगलिंदियवज्जा, जाव वाणमंतरा। दुविहा णेरइया प० तं० भासगा चेव अभासगा चेव, एवमेगेंदियवज्जा सव्वे। दुविहा णेरइया प० तं० समद्दिट्ठिया चेव मिच्छद्दिट्ठिया चेव, एगिंदियवज्जा सव्वे। दुविहा णेरइया प० तं० परित्तसंसारिया चेव, अणंतसंसारिया चेव जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० संखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव असंखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव, एवं पंचिंदिया, एगिंदिया विगलिंदियवज्जा जाव वाणमंतरा। दुविहा णेरइया प० तं० सुलभबोहिया य दुल्लभबोहिया य जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० कण्हपक्खिया चेव सुक्कपक्खिया चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० चरिमा चेव अचरिमा चेव, जाव वेमाणिया ॥ ३४ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, तं० समोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, असमोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, आहोहि समोहया समोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, एवं तिरियलोगं उड्ढलोगं केवलकप्पं लोगं। दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, तं जहा—विउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, अविउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, आहोहि विउव्वियाविउव्विएणं चेव

अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, एवं तिरियलोगं उड्ढलोगं केवलकप्पं लोगं ॥ ३५ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया सद्दाइं सुणेइ, तं जहा-देसेणवि आया सद्दाइं सुणेइ, सव्वेणवि आया सद्दाइं सुणेइ, एवं रुवाइं पासइ, गंधाइं आघायइ, रसाइं आसाएइ, फासाइं पडिसंवेएइ, दोहिं ठाणेहिं आया ओभासइ, तंजहा–देसेणवि आया ओभासइ, सव्वेण वि आया ओभासइ। एवं पभासइ, विउव्वइ, परियारेइ, भासं भासइ, आहारेइ, परिणामेइ, वेएइ, णिज्जरेइ, दोहिं ठाणेहिं देवे सद्दाइं सुणेइ, तंजहा— देसेणवि देवे सद्दाइं सुणेइ, सव्वेण वि देवे सद्दाइं सुणेइ, जाव णिज्जरेइ ॥ ३६ ॥ मरुया देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव, विसरीरी चेव। एवं किण्णरा, किंपुरिसा, गंधव्वा, णागकुमारा, सुवण्णकुमारा, अग्गिकुमारा, वाउकुमारा। देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव ॥ ३७ ॥

बीयं ठाणं तइओ उद्देसो

दुविहे सद्दे प० तं० भासासद्दे चेव णोभासासद्दे चेव। भासासद्दे दुविहे प० तं० अक्खरसंबद्धे चेव, णोअक्खरसंबद्धे चेव। णोभासासद्दे दुविहे प० तं० आउज्जसद्दे चेव, णोआउज्जसद्दे चेव। आउज्जसद्दे दुविहे प० तं० तते चेव, वितते चेव। तते दुविहे प० तं० घणे चेव, झुसिरे चेव, एवं विततेवि। णोआउज्जसद्दे दुविहे प० तं० भूसणसद्दे चेव, णोभूसणसद्दे चेव। णोभूसणसद्दे दुविहे प० तं० तालसद्दे चेव लत्तियासद्दे चेव। दोहिं ठाणेहिं सद्दुप्पाए सिया तंजहा–साहण्णंताणं चेव, पुग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया भिज्जंताणं चेव पोग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया ॥३८॥ दोहिं ठाणेहिं पोग्गला साहण्णंति, तंजहा–सयं वा पोग्गला साहण्णंति परेण वा पोग्गला साहण्णंति। दोहिं ठाणेहिं पोग्गला भिज्जंति, तंजहा–सयं वा पोग्गला भिज्जंति, परेण वा पोग्गला भिज्जंति। दोहिं ठाणेहिं पोग्गला परिसडंति, सयं वा पोग्गला परिसडंति, परेण वा पोग्गला परिसाडिज्जंति, एवं परिपडंति, विद्धंसंति ॥३९॥ दुविहा पोग्गला प० तं० भिण्णा चेव अभिण्णा चेव। दुविहा पोग्गला प०तं० भिउरधम्मा चेव णोभिउरधम्मा चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० परमाणुपोग्गला चेव णोपरमाणुपोग्गला चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० सुहुमा चेव, बायरा चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० बद्धपासपुट्ठा चेव णोबद्धपासपुट्ठा चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० परियाइयचेव, अपरियाइय- चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० अत्ताचेव अणत्ताचेव। दुविहा पोग्गला प० तं०

इट्ठा चेव, अणिट्ठा चेव, एवं कंता, पिया, मणुण्णा, मणामा । दुविहा सद्दा प० तं० अत्ता चेव, अणत्ता चेव एवं इट्ठा जाव मणामा । दुविहा रूवा प० तं० अत्ता चेव अणत्ता चेव, जाव मणामा, एवं गंधा, रसा, फासा, एवमिक्किक्के छआलावगा भाणियव्वा ॥ ४० ॥ दुविहे आयारे प० तं० णाणायारे चेव णो णाणायारे चेव । णोणाणायारे दुविहे प० तं० दंसणायारे चेव, णोदंसणायारे चेव । णोदंसणायारे दुविहे पण्णत्ते त०, चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे चेव । णो चरित्तायारे दुविहे प० तं० तवायारे चेव, वीरियायारे चेव ॥ ४१ ॥ दो पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा चेव, उवहाणपडिमा चेव । दो पडिमाओ प० तं० विवेगपडिमा चेव, विउसग्गपडिमा चेव । दोपडिमाओ प० तं० भद्दा चेव, सुभद्दा चेव । दो पडिमाओ प० तं० महाभद्दा चेव सव्वतोभद्दा चेव । दो पडिमाओ प० तं० खुड्डिया चेव मोयपडिमा, महल्लिया चेव मोयपडिमाओ । दोपडिमाओ प० तं० जवमज्झे चेव चंदपडिमा, वइरमज्झे चेव चंदपडिमा ॥ ४२ ॥ दुविहे सामाइए प० तं० अगारसामाइए चेव, अणगारसामाइए चेव ॥ ४३ ॥ दोण्हं उववाए प० तं० देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव । दोण्हं उव्वट्टणा प० तं० णेरइयाणं चेव, भवणवासीणं चेव । दोण्हं चयणे प० तं० जोइसियाणं चेव, वेमाणियाणं चेव । दोण्हं गब्भवक्कंती प० तं० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव । दोण्हं गब्भत्थाणं आहारे प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव । दोण्हं गब्भत्थाणं वुड्ढी प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव । एवं णिव्वुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे आयाइ मरणे । दोण्हं छविपव्वा प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव । दो सुक्कसोणिअसंभवा, प० तं० मणुस्सा चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चेव, दुविहा ठिई, कायठिई चेव, भवट्ठिई चेव, दोण्हं कायट्ठिई, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव । दोण्हं भवट्ठिई, देवाणं चेव णेरइयाणं चेव । दुविहे आउए, अद्धाउए चेव, भवाउए चेव । दोण्हं अद्धाउए, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव । दोण्हं भवाउए देवाणं चेव णेरइयाणं चेव । दुविहे कम्मे, पएसकम्मे चेव, अणुभावकम्मे चेव । दो अहाउयं पालेंति, देवच्चेव णेरइयच्चेव । दोण्हं आउयसंवट्टए प० तं० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव ॥ ४४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे

मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा बहुसमउल्ला अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभसंठाणपरिणाहेणं, तं जहा–भरहे चेव, एरवए चेव। एवमेएणं अहिलावेणं णेयव्वं, हेमवए चेव हेरण्णवए चेव, हरिवरिसे चेव, रम्मयवरिसे चेव ॥ ४५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं दो खित्ता, बहुसमउल्ला अविसेस जाव पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव ॥ ४६ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोकुराओ, बहुसमउल्लाओ अविसेसा जाव देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव । तत्थ णं दो महइ महालया महादुमा, बहुसमउल्ला, अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं तं जहा–कूडसामली चेव, जंबू चेव सुदंसणा । तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव महासोक्खा, पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तं जहा–गरुले चेव वेणुदेवे अणाढिए चेव जंबूद्दीवाहिवई ॥४७॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासहरपव्वया बहुसमउल्ला, अविसेसमणाणत्ता, अण्णमण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेह-संठाणपरिणाहेणं, तं जहा–चुल्लहिमवंतेचेव सिहरी चेव । एवं महाहिमवंते चेव, रुप्पी चेव, एवं णिसढे चेव, णीलवंते चेव ॥ ४८ ॥ जंबूमंदरस्सपव्वयस्स उत्तर-दाहिणेणं हेमवएरण्णवएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमउल्ला, अविसेसमणा-णत्ता जाव सद्दावाई चेव वियडावाई चेव, तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तं जहा–साई चेव पभासे चेव ॥ ४९ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं हरिवासरम्मएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमउल्ला, जाव गंधा-वाई चेव, मालवंतपरियाए चेव, तत्थणं दोदेवा महिड्ढिया, जाव पलिओवम-ट्ठिइया परिवसंति, तं जहा–अरुणे चेव, पउमे चेव ॥ ५० ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं देवकुराए पुव्वावरे पासे, एत्थणं आसक्खंधगसरिसा, अद्धचंदसंठाण-संठिया दोवक्खारपव्वया, बहुसमउल्ला जाव, सोमणसे चेव विज्जुप्पभे चेव । जंबू-मंदरस्स उत्तरेणं उत्तरकुराए पुव्वावरे पासे एत्थणं आसक्खंधगसरिसा अद्धचंद-संठाणसंठिया दो वक्खारपव्वया प० तं० बहु० जाव, गंधमायणे चेव, मालव चेव ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोदीहवेयड्ढपव्वया, बहुसमउल्ला ज भारहे चेव दीहवेयड्ढे एरावए चेव दीहवेयड्ढे । भारहेणं दीहवेयड्ढे दोगुहाओ ब समउल्लाओ अविसेसमणाणत्ताओ अण्णमण्णं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठा

परिणाहेणं, तं जहा—तिमिसगुहा चेव, खंडगप्पवायगुहा चेव । तत्थणं दो देवा महि-
ड्ढिया, जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तं जहा—कयमालए चेव, णट्टमालए
चेव । एरावए णं दीहवेयड्ढे दोगुहा, जाव कयमालए चेव णट्टमालए चेव ॥५१॥
जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला,
जाव विक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं, तं जहा—चुल्लहिमवंतकूडे चेव वेसमणकूडे
चेव । जंबूमंदरस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला
जाव महाहिमवंतकूडे चेव, वेरुलियकूडे चेव । एवं णिसढे वासहरपव्वए दोकूडा,
बहुसमउल्ला जाव० णिसढकूडे चेव, रुयगप्पभे चेव । जंबूमंदरस्स उत्तरेणं णील-
वंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव० णीलवंतकूडे चेव, उवदंसणकूडे
चेव । एवं रुप्पिम्मि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव० तंजहा रुप्पिकूडे
चेव, मणिकंचणकूडे चेव । एवं सिहरिम्मि वि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला
तंजहा—सिहरिकूडे चेव, तिगिच्छिकूडे चेव ॥ ५२ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरदाहि-
णेणं चुल्लहिमवंतसिहरीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा, बहुसमउल्ला, अविसेसमणा-
णत्ता अण्णं मण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभउव्वेहसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा—पउ-
मद्दहे चेव, पुंडरीयद्दहे चेव । तत्थणं दो देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवम-
ट्ठिइयाओ परिवसंति, तं० सिरी चेव लच्छी चेव । एवं महाहिमवंतरुप्पीसु
वासहरपव्वएसु दो महद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव महापउमद्दहे चेव, महा-
पोंडरीयद्दहे चेव । देवयाओ हिरिच्चेव बुद्धिच्चेव । एवं णिसहणीलवंतेसु तिगि-
च्छिद्दहे चेव, केसरिद्दहे चेव, देवयाओ धिई चेव कित्तिचेव ॥ ५३ ॥ जंबूमंदर-
दाहिणेणं महाहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ महापउमद्दहाओ दो महाणईओ
पवहंति तंजहा रोहियच्चेव हरिकंतच्चेव । एवं णिसहाओ वासहरपव्वयाओ तिगिच्छि-
द्दहाओ दोमहाणईओ पवहंति तं० हरिच्चेव, सीतोअच्चेव । जंबूमंदरस्स उत्तरेणं
णीलवंताओ वासहरपव्वयाओ केसरिद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति तं० सीता चेव,
णारिकंता चेव । एवं रुप्पिवासहरपव्वयाओ महापोंडरीयद्दहाओ दोमहाणईओ पव-
हंति, तंजहा णरकंता चेव रुप्पकूला चेव । जंबूमंदरदाहिणेणं भरहेवासे दोपवाय-
द्दहा प० तं० बहुसमउल्ला जाव गंगप्पवायद्दहे चेव, सिंधुप्पवायद्दहे चेव । एवं
हेमवएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला तं० रोहियप्पवायद्दहे चेव, रोहियंसप्प-

वायद्दहे चेव। जंबूमंदरदाहिणे णं हरिवासे वासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला तं० हरिप्पवायद्दहे चेव हरिकंतप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरदाहिणेणं महाविदेहे वासे दोपवायद्दहा प० तं० बहुसमउल्ला जाव० सीयप्पवायद्दहे चेव, सीओयप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरेणं रम्मएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव णरकंतप्पवायद्दहे चेव णारिकंतप्पवायद्दहे चेव। एवं हेरण्णवएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव० सुवण्णकूलप्पवायद्दहे चेव, रुप्पकूलप्पवायद्दहे चेंव। जंबूमंदरउत्तरेणं एरवएवासे दोपवायद्दहा, प० बहुसमउल्ला जाव० रत्तप्पवायद्दहे चेव रत्तावईप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरदाहिणेणं भरहेवासे दोमहाणईओ प० बहुसमउल्ला गंगा चेंव, सिंधू चेंव। एवं जहा प्पवायद्दहा एवं णईओ भाणियव्वाओ। जाव एरवए वासे दोमहाणईओ प० बहुसमउल्लाओ जाव रत्ता चेव रत्तवई चेव ॥५४॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसुऽतीयाए उस्सप्पिणीए सुसमदुसमाए समाए दो सागरोवमकोडाकोडीओ काले होत्था। एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव प० एवं आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, दोण्णियपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था। एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालइत्था। एवमागमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालइस्संति ॥५५॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगसमए एगजुगे दो अरहंतवंसा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा। जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टि एवं बलदेवा एवं वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥५६॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेंव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसममुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा—हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव। जंबू० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—हेमवए चेंव एरण्णवए चेव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—पुव्वविदेहे चेंव अवरविदेहे चेव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—भरहे चेव, एरवए चेव

॥५७॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिआ तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा । दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य । तत्तोवि अस्सलेसा,महा य दो फग्गुणीओ य ।१। हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव ।२। अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया । रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा अणुपुव्वीए। ३ । एवं गाहाणुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ। दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोबहस्सई दोसप्पी दोपिई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोणिरई दोआऊ दोविस्सा दोबम्हा दोविण्हू दोवसू दोवरुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा । दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकणकणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जोवगा दोकब्बडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवण्णा दोसंखवण्णाभा दोकंसा दोकंसवण्णा दोकंसवण्णाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोणीला दोणीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवण्णा दोदगा दोदगपंचवण्णा दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गी दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोबहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोणियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंबा दोणिच्चालोगा दोणिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा दोपभंकरा दोअपराजिया दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥ ५८ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥५९॥ धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव । एवं जहा जंबूद्दीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं,

जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा--भरहे चेव एरवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे सुदंसणे चेव। धायईसंडदीवपच्चत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमतुल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति। णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव। धायईसंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवयाइं दो हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा। दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता दोणिसहा दोणीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी। दोसद्दावाई दोसद्दावाईवासी साई देवा, दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा। दोमालवंता दोचित्तकूडा दोपम्हकूडा दोणलिणकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसीविसा दोसुहावहा दोचंदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंधमायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवेरुलियकूडा दोणिसहकूडा दोरुयगकूडा दोणीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंडरीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ। दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्तवईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकवईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगंभीरमालिणीओ। दोकच्छा दोसुकच्छा दोमहाकच्छा दोकच्छगावई दोआवत्ता दोमंगलावत्ता दोपुक्खला दोपुक्खलावई, दोवच्छा दोसुवच्छा दोमहावच्छा दोवच्छगावई दोरम्मा दोरम्मगा दोरमणिज्जा दोमंगलावई, दोपम्हा दोसुपम्हा दोमहापम्हा दोपम्हगावई दोसंखा दोणलिणा दोकुमुया दोसलिलावई, दोणलिणावई दोवप्पा

दोसुवप्पा दोमहावप्पा दोवप्पगावई दोवग्गू दोसुवग्गू दोगंधिला दोगंधिलावई। दोखेमाओ दोखेमपुरीओ दोरिट्ठाओ दोरिट्ठपुरीओ दोखग्गीओ दोमंजूसाओ दोओसहीओ दोपुण्डरीगिणीओ दोसुसीमाओ दोकुंडलाओ दोअपराइआओ दोप्पभंकराओ दोअंकावईओ दोपम्हावईओ दोसुभाओ दोरयणसंचयाओ, दोआसपुराओ दोसीहपुराओ दोमहापुराओ दोविजयपुराओ दोअवराजियाओ दोअवराओ दोअसोयाओ दोविगयसोयाओ, दोविजयाओ दोवेजयंतीओ दोजयंतीओ दोअपराजियाओ दोचक्कपुराओ दोखग्गपुराओ दोअवज्झाओ दोअउज्झाओ। दोभद्दसालवणा दोणंदणवणा दोसोमणसवणा दोपंडगवणा दोपंडुकंबलसिलाओ दोअतिपंडुकंबलसिलाओ दोरत्तकंबलसिलाओ दोअइरत्तकंबलसिलाओ दोमंदरा दोमंदरचूलियाओ, धायइखंडस्सणं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता, कालोदस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता। पुक्खरवरदीवद्धपुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव जाव दोकुराओ पण्णत्ताओ देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव। तत्थणं दोमहइमहालया महद्दुमा प० तं० कूडसामली चेव, पउमरुक्खे चेव; देवा गरुले चेव वेणुदेवे पउमे चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति। पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धेणं मंदरपव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० तं० तहेव णाणत्तं कूडसामली चेव, महापउमरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव, वेणुदेवे पुंडरीए चेव। पुक्खरवरदीवद्धेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं जाव दोमंदरा दोमंदरचूलाओ, पुक्खरवरस्स णं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० सव्वेसिं पि णं दीवसमुद्दाणं वेइयाओ दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ताओ ॥ ६० ॥ दोअसुरकुमारिंदा प० तं० चमरे चेव, बली चेव। दोणागकुमारिंदा प० तं० धरणे चेव, भूयाणंदे चेव। दोसुवण्णकुमारिंदा प० तं० वेणुदेवे चेव, वेणुदाली चेव। दोविज्जुकुमारिंदा प० तं० हरी चेव हरिस्सहे चेव। दोअग्गिकुमारिंदा प० तं० अग्गिसिहे चेव अग्गिमाणवे चेव। दोदीवकुमारिंदा प० तं० पुण्णे चेव, विसिट्ठे चेव। दोउदहिकुमारिंदा प० तं० जलकंते चेव जलप्पभे चेव। दोदिसाकुमारिंदा प० तं० अमियगई चेव, अमियवाहणे चेव। दोवाउकुमारिंदा प० तं० वेलंबे चेव पभंजणे चेव। दोथणियकुमारिंदा प० तं० घोसे चेव महाघोसे चेव। दोपिसायइंदा प० तं० काले चेव महा-

काले चेव। दोभूयइंदा प० तं० सुरूवे चेव पडिरूवे चेव। दोजक्खिदा प० तं० पुण्ण-भद्दे चेव माणिभद्दे चेव। दोरक्खसिंदा प० तं० भीमे चेव महाभीमे चेव। दोकि-ण्णरिंदा प० तं० किण्णरे चेव किंपुरिसे चेव। दोकिंपुरिसिंदा प० तं० सप्पुरिसे चेव महापुरिसे चेव। दोमहोरगिंदा प० तं० अइकाए चेव महाकाए चेव। दोगंधव्विदा प० तं० गीयरई चेव गीयजसे चेव। दोअणवण्णिदा प० तं० संणिहिए चेव, सामण्गे चेव। दोपणवण्णिदा प० तं० धाए चेव विहाए चेव। दोइसिवाइंदा प० तं० इसि चेव इसिवालए चेव। दोभूयवाइंदा प० तं० इस्सरे चेव महिस्सरे चेव। दोकंदिंदा प० तं सुवच्छे चेव विसाले चेव। दोमहाकंदिंदा प० तं० हस्से चेव हस्सरई चेव। दोकुभंडिंदा प० तं० सेए चेव महासेए चेव। दोपयइंदा प० तं० पयए चेव पयगवई चेव। जोइसियाणं देवाणं दोइंदा प० तं० चंदे चेव सूरे चेव। सोहम्मी-साणेसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० सक्के चेव ईसाणे चेव। एवं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु दोइंदा प० तं० सणंकुमारे चेव माहिंदे चेव। बंभलोयलंतएसु णं दोइंदा प० तं० बंभे चेव लंतए चेव। महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु दोइंदा पण्णत्ता तंजहा--महासुक्के चेव सहस्सारे चेव। आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥६१॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा दुवण्णा। प० तं० हालिद्दा चेव सुक्किल्ला चेव, गेविज्जगाणं देवाणं दो रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ६२ ॥

बीयं ठाणं चउत्थो उद्देसो

समयाइ वा आवलियाइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ। आणापाणूइ वा, थोवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ। खणाइ वा लवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ। एवं मुहुत्ताइ वा, अहोरत्ताइ वा, पक्खाइ वा, मासाइ वा, उऊइ वा, अयणाइ वा, संवच्छराइ वा, जुगाइ वा, वाससयाइ वा, वाससहस्साइ वा, वाससयसहस्साइ वा, वासकोडीइ वा, पुव्वंगाइ वा, पुव्वाइ वा, तुडियंगाइ वा तुडियाइ वा अडडंगाइ वा अडडाइ वा, अववंगाइ वा, अववाइ वा हूहूअंगाइ वा, हूहूयाइ वा, उप्पलंगाइ वा, उप्पलाइ वा, पउमंगाइ वा, पउमाइ वा, णलिणं-गाइ वा, णलिणाइ वा, अच्छणिउरंगाइ वा, अच्छणिउराइ वा, अउअंगाइ वा अउआइ वा, णउअंगाइ वा, णउआइ वा, पउअंगाइ वा, पउयाइ वा, चूलिअंगाइ

वा चूलियाइ वा, सीसप्पहेलिअंगाइ वा, सीसप्पहेलियाइ वा, पलिओवमाइ वा, सागरोवमाइ वा उस्सप्पिणीइ वा, ओसप्पिणीइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुचइ ॥ ६३ ॥ गामाइ वा, णगराइ वा, णिगमाइ वा, रायहाणीइ वा, खेडाइ वा, कब्बडाइ वा, मडंबाइ वा, दोणमुहाइ वा, पट्टणाइ वा, आगराइ वा, आसमाइ वा, संवाहाइ वा, संणिवेसाइ वा, घोसाइ वा, आरामाइ वा, उज्जाणाइ वा, वणाइ वा, वणखंडाइ वा, वावीइ वा, पुक्खरणीइ वा, सराइ वा, सरपंतीइ वा, अगडाइ वा, तडागाइ वा, दहाइ वा, णदीइ वा, पुढवीइ वा, उदहीइ वा, वातखंधाइ वा, उवासंतराइ वा, वलयाइ वा, विग्गहाइ वा, दीवाइ वा, समुद्दाइ वा, वेलाइ वा, वेइयाइ वा, दाराइ वा, तोरणाइ वा, णेरइयाइ वा, णेरइयावासाइ वा, जाव वेमाणियावासाइ वा, कप्पाइ वा, कप्पविमाणवासाइ वा, वासाइ वा, वासहरपव्वयाइ वा, कूडाइ वा, कूडागाराइ वा, विजयाइ वा, रायहाणीइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुचइ ॥ ६४ ॥ छायाइ वा, आतवाइ वा, जोसिणाइ वा, अंधगाराइ वा, ओमाणाइ वा, पमाणाइ वा, उम्माणाइ वा, अइयाणगिहाइ वा, उज्जाणगिहाइ वा, अवलिम्बाइ वा, सणिप्पवायाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुचइ ॥ ६५ ॥ दो रासी प० तं० जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव। दुविहे बंधे प० तं० पेज्जबंधे चेव, दोसबंधे चेव। जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं बंधंति तं० रागेण चेव, दोसेण चेव। जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं उदीरेंति तं० अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए एवं। वेदेंति एवं णिज्जरेंति अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए। दोहिं ठाणेहिं आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाइ तं० देसेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाइ सव्वेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाइ, एवं फुरित्ताणं एवं फुडित्ताणं एवं संवट्टित्ताणं णिव्वट्टित्ताणं। दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए तंजहा–खएण चेव उवसमेण चेव। एवं जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा तं० खएण चेव उवसमेण चेव ॥ ६६ ॥ दुविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे चेव सागरोवमे चेव। से किं तं पलिओवमे ? पलिओवमे–जं जोयणविच्छिण्णं पल्लं एगाहियप्परूढाणं होज्ज णिरंतरणिचियं भरियं वालग्गकोडीणं।१। वाससए वाससए एक्केक्के, अवहडंमि जो कालो; सो कालो बोद्धव्वो, उवमा एगस्स पल्लस्स।२। एएसिं पल्लाणं कोडाकोडी

हवेज्ज दसगुणिया; तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परीमाणं ॥ ३ ॥ ६७ ॥ दुविहे कोहे प० तं० आयपइट्ठिए चेव, परपइट्ठिए चेव। एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ ६८ ॥ दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० तसा चेव, थावरा चेव। दुविहा सव्वजीवा प० तं० सिद्धा चेव असिद्धा चेव। दुविहा सव्वजीवा प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव। एवं एसा गाहा फासेयव्वा जाव ससरीरी चेव असरीरी चेव। सिद्धसइंदियकाए, जोगे वेए कसायलेसा य, णाणुवओगाहारे भासगचरिमे य ससरीरी (१) ॥ ६९ ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णो णिच्चं वण्णियाइं कित्तियाइं णो णिच्चं बुइयाइं णो णिच्चं पसत्थाइं णो णिच्चं अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० वलयमरणे चेव, वसट्टमरणे चेव, एवं णियाणमरणे चेव, तब्भवमरणे चेव, गिरिपडणे चेव, तरुपडणे चेव, जलप्पवेसे चेव, जलणप्पवेसे चेव, विसभक्खणे चेव, सत्थोवाडणे चेव। दोमरणाइं जाव णो णिच्चं अब्भणुण्णायाइं भवंति, कारणेणं पुण अप्पडिकुट्ठाइं तंजहा- वेहाणसे चेव गिद्धपिट्ठे चेव ॥ ७० ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० पाओवगमणे चेव भत्तपच्चक्खाणे चेव। पाओवगमणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव अणीहारिमे चेव, णियमं अप्पडिकम्मे। भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव, अणीहारिमे चेव, णियमं सप्पडिकम्मे ॥ ७१ ॥ के अयं लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के अणंतालोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव। के सासया लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव ॥७२॥ दुविहा बोही, णाणबोही चेव, दंसणबोही चेव। दुविहा बुद्धा णाणबुद्धा चेव दंसणबुद्धा चेव, एवं मोहे मूढा ॥ ७३ ॥ णाणावरणिज्जे कम्मे दुविहे पण्णत्ते तं० देसणाणावरणिज्जे चेव, सव्वणाणावरणिज्जे चेव। दंसणावरणिज्जे कम्मे एवं चेव वेयणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० सायावेयणिज्जे चेव असायावेयणिज्जे चेव। मोहणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० दंसणमोहणिज्जे चेव चरित्तमोहणिज्जे चेव। आउकम्मे दुविहे प० तं० अद्धाउए चेव, भवाउए चेव। णामकम्मे दुविहे प० तं० सुभणामे चेव असुभणामे चेव। गोत्तकम्मे दुविहे प० तं० उच्चागोए चेव णीयागोए चेव। अंतराइएकम्मे दुविहे प० तं० पडुप्पण्णविणासिए चेव पिहियआगामिपहं ॥ ७४ ॥ दुविहा मुच्छा प० तं० पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव। पेज्जवत्तियामुच्छा

दुविहा प० तं० माए चेव लोहे चेव। दोसवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० कोहें चेव माणे चेव ॥ ७५ ॥ दुविहा आराहणा प० तं० धम्मियाराहणा चेंव केवलिआराहणा चेव। धम्मियाराहणा दुविहा प० तं० सुयधम्माराहणा चेव चरित्तधम्माराहणा चेव। केवलिआराहणा दुविहा प० तं० अंतकिरिया चेव कप्पविमाणोववत्तिया चेव ॥ ७६ ॥ दोतित्थयरा णीलुप्पलसमावण्णेणं प० तं० मुणिसुव्वए चेव, अरिट्ठणेमी चेंव। दोतित्थयरा पियंगुसमावण्णेणं प० तं० मल्ली चेव पासे चेव। दोतित्थयरा पउमगोरा वण्णेणं, प० तं पउमप्पहे चेव वासुपुज्जे चेव। दोतित्थयरा चंदगोरा वण्णेणं प० तं० चंदप्पभे चेव पुप्फदंते चेव ॥७७॥ सच्चप्पवाय पुव्वस्सणं दुवे वत्थू पण्णत्ता। पुव्वभद्दवयाणक्खत्ते दुतारे प० उत्तरभद्दवयाणक्खत्ते दुतारे प०-एवं पुव्वफग्गुणी, उत्तरफग्गुणी ॥ ७८ ॥ अंतोणं मणुस्सखेत्तस्स दो समुद्दा, प० तं० लवणे चेंव कालोदे चेव। दोचक्कवट्टी अपरिचत्तकामभोगा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणणरए णेरइयत्ताए उववण्णा तं० सुभूमे चेव बंभदत्ते चेव ॥ ७९ ॥ असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं देसूणाइं दोपलिओवमाइं ठिई प०, सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दोसागरोवमाइं ठिई प०, ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई प०, सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दोसागरोवमाइं ठिई प०, माहिंदे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥ ८० ॥ दोसु कप्पेसु कप्पत्थियाओ पण्णत्ताओ तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव। दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव। दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव। दोसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा प० तं० सणंकुमारे चेंव, माहिंदे चेव। दोसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा प० तं० बंभलोए चेव, लंतए चेव। दोसु कप्पेसु देवा सद्दपरियारगा प० तं० महासुक्के चेव, सहस्सारे चेव। दोइंदा मणपरियारगा, प० तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ ८१ ॥ जीवाणं दुट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं जहा–तसकायणिव्वत्तिए चेव, थावरकायणिव्वत्तिए चेव। एवं उवचिणिंसु वा, उवचिणंति वा, उवचिणिस्संति वा, बंधिंसु वा, बंधंति वा, बंधिस्संति वा, उदीरिंसु वा, उदीरेंति वा, उदीरिस्संति वा, वेदिंसु वा, वेदिंति वा, वेदिस्संति वा, णिज्जरिंसु वा, णिज्जरेंति

वा, णिज्जरिस्संति वा ॥ ८२ ॥दुप्पएसिया खंधा अणंता प० दुपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० एवं जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ८३ ॥

तइयं ठाणं पढमो उद्देसो

तओ इंदा प० तं० णामिंदे-ठवणिंदे-दव्विंदे। तओ इंदा प० तं० णाणिंदे-दंसणिंदे-चरित्तिंदे, तओ इंदा प० तं देविंदे-असुरिंदे-मणुस्सिंदे ॥ १ ॥ तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरए पोग्गलए परियाइत्ता एगा विउव्वणा, बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा, बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि एगा विउव्वणा, तिविहा विउव्वणा प तं० अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा। तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा ॥ २ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० कतिसंचिया, अकतिसंचिया अवत्तव्वगसंचिया एवमेगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया ॥ ३ ॥ तिविहा परियारणा प० तं० एगे देवे अण्णे देवे अण्णेसिं देवाणं देवीओ य अभिजुंजिय २ परियारेइ, अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ, एगे देवे णो अण्णेदेवे णो अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ। एगे देवे णो अण्णेदेवे णो अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ, णो अप्पणिज्जियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ॥ ४ ॥ तिविहे मेहुणे प० तं० दिव्वे माणुस्सए तिरिक्खजोणिए। तओ मेहुणं गच्छंति तं० देवा मणुस्सा तिरिक्खजोणिया। तओ मेहुणं सेवंति तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ ५ ॥ तिविहे जोगे प० तं० मणजोगे वयजोगे कायजोगे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे पओगे प० तं० मणपओगे, वयपओगे, कायपओगे; जहा जोगो विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं, तहा पओगेवि। तिविहे करणे प० तं० मणकरणे, वयकरणे, कायकरणे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे करणे पण्णत्ते तं० आरंभ-

करणे, संरंभकरणे, समारंभकरणे, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ ६ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसंवइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा, माहणं वा, अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभित्ता भवइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पगरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति तंजहा—णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असण-पाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति ॥ ७ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मंपगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलेत्ता णिंदेत्ता खिंसेत्ता गरिहित्ता अवमाणित्ता अण्णयरेणं अमणुण्णेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभ-दीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति, तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति, तंजहा—णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता णमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता मणुण्णेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा सुहदीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति ॥८॥ तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ तं० मणगुत्ती, वयगुत्ती कायगुत्ती। संजयमणुस्साणं तओ गुत्तीओ प० तं० मण, वय, काय०। तओ अगुत्तीओ प० तं० मणअगुत्ती, वयअगुत्ती, कायअगुत्ती, एवं णेर-इयाणं जाव० थणियकुमाराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं असंजयमणुस्साणं वाण-मंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं। तओ दंडा प० तं० मणदंडे, वयदंडे, कायदंडे णेरइयाणं तओ दंडा प० तं० मणदंडे, जाव कायदंडे, विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणि-याणं ॥९॥ तिविहा गरहा प० तं० मणसावेगे गरहइ, वयसावेगे गरहइ, कायसावेगे गरहइ, पावाणं कम्माणं अकरणयाए। अहवा गरहा तिविहा प० तं० दीहंवेगे अद्धं गरहइ, रहस्सं वेगे अद्धं गरहइ, कायंवेगे पडिसाहरइ पावाणं कम्माणं अकरणयाए। तिविहे पच्चक्खाणे प० तं० मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, कायसावेगे पच्चक्खाइ, एवं जहा गरहा तहा पच्चक्खाणेवि दो आलावगा भाणियव्वा ॥१०॥ तओ रुक्खा, प० तं० पत्तोवए, पुप्फोवए, फलोवए, एवामेव तओ पुरिसजाया

प० तं० पत्तो वा रुक्खसमाणे, पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे। तओ पुरिसजाया प० तं० णामपुरिसे, ठवणापुरिसे दव्वपुरिसे। तओ पुरिसजाया प० तं० णाणपुरिसे, दंसणपुरिसे, चरित्तपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० वेदपुरिसे, चिंधपुरिसे, अभिलावपुरिसे ॥ ११ ॥ तिविहा पुरिसा प० तं० उत्तमपुरिसा, मज्झिमपुरिसा जहण्णपुरिसा। उत्तमपुरिसा तिविहा प० तं० धम्मपुरिसा, भोगपुरिसा, कम्मपुरिसा। धम्मपुरिसा अरिहंता, भोगपुरिसा चक्कवट्टी, कम्मपुरिसा वासुदेवा। मज्झिमपुरिसा तिविहा—उग्गा भोगा राइण्णा। जहण्णपुरिसा तिविहा, प० तं० दासा, भयगा, भाइल्लगा ॥ १२ ॥ तिविहा मच्छा प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा। अंडया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा। पोयया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ॥ १३ ॥ तिविहा पक्खी प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा। अंडया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा। पोयया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा, एवमेएणं अभिलावेणं उरपरिसप्पा वि भाणियव्वा, भुजपरिसप्पा वि भाणियव्वा, एवं चेव ॥ १४ ॥ तिविहाओ इत्थीओ पण्णत्ताओ तं० तिरिक्खजोणित्थीओ, मणुस्सित्थीओ देवित्थीओ। तिरिक्खजोणित्थीओ तिविहाओ प० तं० जलचरीओ, थलचरीओ, खहचरीओ। मणुस्सित्थीओ तिविहाओ पण्णत्ताओ, तं० कम्मभूमियाओ, अकम्मभूमियाओ, अंतरदीवियाओ ॥१५॥ तिविहा पुरिसा प० तं० तिरिक्खजोणियपुरिसा, मणुस्सपुरिसा, देवपुरिसा। तिरिक्खजोणियपुरिसा तिविहा प० तं० जलयरा, थलयरा, खहयरा। मणुस्सपुरिसा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया, अकम्मभूमिया अंतरदीवया ॥ १६ ॥ तिविहा णपुंसगा, प० तं० णेरइयणपुंसगा, तिरिक्खजोणियणपुंसगा मणुस्सणपुंसगा। तिरिक्खजोणियणपुंसगा तिविहा—जलयरा थलयरा खहयरा ॥ १७ ॥ मणुस्सणपुंसगा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया अकम्मभूमिया अंतरदीवया। तिविहा तिरिक्खजोणिया, इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १८ ॥ णेरइयाणं तओ लेस्साओ प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा। असुरकुमाराणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा एवं जाव थणियकुमाराणं। एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वि तेउवाउवेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वि तओ लेस्सा जहा णेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प०

तं० कण्हणीलकाउलेस्सा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ असंकिलिट्ठाओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा, एवं मणुस्साणवि । वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं, वेमाणियाणं तओ लेस्साओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा ॥ १९ ॥ तिहिं ठाणेहिं तारारूवे चलेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा, ठाणाओ वा ठाणं संकममाणे तारारूवे चलेज्जा । तिहिं ठाणेहिं देवे विज्जुयारं करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा इड्ढिं जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे देवे विज्जुयारं करेज्जा । तिहिं ठाणेहिं देवे थणियसद्दं करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा एवं जहा विज्जुयारं तहेव थणियसद्दंपि ॥ २० ॥ तिहिं ठाणेहिं लोगंधयारे सिया तंजहा–अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे । तिहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु । तिहिं ठाणेहिं देवंधयारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे । तिहिं ठाणेहिं देवुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु । तिहिं ठाणेहिं देवसण्णिवाए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु । एवं देवुक्कलिया, देवकहकहए । तिहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, एवं सामाणिया, तायत्तीसगा लोगपाला देवा अग्गमहिसीओ देवीओ परिसोववण्णगा देवा, अणियाहिवई देवा, आयरक्खा देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति । तिहिं ठाणेहिं देवा अब्भुट्ठेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव तं चेव, एवमासणाइं चलेज्जा, सीहणायं करेज्जा, चेलुक्खेवं करेज्जा । तिहिं ठाणेहिं देवाणं चेइय रुक्खा चलेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, जाव तं चेव । तिहिं ठाणेहिं लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु ॥ २१ ॥ तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो ! तंजहा–अम्मापिउणो भट्टिस्स धम्मायरियस्स, संपाओवि य णं केइ पुरिसे अम्मापियरं सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेत्ता, सुरभिणा गंधट्टएणं उव्वट्टित्ता, तिहिं उदगेहिं मज्जावेत्ता, सव्वालंकारविभूसिय करेत्ता, मणुण्णं थालीपा-

आगमेस्साए उस्सप्पिणीए। जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया तिण्णि गाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० तिण्णिपलिओवमाइं परमाउं पालयंति। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे ॥ ३२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ वंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंतवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेववासुदेवा, एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। तओ अहाउयं पालेंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा। तओ मज्झिममाउयं पालयंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा ॥३३॥ बायरतेऊकाइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि राइंदियाइं ठिई प०। बायरवाउकाइयाणं उक्कोसेणं तिण्णिवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता ॥३४॥ अह भंते। सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसिणं धण्णाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लंछियाणं मुद्दियाणं पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णिसंवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ पविद्धंसइ विद्धंसइ तेण परं बीए अबीए भवइ तेण परं जोणी वोच्छेए प० ॥३५॥ दोच्चाएणं सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णिसागरोवमाइं ठिई प०। तच्चाएणं वालुयप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं तिण्णिसागरोवमाइं ठिई प०। पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिण्णिणिरयावाससयसहस्सा प०। तिसु णं पुढवीसु णेरइया उसिणं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० पढमाए दोच्चाए तच्चाए ॥३६॥ तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० अप्पइट्ठाणे णरए जंबुद्दीवे दीवे सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे। तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतएणं णरए समयक्खेत्ते ईसिपब्भरापुढवी ॥३७॥ तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं प० तं० कालोदे, पुक्खरोदे, सयंभुरमणे, तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा प० तं० लवणे कालोदे सयंभुरमणे ॥३८॥ तओ लोए णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा णिम्मेरा णिपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववज्जंति तं० रायाणो मंडलिया जे य महारंभा कोडुंबी। तओ लोए सुसीला सुव्वया सगुणा सम्मेरा सपच्चक्खाण-

पोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० रायाणो परिच्चत्तकामभोगा सेणावई पसत्थारो ॥३९॥ बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा तिवण्णा पण्णत्ता तं० किण्हा णीला लोहिया। आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं तिण्णि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥४०॥ तओ पण्णत्तीओ कालेणं अहिज्जंति त० चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती दीवसागर-पण्णत्ती ॥ ४१ ॥

तइयं ठाणं बीओ उद्देसो

तिविहे लोगे पण्णत्ते तं० णामलोगे ठवणलोगे दव्वलोगे। तिविहे लोगे प० तं० णाणलोगे दंसणलोगे चरित्तलोगे। तिविहे लोगे प० तं० उड्ढलोगे अहोलोगे तिरिय-लोगे ॥ ४२ ॥ चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झमिया चंडा बाहिरया जाया। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सामाणियाणं देवाणं तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया जहेव चमरस्स, एवं तायत्तीसगाणवि, लोगपालाणं तुंबा तुडिया पव्वा एवं अग्गमहिसीण वि। बलिस्स वि एवं चेव जाव अग्गमहिसीणं। धरणस्स य सामाणियतायत्तीसगाणं च समिया चंडा जाया, लोगपालाणं अग्ग-महिसीणं ईसा तुडिया दढरहा, जहा धरणस्स तहा सेसाणं भवणवासीणं, काल-स्सणं पिसाइंदस्स पिसायरण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, त० ईसा तुडिया दढरहा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं वि एवं जाव गीयरइ गीयजसाणं चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो तओ परिसाओ, तुंबा तुडिया पव्वा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं, एवं सूरस्स वि, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चंडा जाया, एवं जहा चमरस्स जाव अग्गमहिसीणं, एवं जाव अच्चुयस्स लोगपालाणं ॥ ४५ ॥ तओ जामा प० तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, तिहिं जामेहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, एवं जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा त० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। तओ वया प० तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए। तिहिं वएहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, एसो चेव गमो णेयव्वो, जाव केवलणाणंति ॥ ४४ ॥ तिविहा बोही

प० तं० णाणबोही दंसणबोही चरित्तबोही। तिविहा बुद्धा प० तं० णाणबुद्धा दंसणबुद्धा चरित्तबुद्धा, एवं मोहे मूढा ॥ ४५ ॥ तिविहा पव्वज्जा प० तं० इहलोगपडिबद्धा, परलोगपडिबद्धा, दुहओ पडिबद्धा। तिविहा पव्वज्जा प० तं० पुरओपडिबद्धा, मग्गओपडिबद्धा, उभओपडिबद्धा। तिविहा पव्वज्जा प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता, बुयावइत्ता। तिविहा पव्वज्जा पण्णत्ता तं० उवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा ॥ ४६ ॥ तओ णियंठा णोसण्णोवउत्ता प० तं० पुलाए णियंठे सिणाए। तओ णियंठा सण्णणोसण्णोवउत्ता प० तं० बउसे पडिसेवणाकुसीले कसायकुसीले ॥ ४७ ॥ तओ सेहभूमीओ पं० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा, उक्कोसा छम्मासा, मज्झिमा चउमासा, जहण्णा सत्तराइंदिया ॥ ४८ ॥ तओ थेरभूमीओ पण्णत्ताओ तं० जाइथेरे सुयथेरे परियायथेरे। सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जाइथेरे, ठाणसमवायधरे णं समणे णिग्गंथे सुयथेरे, वीसवासपरियाए णं समणे णिग्गंथे परियायथेरे ॥ ४९ ॥ तओ पुरिसजाया प० सुमणे दुम्मणे णोसुमणेणोदुम्मणे। तओ पुरिसजाया प० तं० गंताणामेगे सुमणे भवइ गंताणामेगे दुम्मणे भवइ गंताणामेगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ। तओ पुरिसजाया प० तं० जामि एगे सुमणे भवइ, जामि एगे दुम्मणे भवइ, जामि एगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, एवं जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया पण्णत्ता तं० अगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं आगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) एमि एगे सुमणे भवइ, एस्सामि एगे सुमणे भवइ(३) एवं एएणं अभिलावेणं, गंता य अगंता य आगंता खलु तहा अणागंता। चिट्ठित्तमचिट्ठित्ता, णिसिइत्ता चेव णो चेव॥१॥ हंता य अहंताय छिंदित्ता खलु तहा अछिंदित्ता बूइत्ता अबूइत्ता, भासित्ता चेव णो चेव ॥२॥ दच्चा य अदच्चा य, भुंजित्ता खलु तहा अभुंजित्ता, लंभित्ता अलंभित्ता, पिइत्ता चेव णो चेव ॥३॥ सुइत्ता असुइत्ता, जुज्झित्ता खलु तहा अजुज्झित्ता; जइत्ता अजइत्ता य, पराजिणित्ता चेव णो चेव ॥४॥ सद्दा रूवा गंधा, रसा य फासा तहेव ठाणा य; णिस्सीलस्स गरहिया, पसत्था पुण सीलवंतस्स ॥५॥ एवमेक्केके तिण्णितिण्णिउ आलावणा भाणियव्वा। सद्दं सुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) एवं सुणेमित्ति (३) सुणेस्सामित्ति ३ एवं असुणे-

अप्पमाएणं ॥५६॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति, एवं भासेंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति कहण्णं समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ? तत्थ जासा कडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा कडा णो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा णो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, से एवं वत्तव्वं सिया ? अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं, जे ते एवमाहंसु मिच्छा, ते एवमाहंसु । अहं पुण एवमाइक्खामि एवं भासामि, एवं पण्णवेमि, एवं परूवेमि, किच्चं दुक्खं फुसं दुक्खं कज्जमाणं कडं दुक्खं कट्टु २ पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं सिया ॥ ५७ ॥

तइयं ठाणं तइओ उद्देसो

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा णो णिंदिज्जा णो गरहेज्जा णो विउट्टेज्जा णो विसोहेज्जा णो अकरणयाए अब्भुट्ठेज्जा णो अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जिज्जा तं० अकरिंसु वाहं करेमि वाहं करिस्सामि वाहं ॥ ५८ ॥ तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० अकित्ती वा मे सिया अवण्णे वा मे सिया अविणए वा मे सिया । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो वा मे परिहाइस्सइ पूयासक्कारे वा मे परिहाइस्सइ । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा णिंदेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तंजहा माइस्स णं अस्सिं लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० अमाइस्स णं अस्सिं लोए पसत्थे भवइ, उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए ॥५९॥ तओ पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे अत्थधरे तदुभयधरे ॥६०॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा तओ वत्थाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए भंगिए खोमिए । कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा तओ पायाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० लाउयपाए वा दारुपाए वा मट्टियापाए वा । तिहिं ठाणेहिं वत्थं धरेज्जा तं० हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परीसहवत्तियं ॥६१॥ तओ आयरक्खा प० तं० धम्मियाए

पडिच्चोयणाए पडिच्चोएत्ता भवइ तुसिणीए वा सिया उट्ठित्ता वा आयाए एगंतमंतम-वक्कमेज्जा ॥ ६२ ॥ णिग्गंथस्स णं गिलायमाणस्स कप्पंति तओ वियडदत्तीओ पडिगाहित्तए तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा ॥६३॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ, तं० सयं वा दट्ठुं सड्ढस्स वा णिसम्म तच्चं मोसं आउट्टइ चउत्थं णो आउट्टइ ॥६४॥ तिविहा अणुण्णा प० तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए। तिविहा समणुण्णा प० तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, एवं उवसंपया एवं विजहणा॥६५॥तिविहे वयणे प० तं० तव्वयणे तदण्णवयणे णो अवयणे। तिविहे अवयणे प० तं० णो तव्वयणे णो तदण्ण-वयणे अवयणे। तिविहे मणे प० तं० तम्मणे तयण्णमणे णो अमणे। तिविहे अमणे णो तंमणे णो तयण्णमणे अमणे ॥ ६६ ॥ तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाए सिया तं० तस्सि च णं देसंसि वा पएसंसि वा णो बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, देवाणागा जक्खा भूया णो सम्म-माराहिता भवंति तत्थ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं अण्णं देसं साहरंति अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं वाउकाए विहुणेइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाए सिया। तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया तं० तंसि च णं देसंसि वा पएसंसि वा बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्क-मंति विउक्कमंति, चयंति उववज्जंति, देवा णागा जक्खा भूया सम्ममाराहिता भवंति अण्णत्थ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं तं देसं साहरंति अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं णो वाउकाओ विहुणेइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया ॥६७॥ तिहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणो-ववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पकप्पं पगरेइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे तस्स णं माणुस्सए पेम्मे वोच्छिण्णे दिव्वे संकंते भवइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे तस्स णमेवं भवइ इयण्हिं ण गच्छं मुहुत्तं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा

संजुत्ता भवंति इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेवं णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तिहि ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुस्सलोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा, उवज्झाएइ वा पवत्तेइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि। अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ, एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा, तवस्सीइ वा, अइदुक्कर-दुक्करकारगे तं गच्छामि णं भगवंतं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि, पासंतु ता मे इमं एयारूवं दिव्वं देविड्ढिं, दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ६८ ॥ तओ ठाणाइं देवे पीहेज्जा तं० माणुस्सगं भवं, आरिए खेत्ते जम्मं, सुकुलपच्चायाइं ॥ ६९ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा तं० अहो णं मए संते बले संते वीरिए संते पुरिसक्कार-परक्कमे खेमंसि सुभिक्खंसि आयरियउवज्झाएहिं विज्जमाणेहिं कल्लसरीरेणं णो बहुए सुए अहीए अहो णं मए इहलोगपडिबद्धेणं परलोगपरंमुहेणं विसयतिसिएणं णो दीहे सामण्णपरियाए अणुपालिए। अहो णं मए इड्ढिरससायगरुएणं भोगामिस-गिद्धेणं णो विसुद्धे चरित्ते फासिए इच्चेएहिं० ॥७०॥ तिहिं ठाणेहिं देवे चइस्सामीत्ति जाणइ, तं० विमाणाभरणाइं णिप्पभाइं पासित्ता, कप्परुक्खगं मिलायमाणं पासित्ता अप्पणो तेयलेस्सं परिहायमाणिं जाणित्ता इच्चेएहिं० । तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमागच्छेज्जा तं०—अहो णं मए इमाओ एयारूवाओ दिव्वाओ देविड्ढिओ दिव्वाओ देवजुईओ, दिव्वाओ देवाणुभावाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागयाओ चइयव्वं

भविस्सइ। अहो णं मए माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं तप्पढमयाए आहारो आहारेयव्वो भविस्सइ। अहो णं मए कलमलजंबालाए असुईए उव्वेयणियाए भीमाए गब्भवसहीए वसियव्वं भविस्सइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं० ॥ ७१ ॥ तिसंठिया विमाणा प० तं० वट्टा तंसा चउरंसा। तत्थ णं जे ते वट्टविमाणा ते णं पुक्खरकण्णिया संठाणसंठिया सव्वओ समंता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा प०। तत्थ णं जे ते तंसविमाणा ते सिंघाडगसंठाणसंठिया दुहओ पागारपरिक्खित्ता एगओ वेइया परिक्खित्ता तिदुवारा प०। तत्थ णं जे ते चउरंसविमाणा ते णं अक्खाडगसंठाणसंठिया सव्वओ समंता वेइया परिक्खित्ता चउदुवारा प०। तिपइट्ठिया विमाणा प० तं० घणोदहिपइट्ठिया, घणवायपइट्ठिया, उवासंतरपइट्ठिया। तिविहा विमाणा प० तं० अवट्ठिया वेउव्विया परिजाणिया ॥ ७२ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० सम्मादिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं। तओ दुग्गईओ पण्णत्ताओ तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई मणुयदुग्गई। तओ सुगईओ प० तं० सिद्धिसोग्गई देवसोग्गई मणुस्ससोग्गई। तओ दुग्गया प० तं० णेरइयदुग्गया तिरिक्खजोणियदुग्गया, मणुस्सदुग्गया। तओ सुगया प० तं० सिद्धसुगया देवसुगया मणुस्ससुगया ॥ ७३ ॥ चउत्थभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तं० उस्सेइमे संसेइमे चाउलधोवणे। छट्ठभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा—तिलोदए तुसोदए जवोदए। अट्ठमभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तंजहा—आयामए सोवीरए सुद्धवियडे ॥ ७४ ॥ तिविहे उवहडे प० तं० फलीओवहडे सुद्धोवहडे संसट्ठोवहडे। तिविहे ओग्गाहिए प० तं० जं च ओगिण्हइ जं च साहरइ जं च आसगंसि पक्खिवइ ॥ ७५ ॥ तिविहा ओमोयरिया प० तं० उवगरणोमोयरिया, भत्तपाणोमोयरिया, भावोमोयरिया। उवगरणोमोयरिया तिविहा प० तं० एगे वत्थे, एगे पाए चियत्तोवहिसाइज्जणया ॥७६॥ तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा अहियाए असुहाए अक्खमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० कूअणया, कक्करणया अवज्झाणया। तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवंति, तं० अकूअणया अकक्करणया अणवज्झाणया

॥ ७७ ॥ तओ सल्ला प० तं० मायासल्ले णियाणसल्ले मिच्छादंसणसल्ले ॥ ७८ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेउलेस्से भवइ तं० आयावणयाए खंतिखमाए अपाणगेणं तवोकम्मेणं ॥ ७९ ॥ तिमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स कप्पंति तओ दत्तीओ भोअणस्स पडिगाहित्तए तओ पाणगस्स। एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० उम्मायं वा लभेज्जा, दीहकालियं वा रोयायंकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा। एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणुपालेमाणस्स अणगारस्स तओ ठाणा हियाए सुभाए खमाए णिस्सेस्साए आणुगामियत्ताए भवंति तं० ओहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा मणपज्जवणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा ॥ ८० ॥ जंबुद्दीवे दीवे तओ कम्मभूमीओ प० तं० भरहे, एरवए, महाविदेहे। एवं धायइखंडे दीवे पुरत्थिमद्धे जाव पुक्खर-वर-दीवड्ढ-पच्चत्थिमद्धे ॥ ८१ ॥ तिविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे, मिच्छद्दंसणे, सम्मामिच्छदंसणे। तिविहा रुई प० तं० सम्मरुई, मिच्छरुई, सम्ममिच्छरुई। तिविहे पओगे प० तं० सम्मप्पओगे, मिच्छप्पओगे, सम्ममिच्छप्पओगे ॥ ८२ ॥ तिविहे ववसाए, प० तं० धम्मिए ववसाए अहम्मिए ववसाए, धम्मियाधम्मिए ववसाए। अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे, पच्चइए, आणुगामिए। अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए। इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए वेइए सामइए। लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे। वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जउव्वेए सामवेए। सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥८३॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ ८४ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ ८५ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया। णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ ८६ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे। अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अण्णाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प० तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया। समुदाणकिरिया तिविहा

प० तं० अणंतरसमुदाणकिरिया, परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया। अण्णाणकिरिया तिविहा प० तं० मइअण्णाणकिरिया, सुयअण्णाणकिरिया, विभंगअण्णाणकिरिया। अविणए तिविहे प० तं० देसच्चाई, णिरालंबणया, णाणापेज्जदोसे। अण्णाणे तिविहे प० तं० देसअण्णाणे, सव्वअण्णाणे, भावअण्णाणे ॥ ८७ ॥ तिविहे धम्मे प० तं० सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे। तिविहे उवक्कमे प० तं० धम्मिए उवक्कमे, अहम्मिए उवक्कमे, धम्मियाधम्मिए उवक्कमे। अहवा तिविहे उवक्कमे प० तं० आओवक्कमे, परोवक्कमे, तदुभयोवक्कमे, एवं वेयावच्चे, अणुग्गहे, अणुसिट्ठि, उवालंभे, एवमिक्केक्के तिण्णि २ आलावगा जहेव उवक्कमे ॥८८॥ तिविहा कहा प० तं० अत्थकहा, धम्मकहा, कामकहा। तिविहे विणिच्छए प० तं० अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ ८९ ॥ तहारूवं णं भंते! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किं फला पज्जुवासणया? सवणफला, से णं भंते! सवणे किं फले? णाणफले, से णं भंते! णाणे किं फले? विण्णाण फले, एवमेएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा—"सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे। अणण्हए तवे चेव, वोदाणे अकिरिय णिव्वाणे (१) जाव से णं भंते! अकिरिया किं फला? णिव्वाणफला, से णं भंते! णिव्वाणे किं फले? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पण्णत्ते समणाउसो! ॥ ९० ॥

तइयं ठाणं चउत्थो उद्देसो

पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ उवस्सया पडिलेहित्तए तं०—अहे आगमणगिहंसि वा, अहे वियडगिहंसि वा, अहे रुक्खमूलगिहंसि वा, एवमणुण्णवेत्तए, उवाइणित्तए। पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ संथारगा पडिलेहित्तए तं० पुढवीसिला, कट्ठसिला, अहासंथडमेव, एवमणुण्णवित्तए उवाइणित्तए ॥९१॥ तिविहे काले प० तं० तीए पडुप्पण्णे अणागए। तिविहे समए प० तं० तीए, पडुप्पण्णे, अणागए, एवं आवलिया, आणापाणू, थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते, जाव वाससयसहस्से पुव्वंगे, पुव्वे, जाव ओसप्पिणी। तिविहे पोग्गलपरियट्टे प० तं० तीए पडुप्पण्णे अणागए ॥ ९२ ॥ तिविहे वयणे प० तं०—एगवयणे, दुवयणे, बहुवयणे। अहवा तिविहे वयणे प० तं० इत्थिवयणे, पुंवयणे, णपुंसगवयणे। अहवा तिविहे वयणे प० तं० तीयवयणे, पडुप्पण्णवयणे, अणागयवयणे

॥ ७७ ॥ तओ सल्ला प० तं० मायासल्ले णियाणसल्ले मिच्छादंसणसल्ले ॥ ७८ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेउलेस्से भवइ तं० आयावणयाए खंतिखमाए अपाणगेणं तवोकम्मेणं ॥ ७९ ॥ तिमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स कप्पंति तओ दत्तीओ भोअणस्स पडिगाहित्तए तओ पाणगस्स। एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० उम्मायं वा लभेज्जा, दीहकालियं वा रोयायंकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा। एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणुपालेमाणस्स अणगारस्स तओ ठाणा हियाए सुभाए खमाए णिस्सेस्साए आणुगामियत्ताए भवंति तं० ओहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा मणपज्जवणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा ॥ ८० ॥ जंबुद्दीवे दीवे तओ कम्मभूमीओ प० तं० भरहे, एरवए, महाविदेहे। एवं धायइखंडे दीवे पुरत्थिमद्धे जाव पुक्खर-वर-दीवड्ढ-पच्चत्थिमद्धे ॥ ८१ ॥ तिविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे, मिच्छद्दंसणे, सम्ममिच्छद्दंसणे। तिविहा रुई प० तं० सम्मरुई, मिच्छरुई, सम्ममिच्छरुई। तिविहे पओगे प० तं० सम्मप्पओगे, मिच्छप्पओगे, सम्ममिच्छप्पओगे ॥ ८२ ॥ तिविहे ववसाए, प० तं० धम्मिए ववसाए अहम्मिए ववसाए, धम्मियाधम्मिए ववसाए। अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे, पच्चइए, आणुगामिए। अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए। इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए वेइए सामइए। लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे। वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जउव्वेए सामवेए। सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥८३॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ ८४ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ ८५ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया। णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ ८६ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे। अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अण्णाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प० तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया। समुदाणकिरिया तिविहा

प० तं० अणंतरसमुदाणकिरिया, परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया। अण्णाणकिरिया तिविहा प० तं० मइअण्णाणकिरिया, सुयअण्णाणकिरिया, विभंगअण्णाणकिरिया। अविणए तिविहे प० तं० देसच्चाई, णिरालंबणया, णाणापेज्जदोसे। अण्णाणे तिविहे प० तं० देसअण्णाणे, सव्वअण्णाणे, भावअण्णाणे ॥ ८७ ॥ तिविहे धम्मे प० तं० सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे। तिविहे उवक्कमे प० तं० धम्मिए उवक्कमे, अहम्मिए उवक्कमे, धम्मियाधम्मिए उवक्कमे। अहवा तिविहे उवक्कमे प० तं० आओवक्कमे, परोवक्कमे, तदुभयोवक्कमे, एवं वेयावच्चे, अणुग्गहे, अणुसिट्ठि, उवालंभं, एवमिक्केके तिण्णि २ आलावगा जहेव उवक्कमे ॥८८॥ तिविहा कहा प० तं० अत्थकहा, धम्मकहा, कामकहा। तिविहे विणिच्छए प० तं० अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ ८९ ॥ तहारूवं णं भंते! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किं फला पज्जुवासणया? सवणफला, से णं भंते! सवणे किं फले? णाणफले, से णं भंते! णाणे किं फले? विण्णाण फले, एवमेएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा–"सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे। अणण्हए तवे चेव, वोदाणे अकिरिय णिव्वाणे (१) जाव से णं भंते! अकिरिया किं फला? णिव्वाणफला, से णं भंते! णिव्वाणे किं फले? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पण्णत्ते समणाउसो! ॥ ९० ॥

तइयं ठाणं चउत्थो उद्देसो

पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ उवस्सया पडिलेहित्तए तं०–अहे आगमणगिहंसि वा, अहे वियडगिहंसि वा, अहे रुक्खमूलगिहंसि वा, एवमणुण्णवेत्तए, उवाइणित्तए। पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ संथारगा पडिलेहित्तए तं० पुढवीसिला, कट्ठसिला, अहासंथडमेव, एवमणुण्णवित्तए उवाइणित्तए ॥९१॥ तिविहे काले प० तं० तीए पडुप्पण्णे अणागए। तिविहे समए प० तं० तीए, पडुप्पण्णे, अणागए, एवं आवलिया, आणापाणू, थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते, जाव वाससयसहस्से पुव्वंगे, पुव्वे, जाव ओसप्पिणी। तिविहे पोग्गलपरियट्टे प० तं० तीए पडुप्पण्णे अणागए ॥ ९२ ॥ तिविहे वयणे प० तं०–एगवयणे, दुवयणे, बहुवयणे। अहवा तिविहे वयणे प० तं० इत्थिवयणे, पुंवयणे, णपुंसगवयणे। अहवा तिविहे वयणे प० तं० तीयवयणे, पडुप्पण्णवयणे, अणागयवयणे

॥ ९३॥ तिविहा पण्णवणा प० तं० णाणपण्णवणा, दंसणपण्णवणा, चरित्तपण्णवणा। तिविहे सम्मे प० तं० णाणसम्मे, दंसणसम्मे, चरित्तसम्मे ॥ ९४ ॥ तिविहे उवघाए प० तं० उग्गमोवघाए, उप्पायणोवघाए, एसणोवघाए, एवं विसोही ॥ ९५ ॥ तिविहा आराहणा प० तं० णाणाराहणा, दंसणाराहणा, चरित्ताराहणा। णाणाराहणा तिविहा प० तं० उक्कोसा, मज्झिमा, जहण्णा, एवं दंसणाराहणावि, चरित्ताराहणावि। तिविहे संकिलेसे प० तं० णाणसंकिलेसे, दंसणसंकिलेसे, चरित्त-संकिलेसे, एवं असंकिलेसे वि एवं अइक्कमे वि, वइक्कमे वि, अइयारे वि, अणायारे वि। तिण्हमइक्कमाणं आलोएज्जा, पडिक्कमेज्जा णिंदेज्जा, गरहिज्जा, जाव पडिवज्जिज्जा, तं० णाणाइक्कमस्स दंसणाइक्कमस्स, चरित्ताइक्कमस्स, एवं वइक्कमाणं, अइयाराणं, अणायाराणं ॥ ९६ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे, पडिक्कमणा-रिहे, तदुभयरिहे ॥ ९७ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हरिवासे देवकुरा। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्व-यस्स उत्तरेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० उत्तरकुरा, रम्मगवासे, एरण्णवए। जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं तओ वासा प० तं० भरहे, हेमवए, हरि-वासे। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासा प० तं० रम्मगवासे, हेरण्णवए, एरवए। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते, महाहिमवंते, णिसढे। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० णीलवंते, रुप्पी, सिहरी। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ महादहा प० तं० पउमद्दहे, महापउमद्दहे, तिगिच्छिद्दहे, तत्थ णं तओ देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० सिरि, हिरी, धिई। एवं उत्तरेण वि, णवरं केसरिद्दहे, महापोंडरीयद्दहे, पोंड-रीयद्दहे, देवयाओ कित्ती, बुद्धी, लच्छी। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ पउमदहाओ महादहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० गंगा सिंधू रोहियंसा। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं सिहरीओ वासहरपव्वयाओ पोंडरीयद्दहाओ महाद्दहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० सुवण्णकूला रत्ता रत्तवई। जंबूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० गाहावई, दहवई, पंकवई। जंबूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंत-रणईओ प० तं० तत्तजला, मत्तजला, उम्मत्तजला। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं

सीओदाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा, सीहसोया, अंतोवाहिणी। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० उम्मिमालिणी, फेणमालिणी, गंभीरमालिणी। एवं धायइखंडे दीवे पुरत्थिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणईओत्ति, णिरवसेसं भाणियव्वं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ ९८ ॥ तिहिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा तंजहा—अहेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उराला पोग्गला णिवतेज्जा, तएणं ते उराला पोग्गला णिवयमाणा देसं पुढवीए चलेज्जा, महोरए वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उम्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा, णागसुवण्णाण वा संगामंसि वट्टमाणंसि देसं पुढवीए चलेज्जा,इच्चेएहिं०। तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा तं० अहेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा, तएणं से घणवाए गुविए समाणे घणोदहिमेएज्जा, तएणं से घणोदही एइए समाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा, देवे वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स माणस्स वा इड्ढिं जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा, देवासुरसंगामंसि वा वट्टमाणंसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा, इच्चेएहिं तिहिं० ॥ ९९ ॥ तिविहा देवा किब्बिसिया प० तं० तिपलिओवमट्ठिईया, तिसागरोवमट्ठिईया, तेरससागरोवमट्ठिईया। कहि णं भंते! तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थणं तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते! तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं, हेट्ठिं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते! तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं बंभलोयस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतगे कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ॥ १०० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवाणं तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प०—सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भितरपरिसाए देवीणं तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प०। ईसाणस्सणं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवीणं तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प० ॥ १०१ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपाय-

च्छित्ते, दंसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते। तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थ कम्मं करेमाणे, मेहुणं सेवेमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे। तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्णं करेमाणे पारंचिए। तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाणं तेणं करेमाणे, हत्थतालं दलयमाणे। तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए तं० पंडए, वाइए, कीवे, एवं मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए ॥ १०२ ॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसियपाहुडे। तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगइपडिबद्धे विउसियपाहुडे ॥१०३॥ तओ दुसण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए। तओ सुसण्णप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए ॥१०४॥ तओ मंडलिया पव्वया प० तं० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे। तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु ॥ १०५ ॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठवणियकप्पठिई णिव्विसमाणकप्पठिई। अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिव्विट्ठकप्पठिई, जिण-कप्पठिई, थेरकप्पट्ठिई॥१०६॥णेरइयाणं तओ सरीरगा प० तं० वेउव्विए, तेयए, कम्मए। असुरकुमाराणं तओ सरीरगा प० एवं चेव एवं सव्वेसिं देवाणं। पुढवी-काइयाणं तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए। एवं वाउकाइयवज्जाणं जाव चउरिंदियाणं ॥ १०७ ॥ गुरुं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० आयरियपडि-णीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए। गइं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० इह-लोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए। समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए। अणुकंपं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए। भावं पडुच्च तओ पडि-णीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए। सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ॥ १०८ ॥ तओ पितियंगा प० तं० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमणहे। तओ माउयंगा प० तं० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे ॥ १०९ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कया णं अहं अप्पं वा बहुयं वा सुयं अहिज्जिस्सामि? कयाणं अहं एकल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सामि? कयाणं अहं अपच्छिम-

मारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंख-
माणे विहरिस्सामि । एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणे णिग्गंथे
महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ११० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महाणिज्जरे
महापज्जवसाणे भवइ तं० कयाणं अहं अप्पं वा बहुयं वा परिग्गहं परिचइस्सामि ?
कयाणं अहं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि ? कयाणं अहं अपच्छिम-
मारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंख-
माणे विहरिस्सामि ? एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणोवासए
महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ॥१११॥तिविहे पोग्गलपडिघाए प० तं० परमाणु-
पोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहण्णिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहण्णिज्जा, लोगंते वा
पडिहणिज्जा ॥ ११२ ॥ तिविहे चक्खू प० तं० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू।
छउमत्थेणं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा माहणे वा
उप्पण्णणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ ११३ ॥ तिविहे अभि-
समागमे प० तं० उड्ढं अहं तिरियं । जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स
वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं
तओ पच्छा अहे, अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ ११४ ॥ तिविहा इड्ढी
प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी। देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी, विगुव्विणिड्ढी,
परियारणिड्ढी । अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता मीसिया । राइड्ढी
तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिड्ढी, रण्णो णिज्जाणिड्ढी, रण्णो बलवाहणकोस-
कोट्ठागारिड्ढी । अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया । गणिड्ढी
तिविहा प० तं० णाणिड्ढी, दंसणिड्ढी, चरित्तिड्ढी । अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं०
सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ ११५ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे,
सायागारवे । तिविहे करणे प० तं० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मिया-
धम्मिए करणे ॥ ११६ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्जिए, सुज्झाइए,
सुतवस्सिए । जया सुअहिज्जियं भवइ, तया सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ
तया सुतवस्सियं भवइ । से सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए सुयक्खाएणं भग-
वया धम्मे पण्णत्ते ॥ ११७ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, विति-
गिच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ ११८ ॥ तिविहे अंते प० तं०

लोगंते, वेयंते, समयंते ॥ ११९ ॥ तओ जिणा प० तं० ओहिणाणजिणे मणपज्जवणाणजिणे, केवलणाणजिणे । तओ केवली प० तं० ओहिणाणकेवली, मणपज्जवणाणकेवली, केवलणाणकेवली । तओ अरहा प० तं० ओहिणाणअरहा, मणपज्जवणाणअरहा, केवलणाणअरहा ॥१२०॥ तओ लेस्साओ दुब्भिगंधाओ प० तं० कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा । तओ लेस्साओ सुब्भिगंधाओ प० तं० तेऊ-पम्ह-सुक्कलेस्सा । एवं दुग्गइगामिणीओ, सुगइगामिणीओ संकिलिट्ठाओ, असंकिलिट्ठाओ, अमणुण्णाओ, मणुण्णाओ, अविसुद्धाओ, विसुद्धाओ, अप्पसत्थाओ, पसत्थाओ, सीअलुक्खाओ, णिद्धुण्हाओ ॥ १२१ ॥ तिविहे मरणे प० तं० बालमरणे, पंडियमरणे, बालपंडियमरणे । बालमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, संकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से । पंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, असंकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से । बालपंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से असंकिलिट्ठलेस्से अपज्जवजायलेस्से ॥ १२२ ॥ तओ ठाणा अव्ववसियस्स अहियाए, असुभाए, अखमाए, अणिस्सेसाए, अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावण्णे कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ, णो पत्तियइ, णो रोएइ, तं परीसहा अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवंति, णो से परीसहे अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए पंचहिं महव्वएहिं संकिए जाव कलुससमावण्णे, पंचमहव्वयाइं णो सद्दहइ जाव णो से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए छहिं जीवणिकाएहिं जाव अभिभवइ । तओ ठाणा ववसियस्स हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए जाव णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे पंचहिं महव्वएहिं णिस्संकिए-णिक्कंखिए जाव, परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, से णं जाव छहिं जीवणिकाएहिं णिस्संकिए जाव परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा

अभिंजुजिय २ अभिभवंति ॥ १२३ ॥ एगमेगाणं पुढवी तिहिं वलएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता तंजहा–घणोदहिवलएणं, घणवायवलएणं, तणुवायवलएणं ॥ १२४ ॥ णेरइयाणं उक्कोसेणं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जंति एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥१२५॥ खीणमोहस्सणं अरहओ तओ कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, अंतराइयं ॥ १२६ ॥ अभिईणक्खत्ते तितारे प० एवं सवणे अस्सिणी भरणी मगसिरे पूसे जेट्ठा ॥१२७॥ धम्माओ णं अरहाओ संती अरहा तिहिं सागरोवमेहिं तिचउब्भागं पलिओवमऊणएहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पण्णे । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी । मल्लीणं अरहा तिहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवेत्ता जाव पव्वइए, एवं पासेवि । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तिण्णि सया चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खर-सण्णिवाईणं जिण इव अवितहवागरमाणाणं उक्कोसिया चउद्दसपुव्विसंपया हुत्था । तओ तित्थयरा चक्कवट्टी होत्था तं० संती कुंथू अरो ॥ १२८ ॥ तओ गेविज्ज-विमाणपत्थडा प० तं० हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे; मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे । हिट्ठिमगेविज्जविमाण पत्थडे तिविहे प० तं० हिट्ठिम-हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिमउवरिम-गेविज्जविमाणपत्थडे । मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० तं० मज्झिमहिट्ठिम-गेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमउवरिमगेविज्ज-विमाणपत्थडे । उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, तिविहे प० तं० उवरिमहिट्ठिमगेविज्ज-विमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे । उवरिमउवरिमगेविज्जविमाण-पत्थडे ॥ १२९ ॥ जीवाणं तिठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा–इत्थिणिव्वत्तिए, पुरिसणिव्वत्तिए णपुंसग-णिव्वत्तिए, एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ १३० ॥ तिपए-सिया खंधा अणंता पण्णत्ता । एवं जाव तिगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ १३१ ॥ तिट्ठाणं समत्तं ॥

चउत्थं ठाणं पढमो उद्देसो

चत्तारि अंतकिरियाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा अंतकिरिया, अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिअं पव्व-

इए, संजमबहुले संवरबहुले समाहिबहुले लूहे तीरट्ठी उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्सणं णो तहप्पगारे तवे भवइ, णो तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दीहेणं परियाएणं सिज्झइ, बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी पढमा अंतकिरिया। अहावरा दोच्चा अंतकिरिया, महाकम्मपच्चायाए यावि भवइ से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले ..... जाव उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स णं तहप्पगारे तवे भवइ, तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए णिरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ० जाव अंतं करेइ जहा से गयसूमाले अणगारे, दोच्चा अंतकिरिया। अहावरा तच्चा अंतकिरिया, महाकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए जहा दोच्चा, णवरं दीहेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से सणंकुमारे राया चाउरंतचक्कवट्टी तच्चा अंतकिरिया। अहावरा चउत्था अंतकिरिया, अप्पकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए संजमबहुले जाव तस्स णं णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए णिरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा सा मरुदेवा भगवई, चउत्था अंतकिरिया ॥१॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णए, उण्णए णाममेगे पणए, पणए णाममेगे उण्णए, पणए णाममेगे पणए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णए, तहेव जाव पणए णाममेगे पणए। चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णयपरिणए, उण्णए णाममेगे पणयपरिणए, पणए णाममेगे उण्णयपरिणए, पणए णाममेगे पणयपरिणए। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णयपरिणए, चउभंगो। चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णय रूवे, तहेव चउभंगो, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णामं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णय मणे, उण्ण० एवं संकप्पेपण्णे-दिट्ठी-सीलाचारे-ववहारे-परक्कमे-एगे पुरिसजाए पडिवक्खो णत्थि॥२॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू, उज्जूणाममेगे वंके, चउभंगो। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया, प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू ४ एवं जहा उण्णयपणएहिं गमो तहा उज्जुवंकेहिं वि भाणियव्वो, जाव परक्कमे ॥ ३ ॥ पडिमापडिवण्णस्सणं अण-

गारस्स कप्पंति चत्तारि भासाओ भासित्तए तं० जायणी पुच्छणी अणुण्णवणी पुट्ठस्स वागरणी। चत्तारिभासजाया प० तं० सच्चमेगं भासजायं बीयं मोसं तइयं सच्चमोसं चउत्थं असच्चमोसं ॥ ४ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे, सुद्धे णाममेगे असुद्धे, असुद्धे णाममेगे सुद्धे, असुद्धे णाममेगे असुद्धे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे चउभंगो। एवं परिणयरूवे वत्था सपडिवक्खा ॥ ५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धमणे चउभंगो, एवं संकप्पे जाव परक्कमे ॥६॥ चत्तारि सुया प०तं० अइजाए, अणुजाए, अवजाए, कुलिंगाले ॥ ७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सच्चे णाममेगे सच्चे, सच्चे णाममेगे असच्चे (४) एवं परिणए जाव परक्कमे ॥ ८ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुई णाममेगे सुई, सुई णाममेगे असुई, चउभंगो, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुई णाममेगे सुई चउभंगो, एवं जहेव सुद्धेणं वत्थेणं भणियं, तहेव सुइणावि जाव परक्कमे ॥ ९ ॥ चत्तारि कोरवा प० तं० अंबपलंबकोरवे, तालपलंबकोरवे, वल्लिपलंबकोरवे, मिंढविसाणकोरवे, एवामेव चत्तारि पुरिस जाया प० तं० अंबपलंबकोरवसमाणे, तालपंलबकोरवसमाणे, वल्लिपलंबकोरवसमाणे, मिंढविसाणकोरवसमाणे ॥ १० ॥ चत्तारि घुणा प० तं० तयक्खाए, छल्लिक्खाए, कट्ठक्खाए, सारक्खाए, एवामेव चत्तारि भिक्खायरा प० तं० तयक्खायसमाणे, जाव सारक्खायसमाणे, तयक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स सारक्खायसमाणे तवे प० सारक्खायसमाणस्सणं भिक्खागस्स तयक्खायसमाणे तवे पण्णत्ते, छल्लिक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स कट्ठक्खायसमाणे तवे प० कट्ठक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स छल्लिक्खायसमाणे तवे प० ॥ ११ ॥ चउव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया ॥ १२ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेवणं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि समुब्भूयं वेयणं वेयमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववण्णे णेरइए णिरयवेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिज्जिण्णंसि इच्छेज्जा० णो चेव णं संचाएइ, हव्वमागच्छि-

त्तए,एवं णिरयाउयंसि कम्मंसि अक्खीणंसि जाव णो चेव णं संचाएइ हव्वमा-गच्छित्तए इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए जाव णो चेव णं संचा-एइ हव्वमागच्छित्तए ॥१३॥ कप्पंति णिग्गंथीणं चत्तारि संघाडीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० एगं दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थारा, एगं चउहत्थवित्थारं ॥ १४ ॥ चत्तारि झाणा प० तं० अट्टे झाणे, रोद्दे झाणे, धम्मे झाणे, सुक्के झाणे। अट्टे झाणे चउव्विहे प० तं० अमणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णा-गए यावि भवइ, मणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, परि-जुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ। अट्टस्सणं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० कंदणया, सोयणया, तिप्पणया परि-देवणया। रोद्दे झाणे चउव्विहे प० तं० हिंसाणुबंधि, मोसाणुबंधि तेणाणुबंधि सारक्ख-णाणुबंधि। रुद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० ओसण्णदोसे, बहुलदोसे, अण्णाणदोसे आमरणंतदोसे। धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० आणा-विजए, अवायविजए, विवागविजए, संठाणविजए। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० आणारुई, णिसग्गरुई, सुत्तरुई, ओगाढरुई। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० वायणा, पडिपुच्छणा, परियट्टणा, अणुप्पेहा। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० एगाणुप्पेहा, अणिच्चाणुप्पेहा, असर-णाणुप्पेहा, संसाराणुप्पेहा। सुक्केझाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० पुहुत्तवियक्के-सवियारी, एगत्तवियक्के अवियारी, सुहुमकिरिए अणियट्टी, समुच्छिण्णकिरिए अपडिवाई। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० खंती मुत्ती मद्दवे अज्जवे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० अणंतवत्तियाणुप्पेहा, विपरिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा, अवायाणुप्पेहा ॥१५॥ चउव्विहा देवाणं ठिई प० तं० देवेणाममेगे, देवसिणाए णाममेगे, देवपुरोहिए णाममेगे, देवपज्जलणे णाममेगे ॥१६॥ चउव्विहे संवासे प० तं० देवणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, देवे-णाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, छवीणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, छवीणाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा ॥१७॥ चत्तारि कसाया प० तं० कोह-कसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं।

चउप्पइट्ठिए कोहे प० तं० आयपइट्ठिए, परपइट्ठिए, तदुभयपइट्ठिए, अपइट्ठिए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं। चउहिं ठाणेहिं कोधुप्पत्ती सिया तं० खेत्तं पडुच्च, वत्थुं पडुच्च, सरीरं पडुच्च, उवहिं पडुच्च, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहे वेमाणियाणं। चउव्विहे कोहे प० तं० अणंताणुबंधिकोहे, अपच्चक्खाणकोहे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, संजलणे कोहे, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। एवं जाव लोहे वेमाणियाणं। चउव्विहे कोहे पण्णत्ते, आभोगणिव्वत्तिए, अणाभोगणिव्वत्तिए, उवसंते, अणुवसंते, एवं णेरइयाणं, जाव वेमाणियाणं। एवं जाव लोभे, वेमाणियाणं॥ १८ ॥ जीवा णं चउहिं ठाणेहिं अट्ठकम्मपगडीओ चिणिंसु तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं जाव वेमाणियाणं। एवं चिणंति एस दंडओ, एवं चिणिस्संति एस दंडओ, एवमेएणं तिण्णि दंडगा। एवं उवचिणिंसु, उवचिणंति, उवचिणिस्संति, बंधिंसु ३, उदीरिंसु ३ वेदेंसु ३, णिज्जरेंसु णिज्जरेंति णिज्जरिस्संति, जाव वेमाणियाणं एवमेक्किक्के पदे तिण्णि २ दंडगा भाणियव्वा, जाव णिज्जरिस्संति ॥१९॥ चत्तारि पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा, उवहाणपडिमा, विवेगपडिमा, विउस्सग्गपडिमा। चत्तारि पडिमाओ प० तं० भद्दा, सुभद्दा, महाभद्दा, सव्वओभद्दा। चत्तारि पडिमाओ प० तं० खुड्डियामोयपडिमा, महल्लियामोयपडिमा, जवमज्झा, वइरमज्झा ॥ २० ॥ चत्तारि अत्थिकाया अजीवकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, पोग्गलत्थिकाए। चत्तारि अत्थिकाया अरूविकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए ॥२१॥ चत्तारि फला प० तं० आमेणाममेगे आममहुरे, आमेणाममेगे पक्कमहुरे, पक्केणाममेगे आममहुरे, पक्केणाममेगे पक्कमहुरे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आमेणाममेगे आममहुरफलसमाणे, (४) ॥ २२ ॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० काउज्जुयया, भासुज्जुयया, भावुज्जुयया, अविसंवायणाजोगे। चउव्विहे मोसे प० तं०–कायअणुज्जुयया, भासअणुज्जुयया, भावअणुज्जुयया, विसंवादणाजोगे ॥ २३ ॥ चउव्विहे पणिहाणे प० तं० मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, उवगरणपणिहाणे। एवं णेरइयाणं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं। चउव्विहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे जाव उवगरणसुप्पणिहाणे, एवं संजयमणुस्साणवि। चउव्विहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे जाव उवगरण

दु०, एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ २४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए, संवासभद्दए णाममेगे णो आवायभद्दए, एगे आवायभद्दएवि संवासभद्दएवि, एगे णो आवायभद्दए णो संवासभद्दए। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं पासइ णो परस्स, परस्स णाममेगे वज्जं पासइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उदीरेइ णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उवसामेइ णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेइ ४ एवं वंदइ णाममेगे णो वंदावेइ ४ एवं सक्कारेइ, सम्माणेइ ४ पूएइ वाएइ पडिपुच्छइ पुच्छइ वागरेइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थधरे, अत्थधरे णाममेगे णो सुत्तधरे, एगे सुत्तधरेवि अत्थधरेवि, एगे णो सुत्तधरे णो अत्थधरे ॥ २५ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चत्तारि लोगपाला प० तं० सोमे जमे वरुणे वेसमणे; एवं बलिस्सवि सोमे जमे वेसमणे वरुणे, धरणस्स कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले, एवं भूयाणंदस्स कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, वेणुदेवस्स चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, वेणुदालिस्स चित्ते विचित्ते विचित्तपक्खे चित्तपक्खे। हरिकंतस्स पभे सुप्पभे पभकंते सुप्पभकंते; हरिस्सहस्स पभे सुप्पभे सुप्पभकंते पभकंते; अग्गिसिहस्स तेऊ तेउसिहे तेउकंते तेउप्पभे, अग्गिमाणवस्स तेऊ तेउसिहे तेउप्पभे तेउकंते, पुण्णस्स रूए रूयंसे रूयकंते रूयप्पभे, विसिट्ठस्स रूए रूयंसे रूयप्पभे रूयकंते। जलकंतस्स जले जलरए जलकंते जलप्पभे। जलप्पहस्स जले जलरए जलप्पहे जलकंते। अमियगइस्स तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई। अमियवाहणस्स तुरियगई खिप्पगई सीहविक्कमगई सीहगई; वेलंबस्स काले महाकाले अंजणे रिट्ठे। पभंजणस्स काले महाकाले रिट्ठे अंजणे। घोसस्स आवत्ते वियावत्ते णंदियावत्ते महाणंदियावत्ते। महाघोसस्स आवत्ते वियावत्ते महाणंदियावत्ते णंदियावत्ते। सक्कस्स सोमे जमे वरुणे वेसमणे। ईसाणस्स सोमे जमे वेसमणे वरुणे, एवं एगंतरिया जाव अच्चुयस्स ॥२६॥ चउव्विहा वाउकुमारा प० तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे। चउव्विहा देवा प० तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया विमाणवासी ॥ २७॥ चउव्विहे पमाणे प० तं० दव्वप्पमाणे खेत्तप्पमाणे कालप्पमाणे भावप्पमाणे ॥ २८॥ चत्तारि दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूया रूयंसा सुरूवा रूयावई। चत्तारि

विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० चित्ता चित्तकणगा सतेरा सोयामणी ॥२९॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० । ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो मज्झिमपरिसाए देवीणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३० ॥ चउव्विहे संसारे दव्वसंसारे खेत्तसंसारे कालसंसारे भावसंसारे ॥ ३१ ॥ चउव्विहे दिट्ठिवाए प० तं० परिकम्मं सुत्ताइं पुव्वगए अणुजोगे ॥ ३२ ॥ चउव्विहे पायच्छित्ते, णाणपायच्छित्ते दंसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते । वियत्तकिच्चपायच्छित्ते चउव्विहे पायच्छित्ते, पडिसेवणापायच्छित्ते संजोयणापायच्छित्ते, आरोवणापायच्छित्ते, पलिउंचणापायच्छित्ते॥३३॥चउव्विहे काले प० तं० पमाणकाले अहाउयणिव्वत्तिकाले मरणकाले अद्धाकाले ॥ ३४ ॥ चउव्विहे पोग्गलपरिणामे,प० तं० वण्णपरिणामे गंधपरिणामे रसपरिणामे फासपरिणामे॥३५॥भरहेरवएसु णं वासेसु पुरिमपच्छिमवज्जा मज्झिमगा बावीसं अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवेंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, एवं मुसावायाओ, अदिण्णादाणाओ, सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं । सव्वेसु णं महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवयंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं ॥ ३६ ॥ चत्तारि दुग्गईओ प० तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई,मणुस्सदुग्गई देवदुग्गई । चत्तारि सोग्गईओ प० तं० सिद्धसोग्गई,देवसोग्गई, मणुयसोगई, सुकुलपच्चायाई । चत्तारि दुग्गया प० तं० णेरइयदु० जाव देवदुग्गया। चत्तारि सुगया प० तं० सिद्धसुगया जाव सुकुलपच्चायाया ॥३७॥ पढमसमयजिणस्स णं चत्तारि कम्मंसा खीणा भवंति तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, मोहणिज्जं, अंतराइयं । उप्पण्णणाणदंसणधरेणं अरहा जिणे केवली चत्तारि कम्मंसे वेदेति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं । पढमसमयसिद्धस्स णं चत्तारि कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं ॥ ३८ ॥ चउहिं ठाणेहिं हासुप्पत्ती सिया तं० पासेत्ता भासेत्ता सुणेत्ता संभरेत्ता ॥ ३९ ॥ चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरे पम्हंतरे लोहंतरे पत्थरंतरे, एवामेव इत्थीए वा पुरिसस्स वा, चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरसमाणे, पम्हंतरसमाणे, लोहंतरसमाणे, पत्थरंतरसमाणे ॥ ४० ॥ चत्तारि भयगा प० तं० दिवसभयए जत्ताभयए उच्चत्तभयए कब्बालभयए ॥ ४१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे

णो पच्छण्णपडिसेवी, पच्छण्णपडिसेवी, णाममेगे णो संपागडपडिसेवी, एगे संपागड-पडिसेवीवि पच्छण्णपडिसेवीवि, एगे णो संपागडपडिसेवी णो पच्छण्णपडिसेवी ॥ ४२ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, एवं जमस्स वरुणस्स वेसमणस्स । बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो, सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० मित्तगा सुभद्दा विज्जुया असणी, एवं जमस्स वेसमणस्स वरुणस्स । धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णोचत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, एवं जाव संखवालस्स । भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा, एवं जाव सेलवालस्स, जहा धरणस्स एवं सव्वेसिं दाहिणिंदलोगपालाणं जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाणं । कालस्स णं पिसाइंदस्स पिसायरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, एवं महाकालस्स वि । सुरूवस्स णं भूइंदस्स भूयरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा, एवं पडिरूवस्स वि, पुण्णभद्दस्स णं जक्खिंदस्स जक्खरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुण्णा बहुपुत्तिया उत्तमा तारगा, एवं माणिभद्दस्स वि । भीमस्स णं रक्खसिंदस्स रक्खसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पउमा वसुमई कणगा रयणप्पभा । एवं महाभीमस्स वि किण्णरस्स णं किण्णरिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० वडिंसा केउमई रइसेणा रइप्पभा, एवं किंपुरिसस्स वि सुपुरिसस्स णं किंपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई, एवं महापुरिसस्स वि, अइकायस्स णं महोरगिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० भुयगा भुयगवई महाकच्छा फुडा, एवं महाकायस्स वि, गीयरइस्स णं गंधव्विंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, एवं गीयजसस्स वि, चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा, एवं सूरस्स वि, णवरं सूरप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा । इंगालस्स णं महग्गहस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया । एवं

सव्वेसिं महग्गहाणं जाव भावकेउस्स । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, एवं जाव वेसमणस्स। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुढवी राई रयणी विज्जू एवं जाव वरुणस्स ॥४३॥ चत्तारिगोरसविगईओ प० तं० खीरं दहिं सप्पिं णवणीयं, चत्तारि सिणेहविगईओ प० तं० तेल्लं घयं वसा णवणीयं, चत्तारि महाविगईओ प० तं० महुं मंसं मज्जं णवणीयं ॥ ४४ ॥ चत्तारि कूडागारा प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते, गुत्तेणाममेगे अगुत्ते, अगुत्ते णाममेगे गुत्ते, अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते ४। चत्तारि कूडागारसालाओ प०तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, गुत्ताणाममेगा अगुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा अगुत्तदुवारा, एवामेव चत्तारित्थीओ प० तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तिंदिया, गुत्ता णाममेगा अगुत्तिंदिया ४ ॥ ४५ ॥ चउव्विहा ओगाहणा प० तं० दव्वोगाहणा खेत्तोगाहणा कालोगाहणा भावोगाहणा ॥ ४६ ॥ चत्तारि पण्णत्तीओ अंगबाहिरियाओ प० तं० चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जंबुद्दीवपण्णत्ती, दीवसागरपण्णत्ती ॥ ४७ ॥

चउत्थं ठाणं बीओ उद्देसो

चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० कोहपडिसंलीणे माणपडिसंलीणे मायापडिसंलीणे लोभपडिसंलीणे । चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० कोहअपडिसंलीणे जाव लोभअपडिसंलीणे । चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० मणपडिसंलीणे, वइपडिसंलीणे, कायपडिसंलीणे, इंदियपडिसंलीणे । चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० मणअपडिसंलीणे जाव इंदिय० ॥ ४८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणे, दीणे णाममेगे अदीणे, अदीणे णाममेगे दीणे, अदीणे णाममेगे अदीणे । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरिणए, दीणे णाममेगे अदीणपरिणए, अदीणे णाममेगे दीणपरिणए, अदीणे णाममेगे अदीणपरिणए। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणरूवे ४, एवं दीणमणे दीणसंकप्पे दीणपण्णे दीणदिट्ठी दीणसीलायारे दीणववहारे ४, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरक्कमे, दीणे णाममेगे अदीणपरक्कमे ४, एवं सव्वेसिं चउभंगो भाणियव्वो । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणवित्ती ४, एवं दीणजाई दीणभासी, दीणोभासी । चत्तारि

पुरिसजाया पण्णत्ता तं० दीणे णाममेगे दीणसेवी ४। एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाए ४ एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाले ४। सव्वत्थ चउभंगो ॥ ४९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जपरिणए ४ एवं अज्जरूवे ४ अज्जमणे ४ अज्जसंकप्पे ४ अज्ज-पण्णे ४ अज्जदिट्ठी ४ अज्जसीलायारे ४ अज्जववहारे ४ अज्जपरक्कमे ४ अज्ज-वित्ती ४ अज्जजाई ४ अज्जभासी ४ अज्ज ओभासी ४ अज्जसेवी ४ एवं अज्जपरियाए ४ अज्जपरियाले ४ एवं सत्तरस आलावगा, जहा दीणे णं भणिया तहा अज्जेणवि भाणियव्वा। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जभावे, अज्जे णाममेगे अणज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अणज्जभावे ॥ ५० ॥ चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलसंपण्णे रूवसंपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलसंपण्णे रूवसंपण्णे। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे, कुलसंपण्णे णाममेगे णो जाइसंपण्णे, एगे जाइसंपण्णेवि, कुलसंपण्णेवि एगे णो जाइसंपण्णे णो कुलसंपण्णे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० जाइ-संपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० बलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ ॥५१॥ चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे। चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे

मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे। चत्तारि हत्थी प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, मंदे णाममेगे मंदमणे, मंदे णाममेगे मियमणे, मंदे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, मिए णाममेगे मंदमणे, मिए णाममेगे मियमणे, मिए णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, संकिण्णे णाममेगे मंदमणे, संकिण्णे णाममेगे मियमणे, संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव जाव संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। गाथा=मधुगुलियपिंगलक्खो, अणुपुव्वसुजायदीहणंगूलो; पुरओ उदग्गधीरो, सव्वंगसमाहिओ भद्दो ॥ ५२ ॥ (१) चलबहलविसमचम्मो थूलसिरो थूलएण पेएण; थूलणहदंतवालो, हरिपिंगललोयणो मंदो ॥ ५३ ॥ (२) तणुओ तणुयग्गीवो, तणयतओ तणुयदंतणहवालो; भीरू तत्थुव्विग्गो; तासी य भवे मिए णामं ॥ ५४ ॥ (३) एएसिं हत्थीणं, थोवं थोवं तु जो अणुहरइ हत्थी; रूवेण व सीलेण व, सो संकिण्णो त्ति णायव्वो ॥ ५५ ॥ (४) भद्दो मज्जइ सरए, मंदो उण मज्जए वसंतम्मि; मिउ मज्जइ हेमंते, संकिण्णो सव्वकालम्मि (५)॥५६॥ चत्तारि विकहाओ प० तं० इत्थिकहा भत्तकहा देसकहा रायकहा। इत्थिकहा चउव्विहा प० तं० इत्थीणं जाइकहा, इत्थीणं कुलकहा, इत्थीणं रूवकहा, इत्थीणं णेवत्थकहा। भत्तकहा चउव्विहा प० तं० भत्तस्स आवावकहा, भत्तस्स णिव्वावकहा, भत्तस्स आरंभकहा, भत्तस्स णिट्ठाणकहा। देसकहा चउव्विहा प० तं० देसविहिकहा, देसविकप्पकहा, देसच्छंदकहा, देसणेवत्थकहा। रायकहा चउव्विहा प० तं० रण्णो अइयाणकहा रण्णो णिज्जाणकहा, रण्णो बलवाहणकहा, रण्णो कोसकोट्ठागारकहा ॥५७॥ चउव्विहा धम्मकहा प० तं० अक्खेवणी विक्खेवणी संवेयणी णिव्वेयणी। अक्खेवणी कहा चउव्विहा प० तं० आयारऽक्खेवणी ववहारऽक्खेवणी पण्णत्तिऽक्खेवणी दिट्ठिवायअक्खेवणी। विक्खेवणी कहा चउव्विहा प० तं० ससमयं कहेइ, ससमयं कहेत्ता परसमयं कहेइ, परसमयं कहेत्ता ससमयं ठावइत्ता भवइ, सम्मावायं कहेइ, सम्मावायं कहेत्ता मिच्छावायं कहेइ, मिच्छावायं कहेत्ता सम्मावायं ठावइत्ता भवइ। संवेयणी कहा चउव्विहा प० तं०

इहलोगसंवेयणी परलोगसंवेयणी आयसरीरसंवेगणी परसरीरसंवेयणी। णिव्वेयणी कहा चउव्विहा प० तं० इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। इहलोगे सुचिण्णाकम्मा इहलोगे सुहफल-विवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे सुचिण्णा कम्मा परलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, एवं चउभंगो तहेव ॥ ५८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किसे, किसे णाममेगे दढे, दढे णाममेगे किसे, दढे णाममेगे दढे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किससरीरे, किसे णाममेगे दढसरीरे, दढे णाममेगे किस-सरीरे, दढे णाममेगे दढसरीरे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किससरीरस्स णाम-मेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स, दढसरीरस्स णाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो किससरीरस्स, एगस्स किससरीरस्स वि णाणदंसणे समुप्पज्जइ दढसरी-रस्स वि, एगस्स णो किससरीस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स ॥५९॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा, णिग्गंथीण वा अस्सिं समयंसि अइसेसे णाणदंसणे समुपज्जिउ-कामेवि णो समुप्पज्जेज्जा तं० अभिक्खणं अभिक्खणं इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं कहेत्ता भवइ, विवेगेणं विउसग्गेणं णो सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्ता-वरत्तकालसमयंसि णो धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स णो सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गं-थाण वा णिग्गंथीण वा जाव णो समुप्पज्जेज्जा। चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गं-थीण वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे समुप्पज्जेज्जा तं० इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं णो कहेत्ता भवइ, विवेगेण विउसग्गेणं सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा जाव समुप्पज्जेज्जा ॥६०॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं महापाडिवएहिं सज्झायं करेत्तए तं० आसाढपाडिवए इंदमहपाडिवए कत्तियपाडि-वए सुगिम्हपाडिवए। णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं संझाहिं सज्झायं करेत्तए तं० पढमाए पच्छिमाए मज्झण्हे अड्ढरत्ते। कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गं-

थीण वा चाउक्कालं सज्झायं करेत्तए तं० पुव्वण्हे अवरण्हे पओसे पच्चूसे ॥६१॥ चउव्विहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही, उदहिपइट्ठिया पुढवी, पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ॥ ६२ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तहे णाममेगे णोतहे णाममेगे सोवत्थी णाममेगे पहाणे णाममेगे ॥ ६३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतकरे णाममेगे णो परंतकरे, परंतकरे णाममेगे णो आयंतकरे, एगे आयंतकरेवि परंतकरेवि, एगे णो आयंतकरे णो परंतकरे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतमे णाममेगे णो परंतमे परंतमे णाममेगे णो आयंतमे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंदमे णाममेगे णो परंदमे, परंदमे णाममेगे णो आयंदमे, एगे आयंदमेवि परंदमेवि, एगे णो आयंदमे णो परंदमे ॥ ६४ ॥ चउव्विहा गरहा प० तं० उवसंपज्जामित्ति एगा गरहा, वितिगिच्छामिति एगा गरहा, जं किंचिमिच्छामित्ति एगा गरहा, एवंपि पण्णत्ते एगा गरहा ॥ ६५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे अलमंथू भवइ णो परस्स, परस्स णाममेगे अलमंथू भवइ णो अप्पणो, एगे अप्पणोवि अलमंथू भवइ परस्सवि, एगे णो अप्पणो अलमंथू भवइ णो परस्स ॥ ६६ ॥ चत्तारि मग्गा प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू, उज्जू णाममेगे वंके, वंके णाममेगे उज्जू, वंके णाममेगे वंके। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमे, खेमे णाममेगे अखेमे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमे ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे, खेमे णाममेगे अखेमरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे ४ ॥६७॥ चत्तारि संबुक्का प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते, वामे णाममेगे दाहिणावत्ते, दाहिणे णाममेगे वामावत्ते, दाहिणे णाममेगे दाहिणावत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। चत्तारि धूमसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थिओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि अग्गिसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थिओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वायमंडलिया, प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थिओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वणखंडा प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते

४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४ ॥ ६८ ॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं आलवमाणे वा संलवमाणे वा णाइक्कमइ, तं० पंथं पुच्छमाणे वा पंथं देसमाणे वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दलयमाणे वा, दलावेमाणे वा ॥ ६९ ॥ तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० तमेइ वा, तमुक्काएइ वा, अंधयारेइ वा, महंधयारेइ वा। तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० लोगंधयारेइ वा, लोगतमसेइ वा, देवंधयारेइ वा, देवतमसेइ वा। तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० वायफलिहेइ वा, वायफलिहखोभेइ वा, देवरण्णेइ वा, देववूहेइ वा। तमुक्काए णं चत्तारि कप्पे आवरित्ता चिट्ठइ तं० सोहम्मीसाणं सणंकुमारमाहिंदं ॥ ७० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे, पडुप्पण्णणंदी णाममेगे, णिस्सरणणंदी णाममेगे ॥ ७१ ॥ चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा णो पराजिणित्ता, पराजिणित्ता णाममेगा णो जइत्ता, एगा जइत्ता वि पराजिणित्तावि, एगा णो जइत्ता णो पराजिणित्ता। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे णो पराजिणित्ता ४। चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा जयइ, जइत्ता णाममेगा पराजिणइ पराजिणित्ता णाममेगा जयइ, पराजिणित्ता णाममेगा पराजिणइ, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे जयइ ॥ ७२ ॥ चत्तारि केयणा प० तं० वंसीमूलकेयणए मेंढविसाणकेयणए, गोमुत्तिकेयणए, अवलेहणियकेयणए। एवामेव चउव्विहा माया प० तं० वंसीमूलकेयणासमाणा जाव अवलेहणियाकेयणासमाणा, वंसीमूलकेयणासमाणं मायं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, मेंढविसाणकेयणासमाणं मायमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ गोमुत्तिअं जाव कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, अवलेहिणिया जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ७३ ॥ चत्तारि थंभा प० तं० सेलथंभे अट्ठिथंभे दारुथंभे, तिणिसलयाथंभे; एवामेव चउव्विहे माणे प० तं० सेलथंभसमाणे जाव तिणिसलयाथंभसमाणे। सेलथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, एवं जाव तिणिसलयाथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ७४ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० किमिरागरत्ते कद्दमरागरत्ते खंजणरागरत्ते हलिद्दरागरत्ते, एवामेव चउव्विहे लोभे प० तं० किमिरागरत्तवत्थ-

समाणे कद्दमरागरत्तवत्थसमाणे खंजणरागरत्तवत्थसमाणे हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणे, किमिरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, तहेव जाव हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ७५ ॥ चउव्विहे संसारे प० तं० णेरइयसंसारे जाव देवसंसारे। चउव्विहे आउए प० तं० णेरइयआउए जाव देवाउए। चउव्विहे भवे प० तं० णेरइयभवे जाव देवभवे ॥ ७६ ॥ चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे। चउव्विहे आहारे प० तं० उवक्खरसंपण्णे, उवक्खडसंपण्णे, सभावसंपण्णे, परिजुसियसंपण्णे ॥ ७७ ॥ चउव्विहे बंधे प० तं० पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे। चउव्विहे उवक्कमे प० तं० बंधणोवक्कमे उदीरणोवक्कमे उवसमणोवक्कमे विप्परिणामणोवक्कमे। बंधणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइबंधणोवक्कमे ठिइबंधणोवक्कमे अणुभावबंधणोवक्कमे पएसबंधणोवक्कमे। उदीरणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउदीरणोवक्कमे ठिइउदीरणोवक्कमे अणुभावउदीरणोवक्कमे पएसउदीरणोवक्कमे। उवसामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउवसामणोवक्कमे ठिइ-अणुभाव-पएसउवसामणोवक्कमे। विप्परिणामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइठिइअणुभावपएस-विप्परिणामणोवक्कमे। चउव्विहे अप्पाबहुए प० तं० पगइअप्पाबहुए ठिइअणुभावपएसअप्पाबहुए। चउव्विहे संकमे, पगइसंकमे ठिइअणुभावपएससंकमे। चउव्विहे णिधत्ते प० तं० पगइणिधत्ते, ठिइअणुभावपएसणिधत्ते। चउव्विहे णिगाइए प० तं० पगइणिगाइए, ठिइणिगाइए, अणुभावणिगाइए, पएसणिगाइए ॥ ७८ ॥ चत्तारि एक्का प० तं० दविए एक्कए माउयएक्कए पज्जयएक्कए संगहएक्कए। चत्तारि कई प० तं० दवियकई माउयकई पज्जवकई संगहकई। चत्तारि सव्वा प० तं० णामसव्वए ठवणसव्वए आएससव्वए णिरवसेससव्वए ॥७९॥ माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसिं चत्तारि कूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए सव्वरयणे रयणसंचए ॥ ८० ॥ जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो हुत्था। जंबुद्दीवे २ भरहेरवए इमीसे ओसप्पिणीए दुसमसुसमाए समाए जहण्णपए णं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो हुत्था। जंबुद्दीवे दीवे जाव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो भविस्सइ। जंबुद्दीवे दीवे

देवकुरुउत्तरकुरुवज्जाओ चत्तारि अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे, चत्तारि वट्टवेयड्ढपव्वया प० तं० सद्दावई वियडावई गंधावई मालवंतपरियाए। तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिवसंति तं० साई पभासे अरुणे पउमे। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहेवासे चउव्विहे प० तं० पुव्वविदेहे, अवरविदेहे, देवकुरा, उत्तरकुरा। सव्वेवि णं णिसढणीलवंतवासहरपव्वया चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले। जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चंदपव्वए सूरपव्वए देवपव्वए णागपव्वए। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स चउसु विदिसासु चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० सोमणसे विज्जुप्पभे गंधमायणे मालवंते। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे जहण्णपए चत्तारि अरिहंता, चत्तारि चक्कवट्टी, चत्तारि बलदेवा, चत्तारि वासुदेवा, उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए चत्तारि वणा प० तं० भद्दसालवणे, णंदणवणे, सोमणसवणे, पंडगवणे। जंबूमंदरपव्वयपंडगवणे चत्तारि अभिसेगसिलाओ प० तं० पंडुकंबलसिला, अइपंडुकंबलसिला, रत्तकंबलसिला, अइरत्तकंबलसिला। मंदरचूलिया णं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं पण्णत्ता। एवं धायइखंडदीवपुरत्थिमद्धेवि कालं आइं करित्ता जाव मंदरचूलियत्ति। एवं जाव पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धे जाव मंदरचूलियत्ति, जंबूदीवगआवस्सगं तु कालाओ चूलिया जाव धायइखंडे पुक्खरवरे य पुव्वावरे पासे। जंबूदीवस्स णं दीवस्स चत्तारि दारा प० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए, ते णं दारा चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं प०, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिवसंति तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ ८१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयण-

सयाइं ओगाहेत्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे आभासियदीवे वेसाणियदीवे णंगोलियदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति, एगरूया आभासिया वेसाणिया णंगोलिया। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० हयकण्णदीवे, गयकण्णदीवे गोकण्णदीवे सक्कुलिकण्णदीवे। तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० हयकण्णा गयकण्णा गोकण्णा सक्कुलिकण्णा। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं पंच पंच जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आयंसमुहदीवे मेंढमुहदीवे अओमुहदीवे गोमुहदीवे। तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं छ छ जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसमुहदीवे हत्थिमुहदीवे सीहमुहदीवे वग्घमुहदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं सत्त सत्त जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसकण्णदीवे हत्थिकण्णदीवे अकण्णदीवे कण्णपाउरणदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं अट्ठट्ठ जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० उक्कामुहदीवे मेहमुहदीवे विज्जुमुहदीवे विज्जुदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं णव णव जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० घणदंतदीवे लट्ठदंतदीवे गूढदंतदीवे सुद्धदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० घणदंता लट्ठदंता गूढदंता सुद्धदंता। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे सेसं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव सुद्धदंता ॥ ८२ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइजोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं महइमहालया महालिंजरसंठाणसंठिया चत्तारि महापायाला प० वलयामुहे केउए जूवए ईसरे, तत्थणं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव तं० पलिओवमट्ठिईया परिवसंति तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे ॥८३॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं आगा-

हित्ता एत्थणं चउण्हं वेलंधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० गोथूभे उदय-भासे संखे दगसीमे, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिवसंति तं० गोथूभे सिवए संखे मणोसिलए। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं चउण्हं अणुवेलंधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० कक्कोडए विज्जुप्पभे केलासे अरुणप्पभे। तत्थ णं चत्तारि महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिवसंति तं० कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे ॥८४॥ लवणे णं समुद्दे चत्तारि चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, चत्तारि सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा, चत्तारि कत्तियाओ जाव चत्तारि भरणीओ, चत्तारि अग्गी जाव चत्तारि जमा, चत्तारि अंगारया जाव चत्तारि भावकेऊ ॥ ८५ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स चत्तारि दारा प० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए। ते णं दारा णं चत्तारि जोयणाई विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं पण्णत्ता, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिवसंति विजए जाव अपराजिए ॥८६॥ धायइखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥८७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बहिया चत्तारि भरहाइं चत्तारि एरवयाइं, एवं जहा सद्दुद्देसए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं, जाव चत्तारि मंदरा चत्तारि मंदरचूलियाओ ॥ ८८ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउद्दिसिं चत्तारि अंजणगपव्वया प० तं० पुरत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए, पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए, ते णं अंजणगपव्वया चउरासीइजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं तदणंतरं च णं मायाए मायाए परिहाएमाणा परिहाएमाणा उवरिमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं प०, मूले इक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं उवरिं तिण्णि २ जोयणसहस्साइं एगं च छावट्ठं जोयणसयं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वअंजणमया अच्छा जाव पडिरूवा। तेसि णं अंजणगपव्वयाणं उवरिं बहुसमरमणिज्जभूमिभागा प० तेसि णं बहुसमरमणिज्जभूमिभागाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि सिद्धाययणा पण्णत्ता, ते णं सिद्धाययणा एगं जोयणसयं आयामेणं

पण्णत्ता पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं बावत्तरि जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, तेसिं सिद्धायय-णाणं चउदिसिं चत्तारि दारा प० तं०—देवदारे असुरदारे णागदारे सुवण्णदारे, तेसुणं दारेसु चउव्विहा देवा परिवसंति तं० देवा असुरा णागा सुवण्णा, तेसिणं दाराणं पुरओ चत्तारि मुहमंडवा पं०, तेसिणं मुहमंडवाणं पुरओ चत्तारि पेच्छा-घरमंडवा प०, तेसिणं पेच्छाघरमंडवाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि वइरामया अक्खाडगा प०, तेसि णं वइरामयाणं अक्खाडगाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि मणि-पेढियाओ प०, तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि सीहासणा पण्णत्ता, तेसि णं सीहासणाणं उवरिं चत्तारि विजयदूसा पण्णता, तेसि णं विजयदूसगाणं बहु-मज्झदेसभागे चत्तारि वइरामया अंकुसा प० तेसु णं वइरामएसु अंकुसेसु चत्तारि कुंभिका मुत्तादामा प० ते णं कुंभिका मुत्तादामा पतेयं २ अण्गेहिं तदद्धउच्चत्त-पमाणमित्तेहिं चउहिं अद्धकुंभिकेहिं मुत्तादामेहिं, सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं पुरओ चत्तारि मणिपेढियाओ पण्णत्ताओ, तासि णं मणि-पेढियाणं उवरिं चत्तारि २ चेइयथूभा पण्णत्ता, तासि णं चेइयथूभाणं पत्तेयं २ चउद्दिसिं चत्तारि मणिपेढियाओ प० तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि जिण-पडिमाओ सव्वरयणामईओ संपलियंकणिसण्णाओ थूभाभिमुहाओ चिट्ठंति तं० रिसभा वद्धमाणा चंदाणणा वारिसेणा, तेसि णं चेइयथूभा णं पुरओ चत्तारि मणि-पेढियाओ प० तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि चेइयरुक्खा प०, तेसि णं चेइयरुक्खा णं पुरओ चत्तारि मणिपेढियाओ प०, तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि महिंदज्झया प०, तेसि णं महिंदज्झयाणं पुरओ चत्तारि २ णंदाओ पुक्ख-रणीओ प० तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरत्थिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं दाहिणओ होइ सत्तवण्णवणं; अवरेण चंपगवणं, चूयवणं उत्तरे पासे (१) तत्थ णं जे से पुरत्थि-मिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदुत्तरा णंदा आणंदा णंदिवद्धणा, ताओ णंदाओ पुक्खरिणीओ एगं जोयणसय-सहस्सं आयामेणं पण्णासं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं, तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा प० तेसिणं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ चत्तारि तोरणा प० तं० पुरत्थिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं

उत्तरेणं, तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरओ दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं जाव चूयवणं उत्तरे पासे। तासिणं पुक्खरणीणं बहुमज्झदेसभाए चत्तारि दहिमुहगपव्वया प०, ते णं दहिमुहगपव्वया चउसट्ठिं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्समुव्वेहेणं, सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसेजोयणसए परिक्खेवेणं सव्वरयणामाया अच्छा जाव पडिरूवा। तेसि णं दहिमुहगपव्वयाणं उवरिं बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा पण्णत्ता, सेसं जहेव अंजणगपव्वयाणं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव चूयवणं उत्तरेपासे। तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ प० तं० भद्दा विसाला कुमुया पोंडरीगिणी। ताओ णंदाओ पुक्खरणीओ एगं जोयणसयसहस्सं सेसं तं चेव जाव दहिमुहगपव्वया जाव वणखंडा। तत्थणं जे से पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदिसेणा अमोहा गोथूमा सुदंसणा, सेसं तं चेव, तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव सिद्धाययणा जाव वणखंडा। तत्थणं जे से उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, ताओ णं पुक्खरिणीओ एगं जोयण सयसहस्सं तं चेव पमाणं तहेव दहिमुहगपव्वया, तहेव सिद्धाययणा जाव वणखंडा। णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रइकरगपव्वया प० तं० उत्तरपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए, ते णं रइकरगपव्वया दसजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं, सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया, दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं, एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। तत्थ णं जे से उत्तरपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदुत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा। कण्हाए कण्हराईए रामाए रामरक्खियाए। तत्थ णं जे से दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि राय-

हाणीओ प० तं० समणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा, पउमाए सिवाए सईए अंजूए। तत्थणं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० भूया भूयवडिंसा गोथूभा सुदंसणा, अमलाए अच्छराए णवमियाए रोहिणीए। तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० रयणा रयणुच्चया सव्वरयणा रयणसंचया। वसूए वसुगुत्ताए वसुमित्ताए वसुंधराए॥ ८९॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावसच्चे॥९०॥ आजीवियाणं चउव्विहे तवे प० तं० उग्गतवे घोरतवे रसणिज्जूहणया जिब्भिंदियपडिसंलीणया॥ ९१॥ चउव्विहे संजमे प० तं० मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे उवगरणसंजमे। चउव्विहे चियाए प० तं० मणचियाए वइचियाए कायचियाए उवगरणचियाए। चउव्विहा अकिंचणया प० तं० मणअकिंचणया वइअकिंचणया कायअकिंचणया उवगरणअकिंचणया॥ ९२॥

चउत्थं ठाणं तइओ उद्देसो

चत्तारि राईओ प० तं० पव्वयराई पुढविराई वालुयराई उदगराई। एवामेव चउव्विहे कोहे प० तं० पव्वयराइसमाणे पुढविराइसमाणे वालुयराइसमाणे उदगराइसमाणे। पव्वयराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, पुढविराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, वालुयराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, उदगराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ। चत्तारि उदगा प० तं० कद्दमोदए खंजणोदए वालुओदए सेलोदए, एवामेव चउव्विहे भावे प० तं० कद्दमोदगसमाणे खंजणोदगसमाणे वालुओदगसमाणे सेलोदगसमाणे। कद्दमोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ एवं जाव सेलोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ॥९३॥ चत्तारि पक्खी प० तं० रुयसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे, रूवसंपण्णे णाममेगे णो रुयसंपण्णे, एगे रुयसंपण्णे वि रूवसंपण्णे वि, एगे णो रुयसंपण्णे णो रूवसंपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रुयसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४॥९४॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, पत्तियं करेमित्ति एगे अप्पत्तियं करेइ, अप्पत्तियं करेमित्ति [illegible]त्तियं करेइ, अप्पत्तियं करेमित्ति एगे अप्पत्तियं करेइ। चत्तारि पुरिसजाया प०

तं० अप्पणो णाममेगे पत्तियं करेइ णो परस्स, परस्स णाममेगे पत्तियं करेइ णो अप्पणो ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, पत्तियं पवेसामित्ति एगे अप्पत्तियं पवेसेइ, अप्पत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, अप्पत्तियं पवेसामित्ति एगे अप्पत्तियं पवेसेइ। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे पत्तियं पवेसेइ णो परस्स ४ ॥ ९५ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० पत्तोवए पुप्फोवए फलोवए छायोवए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्ख-समाणे पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे छायो वा रुक्खसमाणे ॥९६॥ भारं णं वहमाणस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ णं अंसाओ अंसं साहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे पण्णत्ते, जत्थ वि य णं उच्चारं वा पासवणं वा परिठावेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं णागकुमारावासंसि वा सुवण्णकुमारावासंसि वा वासं उवेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं आवकहाए चिट्ठइ जाव आसासे प०। एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ वि य णं सीलव्वयगुणव्वयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववा-साइं पडिवज्जइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं सामाइयं देसा-वगासियं सम्ममणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं चाउद्दस-ट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाजूसणाजूसिए भत्तपाणपडिया-इक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० ॥ ९७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उदिओदिए णाममेगे, उदियत्थमिए णाममेगे, अत्थमिओदिए णाममेगे, अत्थमियत्थमिए णाममेगे। भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी णं उदिओदिए, बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी उदियत्थमिए, हरिएसबलेणमणगारे अत्थमिओदिए, काले णं सोयरिए अत्थमियत्थमिए ॥९८॥ चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुम्मे तेयोए दावरजुम्मे कलिओए। णेरइयाणं चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुंमे जाव कलिओए, एवमसुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं, एवं पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइ बेंदियाणं तेंदियाणं चउरिंदियाणं पंचि-दियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वाणमंतरजोइसियाणं वेमाणियाणं सव्वेसिं जहा णेरइयाणं ॥ ९९ ॥ चत्तारि सूरा प० तं० खंतिसूरे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे,

खंतिसूरा अरिहंता तवसूरा अणगारा; दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदेवे ॥१००॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उच्चे णाममेगे उच्चच्छंदे उच्चे णाममेगे णीयच्छंदे णीए णाममेगे उच्चच्छंदे णीए णाममेगे णीयच्छंदे ॥ १०१ ॥ असुरकुमाराणं चत्तारि लेस्सा प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा तेउलेस्सा, एवं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वाणमंतराणं सव्वेसिं जहा असुरकुमाराणं ॥ १०२ ॥ चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते जुत्ते णाममेगे अजुत्ते अजुत्ते णाममेगे जुत्ते अजुत्ते णाममेगे अजुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए, जुत्ते णाममेगे अजुत्तपरिणए ४, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए ४। चत्तारि जाणा प० तं जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे जुत्ते णाममेगे अजुत्तरूवे ४, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे ४। चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४। चत्तारि जुग्गा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४, एवं जहा जाणेण चत्तारि आलावगा तहा जुग्गेणवि पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया जाव सोभेत्ति। चत्तारि सारही प० तं० जोयावइत्ता णाममेगे णो विजोयावइत्ता, विजोयावइत्ता णाममेगे णो जोयावइत्ता, एगे जोयावइत्तावि विजोयावइत्तावि, एगे णो जोयावइत्ता णो विजोयावइत्ता, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४। चत्तारि हया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवं जुत्तपरिणए जुत्तरूवे जुत्तसोभे सव्वेसिं पडिवक्खो पुरिसजाया। चत्तारि गया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४, एवं जहा हयाणं तहा गयाणवि भाणियव्वं पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया। चत्तारि जुग्गारिया प० तं० पंथजाई णाममेगे णो उप्पहजाई उप्पहजाई णाममेगे णो पंथजाई एगे पंथजाई वि उप्पहजाई वि एगे णो पंथजाई णो उप्पहजाई। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ ॥ १०३ ॥ चत्तारि पुप्फा प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो गंधसंपण्णे गंधसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे एगे रूवसंपण्णेवि गंधसंपण्णेवि एगे णो रूवसंपण्णे णो गंधसंपण्णे। एवामेव

चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो सीलसंपण्णे ४ ॥१०४॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे, कुलसंपण्णे णाममेगे णो जाइसंपण्णे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे बलसंपण्णे णाममेगे णो जाइसंपण्णे ४, एवं जाईए रूवेण य चत्तारि आलावगा, एवं जाईए सुएण य ४, एवं जाईए सीलेण ४ एवं जाईए चरित्तेण ४ । एवं कुलेण बलेण ४, कुलेण रूवेण ४, कुलेण सुएण ४, कुलेण सीलेण ४, कुलेण चरित्तेण ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४, एवं बलेण सुएण ४, एवं बलेण सीलेण ४, एवं बलेण चरित्तेण ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो सुयसंपण्णे ४, एवं रूवेण सीलेण ४, रूवेण चरित्तेण ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुयसंपण्णे णाममेगे णो सील-संपण्णे ४, एवं सुएण चरित्तेण य ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीलसंपण्णे णाममेगे णो चरित्तसंपण्णे ४ । एए इक्कवीसं भंगा भाणियव्वा ॥१०५॥ चत्तारि फला प० तं० आमलगमहुरे मुद्दियामहुरे खीरमहुरे खंडमहुरे, एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० आमलगमहुरफलसमाणे जाव खंडमहुरफलसमाणे ॥ १०६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयवेयावच्चकरे णाममेगे णो परवेयावच्चकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० करेइ णाममेगे वेयावच्चं णो पडिच्छइ, पडिच्छइ णाम-मेगे वेयावच्चं णो करेइ ४ ॥१०७॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे, माणकरे णाममेगे णो अट्ठकरे, एगे अट्ठकरेवि माणकरेवि, एगे णो अट्ठकरे णो माणकरे । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४। च० पु० जा० प० तं० गणसंगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणसोभकरे णाममेगे णो माणकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गण-सोहिकरे णाममेगे णो माणकरे ४ ॥१०८॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवं णाम-मेगे जहइ णो धम्मं धम्मं णाममेगे जहइ णो रूवं एगे रूवंपि जहइ धम्मंपि जहइ, एगे णो रूवं जहइ णो धम्मं । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० धम्मं णाममेगे जहइ णो गणसंठिइं ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पियधम्मे णाममेगे णो दढधम्मे, दढधम्मे णाममेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि एगे णो पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ १०९ ॥ चत्तारि आयरिया प० तं० पव्वावणायरिए णाममेगे णो

उवट्ठावणायरिए, उवट्ठावणायरिए णाममेगे णो पव्वावणायरिए, एगे पव्वावणायरिएवि उवट्ठावणायरिएवि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवट्ठावणायरिए, धम्मायरिए। चत्तारि आयरिया प० तं० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४ धम्मायरिए ॥ ११० ॥ चत्तारि अंतेवासी प० तं० पव्वावणंतेवासी णाममेगे णो उवट्ठावणंतेवासी ४ धम्मंतेवासी । चत्तारि अंतेवासी प० तं० उद्देसणंतेवासी णाममेगे णो वायणंतेवासी ४ धम्मंतेवासी॥ १११ ॥ चत्तारि णिग्गंथा प० तं० रायणिए समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, राइणिए समणे णिग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ। चत्तारि णिग्गंथीओ प० तं० राइणिया समणी णिग्गंथी ४ एवं चेव । चत्तारि समणोवासगा प० तं० रायणिए समणोवासए महाकम्मे ४ तहेव। चत्तारि समणोवासियाओ प० तं० रायणिया समणोवासिया महाकम्मा तहेव चत्तारि गमा ॥ ११२ ॥ चत्तारि समणोवासगा प० तं० अम्मापिइसमाणे भाइसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे । चत्तारि समणोवासगा प० तं० अद्दागसमाणे पडागसमाणे खाणुसमाणे खरकंटयसमाणे ॥ ११३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स समणोवासगाणं सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥११४॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइपगप्पं पगरेइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए पेमे वोच्छिण्णे दिव्वे संकंते भवइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं एवं भवइ, इयण्हिं गच्छं मुहुत्तेणं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, उड्ढंपि य णं माणुस्सए गंधे जाव चत्तारिपंचजोयणसयाइं हव्वमागच्छइ ४ इचेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा

माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए॥११५॥चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा उवज्झाएइ वा पवत्तीइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं० गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा तवस्सीइ वा अइदुक्करदुक्करकारए तं गच्छामि णं ते भगवंतं वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववण्णे देवे जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि पासंतु ता मे इममेयारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मित्तेइ वा सहीइ वा सुहीइ वा सहाएइ वा संगइए वा तेसिं च णं अम्हे अण्णमण्णस्स संगारे पडिसुए भवइ, जो मे पुव्विं चयइ से संबोहियव्वे इच्चेएहिं जाव संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥११६॥ चउहिं ठाणेहिं लोगंधगारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं, अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे जायतेए वोच्छिज्जमाणे। चउहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, अरिहंताणं परिणिव्वाणमहिमासु, एवं देवंधगारे देवुज्जोए देवसण्णिवाए देवुक्कलियाए देवकहकहए। चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, एवं जहा तिठाणे जाव लोगंतिया देवा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिहंताणं परिणिव्वाणमहिमासु ॥११७॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेयसमावण्णे कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, णिग्गंथं पावयणं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे मणं उच्चावयं

माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए॥११५॥चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा उवज्झाएइ वा पवत्तीइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं० गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा तवस्सीइ वा अइदुक्करदुक्करकारए तं गच्छामि णं ते भगवंतं वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववण्णे देवे जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि पासंतु ता मे इममेयारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मित्तेइ वा सहीइ वा सुहीइ वा सहाएइ वा संगइए वा तेसिं च णं अम्हे अण्णमण्णस्स संगारे पडिसुए भवइ, जो मे पुव्विं चयइ से संबोहियव्वे इच्चेएहिं जाव संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥११६॥ चउहिं ठाणेहिं लोगंधगारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं, अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे जायतेए वोच्छिज्जमाणे। चउहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, अरिहंताणं परिणिव्वाणमहिमासु, एवं देवंधगारे देवुज्जोए देवसण्णिवाए देवुक्कलियाए देवकहकहए। चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, एवं जहा तिठाणे जाव लोगंतिया देवा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिहंताणं परिणिव्वाणमहिमासु ॥११७॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेयसमावण्णे कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, णिग्गंथं पावयणं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे मणं उच्चावयं

णियच्छइ विणिघायमावज्जइ पढमा दुहसेज्जा। अहावरा दोच्चा दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए सएणं लाभेणं णो तुस्सइ परस्स लाभमासाएइ पीहेइ पत्थेइ अभिलसइ परस्स लाभमासाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं णियच्छइ विणिघायमावज्जइ दोच्चा दुहसेज्जा। अहावरा तच्चा दुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए दिव्वे माणुस्सए कामभोगे आसाएइ जाव अभिलसइ दिव्वे माणुस्सए कामभोए आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं णियच्छइ, विणिघायमावज्जइ तच्चा दुहसेज्जा। अहावरा चउत्था दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जया णं अहमगारवासमावसामि तया णमहं संवाहणपरिमद्दणगायब्भंगगाउच्छोलणाइं लभामि जप्पभिइं च णं अहं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तप्पभिइं च णं अहं संवाहण जाव गाउच्छोलणाइं णो लभामि से णं संवाहण जाव गाउच्छोलणाइं आसाएइ जाव अभिलसइ से णं संवाहण जाव गाउच्छोलणाइं आसाएमाणे जाव मणं उच्चावयं णियच्छइ विणिघायमावज्जइ चउत्था दुहसेज्जा ॥ ११८॥

चत्तारि सुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा सुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए णिव्वितिगिच्छिए, णो भेदसमावण्णे णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ णिग्गंथं पावयणं सद्दहमाणे पत्तियमाणे रोएमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ पढमा सुहसेज्जा। अहावरा दोच्चा सुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सएणं लाभेणं तुस्सइ, परस्स लाभं णो आसाएइ, णो पीहेइ, णो पत्थेइ, णो अभिलसइ, परस्स लाभमणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, दोच्चा सुहसेज्जा। अहावरा तच्चा सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे णो आसाएइ जाव णो अभिलसइ, दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, तच्चा सुहसेज्जा। अहावरा चउत्था सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जइ ताव अरिहंता भगवंता हट्ठा आरोग्गा बलिया कल्लसरीरा अण्णयराइं ओरालाइं कल्लाणाइं विउलाइं पयत्ताइं पग्गहियाइं महाणुभागाइं कम्मक्खयकारणाइं तवोकम्माइं पडिवज्जंति

किमंग पुण अहं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं णो सम्मं सहामि खमामि तितिक्खेमि अहियासेमि, ममं च णं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं सम्ममसहमाणस्स अक्खममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ, ममं च णं अब्भोवगमिओ जाव सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ, चउत्था सुहसेज्जा ॥ ११९ ॥ चत्तारि अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसवियपाहुडे, माई । चत्तारि वायणिज्जा प० तं० विणीए, अविगइपडिबद्धे विओसवियपाहुडे, अमाई ॥ १२० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंभरे णाममेगे णो परंभरे, परंभरे णाममेगे णो आयंभरे, एगे आयंभरेवि परंभरेवि, एगे णो आयंभरे णो परंभरे ॥ १२१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गए, सुग्गए णाममेगे दुग्गए, सुग्गए णाममेगे सुग्गए । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुव्वए, दुग्गए णाममेगे सुव्वए, सुग्गए णाममेगे दुव्वए, सुग्गए णाममेगे सुव्वए । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुप्पडियाणंदे, दुग्गए णाममेगे सुप्पडियाणंदे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइगामी, दुग्गए णाममेगे सुग्गइगामी ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइं गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गइं गए ॥१२२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमे, तमे णाममेगे जोई, जोई णाममेगे तमे, जोई णाममेगे जोई । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबले, तमे णाममेगे जोईबले, जोई णाममेगे तमबले, जोई णाममेगे जोईबले । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबलपलज्जणे, तमे णाममेगे जोईबलपलज्जणे ४ ॥१२३॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे, परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे, एगे परिण्णायकम्मेवि परिण्णायसण्णेवि, एगे णो परिण्णायकम्मे णो परिण्णायसण्णे । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे ४ ॥ १२४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० इहत्थे णाममेगे णो परत्थे, परत्थे णाममेगे णो इहत्थे ४ ।

चत्तारि पुरिसजाया प० तं० एगेणं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, एगेणं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ ॥१२५॥ चत्तारि कंथगा प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णे, आइण्णे णाममेगे खलुंके, खलुंके णाममेगे आइण्णे, खलुंके णाममेगे खलुंके । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णे, चउभंगो । चत्तारि कंथगा प० तं आइण्णे णाममेगे आइण्णत्ताए विहरइ, आइण्णे णाममेगे खलुंकत्ताए विहरइ ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णत्ताए विहरइ, चउभंगो । चत्तारि पकंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे चउभंगो । चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ । चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ । चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो जयसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे ४ । एवं कुलसंपण्णेण य बलसंपण्णे य ४ । कुलसंपण्णेण य रूवसंपण्णेण य ४ । कुलसंपण्णेण य जयसंपण्णेण य ४ । एवं बलसंपण्णेण य रूवसंपण्णेण य ४ । बलसंपण्णेण य जयसंपण्णेण य ४ । सव्वत्थ पुरिसजाया पडिवक्खो, चत्तारि कंथगा प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो जयसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिस० ॥ १२६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीयालत्ताए विहरइ, सीयालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीयालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीयालत्ताए विहरइ ॥१२७॥ चत्तारि लोगे समा प० तं० अपइट्ठाणे णरए, जंबुद्दीवे दीवे, पालए जाणविमाणे, सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे । चत्तारि लोगे समा सपक्खि सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे ईसीपब्भारा पुढवी ॥१२८॥ उड्ढलोए णं चत्तारि बिसरीरा प० तं० पुढविकाइया आउवणस्सइका० उराला तसा पाणा । अहे लोए णं चत्तारि बिसरीरा प० तं० एवं चेव एवं तिरियलोए वि ४ ॥ १२९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते ॥१३०॥ चत्तारि सेज्जपडिमाओ

चत्तारि पुरिसजाया प० तं० एगेणं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, एगेणं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ ॥१२५॥ चत्तारि कंथगा प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णे, आइण्णे णाममेगे खलुंके, खलुंके णाममेगे आइण्णे, खलुंके णाममेगे खलुंके । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णे, चउभंगो । चत्तारि कंथगा प० तं आइण्णे णाममेगे आइण्णत्ताए विहरइ, आइण्णे णाममेगे खलुंकत्ताए विहरइ ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णत्ताए विहरइ, चउभंगो । चत्तारि पकंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे चउभंगो । चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ । चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ । चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो जयसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे ४ । एवं कुलसंपण्णेण य बलसंपण्णे य ४ । कुलसंपण्णेण य रूवसंपण्णेण य ४ । कुलसंपण्णेण य जयसंपण्णेण य ४ । एवं बलसंपण्णेण य रूवसंपण्णेण य ४ । बलसंपण्णेण य जयसंपण्णेण य ४ । सव्वत्थ पुरिसजाया पडिवक्खो, चत्तारि कंथगा प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो जयसंपण्णे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिस० ॥ १२६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीयालत्ताए विहरइ, सीयालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीयालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीयालत्ताए विहरइ ॥१२७॥ चत्तारि लोगे समा प० तं० अपइट्ठाणे णरए, जंबुद्दीवे दीवे, पालए जाणविमाणे, सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे । चत्तारि लोगे समा सपक्खि सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे ईसीपब्भारा पुढवी ॥१२८॥ उड्ढलोए णं चत्तारि बिसरीरा प० तं० पुढविकाइया आउवणस्सइका० उराला तसा पाणा । अहे लोए णं चत्तारि बिसरीरा प० तं० एवं चेव एवं तिरियलोएवि ४ ॥ १२९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते ॥१३०॥ चत्तारि सेज्जपडिमाओ

प०, चत्तारि वत्थपडिमाओ प०, चत्तारि पायपडिमाओ प० ,चत्तारि ठाणपडिमाओ प० ॥ १३१ ॥ चत्तारि सरीरगा जीवफुडा प० तं० वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए; चत्तारि सरीरगा कम्मुम्मीसगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए ॥ १३२॥ चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे फुडे प० तं० धम्मत्थिकाएणं अधम्मत्थिकाएणं जीवत्थिकाएणं पुग्गलत्थिकाएणं । चउहिं बायरकाएहिं उववज्जमाणेहिं लोगे फुडे प० तं० पुढविकाइएहिं आउकाइएहिं वाउवणस्सइकाइएहिं । चत्तारि पएसग्गेणं तुल्ला प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए लोगागासे एगजीवे। चउण्हमेगसरीरं णो सुपस्सं भवइ तं० पुढविआउतेउवणस्सइकाइयाणं ॥ १३३ ॥ चत्तारि इंदियत्था पुट्ठा वेदेंति तं० सोइंदियत्थे घाणिंदियत्थे जिब्भिंदियत्थे फासिंदियत्थे ॥ १३४ ॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा य पोग्गला य णो संचाएंति बहिया लोगंता गमणयाए तं० गइअभावेणं णिरुवग्गहयाए लुक्खत्ताए लोगाणुभावेणं ॥ १३५ ॥ चउव्विहे णाए प० तं० आहरणे आहरणतद्देसे आहरणतद्दोसे उवण्णासोवणए । आहरणे चउव्विहे प० तं० अवाए उवाए ठवणाकम्मे पडुप्पण्णविणासी । आहरणतद्देसे चउव्विहे प० तं० अणुसिट्ठी उवालंभे पुच्छा णिस्सावयणे । आहारणतद्दोसे चउव्विहे प० तं० अधम्मजुत्ते पडिलोमे अंतोवणीए दुरुवणीए । उवण्णासोवणए चउव्विहे प० तं० तव्वत्थुए तदण्णवत्थुए पडिणिभे हेऊ ॥ १३६ ॥ चउव्विहे हेऊ प० तं० जावए थावए वंसए लूसए । अहवा हेऊ चउव्विहे प० तं० पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे ।अहवा हेऊ चउव्विहे प० तं० अत्थित्तं अत्थि सो हेऊ अत्थित्तं णत्थि सो हेऊ णत्थित्तं अत्थि सो हेऊ णत्थित्तं णत्थि सो हेऊ ॥१३७॥ चउव्विहे संखाणे प० तं० परिकम्मं ववहारे रज्जू रासी ॥१३८॥ अहोलोए णं चत्तारि अंधयारं करेंति तं० णरगा णेरइया पावाइं कम्माइं असुभा पोग्गला। तिरियलोए णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० चंदा सूरा मणी जोई। उड्ढलोए णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० देवा देवीओ विमाणा आभरणा ॥ १३९ ॥

चउत्थं ठाणं चउत्थो उद्देसो

चत्तारि पसप्पगा प० तं० अणुप्पण्णाणं भोगाणं उप्पाएत्ता एगे पसप्पए, पुव्वुप्पण्णाणं भोगाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए, अणुप्पण्णाणं सोक्खाणं उप्पाइत्ता एगे पसप्पए पुव्वुप्पण्णाणं सोक्खाणं अविप्पओगेणं एगे प-

याणं चउव्विहे आहारे प० तं० इंगालोवमे मुम्मुरोवमे सीयले हिमसीयले । तिरिक्खजोणियाणं चउव्विहे आहारे प० तं० कंकोवमे विलोवमे पाणमंसोवमे पुत्त-मंसोवमे । मणुस्साणं चउव्विहे आहारे प० तं०असणे पाणे खाइमे साइमे । देवाणं चउव्विहे आहारे प० तं० वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते ॥ १४१ ॥ चत्तारि जाइआसीविसा प० तं० विच्छुयजाइआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइ-आसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे। विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते! केवइए विसए प० ? पभूणं विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए, विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं संपत्तीए करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा। मंडुक्कजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं मंडुक्कजाइआसीविसे भर-हप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा । उरगजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं उरगजाइआसीविसे जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा । मणुस्सजाइआसीविसपुच्छा, पभूणं मणुस्स-जाइआसीविसे समयक्खेत्तपमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं जाव करिस्संति वा ॥ १४२ ॥ चउव्विहे वाही प० तं० वाइए पित्तिए सिंभिए सण्णिवाइए। चउव्विहा तिगिच्छा प० तं० विज्जो ओसहाइं आउरे परियारए। चत्तारि तिगिच्छगा प० तं० आयतिगिच्छए णाममेगे णो परतिगिच्छए, परितिगिच्छए णाममेगे णो आयतिगिच्छए जाव चउभंगो ॥१४३॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणपरिमासी, वणपरि-मासी णाममेगे णो वणकरे, एगे वणकरेवि वणपरिमासीवि, एगे णो वणकरे णो वणपरिमासी। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसारक्खी ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसंरोही ४ ॥ १४४ ॥ चत्तारि वणा प० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४ । चत्तारि वणा प० तं० अंतोदुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे, बाहिंदुट्ठे णाममेगे णो अंतोदुट्ठे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतोदुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे ४ ॥ १४५ ॥ चत्तारि पुरिस-जाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसे, सेयंसे णाममेगे पावंसे, पावंसे णाममेगे सेयंसे, पावंसे णाममेगे पावंसे । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं०

प०, चत्तारि वत्थपडिमाओ प०, चत्तारि पायपडिमाओ प० ,चत्तारि ठाणपडिमाओ प० ॥ १३१ ॥ चत्तारि सरीरगा जीवफुडा प० तं० वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए; चत्तारि सरीरगा कम्मुम्मीसगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए ॥ १३२ ॥ चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे फुडे प० तं० धम्मत्थिकाएणं अधम्मत्थिकाएणं जीवत्थिकाएणं पुग्गलत्थिकाएणं । चउहिं बायरकाएहिं उववज्जमाणेहिं लोगे फुडे प० तं० पुढविकाइएहिं आउकाइएहिं वाउवणस्सइकाइएहिं । चत्तारि पएसग्गेणं तुल्ला प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए लोगागासे एगजीवे। चउण्हमेगसरीरं णो सुपस्सं भवइ तं० पुढविआउतेउवणस्सइकाइयाणं ॥ १३३ ॥ चत्तारि इंदियत्था पुट्ठा वेदेंति तं० सोइंदियत्थे घाणिंदियत्थे जिब्भिंदियत्थे फासिंदियत्थे ॥ १३४ ॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा य पोग्गला य णो संचाएंति बहिया लोगंता गमणयाए तं० गइअभावेणं णिरुवग्गहयाए लुक्खत्ताए लोगाणुभावेणं ॥ १३५ ॥ चउव्विहे णाए प० तं० आहरणे आहरणतद्देसे आहरणतद्दोसे उवण्णासोवणए । आहरणे चउव्विहे प० तं० अवाए उवाए ठवणाकम्मे पडुप्पण्णविणासी । आहरणतद्देसे चउव्विहे प० तं० अणुसिट्ठी उवालंभे पुच्छा णिस्सावयणे । आहारणतद्दोसे चउव्विहे प० तं० अधम्मजुत्ते पडिलोमे अंतोवणीए दुरुवणीए । उवण्णासोवणए चउव्विहे प० तं० तव्वत्थुए तदण्णवत्थुए पडिणिभे हेऊ ॥ १३६ ॥ चउव्विहे हेऊ प० तं० जावए थावए वंसए लूसए । अहवा हेऊ चउव्विहे प० तं० पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे । अहवा हेऊ चउव्विहे प० तं० अत्थित्तं अत्थि सो हेऊ अत्थित्तं णत्थि सो हेऊ णत्थित्तं अत्थि सो हेऊ णत्थित्तं णत्थि सो हेऊ ॥१३७॥ चउव्विहे संखाणे प० तं० परिकम्मं ववहारे रज्जू रासी ॥१३८॥ अहोलोए णं चत्तारि अंधयारं करेंति तं० णरगा णेरइया पावाइं कम्माइं असुभा पोग्गला। तिरियलोए णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० चंदा सूरा मणी जोई । उड्ढलोए णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० देवा देवीओ विमाणा आभरणा ॥ १३९ ॥

चउत्थं ठाणं चउत्थो उद्देसो

चत्तारि पसप्पगा प० तं० अणुप्पण्णाणं भोगाणं उप्पाएत्ता एगे पसप्पए, पुव्वुप्पण्णाणं भोगाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए,अणुप्पण्णाणं सोक्खाणं उप्पाइत्ता एगे पसप्पए पुव्वुप्पण्णाणं सोक्खाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए ॥ १४० ॥ णेरइ-

याणं चउव्विहे आहारे प० तं० इंगालोवमे मुम्मुरोवमे सीयले हिमसीयले । तिरिक्खजोणियाणं चउव्विहे आहारे प० तं० कंकोवमे विलोवमे पाणमंसोवमे पुत्तमंसोवमे । मणुस्साणं चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे । देवाणं चउव्विहे आहारे प० तं० वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते ॥ १४१ ॥ चत्तारि जाइआसीविसा प० तं० विच्छुयजाइआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे। विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते! केवइए विसए प० ? पभूणं विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए, विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं संपत्तीए करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा। मंडुक्कजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं मंडुक्कजाइआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा। उरगजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं उरगजाइआसीविसे जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा। मणुस्सजाइआसीविसपुच्छा, पभूणं मणुस्सजाइआसीविसे समयक्खेत्तपमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं जाव करिस्संति वा ॥ १४२ ॥ चउव्विहे वाही प० तं० वाइए पित्तिए सिंभिए सण्णिवाइए। चउव्विहा तिगिच्छा प० तं० विज्जो ओसहाइं आउरे परियारए। चत्तारि तिगिच्छगा प० तं० आयतिगिच्छए णाममेगे णो परतिगिच्छए, परतिगिच्छए णाममेगे णो आयतिगिच्छए जाव चउभंगो ॥१४३॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणपरिमासी, वणपरिमासी णाममेगे णो वणकरे, एगे वणकरेवि वणपरिमासीवि, एगे णो वणकरे णो वणपरिमासी। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसारक्खी ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसंरोही ४ ॥ १४४ ॥ चत्तारि वणा प० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४ । चत्तारि वणा प० तं० अंतोदुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे, बाहिंदुट्ठे णाममेगे णो अंतोदुट्ठे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतोदुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे ४ ॥ १४५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसे, सेयंसे णाममेगे पावंसे, पावंसे णाममेगे सेयंसे, पावंसे णाममेगे पावंसे । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं०

सेयंसेत्ति णाममेगे सेयंसेत्ति मण्णइ, सेयंसेत्ति णाममेगे पावंसेत्ति मण्णइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए मण्णइ सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए मण्णइ ४ ॥ १४६ ॥ चत्तारि पु० प० तं० आघवइत्ता णाममेगे णो परिभावइत्ता, परिभावइत्ता णाममेगे णो आघवइत्ता ४। चत्तारि पु० प० तं० आघवइत्ता णाममेगे णो उंछजीविसंपण्णे, उंछजीविसंपण्णे णाममेगे णो आघवइत्ता ४ ॥ १४७ ॥ चउव्विहा रुक्खविगुव्वणा प० तं० पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए ॥ १४८ ॥ चत्तारि वाइसमोसरणा प० तं० किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियावाई वेणइयावाई। णेरइयाणं चत्तारि वाइसमोसरणा प० तं० किरियावाई, जाव वेणइयावाई। एवमसुरकुमाराणवि जाव थणियकुमाराणं, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं॥ १४९ ॥ चत्तारि मेहा प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता, वासित्ता णाममेगे णो गज्जित्ता, एगे गज्जित्तावि वासित्तावि, एगे णो गज्जित्ता णो वासित्ता। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता, विज्जुयाइत्ता णाममेगे णो गज्जित्ता ४। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी, अकालवासी णाममेगे णो कालवासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी ४। चत्तारि मेहा प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४। चत्तारि मेहा प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता, णिम्मवइत्ता णाममेगे णो जणइत्ता ४। एवामेव चत्तारि अम्मापियरो प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० देसवासी णाममेगे णो सव्ववासी ४। एवामेव चत्तारि रायाणो प० तं० देसाहिवई णाममेगे णो सव्वाहिवई ४। चत्तारि मेहा प० तं० पुक्खलसंवट्टए पज्जुण्णे जीमूए जिम्हे। पुक्खलसंवट्टए णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससहस्साइं भावेइ, पज्जुण्णे णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससयाइं भावेइ, जीमूए णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवासाइं भावेइ, जिम्हे णं महामेहे बहूहिं वासेहिं एगं वासं भावेइ वा ण भावेइ वा ॥१५०॥ चत्तारि करंडगा प० तं० सोवागकरंडए वेसियाकरंडए गाहावइकरंडए

रायकरंडए। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० सोवागकरंडगसमाणे, वेसिया-करंडगसमाणे, गाहावइकरंडगसमाणे, रायकरंडगसमाणे ॥ १५१ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए ४। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए एरंडे णाममेगे० ४। चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४। गाहा—साल-दुममज्झयारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए सुंदरसीसे मुणे-यव्वे (१) एरंडमज्झयारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (२) सालदुममज्झयारे एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुल-आयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे (३) एरंडमज्झयारे, एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुलआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (४) ॥ १५२ ॥ चत्तारि मच्छा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी। एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी ॥१५३॥ चत्तारि गोला प० तं० मधुसित्थगोले जउगोले दारुगोले मट्टियागोले। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मधुसित्थगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० अयगोले तउगोले तंब-गोले सीसगोले। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० अयगोलसमाणे जाव सीसगोल-समाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० हिरण्णगोले सुवण्णगोले रयणगोले वयरगोले, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरण्णगोलसमाणे जाव वयरगोलसमाणे ॥ १५४ ॥ चत्तारि पत्ता प० तं० असिपत्ते करपत्ते खुरपत्ते कलंबचीरियापत्ते, एवामेव चत्तारि पु० प० तं० असिपत्तसमाणे जाव कलंबचीरियापत्तसमाणे ॥ १५५ ॥ चत्तारि कडा प० तं० सुंबकडे विदलकडे चम्मकडे कंबलकडे। एवा-मेव चत्तारि पु० प० तं० सुंबकडसमाणे जाव कंबलकडसमाणे ॥ १५६ ॥ चउ-व्विहा चउप्पया प० तं० एगखुरा दुखुरा गंडीपदा सणप्पदा। चउव्विहा पक्खी प० तं० चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी। चउव्विहा खुड्डपाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया ॥ १५७ ॥ चत्तारि पक्खी प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता परिवइत्ता णाममेगे णो णिवइत्ता एगे णिवइत्तावि परिवइत्तावि एगे णो णिवइत्ता णो परिवइत्ता,

एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता ४ ॥१५८॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठे, णिक्कट्ठे णाममेगे अणिकट्ठे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिक्कट्ठे णाममेगे णिट्ठकप्पा णिक्कट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठप्पा ४। चत्तारि पु० प० तं० वुहे णाममेगे वुहे, वुहे णाममेगे अवुहे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वुहे णाममेगे वुहहियए ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयाणुकंपए णाममेगे णो पराणुकंपए ४॥ १५९॥ चउव्विहे संवासे प० तं० दिव्वे आसुरे रक्खसे माणुसे। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे० ४। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० रक्खसे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४ ॥ १६० ॥ चउव्विहे अवद्धंसे प० तं० आसुरे आभिओगे संमोहे देवकिव्विसे। चउहिं ठाणेहिं जीवा आसुरत्ताए कम्मं पकरेंति तं० कोवसीलयाए पाहुडसीलयाए संसत्ततवोकम्मेणं णिमित्ताजीवयाए। चउहिं ठाणेहिं जीवा आभिओगत्ताए कम्मं पगरेंति तं० अत्तुक्कोसेणं परपरिवाएणं भूइकम्मेणं कोउयकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा सम्मोहत्ताए कम्मं पगरेंति तं० उम्मग्गदेसणाए मग्गंतराएणं कामासंसपओगेणं भिज्जाणियाणकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवकिव्विसियाए कम्मं पगरेंति तं० अरिहंताणं अवण्णं वयमाणे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वयमाणे, आयरियउवज्झायाणमवण्णं वयमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्णं वयमाणे ॥ १६१ ॥ चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० इहलोगपडिबद्धा परलोगपडिबद्धा दुहओलोगपडिबद्धा अप्पडिबद्धा। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० पुरओपडिबद्धा

मग्गओपडिबद्धा दुहओपडिबद्धा अप्पडिबद्धा। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० ओवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा विहगगइपव्वज्जा। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता मोयावइत्ता परिपूयावइत्ता। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० णडखइया भडखइया सीहखइया सीयालक्खइया। चउव्विहा किसी प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया। एवामेव चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० धण्णपुंजियसमाणा धण्णविरल्लियसमाणा धण्णविक्खित्तसमाणा धण्णसंकट्टियसमाणा ॥ १६२ ॥ चत्तारि सण्णाओ पण्णत्ताओ तं० आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा। चउहिं ठाणेहिं आहारसण्णा समुप्पज्जइ तं० ओमकोट्ठयाए छुहावेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं। चउहिं ठाणेहिं भयसण्णा समुप्पज्जइ तं० हीणसत्तयाए भयवेयणिज्जस कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं। चउहिं ठाणेहिं मेहुणसण्णा समुप्पज्जइ तं० चियमंससोणिययाए मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं। चउहिं ठाणेहिं परिग्गहसण्णा समुप्पज्जइ तं० अविमुत्तयाए लोभवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं ॥ १६३ ॥ चउव्विहा कामा प० तं० सिंगारा कलुणा बीभच्छा रोद्दा। सिंगारा कामा देवाणं कलुणा कामा मणुयाणं बीभच्छा कामा तिरिक्खजोणियाणं रोद्दा कामा णेरइयाणं ॥१६४॥ चत्तारि उदगा प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदए उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदए गंभीरे णाममेगे उत्ताणोदए गंभीरे णाममेगे गंभीरोदए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए उत्ताणे णाममेगे गंभीरहियए ४। चत्तारि उदगा प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी, उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदही, उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदही ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी ४ ॥ १६५ ॥ चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरामित्ति एगे समुद्दं तरइ, समुद्दं तरामित्ति एगे गोप्पयं तरइ, गोप्पयं तरामित्ति

एगे ४। चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरित्ता णाममेगे समुद्दे विसीयइ, समुद्दं तरित्ता णाममेगे गोप्पए विसीयइ ४॥१६६॥ चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे पुण्णे णाममेगे तुच्छे तुच्छे णाममेगे पुण्णे तुच्छे णाममेगे तुच्छे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी, पुण्णे णाममेगे तुच्छोभासी ४; एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे, पुण्णे णाममेगे तुच्छरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे, पुण्णेवि एगे अवदले, तुच्छेवि एगे पियट्ठे, तुच्छेवि एगे अवदले। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे ४ तहेव। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ, पुण्णेवि एगे णो विस्संदइ, तुच्छेवि एगे विस्संदइ, तुच्छेवि एगे णो विस्संदइ। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ ४ तहेव। चत्तारि कुंभा प० तं० भिण्णे जज्जरिए परिस्साई अपरिस्साई। एवामेव चउव्विहे चरित्ते प० तं० भिण्णे जाव अपरिस्साई। चत्तारि कुंभा प० तं० महुकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे महुकुंभे णाममेगे विसपिहाणे विसकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे विसकुंभे णाममेगे विसपिहाणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ हिययमपावमकलुसं जीहाऽवि य महुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ से महुकुंभे महुपिहाणे (१) हिययमपावमकलुसं, जीहाऽवि य कडुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से महुकुंभे विसपिहाणे (२) जं हिययं कलुसमयं जीहाऽवि य महुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे महुपिहाणे (३) जं हिययं कलुसमयं, जीहाऽवि य कडुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे विसपिहाणे (४)॥१६७॥ चउव्विहा उवसग्गा प० तं० दिव्वा माणुसा तिरिक्खजोणिया आयसंचेयणिज्जा। दिव्वा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० हासा पाओसा वीमंसा पुढोवेमाया। माणुसा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० हासा पाओसा वीमंसा कुसीलपडिसेवणया। तिरिक्खजोणिया उवसग्गा चउव्विहा प० तं० भया पदोसा आहारहेउं अवच्चलेणसारक्खणया। आयसंचेयणिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० घट्टणया पवडणया थंभणया लेसणया॥१६८॥ चउव्विहे कम्मे प० तं० सुभे णामं एगे सुभे, सुभे णाममेगे

असुभे, असुभे० ४। चउव्विहे कम्मे प० तं० सुभे णाममेगे सुभविवागे, सुभे णाममेगे असुभविवागे, असुभे णाममेगे सुभविवागे असुभे णाममेगे असुभविवागे। चउव्विहे कम्मे प० तं० पगडीकम्मे, ठिइकम्मे, अणुभावकम्मे, पदेसकम्मे।१६९। चउव्विहे संघे प०तं० समणा समणीओ सावगा सावियाओ।१७०। चउव्विहा बुद्धी प० तं० उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया पारिणामिया। चउव्विहा मई प० तं० उग्गहमई ईहामई अवायमई धारणामई। अहवा चउव्विहा मई प० तं० अरंजरोदगसमाणा, वियरोदगसमाणा सरोदगसमाणा सागरोदगसमाणा ॥ १७१ ॥ चउव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा। चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० मणजोगी वइजोगी कायजोगी अजोगी। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा अवेयगा। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी, केवलदंसणी। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० संजया असंजया संजयासंजया णोसंजया णोअसंजया ॥१७२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मित्ते णाममेगे मित्ते, मित्ते णाममेगे अमित्ते, अमित्ते णाममेगे मित्ते, अमित्ते णाममेगे अमित्ते। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मित्ते णाममेगे मित्तरूवे चउभंगो ॥ १७३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्ते, मुत्ते णाममेगे अमुत्ते ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्तरूवे ४ ॥ १७४ ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चउगइया चउआगइया प० तं० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणा णेरइएहिंतो वा, तिरिक्खजोणिएहिंतो वा, मणुस्सेहिंतो वा, देवेहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेव णं से पंचिंदियतिरिक्खजोणिए पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्तं विप्पजहमाणे णेरइयत्ताए वा जाव देवत्ताए वा उवागच्छेज्जा। मणुस्सा चउगइया चउआगइया एवं चेव मणुस्सावि ॥ १७५॥ बेइंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स चउव्विहे संजमे कज्जइ तं जिब्भामयाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, जिब्भामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, फासामयाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, फासामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ। बेइंदिया णं जीवा समारभमाणस्स चउव्विहे असंजमे कज्जइ तं० जिब्भामयाओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ जिब्भामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ फासामयाओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ फासामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ ॥१७६॥ समद्दिट्ठिय.णं णेरइयाणं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ तं० आरंभिया, परिग्गहिया

मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया। सम्मद्दिट्ठियाणमसुरकुमाराणं चत्तारि किरियाओ प० तं० एवं चेव। एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं॥१७७॥चउहिं ठाणेहिं संते गुणे णासेज्जा तं० कोहेणं पडिणिवेसेणं, अकयण्णुयाए, मिच्छत्ताहिणिवेसेणं। चउहिं ठाणेहिं संते गुणे दीवेज्जा तं० अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं,कज्जहेउं, कयपडिकइएइ वा। णेरइयाणं चउहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं,एवं जाव वेमाणियाणं। णेरइयाणं चउठाणणिव्वत्तिए सरीरे प०तं० कोहणिव्वत्तिए जाव लोभणिव्वत्तिए, एवं जाव वेमाणियाणं। चत्तारि धम्मदारा प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे ॥१७८॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताए कम्मं पकरेंति तं० महारंभयाए, महापरिग्गहयाए पंचिंदियवहेणं कुणिमाहारेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा तिरिक्खजोणियत्ताए कम्मं पगरेंति तं० माइल्लयाए णियडिल्लयाए अलियवयणेणं कूडतुलकूडमाणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा मणुस्सत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पगइभद्दयाए पगइविणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरियाए। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवाउयत्ताए कम्मं पगरेंति तं० सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं बालतवोकम्मेणं अकामणिज्जराए॥१७९॥चउव्विहे वज्जे प० तं० तते वितते घणे झुसिरे। चउव्विहे णट्टे प० तं० अंचिए रिभिए आरभडे भिसोले। चउव्विहे गेए प० तं० उक्खित्तए पत्तए मंदए रोविंदए। चउव्विहे मल्ले प० तं० गंथिमे वेढिमे पूरिमे संघाइमे। चउव्विहे अलंकारे प० तं० केसालंकारे वत्थालंकारे मल्लालंकारे आभरणालंकारे। चउव्विहे अभिणए प० तं० दिट्ठंतिए पाडंसुए सामंतोवायणिए लोगमज्झावसिए ॥१८०॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा चउवण्णा प० तं० णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किला। महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं चत्तारि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता॥१८१॥ चत्तारि उदगगब्भा प० तं० उस्सा महिया सीया उसिणा, चत्तारि उदगगब्भा प० तं० हेमगा अब्भसंथडा सीओसिणा पंचरूविया। माहे उ हेमगा गब्भा फग्गुणे अब्भसंथडा, सीओसिणा उ चित्ते, वइसाहे पंचरूविया (१) चत्तारि मणुस्सीगब्भा प० तं० इत्थित्ताए पुरिसत्ताए णपुंसगत्ताए बिंबत्ताए। अप्पं सुक्कं बहुं ओयं इत्थी तत्थ पजायइ, अप्पं ओयं बहुं सुक्कं पुरिसो तत्थ पजायइ (१) दोण्हं पि रत्तसुक्काणं, तुल्लभावे णपुंसओ; इत्थीओयसमाओगे, बिंबं तत्थ पजायइ (२)॥ १८२ ॥ उप्पायपुव्वस्स णं

चत्तारि चूलियावत्थू प०, चउव्विहे कव्वे प० गज्जे पज्जे कत्थे गेए ॥१८३॥ णेरइयाणं चत्तारि समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए एवं वाउक्काइयाणवि ॥१८४॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स चत्तारि सया चोद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसंणिवाईणं जिणो इव अवितह वागरमाणाणं उक्कोसिया चउद्दसपुव्विसंपया हुत्था । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया हुत्था ॥१८५॥ हेट्ठिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प० तं० सोहम्मे ईसाणे सणंकुमारे माहिंदे । मज्झिल्ला चत्तारि कप्पा पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया प० तं० बंभलोए लंतए महासुक्के सहस्सारे । उवरिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प०तं० आणए पाणए आरणे अच्चुए॥१८६॥चत्तारि समुद्दा पत्तेयरसा प०तं० लवणोदए वरुणोदए खीरोदए घओदए । चत्तारि आवत्ता प० तं० खरावत्ते उण्णयावत्ते गूढावत्ते अभिसावत्ते । एवामेव चत्तारि कसाया प० तं० खरावत्तसमाणे कोहे उण्णयावत्तसमाणे माणे, गूढावत्तसमाणा माया, अमिसावत्तसमाणे लोभे । खरावत्तसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, उण्णयावत्तसमाणं माणं एवं चेव गूढावत्तसमाणं मायमेवं चेव अमिसावत्तसमाणं लोभं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ ॥ १८७ ॥ अणुराहा णक्खत्ते चउत्तारे प०, पुव्वासाढे एवं चेव । उत्तरासाढे एवं चेव ॥ १८८ ॥ जीवा णं चउट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णेरइयणिव्वत्तिए तिरिक्खजोणियणिव्वत्तिए मणुस्सणिव्वत्तिए देवणिव्वत्तिए । एवं उवचिणिंसु वा उवचिणंति वा उवचिणिस्संति वा एवं चिणउवचिणबंधोदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥१८९॥ चउप्पएसिया खंधा अणंता प०, चउप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प०, चउसमयठिईया पोग्गला अणंता प०, चउगुणकालगा पोग्गला अणंता जाव चउगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ १९० ॥

पंचमं ठाणं पढमो उद्देसो

पंचमहव्वया प० तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं, पंचाणुव्वया प० तं० थूलाओ पाणाइवायाओ

वेरमणं, थूलाओ मुसावायाओ वेरमणं, थूलाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, थूलाओ मेहुणाओ वेरमणं (सदारसंतोसे) इच्छापरिमाणे ॥ १ ॥ पंच वण्णा प० तं० किण्हा णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किल्ला। पंच रसा प०तं० तित्ता कडुया कसाया अंबिला महुरा। पंचकामगुणा प० तं० सद्दा रूवा गंधा रसा फासा। पंचहिं ठाणेहिं जीवा सज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं, एवं रज्जंति मुच्छंति गिज्झंति अज्झोववज्जंति। पंचहिं ठाणेहिं जीवा विणिघायमावज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं। पंच ठाणा अपरिण्णाया जीवाणं अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेस्साए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० सद्दा जाव फासा, पंचठाणा सुपरिण्णाया जीवाणं हियाए सुभाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० सद्दा जाव फासा। पंच ठाणा अपरिण्णाया जीवाणं दुग्गइगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा। पंचठाणा परिण्णाया जीवाणं सुग्गइगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा ॥ २ ॥ पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुग्गइं गच्छंति तं० पाणाइवाएणं जाव परिग्गहेणं। पंचहिं ठाणेहिं जीवा सोगइं गच्छंति तं० पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं ॥ ३ ॥ पंच पडिमाओ प० तं० भद्दा सुभद्दा महाभद्दा सव्वओभद्दा भद्दुत्तरपडिमा ॥४॥ पंच थावरकाया प० तं० इंदे थावरकाए, बंभे थावरकाए सिप्पे थावरकाए संमई थावरकाए पायावच्चे थावरकाए। पंच थावरकायाहिवई प० तं० इंदे थावरकायाहिवई, जाव पायावच्चे थावरकायाहिवई ॥ ५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामेवि तप्पढमयाए खंभाएज्जा तं० अप्पभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, कुंथुरासिभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, महइमहालयं वा महोरगसरीरं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, देवं वा महिड्ढियं जाव महेसक्खं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, पुरेसु वा पोराणाइं महइमहालयाइं महाणिहाणाइं पहीणसामियाइं पहीणसेउयाइं पहीणगुत्तागाराइं उच्छिण्णसामियाइं उच्छिण्णसेउयाइं उच्छिण्णगुत्तागाराइं जाइं इमाइं गामागरणगरखेडकब्बडमंडवदोणमुहपट्टणासमसंबाहसंणिवेसेसु सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु णगरणिद्धमणेसु सुसाणसुण्णागारगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठावणभवणगिहेसु संणिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं ओहिंदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए खंभाएज्जा ॥ ६ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा तं० अप्पभूयं वा

पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा सेसं तहेव जाव भवणगिहेसु संणिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा, सेसं तहेव, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णो खंभाएज्जा ॥ ७ ॥ णेरइयाणं सरीरगा पंचवण्णा पंचरसा प० तं० किण्हा जाव सुक्किल्ला तित्ता जाव महुरा, एवं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ ८ ॥ पंच सरीरगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए। ओरालियसरीरे पंचवण्णे पंचरसे प० तं० किण्हे जाव सुक्किल्ले, तित्ते जाव महुरे। एवं जाव कम्मगसरीरे, सव्वे वि णं बादरबोंदिधरा कलेवरा पंचवण्णा पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा ॥ ९ ॥ पंचहिं ठाणेहिं पुरिमपच्छिमगाणं जिणाणं दुग्गमं भवइ तं० दुआइक्खं दुविभज्जं दुपस्सं दुतितिक्खं दुरणुचरं। पंचहिं ठाणेहिं मज्झिमगाणं जिणाणं सुग्गमं भवइ तं० सुआइक्खं सुविभज्जं सुपस्सं सुतितिक्खं सुरणुचरं ॥१०॥ पंचठाणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं णिच्चं कित्तियाइं णिच्चं वुइयाइं णिच्चं पसत्थाइं णिच्चमब्भणुण्णायाइं भवंति तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे। पंचठाणाइं समणेणं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ ११ ॥ पंचठाणाइं समणाणं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० उक्खित्तचरए णिक्खित्तचरए अंतचरए पंतचरए लूहचरए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० अण्णायचरए अण्णवेलचरए मोणचरए संसट्ठकप्पिए तज्जायसंसट्ठकप्पिए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं उवणिहिए सुद्धेसणिए संखादत्तिए दिट्ठलाभिए पुट्ठलाभिए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० आयंबिलिए णिव्वियए पुरिमड्ढिए परिमियपिंडवाइए भिण्णपिंडवाइए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे। पंचठाणाइं जाव भवंति तं० अरसजीवी विरसजीवी अंतजीवी पंतजीवी लूहजीवी। पंचठाणाइं जाव भवंति तंजहा—ठाणाइए उक्कुडुआसणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए। पंचठाणाइं जाव भवंति तं० दंडायइए लगंडसाई आयावए अवाउडए अकंडूयए ॥ १२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए आयरियवेयावच्चं करेमाणे एवं उवज्झायवेयावच्चं थेरवेयावच्चं तवस्सिवेयावच्चं गिलाणवेयावच्चं करेमाणे। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए सेहवेयावच्चं

करेमाणे, अगिलाए कुलवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए गणवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए संघवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए साहम्मियवेयावच्चं करेमाणे ॥ १३ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं० सकिरियट्ठाणं पडिसेवित्ता भवइ पडिसेवित्ता णो आलोएइ आलोइत्ता णो पट्ठवेइ पट्ठवेत्ता णो णिव्विसइ जाइं इमाइं थेराणं ठिइपकप्पाइं भवंति ताइं अइयंचिय २ पडिसेवेइ से हंदहं पडिसेवामि किं मे थेरा करिस्संति । पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं पारंचियं करेमाणे णाइक्कमइ तं० सकुले वसइ कुलस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ, गणे वसइ गणस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ हिंसप्पेही छिद्दप्पेही अभिक्खणं अभिक्खणं पसिणायतणाइं पउंजित्ता भवइ । आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंचवुग्गहट्ठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि आणं वा धारणं वा णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि आहाराइणियाए किइकम्मं णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारेंति ते काले २ णो सम्ममणुप्पवाएत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए-णं गणंसि गिलाणसेहवेयावच्चं णो सम्ममब्भुट्ठेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि अणापुच्छियचारी यावि हवइ, णो आपुच्छियचारी । आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंच अवुग्गहट्ठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवइ एवमाहाराइणियाए सम्मं किइकम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारेंति ते काले २ सम्ममणुपवाइत्ता एवं गिलाणसेहवेयावच्चं सम्मं अब्भुट्ठित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, णो अणापुच्छियचारी ॥१४॥ पंच णिसिज्जाओ प० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया पलियंका अद्धपलियंका ॥१५॥ पंच अज्जवट्ठाणा प० तं० साहुअज्जवं साहुमद्दवं साहुलाघवं साहुखंती साहुमुत्ती ॥ १६ ॥ पंच विहा जोइसिया प० तं० चंदा सूरा गहा णक्खत्ता ताराओ ॥१७॥ पंच विहा देवा प० तं० भवियदव्वदेवा णरदेवा धम्मदेवा देवाहिदेवा भावदेवा ॥ १८ ॥ पंचविहा परियारणा प० तं० कायपरियारणा फासपरियारणा रूवपरियारणा सद्दपरियारणा मणपरियारणा ॥१९॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पंच अग्गमहिसीओ प० तं० काली राई रयणी विज्जू मेहा, बलिस्स णं वइरोय-

णिंदस्स वइरोयणरण्णो पंच अग्गमहिसीओ प० तं० सुभा णिसुभा रंभा णिरंभा मयणा ॥ २० ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए। दुमे पायत्ताणियाहिवई सोदामे आसराया पीढाणियाहिवई कुंथू हत्थिराया कुंजराणियाहिवई लोहियक्खे महिसाणियाहिवई किण्णरे रहाणियाहिवई। बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए। महद्दुमे पायत्ताणियाहिवई महासोदामे आसराया पीढाणियाहिवई मालंकारे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महालोहिअक्खे महिसाणियाहिवई किंपुरिसे रहाणियाहिवई। धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए। भद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जसोधरे आसराया पीढाणियाहिवई सुदंसणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई णीलकंठे महिसाणियाहिवई आणंदे रहाणियाहिवई। भूयाणंदस्स णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए। दक्खे पायत्ताणियाहिवई सुग्गीवे आसराया पीढाणियाहिवई सुविक्कमे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई सेयकंठे महिसाणियाहिवई णंदुत्तरे रहाणियाहिवई। वेणुदेवस्स णं सुवण्णिंदस्स सुवण्णकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए एवं जहा धरणस्स तहा वेणुदेवस्स वि। वेणुदालियस्स य जहा भूयाणंदस्स। जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स। जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव उसभाणिए रहाणिए। हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई वाऊ आसराया पीढाणियाहिवई एरावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई दामड्ढी उसभाणियाहिवई माढरे रहाणियाहिवई। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो पंच संगामिया अणिया जाव पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए उसभाणिए रहाणिए। लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई महावाऊ आसराया पीढाणियाहिवई पुप्फदंते हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महादामड्ढी उसभाणियाहिवई महामाढरे रहाणियाहिवई। जहा सक्कस्स

तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव आरणस्स। जहा ईसाणस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव अच्चुयस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भंतरपरिसाए देवाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प०। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भंतरपरिसाए देवीणं पंच पलिओवमाइं ठिई प० ॥ २१ ॥ पंच विहा पडिहा प० तं० गइपडिहा ठिइपडिहा बंधणपडिहा भोगपडिहा बलवीरियपुरिसयारपरक्कमपडिहा ॥ २२ ॥ पंचविहे आजीवे प० तं० जाइआजीवे कुलाजीवे कम्माजीवे सिप्पाजीवे लिंगाजीवे ॥२३॥ पंच रायककुहा प० तं० खग्गं छत्तं उप्फेसं उवाणहाओ वालवीअणी ॥ २४ ॥ पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे णं उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तितिक्खेज्जा अहियासेज्जा तं० उदिण्णकम्मे खलु अयं पुरिसे उम्मत्तगभूए तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा अवहसइ वा णिच्छोडेइ वा णिब्भंछेइ वा बंधइ वा रुंभइ वा छविच्छेयं करेइ वा पमारं वा णेइ उद्दवेइ वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुच्छणमच्छिंदइ वा विच्छिंदइ वा भिंदइ वा अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिण्णे भवइ तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं असहमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ ममं च णं सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ २५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा तं० खित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा दित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिण्णे भवइ तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं सहमाणं खममाणं तितिक्खमाणं अहियासेमाणं पासित्ता बहवे अण्णे छउमत्था समणा णिग्गंथा उदिण्णे २ परिसहोवसग्गे एवं सम्मं सहिस्संति जाव अहियासिस्संति इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ २६ ॥ पंच हेऊ प० तं० हेउं ण जाणइ हेउं ण पासइ हेउं

ण वुज्झइ हेउं णाभिगच्छइ हेउमण्णाणमरणं मरइ । पंच हेऊ प० तं० हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरणं मरइ । पंच हेऊ प० तं० हेउं जाणइ जाव हेउं छउमत्थमरणं मरइ । पंच हेऊ प० तं० हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउं ण जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ ॥ २७ ॥ केवलिस्स णं पंच अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए ॥ २८ ॥ पउमप्पहे णं अरहा पंच चित्ते हुत्था तं० चित्ताहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते चित्ताहिं जाए चित्ताहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए चित्ताहिं अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए णिरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे चित्ताहिं परिणिव्वुए । पुप्फदंते णं अरहा पंच मूले हुत्था तं० मूलेणं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते एवं चेव एवमेएणं अभिलावेणं इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ—पउमप्पभस्स चित्ता मूले पुण होइ पुप्फदंतस्स; पुव्वाइं आसाढा सीयलस्सुत्तर विमलस्स भद्दवया (१) रेवइया अणंतजिणो पूसो धम्मस्स संतिणो भरणी, कुंथुस्स कत्तियाओ अरस्स तह रेवईओ य (२) मुणिसुव्वयस्स सवणो आसिणि णमिणो य णेमिणो चित्ता, पासस्स विसाहाओ पंच य हत्थुत्तरे वीरो (३) समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे होत्था तं०—हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए, हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए, हत्थुत्तराहिं अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥२९॥

पंचमं ठाणं बीओ उद्देसो

णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा इमाओ उद्दिट्ठाओ गणियाओ वियंजियाओ पंच महण्णवाओ महाणईओ अंतो मासस्स दुक्खुत्तो वा, तिक्खुत्तो वा, उत्तरित्तए वा संतरित्तए वा तं० गंगा जउणा सरऊ एरावइ मही । पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा, दुब्भिक्खंसि वा, पव्वहेज्ज व णं कोई उदओघंसि वा एज्जमाणंसि, महया वा अणारिएसु । णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा पढमपाउसंसि,

तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव आरणस्स। जहा ईसाणस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव अच्चुयस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भंतरपरिसाए देवाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प०। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भंतरपरिसाए देवीणं पंच पलिओवमाइं ठिई प० ॥ २१ ॥ पंच विहा पडिहा प० तं० गइपडिहा ठिइ-पडिहा बंधणपडिहा भोगपडिहा बलवीरियपुरिसयारपरक्कमपडिहा ॥ २२ ॥ पंचविहे आजीवे प० तं० जाइआजीवे कुलाजीवे कम्माजीवे सिप्पाजीवे लिंगाजीवे ॥२३॥ पंच रायककुहा प० तं० खग्गं छत्तं उप्फेसं उवाणहाओ वालवीअणी ॥ २४ ॥ पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे णं उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तितिक्खेज्जा अहियासेज्जा तं० उदिण्णकम्मे खलु अयं पुरिसे उम्मत्तगभूए तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा अवहसइ वा णिच्छोडेइ वा णिब्भंछेइ वा बंधइ वा रुंभइ वा छविच्छेयं करेइ वा पमारं वा णेइ उद्दवेइ वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुच्छणमच्छिंदइ वा विच्छिंदइ वा भिंदइ वा अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिण्णे भवइ तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं असहमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासे-माणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ ममं च णं सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ २५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहिया-सेज्जा तं० खित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा दित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिण्णे भवइ तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं सहमाणं खममाणं तितिक्खमाणं अहियासेमाणं पासित्ता बहवे अण्णे छउ-मत्था समणा णिग्गंथा उदिण्णे २ परिसहोवसग्गे एवं सम्मं सहिस्संति जाव अहिया-सिस्संति इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ २६ ॥ पंच हेऊ प० तं० हेउं ण जाणइ हेउं ण पासइ हेउं

ण बुज्झइ हेउं णाभिगच्छइ हेउमण्णाणमरणं मरइ। पंच हेऊ प० तं० हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरणं मरइ। पंच हेऊ प० तं० हेउं जाणइ जाव हेउं छउमत्थमरणं मरइ। पंच हेऊ प० तं० हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ। पंच अहेऊ प० तं० अहेउं ण जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ। पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ। पंच अहेऊ प० तं० अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ। पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ ॥ २७ ॥ केवलिस्स णं पंच अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए ॥ २८ ॥ पउमप्पहे णं अरहा पंच चित्ते हुत्था तं० चित्ताहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते चित्ताहिं जाए चित्ताहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए चित्ताहिं अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए णिरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे चित्ताहिं परिणिव्वुए। पुप्फदंते णं अरहा पंच मूले हुत्था तं० मूलेणं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते एवं चेव एवमेएणं अभिलावेणं इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ—पउमप्पभस्स चित्ता मूले पुण होइ पुप्फदंतस्स; पुव्वाइं आसाढा सीयलस्सुत्तर विमलस्स भद्दवया (१) रेवइया अणंतजिणो पूसो धम्मस्स संतिणो भरणी, कुंथुस्स कत्तियाओ अरस्स तह रेवईओ य (२) मुणिसुव्वयस्स सवणो आसिणि णमिणो य णेमिणो चित्ता, पासस्स विसाहाओ पंच य हत्थुत्तरे वीरो (३) समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे होत्था तं०—हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए, हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए, हत्थुत्तराहिं अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥२९॥

पंचमं ठाणं बीओ उद्देसो

णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा इमाओ उद्दिट्ठाओ गणियाओ वियंजियाओ पंच महण्णवाओ महाणईओ अंतो मासस्स दुक्खुत्तो वा, तिक्खुत्तो वा, उत्तरित्तए वा संतरित्तए वा तं० गंगा जउणा सरऊ एरावइ मही। पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा, दुब्भिक्खंसि वा, पव्वहेज्ज व णं कोई उदओघंसि वा एज्जमाणंसि, महया वा अणारिएसु। णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा पढमपाउसंसि,

गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा दुब्भिक्खंसि वा जाव महया वा अणारिएहिं । वासावासं पज्जोसवियाणं णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए आयरियउवज्झाया वा से वीसुंभेज्जा आयरियउवज्झायाणं वा बहिया वेयावच्चं करणयाए ॥ ३० ॥ पंच अणुग्घाइया प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे राइभोयणं भुंजमाणे सागारियपिंडं भुंजमाणे रायपिंडं भुंजमाणे। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे रायंतेउरमणुपविसमाणे णाइक्कमइ तं० णगरं सिया सव्वओ समंता गुत्ते गुत्तदुवारे बहवे समणमाहणा णो संचाएंति भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमित्तए वा पविसित्तए वा तेसिं विण्णवणट्ठयाए रायंतेउरमणुपविसेज्जा पाडिहारियं वा पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणमाणे रायंतेउरमणुपविसेज्जा हयस्स वा गयस्स वा दुट्ठस्स आगच्छमाणस्स भीए रायंतेउरमणुपविसेज्जा परो वा णं सहसा वा बलसा वा बाहाए गहाय रायंतेउरमणुपविसेज्जा बहिया व णं आरामगयं वा उज्जाणगयं वा रायंतेउरजणो सव्वओ समंता संपरिक्खिवित्ता णं णिविसेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे जाव णाइक्कमइ ॥ ३१ ॥ पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं असंवसमाणी वि गब्भं धरेज्जा तं० इत्थी दुव्वियडा दुण्णिसण्णा सुक्कपोग्गले अहिट्ठेज्जा, सुक्कपोग्गलसंसिट्ठे व से वत्थे अंतो जोणीए अणुपविसेज्जा सयं वा सा सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा परो व से सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा सीओदगवियडेण वा से आयममाणीए सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव धरेज्जा । पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० अप्पत्तजोवणा अइक्कंतजोवणा जाइवंझा गेलण्णपुट्ठा दोमणंसिया इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा । पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० णिच्चोउया अणोउया वावण्णसोया वाविद्धसोया अणंगपडिसेविणी इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा । पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भ णो धरेज्जा तं० उउंमि णो णिगामपडिसेविणी यावि भवइ, समागया वा से सुक्कपोग्गला पडिविद्धंसंति उदिण्णे वा सेपित्तसोणिए पुरा वा देवकम्मणा पुत्तफले वा णो णिद्दिट्ठे भवइ इच्चेएहिं जाव णो धरेज्जा ॥ ३२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं णिग्गंथा णिग्गंथीओ य एगयओ ठाणं

वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति तं० अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य एगं महं अगामियं छिण्णावायं दीहमद्धं अडविमणुपविट्ठा तत्थेगयओ ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा २ गामंसि वा णगरंसि वा जाव रायहाणिंसि वा वासं उवागया एगइया जत्थ उवस्सयं लभंति एगइया णो लभंति तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य णागकुमारावासंसि वा सुवण्णकुमारावासंसि वा वासं उवागया तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, आमोसगा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ चीवरपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, जुवाणा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ मेहुणपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णाइक्कमंति। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ तं० खित्तचित्ते समणे णिग्गंथे णिग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ एवमेएणं गमएणं दित्तचित्ते जक्खाइट्ठे उम्मायपत्ते णिग्गंथीपव्वाइयए समणे णिग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ ॥ ३३ ॥ पंच आसवदारा प० तं० मिच्छत्तं अविरई पमाओ कसाया जोगा। पंच संवरदारा प० तं० सम्मत्तं विरई अपमाओ अकसाइत्तं अजोगित्तं। पंच दंडा प० तं० अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठिविपरियासियादंडे। पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया मिच्छादंसणवत्तिया। मिच्छद्दिट्ठिणेरइयाणं पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया एवं सव्वेसिं णिरंतरं जाव मिच्छादिट्ठियाणं वेमाणियाणं, णवरं विगलेंदिया मिच्छादिट्ठी ण भण्णंति, सेसं तहेव। पंच किरियाओ प० तं० काइया अहिगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया। णेरइयाणं पंच एवं चेव णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया णेरइयाणं पंच किरिया णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० दिट्ठिया पुट्ठिया पाडुच्चिया सामंतोवणिवाइया साहत्थिया, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० णेसत्थिया आणवणिया वेयारणिया अणाभोगवत्तिया अणवकंखवत्तिया, एवं जाव वेमाणियाणं। पंचकिरियाओ प० तं० पेज्जवत्तिया दोसवत्तिया पओगकिरिया समुदाणकिरिया ईरियाव-

गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा दुब्भिक्खंसि वा जाव महया वा अणारिएहिं। वासावासं पज्जोसवियाणं णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए आयरियउवज्झाया वा से वीसुंभेज्जा आयरियउवज्झायाणं वा बहिया वेयावच्चं करणयाए ॥ ३० ॥ पंच अणुग्घाइया प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे राइभोयण भुंजमाणे सागारियपिंडं भुंजमाणे रायपिंडं भुंजमाणे। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे रायंतेउरमणुपविसमाणे णाइक्कमइ तं० णगरं सिया सव्वओ समंता गुत्ते गुत्तदुवारे बहवे समणमाहणा णो संचाएंति भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमित्तए वा पविसित्तए वा तेसिं विण्णवणट्ठयाए रायंतेउरमणुपविसेज्जा पाडिहारियं वा पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणमाणे रायंतेउरमणुपविसेज्जा हयस्स वा गयस्स वा दुट्ठस्स आगच्छमाणस्स भीए रायंतेउरमणुपविसेज्जा परो वा णं सहसा वा बलसा वा बाहाए गहाय रायंतेउरमणुपविसेज्जा बहिया व णं आरामगयं वा उज्जाणगयं वा रायंतेउरजणो सव्वओ समंता संपरिक्खवित्ता णं णिविसेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे जाव णाइक्कमइ ॥ ३१ ॥ पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं असंवसमाणी वि गब्भं धरेज्जा तं० इत्थी दुव्वियडा दुण्णिसण्णा सुक्कपोग्गले अहिट्ठेज्जा, सुक्कपोग्गलसंसिट्ठे व से वत्थे अंतो जोणीए अणुपविसेज्जा सयं वा सा सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा परो व से सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा सीओदगवियडेण वा से आयममाणीए सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव धरेज्जा। पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० अप्पत्तजोव्वणा अइक्कंतजोव्वणा जाइवंझा गेलण्णपुट्ठा दोमणंसिया इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा। पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० णिच्चोउया अणोउया वावण्णसोया वाविद्धसोया अणंगपडिसेविणी इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा। पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भ णो धरेज्जा तं० उउंमि णो णिगामपडिसेविणी यावि भवइ, समागया वा से सुक्कपोग्गला पडिविद्धंसंति उदिण्णे वा सेपित्तसोणिए पुरा वा देवकम्मणा पुत्तफले वा णो णिद्दिट्ठे भवइ इच्चेएहिं जाव णो धरेज्जा ॥ ३२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं णिग्गंथा णिग्गंथीओ य एगयओ ठाणं

वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति तं०अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य एगं महं अगामियं छिण्णावायं दीहमद्धं अडविमणुपविट्ठा तत्थेगयओ ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा २ गामंसि वा णगरंसि वा जाव रायहाणिंसि वा वासं उवागया एगइया जत्थ उवस्सयं लभंति एगइया णो लभंति तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य णागकुमारावासंसि वा सुवण्णकुमारावासंसि वा वासं उवागया तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, आमोसगा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ चीवरपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, जुवाणा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ मेहुणपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, इचेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णाइक्कमंति। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ तं० खित्तचित्ते समणे णिग्गंथे णिग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ एवमेएणं गमएणं दित्तचित्ते जक्खाइट्ठे उम्मायपत्ते णिग्गंथीपव्वाइयए समणे णिग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ ॥ ३३ ॥ पंच आसवदारा प० तं० मिच्छत्तं अविरई पमाओ कसाया जोगा। पंच संवरदारा प० तं० सम्मत्तं विरई अपमाओ अकसाइत्तं अजोगित्तं। पंच दंडा प० तं० अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठिविपरियासियादंडे। पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया मिच्छादंसणवत्तिया। मिच्छद्दिट्ठिणेरइयाणं पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया एवं सव्वेसिं णिरंतरं जाव मिच्छादिट्ठियाणं वेमाणियाणं, णवरं विगलेंदिया मिच्छादिट्ठी ण भण्णंति, सेसं तहेव। पंच किरियाओ प० तं० काइया अहिगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया। णेरइयाणं पंच एवं चेव णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया णेरइयाणं पंच किरिया णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० दिट्ठिया पुट्ठिया पाडुच्चिया सामंतोवणिवाइया साहत्थिया, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० णेसत्थिया आणवणिया वेयारणिया अणाभोगवत्तिया अणवकंखवत्तिया, एवं जाव वेमाणियाणं। पंचकिरियाओ प० तं० पेज्जवत्तिया दोसवत्तिया पओगकिरिया समुदाणकिरिया ईरियाव-

भाणियव्वं। समयक्खेत्ते णं पंच भरहाइं पंच एरवयाइं एवं जहा चउट्ठाणे बिइय उद्देसे तहा एत्थवि भाणियव्वं जाव पंच मंदरा पंचमंदरचूलियाओ णवरं उसुयारा णत्थि॥ ४४॥ उसभे णं अरहा कोसलिए पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था बाहुबली णं अणगारे एवं चेव। बंभी णं अज्जा एवं चेव सुंदरीवि। पंचहिं ठाणेहिं सुत्ते वि बुज्झेज्जा तं० सद्देणं फासेणं भोयणपरिणामेणं णिद्दक्खएणं सुविणदंसणेणं। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ तं० णिग्गंथिं च णं अण्णयरे पसुजाइए वा पक्खीजाइए वा ओहाएज्जा तत्थ णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं दुग्गंसि वा विसमंसि वा पक्खलमाणिं वा पवडमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं सेयंसि वा पंकंसि वा पणगंसि वा उदगंसि वा उक्कस्समाणिं वा उवुज्झमाणिं वा गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ। णिग्गंथे णिग्गंथिं णावं आरुहमाणे वा ओरुहमाणे वा णाइक्कमइ खित्तइत्तं जक्खाइट्ठं उम्मायपत्तं उवसग्गपत्तं साहिगरणं सपायच्छित्तं जाव भत्तपाणपडियाइक्खियं अट्ठजायं वा णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ॥ ४५॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंच अइसेसा प० तं० आयरियउवज्झाए अंतोउवस्सयस्स पाए णिगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स उच्चारपासवणं विगिंचमाणे वा विसोहेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए पभू इच्छा वेयावडियं करेज्जा इच्छा णो करेज्जा आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा एगागी वसमाणे णाइक्कमइ। आयरियउवज्झाए बाहिं उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा वसमाणे णाइक्कमइ। पंचहिं ठाणेहिं आयरियउवज्झायस्स गणावक्कमणे प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा णो सम्मं पउंजित्ता भवइ। आयरियउवज्झाए गणंसि अहारायणियाए किइकम्मं वेणइयं णो सम्मं पउंजित्ता भवइ। आयरियउवज्झाए गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारिंति ते काले णो सम्ममणुपवाएत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि सगणियाए वा परगणियाए वा णिग्गंथीए बहिल्लेसे भवइ, मित्ते णाइगणे वा से गणाओ अवक्कमेज्जा तेसिं संगहोवग्गहट्ठयाए गणावक्कमणे

पण्णत्ते। पंच विहा इड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० अरहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा भावियप्पाणो अणगारा ॥ ४६ ॥

पंचमं ठाणं तइओ उद्देसो

पंच अत्थिकाया प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए। धम्मत्थिकाए अवण्णे अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे से समासओ पंचविहे प० तं० दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ। दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगं दव्वं खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते कालओ ण कयाइ णासी ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइत्ति भुविं भवइ य भविस्सइ य धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, भावओ अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे य (१) अधम्मत्थिकाए अवण्णे एवं चेव णवरं गुणओ ठाणगुणे (२) आगासत्थिकाए अवण्णे एवं चेव णवरं खेत्तओ लोगालोगप्पमाणमित्ते गुणओ अवगाहणागुणे सेसं तं चेव (३) जीवत्थिकाए णं अवण्णे एवं चेव णवरं दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, अरूवी जीवे सासए, गुणओ उवओगगुणे, सेसं तं चेव (४) पोग्गलत्थिकाए पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए जाव दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ णासी जाव णिच्चे भावओ वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते, गुणओ गहणगुणे ॥ ४७ ॥ पंच गईओ प० तं० णिरयगई तिरियगई मणुयगई देवगई सिद्धिगई। पंच इंदियत्था प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे। पंच मुंडा प० तं०—सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, अहवा पंच मुंडा प० तं० कोहमुंडे, माणमुंडे, मायामुंडे, लोभमुंडे, सिरमुंडे ॥ ४८ ॥ अहे लोए णं पंच बायरा प० तं० पुढविकाइया आउ० वाउ० वणस्सइकाइया उराला तसा पाणा। उड्ढलोए णं पंच बायरा, एवं चेव, तिरियलोए णं पंच बायरा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया। पंच विहा बायरतेउकाइया प० तं० इंगाले जाले मुम्मुरे अच्ची अलाए। पंचविहा बादरवाउकाइया प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए विदिसिवाए। पंचविहा अचित्ता वाउकाइया प० तं० अक्कंते धंते पीलिए सरीराणुगए संमुच्छिमे ॥ ४९ ॥ पंच णियंठा प० तं० पुलाए बउसे कुसीले णियंठे सिणाए। पुलाए पंच विहे प० तं०

णाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे। बउसे पंचविहे प० तं० आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पचमे। कुसीले पंचविहे प० तं० णाणकुसीले दंसणकुसीले चरित्तकुसीले लिंगकुसीले अहासुहुमकुसीले णामं पंचमे। णियंठे पंचविहे प० तं० पढमसमयणियंठे अपढमसमयणियंठे चरिमसमयणियंठे अचरिमसमयणियंठे अहासुहुमणियंठे णामं पंचमे। सिणाए पंच विहे प० तं० अच्छवी असबले अकम्मंसे संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अपरिस्साई ॥ ५० ॥ कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा पंचवत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए भंगिए साणए पोत्तिए तिरीडपट्टए णामं पंचमए। कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पंच रयहरणाइं धारित्तए वा परिहरित्ताए वा, तंजहा उण्णिए उट्टिए साणए पच्चापिच्चियए मुंजापिच्चिए णामं पंचमे ॥ ५१ ॥ धम्मं चरमाणस्स पंच णिस्साठाणा प० तं० छक्काए गणे राया गिहवई सरीरं। पंच णिही प० तं० पुत्तणिही मित्तणिही सिप्पणिही धणणिही धण्णणिही। पंचविहे सोए प० तं० पुढविसोए आउसोए तेउसोए मंतसोए बंभसोए। पंचठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव परमाणुपोग्गलं। अहे लोए णं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया प० तं० काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे। उड्ढलोए णं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाविमाणा प० तं० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे ॥ ५२ ॥ पंच पुरिसजाया प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते उदयणसत्ते। पंच मच्छा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी सव्वचारी। एवामेव पंच भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी जाव सव्वचारी। पंच वणीमगा प०तं० अतिहिवणीमए किवणवणीमए माहणवणीमए साणवणीमए समणवणीमए। पंचहिं ठाणेहिं अचेलए पसत्थे भवइ तं० अप्पा पडिलेहा लाघविए पसत्थे रूवेवेसासिए तवे अणुण्णाए विउले इंदियणिग्गहे। पंच उक्कला प० तं० दंडुक्कले रज्जुक्कले तेणुक्कले देसुक्कले सव्वुक्कले। पंच समिईओ प० तं० इरियासमिई भासा जाव पारिठावणियासमिई ॥५३॥ पंचविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०तं०

एगिंदिया जाव पंचिंदिया। एगिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० एगिंदिए एगिंदिएसु उववज्जमाणे एगिंदिएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से एगिंदिए एगिंदियत्तं विप्पजहमाणे एगिंदियत्ताए वा जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा। बेइंदिया पंचगइया पंचागइया एवं चेव। एवं जाव पंचिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० पंचिंदिया जाव गच्छेज्जा ॥ ५४ ॥ पंचविहा सव्वजीवा प० तं० कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाई। अहवा पंचविहा सव्वजीवा प० तं० णेरइया जाव देवा सिद्धा। अह भंते! कलमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसईणपलिमंथगाणं एएसि णं धण्णाणं कुट्ठाउत्ताणं जहा सालीणं जाव केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पंच संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव तेण परं जोणीवोच्छेदे पण्णत्ते ॥५५॥ पंच संवच्छरा प० तं० णक्खत्तसंवच्छरे जुगसंवच्छरे पमाणसंवच्छरे लक्खणसंवच्छरे सणिंचरसंवच्छरे। जुगसंवच्छरे पंचविहे प० तं० चंदे चंदे अभिवड्ढिए चंदे अभिवड्ढिए चेव। पमाणसंवच्छरे पंचविहे प० तं० णक्खत्ते चंदे उऊ आइच्चे अभिवड्ढिए। लक्खणसंवच्छरे पंचविहे प० तं० समगं णक्खत्ता जोगं जोयंति समगं उऊ परिणमंति; णच्चुण्हं णाइसीओ बहूदओ होइ णक्खत्ते (१) ससिसगलपुण्णमासी जोएइ विसमचारिणक्खत्ते कडुओ बहूदओ या तमाहु संवच्छरं चंदं(२)विसमं पवालिणो परिणमंति, अणुदूसु देंति पुप्फफलं; वासं ण सम्म वासइ तमाहु संवच्छरं कम्मं (३) पुढविदगाणं तु रसं पुप्फफलाणं तु देइ आदिच्चो; अप्पेण वि वासेणं सम्मं णिप्फज्जए सस्सं (४) आइच्चतेयतविया खणलवदिवसा उऊ परिणमंति; पूरिंति रेणुथलयाइं, तमाहु अभिवड्ढियं जाण (५) ॥ ५६ ॥ पंचविहे जीवस्स णिज्जाणमग्गे प० तं० पाएहिं ऊरूहिं उरेणं सिरेणं सव्वंगेहिं। पाएहिं णिज्जाणमाणे णिरयगामी भवइ ऊरूहिं णिज्जाणमाणे तिरियगामी भवइ उरेणं णिज्जाणमाणे मणुयगामी भवइ सिरेणं णिज्जाणमाणे देवगामी भवइ सव्वंगेहिं णिज्जाणमाणे सिद्धिगइपज्जवसाणे पण्णत्ते। पंचविहे छेयणे प० तं० उप्पाय-

वित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ५७ ॥ पंचविहे णाणे प० तं० आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे। पंचविहे णाणावरणिज्जे कम्मे प० तं० आभिणिबोहियणाणावरणिज्जे जाव केवलणाणावरणिज्जे। पंचविहे सज्झाए प० तं० वायणा पुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा। पंचविहे पच्चक्खाणे प० तं० सद्दहणसुद्धे विणयसुद्धे अणुभासणासुद्धे अणुपालणासुद्धे भावसुद्धे। पंचविहे पडिक्कमणे प० तं० आसवदारपडिक्कमणे मिच्छत्तपडिक्कमणे कसायपडिक्कमणे जोगपडिक्कमणे भावपडिक्कमणे। पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं वाएज्जा तं० संगहट्ठयाए उवग्गहणट्ठयाए णिज्जरणट्ठयाए सुत्ते वा मे पज्जवयाए भविस्सइ सुत्तस्स वा अवोच्छित्तिणयट्ठयाए। पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खिज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए वुग्गहविमोयणट्ठयाए अहत्थे वा भावे जाणिस्सामीति कट्टु। सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचवण्णा प०तं० किण्हा जाव सुक्किल्ला (१) सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० (२) बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं पंचरयणी उड्ढं उच्चत्तेणं प० (३) णेरइया णं पंचवण्णे पंचरसे पोग्गले बंधेंसु वा बंधंति वा बंधिस्संति वा तं० किण्हे जाव सुक्किल्ले, तित्ते जाव महुरे, एवं जाव वेमाणिया ॥ ५८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं गंगामहाणई पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० जउणा सरऊ आदी कोसी मही (१) जंबूमंदरस्स दाहिणेणं सिंधुमहाणई पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० सयद्दू विभासा वितत्था एरावई चंदभागा (२) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तामहाणई पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० किण्हा महाकिण्हा णीला महाणीला महातीरा (३) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तावई महाणई पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० इंदा इंदसेणा सुसेणा वारिसेणा महाभोया (४) ॥५९॥ पंच तित्थयरा कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडा जाव पव्वइया तं० वासुपुज्जे मल्ली अरिट्ठणेमी पासे वीरे। चमरचंचाए रायहाणीए पंच सभा प० तं० सभासुहम्मा उववायसभा अभिसेयसभा अलंकारियसभा ववसायसभा। एगमेगे णं इंदट्ठाणे णं पंच सभाओ प० तं० सभासुहम्मा जाव ववसायसभा। पंच णक्खत्ता पंच तारा प० तं० धणिट्ठा रोहिणी पुणव्वसू हत्थो विसाहा। जीवा णं पंचट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० एगिंदियणिव्व

त्तिए जाव पंचिंदियणिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण बंध-उदीर-वेद-तह णिज्जरा चेव। पंचपएसिया खंधा अणंता प०। पंचपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० जाव पंच गुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ६०॥

छट्ठं ठाणं

छहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ गणं धारित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए, सच्चे पुरिसजाए, मेहावी पुरिसजाए, बहुस्सुए पुरिसजाए, सत्तिमं, अप्पाहिगरणे। छहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ, तं० खित्तचित्तं, दित्तचित्तं, जक्खाइट्ठं, उम्मायपत्तं, उवसग्गपत्तं, साहिगरणं ॥१॥ छहिं ठाणेहिं णिग्गंथा णिग्गंथीओ य साहम्मियं कालगयं समायरमाणा णाइक्कमंति तं० अंतोहिंतो वा बाहिं णीणेमाणा, बाहीहिंतो वा णिब्बाहिं णीणेमाणा, उवेहमाणा वा, उवासमाणा वा, अणुण्णवेमाणा वा, तुसिणीए वा संपव्वयमाणा ॥ २ ॥ छ ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायमधम्मत्थिकायमायासं जीवमसरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं सद्दं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे जाव सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव सद्दं ॥ ३ ॥ छहिं ठाणेहिं सव्वजीवाणं णत्थि इड्ढीति वा जुत्तीति वा जसेइ वा बलेइ वा वीरिएइ वा पुरिसक्कार जाव परक्कमेइ वा तं० जीवं वा अजीवं करणयाए, अजीवं वा जीवं करणयाए, एगसमएणं वा दो भासाओ भासित्तए, सयं कडं वा कम्मं वेएमि वा मा वा वेएमि, परमाणुपोग्गलं वा छिंदित्तए वा, भिंदित्तए वा, अगणिकाएण वा समोदहित्तए, बहिया वा लोगंता गमणयाए ॥ ४ ॥ छज्जीवणिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५ ॥ छ तारग्गहा प० तं० सुक्के, बुहे, बहस्सई, अंगारए, सणिच्चरे, केऊ ॥६॥ छव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ७ ॥ पुढविकाइया छगइया छआगइया प० तं० पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव तसकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, सो चेव णं से पुढविकाइए पुढविकाइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा जाव तसकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा। आउकाइयावि छगइया छआगइया, एवं चेव जाव तसकाइया ॥ ८ ॥ छव्विहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी, अण्णाणी ॥ ९ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया, अणिंदिया ॥ १० ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० तं० ओरा-

लियसरीरी, वेउव्वियसरीरी, आहारगसरीरी, तेअगसरीरी, कम्मगसरीरी, असरीरी ॥ ११ ॥ छव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा संमुच्छिमा ॥ १२ ॥ छट्ठाणाइं सव्वजीवाणं णो सुलभाइं भवंति, तं० माणुस्सए भवे, आयरिए खित्ते जम्मं, सुकुले पच्चायाई, केवलिपण्णत्तस्स धम्मस्स सवणया, सुयस्स वा सद्दहणया, सद्दहियस्स वा पत्तियस्स वा रोइयस्स वा सम्मं काएणं फासणया ॥ १३ ॥ छ इंदियत्था प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे णोइंदियत्थे ॥ १४ ॥ छव्विहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे णोइंदियसंवरे ॥ १५॥ छव्विहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे, जाव फासिंदियअसंवरे, णोइंदियअसंवरे ॥ १६ ॥ छव्विहे साए प० तं० सोइंदियसाए जाव णोइंदियसाए ॥ १७ ॥ छव्विहे असाए प० तं० सोइंदियअसाए, जाव णोइंदियअसाए ॥ १८ ॥ छव्विहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे, विवेगारिहे, विउस्सग्गारिहे, तवारिहे ॥ १९ ॥ छव्विहा मणुस्सा प० तं० जंबूदीवगा, धायइखंडदीवपुरत्थिमद्धगा, धायइखंडदीवपच्चत्थिमद्धगा, पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धगा, पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धगा, अंतरदीवगा। अहवा छव्विहा मणुस्सा प० तं० संमुच्छिममणुस्सा, कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा; गब्भवक्कंतियमणुस्सा कम्मभूमिगा अकम्मभूमिगा अंतरदीवगा ॥ २० ॥ छव्विहा इड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० अरहंता, चक्कवट्टी, बलदेवा, वासुदेवा, चारणा, विज्जाहरा ॥ २१ ॥ छव्विहा अणिड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० हेमवंतगा हेरण्णवंतगा हरिवंसगा रम्मगवंसगा कुरुवासिणो अंतरदीवगा ॥ २२ ॥ छव्विहा ओसप्पिणी प० तं० सुसमसुसमा जाव दुसमदुसमा। छव्विहा उस्सप्पिणी प० तं० दुसमदुसमा जाव सुसमसुसमा ॥ २३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीताए उस्सप्पिणी सुसमसुसमाए समाए मणुया छच्च धणुसहस्साइं उड्ढमुच्चत्तेणं हुत्था, छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालयित्था ॥ २४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव ॥ २५ ॥ जंबू० भरहेरवए आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव, जाव छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालइस्संति ॥ २६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया छधणुस्सहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालेंति ॥ २७ ॥

एवं धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे चत्तारि आलावगा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे चत्तारि आलावगा ।। २८ ।। छव्विहे संघयणे प० तं० वइरोसभणारायसंघयणे, उसभणारायसंघयणे, णारायसंघयणे, अद्धणारायसंघयणे, खीलियासंघयणे, छेवट्ठ-संघयणे ।। २९ ।। छव्विहे संठाणे प० तं० समचउरंसे, णग्गोहपरिमंडले, साई, खुज्जे, वामणे, हुंडे ।। ३० ।। छट्ठाणा अणत्तवओ अहियाए असुभाए जाव अणाणु-गामियत्ताए भवंति, तं० परियाए परियाले सुए तवे लाभे पूयासक्कारे।।३१।।छट्ठाणा अत्तवत्तो हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० परियाए जाव पूया-सक्कारे ।।३२।। छव्विहा जाइआरिया मणुस्सा प० तं० अंबट्ठा य कलंदा य वेदेहा वेदिगाइया; हरिया चुंचुणा चेव छप्पेया इब्भजाइओ ।। ३३ ।। छव्विहा कुलारिया मणुस्सा प० तं० उग्गा भोगा राइण्णा इक्खागा णाया कोरवा ।।३४।। छव्विहा लोगट्ठिई प०तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहिपइट्ठिया पुढवी पुढ-विपइट्ठिया तसा थावरा पाणा अजीवा जीवपइट्ठिया जीवा कम्मपइट्ठिया ।। ३५ ।। छद्दिसाओ प० तं० पाईणा पडीणा दाहिणा उईणा उड्ढा अहा ।। ३६ ।। छहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तइ तं० पाईणाए जाव अहाए एवमागई वक्कंती आहारे वुड्ढी णिवुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभि-गमे जीवाभिगमे अजीवाभिगमे एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणवि मणुस्साणवि ।। ३७ ।। छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे आहारमाहारेमाणे णाइक्कमइ तं० वेयण-वेयावच्चे ईरियट्ठाए य संजमट्ठाए, तह पाणवत्तियाए छट्ठं पुण धम्मचिंताए। छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे आहारं वोच्छिंदमाणे णाइक्कमइ तं० आयंके उवसग्गे तिति-क्खणे बंभचेरगुत्तीए पाणिदया तवहेउं सरीरवुच्छेयणट्ठाए ।। ३८ ।। छहिं ठाणेहिं आया उम्मायं पाउणेज्जा तं० अरहंताणमवण्णं वयमाणे, अरहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वयमाणे, आयरियउवज्झायाणमवण्णं वयमाणे, चाउव्वण्णस्स संघस्स अवण्णं वयमाणे, जक्खावेसेण चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं ।। ३९ ।। छव्विहे पमाए प० तं० मज्जपमाए णिद्दपमाए, विसयमाए, कसाय-पमाए, जूयपमाए, पडिलेहणापमाए ।। ४० ।। छव्विहा पमायपडिलेहणा प० तं० आरभडा संमद्दा, वज्जेयव्वा य मोसली तइया, पप्फोडणा चउत्थी विक्खित्ता वेइया छट्ठी (१) छव्विहा अप्पमायपडिलेहणा प० तं० अणच्चावियं अवलियं,

अणाणुबंधिं अमोसलिं चेव छप्पुरिमा णव खोडा पाणी पाणविसोहणी (२) ॥ ४१ ॥ छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । एवं मणुस्सदेवाण वि ॥ ४२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ४३ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ४४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स मज्झिमपरिसाए देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ४५ ॥ छ दिसिकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा । छ विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया ॥ ४६ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया । भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा । जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स । जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स ॥ ४७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छस्सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । एवं भूयाणंदस्स वि जाव महाघोसस्स ॥ ४८ ॥ छव्विहा उग्गहमई प० तं० खिप्पमोगिण्हइ बहुमोगिण्हइ बहुविधमोगिण्हइ धुवमोगिण्हइ अणिस्सियमोगिण्हइ असंदिद्धमोगिण्हइ ॥ ४९ ॥ छव्विहा ईहामई प० तं० खिप्पमीहइ, बहुमीहइ जाव असंदिद्धमीहइ ॥ ५० ॥ छव्विहा अवायमई प० तं० खिप्पमवेइ जाव असंदिद्धमवेइ । छव्विहा धारणा प० तं० बहुं धारेइ बहुविहं धारेइ पोराणं धारेइ दुद्धरं धारेइ अणिस्सियं धारेइ असंदिद्धं धारेइ ॥ ५१ ॥ छव्विहे बाहिरए तवे प० तं० अणसणं ओमोयरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसो पडिसंलीणया ॥ ५२ ॥ छव्विहे अब्भंतरिए तवे प० तं० पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ झाणं विउस्सग्गो ॥ ५३ ॥ छव्विहे विवाए प० तं० ओसक्कइत्ता उस्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता भइत्ता भेलइत्ता ॥ ५४ ॥ छव्विहा खुड्डा पाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया तेउकाइया वाउकाइया ॥ ५५ ॥ छव्विहा गोयरचरिया प० तं० पेडा अद्धपेडा गोमुत्तिया पतंगवीहिया संबुक्कवट्टा गंतुंपच्चागया ॥ ५६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे

अणाणुबंधिं अमोसलिं चेव छप्पुरिमा णव खोडा पाणी पाणविसोहणी (२) ॥ ४१ ॥ छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा। एवं मणुस्सदेवाण वि ॥ ४२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ४३ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ४४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स मज्झिमपरिसाए देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ४५ ॥ छ दिसिकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा। छ विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया ॥ ४६ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया। भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा। जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स। जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स ॥ ४७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छस्सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ। एवं भूयाणंदस्स वि जाव महाघोसस्स ॥ ४८ ॥ छव्विहा उग्गहमई प० तं० खिप्पमोगिण्हइ बहुमोगिण्हइ बहुविधमोगिण्हइ धुवमोगिण्हइ अणिस्सियमोगिण्हइ असंदिद्धमोगिण्हइ ॥ ४९ ॥ छव्विहा ईहामई प० तं० खिप्पमीहइ, बहुमीहइ जाव असंदिद्धमीहइ ॥ ५० ॥ छव्विहा अवायमई प० तं० खिप्पमवेइ जाव असंदिद्धमवेइ। छव्विहा धारणा प० तं० बहुं धारेइ बहुविहं धारेइ पोराणं धारेइ दुद्धरं धारेइ अणिस्सियं धारेइ असंदिद्धं धारेइ ॥ ५१ ॥ छव्विहे बाहिरए तवे प० तं० अणसणं ओमोयरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसो पडिसंलीणया ॥ ५२ ॥ छव्विहे अब्भंतरिए तवे प० तं० पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ झाणं विउस्सग्गो ॥ ५३ ॥ छव्विहे विवाए प० तं० ओसक्कइत्ता उस्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता भइत्ता भेलइत्ता ॥ ५४ ॥ छव्विहा खुड्डा पाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया तेउकाइया वाउकाइया ॥ ५५ ॥ छव्विहा गोयरचरिया प० तं० पेडा अद्धपेडा गोमुत्तिया पतंगवीहिया संबुक्कवट्टा गंतुंपच्चागया ॥ ५६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे

मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंतमहाणिरया प०तं० लोले लोलुए उदड्ढे णिदड्ढे जरए पज्जरए ॥५७॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंता महाणिरया प० तं० आरे वारे मारे रोरे रोरुए खाडखडे ॥ ५८ ॥ बंभलोए णं कप्पे छ विमाणपत्थडा प० तं० अरए विरए णीरए णिम्मले वितिमिरे विसुद्धे ॥ ५९ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो छ णक्खत्ता पुव्वंभागा समखेत्ता तीसइमुहुत्ता प० तं० पुव्वाभद्दवया कत्तिया महा पुव्वाफग्गुणी मूलो पुव्वासाढा ॥ ६० ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो छ णक्खत्ता णत्तंभागा अवड्ढक्खेत्ता पण्णरसमुहुत्ता प० तं० सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा ॥ ६१ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो छ णक्खत्ता उभयंभागा दिवड्ढखेत्ता पणयालीसमुहुत्ता प० तं० रोहिणी पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा उत्तराभद्दवया ॥ ६२ ॥ अभिचंदे णं कुलकरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ६३ ॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं महाराया हुत्था ॥ ६४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स छसया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं संपया हुत्था ॥ ६५ ॥ वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे जाव पव्वइए ॥ ६६ ॥ चंदप्पभे णं अरहा छम्मासे छउमत्थे हुत्था ॥ ६७ ॥ तेइंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स छव्विहे संजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ घाणामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ जिब्भामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ एवं चेव फासामाओ वि ॥ ६८ ॥ तेइंदियाणं जीवाणं समारभमाणस्स छव्विहे असंजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ घाणामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ जाव फासमएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ ॥ ६९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ७० ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे ॥ ७१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे णीलवंते रुप्पी सिहरी ॥ ७२ ॥ जंबूमंदरदाहिणे णं छ कूडा प० तं० चुल्लहिमवंतकूडे वेसमणकूडे महाहिमवंतकूडे वेरुलियकूडे णिसढकूडे रुयगकूडे ॥ ७३ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं छ कूडा प० तं० णीलवंतकूडे उवदंसणकूडे रुप्पिकूडे मणिकंचणकूडे सिहरिकूडे तिगिच्छकूडे ॥७४॥

जंबुद्दीवे दीवे छ महद्दहा प० तं० पउमद्दहे महापउमद्दहे तिगिच्छद्दहे केसरिद्दहे महापोंडरीयद्दहे पुंडरीयद्दहे ॥ ७५ ॥ तत्थ णं छ देवयाओ महड्ढियाओ जाव पलिओवमठिईयाओ परिवसंति तं० सिरी हिरी धिई कित्ती बुद्धी लच्छी ॥ ७६ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं छ महाणईओ प० तं० गंगा सिंधू रोहिया रोहियंसा हरी हरिकंता ॥७७॥ जंबूमंदरउत्तरे णं छ महाणईओ प० तं० णरकंता णारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ७८ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमे णं सीयाए महाणईए उभयकूले छ अंतरणईओ प० तं० गाहावई दहावई पंकवई तत्तजला मत्तजला उम्मत्तजला ॥ ७९ ॥ जंबूमंदरपचत्थिमे णं सीओयाए महाणईए उभयकूले छ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा सीहसोया अंतोवाहिणी उम्मिमालिणी फेणमालिणी गंभीरमालिणी ॥ ८० ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धेणं छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एवं जहा जंबुद्दीवे २ तहा णई जाव अंतरणईओ जाव पुक्खरवरदीवड्ढपचत्थिमद्धे भाणियव्वं ॥८१॥ छ उऊ प० तं० पाउसे वरिसारत्ते सरए हेमंते वसंते गिम्हे ॥ ८२ ॥ छ ओमरत्ता प० तं० तइए पव्वे सत्तमे पव्वे एक्कारसमे पव्वे पण्णरसमे पव्वे एगूणवीसइमे पव्वे तेवीसइमे पव्वे ॥ ८३ ॥ छ अइरत्ता प० तं० चउत्थे पव्वे अट्ठमे पव्वे दुवालसमे पव्वे सोलसमे पव्वे वीसइमे पव्वे चउवीसइमे पव्वे ॥ ८४ ॥ आभिणिबोहियणाणस्स णं छव्विहे अत्थोग्गहे प० तं० सोइंदियत्थोग्गहे जाव णोइंदियत्थोग्गहे ॥ ८५ ॥ छव्विहे ओहिणाणे प० तं० आणुगामिए अणाणुगामिए वड्ढमाणए हीयमाणए पडिवाई अपडिवाई ॥ ८६ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा इमाइं छअवयणाइं वइत्तए तं० अलियवयणे हीलियवयणे खिंसियवयणे फरुसवयणे गारत्थियवयणे विउसवियं वा पुणो उदीरित्तए ॥ ८७ ॥ छ कप्पस्स पत्थारा प० तं० पाणाइवायस्स वायं वयमाणे मुसावायस्स वायं वयमाणे अदिण्णादाणस्स वायं वयमाणे अविरइवायं वयमाणे अपुरिसवायं वयमाणे दासवायं वयमाणे इच्चेए छ कप्पस्स पत्थारे पत्थरेत्ता सम्ममपरिपूरेमाणे तट्ठाणपत्ते ॥ ८८ ॥ छ कप्पस्स पलिमंथू प० तं० कोकुइए संजमस्स पलिमंथू मोहरिए सच्चवयणस्स पलिमंथू चक्खुलोलुए ईरियावहियाए पलिमंथू तिंतिणिए एसणागोयरस्स पलिमंथू इच्छालोभिए मुत्तिमग्गस्स पलिमंथू भिज्जाणिदाणकमोक्खमग्गस्स पलिमंथू सव्वत्थ भगवया अणिदाणता पसत्था ॥ ८९ ॥ छव्वि

कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेओवट्ठावणियकप्पठिई णिव्विसमाणकप्पठिई णिव्विट्ठकप्पठिई जिणकप्पठिई थेरकप्पठिई ॥ ९० ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं मुंडे जाव पव्वइए ॥ ९१ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ॥ ९२ ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ९३ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९४ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरगा उक्कोसेणं छ रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ९५ ॥ छव्विहे भोयणपरिणामे प० तं० मणुण्णे रसिए पीणणिज्जे विंहणिज्जे दीवणिज्जे [मयणणिज्जे] दप्पणिज्जे ॥ ९६ ॥ छव्विहे विसपरिणामे प० तं० डक्के भुत्ते णिवइए मंसाणुसारी सोणियाणुसारी अट्ठिमिंजाणुसारी ॥९७॥ छव्विहे पट्ठे प० तं० संसयपट्ठे वुग्गहपट्ठे अणुजोगी अणुलोमे तहणाणे अतहणाणे ॥ ९८ ॥ चमरचंचा णं रायहाणी उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ ९९ ॥ एगमेगे णं इंदट्ठाणे उक्कोसेणं छम्मासा विरहिए उववाएणं ॥ १०० ॥ अहेसत्तमा णं पुढवी उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ १०१ ॥ सिद्धिगई णं उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥१०२॥ छव्विहे आउयबंधे प० तं० जाइणामणिधत्ताउए गइणामणिधत्ताउए ठिइणामणिधत्ताउए ओगाहणाणामणिधत्ताउए पएसणामणिधत्ताउए अणुभावणामणिधत्ताउए ॥ १०३ ॥ णेरइयाणं छव्विहे आउयबंधे प० तं० जाइणामणिधत्ताउए जाव अणुभावणामणिधत्ताउए एवं जाव वेमाणियाणं ॥ १०४ ॥ णेरइया णियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति, एवामेव असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा, असंखेज्जवासाउया सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिया णियमं छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति । असंखेज्जवासाउया सण्णिमणुस्सा णियमं जाव पगरेंति, वाणमंतरा जोइसवासिया वेमाणिया जहा णेरइया ॥ १०५ ॥ छव्विहे भावे प० तं० ओदइए उवसमिए खइए खयोवसमिए पारिणामिए संणिवाइए ॥ १०६ ॥ छव्विहे पडिक्कमणे प० तं० उच्चारपडिक्कमणे पासवणपडिक्कमणे इत्तरिए आवकहिए जंकिंचिमिच्छा सोमणंतिए ॥ १०७॥ कत्तियाणक्खत्ते छतारे प० ॥१०८॥ असिलेसाणक्खत्ते छत्तारे प० ॥ १०९ ॥ जीवा णं छट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए

चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० पुढविकाइयणिव्वत्तिए जाव तसकाय-णिव्वत्तिए एवं चिण-उवचिण-बंध-उदीर-वेय तह-णिज्जरा चेव ॥ ११० ॥ छप्पए-सिया णं खंधा अणंता प० ॥१११॥ छप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥११२॥ छसमयठिईया पोग्गला अणंता प० ॥११३॥ छगुणकालगा पोग्गला जाव छगुण-लुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ११४ ॥

सत्तमं ठाणं

सत्तविहे गणावक्कमणे प० तं० सव्वधम्मा रोएमि एगइया रोएमि एगइया णो रोएमि सव्वधम्मा वितिगिच्छामि एगइया वितिगिच्छामि एगइया णो वितिगिच्छामि सव्वधम्मा जुहुणामि एगइया जुहुणामि एगइया णो जुहुणामि इच्छामि णं भंते ! एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए ॥ १ ॥ सत्तविहे विभंगणाणे प० तं० एगदिसिलोगाभिगमे, पंचदिसिलोगाभिगमे, किरियावरणे जीवे, मुदग्गे जीवे, अमुदग्गे जीवे, रूवी जीवे, सव्वमिणं जीवा, तत्थ खलु इमे पढमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंग-णाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाईणं वा पडिणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं वा जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे एग-दिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु पंचदिसिं लोगा-भिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु पढमे विभंगणाणे । अहावरे दोच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समु-प्पण्णे पंचदिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु एगदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु दोच्चे विभंगणाणे । अहावरे तच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्प-ज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाणे अइवाएमाणा, मुसं वएमाणे अदिण्णमादियमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे परिग्गहं परिगिण्हमाणे, राइभोयणं भुंज-माणे वा पावं च णं कम्मं कीरमाणं णो पासइ तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे किरियावरणे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु णो किरियावरणे जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तच्चे

विभंगणाणे। अहावरे चउत्थे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं फुसिया फुरित्ता फुट्टित्ता विकुव्वित्ता णं विकुव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणसमुप्पण्णे मुदग्गे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अमुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु चउत्थे विभंगणाणे। अहावरे पंचमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गलए अपरियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं जाव विउव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि जाव समुप्पण्णे अमुदग्गे जीवे, संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु मुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, पंचमे विभंगणाणे। अहावरे छट्ठे विभंगणाणे, जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता वा अपरियाइत्ता वा पुढेगत्तं णाणत्तं फुसेत्ता जाव विकुव्वित्ताणं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ, अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे रूवी जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अरूवी जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु छट्ठे विभंगणाणे। अहावरे सत्तमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ सुहुमेणं वाउकाएणं फुडं पोग्गलकायं एयंतं वेयंतं चलंतं खुब्भंतं फंदंतं घट्टंतं उदीरेंतं तं तं भावं परिणमंतं तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, सव्वमिणं जीवा संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु जीवा चेव अजीवा चेव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तस्स णमिमे चत्तारि जीवणिकाया णो सम्ममुवगया भवंति तंजहा-पुढविकाइया आऊ तेऊ वाउकाइया, इच्चेएहिं चउहिं जीवणिकाएहिं मिच्छादंडं पवत्तेइ, सत्तमे विभंगणाणे ॥२॥ सत्तविहे जोणिसंगहे प०तं० अंडया पोयया जराउया रसया संसेयया संमुच्छिमा उब्भिया। अंडया सत्तगइया सत्तागइया प० तं० अंडगे अंडगेसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा पोयएहिंतो वा जाव उब्भिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से अंडए अंडगत्तं

विप्पजहमाणे अंडयत्ताए वा पोययत्ताए जाव उब्भियत्ताए वा गच्छेज्जा। पोयया सत्तगइया सत्तागइया, एवं चेव, सत्तण्हवि गइरागई भाणियव्वा जाव उब्भियत्ति ॥३॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त संगहठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवइ, एवं जहा पंचट्ठाणे जाव आयरियउवज्झाए गणंसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, णो अणापुच्छियचारी यावि भवइ आयरियउवज्झाए गणंसि अणुप्पण्णाइं उवगरणाइं सम्मं उप्पाइत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि पुव्वुप्पण्णाइं उवकरणाइं सम्मं सारक्खेत्ता संगोवित्ता भवइ णो असम्मं सारक्खेत्ता संगोवित्ता भवइ ॥४॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त असंगहठाणा प०तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, एवं जाव उवगरणाणं णो सम्मं सारक्खेत्ता संगोवेत्ता भवइ ॥ ५ ॥ सत्त पिंडेसणाओ प० ॥ ६ ॥ सत्तपाणेसणाओ प० ॥ ७ ॥ सत्त उग्गहपडिमाओ प० ॥ ८ ॥ सत्त सत्तिकया प० ॥ ९ ॥ सत्त महज्झयणा प० ॥ १० ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एगूणपण्णयाए राइंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्तं (अहा अत्थं) जाव आराहिया यावि भवइ ॥११॥ अहे लोए णं सत्त पुढवीओ प०,सत्त घणोदहीओ प०, सत्त घणवाया प०, सत्त तणुवाया प०,सत्त उवासंतरा प०,एएसु णं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु घणवाएसु सत्त घणोदही पइट्ठिया। एएसु णं सत्तसु घणोदहीसु पिंडलगपिहुण-संठाणसंठिआओ सत्त पुढवीओ प० तं० पढमा जाव सत्तमा। एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त णामधेज्जा प० तं० घम्मा वंसा सेला अंजणा रिट्ठा मघा माघवई। एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त गोत्ता प० तं० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुअप्पभा पंकप्पभा धूमप्पभा तमा तमतमा ॥ १२ ॥ सत्तविहा बायरवाउकाइया प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए उड्ढवाए अहोवाए विदिसिवाए ॥ १३ ॥ सत्त संठाणा प० तं० दीहे रहस्से वट्टे तंसे चउरंसे पिहुले परिमंडले ॥ १४ ॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए वेयणभए मरणभए असिलोगभए ॥ १५ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थं जाणेज्जा तं० पाणे अइवाएत्ता भवइ मुसं वइत्ता भवइ अदिण्णमाइत्ता भवइ सद्दफरिसरसरूव-

गंधे आसाएत्ता भवइ पूयासक्कारमणुवूहेत्ता भवइ इमं सावज्जंति पण्णवेत्ता पडिसेवेत्ता भवइ णो जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ १६ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं केवली जाणेज्जा तं० णो पाणे अइवाएत्ता भवइ जाव जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ १७ ॥ सत्त मूलगोत्ता प० तं० कासवा गोयमा वच्छा कोच्छा कोसिया मंडवा वासिट्ठा । जे कासवा ते सत्तविहा प० तं० ते कासवा ते संडेल्ला ते गोल्ला ते वाला ते मुंजइणो ते पव्वपेच्छइणो ते वरिसकण्हा । जे गोयमा ते सत्त विहा प० तं० ते गोयमा ते गग्गा ते भारद्दा ते अंगिरसा ते सक्कराभा ते भक्खराभा ते उदगत्ताभा । जे वच्छा ते सत्त विहा प० तं० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तिया ते सामिलिणो ते सेलयया ते अट्ठिसेणा ते वीयकण्हा, जे कोच्छा ते सत्तविहा प० तं० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा ते पिंगलायणा ते कोडीणा ते मंडलिणो ते हारिता ते सोमया । जे कोसिआ ते सत्त विहा प० तं० ते कोसिआ ते कच्चायणा ते सालंकायणा ते गोलिकायणा ते पक्खिकायणा ते अग्गिच्चा ते लोहिया । जे मंडवा ते सत्तविहा प० तं० ते मंडवा ते अरिट्ठा ते समुया ते तेला ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारायणा । जे वासिट्ठा ते सत्तविहा प० तं० ते वासिट्ठा ते उंजायणा ते जारेकण्हा ते वग्घावच्चा ते कोडिण्णा ते सण्णी ते पारासरा ॥१८॥ सत्त मूलणया प०तं० णेगमे संगहे ववहारे उज्जुसुए सद्दे समभिरूढे एवंभूए ॥ १९ ॥ सत्त सरा प० तं० सज्जे रिसभे गंधारे मज्झिमे पंचमे सरे, धेवते चेव णिसादे सरा सत्त वियाहिया (१) एएसि णं सत्तण्हं सराणं सत्त सरट्ठाणा प० तं० सज्जं तु अग्गजिब्भाए उरेण रिसभं सरं, कण्ठुग्गएण गंधारं मज्झजिब्भाए मज्झिमं (२) णासाए पंचमं बूया दंतोट्ठेण य धेवयं, मुद्धाणेण य णेसायं सरठाणा वियाहिया (३) सत्त सरा जीवणिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मयूरो कुक्कुडो रिसहं सरं, हंसो णदइ गंधारं मज्झिमं तु गवेलगा (४) अह कुसुमसंभवे काले कोइला पंचमं सरं, छट्ठं च सारसा कोंचा णिसायं सत्तमं गया (५) सत्तसरा अजीवणिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मुइंगो गोमुही रिसभं सरं, संखो णदइ गंधारं मज्झिमं पुण झल्लरी (६) चउचलणपइट्ठाणा गोहिया पंचमं सरं, आडंबरो रेवइयं महाभेरी य सत्तमं (७) एएसि णं सत्त सराणं सत्त सरलक्खणा प० तं० सज्जेण लभइ वित्तिं कयं च ण विणस्सइ, गावो मित्ता य पुत्ता य णारीणं चेव वल्लभो (८) रिसभेण उ एसज्जं, सेणावच्चं धणाणि य; वत्थगंधमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य (९) गंधारे गीयजुत्तिण्णा वज्जवित्ती कलाहिया,

भवंति कइणो पण्णा जे अण्णे सत्थपारगा (१०) मज्झिमसरसंपण्णा भवंति सुह-जीविणो, खायई पीयई देई, मज्झिमं सरमस्सिओ (११) पंचमसरसंपण्णा भवंति पुढवीपई, सूरा संगहकत्तारो अणेगगणणायगा (१२) धेवयसरसंपण्णा भवंति कलहप्पिया; साउणिया वग्गुरिया सोयरिया मच्छबंधा य (१३) चंडाला मुट्ठिया सेया, जे अण्णे पावकम्मिणो; गोघातगा य जे चोरा, णिसायं सरमस्सिता (१४) एएसि णं सत्तण्हं सराणं तओ गामा प० तं० सज्जगामे मज्झिमगामे गंधारगामे। सज्जगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० मंगी कोरव्वीया हरीय रयणी य सार-कंता य, छट्ठी य सारसी णाम सुद्धसज्जा य सत्तमा (१५) मज्झिमगामस्स णं सत्त-मुच्छणाओ प० तं० उत्तरमंदा रयणी उत्तरा उत्तरासमा; आसोकंता य सोवीरा, अभिरू हवइ सत्तमा (१६) गंधारगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० णंदी य खुद्दिमा पूरिमा य चउत्थी य सुद्धगंधारा, उत्तरगंधारा वि य पंचमिया हवइ मुच्छा उ (१७) सुट्ठुत्तरमायामा सा छट्ठी णियमसो उ णायव्वा अह उत्तरायया कोडी-मायसा सत्तमी मुच्छा (१८) सत्त सराओ कओ संभवंति गेयस्स का भवइ जोणी ? कइ समया उस्सासा कइ वा गेयस्स आगारा ? (१९) सत्त सरा णाभीओ भवंति, गीयं च रुयजोणीयं; पायसमा ऊसासा तिण्णि य गेयस्स आगारा (२०) आइमिउ आरभंता समुव्वहंता य मज्झगारंमि; अवसाणे तज्जविंतो तिण्णि य गेयस्स आगारा (२१) छद्दोसे अट्ठगुणे तिण्णि य वित्ताइं दो य भणिईओ जाणाहिइ सो गाहिइ सुसिक्खिओ रंगमज्झम्मि (२२) भीतं दुतं रहस्सं गायंतो मा य गाहि उत्तालं, काकस्सरमणुणासं च होंति गेयस्स छद्दोसा (२३) पुण्णं रत्तं च अलंकियं च वत्तं तहा अविघुट्ठं; महुरं सम सुकुमारं अट्ठ गुणा होंति गेयस्स (२४) उरकंठसिरपसत्थं च गेज्जंते मउरिभिअपदबद्धं; समतालपडुक्खेवं सत्तसरसीहरं गीयं (२५) णिद्दोसं सारवंतं च हेउजुत्तमलंकियं, उवणीयं सोवयारं च मियं महुरमेव य (२६) सम-मद्धसमं चेव सव्वत्थ विसमं च जं, तिण्णि वित्तप्पयाराइं चउत्थं णोवलब्भइ (२७) सक्कया पागया चेव दुहा भणिईओ आहिया; सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसि-भासिया (२८) केसी गायइ महुरं केसी गायइ खरं च रुक्खं च, केसी गायइ चउरं केसि विलंबं दुतं केसी ? (२९) विस्सरं पुण केरिसी ? सामा गायइ महुरं काली गायइ खरं च रुक्खं च गोरी गायइ चउरं, काण विलंबं दुयं अंधा (३०) विस्सरं पुण पिंगला। तंतिसमं तालसमं पादसमं लयसमं गहसमं च, णीससिऊससि-

यसमं संचारसमा सरा सत्त (३१) सत्त सरा य तओ गामा मुच्छणा एगवीसई ताणा एगूणपण्णासा समत्तं सरमंडलं (३२) ॥ २० ॥

सत्तविहे कायकिलेसे प० तं० ठाणाइए उक्कुडुयासणिए पडिमठाई वीरासणिए णेसज्जिए दंडाइए लगंडसाई ॥ २१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सत्तवासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे महाविदेहे ॥२२॥ जंबुद्दीवे २ सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसहे णीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे ॥ २३ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महाणईओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा रोहिया हिरी सीया णरकंता सुवण्णकूला रत्ता ॥ २४ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महाणईओ पचत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू रोहियंसा हरिकंता सीतोदा णारिकंता रुप्पकूला रत्तवई ॥ २५ ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा प० तं० भरहे जाव महाविदेहे । धायइसंडदीवपुरत्थिमे णं सत्त वासहर-पव्वया प०तं० चुल्लहिमवंते जाव मंदरे। धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महाणईओ पुरत्थाभिमुहीओ कालोयसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा जाव रत्ता। धायइसंडदीवपुरत्थि-मद्धे णं सत्त महाणईओ पचत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू जाव रत्तवई। धायइसंडदीवे पचत्थिमद्धे णं सत्त वासा एवं चेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति पचत्थाभिमुहीओ कालोदं, सेसं तं चेव ॥ २६ ॥ पुक्खरवर-दीवड्ढपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा तहेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समुद्दं समप्पेंति पचत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं समप्पेंति सेसं तं चेव। एवं पचत्थिमद्धेवि णवरं पुरत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं समप्पेंति, पचत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समप्पेंति, सव्वत्थ वासा वासहरपव्वया णईओ य भाणियव्वाणि॥ २७॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा हुत्था, तंजहा मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे; विमलघोसे सुघोसे य महाघोसे य सत्तमे ॥ २८ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए सत्त कुलगरा हुत्था तं० पढमित्थ विमलवाहण चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे; तत्तो य पसेणइ पुण मरुदेवे चेव णाभी य (१) एएसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारियाओ हुत्था, तं० चंदजसा चंदकंता सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य; सिरिकंता मरुदेवी, कुलकरइत्थीण णामाइं (२) ॥ २९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा भविस्संति तं०

मित्तवाहण सुभोमे य सुप्पभे सयंपभे; दत्ते सहुमे [सुहे सुरूवे] सुबंधू य आगमे-स्सिण होक्खइ ॥ ३० ॥ विमलवाहणे णं कुलगरे सत्तविहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छिंसु तं० मत्तंगया य भिंगा चित्तंगा चेव होंति चित्तरसा; मणियंगा य अणियणा सत्तमगा कप्परुक्खा य (१) ॥ ३१ ॥ सत्तविहा दंडणीई प० तं० हक्कारे मक्कारे धिक्कारे परिभासे मंडलबंधे चारए छविच्छेदे ॥ ३२ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त एगिंदियरयणा प० तं० चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे दंडरयणे असिरयणे मणिरयणे काकणिरयणे ॥ ३३ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त पंचिंदियरयणा प० तं० सेणावइरयणे गाहावइरयणे वड्ढइरयणे पुरोहियरयणे इत्थिरयणे आसरयणे हत्थिरयणे ॥ ३४ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा, तं० अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाधू पुज्जंति साधू ण पुज्जंति गुरूहिं जणो मिच्छं पडिवण्णो मणोदुहया वइदुहया ॥३५॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं० अकाले ण वरिसइ काले वरिसइ असाधू ण पुज्जंति साधू पुज्जंति गुरूहिं जणो सम्मं पडिवण्णो मणोसुहया वइसुहया ॥ ३६ ॥ सत्तविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० णेरइया, तिरिक्खजोणिया, तिरिक्खजोणिणिओ, मणुस्सा, मणुस्सीओ, देवा देवीओ ॥ ३७ ॥ सत्तविहे आउभेदे प० तं० अज्झवसाणणिमित्ते, आहारे, वेयणा, पराघाए, फासे, आणापाणू, सत्तविहं भिज्जए आउं ॥ ३८ ॥ सत्तविहा सव्वजीवा प० तं० पुढविकाइया आउतेउ-वाउ वणस्सइ० तसकाइया अकाइया । अहवा सत्तविहा सव्वजीवा प० तं० कण्ह-लेसा जाव सुक्कलेसा अलेसा ॥ ३९ ॥ बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्त धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं सत्त य वाससयाइं परमाउं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ४० ॥ मल्ली णं अरहा अप्पसत्तमे मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए तं० मल्ली विदेहरायवरक-ण्णया, पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अंगराया, रुप्पी कुणालाहिवई, संखे कासीराया, अदीणसत्तू कुरुराया, जियसत्तू पंचालराया ॥ ४१ ॥ सत्तविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे मिच्छद्दंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे अचक्खुदंसणे ओहिदंसणे केवलदंसणे ॥ ४२ ॥ छउमत्थवीयरागे णं मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएइ, तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, वेयणियं, आउयं, णामं, गोयमंतराइयं ॥ ४३ ॥ सत्त ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण याणइ ण पासइ,

तं० धम्मत्थिकायं, अधम्मत्थिकायं, आगासत्थिकायं, जीवं असरीरपडिबद्धं, परमाणुपोग्गलं, सद्दं, गंधं ॥ ४४ ॥ एयाणि चेव उप्पण्णणाणे जाव जाणइ पासइ, तं० धम्मत्थिकायं जाव गंधं ॥ ४५ ॥ समणे भगवं महावीरे वयरोसभणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ४६ ॥ सत्तविकहाओ प० तं० इत्थिकहा, भत्तकहा, देसकहा, रायकहा, मिउकालणिया, दंसणभेयणी, चरित्तभेयणी ॥ ४७ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त अइसेसा प० तं० आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स पाए णिगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ एवं जहा पंचट्ठाणे जाव बाहिं उवस्सयस्स एगरायं वा दुरायं वा वसमाणे णाइक्कमइ उवगरणाइसेसे भत्तपाणाइसेसे ॥ ४८ ॥ सत्तविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव तसकाइयसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ४९ ॥ सत्त विहे असंजमे प० तं० पुढविकाइयअसंजमे जाव तसकाइयअसंजमे, अजीवकायअसंजमे ॥ ५० ॥ सत्तविहे आरंभे प० तं० पुढविकाइयआरंभे जाव अजीवकायआरंभे एवमणारंभेवि एवं सारंभे वि एवमसारंभे वि एवं समारंभेवि एवं असमारंभेवि जाव अजीवकायअसमारंभे ॥ ५१ ॥ अह भंते! अयसिकुसुंभकोद्दवकंगुरालग(वराकोद्दूसगा)सणसरिसवमूलगबीयाणं एएसि णं धण्णाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं जाव पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव जोणीवोच्छेदे प० ॥५२॥ बायरआउकाइयाणं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ५३ ॥ तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं णेरइयाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ५४ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं सत्तसागरोवमाइं ठिई प० ॥५५॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ५६ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ५७ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ५८ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ५९ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ६० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं देवीणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ६१ ॥ सोहम्मे कप्पे

परिग्गहियाणं देवीणं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ६२ ॥ सारस्सयमाइ-च्चाणं सत्त देवा सत्त देवसया प० ॥ ६३ ॥ गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा प० ॥ ६४ ॥ सणंकुमारे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६५ ॥ माहिंदे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६६ ॥ बंभलोए कप्पे जहण्णेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६७ ॥ बंभलोयलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ६८ ॥ भवणवासीणं देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० । एवं वाणमंतराणं एवं जोइसियाणं । सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरा सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ६९ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त दीवा प० तं० । जंबुद्दीवे २ धायइसडे दीवे पोक्खरवरे वरुणवरे खीरवरे घयवरे खोयवरे ॥७०॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त समुद्दा प० तं० लवणे कालोए पुक्खरोदे वरुणोए खीरोदे घओदे खोओए ॥७१॥ सत्त सेढीओ प० तं० उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखुहा दुहओखुहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥७२॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए-णट्टाणिए गंधव्वाणिए दुमे पायत्ताणियाहिवई एवं जहा पंचट्ठाणे जाव किण्णरे रहाणियाहिवई रिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयरई गंधव्वाणियाहिवई । बलिस्स णं वइ-रोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए महद्दुमे पायत्ताणियाहिवई जाव किंपुरिसे रहाणियाहिवई महारिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयजसे गंधव्वाणियाहिवई । धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंध-व्वाणिए रुद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जाव आणंदे रहाणियाहिवई णंदणे णट्टाणिया-हिवई तेतली गंधव्वाणियाहिवई । भूयाणंदस्स सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए दक्खे पायत्ताणियाहिवई जाव णंदुत्तरे रहाणियाहिवई रई णट्टाणियाहिवई माणसे गंधव्वाणियाहिवई एवं जाव घोसमहा-घोसाणं णेयव्वं । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई जाव माढरे रहाणियाहिवई सेए णट्टाणियाहिवई तुंबुरू गंधव्वा णियाहिवई । ईसाणस्स

णं देविंदस्स देवरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवईणो प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई जाव महासेए णट्टाणियाहिवई रए गंधव्वाणियाहिवई सेसं जहा पंचट्ठाणे एवं जाव अच्चुयस्स वि णेयव्वं ॥७३–७४॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा जाव सत्तमा कच्छा। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स पढमाए कच्छाए चउसट्ठि देवसहस्सा प० जावइया पढमा कच्छा तव्विगुणा दोच्चा कच्छा तव्विगुणा तच्चा कच्छा एवं जाव जावइया छट्ठा कच्छा तव्विगुणा सत्तमा कच्छा। एवं बलिस्स वि णवरं महद्दुमे सट्ठिदेवसाहस्सिओ सेसं तं चेव। धरणस्स एवं चेव णवरं अट्ठावीसं देवसहस्सा सेसं तं चेव जहा धरणस्स एवं जाव महाघोसस्स णवरं पायत्ताणियाहिवई अण्णे ते पुव्वभणिया॥ ७५ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो हरिणेगमेसिस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा एवं जहा चमरस्स तहा जाव अच्चुयस्स, णाणत्तं पायत्ताणियाहिवईणं ते पुव्वभणिया देवपरिमाणमिमं सक्कस्स चउरासीइं देवसहस्सा ईसाणस्स असीई देवसहस्साइं देवा इमाए गाहाए अणुगंतव्वा, 'चउरासीइ असीइ बावत्तरि सत्तरी य सट्ठीया; पण्णा चत्तालीसा तीसा वीसा दससहस्सा' (१) जाव अच्चुयस्स लहुपरक्कमस्स दसदेवसहस्सा जाव जावइया छट्ठा कच्छा तव्विगुणा सत्तमा कच्छा ॥ ७६ ॥ सत्तविहे वयणविकप्पे प० तं० आलावे, अणालावे, उल्लावे, अणुल्लावे, संलावे, पलावे विप्पलावे ॥ ७७ ॥ सत्तविहे विणए प० तं० णाणविणए, दंसणविणए, चरित्तविणए, मणविणए, वइविणए, कायविणए, लोगोवयारविणए ॥ ७८ ॥ पसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे अकिरिए णिरुवक्केसे अणण्हकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकमणे ॥ ७९ ॥ अपसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हकरे छविकरे भूयाभिसंकमणे ॥८०॥ पसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे जाव अभूयाभिसंकमणे ॥ ८१ ॥ अपसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० पावए, जाव भूयाभिसंकमणे ॥ ८२ ॥ पसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं० आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं णिसीयणं आउत्तं तुअट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया ॥ ८३ ॥ अपसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं० अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया ॥ ८४॥ लोगोवयार-

विणए सत्तविहे प० तं० अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेउं कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालण्णुया सव्वत्थेसु या पडिलोमया ॥ ८५ ॥ सत्त समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेजससमुग्घाए आहारगसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए । मणुस्साणं सत्त समुग्घाया प० एवं चेव ॥ ८६ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि सत्त पवयणणिण्हगा प०तं० बहुरया जीवपएसिया अवत्तिया सामुच्छेइया दोकिरिया तेरासिया अबद्धिया । एएसि णं सत्तण्हं पवयणणिण्हगाणं सत्त धम्मायरिया हुत्था तं० जमाली तीसगुत्ते आसाढे आसमित्ते गंगे छलुए गोट्ठामाहिले । एएसि णं सत्तण्हं पवयणणिण्हगाणं सत्त उप्पत्तिणगरा हुत्था तं० सावत्थी उसभपुरं सेयविया मिहिलउल्लुगातीरं पुरिमंतरंजि दसपुरं णिण्हगउप्पत्तिणगराइं ॥ ८७ ॥ सायावेयणिज्जस्स कम्मस्स सत्तविहे अणुभावे प० तं० मणुण्णा सद्दा मणुण्णा रूवा जाव मणुण्णा फासा मणोसुहया वइसुहया ॥ ८८ ॥ असायावेयणिज्जस्स णं कम्मस्स सत्तविहे अणुभावे प० तं० अमणुण्णा सद्दा जाव वइदुहया ॥ ८९ ॥ महाणक्खत्ते सत्ततारे प० ॥ ९० ॥ अभिईयाइया णं सत्तणक्खत्ता पुव्वदारिया प०तं० अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तराभद्दवया रेवई । अस्सिणियाइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया प० तं० अस्सिणी भरिणी कित्तिया रोहिणी मिगसिरे अद्दा पुणव्वसू । पुस्साइया णं सत्त णक्खत्ता अवरदारिया प० तं० पुस्सो असिलेसा मघा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता । साइयाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया प० तं० साई विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा ॥ ९१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सोमणसे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० तं० सिद्धे सोमणसे तह बोधव्वे मंगलावईकूडे, देवकुरु विमल कंचण, विसिट्ठकूडे य बोद्धव्वे ॥ ९२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे गंधमायणे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० तं० सिद्धे य गंधमायण बोद्धव्वे गंधिलावईकूडे उत्तरकुरुफलिहे लोहियक्ख आणंदणे चेव ॥९३॥ बिइंदियाणं सत्त जाइकुलकोडिजोणीपमुहसयसहस्सा प०॥९४॥जीवा णं सत्तट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णेरइयणिव्वत्तिए जाव देवणिव्वत्तिए एवं चिण जाव णिज्जरा चेव ॥९५॥ सत्तपएसिया खंधा अणंता प० ॥९६॥ सत्त पएसोगाढा पोग्गला जाव सत्तगु

अट्ठमं ठाणं

अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए सच्चे पुरिसजाए मेहावी पुरिसजाए बहुस्सुए पुरिसजाए सत्तिमं अप्पाहिगरणे धिइमं वीरियसंपण्णे ॥१॥ अट्ठविहे जोणिसंगहे प० तं० अंडया पोयया जाव उब्भियया उववाइया। अंडया अट्ठगइया अट्ठागइया प० तं० अंडए अंडएसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा जाव उववाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से अंडए अंडगत्तं विप्पजहमाणे अंडगत्ताए वा पोयगत्ताए वा जाव उववाइयत्ताए वा गच्छेज्जा। एवं पोययावि जराउयावि सेसाणं गइरागई णत्थि ॥ २॥ जीवा णं अट्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं आउयं णामं गोत्तं अंतराइयं। णेरइया णं अट्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा ३ एवं चेव, एवं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं २४। जीवाणमट्ठकम्मपयडीओ उवचिणिंसु वा ३ एवं चेव एवं चिण-उवचिण-बंध-उदीर-वेय-तह-णिज्जरा चेव, एए छ चउवीसा दंडगा भाणियव्वा ॥ ३ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं माई मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा, तं० करिंसु वाऽहं करेमि वाऽहं करिस्सामि वाऽहं अकित्ती वा मे सिया अवण्णे वा मे सिया अविणए वा मे सिया कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसे वा मे परिहाइस्सइ, अट्ठहिं ठाणेहिं माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० माइस्स णं अस्सिं लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ एगमवि माई मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा एगमवि माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा अत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव अत्थि तस्स आराहणा आयरियउवज्झायस्स वा मे अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जेज्जा, से तं ममभालोएज्जा माई णं एसे माई णं मायं कट्टु से जहा णामए अयागरेइ वा तंबागरेइ वा तउआगरेइ वा सीसागरेइ वा रुप्पागरेइ वा सुवण्णागरेइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ वा बुसागणीइ वा णलागणीइ वा दलागणीइ वा सोंडियालिच्छाणि वा भंडियालिच्छाणि वा गोलियालिच्छाणि वा कुंभारावाएइ वा कवेल्लुआवाएइ वा इट्टावाएइ

वा जंतवाडचुल्लीइ वा लोहारंबरिसाणि वा तत्ताणि समजोइभूयाणि किंसुकफुल्ल-समाणाणि उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणाइं २ जालासहस्साइं पमुंचमाणाइं इंगाल-सहस्साइं परिकिरमाणाइं अंतो २ झियायंति एवामेव माई मायं कट्टु अंतो २ झियाइ जइवि य णं अण्णे केइ वयंति तं पि य णं माई जाणइ अहमेसे अभिसंकिज्जामि २। माई णं मायं कट्टु अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति तंजहा णो महिड्ढिएसु जाव णो दूरंगइएसु णो चिरट्ठिईएसु से णं तत्थ देवे भवइ णो महिड्ढिए जाव णो चिरट्ठिईए जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महारिहेणमासणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति मा बहुं देवे ! भासउ। से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति तं० अंतकुलाणि वा पंतकुलाणि वा तुच्छकुलाणि वा दरिद्दकुलाणि वा भिक्खागकुलाणि वा किवणकुलाणि वा तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ से णं तत्थ पुमे भवइ दुरूवे दुवण्णे दुग्गंधे दुरसे दुफासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए अमणुण्णे अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठसरे अकंतसरे अपियस्सरे अमणुण्णस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणपच्चायाए जाविय से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महरिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति मा बहुं अज्जउत्तो ! भासउ। माई णं मायं कट्टु आलोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० महिड्ढिएसु जाव चिरट्ठिईएसु से णं तत्थ देवे भवइ महिड्ढिए जाव चिरट्ठिईए हारविराइयवच्छे कडगतुडियथंभियभुए अंगयकुंडलमउडगंडतलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणे विचित्तवत्थाभरणे विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिए कल्लाणगपवरगंधमल्लाणुलेवणधरे भासुरबोंदी पलंबवणमालधरे दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं रसेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेस्साए दसदिसाओ उज्जोएमाणे पभासेमाणे महयाऽहयणट्टगीयवाइयतंती-

तलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ, सावि य णं आढाइ परिजाणाइ महारिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति बहुं देवे! भासउ। से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति, अड्ढाइं जाव बहु-जणस्स अपरिभूयाइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ, से णं तत्थ पुमे भवइ सुरूवे सुवण्णे सुगंधे सुरसे सुफासे इट्ठे कंते जाव मणामे अहीणस्सरे जाव मणाम-स्सरे आदेज्जवयणे पच्चायाए जाऽविय से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं आढाइ जाव बहुमज्जउत्ते! भासउ ॥ ४ ॥ अट्ठविहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मणसंवरे वइसंवरे कायसंवरे। अट्ठविहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव कायअसंवरे ॥ ५ ॥ अट्ठ फासा प० तं० कक्कडे मउए गरुए लहुए सीए उसिणे णिद्धे लुक्खे ॥ ६ ॥ अट्ठविहा लोगठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही एवं जहा छट्ठाणे जाव जीवा कम्मपइट्ठिया अजीवा जीवसंगहीया जीवा कम्मसंगहीया ॥ ७ ॥ अट्ठविहा गणि-संपया प० तं० आयारसंपया सुयसंपया सरीरसंपया वयणसंपया वायणासंपया मइसंपया पओगसंपया संगहपरिण्णाणाम अट्ठमा ॥ ८ ॥ एगमेगे णं महाणिही अट्ठचक्कवालपइट्ठाणे अट्ठट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९ ॥ अट्ठसमिईओ प० तं० इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपरिट्ठावणियासमिई मणसमिई वइसमिई कायसमिई ॥ १० ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणा पडिच्छित्तए तं० आयारवं आहारवं ववहारवं ओवीलए पकुव्वए अपरिस्साई णिज्जावए अवायदंसी ॥ ११ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोइत्तए तं० जाइ-संपण्णे कुलसंपण्णे विणयसंपण्णे णाणसंपण्णे दंसणसंपण्णे चरित्तसंपण्णे खंते दंते ॥ १२ ॥ अट्ठविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउस्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे ॥ १३ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा प० तं० जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए ॥ १४ ॥ अट्ठ अकिरियावाई प० तं० एगावाई अणेगावई मितवाई णिम्मितवाई सायवाई

के भीतर हो। मनुष्य के हो तो १०० हाथ के भीतर हो। मनुष्य की हड्डी यदि जली या धुली न हो तो १२ वर्ष तक।

१४ अशुचि की दुर्गन्ध आवे या दि ाई दे तबतक

१५ श्मशान भूमि— सौ हाथ से कम दूर हो तो

१६ चन्द्रग्रहण—खंड ग्रहण में ८ प्रहर, पूर्ण होतो १२ प्रहर

१७ सूर्य ग्रहण " १२ " १६ "

१८ राजा अवसान होने पर, जबतक नया राजा घोषित न हो

१९ युद्ध स्थान के नि तक युद्ध चले

२० उपाश्रय में पंचेंद्रिय का शव पड़ा हो, जबतक ा रहे

२१–२५ आषाढ़, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक और चैत्र की पूर्णिमा दिन रात

२६–३० इन पूर्णिमा के बाद की प्रतिपदा "

३१–३४ प्रातः, मध्यान्ह, संध्या और अर्द्ध रात्रि १-१ मुहूर्त

उपरो अस्वाध्याय को टालकर ध्याय करना चाहिए। खुले मुँह नहीं बोलना तथा दीपक के उजाले में नहीं वांचना हिए।

नोट— मेघ गर्जनादि में अकाल, आर्द्रा नक्षत्र से पूर्व और स्वांति के बाद का माना गया है

तलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ, सावि य णं आढाइ परिजाणाइ महारिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति बहुं देवे! भासउ। से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति, अड्ढाइं जाव बहुजणस्स अपरिभूयाइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ, से णं तत्थ पुमे भवइ सुरूवे सुवण्णे सुगंधे सुरसे सुफासे इट्ठे कंते जाव मणामे अहीणस्सरे जाव मणामस्सरे आदेज्जवयणे पच्चायाए जाऽविय से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं आढाइ जाव बहुमज्जउत्ते! भासउ ॥ ४ ॥ अट्ठविहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मणसंवरे वइसंवरे कायसंवरे। अट्ठविहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव कायअसंवरे ॥ ५ ॥ अट्ठ फासा प० तं० कक्कडे मउए गरुए लहुए सीए उसिणे णिद्धे लुक्खे ॥ ६ ॥ अट्ठविहा लोगठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही एवं जहा छट्ठाणे जाव जीवा कम्मपइट्ठिया अजीवा जीवसंगहीया जीवा कम्मसंगहीया ॥ ७ ॥ अट्ठविहा गणिसंपया प० तं० आयारसंपया सुयसंपया सरीरसंपया वयणसंपया वायणासंपया मइसंपया पओगसंपया संगहपरिण्णाणाम अट्ठमा ॥ ८ ॥ एगमेगे णं महाणिही अट्ठचक्कवालपइट्ठाणे अट्ठट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९ ॥ अट्ठसमिईओ प० तं० इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपरिट्ठावणियासमिई मणसमिई वइसमिई कायसमिई ॥ १० ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणा पडिच्छित्तए तं० आयारवं आहारवं ववहारवं ओवीलए पकुव्वए अपरिस्साई णिज्जावए अवायदंसी ॥ ११ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोइत्तए तं० जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे विणयसंपण्णे णाणसंपण्णे दंसणसंपण्णे चरित्तसंपण्णे खंते दंते ॥ १२ ॥ अट्ठविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउस्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे ॥ १३ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा प० तं० जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए ॥ १४ ॥ अट्ठ अकिरियावाई प० तं० एगावाई अणेगावाई मितवाई णिम्मितवाई सायवाई

समुच्छेयवाई णियावाई ण संति परलोगवाई ॥ १५ ॥ अट्ठविहे महाणिमित्ते प० तं० भोमे उप्पाए सुविणे अंतलिक्खे अंगे सरे लक्खणे वंजणे ॥ १६ ॥ अट्ठविहा वयणविभत्ती प० तं० णिद्देसे पढमा होइ बिइया उवएसणे; तइया करणंमि कया चउत्थी संपयावणे (१) पंचमी य अवायाणे छट्ठी सस्सामिवायणे; सत्तमी सण्णिहाणत्थे अट्ठमी आमंतणी भवे (२) तत्थ पढमा विभत्ती णिद्देसे सो इमो अहं वत्ति १–बिइया उण उवएसे भण कुण व इमं व तं वत्ति (३) तइया करणंमि कया णीयं च कयं च तेण व मए वा; हंदि णमो साहाए हवइ चउत्थी पयाणंमि (४) अवणे गिण्हसु तत्तो इत्तोत्ति व पंचमी अवादाणे; छट्ठी तस्स इमस्स व गयस्स वा सामिसंबंधे (५) हवइ पुण सत्तमीयं इमंमि आहारकालभावे य; आमंतणी भवे अट्ठमी उ जह हे जुवाणत्ति (६) ॥ १७ ॥ अट्ठ ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं ण याणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायं जाव गंधं वायं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जाणइ पासइ जाव गंधं वायं ॥ १८ ॥ अट्ठविहे आउव्वेए प० तं० कुमारभिच्चे, कायतिगिच्छा, सालाई, सल्लहत्ता, जंगोली, भूयवेज्जा, खारतंते, रसायणे ॥ १९ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० पउमा सिवा सई अंजू अमला अच्छरा णवमिया रोहिणी ॥ २० ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० कण्हा कण्हराई रामा रामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा ॥२१॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० ॥ २२ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० ॥ २३ ॥ अट्ठमहग्गहा प० तं० चंदे सूरे सुक्के बुहे बहस्सई अंगारए सणिंचरे केऊ ॥ २४ ॥ अट्ठविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० मूले कंदे खंधे तया साले पवाले पत्ते पुप्फे ॥ २५ ॥ चउरिंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स अट्ठविहे संजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ ॥ २६ ॥ चउरिंदिया णं जीवा समारभमाणस्स अट्ठविहे असंजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेणं सजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ० ॥ २७ ॥ अट्ठ सुहुमा प० तं० पाणसुहुमे

पणगसुहुमे वीयसुहुमे हरियसुहुमे पुप्फसुहुमे अंडसुहुमे लेणसुहुमे सिणेहसुहुमे ॥ २८ ॥ भरहस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठपुरिसजुगाइं अणुवद्धं सिद्धाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं तं० आइच्चजसे महाजसे अइबले महाबले तेयवीरिए कित्तवीरिए दंडवीरिए जलवीरिए ॥ २९ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था तं० सुभे अज्जघोसे वसिट्ठे बंभयारी सोमे सिरिधरे वीरिए भद्दजसे ॥ ३० ॥ अट्ठविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे मिच्छद्दंसणे सम्मा-मिच्छदंसणे चक्खुदंसणे जाव केवलदंसणे सुविणदंसणे ॥ ३१ ॥ अट्ठविहे अद्धो-वमिए प० तं० पलिओवमे सागरोवमे उस्सप्पिणी ओसप्पिणी पोग्गलपरियट्टे तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा ॥ ३२ ॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स जाव अट्टमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवासपरियाए अंतमकासी ॥ ३३ ॥ समणेणं भग-वया महावीरेणं अट्ठ रायाणो मुंडे भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वाविया तं० वीरंगय वीरजसे संजय एणिज्जए य रायरिसी, सेय सिवे उदायणे (तह संखे कासिवद्धणे) ॥ ३४ ॥ अट्ठविहे आहारे प० तं० मणुण्णे असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुण्णे जाव साइमे ॥ ३५ ॥ उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठविमाणपत्थडे एत्थ णमक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ प० तं० पुरत्थिमेणं दो कण्हाईओ दाहिणेणं दो कण्हराईओ पच्चत्थिमेणं दो कण्हराईओ उत्तरेणं दो कण्हराईओ। पुरत्थिमा अब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, दाहिणा अब्भंतरा कण्हराई पच्चत्थिमगं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पच्चत्थिमा अब्भंतरा कण्हराई उत्तरं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, उत्तरा अब्भंतरा कण्हराई पुरत्थिमं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पुरत्थिमपच्चत्थिमिल्लाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ छलंसाओ उत्तरदाहिणाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि णं अब्भंतरकण्हराईओ चउरंसाओ। एयासि णं अट्ठण्हं कण्ह-राईणं अट्ठ णामधेज्जा प० तं० कण्हराईइ वा मेहराईइ वा मघाइ वा माघवईइ वा वायफलिहेइ वा वायपलिक्खोभेइ वा देवपलिहे वा देवपलिक्खोभेइ वा। एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठलोगंतियविमाणा प० तं० अच्ची अच्चिमाली वइरोअणे पभंकरे चंदाभे सूराभे सुपइट्ठाभे अग्गिच्चाभे। एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतिया देवा प० तं० सारस्सयमाइच्चा

वण्ही वरुणा य गद्दतोया य, तुसिया अव्वाबाहा अग्गिचा चेव बोधव्वा (१) एएसि णं अट्ठण्हं लोगंतियदेवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ३६ ॥ अट्ठ धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अट्ठ अहम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव अट्ठ आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अट्ठ जीवमज्झपएसा प० ॥ ३७ ॥ अरहंता णं महापउमे अट्ठ रायाणो मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सइ तं० पउमं पउमगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पउमद्धयं धणुद्धयं कणगरहं भरहं ॥ ३८ ॥ कण्हस्स णं वासुदेवस्स अट्ठ अग्गमहिसीओ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स अंतिए मुंडा भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया सिद्धाओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाओ तं० पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य जंबवई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअग्गमहिसीओ ॥ ३९ ॥ वीरियपुव्वस्स णं अट्ठ वत्थू अट्ठ चूलियावत्थू प० ॥ ४० ॥ अट्ठ गईओ प० तं० णिरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पब्भारगई ॥ ४१ ॥ गंगासिंधुरत्तारत्तवइदेवीणं दीवा अट्ठ २ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ४२ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जुमुहविज्जुदंतदीवाणं दीवा अट्ठ २ जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ४३ ॥ कालोदे णं समुद्दे अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ४४ ॥ अब्भंतरपुक्खरद्धे णं अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० एवं बाहिरपुक्खरद्धेवि ॥ ४५ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठ सोवण्णिए काकिणिरयणे छत्तले दुवालसंसिए अट्ठकण्णिए अधिकरणिसंठिए प० ॥ ४६ ॥ मागधस्स णं जोयणस्स अट्ठ धणुसहस्साइं णिधत्ते प० ॥ ४७ ॥ जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं प० ॥४८॥ कूडसामली णं अट्ठ जोयणाइं एवं चेव ॥४९॥ तिमिसगुहा णमट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं ॥ ५० ॥ खंडप्पवायगुहा णं अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चेव ॥ ५१ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उभओ कूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे ॥ ५२ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उभओकूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए ॥ ५३ ॥

जंबूमंदरपुत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० कच्छे सुकच्छे महाकच्छे कच्छगावई आवत्ते जाव पुक्खलावई ॥ ५४ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणमट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० वच्छे सुवच्छे जाव मंगलावई ॥५५॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० पम्हे जाव सलिलावई ॥ ५६ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० कप्पे सुवप्पे जाव गंधिलावई ॥ ५७ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणमट्ठ रायहाणीओ प० तं० खेमा खेमपुरी चेव जाव पुंडरीगिणी ॥ ५८ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणमट्ठ रायहाणीओ प० तं० सुसीमा कुंडला चेव जाव रयणसंचया ॥ ५९ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ रायहाणीओ प० तं० आसपुरा जाव वीयसोगा ॥ ६० ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ रायहाणीओ प० तं० विजया वेजयंती जाव अउज्झा ॥ ६१ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं उक्कोसपए अट्ठ अरिहंता अट्ठ चक्कवट्टी अट्ठ बलदेवा अट्ठ वासुदेवा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा ॥ ६२ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव ॥६३॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव ॥ ६४ ॥ एवं उत्तरेणवि । जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा अट्ठ तिमिसगुहाओ अट्ठ खंडगप्पवायगुहाओ अट्ठ कयमालगा देवा अट्ठ णट्टमालगा देवा अट्ठ गंगाकुंडा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ अट्ठ उसभकूडपव्वया अट्ठ उसभकूडा देवा प० । जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा एवं चेव जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प० णवरमेत्थ रत्तारत्तावईओ तासिं चेव कुंडा ॥ ६५ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा जाव अट्ठ गंगाकुंडा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प०। जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठदीहवेयड्ढा जाव अट्ठ णट्टमालगा देवा प० अट्ठ रत्तकुंडा अट्ठ रत्तावइकुंडा अट्ठ रत्ताओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प० ॥६६॥ मंदरचूलिया णं बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प०

॥ ६७ ॥ धायइसंडदीवे पुरत्थिमद्धेणं धायइरुक्खे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं प० एवं धायइरुक्खाओ आढवेत्ता सच्चेव जंबूदीववत्तव्वया भाणियव्वा जाव मंदर-चूलियत्ति एवं पच्चत्थिमद्धेवि महाधायइरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति ॥ ६८ ॥ एवं पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धेवि पउमरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदर-चूलियत्ति एवं पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धेवि महापउमरुक्खाओ जाव मंदरचूलि-यत्ति ॥६९॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए भद्दसालवणे अट्ठ दिसाहत्थिकूडा प० तं०—पउमुत्तर णीलवंते सुहत्थी अंजणागिरी, कुमुए य पलासए वडिंसे अट्ठमए रोयणा-गिरी ७० ॥ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहु-मज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥७१॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सिद्धे महाहिमवंते हिमवंते रोहिया हरीकूडे, हरिकंता हरिवासे वेरुलिए चेव कूडा उ ॥ ७२ ॥ जंबूमंदरउत्त-रेणं रुप्पिमि वासहरपव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सिद्धे य रुप्पी रम्मग णरकंता बुद्धि रुप्पकूडे य, हिरण्णवए मणिकंचणे य रुप्पिमि कूडा उ ॥ ७३ ॥ जंबूमंदरपुर-त्थिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं०—रिट्ठे तवणिज्ज कंचण रययं दिसासोत्थिए पलंबे य; अंजणे अंजणपुलए रुयगस्स पुरत्थिमे कूडा (१) तत्थ णं अट्ठ दिसा-कुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०णंदुत्तरा य णंदा आणंदा णंदिवद्धणा, विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया ॥ ७४ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प०तं०—कणए कंचणे पउमे णलिणे ससि दिवायरे चेव, वेसमणे वेरुलिए रुयगस्स उ दाहिणे कूडा (१) तत्थ णं अट्ठ दिसा-कुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० समाहारा सुप्पइण्णा सुप्पबुद्धा जसोहरा; लच्छिवई सेसवई चित्तगुत्ता वसुंधरा ॥ ७५ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सोत्थिए य अमोहे य हिमवं मंदरे तहा, रुअगे रुयगुत्तमे चंदे अट्ठमे य सुदंसणे (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०—इलादेवी सुरादेवी पुढवी पउमावई, एगणासा णवमिया सीया भद्दा य अट्ठमा ॥ ७६ ॥ जंबूमंदरउत्तररुअगवरे पव्वए अट्ठकूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए या सव्वरयण रयणसंचए चेव, विजये य वेजयंते जयंते अपरा—

अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०—अलंबुसा मियकेसी पोंडरिगी य वारुणी,आसा य सव्वगा चेव सिरी हिरी चेव उत्तराओ ॥ ७७ ॥ अट्ठ अहेलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० भोगंकरा भोगवई सुभोगा भोगमालिणी; सुवच्छा वच्छमित्ता य, वारिसेणा बलाहगा (१) अट्ठ उड्ढलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं०—मेघंकरा मेघवई सुमेघा मेघमालिणी, तोयधारा विचित्ता य पुप्फमाला अणिंदिता (२) ॥७८॥ अट्ठ कप्पा तिरियमिस्सोववण्णगा प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे ॥७९॥ एएसु णं अट्ठसु कप्पेसु अट्ठ इंदा प० तं० सक्के जाव सहस्सारे ॥ ८० ॥ एएसि णं अट्ठण्हं इंदाणं अट्ठ परियाणिया विमाणा प० तं० पालए पुप्फए सोमणसे सिरिवच्छे णंदावत्ते कामकमे पीइमणे विमले ॥८१॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा णं चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव अणुपालियावि भवइ ॥ ८२ ॥ अट्ठविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेरइया एवं जाव अपढमसमयदेवा ॥ ८३ ॥ अट्ठविहा सव्वजीवा प० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ मणुस्सा मणुस्सीओ देवा देवीओ सिद्धा ॥ ८४ ॥ अहवा अट्ठविहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी ॥ ८५ ॥ अट्ठविहे संजमे प० तं० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, पढमसमयबादरसंपरायसंजमे, अपढमसमयबादरसंपरायसंजमे, पढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, पढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे ॥८६॥ अट्ठपुढवीओ प०तं० रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा ईसिपब्भारा ॥८७॥ ईसिपब्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं प० ॥ ८८ ॥ ईसिपब्भाराए णं पुढवीए अट्ठ णामधेज्जा प० तं० ईसीइ वा, ईसिपब्भाराइ वा, तणूइ वा, तणुतणूइ वा, सिद्धीइ वा, सिद्धालएइ वा, मुत्तीइ वा, मुत्तालएइ वा ॥ ८९ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं सम्मं संघडियव्वं जइयव्वं परक्कमियव्वं अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं भवइ, असुयाणं धम्माणं सम्मं सुणणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सुयाणं धम्माणं ओगिण्हणयाए उवधारणयाए अब्भुट्ठेयव्वं

भवइ, पावाणं कम्माणं संजमेणमकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, पोराणाणं कम्माणं तवसा विगिंचणयाए विसोहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, असंगिहीयपरियणस्स संगिण्हणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सेहं आयारगोयरगाहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, गिलाणस्स अगिलाए वेयावच्चकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, साहम्मियाणमधिकरणंसि उप्पण्णंसि तत्थ अणिस्सिओवस्सिओ अपक्खग्गाही मज्झत्थभावभूए कह णु साहम्मिया अप्पसद्दा अप्पझंझा अप्पतुमंतुमा उवसामणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ ॥९०॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९१ ॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स अट्ठसया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया हुत्था ॥ ९२ ॥ अट्ठसमइए केवलिसमुग्घाए प० तं० पढमे समए दंडं करेइ बीए समए कवाडं करेइ तइए समए मंथाणं करेइ चउत्थे समए लोगं पूरेइ पंचमे समए लोगं पडिसाहरइ छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ ॥ ९३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठ सया अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं जाव आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया हुत्था ॥ ९४ ॥ अट्ठविहा वाणमंतरा देवा प० तं०—पिसाया भूया जक्खा रक्खसा किण्णरा किंपुरिसा महोरगा गंधव्वा ॥ ९५ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं वाणमंतरदेवाणं अट्ठचेइयरुक्खा प० तं०—कलंबो य पिसायाणं वडो जक्खाण चेइयं तुलसी भूयाणं भवे रक्खसाणं च कंडओ (१) असोओ किण्णराणं च किंपुरिसाण य चंपओ; णागरुक्खो भुयंगाणं गंधव्वाण य तेंदुओ (२) ॥ ९६ ॥ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठजोयणसए उड्ढमाहाए सूरविमाणे चारं चरइ ॥ ९७ ॥ अट्ठ णक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति तं० कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू महा चित्ता विसाहा अणुराहा जेट्ठा ॥ ९८ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स दारा अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०—सव्वेसिंपि दीवसमुद्दाणं दारा अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९९ ॥ पुरिसवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स जहण्णेणं अट्ठसंवच्छराइं बंधठिई प० ॥ १०० ॥ जसोकित्तीणामएणं कम्मस्स जहण्णेणं अट्ठ मुहुत्ताइं बंधठिई प० ॥ १०१ ॥ उच्चगोयस्स णं कम्मस्स एवं चेव ॥ १०२ ॥ तेइंदियाणमट्ठ जाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ १०३ ॥ जीवा णं अट्ठठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं०—

पढमसमयणेरइयणिव्वत्तिए जाव अपढमसमयदेवणिव्वत्तिए एवं चिण-उवचिण जाव णिज्जरा चेव ।। १०४ ।। अट्ठपएसिया खंधा अणंता प० ।। १०५ ।। अट्ठ पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ।। १०६ ।। जाव अट्ठगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ।। १०७ ।।

णवमं ठाणं

णवहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं०— आयरियपडिणीयं उवज्झायपडिणीयं थेरपडिणीयं कुल० गण० संघ० णाण० दंसण० चरित्तपडिणीयं ।। १ ।। णव बंभचेरा प० तं० सत्थपरिण्णा लोगविजओ जाव उवहाणसुयं महापरिण्णा ।। २ ।। णव बंभचेरगुत्तीओ प० तं० विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवइ णो इत्थिसंसत्ताइं णो पसुसंसत्ताइं णो पंडगसंसत्ताइं १ णो इत्थीणं कहं कहेत्ता २ णो इत्थिठाणाइं सेवित्ता भवइ ३ णो इत्थीणमिंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता णिज्झाइत्ता भवइ ४ णो पणीयरसभोई ५ णो पाणभोयणस्स अइमत्तं आहारए सया भवइ ६ णो पुव्वरयं पुव्वकीलियं समरेत्ता भवइ ७ णो सद्दाणुवाई णो रूवाणुवाई णो सिलोगाणुवाई ८ णो सायसोक्खपडिबद्धे यावि भवइ ९ ।। ३ ।। णव बंभचेरअगुत्तीओ प० तं० णो विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवइ इत्थीसंसत्ताइं पसुसंसत्ताइं पंडगसंसत्ताइं इत्थीणं कहं कहेत्ता भवइ इत्थीणं ठाणाइं सेवित्ता भवइ इत्थीणं इंदियाइं जाव णिज्झाइत्ता भवइ पणीय-रसभोई पाणभोयणस्स अइमायमाहारए सया भवइ पुव्वरयं पुव्वकीलियं सरित्ता भवइ सद्दाणुवाई रूवाणुवाई सिलोगाणुवाई जाव सायासुक्खपडिबद्धे यावि भवइ ।। ४ ।। अभिणंदणाओ णं अरहओ सुमई अरहा णवहिं सागरोवमकोडीसयसह-स्सेहिं विइक्कंतेहिं समुप्पण्णे ।। ५ ।। णव सब्भावपयत्था प० तं० जीवा अजीवा पुण्णं पावो आसवो संवरो णिज्जरा बंधो मोक्खो ।। ६ ।। णवविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेइंदिया जाव पंचिंदियत्ति ।। ७ ।। पुढविकाइया णवगइया णव आगइया प० तं० पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से पुढविकाइए पुढविकायत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए जाव पंचिंदिय-त्ताए वा गच्छेज्जा । एवं आउकाइयावि पंचिंदियत्ति ।। ८ ।। णवविहा सव्वजीवा

प० तं० एगिंदिया बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया णेरइया पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिया मणुस्सा देवा सिद्धा ॥ ९ ॥ अहवा णवविहा सव्वजीवा प० तं० पढम-समयणेरइया अपढमसमयणेरइया जाव अपढमसमयदेवा सिद्धा ॥१०॥ णवविहा सव्वजीवोगाहणा प० तं० पुढविकाइओगाहणा आउ० जाव वणस्सइकाइओगाहणा बेइंदियोगाहणा तेइंदियोगाहणा चउरिंदियोगाहणा पंचिंदियोगाहणा ॥ ११ ॥ जीवा णं णवहिं ठाणेहिं संसारं वत्तिंसु वा वत्तंति वा वत्तिस्संति वा तं० पुढवि-काइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए ॥ १२ ॥ णवहिं ठाणेहिं रोगुप्पत्ती सिया तं० अच्चासणाए अहियासणाए अइणिद्दाए अइजागरिएणं उच्चारणिरोहेणं पासवणणिरो-हेणं अद्धाणगमणेणं भोयणपडिकूलयाए इंदियत्थविकोवणयाए ॥ १३ ॥ णवविहे दरिसणावरणिज्जे कम्मे प० तं०—णिद्दा णिद्दाणिद्दा पयला पयलापयला थीणगिद्धी चक्खुदरिसणावरणे अचक्खुदरिसणावरणे ओहिदरिसणावरणे केवलदरिसणावरणे ॥ १४ ॥ अभिई णं णक्खत्ते साइरेगे णवमुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ ॥ १५ ॥ अभिईआइआ णं णवणक्खत्ता णं चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति तं०, अभिई सवणो धणिट्ठा जाव भरणी ॥ १६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णवजोयणसयाइं उड्ढं अबाहाए उवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ॥ १७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे णवजोयणिया मच्छा पविसिंसु वा पविसंति वा पवि-सिस्संति वा ॥ १८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव बलदेव-वासुदेवपियरो हुत्था तं० पयावई य बंभे य रोद्दे सोमे सिवेइया, महासीहे अग्गि-सीहे दसरह णवमे य वसुदेवे (१) इत्तो आढत्तं जहा समवाये णिरवसेसं जाव एगा से गब्भवसही सिज्झिस्सइ आगमिस्सेणं ॥ १९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साए उस्सप्पिणीए णवबलदेववासुदेवपियरो भविस्संति णव बलदेव-वासुदेवमायरो भविस्संति, एवं जहा समवाए णिरवसेसं जाव महाभीमसेणे सुग्गीवे य अपच्छिमे; एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं सव्वेवि चक्कजोही हम्मेहंती सचक्केहिं ॥ २० ॥ एगमेगे णं महाणिही णवणव जोयणाइं विक्खंभेणं प० । एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स णव महाणिहीओ प० तं० "णेसप्पे पंडुयए पिंगलए सव्वरयण महापउमे, काले य महाकाले माणवग महा-णिही संखे (१) णेसप्पंमि णिवेसा गामागरणगरपट्टणाणं च, दोणमुहमडंबाणं खंधाराणं गिहाणं च (२) गणियस्स य बीयाणं माणुम्माणस्स जं पमाणं —

धण्णस्स य बीयाणं उप्पत्ती पंडुए भणिया (३) सव्वा आभरणविही-पुरिसाणं जा य होइ महिलाणं, आसाण य हत्थीण य पिंगलगणिहिम्मि सा भणिया (४) रयणाइं सव्वरयणे चोद्दस पवराइं चक्कवट्टिस्स, उप्पज्जंति एगिंदियाइं पंचिंदियाइं च (५) वत्थाण य उप्पत्ती णिप्पत्ती चेव सव्वभत्तीणं, रंगाण य धोयाण य सव्वा एसा महापउमे (६) काले कालण्णाणं भव्वपुराणं च तीसु वासेसु; सिप्पसयं कम्माणि य, तिण्णि पयाए हियकराइं (७) लोहस्स य उप्पत्ती होइ महाकाले आगराणं च, रुप्पस्स सुवण्णस्स य मणिमोत्तिसिलप्पवालाणं (८) जोधाण य उप्पत्ती आवरणाणं च, पहरणाणं च, सव्वा य जुद्धणीई, माणवए दंडणीई य (९) णट्टविही णाडगविही, कव्वस्स चउव्विहस्स उप्पत्ती, संखे महाणिहिम्मी, तुडियंगाणं च सव्वेसिं (१०) चक्कट्ठपइट्ठाणा अट्ठुस्सेहा य णव य विक्खंभे, बारसदीहा मंजूससंठिया, जंहवीइ मुहे (११) वेरुलियमणिकवाडा कणगमया विविहरयणपडिपुण्णा, ससिसूरचक्कलक्खण अणुसमजुगबाहुवयणा य (१२) पलिओवमट्ठिईया णिहिसरिणामा य तेसु खलु देवा; जेसिं ते आवासा अक्किज्जा आहिवच्चा वा, (१३) एए ते णवणिहओ पभूयधणरयणसंचयसमिद्धा जे वसमुवगच्छंती सव्वेसिं चक्कवट्टीणं" (१४) ॥ २१ ॥ णव विगईओ प० तं० खीरं दहिं णवणीयं सप्पि तेलं गुलो महुं मज्जं मंसं ॥ २२ ॥ णवसोयपरिस्सावा बोंदी प० तं० दो सोत्ता दो णेत्ता दो घाणा मुहं पोसे पाऊ ॥ २३ ॥ णवविहे पुण्णे प० तं० अण्णपुण्णे पाणपुण्णे वत्थपुण्णे लेणपुण्णे सयणपुण्णे मणपुण्णे वइपुण्णे कायपुण्णे णमोक्कारपुण्णे ॥ २४ ॥ णव पावस्सायतणा प० तं० पाणाइवाए मुसावाए जाव परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे ॥२५॥णवविहे पावस्सुयपसंगे प० तं० उप्पाए णिमित्ते मंते आइक्खिए तिगिच्छए, कला आवरणे अण्णाणे मिच्छापावयणेति य ॥ २६ ॥ णव णेउणिया वत्थू प० तं० संखाणे णिमित्ते काइए पोराणे पारिहत्थिए परपंडिए वाइए भूइकम्मे तिगिच्छए ॥ २७ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णव गणा हुत्था तं० गोदासगणे उत्तरबलिस्सहगणे उद्देहगणे चारणगणे उद्दवाइयगणे विस्सवाइयगणे कामड्ढियगणे माणवगणे कोडियगणे ॥ २८ ॥ समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णवकोडिपरिसुद्धे भिक्खे प० तं० ण हणइ ण हणावइ हणंतं णाणुजाणइ ण पयइ ण पयावेइ पयंतं णाणुजाणइ ण किणइ ण किणावेइ किणंतं णाणुजाणइ ॥ २९ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो णव अग्गमहिसीओ प० ॥३०॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं णवपलि-

ओवमाइं ठिई प० ॥ ३१ ॥ ईसाणे कप्पे उक्कोसेणं देवीणं णव पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३२ ॥ णव देवणिकाया प० तं० "सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्द-तोया य तुसिया अव्वाबाह अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य" ॥ ३३ ॥ अव्वाबाहाणं देवाणं णव देवा णव देवसया प० ॥ ३४ ॥ एवं अग्गिच्चावि एवं रिट्ठावि ॥ ३५ ॥ णव गेवेज्जविमाणपत्थडा प० तं० हेट्ठिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिममज्झिम-गेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमहेट्ठिमगेविज्ज-विमाणपत्थडे मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमउवरिमगेविज्जविमाण-पत्थडे उवरिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ ३६ ॥ एएसि णं णवण्हं गेविज्जविमाणपत्थ-डाणं णव णामधिज्जा प० तं० भद्दे सुभद्दे सुजाए सोमणसे पियदरिसणे, सुदंसणे अमोहे य सुप्पबुद्धे जसोधरे ॥ ३७ ॥ णवविहे आउपरिणामे प० तं० गइपरि-णामे गइबंधणपरिणामे ठिइपरिणामे ठिइबंधणपरिणामे उड्ढंगारवपरिणामे अहे-गारवपरिणामे तिरियंगारवपरिणामे दीहंगारवपरिणामे रहस्संगारवपरिणामे ॥३८॥ णवणवमिया णं भिक्खुपडिमा एगासीए राइंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहिया यावि भवइ ॥ ३९ ॥ णवविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे जाव मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे ॥ ४० ॥ जंबूमंदरदाहि-णेणं भरहे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे भरहे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, भरहे वेसमणे या भरहे कूडाण णामाइं ॥ ४१ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं णिसहे वासहरपव्वए णवकूडा प० तं० सिद्धे णिसहे हरिवास विदेह हरि धिइ असीओया, अवरविदेहे रुयगे णिसहे कूडाण णामाणि ॥ ४२ ॥ जंबूमंदर-पव्वए णंदणवणे णव कूडा प० तं० णंदणे मंदरे चेव णिसहे हेमवए रयय रुयए य, सागरचित्ते वइरे बलकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ ४३ ॥ जंबूमालवंतवक्खारपव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे य मालवंते, उत्तरकुरु कच्छ सागरे रयए, सीया तह पुण्ण-णामे हरिस्सहकूडे य बोद्धव्वे ॥ ४४ ॥ जंबू० कच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे कच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, कच्छे वेसमणे या कच्छे कूडाण णामाइं ॥ ४५ ॥ जंबू० सुकच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे सुकच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा; सुकच्छे वेसमणे या सुकच्छे कूडाण णामाइं ॥ ४६ ॥ एवं जाव पोक्खलावइंमि दीहवेयड्ढे, एवं वच्छे दीहवेयड्ढे, एवं जाव

मंगलावइंमि दीहवेयड्ढे ॥ ४७ ॥ जंबू० विज्जुप्पमे वक्खारपव्वए णव कूडा प० तं०—सिद्धे अ विज्जुणामे देवकुरा पम्ह कणग सोवत्थी, सीओयाए सजले हरिकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ ४८ ॥ जंबू० पम्हे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं०—सिद्धे पम्हे खंडग माणी वेयड्ढ एवं चेव जाव सलिलावइंमि दीहवेयड्ढे एवं वप्पे दीहवेयड्ढे एवं जाव गंधिलावइंमि दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे गंधिल खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा; गंधिलावइ वेसमण कूडाणं होंति णामाइं (१) एवं सव्वेसु दीह-वेयड्ढेसु दो कूडा सरिसणामगा सेसा ते चेव ॥ ४९ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं णीलवंते वासहरपव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे णीलवंत विदेहे सीया कित्ती य णारिकंता य, अवरविदेहे रम्मगकूडे उवदंसणे चेव ॥ ५० ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं एरवए दीह-वेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे रयणे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, एरवए वेसमणे एरवए कूडणामाइं ॥ ५१ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणिए वज्जरिसहणा-रायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए णव रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ५२ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि णवहिं जीवेहिं तित्थयरणामगोत्ते कम्मे णिव्वत्तिए तं० सेणिएणं सुपासेणं उदाइणा पोट्टिलेणं अणगारेणं दढाउणा संखेणं सयएणं सुलसाए सावियाए रेवईए ॥ ५३ ॥ एस णं अज्जो ! कण्हे वासुदेवे, रामे बलदेवे, उदए पेढालपुत्ते, पुट्टिले, सयए गाहावई, दारुए णियंठे, सच्चई णियंठी-पुत्ते, सावियबुद्धे अंबडे परिव्वायए, अज्जाविणं सुपासा पासावच्चिज्जा, आगमेस्साए उस्सप्पिणीए चाउज्जामं धम्मं पण्णवइत्ता सिज्झिहिंति जाव अंतं काहिंति ॥ ५४ ॥ एस णं अज्जो ! सेणिए राया भिंभिसारे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सीमंतए णरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिईयंसि णिरयंसि णेरइयत्ताए उव-वज्जिहिइ से णं तत्थ णेरइए भविस्सइ काले कालोभासे जाव परमकिण्हे वण्णेणं से णं तत्थ वेयणं वेदिहिई उज्जलं जाव दुरहियासं से णं तओ णरयाओ उव्वट्टेत्ता आगमेस्साए उस्सप्पिणीए इहेव जंबुदीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे संमुइस्स कुलकरस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुमत्ताए पच्चायाहिइ तए णं सा भद्दा भारिया णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुण्णपंचिंदिय सरीरं लक्खणवंजण० जाव सुरूवं दारगं पयाहिई जं रयणिं च णं से दारए पया-

हिई तं रयणि च णं सयदुवारे णयरे सब्भितरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिइ तए णं तस्स दारयस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधिज्जं काहिंति जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे णयरे सब्भितरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वुट्ठे तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स णामधिज्जं महापउमे तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधिज्जं काहिंति महापउमेत्ति। तए णं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगं अट्ठवासजायगं जाणित्ता महया रायाभिसेएणं अभिसिंचिहिंति से णं तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंतमलयमंदररायवण्णओ जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरिस्सइ तए णं तस्स महापउमस्स रण्णो अण्णया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति तं० पुण्णभद्दए माणिभद्दए तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहप्पभिइयो अण्णमण्णं सद्दावेहिंति एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रण्णो दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं करेंति तं० पुण्णभद्दे य माणिभद्दे य तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया! महापउमस्स रण्णो दोच्चेवि णामधेज्जे देवसेणे, तए णं तस्स महापउमस्स दोच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेइ २। तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो अण्णया कयाई सेयसंखतलविमलसण्णिकासे चउदंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिहिइ तए णं से देवसेणे राया तं सेयसंखतलविमलसण्णिकासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं णयरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अइज्जाहि य णिज्जाहि य, तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसरतलवर जाव अण्णमण्णं सद्दावेहिंति २ एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रण्णो सेयसंखतलविमलसण्णिकासे चउदंते हत्थिरयणे समुप्पण्णे तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया! देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे विमलवाहणे, तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणे २। तए णं से विमलवाहणे राया तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं गुरुमहत्तरएहिं अब्भणुण्णाए समाणे उदुंमि सरए संवुद्धे अणुत्तरे मोक्खमग्गे पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं उरालाहिं कल्लाणाहिं धण्णाहिं सिवाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीआहिं वग्गूहिं अभिणंदिज्जमाणे

अभिथुव्वमाणे य बहिया सुभूमिभागे उज्जाणे एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयाहिइ तस्स णं भगवंतस्स साइरेगाइं दुवालस वासाइं णिच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केई उवसग्गा उप्पज्जंति तं० दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा ते उप्पण्णे सम्मं सहिस्सइ खमिस्सइ तितिक्खिस्सइ अहियासिस्सइ तए णं से भगवं इरियासमिए भासासमिए जाव गुत्तबंभयारी अममे अकिंचणे छिण्णगंथे णिरुवलेवे कंसपाईव मुक्कतोए जहा भावणाए जाव सुहुयहुयासणेइव तेयसा जलंते, कंसे संखे जीवे गगणे वाए य सारए सलिले, पुक्खरपत्ते कुम्मे विहगे खग्गे य भारंडे (१) कुंजर वसहे सीहे णगराया चेव सागरमक्खोभे चंदे सूरे कणगे वसुंधरा चेव सुहुयहुए (२) णत्थि णं तस्स भगवंतस्स कत्थइ पडिबंधे भवइ, से य पडिबंधे चउव्विहे प० तं०—अंडए वा पोयएइ वा उग्गहेइ वा पग्गहिएइ वा जं णं जं णं दिसं इच्छइ तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धे सुइभूए लहुभूए अणप्पगंथे संजमेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरिस्सइ, तस्स णं भगवंतस्स अणुत्तरेणं णाणेणं अणुत्तरेणं दंसणेणं अणुत्तरेणं चरित्तेणं एवं आलएणं विहारेणं अज्जवे मद्दवे लाघवे खंती मुत्ती गुत्ती सच्च संजम तवगुणसुचरियसोवचियफलपरिणिव्वाणमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ। तए णं से भगवं अरहा जिणे भविस्सइ केवली सव्वण्णू सव्वदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स परियागं जाणइ पासइ सव्वलोए सव्वजीवाणं आगइं गइं ठिइं चयणं उववायं तक्कं मणोमाणसियं भुत्तं कडं परिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं अरहा अरहस्स भागी तं तं कालं मणसवयसकाइए जोगे वट्टमाणाणं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्वभावे जाणमाणे पासमाणे विहरइ। तए णं से भगवं तेणं अणुत्तरेणं केवलवरणाणदंसणेणं सदेवमणुयासुरलोगं अभिसमिच्चा समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छच्च जीवणिकायधम्मं देसेमाणे विहरिस्सइ से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं एगे आरंभठाणे पण्णत्ते एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं एगं आरंभट्ठाणं पण्णवेहिइ, से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं दुविहे बंधणे प० तं० पेज्जबंधणे, दोसबंधणे, एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं दुविहं बंधणं पण्णवेहिइ तं० पेज्जबंधणं च दोसबंधणं च। से जहाणामए अज्जो ! मए

समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडा प० तं० मणदंडे ३ एवामेव महापउमेवि समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडे पण्णवेहिइ तं० मणोदंडं ३ से जहाणामए एएणं अभिलावेणं चत्तारि कसाया प० तं० कोहकसाए ४ पंच कामगुणे प० तं० सद्दे ५ छज्जीवणिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया एवामेव जाव तसकाइया से जहाणामए एएणं अभिलावेणं सत्त भयट्ठाणा प० तं० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सत्त भयट्ठाणा पण्णवेहिइ, एवमट्ठ मयट्ठाणे, णव बंभचेरगुत्तीओ दसविहे समणधम्मे एवं जाव तेत्तीसमासायणाउत्ति। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं णग्गभावे मुंडभावे अण्हाणए अदंतवणे अच्छत्तए अणुवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बंभचेरवासे परघरपवेसे जाव लद्धावलद्धवित्तीओ प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं णग्गभावं जाव लद्धावलद्धवित्ती पण्णवेहिई। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं आहाकम्मिएइ वा उद्देसिएइ वा मीसज्जाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइए कीए पामिच्चे अच्छेज्जे अणिसट्ठे अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ वा दुब्भिक्खभत्तेइ वा गिलाणभत्ते वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणभत्तेइ वा मूलभोयणेइ वा कंद० फल० बीय० हरियभोयणेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमे वि अरहा समणाणं० आहाकम्मियं वा जाव हरियभोयणं वा पडिसेहिस्सइ। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वइए सपडिक्कमणे अचेलए धम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वइयं जाव अचेलगं धम्मं पण्णवेहिई। से जहाणामए अज्जो! मए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा पंचाणुव्वइयं जाव सावगधम्मं पण्णवेस्सइ। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं सेज्जायरपिंडेइ वा रायपिंडेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सेज्जायरपिंडेइ वा जाव पडिसेहिस्सइ। से जहाणामए अज्जो! मम णव गणा इगारस गणहरा, एवामेव महापउमस्स वि अरहओ णव गणा इगारस गणहरा भविस्संति। से जहाणामए अज्जो! अहं तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दुवालस संवच्छराइं तेरस पक्खा छउमत्थपरियागं पाउणित्ता तेरसहिं पक्खेहिं ऊणगाइं तीसं वासाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता बायालीसं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता

बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिस्सं जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सं, एवा-मेव महापउमेवि अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता जाव पव्विहिइ दुवालस संवच्छराइं जाव बावत्तरिवासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिहिंई जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिई, "जंसीलसमायारो अरहा तित्थंकरो महावीरो, तस्सीलसमायारो होइ उ अरहा महापउमे ॥ ५५ ॥

णव णक्खत्ता चंदस्स पच्छंभागा प० तं० अभिई सवणो धणिट्ठा रेवइ अस्सिणि मग्गसिर पूसो, हत्थो चित्ता य तहा पच्छंभागा णव हवंति ॥५६॥ आणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु विमाणा णव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ५७ ॥ विमलवाहणे णं कुलकरे णव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ५८ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए णं इमीसे ओसप्पिणीए णवहिं सागरोवमकोडाकोडीहिं विईक्कंताहिं तित्थे पवत्तिए ॥ ५९ ॥ घणदंतलट्ठदंतगूढदंतसुद्धदंतदीवा णं दीवा णवणवजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ६० ॥ सुक्कस्स णं महागहस्स णव वीहीओ प० तं०—हयवीही गयवीही णागवीही वसहवीही गोवीही उरगवीही अयवीही मियवीही वेसाणरवीही ॥६१॥ णवविहे णोकसायवेयणिज्जे कम्मे प० तं०—इत्थिवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए हासे रई अरई भये सोगे दुगुंछे ॥ ६२॥ चउरिंदियाणं णव जाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ६३ ॥ भुयगपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं णवजाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ६४ ॥ जीवा णं णवट्ठाणणिवत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ ॥ ६५ ॥ पुढविकाइयणिवत्तिए जाव पंचिंदियणिवत्तिए एवं चिण-उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ६६ ॥ णव पएसिया खंधा अणंता प० ॥ ६७ ॥ णव पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ ६८ ॥ जाव णव गुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ६९ ॥

दसमं ठाणं

दसविहा लोगट्ठिई प० तं० जण्णं जीवा उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायंति, एवं एगा लोगट्ठिई प० १ जण्णं जीवाणं सया समियं पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० २ जण्णं जीवा सया समियं मोहणिज्जे पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ३ ण एवं भूयं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जं जीवा अजीवा भविस्संति अजीवा वा जीवा भविस्संति एवं एगा लोगट्ठिई प० ण एवं भूयं ३ जं तसा

पाणा वोच्छिज्जिस्संति थावरा पाणा वोच्छिज्जिस्संति तसा पाणा भविस्संति वा एवं पि एगा लोगट्ठिई प० ५ ण एवं भूयं वा ३ जं लोए अलोए भविस्सइ अलोए वा लोए भविस्सइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ६ ण एवं भूयं वा ३ जं लोए अलोए पविस्सइ अलोए वा लोए पविस्सइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ७ जाव ताव लोए ताव ताव जीवा जाव ताव जीवा ताव ताव लोए एवं एगा लोगट्ठिई प० ८ जाव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए ताव ताव लोए जाव ताव लोए ताव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए एवं एगा लोगट्ठिई प० ९ सव्वेसु वि णं लोगंतेसु अबद्ध-पासपुट्ठा पोग्गला लुक्खत्ताए कज्जंति जेणं जीवा य पोग्गला य णो संचायंति बहिया लोगंता गमणयाए एवं एगा लोगट्ठिई पण्णत्ता ॥ १ ॥ दसविहे सद्दे प० तं० णीहारि पिंडिमे लुक्खे भिण्णे जज्जरिए इय; दीहे रहस्से पुहत्ते य, काकणी खिंखि-णिस्सरे ॥ २ ॥ दस इंदियत्थातीता प० तं० देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु देसेण वि एगे रूवाइं पासिंसु सव्वेण वि एगे रूवाइं पासिंसु एवं गंधाइं रसाइं फासाइं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेंसु ॥ ३ ॥ दस इंदियत्था पडुप्पण्णा प० तं०—देसेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति, सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति, एवं जाव फासाइं। दस इंदियत्था अणागया प० तं०—देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति एवं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेस्संति ॥ ४ ॥ दसहिं ठाणेहिं अच्छिण्णे पोग्गले चलेज्जा तं०—आहारिज्ज-माणे वा चलेज्जा, परिणामेज्जमाणे वा चलेज्जा, उस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, णिस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, वेदेज्जमाणे वा चलेज्जा, णिज्जरिज्जमाणे वा चलेज्जा, विउव्विज्जमाणे वा चलेज्जा, परियारिज्जमाणे वा चलेज्जा, जक्खाइट्ठे वा चलेज्जा, वायपरिग्गहे वा चलेज्जा ॥ ५ ॥ दसहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती सिया तं० मणुण्णाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइमवहरिंसु अमणुण्णाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं उवहरिंसु, मणुण्णाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरइ, अमणुण्णाइं मे सद्दफरि-सजावगंधाइं उवहरइ, मणुण्णाइं मे सद्द जाव अवहरिस्सइ, अमणुण्णाइं मे सद्द जाव उवहरिस्सइ, मणुण्णाइं मे सद्द जाव गंधाइं अवहरिंसु वा अवहरइ अवहरिस्सइ अमणुण्णाइं मे सद्द जाव उवहरिंसु वा उवहरइ उवहरिस्सइ, मणुण्णामणुण्णाइं सद्द जाव अवहरिंसु अवहरइ अवहरिस्सइ, उवहरिंसु उवहरइ उवहरिस्सइ अहं च णं

आयरियउवज्झायाणं सम्मं वट्टामि ममं च णं आयरियउवज्झाया मिच्छं पडिवण्णा ॥ ६ ॥ दसविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे बेइंदियसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदियसंजमे पंचिंदियसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ७ ॥ दसविहे असंजमे प० तं० पुढविकाइयअसंजमे, आउ० तेउ० वाउ० वणस्सइ० जाव अजीवकायअसंजमे ॥ ८ ॥ दसविहे संवरे प० तं०—सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मण० वय० काय० उवकरण० सूचीकुसग्गसंवरे ॥ ९ ॥ दसविहे असंवरे प० तं०--सोइंदियअसंवरे जाव सूचीकुसग्गअसंवरे ॥ १० ॥ दसहिं ठाणेहिं अहमंतीइ थंभिज्जा तं०—जाइमएण वा कुलमएण वा जाव इस्सरियमएण वा णागसुवण्णा वा मे अंतियं हव्वमागच्छंति, पुरिसधम्माओ वा मे उत्तरिए अहोहिए णाणदंसणे समुप्पण्णे ॥ ११ ॥ दसविहा समाही प० तं०—पाणाइवायवेरमणे, मुसा० अदिण्णा० मेहुण० परिग्गह० इरियासमिई भासा० एसणा० आयाण० उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई ॥ १२ ॥ दसविहा असमाही प० तं० पाणाइवाए जाव परिग्गहे, इरियाऽसमिई जाव उच्चार० ॥ १३ ॥ दसविहा पव्वज्जा प० तं०—छंदा रोसा परिजुण्णा सुविणा पडिस्सुया चेव सारणिया रोगिणिया अणाढिया देवसण्णत्ती वच्छाणुबंधिया ॥ १४ ॥ दसविहे समणधम्मे प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ १५ ॥ दसविहे वेयावच्चे प० तं० आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सि० गिलाण० सेह० कुल० गण० संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे ॥ १६ ॥ दसविहे जीवपरिणामे प० तं० गइपरिणामे इंदियपरिणामे कसायपरिणामे लेस्सा० जोग० उवओग० णाण० दंसण० चरित्त० वेयपरिणामे ॥ १७ ॥ दसविहे अजीवपरिणामे प० तं० बंधणपरिणामे गइ० संठाण० भेद० वण्ण० रस० गंध० फास० अगुरुलहु० सद्दपरिणामे ॥ १८ ॥ दसविहे अंतलिक्खिए असज्झाइए प० तं०—उक्कावाए दिसिदाहे गज्जिए विज्जुए णिग्घाए जुयए जक्खालित्ते धूमिया महिया रयउग्घाए ॥ १९॥ दसविहे ओरालिए असज्झाइए प० तं०—अट्ठि मंसं सोणिए असुइसामंते सुसाणसामंते चंदोवराए सूरोवराए पडणे रायवुग्गहे उवस्सयस्स अंतो ओरालिए सरीरगे ॥ २० ॥ पंचिंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स दसविहे संजमे कज्जइ तं०—सोयामयाओ सुक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, सोयामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, एवं जाव फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ,

जाव संखवालस्स, एवं भूयाणंदस्स वि, एवं लोगपालाणं वि से जहा धरणस्स, एवं जाव थणियकुमाराणं सलोगपालाणं भाणियव्वं, सव्वेसिं उप्पायपव्वया भाणियव्वा सरिसणामगा ॥ ४९ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सक्कप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसहस्साइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ५० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं लोगपालाणं सव्वेसिं च इंदाणं जाव अच्चुयत्ति सव्वेसिं पमाणमेगं ॥ ५१ ॥ बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० ॥ ५२ ॥ जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० । उरपरिसप्पथलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं एवं चेव ॥ ५३ ॥ संभवाओ णं अरहाओ अभिणंदणे अरहा दसहिं सागरोवमकोडिसयसहस्सेहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पण्णे ॥ ५४ ॥ दसविहे अणंतए प० तं० णामाणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए एगओणंतए दुहओणंतए देसवित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ५५ ॥ उप्पायपुव्वस्स णं दस वत्थू प० ॥ ५६ ॥ अत्थिणत्थिप्पवायपुव्वस्स णं दस चूलवत्थू प० ॥ ५७ ॥ दसविहा पडिसेवणा प० तं०—दप्प पमाय णाभोगे आउरे आवइसु य, संकिए सहसक्कारे भयप्पओसा य वीमंसा ॥ ५८ ॥ दस आलोयणा दोसा प० तं० आकंपइत्ता अणुमाणइत्ता जंदिट्ठं बायरं च सुहुमं वा, छण्णं सद्दाउलगं बहुजण अव्वत्त तस्सेवी ॥ ५९ ॥ दसहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोएत्तए तं०—जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे एवं जहा अट्ठट्ठाणे जाव खंते दंते अमाई अपच्छाणुयावी ॥६०॥ दसहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए तं०—आयारवं अवहारवं जाव अवायदंसी पियधम्मे दढधम्मे ॥६१॥ दसविहे पायच्छित्ते प० तं०—आलोयणारिहे जाव अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे । ६२ ॥ दसविहे मिच्छत्ते प० तं०—अधम्मे धम्मसण्णा धम्मे अधम्मसण्णा उम्मग्गे मग्गसण्णा मग्गे उम्मग्गसण्णा अजीवेसु जीवसण्णा जीवेसु अजीवसण्णा असाहुसु साहुसण्णा साहुसु असाहुसण्णा अमुत्तेसु मुत्तसण्णा मुत्तेसु अमुत्तसण्णा ॥ ६३ ॥ चंदप्पभे णं अरहा दस पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ६४ ॥ धम्मे णं अरहा दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव-

प्पहीणे ॥ ६५ ॥ णमी णं अरहा दस वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ॥ ६६ ॥ पुरिमसीहे णं वासुदेवे दसवाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता छट्ठीए तमाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६७ ॥ णेमी णं अरहा दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ६८ ॥ कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६९ ॥ दसविहा भवणवासी देवा प० तं०—असुरकुमारा जाव थणियकुमारा ॥ ७० ॥ एएसि णं दसविहाणं भवणवासीणं देवाणं दस चेइय रुक्खा प० तं०—असत्थ सत्तिवण्णे सामलि उंबर सिरीस दहिवण्णे, वंजुल पलास वप्पे तए य कणियाररुक्खे ॥ ७१ ॥ दसविहे सोक्खे प० तं०—आरोग्ग दीहमाउं अड्ढेज्ज काम भोग संतोसे; अत्थि सुहभोग णिक्खम्ममेव तओ अणाबाहे ॥ ७२ ॥ दसविहे उवघाए प० तं०—उग्गमोवघाए उप्पायणोवघाए जह पंचठाणे जाव परिहरणोवघाए णाणोवघाए दंसणोवघाए चरित्तोवघाए अचियत्तोवघाए सारक्खणोवघाए ॥ ७३ ॥ दसविहा विसोही प० तं०—उग्गमविसोही उप्पायणविसोही जाव सारक्खणविसोही ॥ ७४ ॥ दसविहे संकिलेसे प० तं०—उवहिसंकिलेसे उवस्सयसंकिलेसे कसायसंकिलेसे भत्तपाणसंकिलेसे मणसंकिलेसे वइसंकिलेसे कायसंकिलेसे णाणसंकिलेसे दंसणसंकिलेसे चरित्तसंकिलेसे ॥ ७५ ॥ दसविहे असंकिलेसे प० तं० उवहिअसंकिलेसे जाव चरित्तअसंकिलेसे ॥ ७६ ॥ दसविहे बले प० तं०—सोइंदियबले जाव फासिंदियबले णाणबले दंसणबले चरित्तबले तवबले वीरियबले ॥ ७७ ॥ दसविहे सच्चे प० तं०—जणवय सम्मय ठवणा णामे रूवे पडुच्चसच्चे य, ववहार भाव जोगे दसमे ओवम्मसच्चे य ॥ ७८ ॥ दसविहे मोसे प० तं०—कोहे माणे माया लोभे पिज्जे तहेव दोसे य हास भए अक्खाइय उवघायणिस्सिए दसमे ॥ ७९ ॥ दसविहे सच्चामोसे प० तं० उप्पण्णमीसए विगयमीसए उप्पण्णविगयमीसए जीवमीसए अजीवमीसए जीवाजीवमीसए अणंतमीसए परित्तमीसए अद्धामीसए अद्धद्धामीसए ॥ ८० ॥ दिट्ठिवायस्स णं दस णामधेज्जा प० तं० दिट्ठिवाएइ वा हेउवाएइ वा भूयावाएइ वा तच्चावाएइ वा सम्मावाएइ वा धम्मावाएइ वा भासाविजएइ वा पुव्वगएइ वा अणुजोगगएइ वा सव्वपाणभूयजीवसत्तसुहावहेइ वा ॥ ८१ ॥ दसविहे सत्थे प० तं०—सत्थमग्गी विसं लोणं सिणेहो खार मंबिलं, दुप्पउत्तो मणो वाया काया

भावो य अविरई ॥ ८२ ॥ दसविहे दोसे प० तं०—तज्जायदोसे मइभंगदोसे पसत्थारदोसे परिहरणदोसे, सलक्खण कारण हेउदोसे संकामणं णिग्गह वत्थुदोसे ॥ ८३ ॥ दस विहे विसेसे प० तं—वत्थु तज्जायदोसे य दोसे एगट्ठिएइ य, कारणे य पडुप्पण्णे दोसे णिच्चे हि अट्ठमे; अत्तणा उवणीए य विसेसेइ य ते दस... ॥ ८४ ॥ दसविहे सुद्धावायाणुओगे प० तं०—चंकारे मंकारे पिंकारे सेयंकारे सायंकारे एगत्ते पुहुत्ते संजूहे संकामिए भिण्णे ॥ ८५ ॥ दसविहे दाणे प० तं० अणुकंपा संगहे चेव भये कालुणिएइ य; लज्जाए गारवेणं च, अहम्मे पुण सत्तमे। धम्मे य अट्ठमे वुत्ते काहीइ य कयंति य ॥ ८६ ॥ दसविहा गई प० तं०—णिरयगई, णिरयविग्गहगई, तिरियगई, तिरियविग्गहगई, एवं जाव सिद्धिगई, सिद्धिविग्गहगई ॥ ८७ ॥ दसमुंडा प० तं०—सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, कोहमुंडे जाव लोभमुंडे दसमे सिरमुंडे ॥ ८८ ॥ दसविहे संखाणे प० तं०—परिकम्मं ववहारो रज्जु रासी कलासवण्णे य, जावंतावइ वग्गो घणो य तह वग्गवग्गो वि, कप्पो य ॥ ८९ ॥ दसविहे पच्चक्खाणे प० तं०—अणागयमइक्कंतं कोडीसहियं णियंटियं चेव, सागारमणागारं, परिमाणकडं, णिरवसेसं, संकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं दसविहं तु ॥ ९० ॥ दसविहा सामायारी प० तं०—इच्छा मिच्छा तहक्कारो आवस्सिया णिसीहिया, आपुच्छणा य पडिपुच्छा छंदणा य णिमंतणा, उवसंपया य काले सामायारी भवे दसविहा उ ॥ ९१ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे तं०—एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिवुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ४ एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ६ एगं च णं महासागरं उम्मीवीचीसहस्सकलियं भुयाहिं तिण्णं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ७ एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलियवण्णाभेणं णियएणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परि-

वेढियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ९ एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाओ उवरिं सीहासणवरगयमत्ताणं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे १० । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किलपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं चित्तविचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ णिंदंसेइ उवदंसेइ तं० आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणा जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेइ, तं—अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे संघे तं०—समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्णवेइ, तं०—भवणवासी वाणमंतरा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं उम्मीवीची जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणाईए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिण्णे ७ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ८ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे उराला कित्तिवण्णसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इइ खलु समणे भगवं महावीरे इइ० ९ जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥ ९२ ॥ दसविहे सरागसम्मद्दंसणे प० तं०—णिसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव, अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव धम्मरुई ॥ ९३ ॥ दससण्णाओ प० तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा

णेरइयाणं दस सण्णाओ एवं चेव। एवं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ ॥ ९४ ॥ णेरइया णं दसविहं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं भयं सोगं जरं वाहिं ॥ ९५ ॥ दस ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं—धम्मत्थिकायं जाव वायं अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भविस्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसण-धरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ ॥ ९६ ॥ दस दसाओ प० तं०—कम्मविवागदसाओ, उवासगदसाओ, अंतगडद-साओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, आयारदसाओ, पण्हावागरणदसाओ, बंधदसाओ, दोगिद्धिदसाओ, दीहदसाओ, संखेवियदसाओ ॥ ९७ ॥ कम्मविवागदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—मियापुत्ते य गोत्तासे अंडे सगडेइ यावरे, माहणे णंदिसेणे य सोरियत्ति उदुंबरे १ सहसुद्दाहे आमलए कुमारे लेच्छई इइ २ ॥ ९८ ॥ उवासग-दसाणं दस अज्झयणा प० तं०—आणंदे कामदेवे अ गाहावइ चूलणीपिया, सुरादेवे चुल्लसयए गाहावइ कुंडकोलिए (१) सद्दालपुत्ते महासयए णंदिणीपिया सालइया-पिया ॥९९॥ अंतगडदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—णमि मायंगे सोमिले रामगुत्ते सुदंसणे चेव, जमाली य भगाली य किंकमे पल्लएइ य (१) फाले अंबडपुत्ते य एमेए दस आहिआ ॥ १०० ॥ अणुत्तरोववाइयदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—इसिदासे य धण्णे य सुणक्खत्ते य काइए इय, सट्ठाणे सालिभद्दे य आणंदे तेयली इय (१) दसण्णभद्दे अइमुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०१ ॥ आयारदसाणं दस अज्झ-यणा प० तं० वीसं असमाहिट्ठाणा एगवीसं सबला तेत्तीसं आसायणाओ अट्ठविहा गणिसंपया दस चित्तसमाहिट्ठाणा एगारसउवासगपडिमाओ बारस भिक्खुपडिमाओ पज्जोसवणाकप्पो तीसं मोहणिज्जट्ठाणा आजाइट्ठाणं ॥ १०२ ॥ पण्हावागरणदसाणं दस अज्झयणा प० तं० उवमा संखा इसिभासियाइं आयरियभासियाइं महावीर-भासियाइं खोमगपसिणाइं कोमलपसिणाइं अद्दागपसिणाइं अंगुट्ठपसिणाइं बाहुपसि-णाइं ॥ १०३ ॥ बंधदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—बंधे य मोक्खे य देवद्धि दसारमंडलेवि य, आयरियविप्पडिवत्ती उवज्झायविप्पडिवत्ती भावणा विमुत्ती साओ कम्मे ॥ १०४ ॥ दोगेद्धिदसाणं दस अज्झयणा प० तं० वाए विवाए उव-वाए सुक्खित्ते कसिणे बायालीसं सुमिणे तीसं महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा हारे रामे गुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०५ ॥ दीहदसाणं दस अज्झयणा प०

तं० चंदे सूरए सुक्के य सिरिदेवी पभावई दीवसमुद्दोववत्ती बहूपुत्ती मंदरेइ य थेरे संभूयविजए थेरे पम्ह ऊसासणीसासे ॥१०६॥ संखेवियदसाणं दस अज्झयणा प० तं० खुड्डियाविमाणपविभत्ती महल्लियाविमाणपविभत्ती अंगचूलिया वग्गचूलिया विवाहचूलिया अरुणोववाए वरुणोववाए गरुलोववाए वेलंधरोववाए वेसमणोववाए ॥ १०७ ॥ दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणीए दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणीए ॥ १०८ ॥ दसविहा णेरइया प० तं०—अणंतरोववण्णा परंपरोववण्णा अणंतरावगाढा परंपरावगाढा अणंतराहारगा परंपराहारगा अणंतरपज्जत्ता परंपरपज्जत्ता चरिमा अचरिमा एवं णिरंतरं जाव वेमाणिया ॥ १०९ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए दस णिरयावाससयसहस्सा प० ॥ ११० ॥ रयणप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं दसवाससहस्साई ठिई प० ॥ १११ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं णेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११२ ॥ पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११३ ॥ असुरकुमाराणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ११४ ॥ एवं जाव थणियकुमाराणं । वायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ११५ ॥ वाणमंतराणं देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ११६ ॥ वंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११७ ॥ लंतए कप्पे देवाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११८ ॥ दसहिं ठाणेहिं जीवा आगमेसिभद्दत्ताए कम्मं पगरेंति तं०—अणिदाणयाए, दिट्ठिसंपण्णयाए, जोगवाहियत्ताए, खंतिखमणयाए, जिइंदिययाए, अमाइल्लयाए, अपासत्थयाए, सुसामण्णयाए, पवयणवच्छल्लयाए, पवयणउब्भावणयाए ॥ ११९ ॥ दसविहे आसंसप्पओगे प० तं०—इहलोगासंसप्पओगे, परलोगासंसप्पओगे, दुहओलोगासंसप्पओगे, जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामासंसप्पओगे, भोगासंसप्पओगे, लाभासंसप्पओगे, पूयासंसप्पओगे, सक्कारासंसप्पओगे ॥ १२० ॥ दसविहे धम्मे प० तं—गामधम्मे, णगरधम्मे, रट्ठधम्मे, पासंडधम्मे कुलधम्मे, गणधम्मे, संघधम्मे, सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे ॥ १२१ ॥ दसथेरा प० तं० गामथेरा, णगरथेरा, रट्ठथेरा, पसत्थारथेरा, कुलथेरा, गणथेरा, संघथेरा, जाइथेरा, सुअथेरा, परियायथेरा ॥ १२२ ॥ दसपुत्ता प० तं—अत्तए

खेत्तए दिण्णए विण्णए उरसे मोहरे सोंडीरे संवुड्ढे उवयाइए धम्मंतेवासी ॥१२३॥ केवलिस्स णं दस अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए अणुत्तरा खंती अणुत्तरा मुत्ती अणुत्तरे अज्जवे अणुत्तरे मद्दवे अणुत्तरे लाघवे ॥ १२४ ॥ समयखेत्ते णं दस कुराओ प० तं०—पंच देवकुराओ पंच उत्तरकुराओ तत्थ णं दस महइमहालया महादुमा प० तं-जंबू सुदंसणे धायइरुक्खे महाधायइरुक्खे पउमरुक्खे महापउमरुक्खे, पंच कूड-सामलीओ तत्थ णं दस देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति तं० अणाढिए जंबुद्दी-वाहिवई सुदंसणे पियदंसणे पोंडरीए महापोंडरीए पंच गरुला वेणुदेवा ॥ १२५ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा तं०—अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाहू पूइज्जंति साहू ण पूइज्जंति गुरुसु जणो मिच्छं पडिवण्णो अमणुण्णा सद्दा जाव फासा ॥ १२६ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं०—अकाले ण वरिसइ तं चेव विवरीयं जाव मणुण्णा फासा ॥ १२७ ॥ सुसमसुसमाए णं समाए दस-विहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छंति तं० मत्तंगया य भिंगा तुडियंगा दीव जोइ चित्तंगा; चित्तरसा मणियंगा गेहागारा अणियणा य ॥ १२८ ॥ जंबूद्दीवे २ भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा हुत्था तं०—सयज्जले सयाऊ य अणंतसेणे य अमियसेणे य तक्कसेणे भीमसेणे महाभीमसेणे य सत्तमे (१) दढरहे दसरहे सयरहे ॥ १२९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमीसाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा भविस्संति तं०—सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे विमल-वाहणे संमुई पडिसुए दढधणू दसधणू सयधणू ॥ १३० ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प०तं०—मालवंते चित्तकूडे विचित्तकूडे बंभकूडे जाव सोमणसे ॥ १३१ ॥ जंबूमंदरपच्च-त्थिमे णं सीओयाए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० तं०—विज्जु-प्पभे जाव गंधमायणे । एवं धायइसंडपुरत्थिमद्धेवि वक्खारा भाणियव्वा जाव पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धे ॥ १३२ ॥ दसकप्पा इंदाहिट्ठिया प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे पाणए अच्चुए । एएसु णं दससु कप्पेसु दस इंदा प० तं०—सक्के ईसाणे जाव अच्चुए । एएसु णं दसण्हं इंदाणं दस परिजाणियविमाणा प० तं०—पालए पुप्फए जाव विमलवरे सव्वओभद्दे ॥१३३॥ दस दसमिया णं भिक्खुपडिमा णं एगेण राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं य भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहियावि

भवइ ॥ १३४ ॥ दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं०--पढमसमयएगिंदिया अपढमसमयएगिंदिया एवं जाव अपढमसमयपंचिंदिया ॥ १३५ ॥ दसविहा सव्वजीवा प० तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया ॥ १३६ ॥ अहवा दसविहा सव्वजीवा प० तं० पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेरइया जाव अपढमसमयदेवा पढमसमयसिद्धा अपढमसमयसिद्धा ॥ १३७ ॥ वाससयाउयस्स णं पुरिसस्स दस दसाओ प० तं०—बाला किड्डा य मंदा य बला पण्णा य हायणी, पवंचा पब्भारा य मुंमुही सायणी तहा ॥ १३८ ॥ दसविहा तणवणस्सइकाइया प० तं०—मूले कंदे जाव पुप्फे फले बीए ॥ १३९ ॥ सव्वओवि णं विज्जाहरसेढीओ दसदसजोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १४० ॥ सव्वओवि णं आभिओगसेढीओ दस दस जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १४१ ॥ गेविज्जगविमाणाणं दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १४२ ॥ दसहिं ठाणेहिं सह तेयसा भासं कुज्जा, तं० केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा से तं परियावेइ, से तं परियावित्ता तामेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए समाणे देवे, परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा से तं परियावेइ से तं २ तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए देवे य परिकुविए दुहओ पडिण्णा तस्स तेयं णिसिरेज्जा ते तं परियाविंति ते तं परियावेत्ता तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति ते फोडा भिण्णा समाणा तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए देवे परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति, ते फोडा भिण्णा समाणा तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए देवेवि य परिकुविए ते दुहओ पडिण्णा ते तस्स तेयं णिसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति, सेसं तहेव जाव भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति तत्थ पुला संमुच्छंति ते पुला भिज्जंति, ते पुला भिण्णा समाणा तामेव

सह तेयसा भासं कुज्जा, एए तिण्णि आलावगा भाणियव्वा केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएमाणे तेयं णिसिरेज्जा से य तत्थ णो कम्मइ णो पकम्मइ अंचियं अंचियं करेइ करेत्ता आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ से णं तओ पडिहए पडिणियत्तइ २ त्ता तमेव सरीरगमणुदहमाणे २ सह तेयसा भासं कुज्जा जहा वा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेतेए ॥ १४३ ॥ दस अच्छेरगा प० तं०—उवसग्ग गब्भहरणं इत्थीतित्थं अभाविया परिसा, कण्हस्स अवरकंका उत्तरणं चंदसूराणं (१) हरिवंसकुलुप्पत्ती चमरुप्पाओ य अट्ठसयसिद्धा, असंजएसु पूआ दसवि अणंतेण २ कालेण ॥ १४४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणे कंडे दसजोयणसयाइं बाहल्लेणं प० ॥१४५॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वयरे कंडे दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं प० । एवं वेरुलिए लोहितक्खे मसारगल्ले हंसगब्भे पुलए सोगंधिए जोइरसे अंजणे अंजणपुलए रयए जायरूवे अंके फलिहे रिट्ठे जहा रयणे तहा सोलसविहा भाणियव्वा ॥ १४६ ॥ सव्वेवि णं दीवसमुद्दा दस-जोयणसयाइं उव्वेहेणं प० ॥ १४७ ॥ सव्वेवि णं महादहा दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १४८ ॥ सव्वेवि णं सलिलकुंडा दसजोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १४९ ॥ सीयासीओया णं महाणईओ मुहमूले दस दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १५० ॥ कत्तियाणक्खत्ते सव्वबाहिराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १५१ ॥ अणुराहा णक्खत्ते सव्वब्भंतराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १५२ ॥ दस णक्खत्ता णाणस्स विद्धिकरा प० तं० मिगसिरमद्दा पुस्सो तिण्णिय पुव्वाइं मूलमस्सेसा, हत्थो चित्ता य तहा दस विद्धिकराइं णाणस्स ॥ १५३ ॥ चउप्पय-थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा प० उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ १५४ ॥ जीवा णं दसठाणणिव्वत्तिया पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ तंजहा—पढमसमयएगिंदियणिव्वत्तिए जाव फासिंदियणिव्वत्तिए, एवं चिण-उव-चिण-बंध-उदीर-वेय-तह णिज्जरा चेव ॥ १५५ ॥ दसपएसिया खंधा अणंता प० ॥ १५६ ॥ दस पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ १५७॥ दससमयठिईया पोग्गला अणंता प० । दसगुणकालगा पोग्गला अणंता प० ॥ १५८ ॥ एवं वण्णेहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं दसगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ १५९ ॥

॥ ठाणं समत्तं ॥

समवाओ

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ [इह खलु समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थयरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिसवरपुंडरीएणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगणाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोअगरेणं अभयदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं सरणदएणं जीवदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मणायगेणं धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरणाणदंसणधरेणं वियट्टच्छउमेणं जिणेणं जावएणं तिण्णेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वण्णुणा सव्वदरिसिणा सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तिसिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपाविउकामेणं इमे दुवालसंगे गणिपिडगे पण्णत्ते, तं जहा—आयारे १ सूयगडे २ ठाणे ३ समवाए ४ विवाहपण्णत्ती ५ णायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अंतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणं १० विवागसुए ११ दिट्ठिवाए १२ ॥ २ ॥ तत्थ णं जे से चउत्थे अंगे समवाए त्ति आहिए तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते—तं जहा] एगे आया, एगे अणाया, एगे दंडे, एगे अदंडे, एगा किरिआ, एगा अकिरिआ, एगे लोए, एगे अलोए, एगे धम्मे, एगे अधम्मे, एगे पुण्णे, एगे पावे, एगे बंधे, एगे मोक्खे, एगे आसवे एगे संवरे, एगा वेयणा, एगा णिज्जरा ॥ ३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। अप्पइट्ठाणे णरए एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। पालए जाणविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। अद्दाणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते। चित्ताणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते। सातिणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते ॥ ४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। दोच्चाए पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं साहियं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता।

४ संखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णिमणुयाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। वाणमंतराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। जोइसियाणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं ठिई पण्णता। सोहम्मे कप्पे देवाणं जहण्णेणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साइरेगं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। जे देवा सागरं सुसागरं सागरकंतं भवं मणुं माणुसोत्तरं लोगहियं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा एगस्स अद्धमासस्स आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जे जीवा ते एगेणं भवग्गहणेणं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाण मंतं करिस्संति ॥५॥ १॥ दो दंडा पण्णत्ता, तं जहा—अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव। दुवे रासी पण्णत्ता, तं जहा—जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव। दुविहे बंधणे पण्णत्ते, तं जहा—रागबंधणे चेव, दोसबंधणे चेव। पुव्वाफग्गुणी णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। उत्तराफग्गुणी णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। पुव्वाभद्दवया णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। उत्तराभद्दवया णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दुच्चाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचेंदियतिरिक्खजोणिआणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णिपंचिंदियमाणुस्साणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता।

माहिंदे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। जे देवा सुभं सुभकंतं सुभवण्णं सुभगंधं सुभलेसं सुभफासं सोहम्मवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा दोण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं दोहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भवसिद्धिया जीवा जे दोहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २ ॥ तओ दंडा पण्णत्ता, तं जहा—मणदंडे, वइदंडे, कायदंडे। तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ, तं जहा—मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती। तओ सल्ला पण्णत्ता, तं जहा—मायासल्ले णं, णियाणसल्ले णं, मिच्छादंसणसल्ले णं। तओ गारवा पण्णत्ता, तं जहा—इड्ढीगारवेणं, रसगारवे णं, सायागारवे णं। तओ विराहणा पण्णत्ता, तं जहा—णाणविराहणा, दंसणविराहणा, चरित्तविराहणा। मिगसिरणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। पुस्सणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। जेट्ठाणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अभीइणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। सवणणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अस्सिणिणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। भरणीणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दोच्चाए णं पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तच्चाए णं पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। असंखिज्जवासाउयसण्णिगब्भवक्कंतियमणुस्साणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा आभंकरं पभंकरं आभंकरपभंकरं चंदं चंदावत्तं चंदप्पभं चंदकंतं चंदवण्णं चंदलेसं चंदज्झयं चंदसिंगं चंदसिट्ठं चंदकूडं चंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा तिण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं तिहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३ ॥ चत्तारि

कसाया प०, तं–कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए। चत्तारि झाणा प०, तं०—अट्टज्झाणे रुद्दज्झाणे धम्मज्झाणे सुक्कज्झाणे। चत्तारि विकहाओ प०, तं०—इत्थिकहा भत्तकहा रायकहा देसकहा। चत्तारि सण्णा प०, तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा। चउव्विहे बंधे पण्णत्ते, तं०—पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे। चउगाउए जोयणे पण्णत्ते। अणुराहाणक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। पुव्वासाढाणक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। उत्तरासाढाणक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। जे देवा किट्ठिं सुकिट्ठिं किट्ठियावत्तं किट्ठिप्पभं किट्ठिजुत्तं किट्ठिवण्णं किट्ठिलेसं किट्ठिज्झयं किट्ठिसिंगं किट्ठिसिट्ठं किट्ठिकूडं किट्ठुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा चउण्हऽद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसिं देवाणं चउहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ ४ ॥ पंच किरिया पण्णत्ता, तं०–काइया अहिगरणिया पाउसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया। पंचमहव्वया प० तं०–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं। पंच कामगुणा प०, तं०–सद्दा रूवा रसा गंधा फासा। पंच आसवदारा प० तं०–मिच्छत्तं अविरई पमाया कसाया जोगा। पंच संवरदारा प० तं०—सम्मत्तं विरई अप्पमत्तया अकसाया अजोगया। पंच णिज्जरट्ठाणा प० तं०—पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिण्णादाणाओ वेरमणं, मेहुणाओ वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं। पंच समिईओ पण्णत्ताओ, तं०—इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघा-

णजल्लपारिट्ठावणियासमिई। पंच अत्थिकाया प० तं०—धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए। रोहिणी णक्खत्ते पंचतारे प०। पुणव्वसुणक्खत्ते पंचतारे प०। हत्थणक्खत्ते पंचतारे प०। विसाहाणक्खत्ते पंचतारे प०। धणिट्ठाणक्खत्ते पंचतारे प०। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प०। तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पंचसागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पंचपलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंचपलिओवमाइं ठिई प०। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंच सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा वायं सुवायं वायावत्तं वायप्पभं वायकंतं वायवण्णं वायलेसं वायज्झयं वायसिंगं वायसिट्ठं वायकूडं वाउत्तरवडिंसगं सूरं सुसूरं सूरावत्तं सूरप्पभं सूरकंतं सूरवण्णं सूरलेसं सूरज्झयं सूरसिंगं सूरसिट्ठं सूरकूडं सूरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पंच सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा पंचण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं पंचहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पंचहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥ ५ ॥ छ लेसाओ प०, तं०—कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा तेउलेसा पम्हलेसा सुक्कलेसा। छ जीवणिकाया प०, तं०—पुढविकाए आउकाए तेउकाए वाउकाए वणस्सइकाए तसकाए। छव्विहे बाहिरे तवोकम्मे प०, तं०—अणसणे ऊणोयरिया वित्तीसंखेवो रसपरिच्चाओ कायकिलेसो संलीणया। छव्विहे अब्भिंतरे तवोकम्मे प०, तं०—पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ झाणं उस्सग्गो। छ छाउमत्थिया समुग्घाया प० तं०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए। छव्विहे अत्थुग्गहे पण्णत्ते, तं०—सोइंदियअत्थुग्गहे चक्खुइंदिय अत्थुग्गहे घाणिंदियअत्थुग्गहे जिब्भिंदियअत्थुग्गहे फासिंदियअत्थुग्गहे णोइंदियअत्थुग्गहे। कत्तियाणक्खत्ते छतारे प०। असिलेसाणक्खत्ते छतारे प०। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई प०। तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छ सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं

देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सयंभुं सयंभूरमणं घोसं सुघोसं महाघोसं किट्ठिघोसं वीरं सुवीरं वीरगतं वीरसेणियं वीरावत्तं वीरप्पभं वीरकंतं वीरवण्णं वीरलेसं वीरज्झयं वीरसिंगं वीरसिट्ठं वीरकूडं वीरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा छण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं छहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥६॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए आजीवभए मरणभए असिलोगभए । सत्त समुग्घाया प० तं०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए । समणे भगवं महावीरे सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासहरपव्वया प० तं०—चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे णीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे । इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासा प०, तं०—भरहे हेमवए हरिवासे महाविदेहे रम्मए एरण्णवए एरवए । खीणमोहेणं भगवया मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएई । महाणक्खत्ते सत्ततारे प० । कत्तिआइया सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिआ प० (अभियाइया सत्त णक्खत्ता) । महाइया सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिआ प० । अणुराहाइया सत्त णक्खत्ता अवरदारिआ प० । धणिट्ठाइया सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिआ प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । तच्चाए णं पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । चउत्थीए णं पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । माहिंदे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त साहिया सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा समं समप्पभं महापभं पभासं भासुरं विमलं कंचणकूडं सणंकुमारवडिंसगं

विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा सत्तण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं सत्तहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे णं सत्तहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ७ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा प० तं०—जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए । अट्ठ पवयणमायाओ प० तं०—इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिई मणगुत्ती वइगुत्ती कायगुत्ती । वाणमंतराणं देवाणं चेइय रुक्खा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता । जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । कूडसामली णं गरुलावासे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । जंबु द्दीवस्स णं जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए प० तं०—पढमे समए दंडं करेइ, बीए समए कवाडं करेइ, तइए समए मंथं करेइ, चउत्थे समए मंथंतराइं पूरेइ, पंचमे समए मंथंतराइं पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ, सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ, तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ । पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा हुत्था, तं०—सुभे य सुभघोसे य, वसिट्ठे बंभयारि य । सोमे सिरिधरे चेव, वीरभद्दे जसे इय (१) अट्ठ णक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति, तं०—कत्तिया, रोहिणी, पुणव्वसू, महा, चित्ता, विसाहा, अणुराहा, जेट्ठा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा अच्चिं अच्चिमालिं वइरोयणं पभंकरं चंदाभं सूराभं सुपइट्ठाभं अग्गिच्चाभं रिट्ठाभं अरुणाभं अरुणुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा अट्ठण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठहिं

देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सयंभुं सयंभूरमणं घोसं सुघोसं महाघोसं किट्ठिघोसं वीरं सुवीरं वीरगतं वीरसेणियं वीरावत्तं वीरप्पभं वीरकंतं वीरवण्णं वीरलेसं वीरज्झयं वीरसिंगं वीरसिट्ठं वीरकूडं वीरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा छण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं छहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥६॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए आजीवभए मरणभए असिलोगभए । सत्त समुग्घाया प० तं०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए । समणे भगवं महावीरे सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासहरपव्वया प० तं०—चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे णीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे । इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासा प०, तं०—भरहे हेमवए हरिवासे महाविदेहे रम्मए एरण्णवए एरवए । खीणमोहेणं भगवया मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएई । महाणक्खत्ते सत्ततारे प० । कत्तिआइया सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिआ प० (अभियाइया सत्त णक्खत्ता) । महाइया सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिआ प० । अणुराहाइया सत्त णक्खत्ता अवरदारिआ प० । धणिट्ठाइया सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिआ प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । तच्चाए णं पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । चउत्थीए णं पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । माहिंदे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त साहिया सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा समं समप्पभं महापभं पभासं भासुरं विमलं कंचणकूडं सणंकुमारवडिंसगं

विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा सत्तण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं सत्तहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे णं सत्तहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ।। ७ ।। अट्ठ मयट्ठाणा प० तं०—जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए । अट्ठ पवयणमायाओ प० तं०—इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिई मणगुत्ती वइगुत्ती कायगुत्ती । वाणमंतराणं देवाणं चेइय रुक्खा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता । जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । कूडसामली णं गरुलावासे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । जंबु द्दीवस्स णं जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए प० तं०—पढमे समए दंडं करेइ, बीए समए कवाडं करेइ, तइए समए मंथं करेइ, चउत्थे समए मंथंतराइं पूरेइ, पंचमे समए मंथंतराइं पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ, सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ, तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ । पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा हुत्था, तं०—सुभे य सुभघोसे य, वसिट्ठे बंभयारि य । सोमे सिरिधरे चेव, वीरभद्दे जसे इय (१) अट्ठ णक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति, तं०—कत्तिया, रोहिणी, पुणव्वसू, महा, चित्ता, विसाहा, अणुराहा, जेट्ठा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा अच्चिं अच्चिमालिं वइरोयणं पभंकरं चंदाभं सूराभं सुपइट्ठाभं अग्गिच्चाभं रिट्ठाभं अरुणाभं अरुणुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा अट्ठण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठहिं

भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥८॥ णव बंभचेर-गुत्तीओ पण्णत्ताओ तं०—णो इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणि सिज्जासणाणि सेवित्ता भवइ, णो इत्थीणं कहं कहित्ता भवइ, णो इत्थीणं गणाइं सेवित्ता भवइ, णो इत्थीणं इंदियाणि मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता णिज्झाइत्ता भवइ, णो पणीयरसभोई, णो पाणभोयणस्स अइमायाए आहारइत्ता, णो इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलिआइं समरइत्ता भवइ, णो सद्दाणुवाई णो रूवाणुवाई णो गंधाणुवाई णो रसाणुवाई णो फासाणुवाई णो सिलोगाणुवाई, णो सायासोक्खपडिबद्धे यावि भवइ। णव बंभचेर-अगुत्तीओ पण्णत्ताओ तं०—इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणं सिज्जासणाणं सेवणया जाव सायासुक्खपडिबद्धे यावि भवइ। णव बंभचेरा प०, तं०—सत्थपरिण्णा लोग-विजओ सीओसणिज्ज सम्मत्तं। आवंति धुय विमोहा [यणं] उवहाणसुयं महपरिण्णा। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए णव रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था। अभीजि णक्खत्ते साइरेगे णव मुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ। अभीजियाइया णव णक्खत्ता चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति, तं०—अभीजि सवणो जाव भरणी। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णव जोयणसए उड्ढं अबाहाए उवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ। जंबुद्दीवे णं दीवे णवजोयणिया मच्छा पविसिंसु वा ३। विजयस्स णं दारस्स एगमेगाए बाहाए णव णव भोमा प०। वाणमंतराणं देवाणं सभाओ सुहम्माओ णव जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। दंसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स णव उत्तरपगडीओ प०, तं०—णिद्दा पयला णिद्दाणिद्दा पयलापयला थीणद्धी चक्खु-दंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं णव पलिओवमाइं ठिई प०। चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं णव सागरोवमाइं ठिई प०। असुर-कुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं णव पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं णव पलिओवमाइं ठिई प०। बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं णव सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा पम्हं सुपम्हं पम्हावत्तं पम्हप्पभं पम्ह-कंतं पम्हवण्णं पम्हलेसं पम्हज्झयं पम्हसिंगं पम्हसिट्ठं पम्हकूडं पम्हुत्तरवडिंसगं सुज्जं सुसुज्जं सुज्जवित्तं सुज्जपभं सुज्जकंतं सुज्जवण्णं सुज्जलेसं सुज्जज्झयं सुज्जसिंगं सुज्ज-सिट्ठं सुज्जकूडं सुज्जुत्तरवडिंसगं रुइल्लं रुइल्लावत्तं रुइल्लप्पभं रुइल्लकंतं रुइल्लवण्णं रुइल्ललेसं रुइल्लज्झयं रुइल्लसिंगं रुइल्लसिट्ठं रुइल्लकूडं रुइल्लुत्तरवडिंसगं विमाणं

देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं णव सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा णवण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं णवहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे णवहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ।। ९ ।। दसविहे समणधम्मे प०, तं०—खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे। दस चित्तसमाहिट्ठाणा प०, तं०—धम्मचिंता वा से असमुप्पण्णपुव्वा समुप्पज्जिज्जा सव्वं धम्मं जाणित्तए, सुमिणदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा अहातच्चं सुमिणं पासित्तए, सण्णिणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा पुव्वभवे सुमरित्तए, देवदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं पासित्तए, ओहिणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं जाणित्तए, ओहिदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं पासित्तए, मणपज्जवणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा जाव मणोगए भावे जाणित्तए, केवलणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोगं जाणित्तए, केवलदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोयं पासित्तए, केवलिमरणं वा मरिज्जा सव्वदुक्खप्पहीणाए । मंदरे णं पव्वए मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० । अरहा णं अरिट्ठणेमी दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । रामे णं बलदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । दस णक्खत्ता णाणवुड्ढिकरा प० तं०—"मिगसिर अद्दा पुस्सो तिण्णि अ पुव्वा य मूलमस्सेसा । हत्थो चित्तो य तहा, दस वुड्ढिकराइं णाणस्स ।" अकम्मभूमियाणं मणुआणं दसविहा रुक्खा उवभोगत्ताए उवत्थिया प० तं०—"मत्तंगया य भिंगा, तुडिअंगा दीव जोइ चित्तंगा । चित्तरसा मणिअंगा, गेहागारा अणिगिणा य ।। १ ।।" इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए दस णिरयावाससयसहस्साइं प० । चउत्थीए पुढवीए णेरइयाणं अत्थेगइयाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । असुरिंदवज्जाणं भोमिज्जाणं देवाणं

अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थे-गइयाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दस वास-सहस्साइं ठिई प० । वाणमंतराणं देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा घोसं सुघोसं महाघोसं णंदिघोसं सुसरं मणोरमं रम्मं रम्मगं रमणिज्जं मंगलावत्तं बंभलोगवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा दसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाण दसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्व-दुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १० ॥ एक्कारस उवासगपडिमाओ प० तं०— दंसणसावए, कयव्वयकम्मे, सामाइयकडे, पोसहोववासणिरए, दिया बंभयारी रत्ति परिमाणकडे, दिआ वि राओ वि बंभयारी असिणाई वियडभोई मोलिकडे, सचित्तपरिण्णाए, आरंभपरिण्णाए, पेसपरिण्णाए, उद्दिट्ठभत्तपरिण्णाए, समण-भूए यावि भवइ समणाउसो ! लोगंताओ एक्कारसएहिं एक्कारेहिं जोयण-सएहिं अबाहाए जोइसंते पण्णत्ते । जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स एक्कारसहिं एक्कवीसेहिं जोयणसएहिं अबाहाए जोइसे चारं चरइ । समणस्स णं भग-वओ महावीरस्स एक्कारस गणहरा हुत्था, तं०—इंदभूई अग्गिभूई वायुभूई विअत्ते सुहम्मे मंडिए मोरियपुत्ते अकंपिए अयलभाए मेअज्जे पभासे । मूले णक्खत्ते एक्कार-सतारे प० । हेट्ठिमगेविज्जयाणं देवाणं एक्कारसमुत्तरं गेविज्जविमाणसतं भवइ त्ति मक्खायं । मंदरे णं पव्वए धरणितलाओ सिहरतले एक्कारसभागपरिहीणे उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कारस पलिओ-वमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा बंभं सुबंभं बंभावत्तं बंभप्पभं बंभकंतं बंभवण्णं बंभलेसं बंभज्झयं बंभसिंगं बंभसिट्ठं बंभ-

कूडं बंभुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा एक्कारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं एक्कारसण्हं वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ११ ॥ बारस भिक्खुपडिमाओ पण्णत्ताओ, तं जहा—मासिया भिक्खुपडिमा, दोमासिया भिक्खुपडिमा, तिमासिया भिक्खुपडिमा, चउमासिया भिक्खुपडिमा, पंचमासिया भिक्खुपडिमा, छमासिया भिक्खुपडिमा, सत्तमासिया भिक्खुपडिमा, पढमा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा, दोच्चा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा, तच्चा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा, अहोराइया भिक्खुपडिमा, एगराइया भिक्खुपडिमा । दुवालसविहे संभोगे प० तं०—"उवहीसुयभत्तपाणे, अंजलीपग्गहे त्ति य । दायणे य णिकाए अ अब्भुट्ठाणेइ आवरे । कितिकम्मस्स य करणे, वेयावच्चकरणे इय । समोसरणं संणिसिज्जा य, कहाए य पबंधणे" । दुवालसावत्ते कितिकम्मे प०, तं०—"दुओणयं जहाजायं, कितिकम्मं बारसावयं । चउसिरं तिगुत्तं च, दुपवेसं एगणिक्खमणं"। विजया णं रायहाणी दुवालस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । रामे णं बलदेवे दुवालस वाससयाइं सव्वाउयं पालित्ता देवत्तं गए । मंदरस्स णं पव्वयस्स चूलिआ मूले दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं प० । जंबूदीवस्स णं दीवस्स वेइया मूले दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं प० । सव्वजहण्णिया राई दुवालसमुहुत्तिया प० । एवं दिवसोऽवि णायव्वो । सव्वट्ठसिद्धस्स णं महाविमाणस्स उवरिल्लाओ थुभियग्गाओ दुवालस जोयणाइं उद्धं उप्पइआ ईसिपब्भारणामपुढवी प० । ईसिपब्भाराए णं पुढवीए दुवालस णामधेज्जा प०, तं०—ईसित्ति वा ईसिपब्भाराइ वा तणूइ वा तणूयतरि त्ति वा सिद्धित्ति वा सिद्धालए त्ति वा मुत्तीति वा मुत्तालए त्ति वा बंभे त्ति वा बंभवडिंसए त्ति वा लोकपरिपूरणे त्ति वा लोगग्गचूलिआइ वा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बारस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए

कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं बारस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा महिंदं महिंदज्झयं कंबुं कंबुग्गीवं पुंखं सुपुंखं महापुंखं पुंडं सुपुंडं महापुंडं णरिंदं णरिंदकंतं णरिंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा बारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं बारसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १२ ॥

तेरस किरियाठाणा प० तं०—अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठिविपरियासियादंडे मुसावायवत्तिए अदिण्णादाणवत्तिए अज्झत्थिए माणवत्तिए मित्तदोसवत्तिए मायावत्तिए लोभवत्तिए इरियावहिए णामं तेरसमे । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु तेरस विमाणपत्थडा प० । सोहम्मवडिंसगे णं विमाणे णं अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । एवं ईसाणवडिंसगे वि । जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अद्धतेरसजाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्साइं प० । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प० । गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तेरसविहे पओगे प० तं०—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चामोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चामोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे कम्मसरीरकायपओगे । सूरमंडल जोयणेणं तेरसे (स)हिं एगसट्ठिभाग (गे) हिं जोयणस्स ऊणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा वज्जं सुवज्जं वज्जावत्तं वज्जप्पभं वज्जकंतं वज्जवण्णं वज्जलेसं वज्जरूवं वज्जसिंगं वज्जसिट्ठं वज्जकूडं वज्जुत्तरवडिंसगं वइरं वइरावत्तं वइरप्पभं वइरकंतं वइरवण्णं वइरलेसं वइररूवं वइरसिंगं वइरसिट्ठं वइरकूडं वइरुत्तरवडिंसगं लोगं लोगावत्तं लोगप्पभं लोगकंतं लोगवण्णं लोगलेसं लोगरूवं

लोगसिंगं लोगसिद्धं लोगकूडं लोगुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तेरसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं तेरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १३ ॥ चउद्दस भूअग्गामा प०, तं०—सुहुमा अपज्जत्तया सुहुमा पज्जत्तया बादरा अपज्जत्तया बादरा पज्जत्तया बेइंदिया अपज्जत्तया बेइंदिया पज्जत्तया तेंदिया अपज्जत्तया तेंदिया पज्जत्तया चउरिंदिया अपज्जत्तया चउरिंदिया पज्जत्तया पंचिंदिया असण्णिअपज्जत्तया पंचिंदिया असण्णिपज्जत्तया पंचिंदिया सण्णिअपज्जत्तया पंचिंदिया सण्णिपज्जत्तया । चउदस पुव्वा प० तं०—उप्पायपुव्वमग्गेणियं च तइयं च वीरियं पुव्वं । अत्थीणत्थि पवायं तत्तो णाणप्पवायं च ॥१॥ सच्चप्पवायपुव्वं तत्तो आयप्पवायपुव्वं च । कम्मप्पवायपुव्वं पच्चक्खाणं भवे णवमं ॥२॥ विज्जाअणुप्पवायं अवंझ पाणाउ बारसं पुव्वं । तत्तो किरियविसालं पुव्वं तह विंदुसारं च ॥३॥ अग्गेणीअस्स णं पुव्वस्स चउद्दस वत्थू प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चउद्दस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था । कम्मविसोहिमग्गणं पडुच्च चउदस जीवट्ठाणा प०, तं०—मिच्छदिट्ठी सासायणसम्मदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी अविरयसम्मदिट्ठी विरयाविरए पमत्तसंजए अप्पमत्तसंजए णियट्टिबायरे अणियट्टिबायरे सुहुमसंपराए उवसामए वा खवए वा उवसंतमोहे खीणमोहे सजोगीकेवली अजोगीकेवली । भरहेरवयाओ णं जीवाओ चउद्दस-चउद्दस जोयणसहस्साइं चत्तारि य एगुत्तरे जोयणसए छच्च एगूणवीसे भागे जोयणस्स आयामेणं प० । एगमेगस्स णं रण्णो चउरंतचक्कवट्टिस्स चउद्दस रयणा प०, तं०—इत्थीरयणे सेणावइरयणे गाहावइरयणे पुरोहियरयणे वड्ढइरयणे आसरयणे हत्थिरयणे असिरयणे दंडरयणे चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे मणिरयणे कागिणिरयणे। जंबुद्दीवे णं दीवे चउदस महाणईओ पुव्वावरेणं लवणसमुद्दं समप्पेंति, तं०—गंगा सिंधू रोहिया रोहिअंसा हरी हरिकंता सीया सीओया णरकंता णारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं

चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं जहण्णेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सिरिकंतं सिरिमहियं सिरिसोमणसं लंतयं काविट्ठं महिंदं महिंदकंतं महिंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा चउद्दसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं चउद्दसहि वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउद्दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुचिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १४ ॥

पण्णरस परमाहम्मिया प०, तं०—अंबे अंबरिसी चेव, सामे सबले त्ति यावरे । रुद्दोवरुद्दकाले य, महाकाले त्ति यावरे ॥ १ ॥ असिपत्ते धणु कुंभे, वालुए वेयरणीति य । खरस्सरे महाघोसे, एए पण्णरसाहिआ ॥ २ ॥ णमी णं अरहा पण्णरस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । धुवराहू णं बहुलपक्खस्स पडिवए पण्णरसभागं पण्णरसभागेणं चंदस्स लेसं आवरेत्ताणं चिट्ठइ, तं०—पढमाए पढमं भागं बीआए दुभागं तइआए तिभागं चउत्थीए चउभागं पंचमीए पंचभागं छट्ठीए छभागं सत्तमीए सत्तभागं अट्ठमीए अट्ठभागं णवमीए णवभागं दसमीए दसभागं एक्कारसीए एक्कारसभागं बारसीए बारसभागं तेरसीए तेरसभागं चउद्दसीए चउद्दसभागं पण्णरसेसु पण्णरसभगं । तं चेव सुक्कपक्खस्स य उवदंसेमाणे २ चिट्ठइ, तं०—पढमाए पढमं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसभागं । छ णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजुत्ता प०, तं०—सतभिसय भरणि अद्दा असलेसा साई तहा जेट्ठा । एए छण्णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजुत्ता ॥१॥ चेत्तासोएसु णं मासेसु पण्णरसमुहुत्तो दिवसो भवइ, एवं चेत्तासोएसु णं मासेसु पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ । विज्जाअणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पण्णरस वत्थू पण्णत्ता । मणूसाणं पण्णरसविहे पओगे प० तं जहा—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चमोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चमोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे आहारयसरीरकायपओगे आहारयमीससरीरकायपओगे कम्मयसरीरकायपओगे ।

इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प०। पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प०। महासुक्के कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा णंदं सुणंदं णंदावत्तं णंदप्पभं णंदकंतं णंदवण्णं णंदलेसं णंदज्झयं णंदसिंगं णंदसिट्ठं णंदकूडं णंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा पण्णरसण्हं अद्ध-मासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं पण्णरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पण्णरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १५ ॥ सोलसय गाहा सोलसगा प०, तं०—समए वेयालिए उवसग्गपरिण्णा इत्थीपरिण्णा णिरयविभत्ती महावीरथुई कुसीलपरिभासिए वीरिए धम्मे समाही मग्गे समोसरणे अहातहिए गंथे जमईए गाहासोलसमे सोलसगे। सोलस कसाया प०, तं०—अणंताणुबंधी कोहे, अणंताणुबंधी माणे, अणंताणुबंधी माया, अणंताणुबंधी लोभे, अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाण-कसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणा-वरणे कोहे, पच्चक्खाणावरणे माणे, पच्चक्खाणावरणा माया, पच्चक्खाणावरणे लोभे, संजलणे कोहे, संजलणे माणे, संजलणे माया, संजलणे लोभे। मंदरस्स णं पव्वयस्स सोलस णामधेया पण्णत्ता, तं जहा—मंदर मेरु मणोरम, सुदंसण सयंपभे य गिरिराया। रयणुच्चय पियदंसण, मज्झे लोगस्स णाभी य ॥१॥ अत्थे अ सूरियावत्ते, सूरियावरणे त्ति य। उत्तरे य दिसाई य, वडिंसे इय सोलसमे ॥२॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स सोलस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समण-संपदा होत्था। आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं सोलस वत्थू पण्णत्ता। चमरबलीणं ऊवारियालेणे सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। लवणे णं समुद्दे सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प०। पंचमीए पुढवीए

अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा आवत्तं वियावत्तं णंदियावत्तं महाणंदियावत्तं अंकुसं अंकुसपलंबं भद्दं सुभद्दं महाभद्दं सव्वओभद्दं भद्दुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा सोलसहिं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं सोलसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सोलसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १६ ॥ सत्तरसविहे असंजमे प०तं०—पुढविकायअसंजमे आउकायअसंजमे तेउकायअसंजमे वाउकायअसंजमे वणस्सइकायअसंजमे बेइंदियअसंजमे तेइंदियअसंजमे चउरिंदियअसंजमे पंचिंदियअसंजमे अजीवकायअसंजमे पेहाअसंजमे उवेहाअसंजमे अवहट्टुअसंजमे अप्पमज्जणाअसंजमे मणअसंजमे वइअसंजमे कायअसंजमे । सत्तरसविहे संजमे पण्णत्ते, तं०—पुढवीकायसंजमे आउकायसंजमे तेउकायसंजमे वाउकायसंजमे वणस्सइकायसंजमे बेइंदियसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदियसंजमे पंचिंदियसंजमे अजीवकायसंजमे पेहासंजमे उवेहासंजमे अवहट्टुसंजमे पमज्जणासंजमे मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे । माणुसुत्तरे णं पव्वए सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वेसिं पि णं वेलंधरअणुवेलंधरणागराईणं आवासपव्वया सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । लवणे णं समुद्दे सत्तरस जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ साइरेगाइं सत्तरस जोयणसस्साइं उड्ढं उप्पतित्ता तओ पच्छा चारणाणं तिरिया गई पवत्तइ । चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो तिगिंछिकूडे उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । बलिस्स णं असुरिंदस्स रुयगिंदे उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सत्तरसविहे मरणे प०, तं०—आवीईमरणे ओहिमरणे आयंतियमरणे वलायमरणे वसट्टमरणे अंतोसल्लमरणे तब्भवमरणे बालमरणे पंडितमरणे बालपंडितमरणे छउमत्थमरणे

ालिमरणे वेहासमरणे गिद्धपिट्ठमरणे भत्तपच्चक्खाणमरणे इंगिणिमरणे पाओवगमरणे। सुहुमसंपराए णं भगवं सुहुमसंपरायभावे वट्टमाणे सत्तरस कम्मपगडीओ बंधइ,तं०—आभिणिबोहियणाणावरणे सुयणाणावरणे ओहिणाणावरणे मणपज्जवणाणावरणे केवलणाणावरणे चक्खुदंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे सायावेयणिज्जं जसोकित्तिणामं उच्चागोयं दाणंतरायं लाभंतरायं भोगंतरायं उवभोगंतरायं वीरियअंतरायं। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। महासुक्के कप्पे देवाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सामाणं सुसामाणं महासामाणं पउमं महापउमं कुमुदं महाकुमुदं णलिणं महाणलिणं पोंडरीअं महापोंडरीअं सुक्कं महासुक्कं सीहं सीहकंतं सीहवीअं भाविअं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा सत्तरसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सत्तरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १७ ॥ अट्ठारसविहे बंभे प०, तं०—ओरालिए कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, णो वि अण्णं मणेणं सेवावेइ, मणेणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ ओरालिए कामभोगे णेव सयं वायाए सेवइ, णो वि अण्णं वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, ओरालिए कामभोगे णेव सयं काएणं सेवइ, णो वि यऽण्णं काएणं सेवावेइ, काएणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, णो वि अण्णं मणेणं सेवावेइ, मणेणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं वायाए सेवइ, णो वि अण्णं वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं काएणं सेवइ, णो वि अण्णं काएणं सेवावेइ, काएणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ। अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स

अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था। समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं सखुड्डयवियत्ताणं अट्ठारस ठाणा प०, तं०—वयछक्कं कायछक्कं, अकप्पो गिहिभायणं; पलियंक णिसिज्जा य, सिणाणं सोभवज्जणं ॥ १ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ताइं। बंभीए णं लिवीए अट्ठारसविहे लेखविहाणे प०, तं०—बंभी जवणी लियादोसा ऊरिया खरोट्ठिया खरसाविया पहाराइया उच्चत्तरिया अक्खरपुट्ठि (त्थि) या भोगवयया वेणइया णिण्हइया अंकलिवि गणियलिवि गंधव्वलिवी [भूयलिवी] आदंसलिवी माहेसरीलिवी दामिलिवी वोलिंदिलिवी। अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू प०। धूमप्पभाए णं पुढवीए अट्ठारसुत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं प०। पोसासाढेसु णं मासेसु सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ते दिवसे भवइ सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ता राई भवइ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। आणए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा कालं सुकालं महाकालं अंजणं रिट्ठं सालं समाणं दुमं महादुमं विसालं सुसालं पउमं पउमगुम्मं कुमुदं कुमुदगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पुंडरीअं पुंडरीयगुम्मं सहस्सारवडिंसग विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा णं अट्ठारसेहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठारसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया (जीवा) जे अट्ठारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १८ ॥ एगूणवीसं णायज्झयणा प० तं०—उक्खित्तणाए, संघाडे, अंडे, कुम्मे, य सेलए। तुंबे य रोहिणी, मल्ली, मागंदी, चंदिमाइ य ॥१॥ दावद्दवे, उदगणाए, मंडुक्के, तेत्तली इय। णंदिफले, अवरकंका, आइण्णे, सुंसमाइ य ॥ २ ॥ अवरे य पोंडरीए, णाए एगूणवीसमे। जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिआ उक्कोसेणं एगूणवीसं

जोयणसयाइं उड्ढमहो तवयंति। सुक्के णं महग्गहे अवरे णं उदिए समाणे एगूण-वीसं णक्खत्ताइं समं चारं चरित्ता अवरेणं अत्थमणं उवागच्छइ। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स कलाओ एगूणवीसं छेयणाओ प०। एगूणवीसं तित्थयरा अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारियं पव्वइआ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइ-याणं देवाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। आणयकप्पे [अत्थेगइयाणं] देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। पाणए कप्पे [अत्थेगइयाणं] देवाणं जहण्णेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा आणतं पाणतं णतं विणतं घणं सुसिरं इंदं इंदोकंतं इंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा एगूणवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एगूणवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वा-इस्संति सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ १९ ॥ वीसं असमाहिठाणा प० तं०—दवदवचारि यावि भवइ, अपमज्जियचारि यावि भवइ, दुप्पमज्जियचारि यावि भवइ, अइरित्तसेज्जासणिए, राइणियपरिभासी, थेरोवघाइए, भूओवघाइए, संज-लणे कोहणे, पिट्ठिमंसिए, अभिक्खणं अभिक्खणं ओहारइत्ता भवइ, णवाणं अधिकरणाणं अणुप्पण्णाणं उप्पाएत्ता भवइ, पोराणाणं अधिकरणाणं खामियवि-उसवियाणं पुणोदीरेत्ता भवइ, ससरक्खपाणिपाए, अकालसज्झायकारए यावि भवइ, कलहकरे, सद्दकरे, झंझकरे, सूरप्पमाणभोई, एसणाऽसमिए यावि भवइ। मुणिसुव्वए णं अरहा वीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वेऽवि अ णं घणोदही वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ताओ। पाणयस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वीसं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ। णपुंसयवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स वीसं सागरो-वमकोडाकोडीओ बंधओ बंधठिई प०। पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प०। उस्सप्पिणिओसप्पिणिमंडले वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो पण्णत्तो। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प०।

अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था। समणेणं भगवया महा- वीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं सखुड्डयवियत्ताणं अट्ठारस ठाणा प०, तं०—वयछक्कं कायछक्कं, अकप्पो गिहिभायणं; पलियंक णिसिज्जा य, सिणाणं सोभवज्जणं ॥ १ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ताइं। बंभीए णं लिवीए अट्ठारसविहे लेखविहाणे प०, तं०—बंभी जवणी लियादोसा ऊरिया खरोट्ठिया खरसाविया पहाराइया उच्चत्तरिया अक्खरपुट्ठि (त्थि) या भोगवयया वेणइया णिण्हइया अंकलिवि गणियलिवि गंधव्वलिवी [भूयलिवी] आदंसलिवी माहेसरीलिवी दामिलिवी बोलिंदिलिवी। अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू प०। धूमप्पभाए णं पुढवीए अट्ठारसुत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं प०। पोसासाढेसु णं मासेसु सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ते दिवसे भवइ सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ता राई भवइ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थे- गइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइ- याणं णेरइयाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइ- याणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरो- वमाइं ठिई प०। आणए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा कालं सुकालं महाकालं अंजणं रिट्ठं सालं समाणं दुमं महादुमं विसालं सुसालं पउमं पउमगुम्मं कुमुदं कुमुदगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पुंडरीअं पुंडरीयगुम्मं सहस्सारवडिंसग विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा णं अट्ठारसेहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठारसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया (जीवा) जे अट्ठारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १८ ॥ एगूणवीसं णायज्झयणा प० तं०—उक्खित्तणाए, संघाडे, अंडे, कुम्मे, य सेलए। तुंबे य रोहिणी, मल्ली, मागंदी, चंदिमाइ य ॥१॥ दावद्दवे, उदगणाए, मंडुक्के, तेत्तली इय। णंदिफले, अवरकंका, आइण्णे, सुंसमाइ य ॥ २ ॥ अवरे य पोंडरीए, णाए एगूणवीसमे। जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिआ उक्कोसेणं एगूणवीसं

जोयणसयाइं उड्ढमहो तवयंति। सुक्के णं महग्गहे अवरे णं उदिए समाणे एगूण-वीसं णक्खत्ताइं समं चारं चरित्ता अवरेणं अत्थमणं उवागच्छइ। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स कलाओ एगूणवीसं छेयणाओ प०। एगूणवीसं तित्थयरा अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारियं पव्वइआ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइ-याणं देवाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। आणयकप्पे [अत्थेगइयाणं] देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। पाणए कप्पे [अत्थेगइयाणं] देवाणं जहण्णेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा आणतं पाणतं णतं विणतं घणं सुसिरं इंदं इंदोकंतं इंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा एगूणवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एगूणवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वा-इस्संति सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ १९ ॥ वीसं असमाहिठाणा प० तं०—दवदवचारि यावि भवइ, अपमज्जियचारि यावि भवइ, दुप्पमज्जियचारि यावि भवइ, अइरित्तसेज्जासणिए, राइणियपरिभासी, थेरोवघाइए, भूओवघाइए, संज-लणे कोहणे, पिट्ठिमंसिए, अभिक्खणं अभिक्खणं ओहारइत्ता भवइ, णवाणं अधिकरणाणं अणुप्पण्णाणं उप्पाएत्ता भवइ, पोराणाणं अधिकरणाणं खामियवि-उसवियाणं पुणोदीरेत्ता भवइ, ससरक्खपाणिपाए, अकालसज्झायकारए यावि भवइ, कलहकरे, सद्दकरे, झंझकरे, सूरप्पमाणभोई, एसणाऽसमिए यावि भवइ। मुणिसुव्वए णं अरहा वीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वेऽवि अ णं घणोदही वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ताओ। पाणयस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वीसं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ। णपुंसयवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स वीसं सागरो-वमकोडाकोडीओ बंधओ बंधठिई प०। पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प०। उस्सप्पिणिओसप्पिणिमंडले वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो पण्णत्तो। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प०।

छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुर-कुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । पाणते कप्पे देवाणं उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । आरणे कप्पे देवाणं जहण्णेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सायं विसायं सुविसायं सिद्धत्थं उप्पलं भित्तिलं तिगिच्छं दिसासोवत्थियं पलंबं रुइलं पुप्फं सुपुप्फं पुप्फावत्तं पुप्फपभं पुप्फकंतं पुप्फवण्णं पुप्फलेसं पुप्फज्झयं पुप्फसिंगं पुप्फसिद्धं पुप्फुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा वीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं वीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे वीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २० ॥ एक्कवीसं सबला प० तं०—हत्थकम्मं करेमाणे सबले, मेहुणं पडिसेवमाणे सबले, राइभोयणं भुंजमाणे सबले, आहाकम्मं भुंजमाणे सबले, सागारियं पिंडं भुंजमाणे सबले, उद्देसियं कीयं वा पामिच्चं वा अच्छिज्जं वा अणिसिद्धं वा आहट्टु दिज्जमाणं भुंजमाणे सबले, अभिक्खणं अभिक्खणं पडियाइक्खेत्ता णं भुंजमाणे सबले, अंतो छण्हं मासाणं गणाओ गणं संकममाणे सबले, अंतो मासस्स तओ दगलेवे करेमाणे सबले, अंतो मासस्स तओ माईठाणे सेवमाणे सबले, रायपिंडं भुंजमाणे सबले, आउट्टियाए पाणाइवायं करेमाणे सबले, आउट्टियाए मुसावायं वयमाणे सबले, आउट्टियाए अदिण्णादाणं गिण्हमाणे सबले, आउट्टियाए अणंतरहियाए पुढवीए ठाणं वा णिसीहियं वा चेएमाणे सबले, आउट्टियाए ससणिद्धाए पुढवीए ससरक्खाए पुढवीए ठाणं वा णिसीहियं वा चेएमाणे सबले, आउट्टियाए चित्तमंताए पुढवीए चित्तमंताए सिलाए चित्तमंताए लेलूए कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे सबीए सहरिए सउत्तिंगे पणगदगमट्टीमक्कडासंताणए तहप्पगारे ठाणं वा सिज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणे सबले, आउट्टियाए मूलभोयणं वा कंदभोयणं वा खंधभोयणं वा तयाभोयणं वा पवालभोयणं वा पत्तभोयणं वा पुप्फभोयणं वा फलभोयणं वा बीयभोयणं वा हरियभोयणं वा भुंजमाणे सबले, अंतो संवच्छरस्स दस दगलेवे करेमाणे सबले, अंतो संवच्छरस्स दस माइठाणाइं सेवमाणे सबले, आउट्टियाए

सीओदयवियडवग्घारियहत्थेण वा ४ असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिगाहित्ता भुंजमाणे सबले। णियट्टिबायरस्स णं खवियसत्तयस्स मोहणिज्जस्स कम्मस्स एक्कवीस कम्मंसा संतकम्मा प० तं जहा—अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाणकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणावरणकसाए कोहे, पच्चक्खाणावरणकसाए माणे, पच्चक्खाणावरणकसाए माया, पच्चक्खाणावरणकसाए लोभे, संजलणकसाए कोहे, संजलणकसाए माणे, संजलणकसाए माया, संजलणकसाए लोभे, इत्थिवेए, पुंवेए, णपुंवेए, हासे, अरइ, रइ, भय, सोग, दुगुंछा। एकमेक्काए णं ओसप्पिणीए पंचमछट्ठाओ समाओ एक्कवीसं एक्कवीसं वाससहस्साइं कालेणं प० तं०—दूसमा दूसमदूसमा। एगमेगाए णं उस्सप्पिणीए पढमबिइयाओ समाओ एक्कवीसं एक्कवीसं वाससहस्साइं कालेणं प० तं०—दूसमदूसमाए दूसमाए य। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एकवीसपलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एकवीससागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगवीसपलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। आरणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अच्चुए कप्पे देवाणं जहण्णेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सिरिवच्छं सिरिदामकंडं मल्लं किट्ठं चावोण्णयं अरण्णवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाई ठिई प०। ते णं देवा एक्कवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २१ ॥ बावीसं परीसहा प० तं जहा—दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीयपरीसहे, उसिणपरीसहे, दंसमसगपरीसहे, अचेलपरीसहे, अरइपरीसहे, इत्थीपरीसहे, चरियापरीसहे, णिसीहियापरीसहे, सिज्जापरीसहे अक्कोसपरीसहे, वहपरीसहे, जायणापरीसहे, अलाभपरीसहे, रोगपरीसहे, तणफासपरीसहे, जल्लपरीसहे, सक्कारपुरक्कारपरीसहे, पण्णापरीसहे, अण्णाणपरीसहे, दंसणपरीसहे। दिट्ठिवायस्स णं बावीसं सुत्ताइं छिण्णछेयणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए बावीसं सुत्ताइं अछि-

णच्छेयणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए। बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासिअ-सुत्तपरिवाडीए। बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए। बावीसविहे पोग्गलपरिणामे प०तं०—कालवण्णपरिणामे, णीलवण्णपरिणामे, लोहियवण्णपरिणामे, हालिद्दवण्णपरिणामे, सुक्किल्लवण्णपरिणामे, सुब्भिगंधपरिणामे, दुब्भिगंधपरिणामे, तित्तरसपरिणामे, कडुयरसपरिणामे, कसायरसपरिणामे, अंबिलरसपरिणामे, महुर-रसपरिणामे, कक्खडफासपरिणामे, मउयफासपरिणामे, गुरुफासपरिणामे, लहुफास-परिणामे, सीयफासपरिणामे, उसिणफासपरिणामे, णिद्धफासपरिणामे, लुक्खफासपरि-णामे, अगुरुलहुफासपरिणामे, गुरुलहुफासपरिणामे। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढ-वीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए (णेरइयाणं) उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अहेसत्तमाए पुढवीए [अत्थेगइयाणं] णेरइयाणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थे-गइयाणं देवाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अच्चुए कप्पे देवाणं (उक्कोसेणं) बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा महियं विसूहियं विमलं पभासं वणमालं अच्चुय-वडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा बावीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्स-संति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं बावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बावीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति॥ २२॥ तेवीसं सुयगड-ज्झयणा प० तं०—समए, वेयालिए, उवसग्गपरिण्णा, थीपरिण्णा, णरयविभत्ती, महावीरथुई, कुसीलपरिभासिए, वीरिए, धम्मे, समाही, मग्गे, समोसरणे, आह-त्तहिए, गंथे, जमईए, गाथा, पुंडरीए, किरियाठाणा, आहारपरिण्णा, [अ] प्पच्चक्खाणकिरिया, अणगारसुयं, अद्दइज्जं, णालंदइज्जं। जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसाए जिणाणं सूरुग्गमणमुहुत्तंसि केवलवरणाण-दंसणे समुप्पण्णे। जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थयरा पुव्वभवे एक्कारसंगिणो होत्था, तं जहा— अजित संभव अभिणंदण सुमई जाव

पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए चोद्दसपुव्वी होत्था। जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थयरा पुव्वभवे मंडलियरायाणो होत्था, तं जहा—अजित संभव अभिणंदण जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए पुव्वभवे चक्कवट्टी होत्था। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहेसत्तमाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणाणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। हेट्ठिममज्झिमगेविज्जाणं देवाणं जहण्णेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा तेवीसाए अद्धमासाणं (मासेहिं) आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं तेवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥२३॥ चउव्वीसं देवाहिदेवा प० तं जहा–उसभअजितसंभवअभिणंदणसुमइपउमप्पहसुपासचंदप्पहसुविधिसीयलसिज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लीमुणिसुव्वयणमिणेमीपासवद्धमाणा। चुल्लहिमवंतसिहरीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ चउव्वीसं चउव्वीसं जोयणसहस्साइं णवबत्तीसे जोयणसए एगं अट्ठत्तीसइभागं जोयणस्स किंचि विसेसाहियाओ आयामेणं प०। चउवीसं देवठाणा सइंदया प० सेसा अहमिंदा अणिंदा अपुरोहिया। उत्तरायणगए णं सूरिए चउवीसंगुलियं पोरिसिछायं णिव्वत्तइत्ता णं णिअट्टइ। गंगासिंधूओ णं महाणईओ पवाहे साइरेगेणं चउवीसं कोसे वित्थारेणं प०। रत्तारत्तवईओ णं महाणईओ पवाहे साइरेगे चउवीसं कोसे वित्थारेणं प०। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहेसत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। हेट्ठिमउवरिमगेविज्जाणं देवाणं जहण्णेणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा

हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा चउवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं चउवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ।। २४ ।। पुरिमपच्छिमगाणं तित्थगराणं पंचजामस्स पणवीसं भावणाओ प० तं०—इरियासमिई, मणगुत्ती, वयगुत्ती, आलोयभायणभोयणं, आदाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई, अणुवीइभासणया, कोहेविवेगे, लोभविवेगे, भयविवेगे, हासविवेगे, उग्गहअणुण्णवणया, उग्गहसीमजाणणया, सयमेव उग्गहं अणुगिण्हणया, साहम्मियउग्गहं अणुण्णविय परिभुंजणया, साहारणभत्तपाणं अणुण्णविय पडिभुंजणया, इत्थीपसुपंडगसंसत्तगसयणासणवज्जणया, इत्थीकहविवज्जणया, इत्थीणं इंदियाणमालोयणवज्जणया, पुव्वरयपुव्वकीलियाणं अणणुसरणया, पणीताहारविवज्जणया, सोइंदियरागोवरई, चक्खिंदियरागोवरई, घाणिंदियरागोवरई, जिब्भिंदियरागोवरई, फासिंदियरागोवरई । मल्ली णं अरहा पणवीसं धणुइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वेवि दीहवेयड्ढपव्वया पणवीसं जोयणाणि उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता पणवीसं पणवीसं गाउयाणि उव्विद्धेणं प० । दोच्चाए णं पुढवीए पणवीसं णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता । आयारस्स णं भगवओ सचूलिआयस्स पणवीसं अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—सत्थपरिण्णा लोगविजओ सीओसणीअ सम्मत्तं । आवंति धुय विमोह उवहाणसुयं महपरिण्णा । पिंडेसण सिज्जिरिआ भासज्झयणा य वत्थ पाएसा । उग्गहपडिमा सत्तिक्कसत्तया भावण विमुत्ती । णिसीहज्झयणं पणवीसइमं । मिच्छादिट्ठि विगलिंदिए णं अपज्जत्तए णं संकिलिट्ठपरिणामे णामस्स कम्मस्स पणवीसं उत्तरपयडीओ णिबंधइ तिरियगइणामं विगलिंदियजाइणामं ओरालियसरीरणामं तेअगसरीरणामं कम्मणसरीरणामं हुंडगसंठाणणामं ओरालियसरीरंगोवंगणामं छेवट्ठसंघयणणामं वण्णणामं गंधणामं रसणामं फासणामं तिरियाणुपुव्विणामं अगुरुलहुणामं उवघायणामं तसणामं बादरणामं अपज्जत्तयणामं पत्तेयसरीरणामं अथिरणामं असुभणामं दुभगणामं अणादेज्जणामं अजसोकित्तिणामं णिम्माणणामं । गंगासिंधूओ णं महाणईओ पणवीसं गाउयाणि पुहुत्तेणं दुहओ घडमुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं

पवाएण पडंति । रत्तारत्तवईओ णं महाणईओ पणवीसं गाउयाणि पुहुत्तेणं मकर (घड) मुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं पवाएण पडंति । लोगबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणे णं देवाणं अत्थेगइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जाणं देवाणं जहण्णेणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमउवरिमगेवेज्जगविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा पणवीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं पणवीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पणवीसाए भवग्गणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २५ ॥ छव्वीसं दसकप्पववहाराणं उद्देसणकाला प०, तं०— दस दसाणं छ कप्पस्स दस ववहारस्स । अभवसिद्धियाणं जीवाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स छव्वीसं कम्मंसा संतकम्मा प०, तं०—मिच्छत्तमोहणिज्जं सोलस कसाया इत्थीवेए पुरिसवेए णपुंसकवेए हासं अरइ रइ भयं सोगं दुगुंछा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणे णं देवाणं अत्थेगइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । मज्झिममज्झिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिइ प० । ते णं देवा छव्वीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं छव्वीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छव्वीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥२६॥ सत्तावीसं अणगारगुणा प०तं०— पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिण्णदाणाओ वेरमणं, मेहुणाओ

वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं, सोइंदियणिग्गहे, चक्खिंदियणिग्गहे, घाणिंदियणिग्गहे, जिब्भिंदियणिग्गहे, फासिंदियणिग्गहे, कोहविवेगे, माणविवेगे, मायाविवेगे, लोभविवेगे, भावसच्चे, करणसच्चे, जोगसच्चे, खमा, विरागया, मणसमाहरणया, वयसमाहरणया, कायसमाहरणया, णाणसंपण्णया, दंसणसंपण्णया, चरित्तसंपण्णया, वेयणअहियासणया, मारणंतियअहियासणया। जंबुद्दीवे दीवे अभिइवज्जेहिं सत्तावीसाए णक्खत्तेहिं संववहारे वट्टइ। एगमेगे णं णक्खत्तमासे सत्तावीसाहिं राइंदियाहिं राइंदियग्गेणं प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणपुढवी सत्तावीसं जोयणसयाइं बाहल्लेणं पण्णत्ता। वेयगसम्मत्तबंधोवरयस्स णं मोहणिज्जस्स कम्मस्स सत्तावीसं उत्तरपयडीओ संतकम्मंसा प०। सावणसुद्धसत्तमीसु णं सूरिए सत्तावीसंगुलीयं पोरिसिच्छायं णिव्वत्तइत्ता णं दिवसखेत्तं णियट्टेमाणे रयणिखेत्तं अभिणिवट्टमाणे चारं चरइ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। मज्झिमउवरिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा मज्झिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा सत्तावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सत्तावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति।२७।अट्ठावीसविहे आयारपकप्पे प०,तं०—मासिया आरोवणा, सपंचराईमासिया आरोवणा, सदसराइमासिया आरोवणा, (सपण्णरसराइमासिया आरोवणा, सवीसइराइमासिया आरोवणा, सपंचवीसराइमासिया आरोवणा) एवं चेव दोमासिया आरोवणा, सपंचराईदोमासिया आरोवणा, एवं तिमासिया आरोवणा, चउमासिया आरोवणा, उवघाइया आरोवणा, अणुवघाइया आरोवणा, कसिणा आरोवणा,अकसिणा आरोवणा, एतावताव आयारपकप्पे एतावताव आयरियव्वे। भवसिद्धियाणं जीवाणं अत्थेगइयाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स अट्ठा-

वीसं कम्मंसा संतकम्मा प० तं०—सम्मत्तवेयणिज्जं मिच्छत्तवेयणिज्जं सम्ममिच्छ-त्तवेयणिज्जं सोलस कसाया णव णोकसाया । आभिणिबोहियणाणे अट्ठावीसइविहे प० तं० सोइंदियअत्थावग्गहे, चक्खिदियअत्थावग्गहे, घाणिंदियअत्थावग्गहे, जिब्भिदियअत्थावग्गहे, फासिंदियअत्थावग्गहे, णोइंदियअत्थावग्गहे, सोइंदिय-वंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे, सोइंदियईहा, चक्खिदियईहा, घाणिंदियईहा, जिब्भिदियईहा, फासिंदियईहा, णोइंदियईहा, सोइंदियावाए, चक्खिदियावाए, घाणिंदियावाए, जिब्भिदियावाए, फासिंदियावाए, णोइंदियावाए, सोइंदियधारणा, चक्खिदियधारणा, घाणिंदिय-धारणा, जिब्भिदियधारणा, फासिंदियधारणा, णोइंदियधारणा। ईसाणे णं कप्पे अट्ठा-वीसं विमाणावाससयसहस्सा प० । जीवे णं देवगइं बंधमाणे णामस्स कम्मस्स अट्ठा-वीसं उत्तरपयडीओ णिबंधइ, तं०—देवगइणामं, पंचिंदियजाइणामं, वेउव्वियसरी-रणामं, तेययसरीरणामं, कम्मणसरीरणामं, समचउरंससंठाणणामं, वेउव्वियसरीरंगोवं-गणामं, वण्णणामं, गंधणामं, रसणामं, फासणामं, देवाणुपुव्विणामं, अगुरुल-हुणामं, उवघायणामं, पराघायणामं, उस्सासणामं पसत्थविहायोगइणामं, तसणामं, बायरणामं, पज्जत्तणामं, पत्तेयसरीरणामं, थिराथिराणं सुभासुभाणं (सुभगणामं, सुस्सरणामं), आएज्जाणाएज्जाणं दोण्हं अण्णयरं एगं णामं णिबंधइ, जसोकित्तिणामं, णिम्माणणामं । एवं चेव णेरइया वि, णाणत्तं अप्पसत्थविहायोगइणामं हुंडगसंठाण-णामं, अथिरणामं, दुब्भगणामं, असुभणामं दुस्सरणामं, अणादिज्जणामं, अजसो-कित्तीणामं, णिम्माणणामं । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं अट्ठावीसं सागरो-वमाइं ठिई प० जे देवा मज्झिमउवरिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा अट्ठावी-साए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठावीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया

जीवा जे अट्ठावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २८ ॥ एगूणतीसइविहे पावसुयपसंगे णं प० तं० भोमे, उप्पाए, सुमिणे, अंतरिक्खे, अंगे, सरे, वंजणे, लक्खणे, भोमे तिविहे प० तं०–सुत्ते वित्ती वत्तिए, एवं एक्केक्कं तिविहं, विकहाणुजोगे, विज्जाणुजोगे, मंताणुजोगे, जोगाणुजोगे, अण्णतित्थियपवत्ताणुजोगे । आसाढे णं मासे एगूणतीसराइंदियाइं राइंदियग्गेणं पण्णत्ते । (एवं चेव) भद्दवए णं मासे । कत्तिए णं मासे । पोसे णं मासे । फग्गुणे णं मासे । वइसाहे णं मासे । चंददिणे णं एगूणतीसं मुहुत्ते साइरेगे मुहुत्तग्गेणं प० । जीवे णं पसत्थऽज्झवसाणजुत्ते भविए सम्मदिट्ठी तित्थकरणामसहियाओ णामस्स णियमा एगूणतीसं उत्तरपयडीओ णिबंधित्ता वेमाणिएसु देवेसु देवत्ताए उववज्जइ । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिममज्झिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा एगूणतीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं एगूणतीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणतीसभवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २९ ॥ तीसं मोहणीयठाणा प० तं० जे यावि तसे पाणे, वारिमज्झे विगाहिया । उदएणा कम्मा मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ १ ॥ सीसावेढेण जे केई आवेढेइ अभिक्खणं । तिव्वासुभसमायारे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २ ॥ पाणिणा संपिहित्ता णं, सोयमावरिय पाणिणं । अंतोणदंतं मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३ ॥ जायतेयं समारब्भ, बहुं ओरुंभिया जणं । अंतोधूमेणं मारेई (ज्जा), महामोहं पकुव्वइ ॥ ४ ॥ सिस्सम्मि जे पहणइ, उत्तमंगम्मि चेयसा । विभज्जमत्थयं फाले, महामोहं पकुव्वइ ॥५॥ पुणो पुणो पणिहिए, हणित्ता उवहसे जणं । फलेणं अदुवा दंडेणं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ६ ॥ गूढायारी णिगूहिज्जा, मायं मायाए छायए । असच्चवाई णिण्हाई, महामोहं

पकुव्वइ ॥ ७ ॥ धंसेइ जो अभूएणं, अकम्मं अत्तकम्मुणा । अदुवा तुम कासित्ति, महामोहं पकुव्वइ ॥ ८ ॥ जाणमाणो परिसओ, सच्चामोसाणि भासइ । अक्खीण-झंझे पुरिसे, महामोहं पकुव्वइ ॥ ९ ॥ अणायगस्स णयवं, दारे तस्सेव धंसिया । विउलं विक्खोभइत्ता णं, किच्चा णं पडिबाहिरं ॥ १० ॥ उवगसंतं पि झंपित्ता, पडिलोमाहिं वग्गुहिं । भोगभोगे वियारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ११ ॥ अकुमारभूए जे केई, कुमारभूए त्ति हं वए । इत्थीहिं गिद्धे वसए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १२ ॥ अबंभयारी जे केई, बंभयारी त्ति हं वए । गद्दहेव्व गवां मज्झे, विस्सरं णयई णदं ॥ १३ ॥ अप्पणो अहिए बाले, मायामोसं बहुं भसे । इत्थीविसयगेहीए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १४ ॥ जं णिस्सिए उव्वहइ, जससाहिगमेण वा । तस्स लुब्भइ वित्तम्मि, महामोहं पकुव्वइ ॥१५॥ ईसरेण अदुवा गामेणं, अणिसरे ईसरीकए । तस्स संपयहीणस्स, सिरी अतुलमागया ॥ १६ ॥ ईसादोसेण आइट्ठे, कलुसाविल-चेयसे । जे अंतरायं चेएइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १७ ॥ सप्पी जहा अंडउडं, भत्तारं जो विहिंसइ । सेणावइं पसत्थारं, महामोहं पकुव्वइ ॥ १८ ॥ जे णायगं च रट्ठस्स, णेयारं णिगमस्स वा । सेट्ठिं बहुरवं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९ ॥ बहुजणस्स णेयारं, दीवं ताणं च पाणिणं । एयारिसं णरं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ २० ॥ उवट्ठियं, पडिविरयं, संजयं सुतवस्सियं । वुक्कम्म धम्माओ भंसेइ, महा-मोहं पकुव्वइ ॥२१॥ तहेवाणंतणाणीणं, जिणाणं वरदंसिणं । तेसिं अवण्णवं बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२ ॥ णेयाइअस्स मग्गस्स, दुट्ठे अवयरई बहुं । तं तिप्प-यंतो भावेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २३ ॥ आयरियउवज्झाएहिं, सुयं विणयं च गाहिए । ते चेव खिंसई बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २४ ॥ आयरियउवज्झायाणं, सम्मं णो पडितप्पइ । अप्पडिपूयए थद्धे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २५ ॥ अबहुस्सुए य जे केई, सुएणं पविकत्थई । सज्झायवायं वयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २६ ॥ अतवस्सीए य जे केई, तवेण पविकत्थइ । सव्वलोयपरे तेणे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २७ ॥ साहारणट्ठा जे केई, गिलाणम्मि उवट्ठिए । पभू ण कुणई किच्चं, मज्झं पि से ण कुव्वइ ॥२८॥ सढे णियडीपण्णाणे, कलुसाउलचेयसे । अप्पणो य अ-बोहीय, महामोहं पकुव्वइ ॥२९॥ जे कहाहिगरणाइं, संपउंजे पुणो पुणो । सव्व-तित्थाण भेयाणं, महामोहं पकुव्वइ ॥३०॥ जे य आहम्मिए जोए, संपउंजे पुणो

पुणो। सहाहेउं सहीहेउं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३१ ॥ जे य माणुस्सए भोए, अदुवा पारलोइए। तेऽतिप्पयंतो आसयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३२ ॥ इड्ढी जुई जसो वण्णो, देवाणं बलवीरियं। तेसिं अवण्णवं बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३३ ॥ अपस्समाणो पस्सामि, देवे जक्खे य गुज्झगे। अण्णाणी जिणपूयट्ठी, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३४ ॥ थेरे णं मंडियपुत्ते तीसं वासाइं सामण्णपरियायं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। एगमेगे णं अहोरत्ते तीसमुहुत्ते मुहुत्तग्गेणं प०। एएसि णं तीसाए मुहुत्ताणं तीसं णामधेज्जा प०, तं०—रोद्दे, सत्ते, मित्ते, वाऊ, सुपीए, अभिचंदे, माहिंदे, पलंबे, बंभे, सच्चे, आणंदे, विजए, विस्ससेणे, वायावच्चे, उवसमे, ईसाणे, तट्ठे, भावियप्पा, वेसमणे, वरुणे, सतरिसभे, गंधव्वे, अग्गिवेसायणे, आतवे, आवत्ते, तट्ठवे, भूमहे, रिसभे, सव्वट्ठसिद्धे, रक्खसे। अरे णं अरहा तीसं धणु (णू) इं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सहस्सारस्स णं देविंदस्स देवरण्णो तीसं सामाणियसाहस्सीओ प०। पासे णं अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। समणे भगवं महावीरे तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। रयणप्पभाए णं पुढवीए तीसं णिरयावाससयसहस्सा प०। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। उवरिमउवरिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा उवरिममज्झिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३० ॥ एक्कतीसं सिद्धाइगुणा पण्णत्ता, तं जहा—खीणे आभिणिबोहियणाणावरणे, खीणे सुयणाणावरणे, खीणे ओहिणाणावरणे, खीणे मणपज्जवणाणावरणे, खीणे केवलणाणावरणे, खीणे चक्खुदंसणावरणे, खीणे

अचक्खुदंसणावरणे, खीणे ओहिदंसणावरणे, खीणे केवलदंसणावरणे, खीणे णिद्दा, खीणे णिद्दाणिद्दा, खीणे पयला, खीणे पयलापयला, खीणे थीणद्धी, खीणे सायावेयणिज्जे, खीणे असायावेयणिज्जे, खीणे दंसणमोहणिज्जे खीणे चरित्तमोहणिज्जे, खीणे णेरइयाउए, खीणे तिरियाउए, खीणे मणुस्साउए, खीणे देवाउए, खीणे उच्चागोए, खीणे णियागोए, खीणे सुभणामे, खीणे असुभणामे, खीणे दाणंतराए, खीणे लाभंतराए, खीणे भोगंतराए, खीणे उवभोगंतराए, खीणे वीरियंतराए। मंदरे णं पव्वए धरणितले एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चेव तेवीसे जोयणसए किंचिदेसूणे परिक्खेवेणं प०। जया णं सूरिए सव्वबाहिरियं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स एक्कतीसाए जोयणसहस्सेहिं अट्ठहि य एक्कतीसेहिं जोयणसएहिं तीसाए सट्ठिभागे जोयणस्स सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ। अभिवड्ढिए णं मासे एक्कतीसं साइरेगाइं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं पण्णत्ते। आइच्चे णं मासे एक्कतीसं राइंदियाइं किंचि विसेसूणाइं राइंदियग्गेणं पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा उवरिमउवरिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा एक्कतीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एक्कतीसं (स) वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कतीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३१ ॥ बत्तीसं जोगसंगहा प०, तं०—आलोयण, णिरवलावे, आवईसु दढधम्मया। अणिस्सिओवहाणे य, सिक्खा णिप्पडिकम्मया ॥ १ ॥ अण्णायया, अलोभे य, तितिक्खा अज्जवे सुई। सम्मदिट्ठी समाही य, आयारे विणओवए ॥ २ ॥ धिईमई य संवेगे, पणिही सुविहि संवरे। अत्तदोसोवसंहारे, सव्वकामविरत्तया ॥ ३ ॥ पच्चक्खाणे विउस्सग्गे, अप्पमाए लवालवे। झाणसंवरजोगे य, उदए मारणंतिए ॥ ४ ॥ संगाणं च परिण्णाया, पायच्छित्तकरणे वि य। आराहणा

य मरणंते, बत्तीसं जोगसंगहा ॥ ५ ॥ बत्तीसं देविंदा प०, तं०—चमरे बली धरणे भूयाणंदे जाव घोसे महाघोसे चंदे सूरे सक्के ईसाणे सणंकुमारे जाव पाणए अच्चुए । कुंथुस्स णं अरहओ बत्तीसहिया बत्तीसं जिणसया होत्था । सोहम्मे कप्पे बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प० । रेवइणक्खत्ते बत्तीसइतारे पण्णत्ते । बत्तीसतिविहे णट्टे पण्णत्ते । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । जे देवा विजयवेजयंतजयंतअपराजियविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा बत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं बत्तीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बत्तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३२ ॥ तेत्तीसं आसायणाओ पण्णत्ताओ, तं०—सेहे राइणियस्स आसण्णं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स पुरओ गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स सपक्खं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स आसण्णं ठिच्चा भवइ आसायणा सेहस्स, जाव सेहे राइणियस्स आलवमाणस्स तत्थगए चेव पडिसुणित्ता भवइ आसायणा सेहस्स । चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चमरचंचाए रायहाणीए एक्कमेक्कवाराए तेत्तीसं तेत्तीसं भोमा प० । महाविदेहे णं वासे तेत्तीसं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं विक्खंभेणं प० । जया णं सूरिए बाहिराणंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इह गयस्स पुरिसस्स तेत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं किंचिविसेसूणेहिं चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए कालमहाकालरोरुयमहारोरुएसु णेरइयाणं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अप्पइट्ठाणणरए णेरइयाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । विजयवेजयंतजयंतअपराजिएसु विमाणेसु उक्कोसेणं

तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तेत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णिस्ससंति वा। तेसि णं देवाणं तेत्तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेत्तीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३३ ॥ चोत्तीसं बुद्धाइसेसा प० तं०—अवट्ठिए केसमंसुरोमणहे, णिरामया णिरुवलेवा गायलट्ठी, गोक्खीरपंडुरे मंससोणिए, पउमुप्पलगंधिए उस्सासणिस्सासे, पच्छण्णे आहारणीहारे अदिस्से मंसचक्खुणा, आगासगयं चक्कं, आगासगयं छत्तं, आगासगयाओ सेयवरचामराओ, आगासफालियामयं सपायपीढं सीहासणं, आगासगओ कुडभीसहस्सपरिमंडियाभिरामो इंदज्झओ पुरओ गच्छइ, जत्थ जत्थ विय णं अरहंता भगवंतो चिट्ठंति वा णिसीयंति वा तत्थ तत्थ वि य णं तक्खणादेव संछण्णपत्तपुप्फपल्लवसमाउलो सच्छत्तो सज्झओ सघंटो सपडागो असोगवरपायवो अभिसंजायइ, ईसिं पिट्ठओ मउडठाणंमि तेयमंडलं अभिसंजायइ अंधकारे वि य णं दस दिसाओ पभासेइ, बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे, अहोसिरा कंटया जायंति उऊ विवरीया सुहफासा भवंति, सीयलेणं सुहफासेणं सुरभिणा मारुएणं जोयणपरिमंडलं सव्वओ समंता संपमज्जिज्जइ, जुत्तफुसिएणं मेहेण य णिहयरयरेणूयं किज्जइ, जलथलयभासुरपभूएणं बिंटट्ठाइणा दसद्धवण्णेणं कुसुमेणं जाणुस्सेहप्पमाणमित्ते (अचित्ते) पुप्फोवयारे कज्जइ, अमणुण्णाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं अवकरिसो भवइ, मणुण्णाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं पाउब्भाओ भवइ, पच्चाहरओ वि य णं हिययगमणीओ जोयणणीहारी सरो, भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ, सा वि य णं अद्धमागही भासा भासिज्जमाणी तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं दुप्पयचउप्पयमियपसुपक्खिसरीसिवाणं अप्पणो हियसिवसुहयभासत्ताए परिणमइ, पुव्वबद्धवेरा वि य णं देवासुरणागसुवण्णजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगा अरहओ पायमूले पसंतचित्तमाणसा धम्मं णिसामंति, अण्णउत्थियपावयणिया वि य णमागया वंदंति, आगया समाणा अरहओ पायमूले णिप्पडिवयणा हवंति, जओ जओ वि य णं अरहंतो भगवंतो विहरंति तओ तओ वि य णं जोयणपणवीसाए णं ईई ण भवइ, मारी ण भवइ, सचक्कं ण

भवइ, परचक्कं ण भवइ, अइवुट्ठी ण भवइ, अणावुट्ठी ण भवइ, दुब्भिक्खं ण भवइ, पुव्वुप्पण्णा वि य णं उप्पाइया वाही खिप्पमिव उवसमंति। जंबुद्दीवे णं दीवे चउत्तीसं चक्कवट्टिविजया प० तं०—बत्तीसं महाविदेहे दो भरहे एरवए। जंबुद्दीवे णं दीवे चोत्तीसं दीहवेयड्ढा प०। जंबुद्दीवे णं दीवे उक्कोसपए चोत्तीसं तित्थंकरा समुप्पज्जंति। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चोत्तीसं भवणावाससयसहस्सा प०। पढमपंचमछट्ठीसत्तमासु चउसु पुढवीसु चोत्तीसं णिरयावाससयसहस्सा प० ॥३४॥ पणतीसं सच्चवयणाइसेसा प०। कुंथू णं अरहा पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। दत्ते णं वासुदेवे पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। णंदणे णं बलदेवे पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सोहम्मे कप्पे सुहम्माए सभाए माणवए चेइयक्खंभे हेट्ठा उवरिं च अद्धतेरस २ जोयणाणि वज्जेत्ता मज्झे पणतीस जोयणेसु वइरामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु जिण सकहाओ प०। विइयचउत्थीसु दोसु पुढवीसु पणतीसं णिरयावाससयसहस्सा प० ॥ ३५ ॥ छत्तीसं उत्तरज्झयणा प० तं०—विणयसुयं, परीसहो, चाउरंगिज्जं, असंखयं, अकाममरणिज्जं पुरिसविज्जा, उरब्भिज्जं, काविलियं, णमिपव्वज्जा, दुमपत्तयं, बहुसुयपूया, हरिएसिज्जं, चित्तसंभूयं, उसूयारिज्जं, सभिक्खुगं, समाहिठाणाइं, पावसमणिज्जं, संजइज्जं, मियचारिया, अणाहपव्वज्जा, समुद्दपालिज्जं, रहणेमिज्जं, गोयमकेसिज्जं, समिईओ, जण्णइज्जं, सामायारी, खलुंकिज्जं, मोक्खमग्गगई, अप्पमाओ, तवोमग्गो, चरणविही, पमायठाणाइं कम्मपयडी, लेसज्झयणं, अणगारमग्गे, जीवाजीवविभत्ती य। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो सभा सुहम्मा छत्तीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स छत्तीसं अज्जाणं साहस्सीओ होत्था। चेत्तासोएसु णं मासेसु सइ छत्तीसंगुलियं सूरिए पोरिसिछायं णिव्वत्तइ ॥ ३६ ॥ कुंथुस्स णं अरहओ सत्ततीसं गणा सत्ततीसं गणहरा होत्था। हेमवयहेरण्णवयाओ णं जीवाओ सत्ततीसं जोयणसहस्साइं छच्च चउसत्तरे जोयणसए सोलस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स किंचिविसेसूणाओ आयामेणं पण्णत्ताओ। सव्वासु णं विजयवेजयंतजयंतअपराजियासु रायहाणीसु पागारा सत्ततीसं सत्ततीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे सत्ततीसं उद्देसणकाला प०। कत्तियबहुलसत्तमीए णं सूरिए सत्ततीसंगुलियं पोरिसिछायं णिव्वत्तइत्ता णं चारं चरइ ॥ ३७ ॥ पासस्स

णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अट्ठतीसं अज्जियासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया होत्था। हेमवयएरण्णवईयाणं जीवाणं धणूपिट्ठे अट्ठतीसं जोयणसहस्साइं सत्त य चत्ताले जोयणसए दस एगूणवीसइभागे जोयणस्स किंचिविसेसूणा परिक्खेवेणं पण्णत्ते। अत्थस्स णं पव्वयरण्णो बिइए कंडे अट्ठतीसं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए बिइए वग्गे अट्ठतीसं उद्देसणकाला प० ॥ ३८ ॥ णमिस्स णं अरहओ एगूणचत्तालीसं आहोहियसया होत्था। समयखेत्ते एगूणचत्तालीसं कुलपव्वया प०, तं०—तीसं वासहरा, पंच मंदरा, चत्तारि उसुकारा। दोच्चचउत्थपंचमछट्ठसत्तमासु णं पंचसु पुढवीसु एगूणचत्तालीसं णिरयावाससयसहस्सा प०। णाणावरणिज्जस्स मोहणिज्जस्स गोत्तस्स आउयस्स एयासि णं चउण्हं कम्मपयडीणं एगूणचत्तालीसं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ ॥ ३९ ॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स चत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। मंदरचूलियाणं चत्तालीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता। संती अरहा चत्तालीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। भूयाणंदस्स णं णागकुमारस्स णागरण्णो चत्तालीसं भवणावाससयसहस्सा प०। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे चत्तालीसं उद्देसणकाला प०। फग्गुणपुण्णिमासिणीए णं सूरिए चत्तालीसंगुलियं पोरिसीछायं णिव्वट्टइत्ता णं चारं चरइ। एवं कत्तियाए वि पुण्णिमाए। महासुक्के कप्पे चत्तालीसं विमाणावाससहस्सा प० ॥४०॥ णमिस्स णं अरहओ एक्कचत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। चउसु पुढवीसु एक्कचत्तालीसं णिरयावाससयसहस्सा प०, तं०—रयणप्पभाए पंकप्पभाए तमाए तमतमाए। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे एक्कचत्तालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४१ ॥ समणे भगवं महावीरे बायालीसं वासाइं साहियाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। जंबुदीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं बायालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं चउद्दिसिं पि दओभासे संखोदयसीमे य। कालोए णं समुद्दे बायालीसं चंदा जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा बायालीसं सूरिया पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा। संमुच्छिमभुयपरिसप्पाणं उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं ठिई प०। णामकम्मे बायालीसविहे पण्णत्ते, तं जहा—गइणामे, जाइणामे, सरीरणामे, सरीरंगोवंगणामे, सरीरबंधणणामे, सरीरसंघायणणामे, संघयणणामे, संठाणणामे, वण्णणामे, गंधणामे,

रसणामे, फासणामे, अगुरुलहुयणामे, उवघायणामे, पराघायणामे, आणुपुव्वीणामे, उस्सासणामे, आयवणामे, उज्जोयणामे, विहगगइणामे, तसणामे, थावरणामे, सुहुमणामे, बायरणामे, पज्जत्तणामे, अपज्जत्तणामे, साहारणसरीरणामे, पत्तेयसरीरणामे, थिरणामे, अथिरणामे, सुभणामे, असुभणामे, सुभगणामे, दुब्भगणामे, सुस्सरणामे, दुस्सरणामे, आएज्जणामे, अणाएज्जणामे, जसोकित्तिणामे, अजसोकित्तिणामे, णिम्माणणामे, तित्थकरणामे। लवणे णं समुद्दे बायालीसं णागसाहस्सीओ अब्भितरियं वेलं धारंति। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए बिइए वग्गे बायालीसं उद्देसणकाला प०। एगमेगाए ओसप्पिणीए पंचमछट्ठीओ समाओ बायालीसं वाससहस्साइं कालेणं पण्णत्ता। एगमेगाए उस्सप्पिणीए पढमबीयाओ समाओ बायालीसं वाससहस्साइं कालेणं पण्णत्ता ॥ ४२ ॥ तेयालीसं कम्मविवागज्झयणा प०। पढमचउत्थपंचमासु पुढवीसु तेयालीसं णिरयावाससयसहस्सा प०। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं तेयालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउद्दिसिं पि दगभागे संखे दयसीमे। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे तेयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४३ ॥ चोयालीसं अज्झयणा इसिभासिया दियलोगचुयाभासिया प०। विमलस्स अरहओ णं चउयालीसं पुरिसजुगाइं अणुपिट्ठिं सिद्धाइं जाव प्पहीणाइं। धरणस्स णं णागिंदस्स णागरण्णो चोयालीसं भवणावाससयसहस्सा प०। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए चउत्थे वग्गे चोयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४४ ॥ समयखेत्ते णं पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। सीमंतए णं णरए पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। एवं उडुविमाणे वि। ईसिपब्भारा णं पुढवी एवं चेव। धम्मे णं अरहा पणयालीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। मंदरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसिं पि पणयालीसं-पणयालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। सव्वे वि णं दिवड्ढखेत्तिया णक्खत्ता पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा—तिण्णेव उत्तराइं, पुणव्वसू, रोहिणी विसाहा य। एए छ णक्खत्ता, पणयालमुहुत्तसंजोगा। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पंचमे वग्गे पणयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४५ ॥ दिट्ठिवायस्स णं छायालीसं माउयापया प०। बंभीए णं लिवीए छायालीसं माउयक्खरा प०। पभंजणस्स णं वाउकुमारिंदस्स छायालीसं भवणावाससयसहस्सा प० ॥ ४६ ॥

जया णं सूरिए सव्वब्भिंतरमंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणूसस्स सत्तचत्तालीसं जोयणसहस्सेहिं दोहि य तेवट्ठेहिं जोयणसएहिं एक्कवीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुफासं हव्वमागच्छइ। थेरे णं अग्गिभूई सत्त-चत्तालीसं वासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ ४७ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अडयालीसं पट्टणसहस्सा प०। धम्मस्स णं अरहओ अडयालीसं गणा अडयालीसं गणहरा होत्था। सूरमंडले णं अडयालीसं एकसट्ठिभागे जोयणस्स विक्खंभेणं प० ॥ ४८ ॥ सत्तसत्तमियाए णं भिक्खुपडिमाए एगूणपण्णाए राइंदिएहिं छण्णउइभिक्खासएणं अहासुत्तं जाव आराहिया भवइ। देवकुरुउत्तरकुरुएसु णं मणुया एगूणपण्णा राइंदिएहिं संपण्ण-जोव्वणा भवंति। तेइंदियाणं उक्कोसेणं एगूणपण्णा राइंदिया ठिई प० ॥४९॥ मुणि-सुव्वयस्स णं अरहओ पंचासं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। अणंते णं अरहा पण्णासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पुरिसुत्तमे णं वासुदेवे पण्णासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढा मूले पण्णासं-पण्णासं जोयणाणि विक्खंभेणं प०। लंतए कप्पे पण्णासं विमाणावाससहस्सा प०। सव्वाओ णं तिमिस्सगुहाखंडगप्पवा-यगुहाओ पण्णासं-पण्णासं जोयणाइं आयामेणं प०। सव्वे वि णं कंचणगपव्वया सिहरतले पण्णासं-पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ ५० ॥ णवण्हं बंभचेराणं एकावण्णं उद्देसणकाला प०। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो सभा सुहम्मा एकावण्णखंभसयसंणिविट्ठा प०। एवं चेव बलिस्स वि। सुप्पभे णं बलदेवे एकावण्णं वाससयसहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। दंसणावरण-णामाणं दोण्हं कम्माणं एकावण्णं उत्तरकम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ॥ ५१ ॥ मोह-णिज्जस्स णं कम्मस्स बावण्णं णामधेज्जा प०, तं०—कोहे, कोवे, रोसे, दोसे, अखमा, संजलणे, कलहे, चंडिक्के, भंडणे, विवाए, माणे, मदे, दप्पे, थंभे, अत्तुक्कोसे, गव्वे, परपरिवाए, अक्कोसे, अवक्कोसे (परिभवे), उण्णए, उण्णामे, माया, उवही, णियडी, वलए, गहणे, णूमे, कक्के, कुरुए, दंभे, कूडे, जिम्हे, किब्बिसे, अणायरणया, गूह-णया, वंचणया, पलिकुंचणया, साइजोगे, लोभे, इच्छा, मुच्छा, कंखा, गेही, तिण्हा, भिज्जा, अभिज्जा, कामासा, भोगासा, जीवियासा, मरणासा, णंदी, रागे। गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापा-यालस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं बावण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०।

एवं दगभासस्स णं केउगस्स संखस्स जूयगस्स दयसीमस्स ईसरस्स। णाणावरणिज्जस्स णामस्स अंतरायस्स एएसि णं तिण्हं कम्मपयडीणं बावण्णं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ। सोहम्मसणंकुमारमाहिंदेसु तिसु कप्पेसु बावण्णं विमाणावाससयसहस्सा प० ॥५२॥ देवकुरुउत्तरकुरुयाओ णं जीवाओ तेवण्णं तेवण्णं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं आयामेणं पण्णत्ताओ। महाहिमवंतरुप्पीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ तेवण्णं तेवण्णं जोयणसहस्साइं णव य एगतीसे जोयणसए छच्च एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं पण्णत्ताओ। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तेवण्णं अणगारा संवच्छरपरियाया पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा। संमुच्छिमउरपरिसप्पाणं उक्कोसेणं तेवण्णं वाससहस्सा ठिई प० ॥५३॥ भरहेरवएसु णं वासेसु एगमेगाए उस्सप्पिणीए ओसप्पिणीए चउवण्णं चउवण्णं उत्तमपुरिसा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, तं०—चउवीसं तित्थकरा बारस चक्कवट्टी णव बलदेवा णव वासुदेवा। अरहा णं अरिट्ठणेमी चउवण्णं राइंदियाइं छउमत्थपरियायं पाउणित्ता जिणे जाए केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी। समणे भगवं महावीरे एगदिवसेणं एगणिसिज्जाए चउप्पण्णाइं वागरणाइं वागरित्था। अणंतस्स णं अरहओ चउप्पण्णं गणहरा होत्था ॥५४॥ मल्लिस्स णं अरहओ [मल्ली णं अरहा] पणपण्णं वाससहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ विजयदारस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं पणपण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउद्दिसिं पि विजयवेजयंतजयंतअपराजियं ति। समणे भगवं महावीरे अंतिमराइयंसि पणपण्णं अज्झयणाइं कल्लाणफलविवागाइं पणपण्णं अज्झयणाइं पावफलविवागाइं वागरित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। पढमबिइयासु दोसु पुढवीसु पणपण्णं णिरयावाससयसहस्सा प०। दंसणावरणिज्जणामाउयाणं तिण्हं कम्मपयडीणं पणपण्णं उत्तरपयडीओ प० ॥ ५५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे छप्पण्णं णक्खत्ता चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा। विमलस्स णं अरहओ छप्पण्णं गणा छप्पण्णं गणहरा होत्था ॥ ५६ ॥ तिण्हं गणिपिडगाणं आयारचूलियावज्जाणं सत्तावण्णं अज्झयणा प० तं०—आयारे सूयगडे ठाणे। गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस णं सत्तावण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए

अंतरे प० । एवं दगभासस्स केउयस्स य संखस्स य जूयस्स य दयसीमस्स ईसरस्स य । मल्लिस्स णं अरहओ सत्तावण्णं मणपज्जवणाणिसया होत्था । महाहिमवंतरुप्पीणं वासहरपव्वयाणं जीवाणं धणुपिट्ठं सत्तावण्णं सत्तावण्णं जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेणउए जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं प० ॥ ५७ ॥ पढमदोच्चपंचमासु तिसु पुढवीसु अट्ठावण्णं णिरयावाससयसहस्सा प० । णाणावरणिज्जस्स वेयणियआउयणामअंतराइयस्स एएसि णं पंचण्हं कम्मपयडीणं अट्ठावण्णं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ । गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस णं अट्ठावण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउदिसिं पि णेयव्वं ॥ ५८ ॥ चंदस्स णं संवच्छरस्स एगमेगे उऊ एगूणसट्ठिं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं प० । संभवे णं अरहा एगूणसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे जाव पव्वइए । मल्लिस्स णं अरहओ एगूणसट्ठिं ओहिणाणिसया होत्था ॥५९॥ एगमेगे णं मंडले सूरिए सट्ठिए सट्ठिए मुहुत्तेहिं संघाइए । लवणस्स णं समुद्दस्स सट्ठिं णागसाहस्सीओ अग्गोदयं धारंति । विमले णं अरहा सट्ठिं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स सट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । बंभस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । सोहम्मीसाणेसु दोसु कप्पेसु सट्ठिं विमाणावाससयसहस्सा प० ॥ ६० ॥ पंचसंवच्छरियस्स णं जुगस्स रिउमासेणं मिज्जमाणस्स इगसट्ठिं उऊमासा प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स पढमे कंडे इगसट्ठिजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चंदमंडले णं एगसट्ठिविभागविभाइए समंसे प० । एवं सूरस्स वि ॥ ६१ ॥ पंचसंवच्छरिए णं जुगे बासट्ठिं पुण्णिमाओ बावट्ठिं अमावसाओ पण्णत्ताओ । वासुपुज्जस्स णं अरहओ बासट्ठिं गणा बासट्ठिं गणहरा होत्था । सुक्कपक्खस्स णं चंदे बासट्ठिं भागे दिवसे-दिवसे परिवड्ढइ, ते चेव बहुलपक्खे दिवसे-दिवसे परिहायइ । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु पढमे पत्थडे पढमावलियाए एगमेगाए दिसाए बासट्ठिं बासट्ठिं विमाणा प० । सव्वे वेमाणियाणं बासट्ठिं विमाणपत्थडा पत्थडग्गेणं प० ॥ ६२ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए तेसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं महारायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । हरिवासरम्मयवासेसु मणुस्सा तेसट्ठिए राइंदिएहिं संपत्तजोव्वणा भवंति । णिसढे णं पव्वए तेसट्ठिं सूरोदया प० । एवं

णीलवंते वि ॥ ६३ ॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव भवइ । चउसट्ठिं असुरकुमारावाससय-सहस्सा प० । चमरस्स णं रण्णो चउसट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । सव्वे वि दहिमुहाणं पव्वया पल्लासंठाणसंठिया सव्वत्थ समा विक्खंभुस्सेहेणं चउसट्ठिं जोयणसहस्साइं प० । सोहम्मीसाणेसु बंभलोए य तिसु कप्पेसु चउसट्ठिं विमाणा-वाससयसहस्सा प० । सव्वस्स वि य णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चउसट्ठिलट्ठीए महग्घे मुत्तामणि(मए)हारे प० ॥ ६४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे पणसट्ठिं सूरमंडला प० । थेरे णं मोरियपुत्ते पणसट्ठिवासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । सोहम्मवडिंसयस्स णं विमाणस्स एगमेगाए बाहाए पणसट्ठिं पणसट्ठिं भोमा प० ॥ ६५ ॥ दाहिणड्ढमाणुस्सखेत्ता णं छावट्ठिं चंदा पभा-सिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा । छावट्ठिं सूरिया तविंसु वा तवेंति वा तविस्संति वा । उत्तरड्ढमाणुस्सखेत्ता णं छावट्ठिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा । छावट्ठिं सूरिया तविंसु वा तवेंति वा तविस्संति वा । सेज्जंसस्स णं अरहओ छावट्ठिं गणा छावट्ठिं गणहरा होत्था । आभिणिबोहियणाणस्स णं उक्को-सेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६६ ॥ पंचसंवच्छरियस्स णं जुगस्स णक्खत्त-मासेणं मिज्जमाणस्स सत्तसट्ठिं णक्खत्तमासा प० । हेमवयएरण्णवयाओ णं बाहाओ सत्तसट्ठिं सत्तसट्ठिं जोयणसयाइं पणपण्णाइं तिण्णि य भागा जोयणस्स आयामेणं प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोयमदीवस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तसट्ठिं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । सव्वेसिं पि णं णक्खत्ताणं सीमाविक्खंभे णं सत्तसट्ठिं भागं भइए समंसे प० ॥६७॥ धायइसंडे णं दीवे अडसट्ठिं चक्कवट्टिविजया अडसट्ठिं रायहाणीओ प०। उक्कोसपए अडसट्ठिं अरहंता समुप्पज्जिंसु वा समुप्पज्जंति वा समुप्पज्जिस्संति वा । एवं चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा । पुक्खर-वरदीवड्ढे णं अडसट्ठिं विजया एवं चेव जाव वासुदेवा । विमलस्स णं अरहओ अडसट्ठिं समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था ॥ ६८ ॥ समयखित्ते णं मंदरवज्जा एगूणसत्तरिं वासा वासहरपव्वया प० तं जहा—पणतीसं वासा तीसं वासहरा चत्तारि उसुयारा । मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोय-मदीवस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं एगूणसत्तरिं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । मोहणिज्जवज्जाणं सत्तण्हं कम्मपयडीणं एगूणसत्तरिं उत्तरपयडीओ पण्ण-

त्ताओ ॥ ६९ ॥ समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे वइक्कंते सत्तरिएहिं राइंदिएहिं सेसेहिं वासावासं पज्जोसवेइ। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए सत्तरिं वासाइं बहुपडिपुण्णाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। वासुपुज्जे णं अरहा सत्तरिं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। मोहणिज्जस्सणं कम्मस्स सत्तरिं सागरोवमकोडाकोडीओ अबाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मणिसेगे प०। माहिंदस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सत्तरिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ ॥ ७० ॥ चउत्थस्स णं चंदसंवच्छरस्स हेमंताणं एक्कसत्तरीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं सव्वबाहिराओ मंडलाओ सूरिए आउट्टिं करेइ। वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स एक्कसत्तरिं पाहुडा प०। अजिते णं अरहा एक्कसत्तरिं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए। एवं सगरो वि राया चाउरंतचक्कवट्टी एक्कसत्तरिं पुव्व जाव पव्वइए त्ति ॥७१॥ बावत्तरिं सुवण्णकुमारावाससयसहस्सा प०। लवणस्स समुद्दस्स बावत्तरिं णागसाहस्सीओ बाहिरियं वेलं धारंति। समणे भगवं महावीरे बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। थेरे णं अयलभाया बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। अब्भिंतरपुक्खरद्धे णं बावत्तरिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, बावत्तरिं सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा। एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स बावत्तरिपुरवरसाहस्सीओ पण्णत्ताओ। बावत्तरि कलाओ प० तं०—लेहं, गणियं, रूवं, णट्टं, गीयं, वाइयं, सरगयं, पुक्खरगयं, समतालं, जूयं, जणवायं, पोरेवच्चं, अट्ठावयं, दगमट्टियं, अण्णविहीं, पाणविहीं, वत्थविहीं, सयणविहीं, अज्जं, पहेलियं, मागहियं, गाहं, सिलोगं, गंधजुत्तिं, मधुसित्थं, आभरणविहीं, तरुणीपडिकम्मं, इत्थीलक्खणं पुरिसलक्खणं, हयलक्खणं, गयलक्खणं, गोणलक्खणं, कुक्कुडलक्खणं, मिंढयलक्खणं, चक्कलक्खणं, छत्तलक्खणं, दंडलक्खणं, असिलक्खणं, मणिलक्खणं, कागणिलक्खणं, चम्मलक्खणं, चंदलक्खणं, सूरचरियं, राहुचरियं, गहचरियं, सोभागकरं, दोभागकरं, विज्जागयं, मंतगयं, रहस्सगयं, सभासं, चारं, पडिचारं, वूहं, पडिवूहं, खंधावारमाणं, णगरमाणं, वत्थुमाणं, खंधावारणिवेसं, वत्थुणिवेसं, णगरणिवेसं, ईसत्थं, छरुप्पवायं, आससिक्खं, हत्थिसिक्खं, धणुव्वेयं, हिरण्णपागं सुवण्णपागं मणिपागं धातुपागं, बाहुजुद्धं दंडजुद्धं मुट्ठिजुद्धं अट्ठिजुद्धं जुद्धं णिजुद्धं जुद्धाइं जुद्धं, सुत्तखेडं णालियाखेडं,वट्टखेडं,धम्मखेडं,चम्मखेडं,पत्तच्छेज्जं, कडग-

च्छेज्जं, सजीवं णिज्जीवं, सउणरुयं । संमुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं बावत्तरिं वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ७२ ॥ हरिवासरम्मयवासयाओ णं जीवाओ तेवत्तरिं तेवत्तरिं जोयणसहस्साइं णव य एगुत्तरे जोयणसए सत्तरस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स अद्धभागं च आयामेणं प० । विजए णं बलदेवे तेवत्तरिं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ॥ ७३ ॥ थेरे णं अग्गिभूई गणहरे चोवत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । णिसहाओ णं वासहरपव्वयाओ तिगिच्छिओ णं दहाओ सीओयामहाणईओ चोवत्तरिं जोयणसयाइं साहियाइं उत्तराहिमुही पवहित्ता वइरामयाए जिब्भियाए चउजोयणायामाए पण्णासजोयणविक्खंभाए वइरतले कुंडे महया घडमुहपवत्तिएणं मुत्तावलिहारसंठाणसंठिएणं पवाएणं महया सद्देणं पवडइ । एवं सीया वि दक्खिणाहिमुही भाणियव्वा । चउत्थवज्जासु छसु पुढवीसु चोवत्तरिं णरयावाससयसहस्सा प० ॥ ७४ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ पण्णत्तरिं जिणसया होत्था । सीयले णं अरहा पण्णत्तरिं पुव्वसहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । संती णं अरहा पण्णत्तरिवाससहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ ७५ ॥ छावत्तरिं विज्जुकुमारावाससयसहस्सा प० । एवं दीवदिसाउदहीणं, विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं । छण्हं पि जुगलयाणं, छावत्तरिं सयसहस्साइं ॥ ७६ ॥ भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्तहत्तरिं पुव्वसयसहस्साइं कुमारवासमज्झे वसित्ता महारायाभिसेयं संपत्ते । अंगवंसाओ णं सत्तहत्तरि रायाणो मुंडे जाव पव्वइया । गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्तहत्तरिं देवसहस्सपरिवारा प० । एगमेगे णं मुहुत्ते सत्तहत्तरिं लवे लवग्गेणं प० ॥७७॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणे महाराया अट्ठहत्तरीए सुवण्णकुमारदीवकुमारावाससयसहस्साणं आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महारायत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणे पालेमाणे विहरइ । थेरे णं अकंपिए अट्ठहत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । उत्तरायणणियट्टे णं सूरिए पढमाओ मंडलाओ एगूणचत्तालीसइमे मंडले अट्ठहत्तरिं एगसट्ठिभाए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढेत्ता णं चारं चरइ, एवं दक्खिणायणणियट्टे वि ॥ ७८ ॥ वलयामुहस्स णं पायालस्स हिट्ठिल्लाओ चरमंताओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं एगूणासिं जोयणस-

हस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं केउस्स वि जूयस्स वि ईसरस्स वि। छट्ठीए पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ छट्ठस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं एगूणासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बारस्स य बारस्स य एस णं एगूणासीइं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ७९ ॥ सेज्जंसे णं अरहा असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। तिविट्ठे णं वासुदेवे असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। अयले णं बलदेवे असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। तिविट्ठे णं वासुदेवे असीइवाससयसहस्साइं महाराया होत्था। आउबहुले णं कंडे असीइ जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं प०। ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो असीइ सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ। जंबुद्दीवे णं दीवे असीउत्तरं जोयणसयं ओगाहेत्ता सूरिए उत्तरकट्ठोवगए पढमं उदयं करेइ ॥८०॥ णवणवमिया णं भिक्खुपडिमा एक्कासीइ राइंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं (भिक्खासएहिं) अहासुत्तं जाव आराहिया। कुंथुस्स णं अरहओ एक्कासीइं मणपज्जवणाणिसया होत्था। विवाहपण्णत्तीए एकासीइं महाजुम्मसया प० ॥ ८१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे बासीयं मंडलसयं जं सूरिए दुक्खुत्तो संकमित्ता णं चारं चरइ, तं जहा–णिक्खममाणे य पविसमाणे य। समणे भगवं महावीरे बासीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए। महाहिमवंतस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं बासीइं जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प०। एवं रुप्पिस्स वि ॥ ८२ ॥ समणे भगवं महावीरे बासीइ राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेयासीइमे राइंदिए वट्टमाणे गब्भाओ गब्भं साहरिए। सीयलस्स णं अरहओ तेसीईं गणा तेसीईं गणहरा होत्था। थेरे णं मंडियपुत्ते तेसीइं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। उसभे णं अरहा कोसलिए तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए। भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता जिणे जाए केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी ॥८३॥ चउरासीइ णिरयावाससयसहस्सा प०। उसभे णं अरहा कोसलिए चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। एवं भरहो बाहुबली बंभी सुंदरी। सिज्जंसे णं अरहा चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। तिविट्ठे णं वासुदेवे चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णो। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो

चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । सव्वे वि णं बाहिरया मंदरा चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वे वि णं अंजणगपव्वया चउरासीइं-चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । हरिवासरम्मयवासियाणं जीवाणं धणुपिट्ठा चउरासीइं जोयणसहस्साइं सोलस जोयणाइं चत्तारि य भागा जोयणस्स परिक्खेवेणं प० । पंकबहुलस्स णं कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं चोरासीइं जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । विवाहपण्णत्तीए णं भगवईए चउरासीइं पयसहस्सा पदग्गेणं प० । चोरासीइं णागकुमारावाससयसहस्सा प० । चोरासीइं पइण्णगसहस्साइं पण्णत्ताइं । चोरासीइं जोणिप्पमुहसयसहस्सा प० । पुव्वाइयाणं सीसपहेलियापज्जवसाणाणं सट्ठाणट्ठाणंतराणं चोरासीए गुणकारे प० । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स चउरासीइ गणा चउरासीइ गहणरा होत्था । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स उसभसेणपामोक्खाओ चउरासीइ समणसाहस्सीओ होत्था । सव्वे वि चउरासीइ विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ॥ ८४ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स पंचासीइ उद्देसणकाला प० । धायइसंडस्स णं मंदरा पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । रुयए णं मंडलियपव्वए पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । णंदणवणस्स णं हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं पंचासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८५ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ छलसीइ गणा छलसीइ गणहरा होत्था । सुपासस्स णं अरहओ छलसीइ वाइसया होत्था । दोच्चाए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ दोच्चस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं छलसीइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८६ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तरिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं मंदरस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ संखस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चेव मंदरस्स उत्तरिल्लाओ चरमंताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहिणिल्ले

चरमंते एस णं सत्तासीई जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । छण्हं कम्मपयडीणं आइमउवरिल्लवज्जाणं सत्तासीई उत्तरपयडीओ प० । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ ८७ ॥ एगमेगस्स णं चंदिमसूरियस्स अट्ठासीइ अट्ठासीइ महग्गहा परिवारो प० । दिट्ठिवायस्स णं अट्ठासीइ सुत्ताइं पण्णत्ताइं, तं जहा—उज्जुसुयं परिणयापरिणयं एवं अट्ठासीइ सुत्ताणि भाणियव्वाणि जहा णंदीए । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउसु वि दिसासु णेयव्वं । बाहिराओ उत्तराओ णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगए अट्ठासीइ एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढेत्ता सूरिए चारं चरइ । दक्खिणकट्ठाओ णं सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगए अट्ठासीई एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ ॥८८॥ उसभे णं अरहा कोसलिए इमीसे ओसप्पिणीए तइयाए सुसमदूसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणणउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउत्थाए दूसमसुसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणणउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी एगूणणउइं वाससयाइं महाराया होत्था संतिस्स णं अरहओ एगूणणउई अज्जासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जासंपया होत्था ॥ ८९ ॥ सीयले णं अरहा णउइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अजियस्स णं अरहओ णउई गणा णउई गणहरा होत्था । एवं संतिस्स वि । सयंभुस्स णं वासुदेवस्स णउइ वासाइं विजए होत्था । सव्वेसि णं वट्टवेयड्ढपव्वयाणं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ सोगंधियकंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं णउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ९० ॥ एकाणउई परवेयावच्चकम्मपडिमाओ पण्णत्ताओ । कालोए णं समुद्दे एकाणउई जोयणसयसहस्साइं साहियाइं परिक्खेवेणं प० । कुंथुस्स णं अरहओ एकाणउई आहोहियसया होत्था । आउयगोयवज्जाणं छण्हं कम्मपयडीणं एकाणउई उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ ॥९१॥ बाणउई पडिमाओ पण्णत्ताओ । थेरे णं इंदभूई

चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । सव्वे वि णं बाहिरया मंदरा चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वे वि णं अंजणगपव्वया चउरासीइं-चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । हरिवासरम्मयवासियाणं जीवाणं धणुपिट्ठा चउरासीइं जोयणसहस्साइं सोलस जोयणाइं चत्तारि य भागा जोयणस्स परिक्खेवेणं प० । पंकबहुलस्स णं कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं चोरासीइं जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । विवाहपण्णत्तीए णं भगवईए चउरासीइं पयसहस्सा पदग्गेणं प० । चोरासीइं णागकुमारावाससयसहस्सा प० । चोरासीइं पइण्णगसहस्साइं पण्णत्ताइं । चोरासीइं जोणिप्पमुहसयसहस्सा प० । पुव्वाइयाणं सीसपहेलियापज्जवसाणाणं सट्ठाणट्ठाणंतराणं चोरासीए गुणकारे प० । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स चउरासीइ गणा चउरासीइ गहणरा होत्था । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स उसभसेणपामोक्खाओ चउरासीइ समणसाहस्सीओ होत्था । सव्वे वि चउरासीइ विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ॥ ८४ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स पंचासीइ उद्देसणकाला प० । धायइसंडस्स णं मंदरा पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । रुयए णं मंडलियपव्वए पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । णंदणवणस्स णं हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं पंचासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८५ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ छलसीइ गणा छलसीइ गणहरा होत्था । सुपासस्स णं अरहओ छलसीइ वाइसया होत्था । दोचाए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ दोच्चस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं छलसीइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८६ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पचत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तरिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीई जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं मंदरस्स पचत्थिमिल्लाओ चरमंताओ संखस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीई जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चेव मंदरस्स उत्तरिल्लाओ चरमंताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहिणिल्ले

चरमंते एस णं सत्तासीई जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । छण्हं कम्मपयडीणं आइमउवरिल्लवज्जाणं सत्तासीई उत्तरपयडीओ प० । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ ८७ ॥ एगमेगस्स णं चंदिमसूरियस्स अट्ठासीइ अट्ठासीइ महग्गहा परिवारो प० । दिट्ठिवायस्स णं अट्ठासीइ सुत्ताइं पण्णत्ताइं, तं जहा—उज्जुसुयं परिणयापरिणयं एवं अट्ठासीइ सुत्ताणि भाणियव्वाणि जहा णंदीए । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउसु वि दिसासु णेयव्वं । बाहिराओ उत्तराओ णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगए अट्ठासीइ एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढेत्ता सूरिए चारं चरइ । दक्खिणकट्ठाओ णं सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगए अट्ठासीई एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ ॥८८॥ उसभे णं अरहा कोसलिए इमीसे ओसप्पिणीए तइयाए सुसमदूसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणणउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउत्थाए दूसमसुसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणणउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी एगूणणउइं वाससयाइं महाराया होत्था संतिस्स णं अरहओ एगूणणउई अज्जासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जासंपया होत्था ॥ ८९ ॥ सीयले णं अरहा णउइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अजियस्स णं अरहओ णउई गणा णउई गणहरा होत्था । एवं संतिस्स वि । सयंभुस्स णं वासुदेवस्स णउइ वासाइं विजए होत्था । सव्वेसि णं वट्टवेयड्ढपव्वयाणं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ सोगंधियकंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं णउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ९० ॥ एकाणउई परवेयावच्चकम्मपडिमाओ पण्णत्ताओ । कालोए णं समुद्दे एकाणउई जोयणसयसहस्साइं साहियाइं परिक्खेवेणं प० । कुंथुस्स णं अरहओ एकाणउई आहोहियसया होत्था । आउयगोयवज्जाणं छण्हं कम्मपयडीणं एकाणउई उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ ॥९१॥ बाणाउई पडिमाओ पण्णत्ताओ । थेरे णं इंदभूई

बाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे। मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झ-देसभायाओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं बाणउइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउण्हं वि आवासपव्वयाणं ॥ ९२ ॥ चंदप्पहस्स णं अरहओ तेणउई गणा तेणउई गणहरा होत्था। संतिस्स णं अरहओ तेणउई चउद्दसपुव्विसया होत्था। तेणउइ मंडलगए णं सूरिए अइवट्टमाणे वा णिवट्टमाणे वा समं अहोरत्तं विसमं करेइ॥९३॥णिसहणीलवंतियाओ णं जीवाओ चउ-णउइ जोयणसहस्साइं एक्कं छप्पण्णं जोयणसयं दोण्णि य एगूणवीसइभागे जोयणस्स आयामेणं प०। अजियस्स णं अरहओ चउणउइ ओहिणाणिसया होत्था ॥ ९४ ॥ सुपासस्स णं अरहओ पंचाणउइ गणा पंचाणउइ गणहरा होत्था। जंबुद्दीवस्स णं दीव-स्स चरमंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइं पंचाणउइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता चत्तारि महापायालकलसा प० तं०—वलयामुहे केऊए जूयए ईसरे। लवणसमुद्दस्स उभओ पासं पि पंचाणउयं पंचाणउयं पदेसाओ उव्वेहुस्सेहपरिहाणीए प०। कुंथू णं अरहा पंचाणउइ वाससहस्साइं परमाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। थेरे णं मोरियपुत्ते पंचाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे ॥ ९५ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स छण्णउई छण्णउई गामकोडीओ होत्था। वाउकुमाराणं छण्णउइ भवणावाससयसहस्सा प०। ववहारिए णं दंडे छण्णउइ अंगुलाइं अंगुलमाणेणं। एवं धणू णालिया जुगे अक्खे मुसले वि हु। अब्भिंतरओ आइमुहुत्ते छण्णउइअंगुलछाए प० ॥ ९६ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चत्थिमि-ल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्ता-णउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं चउदिसिं पि। अट्ठण्हं कम्म-पयडीणं सत्ताणउइ उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ। हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी देसूणाई सत्ताणउइ वाससयाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए ॥ ९७ ॥ णंदणवणस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ पंडुयवणस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं अट्ठाणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्च-त्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठाणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउदिसिं पि। दाहिणभरह-ड्ढस्स णं धणुप्पिट्ठे अट्ठाणउइ जोयणसयाइं किंचूणाइं आयामेणं पण्णत्ते। उत्तराओ

णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे एगूणपण्णासइमे मंडलगए अट्ठाणउइ एकसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ। दक्खिणाओ णं कट्ठाओ सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे एगूणपण्णासइमे मंडलगए अट्ठाणउइ एकसट्ठिभाए मुहुत्तस्स रयणिखित्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ। रेवईपढमजेट्ठापज्जवसाणाणं एगूणवीसाए णक्खत्ताणं अट्ठाणउइ ताराओ तारग्गेणं पण्णत्ताओ ॥ ९८ ॥ मंदरे णं पव्वए णवणउइ जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ते। णंदणवणस्स णं पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ उत्तरिल्ले चरमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। उत्तरे पढमे सूरियमंडले णवणउइ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। दोच्चे सूरियमंडले णवणउइ जोयणसहस्साइं साहियाइं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। तइए सूरियमंडले णवणउइ जोयणसहस्साइं साहियाइं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अंजणस्स कंडस्स हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ वाणमंतरभोमेज्जविहाराणं उवरिमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ ९९ ॥ दसदसमिया णं भिक्खुपडिमा एगेणं राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहिया वि भवइ। सयभिसया णक्खत्ते एक्कसयतारे पण्णत्ते। सुविही पुप्फदंते णं अरहा एगं धणुसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए एक्कं वाससयं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। एवं थेरे वि अज्जसुहम्मे। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढपव्वया एगमेगं गाउयसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। सव्वे वि णं चुल्लहिमवंतसिहरीवासहरपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं कंचणगपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं उव्वेहेणं प० एगमेगं जोयणसयं मूले विक्खंभेणं प० ॥ १०० ॥ चंदप्पभे णं अरहा दिवड्ढं धणुसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। आरणे कप्पे दिवड्ढं विमाणावाससयं प०। एवं अच्चुए वि ॥ १०१ ॥ सुपासे णं अरहा दो धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं महाहिमवंतरुप्पीवासहरपव्वया दो-दो जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० दो-दो गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। जंबुद्दीवे णं दीवे दो

कंचणपव्वयसया प० ॥ १०२ ॥ पउमप्पभे णं अरहा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । असुरकुमाराणं देवाणं पासायवडिंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०३ ॥ सुमई णं अरहा तिण्णि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अरिट्ठणेमी णं अरहा तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । वेमाणियाणं देवाणं विमाणपागारा तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स भगवओ महावीरस्स तिण्णि सयाणि चोद्दसपुव्वीणं होत्था । पंचधणुसइयस्स णं अंतिमसारीरियस्स सिद्धिगयस्स साइरेगाणि तिण्णि धणुसयाणि जीवप्पदेसोगाहणा प० ॥ १०४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसयाइं चोद्दसपुव्वीणं संपया होत्था । अभिणंदणे णं अरहा अद्धुट्ठाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०५ ॥ संभवे णं अरहा चत्तारि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि णं णिसढणीलवंता वासहरपव्वया चत्तारि-चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वया णिसढणीलवंतवासहरपव्वयए णं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं पण्णत्ते । आणयपाणएसु दोसु कप्पेसु चत्तारि विमाणसया प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥१०६॥ अजिए णं अरहा अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सगरे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०७ ॥ सव्वे वि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वासहरकूडा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, मूले पंच-पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० । उसभे णं अरहा कोसलिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सोमणसगंधमादणविज्जुप्पभमालवंताणं वक्खारपव्वयाणं मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सव्वे वि णं णंदणकूडा बलकूडवज्जा पंच-पंच जोयण-

कंचणपव्वयसया प० ॥ १०२ ॥ पउमप्पभे णं अरहा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । असुरकुमाराणं देवाणं पासायवडिंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०३ ॥ सुमई णं अरहा तिण्णि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अरिट्ठणेमी णं अरहा तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । वेमाणियाणं देवाणं विमाणपागारा तिण्णि तिण्णि जोयण-सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स भगवओ महावीरस्स तिण्णि सयाणि चोद्दस-पुव्वीणं होत्था । पंचधणुसइयस्स णं अंतिमसारीरियस्स सिद्धिगयस्स साइरेगाणि तिण्णि धणुसयाणि जीवप्पदेसोगाहणा प० ॥ १०४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसा-दाणीयस्स अद्धुट्ठसयाइं चोद्दसपुव्वीणं संपया होत्था । अभिणंदणे णं अरहा अद्धुट्ठाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०५ ॥ संभवे णं अरहा चत्तारि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि णं णिसढणीलवंता वासहरपव्वया चत्तारि-चत्तारि जोयण-सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वया णिसढणीलवंतवासहरपव्वयए णं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं पण्णत्ते । आणयपाणएसु दोसु कप्पेसु चत्तारि विमाणसया प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥१०६॥ अजिए णं अरहा अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सगरे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०७ ॥ सव्वे वि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयण-सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वासहरकूडा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, मूले पंच-पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० । उसभे णं अरहा कोसलिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सोमणसगंधमादण-विज्जुप्पभमालवंताणं वक्खारपव्वयाणं मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सव्वे वि णं णंदणकूडा बलकूडवज्जा पंच-पंच जोयण-

सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सोहम्मी-साणेसु कप्पेसु विमाणा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०८ ॥ सणं-कुमारमाहिंदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चुल्लहिमवंत-कूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं छ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं सिहरीकूडस्स वि । पासस्स णं अरहओ छ सया वाईणं सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाई-संपया होत्था । अभिचंदे णं कुलगरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १०९ ॥ बंभलंतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त-सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेउव्वियसया होत्था । अरिट्ठणेमी णं अरहा सत्त वाससयाइं देसूणाइं केवलपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ महाहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं सत्त जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ ११० ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कंडे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमंतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स णं भगवओ महा-वीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसि-भद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स अट्ठ सयाइं वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाईसंपया होत्था॥ १११ ॥ आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा णव-णव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । णिसढकूडस्स णं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ णिसढस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस णं णव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं णीलवंतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे णं णव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे तारारूवे चारं चरइ । णिसढस्स णं वासहरपव्वयस्स उव-रिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कंडस्स बहुमज्झदे-

सभाए एस णं णव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं णीलवंतस्स वि ॥ ११२ ॥ सव्वे वि णं गेवेज्जविमाणे दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ते। सव्वे वि णं जमगपव्वया दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस-दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०, मूले दस-दस जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प०। एवं चित्तविचित्तकूडा वि भाणियव्वा। सव्वे वि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस-दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० मूले दस-दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०, सव्वत्थ समा पल्लगसंठाणसंठिया प०। सव्वे वि णं हरिहरिस्सहकूडा वक्खारकूडवज्जा दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, मूले दस-दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०। एवं बलकूडा वि णंदणकूडवज्जा। अरहा वि अरिट्ठणेमी दस वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। पासस्स णं अरहओ दस सयाइं जिणाणं होत्था। पासस्स णं अरहओ दस अंतेवासीसयाइं कालगयाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं। पउमद्दहपुंडरीयद्दहा य दस-दस जोयणसयाइं आयामेणं प० ॥ ११३ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं विमाणा एक्कारस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। पासस्स णं अरहओ इक्कारस सयाइं वेउव्वियाणं होत्था ॥११४॥ महापउममहापुंडरीयदहाणं दो-दो जोयणसहस्साइं आयामेणं प० ॥११५॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वइरकंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ लोहियक्खकंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं तिण्णि जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥११६॥ तिगिञ्छिकेसरिदहाणं चत्तारि-चत्तारि जोयणसहस्साइं आयामेणं पण्णत्ता ॥११७॥ धरणितले मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए रुयगणाभीओ चउदिसिं पंच पंच जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे मंदरपव्वए पण्णत्ते ॥ ११८ ॥ सहस्सारे णं कप्पे छ विमाणावाससहस्सा प० ॥ ११९ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणस्स कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ पुलगस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १२० ॥ हरिवासरम्मयाणं वासा अट्ठ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं वित्थरेणं प० ॥ १२१ ॥ दाहिणड्ढभरहस्स णं जीवा पाईणपडीणायया दुहओ समुद्दं पुट्ठा णव जोयणसहस्साइं आयामेणं प० ॥१२२॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं णव ओहिणाणसहस्साइं होत्था, मंदरे णं पव्वए धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पण्णत्ते ॥१२३॥ जंबूदीवे णं दीवे एगं जोयण-

सयसहस्सं आयामविक्खंभेणं प० ॥१२४॥ लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ १२५॥ पासस्स णं अरहओ तिण्णि सयसाहस्सीओ सत्तावीसं च सहस्साइं उक्कोसिया सावियासंपया होत्था ॥ १२६॥ धायइखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णत्ते ॥ १२७॥ लवणस्स णं समुद्दस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं पंच जोयण-सयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥१२८॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं रायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १२९॥ जंबूदीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ धायइखंडचक्क-वालस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १३०॥ माहिंदे णं कप्पे अट्ठ विमाणावाससयसहस्साइं पण्णत्ताइं ॥१३१॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं णव ओहिणाणिसहस्साइं होत्था ॥१३२॥ पुरिस-सीहे णं वासुदेवे दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता पंचमाए पुढवीए णेरइ-एसु णेरइयत्ताए उववण्णे ॥१३३॥ समणे भगवं महावीरे तित्थगरभवग्गहणाओ छट्ठे पोट्टिलभवग्गहणे एगं वासकोडिं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सहस्सारे कप्पे सव्वट्ठविमाणे देवत्ताए उववण्णे ॥ १३४॥ उसभसिरिस्स भगवओ चरिमस्स य महावीरवद्धमाणस्स एगा सागरोवमकोडाकोडी अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १३५॥

गणिपिडग

दुवालसंगे गणिपिडगे पण्णत्ते, तं जहा—आयारे, सूयगडे, ठाणे, समवाए, विवाहपण्णत्ती, णायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोव-वाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुए, दिट्ठिवाए। से किं तं आयारे? आयारे णं समणाणं णिग्गंथाणं आयारगोयरविणयवेणइयट्ठाणगमणचंकमणपमाण-जोगजुंजणभासासमिइगुत्तीसेज्जोवहिभत्तपाणउग्गमउप्पायणएसणाविसोहिसुद्धासुद्ध-ग्गहणवयणियमतवोवहाणसुप्पसत्थमाहिज्जइ। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा—णाणायारे, दंसणायारे चरित्तायारे, तवायारे, विरियायारे। आयारस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए पढमे अंगे दो सुय-क्खंधा, पणवीसं अज्झयणा, पंचासीइं उद्देसणकाला, पंचासीइं समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा,

परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया । एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से त्तं आयारे ॥१३६॥ से किं तं सूयगडे ? सूयगडे णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, ससमयपरसमया सूइज्जंति, जीवा सूइज्जंति, अजीवा सूइज्जंति, जीवाजीवा सूइज्जंति, लोगो सूइज्जंति, अलोगो सूइज्जंति, लोगालोगो सूइज्जंति । सूयगडे णं जीवाजीवपुण्णपावासवसंवरणिज्जरण-बंधमोक्खावसाणा पयत्था सूइज्जंति । समणाणं अचिरकालपव्वइयाणं कुसमयमोह-मोहमइमोहियाणं संदेहजायसहजबुद्धिपरिणामसंसइयाणं पावकरमलिणमइगुणविसोह-णत्थं असीयस्स किरियावाइयसयस्स चउरासीए अकिरियवाईणं सत्तट्ठीए अण्णा-णियवाईणं बत्तीसाए वेणइयवाईणं तिण्हं तेवट्ठीणं अण्णदिट्ठियसयाणं वूहं किच्चा ससमए ठाविज्जइ णाणादिट्ठंतवयणणिस्सारं सुट्ठु दरिसयंता विविहवित्थराणुगम-परमसब्भावगुणविसिट्ठा मोक्खपहोयारगा उदारा अण्णाणतमंधकारदुग्गेसु दीवभूया सोवाणा चेव सिद्धिसुगइगिहुत्तमस्स णिक्खोभणिप्पकंपा सुत्तत्था । सुयगडस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए दोच्चे अंगे दो सुयक्खंधा तेवीसं अज्झयणा तेत्तीसं उद्देसणकाला तेत्तीसं समुद्देसणकाला छत्तीसं पयसहस्साइं पय-ग्गेणं पण्णत्ताइं, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से त्तं सूयगडे ॥ १३७ ॥ से किं तं ठाणे ? ठाणे णं ससमया ठाविज्जंति, परसमया ठाविज्जंति, ससमयपरसमया ठाविज्जंति, जीवा ठावि-ज्जंति, अजीवा ठाविज्जंति, जीवाजीवा ठाविज्जंति, लोगा ठाविज्जंति अलोगा ठाविज्जंति, लोगालोगा ठाविज्जंति, ठाणेणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपयत्थाणं—सेला सलिला य समुद्दा, सूरभवणविमाणआगरणईओ । णिहिओ पुरिसज्जाया, सरा य गोत्ता य जोइसंचाला ॥ १ ॥ एक्कविहवत्तव्वयं दुविह जाव दसविहवत्तव्वयं जीवाण

पोग्गलाण य लोगट्ठाइं च णं परूवणया आघविज्जंति। ठाणस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झयणा, एक्कवीसं उद्देसणकाला, एक्कवीसं समुद्देसणकाला, बावत्तरिं पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ताइं। संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं ठाणे ॥ १३८॥ से किं तं समवाए? समवाए णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, ससमयपरसमया सूइज्जंति, जाव लोगालोगा सूइज्जंति। समवाए णं एकाइयाणं एगट्ठाणं एगुत्तरियपरिवुड्ढीय, दुवालसंगस्स य गणिपिडगस्स पल्लवग्गे समणुगाइज्जइ ठाणगसयस्स, बारसविहवित्थरस्स सुयणाणस्स जगजीवहियस्स भगवओ समासेणं समायारे आहिज्जइ। तत्थ य णाणाविहप्पगारा जीवाजीवा य वण्णिया वित्थरेण, अवरे वि य बहुविहा विसेसा णरगतिरियमणुयसुरगणाणं आहारुस्सासलेसाआवाससंखआययप्पमाणउववायच्चवणओगाहणोवहिवेयणविहाणउवओगजोगइंदियकसाय, विविहा य जीवजोणी, विक्खंभुस्सेहपरिरयप्पमाणं विहिविसेसा य मंदराईणं महीधराणं, कुलगरतित्थगरगणहराणं सम्मत्तभरहाहिवाण चक्कीणं चेव चक्कहरहलहराण य, वासाण य णिगमा य समाए। एए अण्णे य एवमाइ एत्थ वित्थरेणं अत्था समाहिज्जंति। समवायस्स णं परित्ता वायणा जाव से णं अंगट्ठयाए चउत्थे अंगे एगे अज्झयणे एगे सुयक्खंधे एगे उद्देसणकाले एगे समुद्देसणकाले एगे चउयाले पयसयसहस्से पयग्गेणं पण्णत्ते। संखेज्जाणि अक्खराणि जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं समवाए ॥१३९॥ से किं तं वियाहे? वियाहेणं ससमया वियाहिज्जंति परसमया वियाहिज्जंति ससमयपरसमया वियाहिज्जंति, जीवा वियाहिज्जंति अजीवा वियाहिज्जंति जीवाजीवा वियाहिज्जंति, लोगे वियाहिज्जइ अलोगे वियाहिज्जइ लोगालोगे वियाहिज्जइ। वियाहेणं णाणाविहसुरणरिंदरायरिसिविविहसंसइयपुच्छियाणं जिणेणं वित्थरेणं भासियाणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपदेसपरिणामजहत्थियभावअणुगमणिक्खेवणयप्पमाणसुणिउणोवक्कमविविहप्प-

गारपगडपयासियाणं लोगालोगपयासियाणं संसारसमुद्दरुंदउत्तरणसमत्थाणं सुरवइ-संपूजियाणं भवियजणपयहिययाभिणंदियाणं तमरयविद्धंसणाणं सुदिट्ठदीवभूयईहा-मइबुद्धिवद्धणाणं छत्तीससहस्समणूणयाणं वागरणाणं दंसणाओ सुयत्थबहुविहप्पगारा सीसहियत्था य गुणहत्था। वियाहस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए पंचमे अंगे एगे सुयक्खंधे एगे साइरेगे अज्झयणसए दस उद्देसगसहस्साइं दस समुद्देसगसहस्साइं छत्तीसं वागरणसहस्साइं चउरासीई पयसहस्साइं पयग्गेणं प०। संखेज्जाइं अक्खराइं अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। से एवं आया से एवं णाया से एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं वियाहे।१४०। से किं तं णायाधम्मकहाओ? णायाधम्मकहासु णं णायाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढीविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायायाइं पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति जाव णायाधम्मकहासु णं पव्वइयाणं विणयकरणजिणसामिसासणवरे संजमपइण्णपालणधिइमइववसायदुब्बलाणं तवणियमतवोवहाणरणदुद्धरभरभग्गयणिस्सहयणिसिट्ठाणं घोरपरीसहपराजियाणं सहपारद्धरुद्धसिद्धालयमग्गणिग्गयाणं विसयसुहतुच्छआसावसदोसमुच्छियाणं विराहियचरित्तणाणदंसणजइगुणविविहप्पयारणिस्सारसुण्णयाणं संसारअपारदुक्खदुग्गइभवविविहपरंपरापवंचा। धीराण य जियपरिसहकसायसेण्णधिइधणियसंजमउच्छाहणिच्छियाणं आराहियणाणदंसणचरित्तजोगणिस्सल्लसुद्धसिद्धालयमग्गमभिमुहाणं सुरभवणविमाणसुक्खाइं अणोवमाइं भुत्तूण चिरं च भोगभोगाणि ताणि दिव्वाणि महरिहाणि तओ य कालक्कमचुयाणं जह य पुणो लद्धसिद्धिमग्गाणं अंतकिरिया। चलियाण य सदेवमाणुस्सधीरकरणकारणाणि बोधणअणुसासणाणि गुणदोसदरिसणाणि दिट्ठंते पच्चए य सोऊण लोगमुणिणो जहट्ठियसासणम्मि जरमरणणासणकरे आराहियसंजमा य सुरलोगपडिणियत्ता ओवेंति जह सासयं सिवं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। णाया-

धम्मकहासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे दो सुयक्खंधा एगूणवीसं अज्झयणा, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—चरिता य कप्पिया य, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच-पंच अक्खाइयासयाइं एगमेगाए अक्खाइयाए पंच-पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच-पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवमेव सपुव्वावरेणं अद्धुट्ठाओ अक्खाइयकोडीओ भवंतीति मक्खायाओ, एगूणतीसं उद्देसणकाला एगूणतीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता, संखेज्जा अक्खरा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं णायाधम्मकहाओ ॥ १४१ ॥ से किं तं उवासगदसाओ ? उवासगदसासु णं उवासयाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा उवासयाणं सीलव्वयवेरमणगुणपचक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणयाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणा पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपचक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपचायाया पुणो बोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। उवासगदसासु णं उवासयाणं रिद्धिविसेसा परिसा वित्थरधम्मसवणाणि बोहिलाभअभिगमसम्मत्तविसुद्धया थिरत्तं मूलगुणउत्तरगुणाइयारा ठिईविसेसा य बहुविसेसा पडिमाभिग्गहग्गहणपालणा उवसग्गाहियासणा णिरुवसग्गा य तवा य विचित्ता सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासा अपच्छिममारणंतिया य संलेहणाझोसणाहिं अप्पाणं जह य भावइत्ता बहूणि भत्ताणि अणसणाए य छेयइत्ता उववण्णा कप्पवरविमाणुत्तमेसु जह अणुभवंति सुरवरविमाणवरपोंडरीएसु सोक्खाइं अणोवमाइं कमेण भुत्तूण उत्तमाइं तओ आउक्खएणं चुया समाणा जह जिणमयंमि बोहिं लद्धूण य संजमुत्तमं तमरयोघविप्पमुक्का उवेंति जह अक्खयं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। उवासयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा दस उद्देसणकाला दससमुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता। संखेज्जाइं अक्खराइं जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं उवासगदसाओ ॥१४२॥ से किं तं अंतगडदसाओ ? अंतगडदसासु णं अंतगडाणं णगराइं

इड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुण बोहिलाहा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति । दुहविवागेसु णं पाणाइवायअलियवयणचोरिक्ककरणपरदारमेहुणससंगयाए महतिव्वकसायइंदियप्पमायपावप्पओयअसुहज्झवसाणसंचियाणं कम्माणं पावयाणं पावअणुभागफलविवागा णिरयगइतिरिक्खजोणिबहुविहवसणसयपरंपरापबद्धाणं मणुयत्ते वि आगयाणं जहा पावकम्मसेसेण पावगा होंति फलविवागा वहवसणविणासणासाकण्णुट्ठंगुट्ठकरचरणणहच्छेयणजिब्भच्छेयण-अंजण-कडग्गिदाहणगय चलणमलणफालणउल्लंबणसूललयालउडलट्ठिभंजणतउसीसगतत्ततेल्लकलकलअहिसिंचण-कुंभिपागकंपणथिरबंधण-वेहवज्झ-कत्तणपइभयकरकरपल्लीवणादिदारुणाणि दुक्खाणि अणोवमाणि । बहुविविहपरंपराणुबद्धा ण मुच्चंति पावकम्मवल्लीए, अवेयइत्ता हु णत्थि मोक्खो तवेण धिइधणियबद्धकच्छेण सोहणं तस्स वावि हुज्जा । एत्तो य सुहविवागेसु णं सीलसंजमणियमगुणतवोवहाणेसु साहुसु सुविहिएसु अणुकंपासयप्पओगतिकालमइविसुद्धभत्तपाणाइं पययमणसा हियसुहणीसेसतिव्वपरिणामणिच्छियमई पयच्छिऊणं पयोगसुद्धाइं जह य णिव्वत्तेंति उ बोहिलाभं जह य परित्तीकरेंति णरणरयतिरियसुरगमणविउलपरियट्टअरइभयविसायसोगमिच्छत्तसेलसंकडं अण्णाणयमंधकारं चिक्खिल्लसुदुत्तारं जरमरणजोणिसंखुभियचक्कवालं सोलसकसायसावयपयंडचंडं अणाइयं अणवयग्गं संसारसागरमिणं । जह य णिबंधंति आउगं सुरगणेसु जह य अणुभवंति सुरगणविमाणसोक्खाणि अणोवमाणि तओ य कालंतरे चुयाणं इहेव णरलोगमागयाणं आउवपु वण्णरूव-जाइकुल-जम्मआरोग्ग-बुद्धि-मेहाविसेसा मित्तजण-सयण-धणधण्णविभवसमिद्धसारसमुदयविसेसा बहुविहकामभोगुब्भवाण सोक्खाण सुहविवागोत्तमेसु अणुवरयपरंपराणुबद्धा असुभाणं सुभाणं चेव कम्माणं भासिआ बहुविहा विवागा विवागसुयम्मि भगवया जिणवरेण संवेगकारणत्था अण्णे वि य एवमाइया बहुविहा वित्थरेणं अत्थपरूवणया आघविज्जंति । विवागसुअस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए एक्कारसमे अंगे वीसं अज्झयणा वीसं उद्देसणकाला वीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता । संखेज्जाणि अक्खराणि अणंता गमा

अणंता पज्जवा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं विवागसुए ॥ १४६ ॥ से किं तं दिट्ठिवाए ? दिट्ठिवाए णं सव्वभावपरूवणया आघविज्जंति। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा—परिकम्मं, सुत्ताइं, पुव्वगयं, अणुओगो, चूलिया। से किं तं परिकम्मे ? परिकम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा—सिद्धसेणियापरिकम्मे, मणुस्ससेणियापरिकम्मे, पुट्ठसेणियापरिकम्मे, ओगाहणसेणियापरिकम्मे, उवसंपज्जसेणियापरिकम्मे, विप्पजहसेणियापरिकम्मे, चुयाचुयसेणियापरिकम्मे। से किं तं सिद्धसेणियापरिकम्मे ? सिद्धसेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे प०, तं०—माउयापयाणि, एगट्ठियपयाणि, पाओट्ठपयाणि, आगासपयाणि, केउभूयं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूयं, पडिग्गहो, संसारपडिग्गहो, णंदावत्तं, सिद्धबद्धं, से त्तं सिद्धसेणियापरिकम्मे। से किं तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे ? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे प०, तं०—ताइं चेव माउयापयाणि जाव णंदावत्तं मणुस्सबद्धं, से त्तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे। अवसेसाइं परिकम्माइं पुट्ठाइयाइं एक्कारसविहाइं पण्णत्ताइं। इच्चेयाइं सत्त परिकम्माइं, छ ससमइयाइं सत्त आजीवियाइं, छ चउक्कणइयाइं सत्त तेरासियाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं सत्त परिकम्माइं तेसीति भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं परिकम्माइं। से किं तं सुत्ताइं ? सुत्ताइं अट्ठासीति भवंतीति मक्खायाइं, तं०—उज्जुगं परिणयापरिणयं बहुभंगियं विप्पच्चइयं [विण (ज) यचरियं] अणंतरं परंपरं समाणं संजूहं [मासाणं] संभिण्णं अहाच्चयं [अहव्वायं-णंदीए] सोवत्थियं (वत्तं यं) णंदावत्तं बहुलं पुट्ठापुट्ठं वियावत्तं एवंभूयं दुआवत्तं वत्तमाणप्पयं समभिरूढं सव्वओभद्दं पणामं [पस्सासं—णंदीए] दुपडिग्गहं। इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं छिण्णछेयणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं अछिण्णछेयणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीति सुत्ताइं भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं सुत्ताइं। से किं तं पुव्वगयं ? पुव्वगयं चउद्दसविहं पण्णत्तं, तं जहा—उप्पायपुव्वं, अग्गेणीयं, वीरियं, अत्थिणत्थिप्पवायं, णाणप्पवायं, सच्चप्पवायं, आयप्पवायं, कम्मप्पवायं, पच्चक्खाणप्पवायं, विज्जाणुप्पवायं अवंझं, पाणाऊ, किरियाविसालं, लोगबिंदुसारं। उप्पायपुव्वस्स णं दसवत्थू पण्णत्ता, चत्तारि चूलियावत्थू पण्णत्ता। अग्गेणियस्स

णं पुव्वस्स चोद्दसवत्थू प०, बारस चूलियावत्थू प० । वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठ वत्थू प०, अट्ठ चूलियावत्थू प० । अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठारस वत्थू प०, दस चूलियावत्थू प० । णाणप्पवायस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प० । सच्चप्पवायस्स णं पुव्वस्स दो वत्थू प० । आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स सोलस वत्थू प० । कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू प० । पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प० । विज्जाणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पणरस वत्थू प० । अवंझस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प० । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प० । किरियाविसालस्स णं पुव्वस्स तीसं वत्थू प० । लोयबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प० । "दस चोद्दस अट्ठट्ठारसे व बारस दुवे य वत्थूणि । सोलस तीसा वीसा पण्णरस अणुप्पवायम्मि ॥ बारस एक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि । तीसा पुण तेरसमे चउदसमे पण्णवीसाओ । चत्तारि दुवालस अट्ठ चेव दस चेव चूलवत्थूणि । आइल्लाण चउण्हं, सेसाणं चूलिया णत्थि" से त्तं पुव्वगयं । से किं तं अणुओगे ? अणुओगे दुविहे प०, तं० मूलपढमाणुओगे य गंडियाणुओगे य । से किं तं मूलपढमाणुओगे ? एत्थ णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा देवलोगगमणाणि आउं चवणाणि जम्मणाणि य अभिसेया रायवरसिरीओ सीयाओ पव्वज्जाओ तवा य भत्ता केवलणाणुप्पाया य तित्थपवत्तणाणि य संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउं वण्णविभागो सीसा गणा गणहरा य अज्जा पवत्तणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं वावि परिमाणं जिणमणपज्जवओहिणाणसम्मत्तसुयणाणिणो य वाई अणुत्तरगई य जत्तिया सिद्धा पाओवगया य जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं छेयइत्ता अंतगडा मुणिवरुत्तमा तमरओघविप्पमुक्का सिद्धिपहमणुत्तरं च पत्ता, एए अण्णे य एवमाइया भावा मूलपढमाणुओगे कहिया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं मूलपढमाणुओगे । से किं तं गंडियाणुओगे ? गंडियाणुओगे अणेगविहे प०, तं०—कुलगरगंडियाओ तित्थगरगंडियाओ गणहरगंडियाओ चक्कहरगंडियाओ दसारगंडियाओ बलदेवगंडियाओ वासुदेवगंडियाओ हरिवंसगंडियाओ भद्दबाहुगंडियाओ तवोकम्मगंडियाओ चित्तंतरगंडियाओ उस्सप्पिणीगंडियाओ ओसप्पिणीगंडियाओ अमरणरतिरियणिरयगइगमणविविहपरियट्टणाणुओगे, एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं गंडियाणुओगे । से किं तं चूलियाओ ? जण्णं आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलियाओ सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, से त्तं चूलियाओ । दिट्ठिवायस्स

णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्टयाए बारसमे अंगे एगे सुयक्खंधे चउद्दस पुव्वाइं संखेज्जा वत्थू संखेज्जा चूलवत्थू संखेज्जा पाहुडा संखेज्जा पाहुडपाहुडा संखेज्जाओ पाहुडियाओ संखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पण्णत्ता, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति, एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति, से त्तं दिट्ठिवाए, से त्तं दुवालसंगे गणिपिडगे।१४७। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिंसु, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णे काले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्संति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं वीईवइंसु, एवं पडुप्पण्णेऽवि, एवं अणागएऽवि। दुवालसंगे णं गणिपिडगे ण कयाइ णासी, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य (अयले) धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे। से जहा णामए पंच अत्थिकाया ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य, (अयला) धुवा णिइया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा, एवामेव दुवालसंगे गणिपिडगे ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य (अयले) धुवे जाव अवट्ठिए णिच्चे। एत्थ णं दुवालसंगे गणिपिडगे अणंता भावा अणंता अभावा अणंता हेऊ अणंता अहेऊ अणंता कारणा अणंता अकारणा अणंता जीवा अणंता अजीवा अणंता भवसिद्धिया अणंता अभवसिद्धिया अणंता सिद्धा अणंता असिद्धा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। एवं दुवालसंगं गणिपिडगं इति ॥१४८॥

जीवरासी अजीवरासी

दुवे रासी पण्णत्ता, तं जहा—जीवरासी अजीवरासी य। अजीवरासी दुविहा

पण्णत्ता, तं जहा—रूवी अजीवरासी अरूवी अजीवरासी य। से किं तं अरूवी अजीवरासी ? अरूवी अजीवरासी दसविहा पण्णत्ता तं जहा—धम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए। रूवी अजीवरासी अणेगविहा प० जाव। से किं तं अणुत्तरोववाइआ ? अणुत्तरोववाइआ पंचविहा प० तं जहा–विजयवेजयंतजयंतअपराजियसव्वट्ठसिद्धिया, से त्तं अणुत्तरोववाइआ, से त्तं पंचिंदियसंसारसमावण्णजीवरासी। दुविहा णेरइया प० तं० पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिय त्ति। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए केवइयं खेत्तं ओगाहेत्ता केवइया णिरयावासा प० ? गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं तीसं णिरयावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खाया। ते णं णिरयावासा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा जाव असुभा णिरया असुभाओ णिरएसु वेयणाओ, एवं सत्त वि भाणियव्वाओ जं जासु जुज्जइ–आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं तहेव वीसं च। अट्ठारस सोलसगं अट्ठुत्तरमेव बाहल्लं ॥ १ ॥ तीसा य पण्णवीसा पण्णरस दसेव सयसहस्साइं। तिण्णेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा णरगा ॥ २ ॥ चउसट्ठी असुराणं चउरासीइं च होइ णागाणं। बावत्तरिं सुवण्णाणं वाउकुमाराण छण्णउई ॥ ३ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हं पि जुवलयाणं बावत्तरिमो य सयसहसा (स्सा) ॥ ४ ॥ बत्तीसट्ठावीसा बारस अड चउरो य सयसहस्सा। पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥५॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिण्णि। सत्त विमाणसयाइं चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥ ६ ॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए। सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ७ ॥ दोच्चाए णं पुढवीए तच्चाए णं पुढवीए चउत्थीए पुढवीए पंचमीए पुढवीए छट्ठीए पुढवीए सत्तमाए पुढवीए गाहाहिं भाणियव्वा। सत्तमाए पुढवीए पुच्छा, गोयमा! सत्तमाए पुढवीए अट्ठुत्तरजोयणसयसहस्साइं बाहल्लाए उवरि अद्धतेवण्णं जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता हेट्ठा वि अद्धतेवण्णं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तिसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं सत्तमाए पुढवीए णेरइयाणं पंच अणुत्तरा महइमहालय महाणिरया प० तं जहा–काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे णामं पंचमे ते णं णिरया वट्टे य तंसा य अहे खुरप्पसंठाणसंठिया जाव असुभा णरगा असु

भाओ णरएसु वेयणाओ ॥ १४९ ॥ केवइया णं भंते ! असुरकुमारावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए चउसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा प० । ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा अहे पोक्खरकण्णियासंठाणसंठिया उक्किण्णंतरविउलगंभीरखायफलिहा अट्टालयचरियदारगोउरकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा जंतमुसलमुसंढिसयग्घिपरिवारिया अउज्झा अडयालकोट्ठयरइया अडयालकयवणमाला लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिण्णपंचंगुलितला कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघेंतगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टिभूया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सप्पभा समिरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । एवं जं जस्स कमई तं तस्स जं जं गाहाहिं भणियं तह चेव वण्णओ ॥ १५० ॥ केवइया णं भंते ! पुढविकाइयावासा प० गोयमा ! असंखेज्जा पुढवीकाइयावासा प० एवं जाव मणुस्स त्ति । केवइया णं भंते ! वाणमंतरावासा प० गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जा णगरावाससयसहस्सा प०, ते णं भोमेज्जा णगरा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा, एवं जहा भवणवासीणं तहेव णेयव्वा, णवरं पडागमालाउला सुरम्मा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥१५१॥ केवइया णं भंते ! जोइसियाणं विमाणावासा पण्णत्ता ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्तणउयाइं जोयणसयाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दसुत्तरजोयणसयबाहल्ले तिरियं जोइसविसए जोइसियाणं देवाणं असंखेज्जा जोइसियविमाणावासा प०, ते णं जोइसियविमाणावासा अब्भुग्गयमूसियपहसिया विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागछत्ताइछत्तकलिया तुंगा गगणतलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियाया वियसियसयपत्तपुंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ता अंतो बाहिं च सण्हा तवणिज्जवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिज्जा अभि०॥ १५२ ॥ केवइया णं भंते !

वेमाणियावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं वीइवइत्ता बहूणि जोयणाणि बहूणि जोयणसयाणि बहूणि जोयणसहस्साणि बहूणि जोयणसयसहस्साणि बहुइओ जोयणकोडीओ बहुइओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं वीइवइत्ता एत्थ णं विमाणियाणं देवाणं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंद-बंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुएसु गेवेज्जमणुत्तरेसु य चउरासीइं विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खाया, ते णं विमाणा अच्चिमालिप्पभा भासरासिवण्णाभा अरया णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा घट्ठा मट्ठा णिप्पंका णिक्कंकडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावासा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं ईसाणाइसु अट्ठावीसं बारस अट्ठ चत्तारि एयाइं सयसहस्साइं पण्णासं चत्ता-लीसं छ एयाइं सहस्साइं आणए पाणए चत्तारि आरणच्चुए तिण्णि एयाणि सयाणि, एवं गाहाहिं भाणियव्वं ॥ १५३ ॥ णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अपज्जत्तगाणं णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतो-मुहुत्तूणाइं । उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए एवं जाव विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कत्तीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । सव्वट्ठे अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १५४ ॥ कइ णं भंते सरीरा प० ? गोयमा ! पंच सरीरा प०, तं०—ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए । ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ! गोयमा पंचविहे प०, तं०—एगिंदियओरालियसरीरे जाव गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरे य । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलअसंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, एवं जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियपमाणं तहा णिरवसेसं, एवं जाव मणुस्से त्ति उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं ।

कइविहे णं भंते ! वेउव्वियसरीरे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते—एगिंदिय-वेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरे य, एवं जाव सणंकुमारे आढत्तं जाव अणुत्तराणं भवधारणिज्जा जाव तेसिं रयणी-रयणी परिहायइ। आहारयसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! एगाकारे प०। जइ एगाकारे प० किं मणुस्स-आहारयसरीरे अमणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! मणुस्सआहारयसरीरे णो अमणु-स्सआहारयसरीरे, एवं जइ मणुस्सआहारयसरीरे किं गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारय-सरीरे संमुच्छिममणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारय-सरीरे णो संमुच्छिममणुस्सआहारयसरीरे। जइ गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे किं कम्मभूमिगा० अकम्मभूमिगा० ? गोयमा ! कम्मभूमिगा० णो अकम्मभूमिगा०। जइ कम्मभूमिगा० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ? संखे-ज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय०। जइ संखेज्जवासाउय० किं पज्जत्तय० अपज्जत्तय० ? गोयमा ! पज्जत्तय० णो अपज्जत्तय०। जइ पज्जत्तय० किं सम्मदिट्ठी० मिच्छदिट्ठी० सम्मामिच्छदिट्ठी० ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी० णो मिच्छ-दिट्ठी० णो सम्मामिच्छदिट्ठी०। जइ सम्मदिट्ठी० किं संजय० असंजय० संजया-संजय० ? गोयमा ! संजय० णो असंजय० णो संजयासंजय०। जइ संजय० किं पमत्तसंजय० अपमत्तसंजय० ? गोयमा ! पमत्तसंजय० णो अपमत्तसंजय०। जइ पमत्तसंजय० किं इड्ढिपत्त० अणिड्ढिपत्त० ? गोयमा ! इड्ढिपत्त० णो अणिड्ढिपत्त० वयणा विभाणियव्वा आहारयसरीरे समचउरंससंठाणसंठिए। आहारयसरीरस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं देसूणा रयणी उक्कोसेणं पडि-पुण्णा रयणी। तेयासरीरे णं भंते ! कइविहे प० ! गोयमा ! पंचविहे प०—एगिंदियतेयासरीरे वितिचउपंच० एवं जाव गेवेज्जस्स णं भंते ! देवस्स णं मार-णंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स समाणस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जहण्णेणं अहे जाव विज्जाहरसेढीओ उक्कोसेणं जाव अहोलोइयग्गामाओ, उड्ढं जाव सयाइं विमाणाइं, तिरियं जाव मणुस्सखेत्तं, एवं जाव अणुत्तरोववाइया। एवं कम्मयसरीरं भाणियव्वं ॥१५५॥ भेय विसयसंठाणे, अब्भिंतर बाहिरे य देसोही। ओहिस्स वुड्ढिहाणी, पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ १ ॥ १५६ ॥ कइविहे णं भंते ! ओही प० ? गोयमा ! दुविहा

अणिट्ठा अकंता अप्पिया अणाएज्जा असुभा अमणुण्णा अमणामा अमणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति। असुरकुमाराणं भंते! किंसंघयणी प० ? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारू जे पोग्गला इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणामा मणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढवीकाइया णं भंते! किंसंघयणी प० ? गोयमा! छेवट्ठसंघयणी प०, एवं जाव संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिय त्ति। गब्भवक्कंतिया छव्विहसंघयणी, संमुच्छिममणुस्सा छेवट्ठसंघयणी, गब्भवक्कंतियमणुस्सा छव्विहे संघयणे प०। जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य ॥ १६३ ॥ कइविहे णं भंते! संठाणे पण्णत्ते ? गोयमा छव्विहे संठाणे पण्णत्ते, तं जहा—समचउरंसे १ णिग्गोहपरिमंडले २ साइए ३ वामणे ४ खुज्जे ५ हुंडे ६। णेरइया णं भंते! किंसंठाणी प० ? गोयमा! हुंडसंठाणी प०। असुरकुमारा णं भंते! किंसंठाणी प० ? गोयमा! समचउरंससंठाणसंठिया प०, एवं जाव थणियकुमारा। पुढवी मसूरसंठाणा प०, आऊ थिबुयसंठाणा प०, तेऊ सूइकलावसंठाणा प०, वाऊ पडागासंठाणा प०, वणस्सई णाणासंठाणसंठिया प०, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिय-संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खा हुंडसंठाणा प०, गब्भवक्कंतिया छव्विहसंठाणा प०, संमुच्छिममणुस्सा हुंडसंठाणसंठिया प०, गब्भवक्कंतियाणं मणुस्साणं छव्विहा संठाणा प०। जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया वि ॥ १६४ ॥ कइविहे णं भंते! वेए पण्णत्ते ? गोयमा! तिविहे वेए प०, तं जहा—इत्थीवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए। णेरइया णं भंते! किं इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया प० ? गोयमा! णो इत्थीवेया णो पुरिसवेया णपुंसगवेया प०। असुरकुमारा णं भंते! किं इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया ? गोयमा! इत्थीवेया पुरिसवेया णो णपुंसगवेया, जाव थणियकुमारा, पुढवी-आऊ-तेऊ-वाऊ-वणस्सई बितिचउरिंदियसंमुच्छिमपंचिंदिय-तिरिक्खसंमुच्छिममणुस्सा णपुंसगवेया, गब्भवक्कंतियमणुस्सा पंचिंदियतिरिया य तिवेया, जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरा जोइसियवेमाणिया वि ॥ १६५ ॥

कुलगर-तित्थयराइ

ते णं काले णं ते णं समए णं कप्पस्स समोसरणं णेयव्वं, जाव गणहरा सावच्चा णिरवच्चा वोच्छिण्णा ॥१६६॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तं०—मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे। विमलघोसे सुघोसे

य, महाघोसे य सत्तमे ॥ १ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए ओसप्पिणीए दस कुलगरा होत्था, तं०—सयंजले सयाऊ य, अजियसेणे अणंतसेणे य। कज्ज· सेणे भीमसेणे, महाभीमसेणे य सत्तमे ॥ २ ॥ दढरहे दसरहे सयरहे ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए समाए सत्त कुलगरा होत्था, तं०— पढमेत्थ विमलवाहण [चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे। तत्तो य पसेणईए मरुदेवे चेव णाभी य ॥ ३ ॥] एएसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारिया होत्था, तं०— चंदजसा चंदकंता [सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य। सिरिकंता मरुदेवी कुलगरपत्तीण णामाइं ॥ ४ ॥] १६७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थयराणं पियरो होत्था, तं०-णाभी य जियसत्तू य [जियारी संवरे इय। मेहे धरे पइट्ठे य महसेणे य खत्तिए ॥५॥ सुग्गीवे दढरहे विण्हू वसुपुज्जे य खत्तिए। कयवम्मा सीहसेणे भाणू विस्ससेणे इय ॥६॥ सूरे सुदंसणे कुंभे, सुमित्तविजए समुद्दविजए य। राया य आससेणे य सिद्धत्थेच्चिय खत्तिए ॥ ७ ॥] उदितोदियकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहिं उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं एए पियरो जिणवराणं ॥ ८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउ· वीसं तित्थयराणं मायरो होत्था, तं०—मरुदेवी विजया सेणा [सिद्धत्था मंगला सुसीमा य। पुहवी लक्खणा रामा णंदा विण्हू जया सामा ॥ ९ ॥ सुजसा सुव्वय अइरा सिरिया देवी पभावई पउमा। वप्पा सिवा य वामा तिसला देवी य जिण· माया ॥ १० ॥] १६८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउ· वीसं तित्थयरा होत्था, तं०—उसभ अजिय संभव अभिणंदण सुमइ पउमप्पह सुपास चंदप्पह सुविहि=पुप्फदंत सीयल सिज्जंस वासुपुज्ज विमल अणंत धम्म संति कुंथु अर मल्लि मुणिसुव्वय णमि णेमि पास वद्धमाणो य ॥ १६९ ॥ एएसिं चउवी· साए तित्थयराणं चउव्वीसं पुव्वभवया णामधेया होत्था, तं०—पढमेत्थ वइर· णाभे विमले तह विमलवाहणे चेव। तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह धम्ममित्ते य ॥ ११ ॥ सुंदरबाहु तह दीहबाहु जुगबाहू य लट्ठबाहू य। दिण्णे य इंददत्ते सुंदर माहिंदरे चेव ॥ १२ ॥ सीहरहे मेहरहे रुप्पी य सुदंसणे य बोद्धव्वे। तत्तो य णंदणे खलु सीहगिरी चेव वीसइमे ॥ १३ ॥ अदीणसत्तु संखे सुदंसणे णंदणे य बोद्धव्वे। ओसप्पिणीए एए तित्थयराणं तु पुव्वभवा ॥ १४ ॥ १७० ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं सीयाओ होत्था, तं जहा-सीया सुदंसणा सुप्पभा य सिद्धत्थ सुप्पसिद्धा य। विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया चेव ॥ १५ ॥

अरुणप्पभ चंदप्पभ सूरप्पह अग्गि सुप्पभा चेव। विमला य पंचवण्णा सागरदत्ता य णागदत्ता य ॥ १६ ॥ अभयकर णिव्वुइकरा मणोरमा तह मणोहरा चेव। देवकुरुत्तरकुरा विसाल चंदप्पभा सीया ॥ १७ ॥ एयाओ सीयाओ सव्वेसिं चेव जिणवरिंदाणं। सव्वजगवच्छलाणं सव्वोउयसुभाए छायाए ॥१८॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्टु (ह्ठ) रोमकूवेहिं। पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंदणागिंदा ॥ १९ ॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी। सुरअसुरवंदियाणं वहंति सीयं जिणंदाणं ॥२०॥ पुरओ वहंति देवा णागा पुण दाहिणम्मि पासम्मि। पच्चत्थिमेण असुरा गरुला पुण उत्तरे पासे ॥ २१ ॥ उसभो य विणीयाए बारवईए अरिट्ठवरणेमी। अवसेसा तित्थयरा णिक्खंता जम्मभूमीसु ॥ २२ ॥ सव्वे वि एगदूसेण [णिग्गया जिणवरा चउव्वीसं। ण य णाम अण्णलिंगे ण य गिहिलिंगे कुलिंगे य ॥ २३ ॥] एक्को भगवं वीरो [पासो मल्ली य तिहि-तिहि सएहिं। भगवं पि वासुपुज्जो छहिं पुरिससएहिं णिक्खंतो ॥ २४ ॥] उग्गाणं भोगाणं राइण्णाणं [च खत्तियाणं च। चउहि सहस्सेहिं उसभो सेसा उ सहस्सपरिवारा ॥ २५ ॥] सुमइत्थ णिच्चभत्तेण [णिग्गओ वासुपुज्ज चोत्थेणं। पासो मल्ली य अट्ठमेण सेसा उ छट्ठेणं ॥ २६ ॥] एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पढमभिक्खादायारो होत्था, तं०—सिज्जंस बंभदत्ते सुरिंददत्ते य इंददत्ते य। पउमे य सोमदेवे माहिंदे तह सोमदत्ते य। पुस्से पुणव्वसू पुण्णणंद सुणंदे जये य विजये य। तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह वग्गसीहे य ॥ २७ ॥ अपराजिय विस्ससेणे वीसइमे होइ उसभसेणे य। दिण्णे वरदत्ते धणे बहुले य आणुपुव्वीए ॥ २८ ॥ एए विसुद्धलेसा जिणवरभत्तीइ पंजलिउडा उ। तं कालं तं समयं पडिलाभेई जिणवरिंदे ॥ २९ ॥ संवच्छरेण भिक्खा लद्धा उसभेण लोयणाहेण। सेसेहि बीयदिवसे लद्धाओ पढमभिक्खाओ ॥३०॥ उसभस्स पढमभिक्खा खोयरसो आसि लोगणाहस्स। सेसाणं परमण्णं अमियरसरसोवमं आसि ॥ ३१ ॥ सव्वेसिं पि जिणाणं जहियं लद्धाउ पढमभिक्खाउ। तहियं वसुधाराओ सरीरमेत्तीओ वुट्ठाओ ॥ ३२ ॥ १७१ ॥ एएसिं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं चेइयरुक्खा होत्था, तं०—णग्गोह सत्तिवण्णे साले पियए पियंगु छत्ताहे। सिरिसे य णागरुक्खे माली य पिलंक्खुरुक्खे य ॥३३॥ तिंदुग पाडल जंबू आसत्थे खलु तहेव दहिवण्णे। णंदीरुक्खे तिलए अंबयरुक्खे असोगे य ॥३४॥ चंपय बउले य तहा वेडसरुक्खे

धायईरुक्खे । साले य वद्धमाणस्स चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३५ ॥ बत्तीसं धणु-याई चेइयरुक्खो य वद्धमाणस्स । णिच्चोउगो असोगो ओच्छण्णो सालरुक्खेणं ॥ ३६ ॥ तिण्णे व गाउआइं चेइयरुक्खो जिणस्स उसभस्स । सेसाणं पुण रुक्खा सरीरओ बारसगुणा उ ॥ ३७ ॥ सच्छत्ता सपडागा सवेइया तोरणेहिं उववेया । सुरअसुरगरुलमहिया चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३८ ॥ १७२ ॥ एएसिं चउवीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पढमसीसा होत्था, तं जहा–पढमेत्थ उसभसेणे बीइए पुण होइ सीहसेणे य । चारू य वज्जणाभे चमरे तह सुव्वय विदब्भे ॥ ३९ ॥ दिण्णे य वराहे पुण आणंदे गोथुभे सुहम्मे य । मंदर जसे अरिट्ठे चक्काह सयंभु कुंभे य ॥ ४० ॥ इंदे कुंभे य सुभे वरदत्ते दिण्ण इंदभूई य । उदितोदितकुलवंसा विसुद्ध-वंसा गुणेहि उववेया । तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सा जिणवराणं ॥ ४१ ॥१७३॥ एएसि णं चउवीसाए तित्थयराणं चउवीसं पढमसिस्सिणी होत्था, तं जहा–बंभी य फग्गु सामा अजिया कासवी रई सोमा । सुमणा वारुणि सुलसा धारणि धरणि य धरणिधरा ॥ ४२ ॥ पउमा सिवा सुयी तह अंजुया भावियप्पा य रक्खी य । बंधु-वई पुप्फवई अज्जा अमिला य अहिया य ॥ ४३ ॥ जक्खिणी पुप्फचूला य चंदणऽज्जा य आहियाउ । उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया । तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सी जिणवराणं ॥ ४४ ॥ १७४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारह चक्कवट्टिपियरो होत्था, तं जहा–उसभे सुमित्ते विजए समुद्दविजए य आससेणे य । विस्ससेणे य सूरे सुदंसणे कत्तवीरिए चेव ॥ ४५ ॥ पउमुत्तरे महाहरी विजए राया तहेव य । बंभे बारसमे उत्ते पिउ-णामा चक्कवट्टीणं ॥ ४६ ॥ १७५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओस-प्पिणीए बारस चक्कवट्टिमायरो होत्था, तं जहा–सुमंगला जसवई भद्दा सहदेवी अइरा सिरिदेवी । तारा जाला (जाला तारा) मेरा वप्पा चुल्लणि अपच्छिमा ॥ १७६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारस चक्कवट्टी होत्था, तं जहा—भरहो सगरो मघवं [सणंकुमारो य रायसद्दूलो । संती कुंथू य अरो हवइ सुभूमो य कोरव्वो ॥ ४७ ॥ णवमो य महापउमो हरिसेणो चेव राय-सद्दूलो । जयणामो य णरवई, बारसमो बंभदत्तो य ॥ ४८ ॥] एएसिं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस इत्थिरयणा होत्था, तं जहा—पढमा होइ सुभद्दा भद्द सुणंदा जया य विजया य । किण्हसिरी सूरसिरी पउमसिरी वसुंधरा देवी ॥ ४९ ॥ लच्छि-मई कुरुमई इत्थिरयणाण णामाइं ॥ १७७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे

ओसप्पिणीए णवबलदेवणववासुदेवपियरो होत्था, तं जहा—पयावई य बंभो [सोमो रुद्दो सिवो महसिवो य। अग्गिसिहो य दसरहो णवमो भणिओ य वसुदेवो ॥५०॥] जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव वासुदेवमायरो होत्था, तं जहा—मियावई उमा चेव पुहवी सीया य अम्मया। लच्छिमई सेसमई केकई देवई तहा ॥ ५१ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णवबलदेव-मायरो होत्था, तं जहा—भद्दा तह सुभद्दा य सुप्पभा य सुदंसणा। विजया वेज-यंती य जयंती अपराजिया ॥ ५२ ॥ णवमीया रोहिणी य बलदेवाण मायरो ॥ १७८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव दसारमंडला होत्था, तं जहा—उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी वचंसी जसंसी छायंसी कंता सोमा सुभगा पियदंसणा सुरूवा सुहसीलसुहाभिगमसव्व-जणणयणकंता ओहबला अइबला महाबला अणिहया अपराइया सत्तुमद्दणा रिपु-सहस्समाणमहणा साणुक्कोसा अमच्छरा अचवला अचंडा मियमंजुलपलावहसिय-गंभीरमधुरपडिपुण्णसच्चवयणा अब्भुवगयवच्छला सरण्णा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणपमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगा ससिसोमागारकंतपियदंसणा अमरि-सणा पयंडदंडप्पयारा(र)गंभीरदर(रि)सणिज्जा तालद्धओव्विद्धगरुलकेऊ महाधणु-विकड्ढया महासत्तसायरा दुद्धरा धणुद्धरा धीरपुरिसा जुद्धकित्तिपुरिसा विउलकुल समुब्भवा महारयणविहाडगा अद्धभरहसामी सोमा रायकुलवंसतिलया अजिया अजियरहा हलमुसलकणगपाणी संखचक्कगयसत्तिणंदगधरा पवरुज्जलसुकंतविमल-गोत्थुभतिरीडधारी कुंडलउज्जोइयाणणा पुंडरीयणयणा एकावलिकंठलइयवच्छा सिरि-वच्छसुलंछणा वरजसा सव्वोउयसुरभिकुसुमरचितपलंबसोभंतकंतविकसंतविचित्तवर-मालरइयवच्छा अट्ठसयविभत्तलक्खणपसत्थसुंदरविरइयंगमंगा मत्तगयवरिंदललिय-विक्कमविलसियगई सारयणवथणियमहुरगंभीरकुंचणिग्घोसदुंदुभिसरा कडिसुत्तग-णीलपीयकोसेज्जवाससा पवरदित्ततेया णरसीहा णरवई णरिंदा णरवसहा मरुयवसभ-कप्पा अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणा णीलगपीयगवसणा दुवे-दुवे रामकेसवा भायरो होत्था, तं जहा—तिविट्ठू जाव कण्हे अयले जाव रामे यावि अपच्छिमे ॥५३॥१७९॥ एएसि णं णवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया णव णामधेज्जा होत्था, तं० विस्सभूई पव्वयए धणदत्त समुद्दत्त इसिवाले। पियमित्त ललियमित्ते पुणव्वसू गंगदत्ते य ॥ ५४ ॥ एयाइं णामाइं पुव्वभवे आसि वासुदेवाणं। एत्तो बलदेवाणं

जहक्कमं कित्तइस्सामि ॥ ५५ ॥ विसणंदी य सुबंधू सागरदत्ते असोगललिए य । वाराह धम्मसेणे अपराइय रायललिए य ॥ ५६ ॥ १८० ॥ एएसिं णवण्हं बलदेव-वासुदेवाणं पुव्वभविया णव धम्मायरिया होत्था, तं०—संभूय सुभद्द सुदंसणे य सेयंसे कण्ह गंगदत्ते य । सागरसमुद्दणामे दुमसेणे य णवमए ॥५७॥ एए धम्मायरिया कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं । पुव्वभवे एयासिं जत्थ णियाणाइं कासी य ॥ ५८ ॥ १८१ ॥ एएसिं णवण्हं वासुदेवाणं पुव्वभवे णव णियाणभूमिओ होत्था, तं०–महुरा य० हत्थिणापुरं च ॥ ५९ ॥ १८२ ॥ एएसि णं णवण्हं वासुदेवाणं णव णियाणकारणा होत्था, तं०—गावी जुवे जाव माउया इय ॥ ६० ॥ १८३ ॥ एएसिं णवण्हं वासुदेवाणं णव पडिसत्तू होत्था, तं०—अस्सग्गीवे जाव जरासंधे ॥ ६१ ॥ एए खलु पडिसत्तू जाव सचक्केहिं ॥ ६२ ॥ एक्को य सत्तमीए पंच य छट्ठीए पंचमी एक्को । एक्को य चउत्थीए कण्हो पुण तच्चपुढवीए ॥६३॥ अणियाणकडा रामा [सव्वे वि य केसवा णियाणकडा ।] उड्ढंगामी रामा केसव सव्वे अहोगामी ॥ ६४ ॥] अट्ठंतकडा रामा एगो पुण बंभलोयकप्पम्मि । एक्का से गब्भवसही सिज्झिस्सइ आगमिस्सेणं ॥ ६५ ॥ १८४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउव्वीसं तित्थयरा होत्था, तं०–चंदाणणं सुचंदं अग्गीसेणं च णंदिसेणं च । इसिदिण्णं वय हारिं वंदिमो सोमचंदं च ॥६६॥ वंदामि जुत्तिसेणं अजियसेणं तहेव सिवसेणं । बुद्धं च देवसम्मं सययं णिक्खित्तसत्थं च ॥ ६७ ॥ असंजलं जिणवसहं वंदे य अणंतयं अमियणाणिं । उवसंतं च धुयरयं वंदे खलु गुत्तिसेणं च ॥ ६८ ॥ अइपासं च सुपासं देवेसरवंदियं च मरुदेवं । णिव्वाणगयं च ध(व)रं खीणदुहं सामकोट्ठं च॥६९॥जियरागमग्गिसेणं वंदे खीणरायमग्गिउत्तं च । वोक्कसियपिज्जदोसं वारिसेणं गयं सिद्धिं ॥ ७० ॥ १८५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए भारहे वासे सत्त कुलगरा भविस्संति, तं०–मियवाहणे सुभूमे य सुप्पभे य सयंपभे । दत्ते सुहुमे सुबंधू य आगमिस्साण होक्खइ ॥७१॥ ॥ १८६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए एरवए वासे दस कुलगरा भविस्संति, तं०–विमलवाहणे सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे दढधणू दसधणू सयधणू पडिसूई सुमइ त्ति ॥ १८७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउवीसं तित्थयरा भविस्संति, तं०–महापउमे सूरदेवे, सुपासे य सयंपभे । सव्वाणुभूई अरहा, देवस्सुए य होक्खइ ॥ ७२ ॥ उदए

पेढालपुत्ते य, पोट्टिले सत (त्त) कित्ति य। मुणिसुव्वए य अरहा, सव्वभावविऊ जिणे ॥ ७३ ॥ अममे णिक्कसाए य, णिप्पुलाए य णिम्ममे। चित्तउत्ते समाही य, आगमिस्सेण होक्खइ ॥७४॥ संवरे (जसोहरे) अणियट्टी य, विजए विमले इय। देवोववाए अरहा, अणंतविजए इय ॥ ७५ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, भरहे वासम्मि केवली। आगमिस्सेण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ७६ ॥ १८८ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं पुव्वभविया चउव्वीसं णामधेज्जा भविस्संति, तं०—सेणिय सुपास उदए पोट्टिल्ल अणगार तह दढाऊ य। कत्तिय संखे य तहा णंद सुणंदे य सयए य ॥ ७७ ॥ बोद्धव्वा देवई य सच्चइ तह वासुदेव बलदेवे। रोहिणि सुलसा चेव तत्तो खलु रेवई चेव ॥ ७८ ॥ तत्तो हवइ सयाली बोद्धव्वे खलु तहा भयाली य। दीवायणे य कण्हे तत्तो खलु णारए चेव ॥ ७९ ॥ अंबड दारुमडे य साई बुद्धे य होइ बोद्धव्वे। भावीतित्थयराणं णामाइं पुव्वभवियाइं ॥ ८० ॥ १८९ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पियरो भविस्संति, चउव्वीसं मायरो भविस्संति, चउव्वीसं पढमसीसा भविस्संति, चउव्वीसं पढमसिस्सणीओ भविस्संति, चउव्वीसं पढमभिक्खादायगा भविस्संति, चउव्वीसं चेइयरुक्खा भविस्संति ॥ १९० ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, तं०—भरहे य दीहदंते गूढदंते य सुद्धदंते य। सिरिउत्ते सिरिभूई सिरिसोमे य सत्तमे ॥ ८१ ॥ पउमे य महापउमे विमलवाहणे विपुलवाहणे चेव। वरिट्ठे बारसमे वुत्ते आगमिसा भरहाहिवा ॥८२॥ एएसि णं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस पियरो भविस्संति, बारस मायरो भविस्संति बारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ १९१ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए णव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं०—उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी एवं सो चेव वण्णओ भाणियव्वो जाव णीलगपीतगवसणा दुवे-दुवे राम-केसवा भायरो भविस्संति, तं जहा—णंदे य णंदमित्ते दीहबाहू तहा महाबाहू। अइबले महाबले बलभद्दे य सत्तमे ॥ ८३ ॥ दुविट्ठू य तिविट्ठू य आगमिस्साण वण्हिणो। जयंते विजए भद्दे सुप्पभे य सुदंसणे। आणंदे णंदणे पउमे संकरिसणे य अपच्छिमे ॥ ८४ ॥ १९२ ॥ एएसि णं णवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया णव णामधेज्जा भविस्संति, णव धम्माय-

रिया भविस्संति, णव णियाणभूमीओ भविस्संति, णव णियाणकारणा भविस्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, तं जहा–तिलए य लोहजंघे वइरजंघे य केसरी पहराए। अपराइए य भीमे महाभीमे य सुग्गीवे ॥ ८५ ॥ एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं। सव्वे वि चक्कजोही हम्मिहिंति सचक्केहिं ॥ ८६ ॥ १९३ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउव्वीसं तित्थयरा भविस्संति, तं जहा—सुमंगले य सिद्धत्थे, णिव्वाणे य महाजसे। धम्मज्झए य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८७ ॥ सिरिचंदे पुप्फकेऊ, महाचंदे य केवली। सुयसायरे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८८ ॥ सिद्धत्थे पुण्णघोसे य, महाघोसे य केवली। सच्चसेणे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८९ ॥ सूरसेणे य अरहा, महासेणे य केवली। सव्वाणंदे य अरहा, देवउत्ते य होक्खइ ॥ ९० ॥ सुपासे सुव्वए अरहा, अरहे य सुकोसले। अरहा अणंतविजए, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ९१ ॥ विमले उत्तरे अरहा, अरहा य महाबले। देवाणंदे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ९२ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, एरवयंमि केवली। आगमिस्साण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ९३ ॥ १९४ ॥ बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिपियरो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिमायरो भविस्संति, बारस इत्थीरयणा भविस्संति। णव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं जहा–उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा जाव दुवे-दुवे रामकेसवा भायरो भविस्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, णव पुव्वभवणामधेज्जा, णव धम्मायरिया, णव णियाणभूमीओ, णव णियाणकारणा, आयाए एरवए आगमिस्साए भाणियव्वा। एवं दोसु वि आगमिस्साए भाणियव्वा ॥ १९५ ॥ इच्चेयं एवमाहिज्जंति, तं जहा–कुलगरवंसेइ य एवं तित्थयरवंसेइ य चक्कवट्टिवंसेइ य दसारवंसेइ य गणधरवंसेइ य इसिवंसेइ य जइवंसेइ य मुणिवंसेइ य। सुएइ वा सुअंगेइ वा सुयसमासेइ वा सुयखंधेइ वा समवाएइ वा संखेइ वा सम्मत्तमंगमक्खायं अज्झयणं त्ति बेमि ॥ १९६॥

॥ स यं चउत्थमंगं समत्तं ॥